# He Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORIT

स• 6]

नई बिल्लो, शिंबार, फरवरीं 8,1986 ( माघ 19, 1907)

No. 61

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 8, 1986 (MAGHA 19, 1907)

इस भाग में भिन्न पृथ्क संस्था दी **काती है किससे कि यह** अक्षत संज्ञलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# भाग III—बन्द 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालय द्वारा आरी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

संव ए-32014/1/85-प्रणा०-III---राष्ट्रपति द्वारा संघ लो ह सेवा झायोग के केव्सव सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री सी० एल० भट्ट को 16 विसम्बर 1985 से 45 विन के लिए झनुभाग प्रधिकारी के पद पर ठदर्य श्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/85-प्रणा० III—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग के के०स० सेवा संवर्ग के निम्नलिखित नियमित अनुभाग अधिकारियों को उनमें से प्रस्येक के सामने निर्विष्ट अविधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक जो भी पहले हो डेस्ट अधिकारी के पद पर तवर्थ आधार पर स्थानापन क्य में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

करुसं० नाम	तदर्थं नि	पुक्सि की प्रविध
1. श्री अ। र०पी० सरोज	17-12-85 €	31-12-85 বক
2. यमपाल डबास	3-12-85 से	31-12-85 तक
<ol> <li>ग्रदिक कुम।र</li> </ol>		31-12-85 বক
4. राजिन्दर <b>सिंह</b>	3-12-85 रो	16-12-85 青年

2. उन्तर सभी व्यक्तियों को कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का०शा० सं 12/1/74-सी० एस० (1) विनांक 11-12-75 की णतीं के अनुसार रु० 75/- प्रति माह विशेष वेतन मिलेगा।

एम० पी० जैन ग्रवर सचिव (का०प्रका०) संघ लोक सेवां ग्रायोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोकशिकायत तथा पेंशन संत्रालय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली 110003 — दिसम्बर

सं० 3/1/86-प्रशा० 5—र व्हि.ति, श्री एम० डी० शर्मा, भा०पु० सेवा (म० प्र०: 1962) को दिनांक 13 जनवरी, 1986 पूर्वास से अगले बादेश होने तह, प्रति-नियुक्तिः पर, केन्द्रीय अन्वेषण न्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में, पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 14 जनवरी 1986

सं० बी-64/66-प्रणा० 5—िनवर्तन होने पर श्री बी० एम० पाटिल, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, म० प० स्कंध, बम्बई ने 31 दिसम्बर, 1985 प्रप्रसाह, से पुलिस प्रधीक्षक, के०प० ब्यूरो के पद ना नार्यभार त्याग दिया।

सं० के-13/74-प्रणा० 5----पंजाब पुलिस से के०म० ब्यूरो में प्रितियुक्ति पर आए हुए श्री फे० के० णर्मा, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 1-4-1985 से 26-10-1985 तक की छुट्टी की सम प्ति पर दिनांक 28-10-1985 पूर्वाह्म से, पंजाब सरकार के आदेश सं० 8028-बी एच० दिनांक 15-10-85 के अनुसार, आसूचना कार्यालय, नई दिल्ली को सींप दी गई।

## दिनांक 17 जनवरी 1986

सं० ए-19036/22/79-प्रशा० 5---विशेष प्रन्वेषण दल (गृह मंत्रालय) से प्रत्यावर्तन होने पर श्रीवी० एम० पंडित, पुलिस उपाधीक्षक, के० घ० ब्यूरो ने 1 जनवरी, 1986 पूर्वाह्म को के० घ० ब्यूरो में, उसी पद पर, वार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए-20023/8/83-प्रधा०-5---राष्ट्रपति, श्री एस० के० बंगर, को दिनांक 1-1-86 (पूर्वाह्म) से, रु० 900-1400/-- के बेतनमान में, विष्ठ लोग ध्रिभियोजव, केन्द्रीय धन्त्रेषण ब्यूरो (श्रेणी-"क"-राजपद्मित) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> भार० एस० नागपास प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

## गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1986

सं० 3/21/82-प्रका०-1—सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप प० बंगाल संवर्ग के श्री जे०पी० तरफदार धाई०पी०एस० जो केन्द्रीय गुष्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद में प्रधानाचार्य के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे, ने प्रधानाचार्य, केन्द्रीय गुष्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद के पद से दिनांक 31 दिसम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से ग्रपना कार्यभार सौंप दिया है।

> एस० के० महिलक महानिवेशक

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांवः 9 जनवरी 1986

सं शो बो विशेष २००० १/८ इन्स्यापना महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा॰ (श्रीमती) ज्योतिरमयी लाहोन को दिनांक 7-12-85 पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कृतिष्ट चिकित्या श्रिधिकारी के पद पर केवल तीन माह के लिए अथवा उप पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से श्री भी पहले हो उस तारीख तक तदर्थ कर्भ में नियुक्त वियमित

सं श्री-वो-2010/85-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डा० डब्ल्यू यावन राव को दिनांक 5-11-85 पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं भो-धो-2042/85-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० वैकाटेस वरलू को 17 विसम्बर 1985 पूर्वीह्न से तीन माह प्रथवा उस पद पर नियमित निपुक्ति होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्ता अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० श्रो-दो-2045/85-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिसर्व पुलिस बल ने डा० के० सीतारामाराजू को दिनांक 16-1185 (पूर्वाह्म) से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस नारीख नक कनिष्ट चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ कर से सहर्ष नियुक्ति किया है।

सं० भी-वो-1764/82-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल ने डा० बी०पी० हजारिका को दिनांक 5-12-1985 पूर्वाह्म से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर केबल तीन माह के लिए ग्रयबा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक तबर्य रूप में नियुक्त किया है।

## दिनांक 10 जनवरी 1986

मं० ग्री-पो-1794/83-स्थापना—-राष्ट्रपति जी ने किन्छ चिकित्सा अधिकारी (जनरून ड्यूटी श्राफिसर ग्रेडII) डा० विनोद गंकर दूबे 37 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिन बल, को केन्द्रीय सिविल सेवा (श्रस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के श्रनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ती पर दिनांक 18 नवस्वर 1985 अपराह्म से कायमुक्त कर दिया है।

सं० ग्रो०दो० 2012/85-स्थायना---महानिदेश ह, के० रि० पु० बल ने डा० प्रमोद कुमार माथुए को दिनान 8-11-85 (पूर्वाह्म) से के० रि० पु० बल में कृनिष्ट विकिरसा ग्रिधकारी के पद पर केवल 3 माह या उस पद पर नियमित नियुक्ति होने सक इनमें से जो भी पहले हो, उन्न तर्ष छक तर्ष रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

#### दिनांक 13 जनवरी 1986

सं० ग्रो-दो-1260/75-स्थापना-1 (के०रि०पु०वल)— सीमेन्ट कारपोरेणन श्राफ इण्डिया लिमि० में स्थायी नियुक्ति होने के फलस्वरूप राष्ट्रपति ने श्री मुरलीधरन, पुलिस उपा-धीक्षक के०रि०पु० बल का स्थाग पत्र विनांक 1 ग्रक्तूबर 1985 (पूर्वाह्म) से नकनीकी श्राधार पर स्वीनार कर दिया है। इस श्रिधकारी का लियन के०रि०पु० बल, पुलिस उपाधीक्षक पद से उपरोक्त तिथि ग्रथिन 1 ग्रक्तूबर 1985 (पूर्वाह्म) से समाप्त किया जाता है।

#### दिनांक 16 जनवरी 1986

सं ओ-बो-2046/85-स्थापना महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० वी०पी० नारंग को दिनांक 22-1-85 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में केंवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें मे जो भी पहले हो उस तारीख तक तदर्थ रूप से महर्ष नियुक्त किया है।

भगोक राज महीपित सहायक निवेशक (स्थापना)

# महानिवेशालय केन्द्रीय ओद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1986

मं ६ ६-16013(1)/18/84-कार्मिक-1----राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरी के निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री एस०के० शर्मा, भा०पु०स० (राज-स्थान: 1958) ने 6 जावरी, 1986 (पूर्वाह्न) में महानिरीक्षक (मुक्तालय), के०ओ०सु०ब०, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिना है।

ह० श्रप**ठनी**य महानिदेशक

वित्त मंत्रालय (श्रार्थिक कार्य विभाग) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नामिक रोड, दिनोक 11 जनवरी 1986

सं० 681/क ---िम्न ह्स्ताक्षरो, श्री एम०जी० मालेकर, स्थानापन्न मुद्रांक पूर्ति ग्रधिकारी, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड को उसी पद पर दिनांक 26/11/1984 से मूलक्षमता के रूप में नियुक्त करते हैं।

पा॰सु॰ णिवराम महा प्रबंधक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय बैंकं नोट मुद्रणालय, देघास दिनांक 4 जनवरी 1986

एफ० कमाक बो एन पा/सी/5/85---श्री जी० आर.०ठाकुर तदर्थ तकनीकी श्रिष्ठकारी (स्पाही कारखाना) बेतन कपये 650-1200 (राजपितत-समूह "ख") को दिनांक 31-12-85 (श्रपराह्म) से पये 550-800 के वेतनमान में उप तकनीकी श्रिष्ठकारी (स्याही कारखाना) (समूह "ग") के पद पर प्रत्यावर्तित (रिष्टं) किया जाता है।

> मु० वै० चार महाप्रबन्धक

# भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली दिनांक 8 जनवरी 1986

सं० 1-वा०ले०प०-1/82-73—महालेखाकार (लेखा-परीक्षा), परिचम बंगाल, कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री एस० सी० बोस लेखापरीक्षा श्रधिकारी (वा०) श्रपनी श्रधिवर्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनाक 31-10-1985 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

#### दितांक 16 जनवरी 1986

सं० 3-बा०ले०प०/192-69--सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्वेन निदेशक वाणिष्यिक लेखापरीक्षा, निर्देशक वाणिष्यिक लेखापरीक्षा, निर्देशक कार्यालय में कार्यरक्ष श्री के० के० सूद, लेखापरीक्षा प्रधिक्तारी (बा०) ध्रपनी प्रधिविद्या श्रीयु प्राप्त करने पर्रिवाक 31-12-85 (श्रवराह्म) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> के०पी० लक्षमण राष्ट्र महायक नियंत्रक---महालेखापरीक्षक (था०)

कार्यालय निदेणक लेखा परीक्षा बाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवर्ग 1986

सं० प्रशासन-111/16--निदेशक लेखा परीक्षा, जाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध, नई दिल्ली, इस कार्यालय के िन्निलिखित ग्रस्य ई लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों को द० 840-1200 के वेतनमान में उनके सामने दर्शायी गई तिथियों से लेखा परीक्षा प्रधिकारी के स्थाई पद पर नियुक्त करते हैं।

#### सर्वश्री

- 1. पी०एन० बहुल--- 1-11-1985
- 2. जे०एल० देव---1-12-1985
- 3 जि॰एल॰ भुटानी---1-12-1985

ह० **अयठनीप** उप निदेशक (प्र०)

# कार्यालय महालेखाकार (लेखा)-1, बिहार रांची-2 दिनांक 8 जनवरी 1986

ज्ञाप सं० प्र०प्रो०-2310---महालेखाकार (लेखा)-1 बिहार, रांची ने श्री बैद्यनाथ दक्त जो इस कार्यालय में एक स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी हैं, को लेखा श्रधिकारी के पद पर दिनांक 15-7-85 के पूर्वाह्स से श्रगला श्रादेश देने 'तक वेतनमान ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में प्राफोर्मा पदोन्नति की है।

श्री बी॰एन॰ दत्ता की प्राफोर्मा पदोन्नति जो दिनांक 22-4-85 (पूत्रिल्ल) की दिया गया था, उससे संबंधित श्रीत्रमुबना संख्या-प्रशा०/प्री०/717 से 718 दिनांक 12-6-85 की रद्द समझा जाए।

> पी० सेनगुष्ता वंख्यि उप-महालेखाकार (प्रशासन)

# कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) जम्मू व कार्यार, श्रीनगर, दिनांक 3 जनवरी 1986 कार्यालय श्रादेश

ां प्रशास - 1/ने आपरीक्षा 96-ए--- महालेखाकार जम्मू ख काश्मीर ने निमालिखित अनुभाग अधिकारियों के: 650-30-740-35-880-दं रो०-40-1040 हुएये के बेतनमान में स्थानापन्न धारिता में 3-1-1986 (पू०आ०) से सहायक ने आपरीक्षा अधिकारियों (वर्ग ख--राजपतित) के रूप में सहर्ष नियुक्त किया है। उनकी परस्पर परिष्ठता अलग से नियत की जायेगी।

फ्रमांक नाम	जन्म तिथि
सर्व/श्री	
1. जनक सिंह	7-1-1942
2. जवाहर लाल खर	21-2-1941
3. नना जी पंडित	7-8-1948
4. श्रशोक कुमार मल्ला	1-5-1948
<ol> <li>भ्रजोध्या नाथ जुर्लाः</li> </ol>	25-6-1947
6. जितेन्द्र कुमार <b>खन्ना</b>	26-9-1947
7 भिवन <i>ृ</i> ष्ण खैबरू	30-5-1952
8 जसवन्त सिंह सासो <b>न</b>	12-5-1944
9 तेज कृष्ण भान	21-2-1950
10 नसीब सिंह समयाल	10-3-1944

1	2	3
11 शिवन	न लाल पारिम्	3-4-1949
12. <b>उ</b> त्पा	ल मर्मा	5-5-1948
13. বজা	गर राम डोगरा (ग्रनु०जा०)	20-3-1943

पदोन्नत कर्मचारी भारत सरकार कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ०(1)/80-स्था०पी०ग्राई० दिनांक 26-9-1981 के श्रनुसार प्रोन्नति की तिथि से एक महोने के श्रन्दर ग्रंपने विकल्प का प्रयोग कर सकते हैं कि या वे ग्रंपना वेतन सीधे रूप से एफ ग्रार 22(सी) के अंतर्गत 650-1040 रुपये के वेतनमान में नियत करवालें श्रथवा पहले एफ०ग्रार० 22(ए)(1) के अंतर्गत नियत करवालें ग्रथवा पहले एफ०ग्रार० 22(ए)(1) के अंतर्गत नियत करवालें ग्रंपना के ग्रंपने पर एफ०ग्रार० 22(सी) के अंतर्गत पुनिर्मंत किया जा सकता है।

बलविन्दर सिंह उप महालेखाकार (प्र०)

# कोर्यालय महा**लखा**कार-1 महाराष्ट्र लेखा वाहक

बम्बई, दिर्माक 13 जनवरी 1986

सं० प्रशासन-1/सामान्य/31-खण्ड-III/ सी-1(1)/2--- श्री पी०एन० केसवानी, स्यानापन्न लेखा श्रीधकारी को उनके श्रपने निवेदन पर 9-12-1985 ग्रपराह्म से अनुभाग अधि-कारी पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

म० ५० रान्डे प्रमुख महालेखाकार

# कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा), राजस्थाम जयपुर, दिलांक 14 जनवरी 1986

ऋम सं०	नाम	पदोन्नति की तिथि
सर्षे श्री		
1. वीं ० सी०	ही रानन्दानी	26-12-1985
2. नरेन्द्र कु	मार कपूर	30 12 1985
3. यशवन्त	राम सक्सेना	26-12-1985
4. फतेह चन	द ग्रग्रवाल	30-12-1985
5. मुलसी र	ाम गुप्ता	26-12-1985
6. रनजीत <sup>र्</sup>	कुमार बनर्जी	26-12-1985

सं० प्रणासन 1 (ले॰प०) /पी-13044/1763--महालेखा-कार (लेखा परीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित अनुमाग अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखा परिक्षा अधिकारी (ग्रुप की राजपतित) के पदों पर, जिसका वेतनमान रु० 650 30-74-35-330-४० ग्रुप-40-1040 है, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट निष्यों से आगामी आदेशों तक के लिये सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ऋ०सं० नाम	पदोन्नति की तिथि
सर्व/श्री	
1. सुरेन्द्र कुमार जर्मा	31121985
2 नारायण दत्त सर्मा	30 - 12 - 1985
3. माखन सिंह (% ० जा०)	27-12-1985

भ्रमिताभ मुखोताध्याक उप महालेखाकार (प्रशासन)

सहालेखाकार का कायलिय, उत्तर प्रवेण इलाहाबाद, विनाक 13 जनवरी 1986

सं ए० **जी .** (ले॰पं०) ग्रिया । / 13-7/2202 - निम्त-लिखित स्थायी **लेखा परीक्षा घधिकारी निवर्त**न की श्रायु प्राप्त कर 31-12-85 (श्रपुराक्ष) से सरकारी मेबा से िबुक्त हो गर्मे हैं।

सर्घ श्री

- (1) जी को के श्रीवास्तव, कायाजिक महालेखाकार (लेव पव) I उव्यव, इलाहाबाद।
- (2) नरेन्द्र नाथ तिवारी, कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) II उ०प्र०, इला०।
- (3) भगवान सहाय, कार्यालय महालेखाकार (लेजाज) 1 उज्जल, इलाहाबाद।
- (4) गोकरन नाथ कार्मालय महालेखाकार (लेज्य०) II उ०प्र०, इला०।

सं ए जी (ले जिल्) [|प्रणाल|13 - 7|2202- निमालि-जित कार्यवाहक लेजा-स्रीका ग्राधिकारियों को उनके साम के श्रामे उत्तिक्जित निथियों से स्थायी खेजा-क्रीका श्रीप्रकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

सर्व/श्री	,
1 बी <b>ं</b> एम <b>ं भग्रवा</b> ल	1-8-1985
<ol> <li>श्री राम दूवे</li> </ol>	1-11-1985
<ol> <li>जी०पी० पांडे</li> </ol>	1-12-1985
4. एच०के० <b>चतु</b> र्वेक्षी	1-12-1985

बी०के० **चट्टोपाठ्याय, व**रिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

#### रक्षा मंत्रालय

# भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिशांक 14 जावरी 1986

सं० 3/जी/86—-वार्धन्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री पी० भी० जास्त्रारिया, स्थानापन्त कर्मणाला प्रबन्धक दिनांक 30 जून 1984/अंपराह्न में मेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता उपमहानिदेशक,/स्थापना

#### श्रम मंत्रालयं

मुख्य अमायुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय गई दिस्ली, दिशांक 13 जभवरी 1986

सं प्रकार I/4 (5)/85 (1)—स्यानांतरण होने पर श्री छो । पी वौहान ने 18-3-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तक अधिकारी (केन्द्रीय) अजमेर का कार्यभार छोड़ दिया और 19-3-85 (पूर्वाह्म) में उसी हैसियत से प्रहमदाबाद में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रशा० 1/4 (5)/85 (2) — स्थानांतरण होने पर श्री एच० बी० सुहजनी ने 20—4—85 [(प्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अक्षिकारी (के०) गिरिदीह का कार्यभार छोड़ दिया और 23—4—85 (अपराह्म) को उसी हैसियत से धनबाद में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणा० 1/4 (5)/85— (3)—स्थानांतरण होने पर श्री बी० आर० मंडल ने 23—4—85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तमः अधिकारी.. (के०), धनबाद का कार्यभार छोड़ दिय और 9—5—85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से गिरिदीह में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रवार I/4(5)/85(4)—स्थानंत ए होने दर श्री के० एस० सगू ने 1-5-85 (अनराह्म) को श्रम अवतंत अधिकारी (के०) कार्यालय गुडूर का कार्यभार छोड़ दिया प्रार 3-5-85 (अपराह्म) को उसी हैसियत में बड़ौदा में कार्यभार संभाल लिया ।

सं प्रशा वि. I/4 (5)/85—स्थानान्तरण होने पर श्री जीव सीव श्रीवास्तव ने 25-5-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केव), उदयपुर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 1-6-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियन से कार्यभार संभाव विस्ता ।

सं० प्र० 1/4(5)/85(6)—स्थानांतरण होने पर श्री कें वें अहलूबालिया ने 26-5-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें ) चिरीमिरी कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया प्रौर 31-5-85 (पूर्वाह्म) को उसी से हैसियन बरेली में कार्यभार सभाल लिया ।

मं० प्रशा० 1/4 (5)/85 (7)—स्थातांतरण होंने पर श्री मनोहर लाल ते 18-5-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), देहरादून कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 29-5-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियन सं दिल्ली—III का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणा० I/4(5)/85(8)—रथाः तत्र एण होने पर श्री आई० जे० एस० भाटिया ने 29-5-85 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), विल्ली— का कार्यभाग छोड़ दिया श्रीर 29-5-85 (पूर्वाह्न) को उसी है सियत में दिल्ली—II का कार्यभार संभाल लिया ।

मं० प्रणा० I/4 (5)/85 (9)—स्थानांतरण होने पर श्री एस० भट्टाचारजी ने 20-5-85 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन

अधिकारी (के०), रायपुर कार्यालय का कार्यभार छोंड़ दिया भौर 21-5-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत मे नागपुर में कार्यभार मंभाल लिया ।

सं० प्रणा० I/4 (5)/85— (10)— मुख्य श्रमायुक्त (के०) द्वारा इस संगठन में अस्थायी तौर परश्रम प्रवर्तन निध-कारी (के०) के रूप में ियुका छिए जाने पंरभी राम खिलाड़ी मीना ने 25—5—85 (पूर्वाह्म) में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) अजमेर कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणा० I/4 (5)/85— (11)— स्थापांतरण होने पर श्री एम० धर्मराज ने 22—5—85 (अपेराह्न) को श्रम प्रवर्ता अधिकारी (वें०) हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 24—5—85 (अपराह्न) को उसी हैसियत से गुडूर में कार्यभार संभाल लिया ।

मं० प्रशा० I/4(5)/85(12)—स्थानांतरेण होने पर श्री एस० बी० चौधरी ने 31-5-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०), बम्बई कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 7-6-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से कलकत्ता में कार्यभार संभाल लिया ।

सं प्रण I (/45)/85 (13)—स्थानांतरण होने पर श्री एन० रामचन्द्रन ने 31-5-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), मदुरई कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ग्रांट 1-6-85 (पूर्वाह्म) से उसी हैमियत में मद्रास में कार्यभार संभाव लिया ।

सं० प्रसा० I/4(5)/85(14)—स्थातंतरण होते पर श्री एत० सी० नारंगी ने 31-5-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) भुक्तेश्वर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 24-6-85 (पूर्वाह्म) में उसी हैसियत में कटरागढ़ में कार्यभार संभाव किया ।

सं० प्रसा० I/4(5)/85(15)—जहायक श्रमायुक्त (के०) के पद पर पदोन्नत फिए जाने पर श्री जार० बी० बीलूर ने 3-6-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०) पोंडा का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० प्रणा० :/4 (5)/85 (16)---स्थानांतरण होने पर श्री आर० एस० कोटागंले ने 4-6-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) छिन्दबाड़ा का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर 18-6-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियतं से कोडेरमा में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रशा० 1/4 (5)/85 (17)—स्थानांधरण होने पर श्री एम० दिवाकरत ने 10-6-85 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तंध अधिकारी (के०) हुबली कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया भ्रौर 17-6-85 (अपराह्म) को उसी हैसियद में एरनाकुलम में कार्यभार संभाल लिया ।

मं० प्रशाः 1/4 (5)/85 (18)—स्थानांतरण होने पर श्री बी० एफ० आई० अब्दुल जलीद ने 7-6-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) चित्रदुर्गे कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 8-6-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से गुलबर्गा में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणां 1/4 (5)/85 (19)—स्थामांतरण होते पर श्री एमं० एमं० अथिसाया कुमार ने 21-5-85 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) भागपुर धार्यालय का कार्यमार छोड़ दिया ग्रांग 5-6-85 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत सं बंगलीर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० 1/4 (5)/85 (20)—स्थानतरण होने पर श्री सी० एन० एन० नियर ने 5-6-85 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिन्नरी (के०) बंगलौर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 7-6-85 (पूर्वाह्म) को के० जी० एक० में कार्यभार संभाल लिया ।

सं प्रशा (1/4 (5)/85 (21)—स्यानान्तरण होने पर श्री एम (पी) राव ने 19-7-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधि हारी (कें) को डागुडम कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्री 24-7-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से पींडा में कार्यभार सभाल लिया ।

सं प्राण I/4 (5)/85 (22)——स्थानांतरण होने पर श्री एल० एन० राव ने 2-8-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 19-8-85 (पूर्वाह्म) को कोठागुडम में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० I/4(5)/85(23)—स्थामांतरण होने पर श्री खुणाल सिंह ने 23-7-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तम अधिकारी (के०) श्रीनगर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 6-8-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से चण्डीगढ़ में कार्यभार संभान लिया।

सं० प्रशां० I/4(5)/85(24)—स्थानातरण होने पर श्री सर्वन सिंह ने 6-8-85 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) चण्डीगढ़ कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रोर 2-9-85 (पूर्वाहन) से उसी हैसियत से जम्मू में श्रीनगर कम्प का कार्यभार संभाल लिया।

सं प्रशा (1/4 (5)/85 (25) --स्थानातरणहोने पर श्री एन० मे० चतुर्वेदी ने 1-6-85 (पूर्वाह्न) को अमप्रवर्तन श्रिधकारी (के०) इन्दौर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 8-7-85 (अपराह्न)को उसी हैस्यिन में कर्यभार संभाल लिया।

मं० प्रशा० 1/4 (5)/85 (26) -- स्थापान्तरण होने पर श्री पी० आर० सुब्रह्मण्यम ने 19~7~85 (अनराह्म) को श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०) मद्राम कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 22~7~85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से हैदराबाद में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रशा० I/4 (5)85 (27) --स्थापन्यण होने पर श्री के० मजूमदार ने 8-7-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०) कलकत्ता कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 12-8-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैस्थित रा लुमर्डिंग में कार्यभार संभाल लिया ।

मं० प्रशा० I/4(5)/85(28)—स्थानांतरण होने पर श्री सरजू सिंह ने 8-7-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधि-कारी (के०), चिरकुण्डा कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 10-8-85 (पूर्वाह्न) को उसी ई सियत में विरीमिरी में कार्य-भार संभाल लिया ।

मं ८ प्रणा० I/4 (5)/8'5 (29)—स्थानातरण होते पर श्री पी० वी० अबाह्य ने 17-6-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) एरमाकुलम कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 15-7-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से महुरई में कार्यभार संभाल लिया

सं प्रशा राष्ट्र 1/4 (5)/85 (30)—स्था तंतरण होने पर श्री प्री राष्ट्र ने 82-6-85 (पूर्वाह्न ) को श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०), गुलबर्गा अधिकारी का लाग्य कार छोड़ दिया श्री र 18-6+85 (पूर्वाह्म ) को असी है सियत से किल युर्गी में कार्यभार संभाल लिया

सं० प्रणा० 1/4 (5)/85 (31)—स्थानांतरण होने पर श्री डी० सी० सरकार ने 31-5-85 (पूर्वाह्न) की श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बरेली कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 12-7-85 (पूर्वाह्न) को उसी है हियत से भुवनेस्वर में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रधाः I/4 (5)/85 (32)—स्थानांतरण होते पर श्री ए० के० सिंह ने 29-5-85 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) दिल्ली— कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 7-6-85 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियन से देहरादून में कार्यभार संभान लिया।

स० प्रशा० 1/4 (5)/85 (33)—निलंबन आदेश के रदद होने पर श्री एस० सी० शर्मा ने 2-7-85 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारो (के०) कार्यालय उवरपुर का कार्यभार संभाल लिया ।

सं प्रशा वा 1/4 (5)/85 (34)— निल्ंबम आदेश के रह होने पर श्री जी जे दादलीनी ने 12-7-85 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के) कार्यालय आदिपुर का कार्य-भार संभाज लिया ।

सं० प्रणा० 1/4(5)/85(35)— मिलम्बन आवेश के रह होने पर श्री डी० सी० पटनी ने 10-7-85 (पूर्काह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कार्यालय बम्बई का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणा० 1/4 (5)/85 (36)—स्थामातरण होने पर श्री बी० एम० चटर्जी ने 31-7-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तम अधिकारी (के०), मुख्य श्रमायुक्त मुख्यालय नई दिल्ली का कार्यभार छोड़ दिया और 1-8-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से दिल्ली—में में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० I/4(5)/85(37)— सहायक श्रमायुक्त (के०) के पद पर नियुक्ति होने पर श्री एम० एम० अथिसाया कुमार ने 30-7-85 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अतिधकारी (के०) कार्यालय बंगलार का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं ० प्रकार 1/4 (5)/85 (38)—सहायक श्रमायुक्त (के ०) के पथ पर शियुक्त होने पर श्री एस० के ० चांव ने 23-8-85 (अपराह्म), को अस प्रकांन आधानरी (के०) कार्यालय राउरकेना का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं ० प्रज्ञ  $\frac{1}{4}$  (5)/85 (39)—मृद्ध्य श्रमायुक्त (के०) द्वारा श्रम प्रज्ञीत अधिकारी (के०) के पद पर नियुक्त किए जाने पर श्री विनाथ बेहेग ने 2—9-85 (अपराह्म) को धनबाद में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) कार्यालय लाईबासा का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणा० 1/4 (5)/85 (40)—श्रम अधिकारी (के०) के पद पर नियुक्त होने पर श्री एन० सी० सारंगी ने 31-10-85 (अपराक्ष) को श्रम प्रवर्तन अधिशारी (के०), कटरासगढ़ का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० प्रकार I/4 (5)/85 (41) -- नेबा-सिथृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री आर० बी० जिड्ने 31-10-85 (अपराह्न) श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०) कार्यालय धनबाद का कार्यभार छोड़ दिया ।

मन्द लाल प्रणासन अधिकारी

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-मिर्यात का कार्यालय ाई दिल्ली-110011, दिनां के 7 जनवरी 1986 आयात एवं व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1335/80 प्रणा० (राज०)/230—हप कार्यालय केश्री जे० आर० गर्मा, पियंदा ह, आयात-पिर्यात, ने मेवा निवृत्ति की आयु होने पर 31 दिसम्बर 1985 के अपराह्म से सरकारी सेवा से अवकाश महणः कर लिया है ।

> शंकर चन्द उन मुख्य नियंत्रक, आयात-नियक्ति कृते मुख्य वियंत्रक, अस्तात-वियोव

বিকার **প্রায়ুক্র (ল** • ৫০) আ ক্রায়েলির

भई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं० ए०-19018 (347) / 78-प्रशा० (राज०)— विदेश मंत्रालय के आई० टी० ई० सी० कार्यक्रम के अन्तर्गत मारीशस में धातु विशेषक के रूप में चयन हो गान के कारण, श्री रिव कपूर ने दिशांक 21 अवस्य 1985 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर के उपनिदेश (धातुकर्म) के पद का कार्यकार छोड़ दिया।

> सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रशासन)

# पूर्ति तथा निपटान महाभिदेशालय

# (प्रशासन अनुभाग-6)

भई दिल्ली--110001, दिलाँक 10 जनवरी 1986

सं० ए०-1701,1/300/83/ए/6- महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षक भिवेशक, बम्बई के कार्यालय के अंधार परीक्षक (अभियांतिकी) श्री जी० डी० रायचूर को 24 दिसम्बर 1986 के अपराह्म में, अगले आदेश दिए जाने तक, मिरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तब्ध आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांतिकी) के पद पर स्थानापन रूप से मियुक्त करते हैं।

सं० ए०-10711/299/86/ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा विषटान, िरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय के भंडार परीक्षक (अभियानिकी) श्री सुगनो छट्ट्रमल खिथानी को 26 दिसम्बर 1985 के पूर्वाल से अगले आदेश दिए जाने तक, निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक िरीक्षण अधिकारी (अभियानिकी) के पद पर स्थानापन्न कप से नियुक्त करते हैं।

> आर० पी० शाही ्उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिदेश ः, पूर्ति तथा भिपटान

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700 016, दिनॉक 2 अनवरी 1986

हं 102 बी/ए-19011 (1-बी० बी० एच० एच०)/76)-19ए--भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री बी० बी० हरि हरत ने केस्तीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता के कार्यालय, हैदराबाद में अपनी स्थायी निय्कित के फलस्वरूप भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में अपनी सेवा से 30-8-1982 के अपराह्म से त्याग-पह दे दिया है ।

सं 131वी/ए-32013/1-निषे (भूवि)/84-19ए-- श्रे देवाकीय चटर्जी ने एथियाई घट्ययन नेताजी संस्थान, कलकस्म में प्रतिनियुक्ति से परावर्त्तन पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद का कार्यभार उसी क्षमता में 29 नवम्बर, 1985 के प्रपराह, से सम्भाल लिया है।

सं० 145बी/ए-19011(1-डीं॰ सी॰ बी॰)/84-19 ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री विलीप चन्द बनर्जी को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) को पद पर जसी विभाग में निमानुसार 700-40-900-द॰ रो॰-40-1100-50-1300 रु॰ के बेतनमान के बेतन पर, स्थाना-पन्न क्षमता में, मागामी मादेण होने तक 18-11-85 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहें हैं। सं० 161वी/ए~19012(के० बार० के०)/95/19ए~~ भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक श्री काटी राम कटारिया को प्रशासनिक प्रधिकारी के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सबक्षण में नियमानुसार 650~30~740~35~ 810~य० रो०-35~880~40~1000~द० रो०-40~ 1200 ४० के वेतनमान के वेतन पर, भस्थामी क्षमता में आगामीं आवेश होने तक 25~11~85 के पूर्वाञ्च से नियुक्त कर रहे है ।

#### विनांक 10 जनवरी 1986

सं० 263बी/ए-32014(2-ए० जी० (1)/18/19बी--भारतीय भूवैशानिक सर्वेकण के महानिदेशक, भारतीय भूवैशानिक
सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभीतिकी कार्यशाला),
श्री सोमेश्र नाथ दास. को सहायक भूभीतिकी बिव् (उपकरण)
के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
प्रावेश होने तक 6-12-85 के एक्सिंसु सं भदोश्रति पर नियुवत
कर रहे हैं।

मित कुशारी निवेशक (कार्मिक)

कलकता-700016, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं० 283की/ए-32013/1-निवे० (भूषि०)/84-19ए-राष्ट्रपति भी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नुनिश्चित
भूवैज्ञानिकों (बरिष्ठ) को निवेशक (भूषिज्ञान) के रूप में
उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800100-2000/- ६० के वेतनमान में स्थानापन भस्यामी अभता
में ग्रागामी आवेश होने तक, प्रस्थेक के सामने दर्शामी गयी तिथि
से परोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

<b>३</b> ० मं० नाम		स्युक्ति तिथि
सर्वं श्री		
1. पी० सी० मेहरोटा	<b></b>	12-8-85 (पूर्वाह्न)
2. एस० के० शोम		1-8-85 (मपराह्म)

#### दिनांक 13 जनवरी 1986

सं० 31 अमे/ए-32013/1-निवे०(भू०वि०)/84 19ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निग्नलिखि
में उसी विभाद में निकमानुहार 1500-60-1800-100
भूवैज्ञानिकों (विश्वि) को निवेशक (भूविज्ञान) के रूप
2000/-- ए० वेतनमान में स्थानापक अस्थायी क्षमता में आगाम
प्रावेश होने तक, प्रयेक के सामने दर्शायी गयी तिथि से पदोक्षति
पर नियुक्त कर रहे हैं।

कि० सं०	नाम		नियुक्ति तिथि
सर्वन	नी		***************************************
1. Qo 🖣	ा० वस	-4	301085 (पूर्वाह्न)
2. सर	प्रकाश मिश्र		30785 (पूर्वीह्म)

सं० 335वी/ए-32013/1-निदे०(भू० वि० )/84-19ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री डा० एन० केषागिरि को निदेणक (भूबिज्ञान) के रूप में उसी विभाग में निश्रमानुसार 1500-60-1800-100-2000 ग० के वेतनमान में स्थानापन्न ग्रस्थायी क्षमना में श्रागामी ग्रादेण होने तक 5-8-85 (प्विद्धि) से प्रोन्निपर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 353वी/ए~32013) 1-उपमहानिदे० (भूवि०)/84-19ए-~राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक (भूविज्ञान) प्रवरण कोन्छि थी ए० पी० तिवारी उपमहानिदेशक (भृविज्ञान) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 2250-125/2-2500 ४० के वेतनमान के वेतन पर श्रस्थायी स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी ब्रादेश होने तक, 30 नवस्वर 1985 श्रमराह्म से प्रोन्नति पर नियुक्त कर रहे रहे ह ।

ही० पी० टीडियाल वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालक)

#### भारतीय खान व्यारो

नागपुर, दिनांक 13 जनवरी 1986

सं० ए-19011(249)/83-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिण पर भी अलोकेश मजुमदार, स्थानापल सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी को भारतीय कान त्यूरों में स्थानापल रूप में उप-अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 11 दिसम्बर् 1985 के प्रविन्न से पदोन्नि प्रान की गयी है ।

जी० सी० धर्मा सहायक प्रशासन श्रधिकारी इते महानियंत्रक

# श्राकाणवाणी महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

सं 1717/85-एस०-4-- निम्निलिखित विश्व इंजीनियरी सहायकों की पदोन्निति परिणामस्वक्य उन्होंने श्राकाण-वाणी एवं दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों /कार्याक्षयों में प्रत्येक के आगे लिखी तारीख से श्रगले अदिकों तक तदर्थ आधार पर महायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाग लिया है --

इ५० सं० नाम	केन्द्र/कार्यालय	कार्य-भार संसालने की तारीख
1 <u>2</u> सर्व श्री	3	- <u>-</u> - <u>4</u>
1 सी०एस०कोथलकर	एल० पी० टी०, टी० वी०. औरंगामाद	8-8-85 ( ग्विह्नि)

(1) (2)	(3)	(4)
सर्व <b>धी</b> ;		
2. करनैल सिह	एच० पी० टी० श्राकाशवाणी, कानपुर	24-8-85 (पूर्वाह्म)
3. जय गोपाल	एम० एस० स्राकाशवाणी, स्रार्यं नगर नई दिल्ली ।	39-85 , (पूर्वाह्न)
4. एस० पी० धथप्पन	एल० पी० टी० कारनिकोबार	31-7-85 (पूर्वाह्म)
5. एस० वेंकटरमन	एम० सी० दूरदर्शन तेजपुर	5- 9-85 (पूर्वाह्म)
<ol> <li>चन्द्रशेखरिया</li> </ol>	श्राकाशवाणी, शिलांग	3-9-85 (पूर्वाह्य)
7 एम० कल्याणसन्दरम	श्राकाणवाणी स्म्फाल	(पूजास्त्र) 30-9-85 (पूजीस्त्र)

बी० एस० जैन उपनिदेशक प्रशासन (ई)

पानवशक प्रशासन (६*)* **कृते** महानिदेशक

# सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

सं० ए०-12025(II) 1/83-ई० 1(म्रार० सी०)-मंघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तृति पर मुख्य निर्माता, फिल्म
प्रभाग ने श्री रामानुज दास गुप्ता को दिनांक 2 जनवरी 1986
के पूर्वात्व से अगला म्रादेश होने तक फिल्म प्रभाग, बम्बई में
रूपये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान
में रुपये 840-/ प्रतिमाह के वेतन पर सहायक निर्देशक (संगीत)
पद पर नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ धार्मा प्रणासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माना

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1986

सं० ए० 380131/85-प्रशासन-ि—सेवा निवृति की ध्रायृ हो जाने पर श्री जय कुमार, निजि मचिव 31 दिसस्त्रर 1985 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा में मेवा निवृत्त हो गये हैं /

दिनांक 15 जनवरी 1986

मं० ए० 12025/1/82-प्रणा०-।/एम० (एफ.० एण्ड एस०)--श्री के० दीरराध्यन के त्याग-पत के फलस्यक उन्होंने 13 मई, 1985 के ध्रपराह, से अवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर फिकित्सा शिक्षा एवं ध्रनुसंधान रांस्थान पांडिचेरी में सहायक जीवरसायनक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> पी० के० घई उपनिदेशक प्रशासन (रो० एवं बजट)

# खाद्य एवं नागरिक ग्रापूति मंत्रालय (खाद्य विभाग) राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं० 3(1)/67- III/स्था० समूह ''ख'' के विभागीय प्रोम्नित समिति के अनुशंसा पर अधोहस्ताक्षरकर्सा डा० लकेन्द्र सिंह को राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर के अन्तर्गत समूह 'खं के कि किनक वैज्ञानिक अधिकारी (श्रागनिक) पद पर दिनांक 24 श्रगस्त 1984 से स्थायी रूप में निय्कृत करते हैं।

राम कुमार निवेशक

# कृषि मंत्रासय (श्रामीण विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिन<sup>‡</sup>क 3 अनवरी 1986

सं० ए० 19025/9/82-प्र० III--प्रपने मूल विभाग ग्रिक्सल भारतीय गृदा और भूमि उपयोग सर्वेक्षण में लौटने के फलस्वरूप श्री जैड० डी० वानखेडे ने इस निदेशालय में तारीख 15-11-85 (ग्रपराह्म) से सहायक विषणन ग्रिप्टि-कारी के ग्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

जे० कृष्णा निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

# भाभा परमाणु श्रन्संधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

वम्बई-400085, विनांक 9 जनवरी 1986

मं० पी० ए०/73(18)/85-म्रार०-4/51-- नियंत्रक भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र डा० हेमन्त मधुकर हलदवणेकर को निवासी चिकित्सा ग्रधिकारी पद पर भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के श्रार्य विज्ञान प्रभाग में जनवरी 23, 1986 (प्रक्ति) से तीन वर्ष की श्रवधी तक ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

टी० एस० परमेश्वरन उप स्थापना श्रधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-4000094, दिनांक 31 दि**स**म्बर 1985

सं० सी० एस० जी०/ए/2(6)/7593—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जी० रवीन्द्रन, ग्रस्थायी फोरमैन (ए), निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग को निर्माण एवं सेवा वर्ग । ग्रस्थायी वैज्ञानिक श्रीविकारी, इंजीनियर (एस० की०) के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 1-8-1985 (पूर्वाह्र) से आगे आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

#### विनांक 2 जनवरी 1986

सं० सी॰ ई० डी॰/ए॰/2(16)/64—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एस॰ श्रार० रेडीज, श्रस्थायी प्रवरण श्रणी लिपिक, निर्माण एवं सेवा वर्ग को श्री एम॰ वेणुगोपालन, सहायक कार्मिक श्रिष्ठकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गयी है, के स्थान पर तदर्थ सहायक कार्मिक श्रिष्ठकारी के रूप में दिनांक 1-1-86 (पूर्वाह्म) से 31-1-86 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

की० एन० सेट्टी प्रशा**यन ग्रधिकारी** –II

#### कम और भंडार निदेशालय

. बम्बई-400001, दिनांऋ 14 जनवरी, <mark>1986</mark>

मं० कभंनि/2/1(20)/83-प्रणा०/196-इस निदेशालय की तारीख, 16 अक्तूबर, 1985 की अधिसूचना संख्या कर्मान/2/1(5)/82-प्रणा०-/7020 के क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग, के निदेणक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री के०टी० लक्ष्मणन को आगे तारीख 28-2-1986 (अपराह्म) या आगामी आदेश तक, पहले समाप्त होने वाली अवधि के लिये रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ, आधार पर स्थानापन्त रूप से नियुक्त किया है।

सं० ऋभंति/2/1 (26)/83-प्रशा०/203-परमाण् ऊर्जा विभाग, ऋय और अंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी ऋय सहायक श्री जे० जे० परेरा, को इसी निदेशालय में दिनक 1-1-1986 (पूर्वाह्म) से 28-2-1986 (श्रपराह्म) या श्रागामी श्रादेश तक, पहले समाप्त होने वाली श्रवधि के लिए रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक श्रय श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से निगुक्त किया है।

#### दिनांक 15 जनवरी, 1986

सं० ऋभंति०/2/1 (11)/83-प्रणा०/210—इस निदेशालय की दिनांक 11 नवम्बर, 1985 की समसंख्यक अधिसूचना के अप में परमाणु ऊर्जा विभाग, अप और भंडार निदेशालय, के निदेशक, ने निदेशालय, के स्थायी भंडारी, श्री पी० सी०, गर्मा जो, इसी निदेशालय में और आगे दिनांक 28 फरबरी, 1986 तक अथवा अगले आदेश होने तक पहले समाप्त होने वाली अवधि के लिये सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्त रूप से नियुवत किया है।

सं० कभंति/जी-2/स्था०/244---निवर्तन की प्रायु प्राप्ति के फलस्वरूप, इस निवेशालय के केन्द्रीय क्रय एकक के सहायक क्रय प्रधिकारी, श्रीग्रार० एस० गायकवाड, दिनांक 31-12-1985 (ग्रपराह्म) सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए।

> पी० गोपालन; प्रशासन मधिकारी

#### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 10 जनवरी, 1986

सं० ना० ई०स०/का०प्र०भ०/0704/136— नाभिकीय ईवा साम्मश्र प्रशासन के उन मुख्य काण्यालक जी वरिष्ठ प्राशासिक श्री जी० कोटेण्यर राज को तवर्थ श्राधार पर रू० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनभान में रू० 650/-प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में दिनांक 6-1-1986 से 5-2-1986 पर्यन्त श्रयवा श्रागामी श्रादेश पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

राजस्थान परमाणु बिजली घर श्रणुगम्ति-323 303, दिनांक 8 जनवरी, 1986 शुद्धि-पत्न

क० राजपर्जबि विश्व / भर्ती / 3 (2) / 85 / स्था ० 28 --- अधि-सूचना संग्री राजपर्जबि विश्व / भर्ती / 3 / (2) / 85 स्था ० / 124, दिनांक 1-11-1985 में श्रांशिक परिवर्तन द्वारा, श्री एसन आर्ज पटेल का नाम जो कम सन् 3 पर दर्शाया गया है, की वैज्ञानिक अधिकारी / एसन् बीन के पद पर नियुक्ति की तारीखा 1-2-85 के स्थान पर 2-2-1985 पढ़ी जावे।

श्री एस० म्रार० पटेल, ने वैजानिक ग्रधिकारी/एस० बी० के पद का कार्यभार 2-2-1985 (पूर्वाह्न) को संभाल लिया। बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०)

#### श्रन्तरिक्ष विभाग

# इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560 017, दिनांक 3 जनवरी 1986

सं० 020/1(15.2)/86-स्थापना-I—इसरो उप ग्रह केन्द्र के निदेशक ने श्री एन० प्रकाश राव को सहायक प्रशासन श्राधिकारी के पद पर दिनांक 27 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से श्रगले आदेश प्राप्त होने तक श्रस्थायी श्राधार पर अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 8 जनवरी 1986

सं० 20/1(15.2)/86-स्थापना-І—इसरो उपग्रह केन्द्र निदेशक, अंतरिक्ष, विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री एम० एस० तहसिन श्रदिब, वैशानिक श्रिभयन्ता, एस० बी ० से प्राप्त त्याग पत्र को दिनांक 27, दिसम्बर, 1985 के श्रपराह्म से स्वीकार करते हैं।

# विनांक 13 जनवरी, 1986

सं० 020/1(15.2)/86-स्थापना-1—इसरो उपग्रह केन्द्र निदेशक ने श्री गोपाल शर्मा ग्रार० जोशी को वैज्ञानिक/ ग्रभियन्ता, "एस० बी०", के पद पर दिनांक 25 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से धगले श्रादेश प्राप्त होने तक ग्रस्थायी ग्राधार पर अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासन अधिकारी-II

विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 13 जनवरी 1986

सं० ए-32013/मौ०वि०उ०म०नि०/2/83-स्था०-1—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग में निदेशक श्री एस० वी० दातार, को इसी विभाग में 1-11-1985 के पूर्वाह्य से प्रागामी ब्रावेशों तक मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक के पद पर स्थानापन्न पदोन्नति को सहर्ष स्वीक्टित प्रदान करसे हैं।

एस० डी० एस० अब्सी मौसम विज्ञान के उप महानिवेशक (प्रशासन एवं भंडारण) कृते मौसम विज्ञान के महानिवेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यास्य नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1986

सं० ए-32013/17/82-स्था०-1---इस कार्यालय के दिनांक 30 श्रगस्त, 1985 की श्रिधसुचना सं० ए-32013/17/ 82/ई-1 के कम में, राष्ट्रपति, श्री जें० एन० मुकर्जी, की उप-निदेशक (विनियम एवं सूचना) के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 20-10-85 में ग्रागे छ: मास की ग्रवधि (22-10-85 से 21-4-86 त ह) के लिए या पद नियमित ग्राधार पर भरे जाने की नारीख त ह, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने का अनुमोदन करते हैं।

> जे० मी० गर्ग संयुक्त निदेणक प्रशासन

# नई विल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

सं० ए-32013/10/85-स्था०-I--परिवहन मंत्रालय (नागर विभानन विभाग) के दिनांक 14 नवम्बर, 1985 के पत्न सं० ए-32013/17/84-बी० ई० के अनुसरण में राष्ट्रपति श्री के० एन० एस० कृष्णन, को दिनांक 17-5-1976 से नोसनल श्राधार पर और अन्य आदेश होने नक निदंशक वैमानिक निरीक्षण (श्रव निदेशक, उदान योग्यता) के ग्रेड में नियुक्त करते हैं। इससे इस कार्यालय की दिनांक 13-5-1981 की अधिमूचना

इससे इस कार्यालय की दिनांक 13-5-1981 की ग्रंधिसूचना सं० ए-3,2013/14/79-ई-1 का ग्रंधिकमण हो जाता है।

> जे० सी० गर्ग संयुक्त निदेशक प्रशासन

## भई दिल्ली, दिमांक 23 दिसम्बर 1985

सं० ए-32013/3/84-ई० सी०—इस विभाग की दिनां के 26 अवस्थर, 1984 की अधिमूचना सं० ए-32013/3/84-ई० सी० के कम में, अध्याप्ति निम्यानिखित अधिकारियों को प्रत्ये हुने नाम के सामने दी गई अवधि के लिए उप प्रदेश ह/ियन्त्रक संचार के ग्रेड में की गई तदर्थ विध्युक्ति की अवधि को बढ़ा का अनुमोदन करते हैं:—

 ृत(रीख -	
में तक	
17-3-1985 21-4-1985 30-12-1984 25-3-1985	

2. उपर्युक्त अधिकारी उप निदेश मिनियन्त्र संचार के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि बढ़ाए जाने पर इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दाबा करने के हकदार नहीं होंगे ग्रीर तदर्थ आधार पर की गई सेवा न तो ग्रेड में बरीयता के प्रयोजन के लिए ग्रीर न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदौन्ति की पालता के लिए गिनी जाएगी।

बी० अयचन्द्रन, उप निदेशक, प्रशासन

#### विदेश संचारसेवा

#### वम्बई, दिनां ह ७ जनवरी 1986

सं० 1/397/75-स्था०—-विदेश संचार सेवा के महा-निर्देश हात असी शमाधात कर लेते के बाद वि० सं० मा०, बम्बई शाखा के मुख्य यांतिक, श्री ई० सी० अफकोत्मा को 16 दिसम्बर, 1985 के अपराह्म में गरहारी सेवा में स्वेच्छा निवृत्त होने की अनुमित देवी।

> र० का० ठककर उप निदेशक (प्रशः०) कृते महाशिदेशक

# वा अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

# देहरादूप, दिलां म 15 जपवरी 1986

मं० 16/267/77-इस्ट०-I--- मेबा पितृत्ति की अवधि पूरी हो जाने पर, और ए० पी० कुरीत, अनुसंधाप अधिकारी, बत अनुसंधाप संस्थाप एवं महाविद्यात्तर देहरादूप दिलांक 31-12-1985 के अपराह्म से सेवा पितृत्त हो गए हैं।

सं० 16/348/79 उस्ट०-१— पेत्रा जिल्लुचि की अवधि पूरी हो जाने पर, श्री डी० डी० एत० नेगी, अनुसंधान अधिकारी वज अनुसंबाध संस्थान, एवं महा विद्यानम, देहराद्वा, दिनांक 31-12-1985 के अम्राह्म से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

> जे० एत० सक्मेपा कुल सचिव वप अनुसंधाप संस्थाप एवं महाविद्यालय

# वप एव वन्य प्राणी विभाग भारतीय वन्य प्राणी संस्थान देहराद्वप, दिनांक 17 जनवरी 1986

मं ा-2/8 1-भा वर्ष मा / 100-स्था मंस्थात की अधिन्त्रता पर 1-2/8 1-भा वर्षण, दिनां हे फरवरी, 1985 के कम में जारे दिला, जरी, भारतीय वर्षणाणी मंस्थात, देहरादूत में जिन जाये हारी, श्री एपर बीर प्रति, की तदर्थ जिन्न की अवधिको दिना है। पर करी, 1986 में एक वर्ष की आगामी अवधिको दिना का जा तक पद नियमित आधार पर भरा जाये, इसमें जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

मं० 1-2/84-भा०व०म०/101--इन मंग्यान की अधि-मूचना मं० 1-2/84-भा०व०म०/94 दिनां हे 17 जनवरी, 1986 के कम में अबोहस्ताक्षरी, भाग्तीय वन्य प्राणी संस्थान, देहरादून में प्रशासनिक अधिकारी श्री सी० पी० पाहवा की तदर्थ निव्यक्ति की अविध को दिनां है 9 जनवरी, 1986 में 31 मार्च, 1987 हवाकी अ.म. अव्धिष्टे तिए इ. व्याहर एए सिरस्ति अध्यार एक्षी राष्ट्रे इर से जो भी पत्ले हो, व्याते हैं।

> एक० एक० प्रवार िदेशक भारतीय बन्य प्राणी संस्थान

# केन्द्रीय भूमिजलः बोर्ड

फरीदाबाद, दिनां र १ जनवरी 1986

सं० 3-726/85-मुख्य जलभू० (स्था०) —श्री सतेन्द्र को भूदिनां का 1-11-1985 (पूर्वीह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जनमूमि विज्ञानी के पद पर जी० सी० एन० समूह -ख (राजपिताः) वेसनमान रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-में अस्थाई तार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-728/85-मुख्य ज त भू० (स्था०) — श्री सुधीर कुमार वर्माको दिनाँ ह 4-11-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में अहाया जज भूविज्ञान के पद और जी० सी० एत० समूह-ख (राजपत्तित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-731/85-सुख्य जल भू (स्था०)—श्री के० जे० अः न्य कुमार को दिनां रु 28-11-1985 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में सह्यक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एप० प्रमूह-ख (राजपंतित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

> बी० पी० सी० सिन्हा मुख्य जलभूविज्ञात एवं सदस्य

# निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1986

सं० 32/3/85-ई०सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित कार्यपालक इंजीनियर श्रेणी-1 के ग्रेड के निवृत्तन की आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा से उनके आगे दी गई तारीख से सेवा निवृत्त किए जाते हैं:—

क्रम अधि गरी का नाम सं०	निवृत्ति की तारीख	ग्रंतिम तै स्थान ग्रौन	
1 2		3	4
सर्वे श्री			
1. एस० सी० गोयल	31-12-85	कार्यपालक (सिविल) डब्स्यू० नि के०लो० नि दिल्ली।	. एस०एस० र्माण जोन,

1 2	<b>3</b>	4
2. वी०एत०टी०अष	31-12-85	कार्यपालक इंजीियर
		(सिविल), अध्यक्तर
		विभाग, 3 मंजि
		चोरड़िया भवा
		मद्रान-६।
3. एवं डी० वर्द्ध	31-12-85	कार्यपालक इंजी विश
		(सिविज), आयक
		विभाग 11 वीं मंजिल
	4	रोहित हाउन
		ाई दिल्ली ।
4. बी० डी० मलिक	31-12-85	कार्यगत ह इंजीनिय
		(विद्या ) हे । लो ।
		वि० विद्युत भवा
		अयं कर मार्किट अ
		दिल्ली।
5. सी० गग्धज	31-12-85	कृत्यं सत्रक इंजी विय
		(विद्युत ) नई दिल्ल
•		जोन नं० 2 विद्यु
		भवन, नई दिल्ली।
6. जी० एल <b>० गुण</b> ा	31-12-85	कार्यपाल ह इंजी निय
		(सिविज )एस० एस०
		डब्स्यू०-2 (दि० प्र
		जोन), 2, भई दिल्ली
7. जे० एउ० सेन	31-12-85	
		State State

के० सी० देहुरी प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

# हिंदिती, दिसंस ९ ज विसी, 1986

सं० 33/2/83-ई० सी०-9 - राष्ट्रपति, सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग के निवालिखत नामितों को उप दास्तुकों के अस्याई पदों पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क" केन्द्रीय लोक निर्माण विसाग, में रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतामान में (अतिरिक्त भत्तों सहित) सामान्य निर्मा एवं शतौं पर प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथियों से नियुक्त करते हैं।:---

- श्री वी जवाहरी
   श्री दिनेश कुमार विगम
   3-12-85 (पूर्वाह्न)
- (2) इत अधिकारियों का वेतन 780/- रुपये या वेतन-मान 700-1300 में नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा जो कि उनको लाभ कारी होगा।

(3) इन्हें नियुक्ति तिथियों से 2 वर्षकी अवधिके लिये परीवीक्षा पर रखा जाता है।

> पृथ्वी पाल सिंह, प्रशासन उप-निदेशक

उद्योग एवं कस्पनी कार्य मंद्रालय (कस्पनी कार्य विभाग) कस्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कराती अधितियम, 1956 एवं सैलिता इस्टेट्स प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

सं० 688/24099/560(5)— कम्पनी श्रिक्टियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रृत्सरण में एतद् द्वारा, मूचनादी जाती है कि सैलिना, इस्टेट्स प्रा० लि० का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं समीर स्टील्स एन्ड एलायज लिमिटेड के चिषय में

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी, 1986

मं० 702/16857/560(3) — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह मूचना दी जाती है कि तीन मास के अवसान पर मभीर स्टील्प एड एनायज निमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उभत कम्पनी चिघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधितियम, 1956 एवं हिमालयन होम्स प्रा० लि० के विषय में

सं० 686/24105/560(5) --- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा भूचनादी जाती है कि हिमालयन होम्स प्रा० लि० का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं भारत हायर परचेज एण्ड फायनन्स कं० लि० के विष्य में बम्बई, दिनांक 7 जनवरी, 1986

सं० 681/18020/560(5) ---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपवारा (5)के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि भारत हायर परचेज एण्ड फायनैन्स कं लिंक का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

> वी० रा**धा***ःष्णस* कम्पनियों का श्रतिरिक्त र<mark>जिस्ट्रार</mark> महारा**ष्ट्र**. **बस्बई**

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रार० एस० श्रार० एल्यूमीनियम, प्रा० लि० के विषय में बंगलौर, दिनांक-2 जनवरी 1986

सं० 4806/560/85—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर श्रार० एस० श्रार० एल्यूनिमीयम, प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित करदी जायेगी।

जे० के० रमणी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर इन्टरनेशनल इमक्स एजेन्ट, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं० पी० सी० I/1737/1253 कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् व्रुद्धारा, सूचनादी जाती है कि इन्टर नेशनल इमक्स ऐजेन्ट प्रा० लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

रूप किशोर सहायक रजिस्ट्रार भ्राफ कम्पनीज, विल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर जे० वि० घोष एण्डकं० प्रा० लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं 16569/560(5) -कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एसद् द्वारा या मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर जे वी घो एंड कम्पनी प्रा० नि का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर्य बेकरी एण्ड कनफेक्शनरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं० 27597/ 60(5)---कम्पनी श्रिप्तियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आर्य वे करि एन्ड क-फेकणनरी प्रा० लिमिटेड के का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उस्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनिधम 1956 और फिल्म ऋाफ्ट प्रा० लि० के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 10 जनवरी 1986

सं० 24568/560(5) कम्पनी श्रिक्षियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के झनुसरण में एत्दद्वारा सूचना दी जाती है वि फिरम कापट प्राध्वेट कि स्टिश्वा करम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उस्त स्थर्मी दिइटिश हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और स्वदेशी श्रायात निर्यात प्रा० लि० के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

मं० 22820/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद् द्वारा, सूचना क्षी जाती है कि स्वदेशी श्रायात निर्याप प्राकृषिट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और नीलकसल विट एण्ड मेमिस को० प्रा० लि० के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

सं० 30297/560(5)—कस्पती श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा, सूचना दी जाती है कि नील कमल चिट फंड सेमिस को० प्रा० लि० का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ओर ग्लास सिंडीकेट, प्रा० लिमिटेंड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

मं० 17683/560(5)——कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5)के श्रनुसरण में एतद् द्वारा, यह सूचना दी जाती है कि ग्लाम सिडिकेट प्राईवेट लि० का नाम स्राज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एमारेस्ट एण्ड प्राडक्ट्स एण्ड एलायड इन्स्ट्रीज प्रा० लि० के विषय में

कलक्सा, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं० 30228/560(5)—~कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि एमारेस्ट एंड प्राडम्ट्स एण्ड एलायड इन्स्ट्रीज प्रा० लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है और उम्त कम्पनी विघटिन हो गई है।

डी० के० पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार पश्चिम अंगाल

कार्योत्व, मुख्य आयुक्त (प्रका०) एवं आयकर आयुक्त कलकत्ता, दिनांक 20 दिसम्बर 1985

श्रादेश सं० 628-एफ० सं० 2ई/28/75-76 निम्नलिखित श्रायकर निरीक्षकों की, कार्यभार की तारीख से श्रीर श्रीग्रम श्रादेश होने तक रू० 650- 30-740-30-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०- 40-1200/- के वेतनमान मेंश्रायकर श्रीधकारी (वर्ग 'ख') में स्थानापन्न रूप में पदोन्निति की जाती है।

सर्वश्री:

- 1. लक्ष्मी लान्त भौमिका
- 7. रवीन्द्र नाथ घोष
- श्रीमती शिखा चकवर्ती

यह नियुषित बिल्कुल प्रस्थायी श्रीर श्रनित्सम रूप से की गई हैं और ये श्रन्य पदोन्तन व्यक्तियों की सुलना में, उन्हें उस स्थान पर बने रहने का श्रथचा वरिष्ठता का दावा करने का श्रधकार प्रदान नहीं करता। नियुक्ति को किसी भी समय खत्म किया जा मकता है। यदि खाली जगहों की समीक्षा करने के बाद यह पाया गया कि पदोन्तित के लिए रखी गई नियुक्तियां खाली जगहों में श्रधकों हैं श्रथचा उनके प्रतिस्थापना के लिए डिरेक्ट रिकरूट मुलभ होने पर उनका परिवर्तन किया जा मकता है। उन्हें पश्चिम बंगाल के किसी भी जगह किसी भी समय स्थानान्तरित किया जा मकता है।

II. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 (1961 का 42) द्वारा, प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं निदेण देना हूं कि ---

सर्वे श्री :

- 1. लक्ष्मी कान्त भौमिक
- 2. रवीन्द्र नाथ घोष
- 8. श्रीमती णिखा चक्रवर्ती

आर्थ प्रहिकारी (६र्ज 'ड') के रूप में ियुक्त होंगे पर आठ अर्ज के सभी कर्जव्यों का पालन ऐसे व्यक्तियों के या व्यक्तियों पर्नो ना ऐसी आर के धर्मों के लिए या ऐसे क्षेत्रों में करेंगे जैसा कि ए के उक्त नियम के अर्थान समय समय पुषुर्व किया जार्यका।

# III तैनाते ।

प्रदासीत पर सर्वे श्रं: लक्ष्मी कास्त प्रीमिक, रवीन्द्र नाथ घोष श्रोमती जिल्ला विकारी की, एतर् द्वारी मुख्य आपकर आयुक्त 
> श्वार० प्रसाद मुख्य बायुक्त (प्रणा०), एवं बायकर श्रायुक्त, पश्चिम बंगाल, कलकताः

प्ररूप आहु . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांलय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जमवरी 1986

निदेश मं० ए० पी० 5943—अतः, मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसुची में लिखा है तथा जो ग्राम लाहालों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांगहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मई 1985

- को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----
  - (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; भीर/या
  - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग** की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3--446GI/85

 श्री प्रीतम सिंह, अजीत सिंह पुत्र माथा सिंह गाँव व डा ग्याना कोट शक्षण, तहसील मवांगहर, जिला जान्धर।

(अन्तरक)

 श्रीमती सारो पत्नी साधू सिंह अथवा सरजीत सिंह, मक्खम सिंह, मेजर सिंह पुत्र साधू सिंह, गांव व डाकखामा सहबाजपुर, तहसील मवांगहर, जिला जालन्धर।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 743 दिसां ह 29-5-85 को एजिस्ट्रीक्ती अधिकारी, सर्वाणहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रोज जालन्छर

नारीख: 9-1-1986

# प्रकृप बार्ड . हो . एन . इस . ------

# जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृत्सर

अमृतसर दिमांक 6 जनवरी 1986

गिदेश सं० अमृतसर/85-86/57--अतः मुझे, जे० प्रसाद, आई० आर० एस०

बाबकर शिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदशात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा सं अधिक है

स्रीर जिसकी सं० एक जायताद है तथा जो माइल टाउन अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उनावद अनुसूची में स्थीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतकर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मई 1985

को पृथोंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्तिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोदय से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 या 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ इन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या त्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः **वव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री देव राज भंडारी पुत्र श्री मुरली दास भंडारी, कूबा अम्बर, कटड़ा बाग मिट, अमृतसर। (अलरह)

THE PARTY OF THE PARTY OF

- 2. श्री इन्दरजीत पिह पुत्र श्री तीर्थ सिंह, श्रीमती हरफिशन कॉर पत्नी श्री इन्दरजीत सिंह, 390/ 14-8, गली नं० 2, माइल टाउन, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जैना कि ऋ० मं० 1 ग्रांप 2 पर है ग्रांप कोई किराएदार अगर कोई है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में

सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(बह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

का यह सृचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के णस् तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, के उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### are all

ण्ड जायदाद नं० 390/14-8 गली नं० 2, मह्हल टाउप, अमृतगर जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, के मेल डीड नं० 2485 विश्वि 30-5-85 में दर्ज है।

ं जे० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, अम्पन्य

भारीख: 6—1−1986

मोहर 🗷

प्ररूप आई. टी. एम. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिशांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० अमृतसर/85--86/56---अनः मुझे, जे० प्रसाद¶ आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा मोहर सिंह अमृतमर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतमर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीक तारीख मई, 1985

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सूविभा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिभा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं मों, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :—

- श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री मोहन दास सिबी, कटड़ा मोहम सिह, अमृतसर (अब बम्बई में) (अन्तर क)
- 2. श्रीमती कुलबन्त कौर पत्नी श्री मंजीत सिंह, बलदेव सिंह गुत्र श्रो परव्रमा सिंह, बाजार चूड़बेरी, गली अदवाज, अमृतसर।

(अन्तरिती)

 जैसा कि कर सं० 2 पर है फ्रौर कोई किराएदार अगर कोई है।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यक्किरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### नगत्त्रजी

एक मराम कटड़ा मोह्न सिंह, अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेल डीड टी-1408 तिथि 7-5-1985 में दर्ज है।

> जें० प्रसाद, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-1-1986

नोहर:

مخواد وسنوس

प्राक्ष बाई. टर्ने. एन . एस . -----

# भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

# कार्यक्रम, सहायक मायकर बाज्यस (निर्देशम)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनां रु 9 जनवरी 1986

निदेश सं० अमृतसर/85-86/59--अतः, मझे, जे० प्रसाद, आई० आ२०एस०

भावकर सिंधितयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इचमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धार 269-च के स्थीत समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बन्धि, चिसका अचित बाबार मृख्य 1,00,000/- क. से सिंधक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटडा मोहर सिंह, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनमुत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वों कर सम्मित् के जिया बांबार मून्य से कम के क्षत्रमाल प्रतिकाल के सिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वों कर सम्मित का उपित बांबार बृज्य, अवने क्षयमान प्रतिकाल से लिख कर प्रतिकाल का पन्तर प्रतिकाल से अभिक हैं और , इंद्रेक (बन्तरकों) जौर कन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिंबत उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है कि

- (क) बन्धरण हो क्षूपं किसी बाव की वाशत, उपत बीधनियम के मुधीम कर बोने के बंदारफ के सार्वरण में भागी कड़ने या उन्नये बाजाने के स्टिश्या क जिए; सॉर√वा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी वृत् वा कल आस्तिवी को, जिन्हों भारतीय वायकर वृधिनियस, 1922 (1922 का 11) या अवत विधिनियस, या धन-कर स्थिनियस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ वंतरियी द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा किया जाना चाहिए था, क्यांचे वे सुविधा के हैंसह;

बंद: वंद, उन्दं विभिनियम की भारा 269-ग के अनुबर्क दों, में, बन्स अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हो अभीन, निजनिविद अधिकदा, यथार :---

- श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री मोहम दास सिन्धी कटड़ा मोहर सिंह, अमृतसर (अब बम्बई में)। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती संतोण कौर पत्नी श्री मोहिन्दर सिंह, श्रीमती पर्रावदर कीर पत्नी मुरेन्दर सिंह, बाजार चूड़ बेरी, गली अदवाजा, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3 श्री/श्रीमति/कुमारी जैसाकि ऋम नं० 2 पर है श्रीर कोई किराएदार कोई है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4 श्री/श्रीमति/कुमारी---और कोई---

(बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का वह बुधना बादी करके पूर्वोक्य सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यनाहियां करता हो ।

बन्ध बन्धित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप क्र--

- (क) इस सूचना के स्थापन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनीय वा तत्स्वस्वन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जन्मि, जो भी स्वीय-वास में समान्य होती हो, से भीतर प्रवेतिस व्यक्तिसमों में से किसी स्थापित इवादा;
- (ब) इंड स्थान के श्वापन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को जीवर उनके स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किया बन्द कान्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंने।

ल्यूची अपून :----इक्ने प्रमुक्त कर्को भीड़ पर्यो का, को अस्त स्रीपृत्यित के बध्याय 20-क में परिधायितः हैं, यही अर्थ अरोग को उस अध्याय में दिया यथा हैंं ।

## वप्यूची

एक महान कटड़ा मोहर सिंह, अमुतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेल डीड नं० 1318. तिथि 6-5-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीखा: 9<del>-</del>1-1986

मोहर 🖫

प्रकार कार्ड हो । धून , एस , -----

नाब्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सभाग

#### मारत सुरकार

# कार्याज्य , सहायक आयक्तर बाब्क्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनां € 2 जनवरी 1986

निदेश सं० श्रमॄतसर/84--85/60 ---श्रवः गुले, जे० प्रसाद, श्राई० श्रार० एस०,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) िंजसे इसमें इसमें परचात उक्त अभिनियम कहा गया हों) को तर 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कर के का कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूग्य 1,00,00,0 र. में अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो मरुबूल रोड़, श्रम्तसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उणावद श्रन्सुची में श्रीर पूणं रूप से विणित हैं), रिक्स्ट्री नी अधि प्रति के कार्यालय, श्रम्तसर में रिजस्ट्री प्रशिक्षण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, तरिख मई, 1985

को प्रोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अनारित की गई हैं। और मृज्ञे यह विश्वारा करने का कारण है कि यथाप्रोंबन रुगाला का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल के एमें दर्गमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में धास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण में पूर्व किसी भाग की जाउत, उक्क सिंपिन्यम् के भ्रभीन किर बीने की अन्तरक की वाधित्य में कभी करने या समसं अपने मी सुविधा की सिए। बार/श
- (क) एसी किसी काय या किसी धन का अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या धन-का अभिनियम, या धन-का अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वास वकत सहीं किया नय। या वा किया नाना चाहिए था, कियाने में प्रविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, अधीन, अधीन :---

1. श्री नरेन्दर नाथ सहगल पुत श्री परमानन्द सहगल, श्रीमती श्राणा रानी परनी श्री नरेन्दर नाथ सहगल, फ्लैंट र्न० 54/55, 7वां फ्लोर, माउन्ट यनी ए बिल्टिंग, बम्बई। 2. श्री हरताम सिंह बोहरा, पुत्र श्री गनेशा सिंह, श्रीमती बसंत कौर पत्नी हरनाम सिंह बोहरा, श्रमरजीत बोहरा, रंजीत सिंह बोहरा, तिनदर मिंह बोहरा, मुलदीप मिंह बोहरा, 58 मुक्बूल रोड, श्रमतरार।

(म्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऋ० सं० 2 पर है और किराएदार श्रमर कोई है

> (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(बह व्यक्ति, जिसके बारे **में प्रधी-**इस्ताक्षरी जानता है कि वह अम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूजना जारी करके पूर्णिक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### धनुसुची

एक जायदाद, 58 मणबूल रोड़, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीहर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर के मेल डीड सं० 1323, तिथि 3--5-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रभाद,श्रा०ई स्नार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आस्तरण स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नायंत्र रोज, अम्तक्षर

तारीख: 2-1-1986

पोहर :

प्ररूप आर्चेटी.एन.एस.-----

नायकर मिश्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वयः

#### भारत सरकार

कार्यां तथ, सहायक नायकर भायूक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, श्रग्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० श्रम्तुनगर/85-86/61---ग्रनः, मुझे, जे० प्रसाद, श्राई० श्रार० एस०,

नायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो मत्बूल रोड़. श्रमृतसर में स्थित हैं (और इपमे उपाबद श्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्री इर्ता अधि हारी के वार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रधीन, तारीख जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रिक्षिण्ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्तिलिखित जर्दश्य से उपल अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त अभिग्नियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा वायित्व के सिए; और/या
- (च) एती किसी भाग मा किसी भन या अन्य आरित्तयों के जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा से किए;

कतः क्रम, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बाधीन निम्नीजिस्ता, स्यमिक्सों, वर्षास् हि—  च्रीम हाउत किंगडम, वसंत बिल्डिंग, पुनलीध र अम्तसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहन लाल अरोड़ा पुत्र श्री राम लाल मारफत महाराज मन राम लाल, इनक मंडी, अमृतसर्।

(अन्तरिती)

3.जैसा कि ऋ० नं० 2 पर है आंर कोई किराएदार श्रगर कोई है।

> (बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रौर कोई।

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता हूं कि बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्यन्थ में कोई भी बाक्षेप 🚎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धूवारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

#### वन्स्वी

श्राधा हिस्सा जायदाद भाग नं० 59, डिबलपमेंट स्कीम नं 61, सक्यूत रोड़, अमृतप्तर जैता कि रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी श्रमूतसर के सेल डीड नं० 3131, तिथि 14∼6~1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद श्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमतसर

नारीख: 3-1-1986

मोहरः

प्रक्ष हाई.टी.एन.एस.---- --

**बायकर** अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यातव, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रम् नसर/85-86/62--अतः मुझे, जे० प्रसदि, प्राई० प्राए० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रांर त्रियकी मं० एक जायदाद है तथा जो गकबूल रोड़, श्रमनतार में स्थित है (ग्रोप इपने उपाबड़ श्रन्सुची में ग्रीप पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीटर्सा अधिकारी के कार्यावय, श्रमृत्तर में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 टा 16) के प्रधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान के लिए अन्तिरत की गह्र है प्रतिफल म्भ्हे यह विश्वास करन का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं **अरि अंतर**क (अंतरकां) शीर अंतरिती (अंतरितियां) के भीच एसे अम्तरण के लिए तय पाथा पथा अतिफल, निम्नीलीयत **उद्दोरम से उक्त ब**न्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया **ह**ै:---

- (क) अम्तरण स हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आधकर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उक्त अधिकिका, या भनकर अधिकिलम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपानं मा सचिधा के सिए:

**अतः अव, उक्त अधिनियम** की धारा 269-ग के उनसरण में, में, उक्त अधिनियम की पाग (69-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियाँ, अर्थात :----

1. ছুীম গ্রেন্ত কিছুবা, বল্প ফিছিন, प्तलीघर, यम् स्टार्ट ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीनती कृस्प लता पत्नी मोहन लाल श्ररोड़ा, माल्फत मधराज मार याम लाल, कनह मंडी, श्रम्त्र्र.

(भ्रन्तरिती)

3. जैमा कि ऋ० नं० 2 पर है और कोई छिराएदार अपर कोई है।

> (बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में तम्पनि है)

4. श्रौर कोई

(বর অ্যকিন, সিম্রক বাই में श्रधोहस्ताक्षरी प्रानता है कि वह सम्पत्ति मं हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर है पृत्रों कर सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शर जनता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस राजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन को अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी संधी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास िरिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इशनों प्रयुक्त जब्दों और पदौंका, **ओ उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ मुन्नोमा को उस अध्याय में दिया गया 🗷 🗀

#### अनुसुची

श्राधा हिस्सा जायदाद प्लाट नं० 59 डिबैलपर्मेंट प्लान स्कीम नं 61, मराबल रोड़, ग्रामृतसर जैया कि रिजस्ट्री-ार्ता ग्रिधित्तरी ग्रिथियारी के सेल डीड नं० 3139 वि**थि** 14-6-1985 में दर्जे हैं।

> जे० प्रसाद अ।ई० अ(र० एस० पक्षम प्राधिकारी गहायक ब्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीत रोंच, श्रम तसर

तारीख: 3 1-1986

प्रक्रम बाह्<sup>3</sup>. टो एक. छ्म.-++ ---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### ALKE WEIGHT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रोज, पूना

पूना, दिनांक 1 जनवरी 1986

निदेश सं० 37—ईई०/3631/85~86→~यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रुप से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग तं० ए~2, एफ आि० तं० 14, एर डवणा, पूना में स्थित है (श्रीर इल्मे उपाबद श्रमुर्ची में श्रीर पूर्ण कार ने अधिकारी है), अधिकारी ति श्रीश्रकारी के कार्यालय, अहायक श्रीप अधिकारी के कार्यालय, अहायक श्रीप अधिकार प्राप्तक निरीक्षण, श्रुजन रेज में, रिजस्ट्री तरण श्रीधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीभीन, तारीख श्रीवनुबर, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे बह विश्यास करने का कारण है

कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत सं विधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) की श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तरे बचने मीं सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी अन सा जन्य आस्तियों की, जिल्हों भारती। अद गर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अविनियम किया गा। था या सिया जाना चाहिए था, किया ने में मृतिस के तिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा २६०-म को अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा २६०-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों अर्थातः ---  तैर गमेत द्रस्ट, 2 याह कालोनी, साने गुरुजी भोड, पुना।

(अन्तरक)

2. श्री प्री० जी० पानसरे, 15 समीप श्रवार्टमेंटस, नदा प्रिमाती शेंड, कल्याण जिला थाना। (श्रनरिती)

कां यह सृचना जारी करके पृशेंक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना की राजपत्र में त्रकासन की तारीय के 45 ित की भीतर उक्त स्थावर संव्यक्ति को हिच- वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास विविद्य में किए जा तकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इगमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### बन्स्ची

जैसा कि रिजिस्ट्री ा फ० 37-ईई०/3631/85-86 जो प्रक्तुबर 1985 को महायक प्रायकर श्रायक्त निरीक्षण, श्रजन रोज, पूना के दफर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी लहासक सायहर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

तारीखा: 1∼1∼1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 265 थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, पूना

पूना, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निवेण सं० 37--ईई०/7843/85--86---यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनकें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सञ्चल्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव डी-108/1, टीव टीव सीव, इण्डस्ट्रियल क्षेत्र एतव ग्रीयव डीव सीव इडिस्ट्रियल इस्टेट थाता है तथा जो थाता में स्थित है (ग्रीर इसमे उजावड अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीय जारी के कार्यालय सहाय 5 ग्रायकर श्रायकर श्रीयुक्त निरीक्षण, श्राजंत रोज में, विस्ट्री- करण श्रीयिनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रीधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रैती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गरा। गतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में गास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की यावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुनिधा के लिए; और/यां
- (थ) ऐसी किसी अप्रय या किसी भन या अप्य बास्सिवाँ का, विन्हाँ भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि दा गय। भा या किया वाना वाहिए वा, छिपाने में मृतिभा स्थिभा के लिए,

बत: वय:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-----

 मैं० बस्बई ब्रह्म ट्रांखेंग टायरिंगन लिं० 9 वालंगे स्ट्रीट, फोट, बस्बई।

(ग्रन्तर्ह)

2 मेसमं गोलद्धफ द्याटो एण्ड गांस डण्डस्ट्रीज लि०, 2 टरफ व्यू. हानंबाय बेलाडं इस्टेट गाईन्य सन्टर के पास, वरली, वस्बई।

(ग्रन्भिरती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्बन के सिए कार्यवाहिया भुरु करता हुं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

भ्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त प्रस्वों और पदों का जो उपका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुसूची

जैसा ि रिक्ट्रिकित ऋ० 37—ईई०/7843/85-86 जो अक्तुबर 1985 को सहायत आयार आयुक्त, निरीक्षण, अजंत रेस, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल् कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेत रोज, पूना

न्र**ितः** 31−12 1985

त्रक्त बाह्री, डी., एन., एक., ग्रामानामान

बायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--थ (1) की मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 31 दिसम्बर 1985

निदेश स० 37 ईई०/7869/85-86---प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

शयकार अधिनियम, .1961 (1961 का 43) (ियमे इसमें इसके क्रिकाट (जिस्से अधिनियम' कहा गया हाँ), काँ भारा २६५-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, वह विश्वाल करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

अंति जिनकी संव डीव 108/2, टीव टीव सीव, इन्डस्ट्रियल क्षेत्र एमव वाईव डीव सीव, इन्डस्ट्रियल स्टेट थाता है तथा जो थाता में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में अंति पूर्ण रूप से वॉणतहें), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहातक आयहर जायुका (रिक्शिंग, अर्जन रेंज, में रिजर्ट्रीकरण अधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सक्तुतर 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वृतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुन्ने अपने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्च, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का क्ष्य प्रतिशत से अधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) की जिस सम्पत्ति (अन्तरितियों) के बीच ऐरे अन्तरण के जिस सम भाषा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण विकास से वामलिखत उद्योग से उक्त अन्तरण के जिस सम

- (क्ष्ट) अन्तरण सं हुर्य किसी काय की वावस उकत औष-विकास को अभीन कार दोने को बन्तरक को समित्य में क्षमी करने मा उससे वचने में सुविधा को लिए; और/बा
- ाक्षी एंसी किसी बाब वा किसी धन या काय ब्रास्तियां करों, जिन्हीं भारतीय बायकर विधिनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनसम् या धन कार विधिनसम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ सन्दरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना माहिए था जिल्लाने में स्विधा के निक्य;

अत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नीविश्वित व्यक्तियों, सर्भाय :---  मेसमं बाध्वे ब्रह्म ट्रेडिंग कार्पोरेणन लि०, 9 क्लेम स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई।

(ऋन्तरक)

2. मेसमें ब्रिटेश ट्रेडिंग प्रा० लि०, टर्फ हैं। हानेबी बेलाईस्टेट नेहरू साइन्स ेन्टर के पास, घरली, बस्बई (श्रुकानिती)

को मधु भूचना जारी करके पृथीक्स सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्ति के बर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेत्र .---

- (क) इस बुचना के राजवन के प्रकासन की तारीख से 45 दिन की सबीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अनिध, को भी जबीच बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय स्वाराः
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रफाजन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिवित में किसा या सकेंगे।

स्मरुद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, वो उपन विधिनयक के अभ्याद 20-क में परिप्राधित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अभ्यान में दिका नवा हैं।

#### **ग्रनुसू** या

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 ईई०/7869/85--86 जो अक्तूबर, 1985 को महायक आयकर शायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंब, पुता के दफ्तर में लिखा गया है।

> धतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज, पृना

नारीख: 31--12--1985

माहर:

प्रारूप आइ<sup>5</sup>.टी.एन.एस.-----

अस्य-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भूष भूररा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत स्रका

# कार्थालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेजि, पूनाः

पूरा, दिलाक 1 जन्**घरी 1986** दिया सरु 37ईई र/1947/85 र86--श्रतः मुझे, श्रामिल कुमार,

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथ्त जिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के लभीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंति जिनात के प्रतिष्ट कि 1/2/13, एएन्डबेना गांत्र, तार और जिना पूरा है तथा जो पूरा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर से विणित है), रिजिन्द्रिकर्ता बिद्धिकारी के कार्यात्रक, महाराय आयवार आयुक्त किरोक्षण, अर्ज के रेजिन्द्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के लखीत महीस अगस्य, 1935

को पूर्वोक्य, सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्ययमान मित्रफंच के लिए मन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्म्यमान प्रतिकल से एसे ब्रम्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीज एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक कस निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्त-धिन कम से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आहितवों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री श्रिमाकर प्रताक्षा को ठावेक, 15 महावीर विल्डिंग, भंडरकर केड, मात्या, बम्बई। (अन्तरक)
- 2 श्री विजय गाँविंद खरे आंट अन्य, टेलीफोल भवन क्वार्टर्स, बाजीराव रोड, पुना।

(अन्तरिनीः)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की प्रारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ हार्यगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

# अनुसूर्चा

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 3 निईर्ग 1947 | 85 - 86 जो अगस्त 85 को सहायक श्रायकर स्रापुकः िरीक्षण, श्रार्वन रोज, पुना के दक्तर में लिखा गया है।

> ातिल कुमार सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि**री**क्षण) अर्जन रेंज, यूना

বিশীঘো: 1--1--1986

मोहर ः

# प्रस्य आर्घ. टी. एन. एस.------बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1905

निदेश सं० 3.7ईई/9.8/8.5--8.5 - ट.८ मुझे. प्रजिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाश् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिलाकी संव डूक्किस बंगली तंव डी/9, तामनात । बदरापुर रोड़, कुलकाब, जिला थाना है तथा जो शाना में विवत है (और इसन उनाबद्ध प्रवृक्षण में और पूर्ण का में बर्गित है) जिल्हीकार्ग पश्चिकारों के कार्यालत सहायक प्रापंकर आयुक्त विशेषण, धर्मन रेंब में जिल्होकाण प्रथितिम, 1908 (1908 का, 16) के प्रथीत सारीज जन, 1985

कां पृषांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयंगन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त क्षम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेंक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायतः, उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (वं) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तिबों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना चाहिए था, हिल्पाने अन्स्विधा के स्विधा के स्विधा के स्विधा के स्विधा के स्विधा के स्विधा के स्विधा

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) रू राधीन, निम्निजिख व्यक्तियों, अर्थात् रू—

- मेसर्ग रेणुका चिरुष्टर्स, प्रार्दीप बिहिष्टम, साईबादा टेम्पल के पास, बदलापुर रोड़, कुलगांव थाना जिला (अन्तरक)
- 2. श्री: निश्विकात डी.० पाटिल, रामबाग लेले ने०4, गंगाबाई सदत, कल्याण, जिला थाला। (ऋन्तरिती)

का यह मुचना जारी करके पृशंकत सम्पन्ति क अर्जन के लिए कार्यवा**हियां गुरू करता ह**ै।

## उथत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाआप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पब्दोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में विका भया है।

#### ग्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रींंत क० 37ईई/98/85-86 जो जूत 1985 को सहायक आयकर आयुक्त तिरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूरा के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजेंस रेज, पूना

तारीखः 20 -12–1985। मोहरः प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना

पूना, दिनाँक 31 दिसम्बर 1985.

िदित सं∘ 37ईई/15788/84-85 —श्रतः मुझे, श्रतिल कुमार,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्च त् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की भारा 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिनकी संज पनैट नंज 8, समाजान अपार्टमेंट, सर्वे नंज 62, हिस्सा नंज 15, प्लाट नंज 6, तिलक नगर जो बीज प्यराली डोर्जाइली क्षेत्रकल 60 चीज फुट) है तथा जो डीम्बीवली में स्थित है (और इसने उपादड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ती इहि-कार्रा के वार्यालय सहादक आदवार आस्कृत दिश्ला, इर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अतरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्वंदृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निहासित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19,57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेतर्स गणेत कन्स्ट्रकतास, 8/3, पाठील बोहिर, अनार्टमेंट, स्यूनिसिपल श्राफिस के पास, डोम्बीवली (ई०), डि० थाना।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मात्रुरी श्रशोक गलगंती, शिव विहास, संतःषी माता मन्दिर के पास, कोपर रोड़, डोम्बीवली।

(अन्तरिती)

का गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिष्ट्रमां करना हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भी दर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास िक्षित में किए जा तकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### प्रनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37ईई/15788/84-85 जो मंई 85 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31--12--1985

मोहरः

. श्रह्म नाइं.टी. एन. एस. ....

# नायकर अभिनियस, 1,961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के जभीन स्थाना

#### भारक सरकार

# कार्यालय, सहायक सायकार नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जभ रेंज, पूना

पूता, दितां रु 9 दिसम्बर 1985

िन्दिंश सं० 37—ईई/3390/85—86——अतः मुझे, अनिल ---

कुमार,

भावकर गिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसर्जे इसके प्रचात् 'उनत गिर्भियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक ह

स्रोर जिल्लो सं० पर्नेट सं० 15 व 16, सर्वे तं० 32 सबकर गांव, वसीन में स्थित है स्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में स्रीर पूर्ण कर स विणित्र है), रिजिस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यास्य, सहायक अधिकार आष्ट्रहरू दिरीक्षण, अर्जित रेज में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्य 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्वंबजान शांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंकरक (अंबरकार्न) और अतरिती (अंवरितियाँ) के बीच एसे व्यवस्थ ने बिक् त्य पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरक निचित में बालनिक रूप से किथात नहीं किया गया है है--

- (क) शन्सरण सं हुइ किसी बाय की वायत, उपके व्यापित्यम के बधीन कर को के जनसङ्ख के बाबित्य में कभी करने वा उत्तरी वचने में सुनिधा के लिए; कार्ट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को । जन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन्-कर अधि-वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वियम बाना चाहिये वा, किया में बुविधा में स्पूर;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न चै बन्तरूप मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री अब्दुल लतीचा दियाद्याला ध्रांर अन्य द्वारा मेन्सं एम० बी० एसोसियेट्स, एम० बी० हाउस, 79, गोगा स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई। (अन्यरक)
- मेसंसं एम० बी० एसीसियेट्स, एम० बी० हाउस,
   79, गोगा स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरिती )

को यह त्या वाही करके पूर्वीयव सम्परित के वर्षन के किक्के कार्यगाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अवीध, वो भी अवीध बाद में तमाच्य होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में में किसी ज्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीय स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिश्ववद्ध किसी जन्म स्पत्तित द्वास, अभोहत्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकते।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, या अवस अधि-दिवन के अध्याद 20-क में परिभाषित हो, वहाँ वर्ष होना, यो उस अध्याद में दिया नवा हो।

# मन्सूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/3390/85-86 जो अगस्त 85 की सहायक आयवार आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, पूजा के दफ्तर में लिखा गया है।

> अप्तिल कुमार सक्षम **प्राधि**कौरी सहायक आयकर आयुक्त (<mark>निरीक्षण</mark>) अर्जप्त रें**ण**, पूता

क्षारी**ख**: 9-12-1985

#### नारत तरकार

कार्याचय , सहायक जानकर आयुक्त (मिरीक्षक)

अर्जम रेंज, पूपा

पुना, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

भिदेश सं० 37-ईई/5008/85-86—अमः मुझे, अनिल  $\overline{P_9}$ मार,

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने एसमें इसके पर्याक्ष 'उन्त निधिनियम' कहा स्था है), की भाषा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० बी०/4/1 तीमूर्ति अपार्टमेंट में 590, रास्ता पेट, एका—11 में रिष्य है तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इसये उपाबद्ध अनुसुची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री एती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त सिरीक्षण, अर्जन रेंज, में रिजस्ट्री रुपण अधिभियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, कारीख अक्तूधर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दक्षणान प्रिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार कृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एचे दश्यमान प्रतिफल के स्वकृत प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और इंसरिती (अंसरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया और प्रतिकल, निम्निलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक से शाबित्य में कमी करने या उससे वयते में शृंधिधा के निए; बॉड/धा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती दुनारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुनिधा अं लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अर्ध अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थीन, —  मेसर्स विमूर्ति विल्डर्स एन्ड प्रोमोटर्स, 590 शस्त्रा पेट, पुना-11।

(अन्तरक)

 डा॰ नान् विडियार भटराजभ, 501, राम्ना पेठ, पुना-11।

(अन्तरिती)

को वह चुचना वारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हों]।

वक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस स्वान के रावधन में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की नामील सं 30 दिन की अवधि, जा भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की बारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हिन्न बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास निकार में जिल्ला का एक गें।

स्पर्वे करणः ----इसमें प्रयुक्त जन्मों और पर्दाका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गया

#### स्य संस्थि

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/5008/85-86 जो अक्तूबर 85 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक **आय**कर आयुक्त मिरीक्षण अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-12-1**9**85

प्र<del>क्ष</del> वार्ड. दी. एन. एड. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनां रु 10 जनवरी 1986

77 मिदेण सं० राज्र०/सहा० आ० अर्जभ/2647---अत: मुझे, मोहन सिंह,

भायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 12 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण घर में बिणित है), रिकस्ट्रीरनी अधिकारी के वार्यालय, अयपुर में रिजस्ट्रीजरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-1-1986

को पूर्वे निस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वे कित मध्यित का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का सन्दृह प्रतिदात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाम गमा प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य में उकत अन्तरण निम्मित में कास्तरण में कास्तरण के स्व

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च बिध-नियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में मुविधा के निए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी. धन या अन्य ऑस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** वं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की **उ**पधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्मि 1. श्री मंबात्ताल मूला पुत्र श्री उदयसिंह ज्ञाति क्रोलयाल िवासी प्लाट नं० 2, महावीर मार्ग, सी-स्कीम, अवपुर।

(अस्तर्क)

2 श्रीमती मीरा रावा धर्मपत्नी श्री सत्यक्षारायण रावत ज्ञाति खण्डेलवात, विवासी साथानी वाली का रास्ता, ची० विश्वेक्षण जी, जयपुर।

(अन्धरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सं किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### प्रनृपुची

प्लाट न० 12, लाल जिलास, सर्वाई जयसिंह हाईने जनपुर का भाग जो उप पंजीयक, जनपुर हारा। कम म० 1432 दिलांक 25-5-85 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप में विवर्णित है।

> मोहन सिह् मक्षम प्राधिकारी उज्ञायक आयक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 10-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा भारा 269-थ (1) को कथीन सुवाना

#### मारत सुरुक्त

## कार्यात्तव, सहायक जायकर बायुक्त (निर्शक्तक)

अर्जम रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जभवरी 1986

निदेश मं० राजा०/महा० आ० अर्जम/2648—स्या: मुझे मोह्म सिंह,

बायकर क्रिंपिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्रां अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री करण अधिक्रियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-5-85

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विच्वास करने का कारण है

कि यथा प्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-बिकित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीणन नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण सं हुव् किसी आध की बावस , उक्स अभिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक औ वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जत: अब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकित्तिचित व्यक्तियों, अधित् :---5---446GI/85  श्री भंबरताल मूथा पुत्र श्री उदयसिंह जानि श्रोपबाल िवासी प्राट नं० 2, महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्दर्ध)

2. श्री सत्रातारायण रावा पुत्र सोमीलाल जी रावत, भिवासी 12, लाल निवास, हीरा वाग के पास, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सप्यक्ति के अर्जन के **दिए** कार्यवाहियां करता हु

**४क्त** सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पन स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्यति। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विक गया है।

#### बन्स्ची

प्लाट नं० 12, लाल निवास, सवाई जयसिंह हाईवे, जमपुर का भाषा जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 1431 दिनांक 25-5-85 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और बिस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 10-1-198<sup>6</sup>

प्ररूप आर्डं.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० राज०/सहा० आर् प्रर्जन/2649—स्वतः मुझे, मोहन सिंह ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसेको सं० प्लाट नं० 12 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रथीत, तारीख 8~5→1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दूश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री भंत्र ग्लाल मूथा पुत्र श्री उदयसिंह जाति ओसघाल, निघासी प्लाट नं० 2, महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरका)

2. श्री आणीप रावत नाबालिग पुत्र श्री सत्यनारायण जरावत, 12 हीराबाग, लाल निवास, बापूनगर, जयपुर।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ण्लाट नं० 12, साल निवास, सवाई जयसिंह हाईवे, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा मई 85 भे पंजीतित्व विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 10-1-1986

# ब्रस्क ब्राह्म स्था पुन् एक ,-----

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### शाउत वडकार

# अप्रयोगिय, सहायकः जाथकर जायुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपूर, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जनं/2650---यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 66 न67 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रजीन, तारीख 14-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृख्य से कम के पश्यमान प्रतिफान के निए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्रूप, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है है---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत उक्त निधनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वाबित्य में ऋभी करने या उससे नचने में स्विभा चै निष्; वरि∕या
- (क) एंसी किसी अ।य या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने 🤲 स्थिभा के लिए;

 श्री जसवंत सिंह पुत्र राघतसिंह चौहान स्वयं व बहैसियत सन्तान ,निजनी बागर, जोधपुर। (ग्रन्तरक)

7. श्री रमेश चन्द व श्रनिल मोदी पुत्रान व्यह्मवेध मोदी, 3 डी, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीख से** 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकोंगे।

श्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याच में विया गया है।

# अम्ः}्थी

प्लाट नं० 66 व 67 रावतसिंह बिहिड्स का 1/5 भाग, चौपामनी राइ, जोधपुर द्वारा ऋम सं० 1718 दिनांक 14→5-∙85 के घिकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सेक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) **ग्रर्जन रेंज, जयपुर**

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

**सारीखा** : 30--2-1986

# प्ररूप आइ.टी.एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, जयपुर जयपुर, दिनोक 10 जनवरी 1986

िदेश सं० रा०/मडा० श्रा० श्रजेन/2651---यड. मुझे, मोहन सिंह,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जीर जिन्हों संव प्याद नंव 66 व 67 है तथा जी जीरपुर में पिना है (और इस) उपाबद अनुभूवी में और पूर्ण रूप ने प्रिणत हैं), रिजन्द्रीकर्ना श्रीवकारी के कार्यालय, जारपुर में पिनाद्रीकरण श्रीविधिन, 1908 (1908 वर्ष 16) के प्रवीद, कारीज 30.5.1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दर्शित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित प्राजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में धृषिधा के लिए;

बत: अत, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्तर स्पन्तियों, अधीत् :—  श्री सूरेन्द्र सिंह चौहान पुत्र मंगल सिंह चौहान (स्वयं च हैसियत बहुनों के) निवासी जुनी वागर, जीवपुर।

(अस्तरका)

7. श्री सुश्राकर मोदी पुत्र सुखदेव मीदी 2 श्री प्रदीप मोदी पुत्र प्रकाणचन्द मोदी, किवासी 3-डी, गास्त्री संगर, जीवपुर।

(ग्रन्जिस्ती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अम सकोंगे।

#### श्रनुमुची

प्याद्य सं० ६६ स ६७ रावतिसह विल्डिंग का 1/5 भाग, जीवापनी रोड़, जोबपुर जी उन पंजीधक, जोधपुर द्वारा कम सं० 1925 दिशांक 30-5-85 के विकय पत्र में विस्तुत रुप में जिबरणित है।

> मोह्त सिह सक्षम प्राधिकारी सेहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 10--1--1986

प्रस्प बाहें. टी. एन. एस. -----

बायकर ब्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर,दिनाँक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० राज०/स्ट्रा० ग्रा० श्रर्जन/2652 - -यनः मुझे,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 2,69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रों र जिनकी सं० प्लाट नं० 66-67, है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इपसे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक 14 मई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तिण्ती (अन्तरित्या) क बीच एसे अन्तरित के लिए तम पाया गया प्रतिपत्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविक्ष में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अंधरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के काधित्य में कामी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के भिराप; और्∕या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जयः, उफ्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोविन्द सिंह चौहान पुत्र रावन सिंह पुत्रान भीम सिंह व क्याम सिंह ग्रादि जनीबागर, जोधपुर। (४:६:६)
- (2) प्री प्रकीण मोदी व प्रफुल मोदी पिसरान श्री प्रकाश चन्द मोदी, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को भह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :—

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### भनुसूची

्लाट नं० 66-67, रावत सिंह बिल्डिंग का 1/5 भाग चौपासनी रोड़, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1710 दिनाँक 14-5-85 पर पंजीबद्ध विकय पत्र से और विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 10-1--1986 .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनौंक 10 जनवरी 198€

निर्देश सं० राज०/महा० म्रा० म्रर्जन/2653——यतः मुझे, मोहन मिह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं प्लाट नं 96 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनौंक 13 मई 1985।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नामार मून्य से कम के क्षत्रमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का स्त्ररण है कि यथा पूर्वोक्त संबक्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यरक के दाबित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थास् :--- (1) श्री मूलचन्द पुत्र श्री इन्दरचन्द ग्रोगवान निवासी णान्तीपुरा, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी चन्द्र संवेती पुत्र श्री पन्नालाल निवासी संवेती भवन, महामंदिर, जोधपुर ।

(श्रन्भरिपी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जमत संपर्णि के अर्जन के संबंध में भाई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश्व, को भी जनिश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविकतमों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं ० 96 ग्रो० बी० मी० टी० रोड जांधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1695 दिनांक 13-5-85 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रोर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनाँक: 10-1-1986

मोहर ।

## प्ररूप मार्ड , ट**ो. ए**म , **एस** , प्रज्ञ - नाळा

## शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन ब्रुजना

#### STRU TENES

कर्मालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनौंक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/12654-यत: मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें <u> इतके पश्चात् 'जनतः अधिनियत्र' नहा यवा हैं), क√ भारा</u> 269-स के अभीन तकाम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थायर तम्यस्ति, जितका उणित बाबार मूल्य 1,00,000/- रतः **से अधिक ह**ै

ग्रौरजिमकी संब्प्लाट नंब 9 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनूमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्दीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13 मई 1985

को पुनीक्त संपाल के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिकल के लिए अन्लरित की गई है और भुके यह विद्वास करने का कारण है कि यभक्षेक्क संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके पश्यमान प्रतिकल का पन्द्रहाप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया म्प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है उ--

- (क) बन्तरण से हुइ' किसी जाम की बायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिक्य मा कमी करने वा सबबे बचने हैं हुर्दिया **में सिद्ध** कर्∕का
- (ख) एंसी निजसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने 👫 सुविधा 🖷 ीलए ।

স্বা: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-गृ **की अनुसरन** , मैं, उक्त किभिनियम की धारा 269-च की खपधारा (1) चे नधीन, निम्न**निधित व्यक्तियो**त **उपदि ⊪**—

(1) श्रीमती कमला देवी पत्नि श्री इन्दरचन्द स्रोगवाल निवासी मान्तीपुरा, जोधपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री लक्ष्मीचन्द जी श्रीसवाल संचेती भवन, महामंदिर, जोधपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को सह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहिया करता हूं।

## उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेष ए---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि जो भी गविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बर्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

**त्यव्यक्तिरण — इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में निका भवा है।

#### घनुसूची

प्लाट नं० 9 श्रो० बी० सी० टी० रोड़ जोधपूर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 1694 दिनाँक 13-5-85 परपंजीबद्ध विक्रय पत्न और विस्तृत रूप में से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनौंक 10-1-1986 मोहर

## प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के लधीन सुबना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक जायकर वायक्त (विरीक्तण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निर्देण सं० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/2655—यन: मुझे मोहन सिंह,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 43-44 प्लाट नं० है नथा जो श्रजमेर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजमेर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 23 मई, 1985

- को पूर्विक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मूल्य से कम के अक्सान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——
  - (क) सन्तःरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के विष्ह;
  - (क) एँसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्थियों को चिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए; और/या

(1) श्री रामेश्वर लाल पुत्र श्री नथमनजी, घास कटला, नया बाजार, श्रजमर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ब्राईलदास पुत्र श्री दीपचन्द नि० सरदारपुरा, जोधपुर एवं श्री गुरूमुखदास पुत्र श्री रामचन्द मदारगेट, अजमर।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिर्क् कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक, से 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किही क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंथ में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वजा है।

#### वन्युची

प्लाट नं० 43--44 परवतपुरा श्रीकोगिक अत, श्रजमेर जो उपपंजियक, श्रजमेर द्वारा कम संख्या 1369 दिनौंक 23-5-85 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से वर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 10-1-1986

मोहर:

जत: सब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की, जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थीत् ध—

शंकत बार. या देने देव -----

भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के अभीत स्था

#### मार्थ्य संस्थात

कार्यालय सहायक आयाकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपृर जयपुर, दिनाँक 10 जनवरी 1936

निर्देश स० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/2656--यतः मुझ, भोहन सिंह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की बादा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक ह"

स्रौर जिसकी सर प्लाट नर 6 है तथा जो ज धगुर में स्थित है (स्रौर इसपे उपात्रक प्रतृसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के जार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण स्रधितियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीत, दिनौंक 1 मई, 1985

कां पूर्यांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिक्षत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांचा भवा प्रतिफल, निम्निचिवित उच्चोस्य से उच्च अन्तरण जिचित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (45) अन्तरण से हुई किसी जान की वावत, उन्नद अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क औं दासित्व में कमी करने या उससे सचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बत:, बब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ध व अनगर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पधीर निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्धीर :--- 6--446 GL 85

(1) श्री जसवत सिंह पुत्रश्री श्रम २ सिंह राजपूत निवासी रेजी डेंसी रोड़, जोधपुर ।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री गीतमराज भनाकी पुत्र सोहनलाल भंसाली 6 जातिम त्रिलाम, पावटा बी० रोड़, जालन्धर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स स्पत्ति के अधन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :----

- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को हामील से 30 दिन की बद्धि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंग, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवातः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकींगें।

स्वक्टीकरण :— इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया ववा हैं॥

#### जगत ची

प्लाट न० ६, जोलिम विलाम, पावटा बी रोड़, जौधपुर जो उपप्रजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1561दिनौंक 1-5-85 पर्यजिबद्ध विक्रय पत्र में स्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनाँक. 10-1-1986

मोहरः

प्रक्ष नाइ.डी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपूर

जयपुर, दिनौंक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/2657—-यतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 6 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रत्भूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित् है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, दिनाँक 1 मई 1985

को पृष्टेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रधमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अंतरण कि सिंबत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (ड) एंसी किसी बाय या किसी धन पा जन्य आफ्रियों करें जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

गतः अव, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्री जसवत सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह राजपूत निवासी रंजीडोंसी रोड़, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा मंमाली पत्नि श्रीगीतमराज निवासी 6 जालिम विलास, पावटा बी० रोड, जोधपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्धान के सम्बन्ध में कोई भी मार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्रकें हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 6, जालिम विलाय, पावटा बी रोड़, जौधपुर जो उपपंजियक जोधपुर द्वारा कम संख्या 1560 दिनौंक 1-5- 5 परपंजिबद्ध विक्रम पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंहर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनाँक: 10~1-1986

माहर:

प्रकार कंद्रा . टी . एव . एक ु-----

बावकर विधितिसम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के सभीत सुचता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनाँक 10 जनवरी 1986 निर्देश सं० राज०/महा० श्चा० श्वर्जन/2658—यतः मुझे मोहन सिह

नायकर निपित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रवाद 'उन्ने निपित्रमा' कहा नमा है), को भाषा 269-च को अभीन संक्षम प्राधिकारी को यह किलाब करने का कारण है कि स्थापर कमस्ति, जिल्ला जिल्ला नामार मृत्य 1,00,000/- का से निभक्त है

ग्रीर जिसकी सं० क्वाटर नं० 14, 15 है तथा जो बीकानेर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बीकानेर , रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक 23 मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य ते कम के क्रममान प्रतिकास के क्रिए बंतरित की नई है जौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एके क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया पका प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिविद्य वो वास्तिक क्य से कीयत नहीं किया गया है :--

- (अर्थे क्लारन ने हुई फिकी बाब की बावछ, उक्त विश्वित्व के न्यीन कर देने के ब्लाइक औ वाजित्व में क्ली करने या उन्नचे बचने में सुनिया वी जिथ; और/वा
- (ब) एंबी किसी नाय वा किसी थय का थाना जारिता को, जिन्ही भारतीय नामकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्यम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ निस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया नाता वाहिए था, किनाने में सुविधा के किए;

अतः अव, अक्त अभिनियम् कौ धारा 269-ग को बनुसरण भौ, मौ, अक्त विभिन्नियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निस्तनियित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री तूरवत सिंह, राजेन्द्र कुमार करनावट, 372, श्रपरचितपुर रोड़, कलकता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० पी० शर्मा, एस० बी० बी० जे० बीकानेर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वनित सम्मत्ति के वर्षन को सिए कार्यवाहियां सूक करता हुई (1)

बन्द बन्दीत में वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों वह सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति स्वाय;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीत्र उन्ह स्थावर सम्पत्ति में हिस-वृष्य किकी जन्म व्यक्तिय द्वारा, व्योहक्ताकारी के पाव सिविद में किए वा स्केंगे।

रमस्वीकरण: ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुज्जी

क्वाटर नं० 14, 15 सोहनी कोटी के पास, बीकानेर जो उप पंजियक बीकानेर द्वारा ऋम संख्या 414 दिनौंक 23-5-85 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

दिनौंक 10-1-1986 मोहरः

## प्रकल कार्ड. टी. एव. एड.-----

## बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्याक्षय, बहायक बायकर बाब्स्क (निरीक्स)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 9 जनवरी 1986 निर्देश सं० चण्डी/46/85-86--श्रत: मुझे जोगिन्द्र सिंह

बायक विधानियम, 1961 रा 961 का 43) (विश्व इसकें इसकें परचात् 'उक्त विधानियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० 151 है तथा जो सैक्टर 11ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्ंसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक मई 1985

को पूर्वोच्या सम्परित को उचित बाजार बृत्य सं कम को ध्रयमान श्रीतफ स को लिए अन्तरित की गई है बौर भूमों यह विस्थास खरने का कारण है कि यथापूर्वोच्या सम्परित का उचित बाबार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्छ प्रोत्याय से प्रथिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पामा यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण निचित को बास्तिक कर सं कीचत नहीं किया गया है:—

- (क्यें) वश्यारण के हुक्षं चित्री वाच की बावछ उपक शीवनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के वावित्य में कमी करने वा उपने वचने में सुविधा में निष्ठु करेंद्र-/वा
- (अ) एसी किसी नाम वा किसी धन या अस्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर सिधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उनत निधिनियम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्तरियी बुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्षः

कत: अव, उक्त गीधीनयम की धारा 269-न के वनुसरण जै, मैं, उक्त गीधीनवन की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :--- (1) श्री राम मोहन राय पुत्र श्री महाराज किशोर निवासी मकान नं० 151 में क्टर 11ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स बैस्टो कलचज एंड स्पेरज, 44 मनोज इंडस्ट्रियल एस्टेट वडाला बम्बई द्वारा उनके हिस्सेदार श्री श्रमरदीप सिंह (एच० यू० एफ०) पुत्र श्री कुलवन्त सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को वह सुचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मास क अजन का लिए कार्यवाहियां कारता हो।

#### उक्त सम्मित के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस स्था के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्विधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्विधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (क) इस सुवना के रावपव में प्रकारन की तारीक्ष सं 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहम्लाक्षारी में पास निवित्त में किए जा सकीने।

स्वकारिकरण: ----इसमें प्रयुक्त काक्षी और पर्यों का, ओ उन्हें काधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मकान नं ० 151 मैंक्टर 11ए च लीगढ़ (श्रयात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी चडीगड़ विलेख संख्या 249 माह मई 1985 के तहन दर्ज है)।

> जं।गिन्द्र सिह् यक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायु∌न ∮िनरीक्षण) स्रजंन रेंज, ल्धियाना

दिनोक: 9-1-1986

माहर:

प्ररूप आई. डी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्बालय, सहायक जाबकर जाबुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिलंक 10 जावरी 1986

निर्देश सं० चणडी०/39/85-86---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चार्य 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रवित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1666 का 1/5 भाग, जो सैंक्टर 7-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित (ग्रीट इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पृष्टा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरूण लिखित में श्वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जीर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थाह :—  श्रीमती भाग कौर विधवा स्व० श्री कर्म सिंह, िवासी मकान नं० 3309, सैंक्टर 40—डी०, चंडीगढ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरमुख सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह, निवासी मकाम नं० 1584 सैक्टर 18-डी०, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । है।

## जनसंची

मकाम नं० 1666 सैक्टर 7-डी० का 1/5 भाग, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख सं० 224 माह मई 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 10-1-1986

## प्रकृत केला . टी . युव . एस . जनवा ननवा व्यव

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के मधीन सूचना

#### error uncorn

कार्यातय, बहायक बायकर आयुक्त (निरोक्सन)

अर्जम रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिना ह 9 जनवरी 1985

निदेश सं० चण्डी०/38/85-8०--अतः मुझे, जागिन्द्र सिंह,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तरों असके परभात 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारन का कारण के कि स्थावर संपरित, जिसका उचित दाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० महान तं० 320 है तथा है। नैन्दर 21-ए, चंडीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसने उपायह अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीनर्सा अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिजर्ट्रीयक्क अधिकारी में 1965

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एक दृष्यमान कि जीव बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एक दृष्यमान कि अरि अत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि विश्व यो वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अन्तर विधिनमूज के बधीन कर दोने के अन्तरक के शावित्य में क्षणी करने या उससे वचने में सुविधा के सिक्: कीर्-वा
- (का) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में हिन्दा के सिए:

बार अंत. उर त अधिनियम की धारा 269-य के अनसरण भे, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियर्गे अधीन हो—- 1. श्रीमती राजरानी भल्ला पत्नी श्री ब्रिज भूषण भल्ला, श्री नरेन्द्र कुमार भल्ला पुत्न श्री ब्रिज-भूषण भल्ला, नियासी महास नं० 320 सैक्टर 21-ए चंडीगढ़।

(अन्तर ह )

2. श्री हरपाल सिंह् छाबड़ा पुत्र श्री साहिब सिंह् छाबड़ा तथा श्रीमती राज रानी पत्नी श्री हरपाल सिंह छाबड़ा श्री गुरदीप सिंह छाबड़ा पुत्र श्री हरपाल सिंह छाबड़ा सभी निवासी मंकान नं० 320, सैंक्टर 21-ए, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पृथानित सम्परित से सजन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### बक्त बम्परित के क्षर्यन के सम्बन्ध भी फोड़ी की बार्सप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वं 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अधि भाष में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद् व्यक्तियां में संकिसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकींगे।

अवश्लीकरण:--इसकं प्रयादा कार्याः और पक्षों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

मात्राम नं० 320 सँक्टर 21-ए चंडीगढ़। (अर्थात् वह जायदाद जो ि रिजिस्ट्री∵र्ता अधियतरी चंडीगढ़ के विलेख सं० 223 माह मई 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना

ति:रीख: 9−1−1986

मोहप:

## प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० चंडी०/36/85-86--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल प्लाट न ० 24 वा 1/2 भाग है तथा जो सैक्टर 29-डी, आइरम मार्केट, चंडीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अमुरूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त -सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और बंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया स्वा

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीप, निम्कीलीबत स्यक्तियों, अधित \*\*\* 1. श्री हरदेव सिंह पुत श्रीपाश तिह, निवासी मंडी, गोबिन्दगढ़।

(अन्तरक)

 श्री बलकार सिंह पुत्र श्री मोहम सिंह, शिवासी मंडी गोविन्दगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त आधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्षसम

इंड स्ट्रियल प्लाट सं० 24 का 1/2 भाग जो कि सैक्टर 29-डी, आइरन मार्केट, चंडीगढ़ में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 214 माह मई, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1986

प्रमण बाह्र' हैं। एस. एड.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सब्बा

#### भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, क्षियामा

लुधियामा, दिनां 9 जनवरी 1986

निदेश सं० चंडी०/22/85-83---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की सधीन सक्षम प्रक्रिकारी को, यह विकास कारन का कारण है कि स्थानण सम्बद्धि, जिल्लान स्थित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं एक सी एक नं 30 है तथा जो मोटर मार्केट तथा जमिश्यल कम्पर्णेन्स, मनी माजरा, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रासुनी में श्रीर पूर्ण रूप से किंगा है), रिजस्ट्रीकर्स शिवरारी के कार्योख्य, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण किंकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख सई, 1985

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएबें कत मन्पतित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एखे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एखे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्ण वे नकत अन्तरण निस्ति में वासाविक एखे अनिश्त नहीं विश्वा गया है:---

- (बा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियत्र को अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बाँर/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय अध्य-कान अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कान अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा तकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था जिल्लाने में स्विका के लिए:

बतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित न्यिक्तियों, अथीत् :--- श्रीमती विका सक्ती भएता, पत्नी श्री डी० टी० महिला, कार जाती जनरव जटानी श्री एक० के० डीगरा, पुत की विर्माण दास, निवासी मकान गुं 1256 भैगटर 32-बी, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2 श्री एप० एस० नीमा तथा श्री जे० एस० चीमा, पुजाल श्री काई० एस० चीमा, निवासी मकान नं० 1534, सैन्टर 34-डी, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सुचटा जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के **बर्जन के लिए** कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप म्-

- (क) धन सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब ह 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सुबन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी न्याचित नार में सहारत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स कारणा के के किसी मानित हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध किनी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश में किए जा सकेंगे।

स्वष्यीकर्णः -- ्मर्स अयव्य शक्यो और पर्यो का, जो उनर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हो वहां अर्थ होता को तल अध्याय में दिस मधा हो।

#### वनसभ

एक० सी० एक० साईड तं० 30, मोटर मार्केट, तथा क्रमणिवन बस्वजंकत मनीमाजरा (यू० टी० चंडीगढ़) (अवांत् बह नायराद जो कि रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के विलेख सं० 128 माह मई, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायात आयकर अत्युक्त (भिरीक्षण) अर्जा रेंज, लुधियाना

जारीख: 9-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जंग रॉज. ल्धियामा लुधियाभा, दिसांक १ जनवरी 1986

निदेश सं० न्वरड़/7/85-36--अनः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके रवके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारों की यह विश्वात करने का अरुग हैं कि स्थावर सम्परित, विसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जितकी सं० भूमि 83 कराण 6 मरला, है तथा जो गांव सुराधपुर, धहसील खरड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणा है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्याच्य, खरड़ में, रजिस्ट्री हरण अधि-थियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, धारीख मई, 1985

को पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापृथाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंसरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सम्बद्धिण कर के करियत नहीं किया गया है:—

- /क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य वास्तिकों की, जिन्हों भारतीय बायकार विधिनयम 1922 हैं। 1922 का 11) वा उत्तर विधिनयम के अधीन कर दोने के बंतरण के दायित्व
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः क्रकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कं, मं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) अं वर्धार जिल्लानिक्ति क्रारिक्तमाँ, सर्धात ह—-7—446 GI/85 श्रीमती रूपेन्द्र कीर पत्ती श्री गुरुबिन्दर सिंह,
 श्री गुप्तिन्दर सिंह पुत्र श्री सुवेत विह, निवासी
 687, सैक्टर 11-बी, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसर्स यूशाइटेड फार्म्स, गाँव सुलतानपुर, तहसील खरड़, द्वारा हिस्नेदार श्री महेन्द्र सिंह, तिवासी बंगला नं० 21/सी-2, माडल टाउन, मुलां, बम्बई-80।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए अगर्यगशिका शक्ष करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वान, के राजण्य में प्रकाशन की तासी के 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकने।

स्यष्टिकरणः:---इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यों का, को स्वर्क विधिनिक्य को अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होता को उन्ह सध्याय को दिका वया है।

## जम्सूची

भूमि 86 कताल 6 मरला जो कि गांव सुल्तामपुर तहसील खरड़ में स्थित हैं (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख मं० 882 माह मई 1985 के तहत दर्ज हैं)

> जोगिनद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायः आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख: 9-1-1986

## प्रथम बाह् , टी . एव . एस . -------

## शामकर अधिमिनम, 1961 (1961 का 43) कर्र याचा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर कायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लुधियामा लुधियाना, दिमांक 9 जनवरी 1986

मिदेश सं० खरड़ | 45 | 85 - 86 --- अतः मुझें, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269 का के अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० महान नं० 1945 है तथा जो फेंज 5, मोहाली में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुप्ती में श्रीर पूर्ण रूप ने निंगत है), रजिस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख मई/अगस्त, 1985

को प्रवेदित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापबॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इक्यमान प्रतिफल है, ऐसे दक्यमान प्रतिफल का बन्ताह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब गांवा गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्विष्य से उक्त अन्तरण किकित में बास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (का) अन्तरण से हुई फिसी बाब कीं, बाबत, सक्त विधितिसम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में तृतिका के लिए; जीर/का
- (क) एमी किसी भाग या किसी भन का अध्य आस्तियों को जिस्हों भारतीय जायकर जीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सर्विधा केसिक्:

सका अजा, अप्रत कियानियम की भारा 260-त के इतमरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 260-त की उपधारा (१) के अधीन, विश्वनिकित स्थानिककों, अर्थान अन्न  श्री अनदीश सिंह गिल पुत्र श्री लाभ सिंह, सुपर-टैडिंग इंजीनियर इरीगेशन डिपार्टमेंट, पंजाब, निवासी मकाम नं० 1945 फेज-5, मोहाली, सहसील खरड़।

(अन्सरक)

2. श्री रंबीर सिंह रैमा पुत्र श्री करतार सिंह रैमा, निवासी 5 प्राईम रौंड, शिमला अब मकान नं० 1945, फोज-5, मोहाली, हहसील खरड़। (अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के निष्-कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- '(क) इस स्वना के राजवत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के व्यंच लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिवा नया है स

मकाम नं० 1945, फेज-5, मोहाली हहसील खरड़। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख सं० 2942 माह अगस्त 1985 के हहत दर्ज है)

> जोगिद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 9-1-1986

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० रूपनगर/1/85-86--3तः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कारकर अभिनियम, 1/361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिनकी सं० भूमि 2 काल 5 मरला 4 सरसाई, बिल्डिंग सहि। है ाया जो रो ह में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से बिल्त है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के जार्यालय, रोपड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के जार्यालय, रोपड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिकार 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई, को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कमे के करममार प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वांक्त संपत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके करमान प्रतिफल से, एसे करमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पाया गया प्रति-फल, निमालिश्वत उद्वंध्य से उसत अन्तरण लिश्वत में बास्त-शिक कम से कथित नहीं किया गया है कु-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दादित्य में कमी करने या उत्तरे वचने में तुर्विधा व जिए: वांड/या
- (वा) एसी किसी बाब या किसी कर या अस्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

बतः क्षत्र, उक्त विधिनयम, कौ धारा 269-म के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मलिकित स्यक्तियों, वर्भात्ः— गैसर्स दलजीत एण्ड कं० प्राईवट ार्मामटेड, रिजस्टड आफित रोपड़ रोड़, कुराली, द्वारा डायरेक्टर श्री वरिन्द्र सिंह पुत्र श्री बचन निंह निवासी गांव रणजीतपुरा, डा.खाभा महरीली मोरिंग तहसील तथा जिला रूपशगर।

(अन्तर्क)

2. सर्वश्री मनी सिंह तथा हरदयाल जिंह पुत्रान्, श्री दलजीत जिंह, निवासी गाँव माजरा जट्टां, तहसील वलाचीर, जिला होणियारपुर।

(अन्तरिती)

 मैतर्स रायच इंडिया होटन (2) मैतर्स न्यू इंडिया इंशोरेंस कंपनी ,रूपनगर।

(बह व्यक्ति, जिसके निधिभोग में सम्पत्ति है)

की वह सुचना बारी करके पृथीन्त्र प्रस्पत्ति के वर्णम के सिष् कार्यनाहिमां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप हिन्न

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच में 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, ले की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस ब्या के रावपत में शकावन की शारीय से 45 वित् के धीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरों के पार लिकित में किए वा सकेगें।

स्वकाकरणः -- - इसमें प्रयुक्त सब्बा और पर्वो का, यो अक्ट वीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभालिन है, मही अर्थ होता, बो कुल बध्याम में दिन एका है

#### मन्द्रभी

भूमि 2 कवाल 5 मरना 4 सरसाई विल्डिंग नहित जो कि रोपड़ में स्थित हैं (अर्थान् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रोपड़ के विलेख सं० 339 माह मई 1985 के तहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियामा

तारीख: 10-1-1986

प्रक्य आर्च . शी. एन . एस् . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन सुधना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक कायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाता, दिनांक 9 जनवरी 1986

मिदेश सं॰ लुधियाना/188/85-86-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० महान नं० 20-1349/1 (पुराना); शी-20-1989 (प्रया) का भाग है तथा जो महाराज मगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख मई, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृझे यह विश्वास करने के: कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी अप या किसी धन या केय आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्ति (तो व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

बतः पत्न, चक्त कि त्यम की भारा 260-ग के अत्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिनित व्यक्तिकार अधीत श्रो देत रात पुत श्रो मानी राम, तिकसी 10/48,
 पी० ए० यु०, लुधियाना।

(अन्तर्क)

2. श्री मछत्तर सिंह पुत्र श्री चामम सिंह, श्री कुनदीप सिंह पुत्र श्री मछत्तर सिंह, श्रीमती विदवनत कौर पत्नी श्री छुण्ण सिंह, श्री मोजीत सिंह, पुत्र श्री कृष्ण सिंह, द्वारा मैसर्स सरदार क्लाथ हाउस, गराली रोड़, जोरहाट (आसाम)।

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त बंपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी क 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवकूभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल सिहित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिशा गया है।

## यन्स्ची

मकान नं० बी०- 20 -1349/1, (पुराता) तथा बी-20-1809 (नया) का भाग जो कि महाराज नगर, लुधियामा में स्थित हैं। (अर्थात् वह जायवाद जो निर्पतिस्त्री हती अधिकारी, लुधियामा भे विलेख सं० 2228 माह मई 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेंज, शृधियाना

सारीख: 9-1-1986

## प्रकृष बार्च, दी, एस, ध्रुब,------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकाइ

## कार्णलय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लिधयाना

लिधियाना, दिली है 10 जनवरी 1986

निर्वेश सं० लिधयाला/187/85-86--अतः मझे, जोगिन्द्र सिंह.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याय करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य,

1,00,000/- ए. से अधिक हैं

मीर जिसकी संव नी-111-1387/36-सी हैं द्या जो

किरल गगर, लिध्याना में विश्वर हैं (फ्रांप इससे उपायत्व अन्तूनी में फ्रीप पूर्ण रूप से विष्या हैं), एजिप्ट्रीय की अधिकारों के कार्यालय, लिध्याना में, एजिप्ट्रीय प्र विधि मार्थ के कार्यालय, लिध्याना में, एजिप्ट्रीय प्र विधि मार्थ 1985 में पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तीरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्य हैं कि समाप्य किन समित का अधित सामाप्य क्रिया का कार्य हैं कि समाप्य किन समित का अधित सामाप्य क्रिया, उपाय स्थाप प्रतिफल का क्रिया का कार्य हैं कि समाप्य किन स्थित का अधित सामाप्य क्रिया जाता के लिए तय पामा गया पति
क्रिया निम्वनिचित उद्देश्य से उजत अन्तरण निधित में बान्तीक क्रिया गया हैं:---

- (क) अलारण संहुई किसी आय की भावता, उनका अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तर्क के स्विपल्य में कमी करने या उससे बसने में स्वीवधा औं सिष्ट: और/या
- (म) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती उवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में मुजिया के लिए;

जतः शव, उपत जिमिनियम की भारा 269-ग के जनसरण की, में अथल जिमिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीत भिन्नी जिल्ला स्मिथितयों, अर्थात :—

1. श्री मंह्य सिंह पुत्र श्री आता तिह हारा जी पी० ए० श्री घर तिह होगरा पुत श्री केतर हास, 81-सी, किवलू तगर, लिखनाता।

(अन्धरक)

श्रीमती विजय काँडा पत्नी श्री भर्रासह ढीगरा.
 81-सी, किचलू भगर, लिधयाना।

(अन्तरिती )

का यह सूचना भारी करके पूर्वोक्द संपत्ति के वर्षण के किस कार्यमाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्कप अ-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख धें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों जा, वो उपद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधे हांगा को उस अध्याय में थिया गया है।

## व्रमुखी

मकार नं बी-111-1387/36-सी कि क्लू नगर, लिंबिग्राना। (अर्थात् वह जायशव जो कि रिजिस्ट्रीकती अधिकारो, लिधियाना के विलेख सं 2212 सा**ह मर्थ** 1985 के सहस दर्ज है)

जोगिनद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अप्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना

सारीख: 10-1-1986

प्रकृप बाइ . टी. एन . एस . - -----

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-प (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासन, बङ्गायक नायकर नायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, लुधियाना

खुधियाता, दिनो र 10 जनवरी 1986

भिदेश सं० लुधियाना/187/85-86-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्तर मिनियम' कहा गया है'), की भारा 259-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाबार मूक्त 1,00,000/- रा. से मिथिक है

मौर जित्तकी सं वी—XXIII—104, है तथा जो इंडिस्त्रिय एरिया ए० लुधियामा में स्थि: है (श्रीर इत्ती
उपाबत अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विभि: है), एजिस्ट्रीवर्ती
अधिकारी के कार्यालय, लुधियामा में एजिस्ट्रीवरण अधिक्रियम
1908 (1908 का 16) के अधीम सारीख मई. 1985
के वृशेंकत सम्पत्रि के उचित बाजार मूम्य सं कम के क्समान
श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
वृत्व, सबके स्थान प्रतिफल सं, एसे स्थममून प्रतिफल का
वृत्व, सबके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थममून प्रतिफल का
वृत्व, सबके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थममून प्रतिफल का
वृत्व, सबके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थममून प्रतिफल का
वृत्व, सबके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थममून प्रतिफल का
वृत्व, सबके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थममून प्रतिफल का
वृत्व, सबके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थममून प्रतिफल का
वृत्व, सबके स्थमान के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया
व्या प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण किवित में
वृत्विक स्थ से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) बन्तरम हे हुई किसी बाय की बावत, सम्बद्ध बीधनियम से अधीन कह बोने को बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरसंबचने में सुविधा के जिए; ब्रीड्र/या
- (ख) एंसी किसी काय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना बाहिए था, किया में बृतिधा वै शिया;

अतः जन, उन्त जीवनियम को धारा 269-ग क जनसरण वो, में, उपत जीधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वो ज्ञाबीन, निस्निविधित ज्यक्तियों क स्थादि क्रान्स

- 1. भेसर्त यंगमैन हीगरी फैन्ट्री, 49, इंडस्ट्रियल एरिया ए०, लुधियाम द्वारा हिस्तेदार सर्वश्री रनेम कुमार जनोता, रिव कुमार जनोता, प्रवीण कुमार जनोता, पुतान् श्री अमर माथ जनोता, निवासी 143-144 एव०, भाई रंधीर तिह नगर, लुधियामा। (असरक)
- 2. मैसर्से रोटैनस डायरच, दयाल निनास, भादीइ, द्वाऊर, लुधियाना।

(अन्तरितीः)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षत के विश् कार्यवाहियां करता है।

सन्त संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोजक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- श्रद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकी।

स्वक्षाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विका वया हैं।

#### नगत्त्र ची

फैंग्ट्री बिल्डिंग नं० बी-XXIII-104, इंडस्ट्रियल एरिमा-ए, लुधियाता। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, लुधियाता के विलेख सं० 1774, माह मर्द्द 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना।

तारीख : 10−1−1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1986 निदेश सं० लुधियाना/215/85-86--- घ्रत, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

ब्रियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थागर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रंठ. से अधिक है

और जिसकी सं भकान नं बी-VIII-219 का भाग है, तथा जो मोचपुरा बाजार, सुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुधी में और पूर्ण कप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से काम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) थौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य जास्तियों की, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अष उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, द क्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधाराः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  श्रीमती जसबन्त कोर पत्नी श्री बीर सिंह, श्री बीर सिंह, पुत्र श्री राम सिंह, श्रोमती परमजीत कौर पत्नी श्री कुलबन्त सिंह, श्री देसा सिंह पुत्र श्री गनपत राम, निवासी बी-VIII-219, मोचपुरा बाजार, लुधियाना।

(प्रन्तरक)

2 सर्वश्री बनारसी दास, गेजा राम पुतान श्री राम गोपाल, निवासी 219, कुचा नं० 5, फीटर गंज, लुधियाना, (2) सर्वश्री केगो राम, प्रकाण धन्द पुतान, श्री हंस राज, निवासी 494/9, हरपाल नगर, लुधियाना, सर्वश्री राम नारायण, सीता राम प्रयोक कुमार पुतान श्री नन्द लाल निवासी 1835 बस्ती श्रबहुल्लापुर, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

 श्री श्रगोक कुमार सथा प्रकाण चन्द, निवासी मकान नं० बी--VIII--219, मोचपुरा बाजार, लुधियाना।

> (बह व्यक्ति, जिसके श्रि**धिकोग में** सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्परित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अयधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त हािंधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० बी-VIII-219, मोचपुरा बाजार, लुधियाना (श्रयात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी, लुधियाना के विलेख सं० 3174 माह मई 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख: 8-1-1986

## भारूम भार्", टी. एन . एस ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० लुवियाना/215-ग्०/85--86---म्रतः मुझे,

जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को गई विष्यास कारने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से इधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी- VDT- 219 का भाग है तथा जो मोचपुरा, लुधियाना बाजार में स्थित है (और इसते उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री:त्र्ता शिधिकारी, के बार्यीलय लुधियाना में, रिजस्ट्री-करण श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1985

कां पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय क्या गया प्रतिफल, निम्निनितित उद्देश्य से सक्त अन्तरण रिविस्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बर्देयानग्रस के संधीन कर योने के बन्तरक के दाधिरण दो करी करने या उससे वसने में सीवधा वै सिए; बार्द/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नम धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औ सिद्द;

बतः शव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरक मे. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) क बाधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- भीमती जसबन्त कौर पत्नी श्री बीर सिंह, श्री बीर जिंह, पुत श्री राम सिंह, श्रीनती परमजीत कौर पत्नी श्री कुलबन्त सिंह, श्री देसा सिंह पुत्र श्री गनपत राम, निवासी बी-VIII-219, मोच-पुरा बाजार, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2. सर्वश्री बनारसी दास, गेजा राम, पुत्रान् श्री राम गोपाल निवासी 291 कूचा नं० 5, फील्ड गंज, लुबियाना सर्वश्री हिया राम, प्रताश चन्द पुत्रान् श्री हुन्स राज, निवासी 494/9, हरपाल नगर, लुबियाना तथा सर्वश्री राम नारायण, यसीता राम, श्रशोक कुमार, पुत्रान् श्री नन्द लाल, 1835, बस्ती अबदुल्लापुर, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री सीता राम, निवासी मकान नं० बी-VIII-219 मोचपुरा बाजार, लुधियाना।

> (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभौग में सम्बक्ति है)

को मह सूचना जारी करके वृत्रांच्य सम्परित के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील में 30 दिन की सविध, जो भी
  सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्मीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों बीर पदों का, जो उपस्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिया वया है।

#### **अन्**यूमी

मकान नं० बी-VIII-219, मोचपुरा बाजार, सुधियाना का भाग (अर्थीन वह जायदाद जो कि रजिःद्रीकर्ती अधिकारी सुधियाना के विलेख सं० 3176 माह मई, 1985 के तहत क्षे है)

जोगिन्द्र सि**ह्** सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

सारीख: 8-1-1986

श्रस्य बाइं.टी.एन एव. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

अध्यक्तिया, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निर्देण मं० लुधियाना/200/85-86---म्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

वायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवाल जिन्द अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० श्राई-11 का 1/4 भाग (म्यूनिसिपल कार्पोरेणन नं० बी-20-1195/11) है तथा जो सराया नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अश्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मई, 1985 को पूर्वोकत सपरित के उचित बाजार मूक्य से कम के द्रश्यमा प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रश्यमान ग्रीतफल से एसे द्रश्यमान ग्रीतफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ग्रीतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ग्रीतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविभा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

ज्याः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ;— —446 GI/85 1- श्रीमती लरलोचन कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह, निवासी ढुगरी रोड़, माडल टाउन, लुधियाना द्वारा श्रो हरी कृष्ण पुत्र श्री श्रनरचन्द, जनना नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती भरावाँ बाई पत्नी श्री गंडा राम, निवासी श्राई-11, मराया नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विपनियम, के बध्याय 20-क में पौरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

मकान नं० श्राई -11, सराया नगर, लुधियाना का 1/4 भाग, (म्यूनिसिपल कार्पीरेशन नं० बी-20-1195/11) (श्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लुधि-याना के विलेख सं० 2321 माह मई, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1986

## प्रकार वार्षे. टी. एन. एत. ----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### नारत संस्थार

कार्यातय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 9 जनवरी 1986 निदेश सं० लुधियाना/186/85-86---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अपिशित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चार, 'उक्त मिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269 च ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उनित भाषार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी-12-485 का हिस्सा है तथा जो जेल रोइ, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में ,रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कम के इस्प्रमान शिक्कत के लिए बन्तरित की नहें हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से एसे इस्प्रमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में सास्तिषक कर में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से धूर्व किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के जन्तरक वी स्वाधिक में कमी करने या उसने नचने में अधिया से बिद्य; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जस्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बर्धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में ज्यिता के लिए;

नतः अन, उक्त विधिवियम की भारा 269-ण के अनुसरण ने, मी, डक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिणों, लाग्या ह— शिमती मुशीला मैनी, विधवा श्री इकबाल नारायण, विजय लक्ष्मी, नर्मदा नीलम पुतियाँ तथा श्रफ-ताब राय, कुलभूषण पारित तथा विनोद पुतान् श्री इकबाल नारायण, निवासी बी-12-485, जेल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबक्श सिंह पुत्र श्री केसर सिंह, निवासी बी-12-485, जेल रोड, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जनिध या शत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वान की ताशीस से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्ति में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (व) इस सूचना के राजपन को जकावन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिल-बहुच किसी काम व्यक्ति ब्वारा, अभाइस्ताक्षरी के पास विविध में किए का सकेने।

स्वच्छीकरण: ---इतमें प्रमुक्त सन्दों बीर पर्दों का, वो उक्क करिंश-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ डांगा. को उस अध्याय में दिया नवः है।

## मनुसूपी

मकान नं बी-12-485 का भाग, जेल रोड़, लुधियाना (ग्रर्थात् वह जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधि-याना के विलेख सं 2186 माह मई 1986 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

शयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सङ्घयक जानकर बागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 10 जनवरी 198

निदेश सं० लुधियाना/206/85-86--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

नावकर त्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिने ध्वते इतक प्रभात् 'उक्त निर्मायम' कहा नवा हैं), की भारा 269-व के नभीन वंक्रम प्राधिकारी को वह निर्माय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 460—जी, है तथा जो भाई रंधीर सिंह नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वों कर सम्पत्ति के जीवत बाबार मूल के कम के स्वयान श्रीतिकत् के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वात करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके क्रथभान प्रतिकास हो, एसे स्वयान प्रतिकास का पत्त्र्य श्रीतिकत के निभक है बीड बन्तरक (बंतरकों) बीड बंबरिती (ब्रुक्टीरित्वों) के बीच एके बन्तरूण के बिए बर्च गांवा नवा प्रतिकाल, निम्नालिखित उद्विश्यों से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष के करियन वहाँ किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुन्दं कि शे आय की बाबत, उक्त विधिवित्र को वधीन अध्य दोने की बन्दर्क को दायित्व में नेशी करूने ना उत्तदे तकने में सुविधा के सिए; बार/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी तम या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आमकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियस, या भन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा आ या किया जाना चाहिए था, कियान के स्विधा के सिया।

करः कव, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसर्क को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री दयाल सिंह पुत्र श्री गुरिंदत्त सिंह, गाँव सुनेत तहसील तथा जिला लुधियाना द्वारा जी० पी० ए० श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री किणन चन्द निवासी वी-8/713, बराऊन रोड, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- श्री दिलदार सिंह पुत्र स्व० मोहन सिंह, निवासी
   2—बी०, सराया नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया करता 🚛 ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्य 45 दिन की अविधिया तत्सं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति इंगर अधोहस्ताक्षरी के पास बिसीस में किए जा सकोंने।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, क्ही ीर्च होगा जे उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 460-जी० भाई रंधीर सिंह नगर, लुधियाना (म्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ना म्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख नं० सं० 2510 माह मई, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह भक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख :19-1-1986

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निदेश मं० लिधयाना/257/85-86--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० महात नं० वी -XIX--1387/36-सी, तथा जो किचलू नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुभूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है). रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई. 1985

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से की बत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिथा के रिज़ए;

अधः इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्रीमती विजय ढींगरा पत्नी श्री नर्रासह ढींगरा, निवासी 36—प्ती०, किचलू नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीसती ग्रमृतपाल लिह पुत्र श्री मेहर लिह, श्रीमती गुर्राजदर कौर पत्नी श्री ग्रमृतपाल सिंह, निवासी 150-सी, किचलू नगर, लुधियाना। (श्रन्तरितो)

· -> -- -- -- --

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं

#### अनुसूची

मकान नं बी $-X^{\dagger}X$  - 1387/36 -सी. किचलू नगर, लुधियाना। (अर्थान् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख मं० 2550 माह मई, 1985 के तहन दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ---- ---

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

## कार्यानय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० लुधियाना/134/85-86--अः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनिःस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

घोर जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरला है तथा जो गाव ढेरी, तहसील लुधियाना में स्थित है (फ्रांर इससे उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में तृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिक्शी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जितः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री प्रकाश लिह पुत्र श्री गुरमेज सिंह, निवासी
  गांव ढेरी तहसील तथा जिला लुधियाना।
  (श्रन्तरह)
- 2. श्री श्रम्त देव सिंह पुत्र श्री श्रवतार सिंह, डब्ल्यू० जैंड० ए०--14, मलिक पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यर्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी वास्तेग :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाग्निः हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरला जो कि गांव ढेरी जिला लुधियाना में स्थित है। (प्रश्नीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीहर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 1501 माह मई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 9-1-1986

मीहर:

## क्रम्य बाह् . टी. एन् . एस . २०२० व्यानव्यवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धीरा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

## कार्यालयः, सहायक भायकर भायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश मं० लुधियाना/217/85-86--प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग, है तथा जो भार्योंड़ हाउस, लुधियाना में स्थित है (श्रांर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से वणित है), रिक्ट्रीवर्ता श्रिधिकरी के वार्यालय, लुधियाना में, रिक्ट्रीकरण श्रिधिकरी 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई. 1985

को पूर्वेक्स संस्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रितिक से लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकत से, एसे द्रश्यमान प्रतिकत का पन्तह गोजनत से प्रोत्तक है और धन्तरक (क्रन्तरकों) धोर प्रकारिती (प्रश्वरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के सिए तय पावा नवा प्रति-क्ष्म विश्वतिवित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण विवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई कि सी बाय की वावता, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षीर/था
- (स) एसी किसी जाम या किसी भन या जन्म जास्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय भागकर भिक्तिवस्त 1922 (1922 का 11) या उत्तत भिक्तिवस्त वा सन-कर जिभिन्मम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्तिरिती हुनाड़ा प्रकट नहीं निकासिया पर पा जिला नाना चाहिए पर, जिसारे में ्थिका के सिए।

अतः अद् , ज्वल कथिनियम का धारा 269-ग की जन्धरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग का उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री राम लुभाया जोगी पुत्र श्री रिशी राम जोगी निवासी 49/70, हरपाल नगर, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मोहनी कुलवन्त पत्नी श्री कुलदीप सिंह घई, श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, श्रीमती भूपिन्त्र कौर पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह, निवासी 290, ग्रग्र नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यें विद्युवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास निकित में किए का सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विधिवसमा, को अध्याय 20-क में यथा परिभाष्टित हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याद में जिला ग्या है।

## ग्रनुसुची

एस॰ सी॰ एफ॰ नं॰ 40 का 1/2 भाग, भादौड़ हाजस, लुधियाना। (श्रर्थात वह जागदाद जो ि रजिस्ट्री-कर्ना ऋधिकारी, लुधियाना के विलेख सं॰ 2245 माह् मई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 9-1-1986

मोहरः

प्ररूप आहू".टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत चडकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नाम्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० नालागढ़/2/85-86--- प्रतः मुझे, जौगिन्द

*बायकर श्र*िधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक **है** 

श्रौर जिसकी भूमि 5 बीघा 4 बिसवा है सथा जो गांव झड़ माजरी, यहसील नालागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-क्तर्ग श्रिधिकारी के कार्यालय, नालागढ़ में, रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने फरने का कारण है कि वथाप्यों करा संपत्ति। का उच्चित बाधार भ्रुय, उसके कार्यमान प्रतिकल से, एसे कार्यमान प्रतिकल का थन्द्रह प्रतिशत से विभिक्त है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (बंतरिशियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-कींस निस्त्रनिवित उत्देश्य से उत्तत नंतरण निवित्त में वास्तविक नप अंकपित नहीं किया वका 💕 🖫

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त व्योधिनियम की सभीन कर दोने के सम्बद्ध के दायित्त्र में कमी करने या उसमें स्थाने में सुविधा र्खे लिए; बरि/बा
- (क) ए'सी किसी जाय या किसी भन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः नव, उचत अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, मे, उक्त विधितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिबित स्पतिकामों, वर्धात

1. श्री मोहन पिह ँफं श्री मान सिंह पुत श्री भगवंत सिंह तथा श्री दसौधी राम पूत श्री हरी मिह, निवासी गाव खर माजरी तहसील नालागढ़, विकासोलना

(भ्रन्तरक्)

2. भैसर्स टी० डी० फोजिंग प्राईवेट लिमिटेड, गांव झड़ माजरा मेन रोड, बार्राटीवाला, तहसील नालागढ़, जिला सोलन ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 👸 ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाजाप :----

- (क) इब स्थान के राजपत्र में प्रकाबण की उत्तरीचा 45 विन की जनभि वा तत्सभ्यन्थी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अमि बाद में सभाष्य होती हों, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस अपना के रावयन में प्रकाशन की तारीय है। 45 दिन के भीतर सकत स्थायर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान बिद्धित में विश्वा सके **में**।

स्वस्थीकरण:---इसमें प्रयुक्त वस्तों और पकों का, वा उपर बीभीनवर्ग दे बभ्याव 20-क में परिभाविक हैं, बहरे वर्थ होगा सो उस अध्याय में दिया गरा

## नगृत्यी

भूमि 5 बीधा 4 बिरावा जो कि गांव झड़ माजरा, तहसील नालागढ़ में स्थित है। (श्रर्थात वह जागदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, नालागढ़ के जिलेख मं० 228 माह मई, 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंच, लुधियाना

तारीख: 9-1-1986

प्रकार कार्यः ही. एव. एव.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभाग

#### नारव बरकार

## कार्यांसय, सहायक वावकार वायुक्त (विरोताक)

म्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० लुधियाना/134-ए०/85--86---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी०/20-1355 का 1/3 भाग है, तथा जो तरफ चारा बारा, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985

की पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित नाचार मूस्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का नंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम नावा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बागरण सं हुई किसी जान की बाबस, उक्स जिमीनवन के वंशीन कर दोने के बन्दरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विका के किए; बौह/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय बाय-कर विधनिवन 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवम, या धनकर विधनिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गवा धा वा स्थित बामा चाहिए चा, किया स्विधा के विद्

कतः जब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग को अनुसरण भें. में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्यित व्यक्तियों, अधीत् १—-  श्रीमती परमजीत काँट पत्नी श्री ग्रमरजीत सिंह, गांव वीपाराय, जिला फिरोजपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रिजन्द्रपाल सिंह पूत्र श्री करतार सिंह, श्री हरमित्त सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी कृष्णा-नगर, लुधियाना।

(अन्धरिती)

की यह बुक्का जारी कड़के पूर्वोक्त वृज्यित से वर्धन के लिए कार्यवाहियां कड़का हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की वनीच या तरचम्बन्धी व्यक्तिकों पृष्ठ स्वना की तामीन से 30 दिन की वनीच, जो भी वनीच वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर प्रदित्ताों में से कि मी स्पवित व्यारा;
- (क) इन्न सूचना के हाक्तन के प्रकारन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा यो उन्न स्थाद के दिया नवा है।

#### अनुसूची

मकान नं बी०-20-1355 का 1/3 भाग, तरफ काराबारा, लुधियाना (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-क्रती ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख नं 1642 माह मई, 1985 के तहन दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नुधियाना

सारीख: 9-1-1986

प्रारूप बाइं.टी.एम.एस्.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कॉर्थिलय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, बेंगजूर

बेगलूर, दिनौक 7 जनवरी 1986

निवेश सं० नोदिस नं० 136/85-86--भ्रतः मुझे, भार० भारदाज,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० 130/131/120 है, तथा जो पंचवटी कालोनी, मैंन रोड के पीछे धिमोगा में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, सारीख 29-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रक्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा बबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं जाय की, वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बार्य या किसी वंग या अन्य बारितयाँ की जिन्हें भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधर केंसिएं;

- श्री धार० सत्यनारायण सन द्याफ श्री जी० राम-धन्द्रच्या, महाकवि कालिदास रोड्, श्रिमोगा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ऐवि ए० रंगताय, सन माफ श्री मनन्तारामा एय्यन्गार, III क्रास रोड़, गार्डन एरिया, शिमोगा। (मन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वान के सिद्ध कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्मृति के नर्जन के संबंध में कोई थी बालेप हुन्न

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भी हर पूर्वी कव व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के रायवन में नकायन की बारीया के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुंब किनी अन्य किए का सकीने।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गया ही अ

## अनसूची

(दस्तावेज सं० 524/85-86, ता० 29-5-85) सम्पत्ति है जिसका सं० म्यूनिसिपल खाता नं० 130/ 136/120 जो पंचवटी कालोगी, 2 जिगोजन, मैन रोड़ के पीछे शिमोगा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीब: 7-1-1986

मोहरः

## 

भारत गरकार

कार्याक्षय, नहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनौंक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० नोटिस नं० 308/85—86—ग्रतः मुझे, आर० मारढाज,

बावफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिया इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें एक्सों (उस्त विभिन्न) कहा जा है), की भारा 269-म के नेभीन संसाम प्राधिकारी को, वह विश्वाद करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिवका विश्वा बाचार मुख्य 1,00,000/- रा. वे अधिक है

भौर जिसकी सं० 23/सर्वे नं० 7/1 है तथा जो गृलबर्गा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 8~5~1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की नह है जैर मृत्ये कह विक्वाद करने का कारल है कि स्थादर दम्बीत, चिक्रक क्षित्र बाकार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से मिधिक है और मंतरक (अंतरका) और (क्षत्यिक्ति) के बीच एसे बन्तरण के व्यय तम नमा प्रतिफल, निम्नितिकित उच्चेष्ट से अंचत अन्तरण सिक्रिक वास्तिक कर में करिय नहीं किया नवा है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बावध डक्प जीध-नियम के अभीत कह दोने में बन्तरक के स्वीत्रक में कमी करने या उत्तर्ध बन्तर में सुविक्स के सिए: शॉर/बा
- (थ) ऐसी किसी शाय या किसी भग या कल में दिससी की , चिन्हों भारतीय ताककार विकित्यत . 1922 (1922 का 11) या कला की विकास , वा पन- कर की पिन्स , 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ करारिती हुनाता अच्छा कहीं किना पना भा या नित्या वाना वाहिए वा, किनाने में रुविधा के लिए; जौर/या

जकः अस, उज्जब विभिन्नियम की भास 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त समिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिखिस व्यक्तियों, वर्धात् :---

- 1. श्री गोतीद्वीनं बाप० श्रस् साहैब, के० श्राफ ० द्वीपक किराना स्टोर्स, श्रह्मापुर, गुलबर्गा। (श्रन्तरक)
- श्री गोपालकृष्णा मंजला कामत, के०/ग्राफ० कौमत होटेल सुपर मार्केट, गुलवर्गा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सन्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

#### उपर सम्मरिक के अर्थन के संबंध में कोई भी नाबोंच ।---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बवीध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस त्वना के राज्यत्र में श्रक्तकन की नारील न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष वक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी में पास सिविक में किए का सकेंगे।

स्वध्वीकरूण:--इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अनुपूर्वी

(दस्तावेज सं० 544, ता० 8-5-1985)

मकान प्लाट नं० 23 सर्वे नं० 7/1, द्रोड्डापू, गुलबर्गा में है। इसका एरिया ग्राउण्ड फ्लोर 1550 स्क्वेयर फिट ग्रीर पहिला क्लोर का एरिया 169 स्क्वेयर फिट है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 7-1-1986

## इक्य नाइं दी, एन्. एवं.----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वया

#### भारत तरकाड

## कार्यास्त्र, सहार्क मायकार मायुक्त (निर्क्तिन)

म्नर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, विनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० नोटिस नं० 685/85-86--श्रतः मुझे, भार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र आवार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए० 1 है तथा जो कौबा गाँव में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबिक कम में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई जिल्ली जनम की बाबत, उक्त अभिनियम के स्थीन कुछ दोने की अंतरक के बायरण में कभी कुरने या उस्ते बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा से सिए;

कतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) भे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री पीयडाडे जुलीय फर्नान्डीस ग्रांद पत्नी श्रीमती ग्रोल्गा फर्नान्डीस, निवासी कौंबा गोवा।

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रमोद दामोदर बौरकर, पार्टनर मेसर्स श्रकर कन्स्ट्रक्शन्स, मरगोवा, गोवा।

(भ्रन्तरितो)

को यह स्वया प्रारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूँ।

उक्क तम्मील को कर्जन को सम्बन्ध में काई भी अधिष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन की जविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औ अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवादा;
- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरों के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों तौर पदों का, अ लक्ष्म विधितियम के अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है।

#### प्रमुची

(दस्तावेज सं० 798, ता० 9-5-1985)
जगह जिसका एरिया 389.18 स्क्वेयर मिद्धिस है
ये जगह का० नं० ए और कोंबा गोवा में है: १२०१)
हिंदि कि भारद्वाज
मुहार के भारद्वाज
मक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्राजन रेंज, बेंगलर

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के के. भैं. में, उस्त जीवनियम को धारा 269**34 (स**िक्षपर <mark>म्रि)</mark> के अधीन, निम्माली बत व्यक्तियों, अर्थात् :— : प्रकृषि

## डक्म बाहु<u>ँ डॉ. एन एस ुक्त----</u>---

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाराः धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### शारत सरकार

कर्म्यांसय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, क्षेंगलूर

बेंगलूर, दिनौंक 3 जनवरी 1986

निवेश सं० नोटिस नं० 46674/85-86--- मतः सुझे, मार० भारताज,

भायकर बिधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-छ। से विधिक हैं

भौर जिसकी सं 0 141/5 है, तथा जो 5 का प्त, राजामहरू विलास एक्सटेंगन, बेंगलूर में (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 9-5-1985

भारे पूर्वोक्त सम्मित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान इतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रहु प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरद्विती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ स्नीस्नलिख्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिक्रित में बास्त्रिक कम से कथित नहीं किया गया है दिन्स

- (क) बन्धरण वे हुन्दै किथी बाय की वाबंद, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क बायित्व में कमी अरने या उग्रसे बजाने में सुविधा के बिए; ब्रोर/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1 + 5 या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से सिए;

नतः सव, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के मन्सरण भें, मैं, उस्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

- 1. श्रीमती लिलता वेंकटारामन, नं० 5, 5 कास राजामहुल विलास, एक्सटेंशन, बेंगलूर। (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री विजय कुमार नारूंग, (2) श्रीमती नीना नारूंग, नं० 7, पद्मवतीवार रोड़, जैपोर नगर, मद्रास-86।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाध्येप :-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शरण किवित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिशरणः ----इसमें प्रयुक्त व्यव्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में हिल्ह यया है।

### वन्त्वी

(वस्तावेज सं० 442/85 ता० 9-5-1985) संपत्ति है जिसका सं० 141/5, जो 5 कास, राजामहरू जिलास एक्सट्रेंशन, बेंगलूइ स स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बेंगकुर

तारीख: क्र-1=1986

प्ररूप बाद ,टी.एन.एस.------

मायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 3 जनवरी, 1986

नोटिस नं॰ :48053/86-85--यतः मुझे, **पार**० भारताज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्त 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं 198 है, तया जो 32-बी, काम, 7 क्लाक जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अन्धुनी में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिन्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1985

को प्वॉक्त तल्यांस के उचित वाजार भूक्य से कव से स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिकार्ग) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि एमलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :—

- [क्क्रू नम्परण वे शुर्च किथी नाव की बावत उक्त विच-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वजने में सुविधा के क्रिए; वरि/या
- (च) एसी किसी बास या किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया वाना चाहिए था कियाने में बुविधा के सिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ► कधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्री कें विवसुन्दर संम्यत कुमार भाषार, नंव 41/1, भीट हीस, माडेल हीस रट्रीट, बसवनगुडि, बेरह्य-4. (धनारक)
- (2) श्री मुकेश पी० सन्तानि, (2) श्री संवीप पी० सन्मानि, (3) श्री धीपक के० सन्मानि, नं० 61/66, कमल, नं० 69, शालकेशवर रोड़, बम्बई-6। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त कलिए से बर्जन से सम्मन्य में कोई भी ब्रास्ट्रेप क्रमन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिव की अलिए, को भी बदाभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यां बत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) 4स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-क्ष्म किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होना, को उस्स सम्बाय में दिस्स वना हैं।

## वगृस्यो

(दस्ताबेज सं॰ 527/85 सा॰ 27~5~1985) सम्पत्ति है जिसका सं॰ 198, जो 32-बी-क्रास, VII- लाक, जवानगर, बेंगक्ट में स्थित है।

> मार० मारक्षाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक सायकर मायुक्त (निरीक्षण), मजन रॉज, बंगसूर ।

तारीचा: 3-1-198€

## 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अजंन रेंज, बंगलूर

मंगलूर, दिनांक 2 जनवरी, 1986

मोटिस नं० 47357/85-86:---यतः मुझे, **प्रार**० भारताज,

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 54 श्रीर 55 है, तथा जो 4-कास, मध्वखेरम, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुपूची में और पूर्ण रूप से विजित है), पितस्ट्रीकरण श्रविनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 17-5-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्य से कम के स्थमान श्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसक स्थमान प्रतिफल से, एसं स्थमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदारती (अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया बवा प्रतिकन निम्नोनस्वित सद्देश्य से उच्य अंतरण निस्त के सास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन । निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री बी॰ एम॰ श्रीनिजास, नायबु स्ट्रीट, चिकमंगलूर, टान ।

(भन्तरक)

(2) श्री बी॰ पी॰ प्रसाध, नं॰ 6/01, रंग राव रोड बसवनगृहि, बेंगलूर-4।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के कर्णन के किए कार्यवाहियां भुरु करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप झ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तरसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराक्ष
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पया है।

## धनुसुची

(धस्तावेज सं० 536/85 ता० 17-5-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 54 घीर 55, जो 4-क्रास, [मस्लेश्वरम, बेंगसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),। भ्रजन रोज, संगलर

तारीख: 2-1-1986.

मोहरः

प्रकृष नाइं, टी. एन. एस.,----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत संडकात

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजन रेंज, मेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी, 1986

नोटिस सं० 47287/85-86:--- **म**तः मुझे, भार० भारताः,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर विश्वकी सं० 1029 है तथा जो रेलवे लैन पैप लैन, में बोंगलूर में स्थित है श्रीर (इसते उप बढ़ श्रनुश्वी में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिस्ट्रीर एण श्रष्टितियम, 1908 (1908 शा 16) के श्रिक्रीन, स्रीक्ट 27~5~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती कृष्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया ज्या प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में सुस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है दै—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जान की बाबत, उत्तर बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में ज़ुविका के लिए; बीद/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा वी लिए।)

कदः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की रूपधारा (१) को अधीन, डैनम्नलिखित व्यक्तियों, अधित (1) श्री एव० वी ात, नं० 23 0/1, नरसाराजा रोड, दावणगरें-1 ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री हीरालाल दया भाव एटेल, (2) पोचन भाय दया भाग, पटेल, श्री गणेश टिम्बर ट्रेडर्स, नं० 275/5, नया टिम्बर वार्ड लेग्नोट, मैसूर रोड, बेंग्लूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संप्र्यात्त के अर्जन के न्यि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस मुखता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन की अर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्न व्यक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

(दस्तावेज सं2 528/85 ता० 27/5/85) सम्पत्ति है जिसका सं० 1029, जो रेलवे लैन पैप लैन, बेंगलूर म स्थित हैं।

> श्चार० भारताज सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर श्रायुक्त )निरीक्षण), श्रजन रेंज, बेंगलूर ।

हारीख : 3-1-198*6*.

प्रारूप बाई.टी.एम.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) झर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 अनवरी 1980

मोटिस सं० 47366/85-86:---अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मी: ि की सं० 44(362) है तथा जो 5-कास, मल्लेक्करम, बेंग्स्य में स्थर है (मीर इससे उपाबद्ध मन्धुची में मीर पूर्ण रूप से विणत है), रिप्ट्रिंट एण मिद्दिन्सम, 1908 (1908 वा 16) के महीन, सरीख 24-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्वा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमिति कृष्णवेणियम्मा श्रीर कुछ लोग, गं० 44, V-कास, मल्लेण्डरम, बेंगल्ए-3 ।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्री के० एस० नरसिम्हामूर्ति, भागस्त : मैससं : विद्या एंटरप्राईसेस, नं० 224, सुबेदारयन्नाम रोड़, शेषाधी-पुरम, बेंगलूर-20 ।

(भन्तरिती)

की वह सूचना चारी करकें पूर्वोक्स सम्मृत्ति से वर्षन से सिके-कार्यवाहियां गुरू संरता हूं

उब्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्विंग गया है।

## वन्स्ची

(बस्तावेज सं० 606/85 सा० 24-5-85) सम्पत्ति है जिल्ला सं० 44(3762), जो 5-काल, मल्लेब-वरम, बेंगलूर में स्थित हैं।

> भार० मारद्वाज (सक्षम प्राधिकारी) सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर ।

सारी**ख**: 3-1-198¢

## प्ररूप नार्चं ही . एत . एस . -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

#### भारत सरकार

नावनित्र , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 1,00,000/-75. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव सर्वेव नंव 103/1, से 103/7 ग्रीर 104, है तथा जो हेब्बाल विलेज, विराजपेट तालुक, कूरग डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का त्वारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मत्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, त दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया ग्या प्रतिफल, निम्नितिचित्त बुद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक क्या से कथित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस, उन्त अभिनियम के अभीन कर देगे के अस्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

बत: जब, उसत जीभीतियम की भारा 269-ग के अनुसरक मी, मी, उकत अधिनियम की भारा 269-च की प्रधारा (1) के अधीन, निमनलिखित स्योक्तियों, अर्थात् :--10--446GI/85

(1) डाक्टर एल० शिवरामन, (2) श्रीमती एस० वी० मीनाक्शी श्रवि. (3) डाक्टर एप० शिवसुक्रमणियन, (4) श्री एस० वी० वीरधन, (5) श्रीमती एस० बी० नेट्याम, (6) श्री एस० रामास्वामी चेट्टियार, (7) श्रीमती श्रार० एम० रंगनायकी श्रवि, (8) श्री ग्रार० एम० रामानाथन, (9) श्रार० मानिक्स (10) श्रार० चिन्तामणि नटराजापुरम, रामनाउ डिस्ट्रिक्ट, नौ रिसैंडिंग एट सेलवम नगर, तन्जावूर डिस्ट्रिक्ट ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री पी० ए० ग्रनंताराम, (2) श्री पी० ए० नत्दा, (3) पी० ए० कुमाय, मरगोर एस्टेट, चेन्नायनकोटे विलेज, विराजपेट तालुक, गोडगु डिस्ट्रिक्ट।

(भ्रन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां सुरू करता हुं।

उनत संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त जाक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्धभ किती अन्य श्र्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इतमें प्रवक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

#### वर्त्य

वस्तावेज सं० 174/85, तारीख 29-5-1985) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 103/1 से 103/7 और 104, जो हेब्बाले विलेज, विराजपेट तालुक, कूर्ग डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> भार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रार्वन टोंप, बंगलुर

सारी**ख**ः 3-1-1980

## युक्त बार्य ... टी.. शुन्न .. पुक्र ... व व व्यवस

श्वकंद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के स्थीन स्थान

#### ESSE COURS

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

म्रर्ज रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 जनवरी, 1986

नोटिस नं० 47216/85-86:—- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उन्त अधिन्यम' कहा नया हैं), का ध्राध्य 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जिनत साचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 4 (भाग) है तथा जो 1 मैंन रोड, 1 ब्लाक में जयालक्मी पूरम, मैंसूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) में ग्रधीन, दिवॉक 21-5-85

करें पूर्वोक्त सम्बंति के उचित बाजार मृत्य से कम के अस्वजाय श्रीतकान के निए जनापित की गर्व है और मृत्ये यह निरदास करने का सारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बंति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से, एसे दश्यमान प्रतिफास के पंद्रह प्रतिचत से स्थिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरियी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए हव पामा मबा प्रतिफास निम्मानिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित में वास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया बना है है

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की बाधस, उपस अपित्रम के वंधीन कर दोने के बन्तरक के अधित्य में कमी करने या उससे वंधने में वृद्धिमा से लिए; संदि/वा
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आठकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अधा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै किए;

जतः वय उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के व्यवस्थान को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) की वधीन विकर्णनिविद्य व्यक्तिस्थी, वर्षात व्यक्ति

- (1) श्री सी० के० स्वामीनाथन, नं० 40, I मैन, जया-लक्ष्मीपुरम, मैसूर।
  - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुभद्रा शेसाद्रि, नं 1/2, विकास दाग, बरोडा-2.

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके प्वॉक्त सम्पन्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त कम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस क्षता के राजपण में प्रकार की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (क) इस स्वता के राजवन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितवहम किती बन्य स्थावत द्वारा वभोहस्ताकरी के जस निवित में किए जा सकोगें।

स्वक्टोकारण :—इसमें प्रयुक्त चन्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, यही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1615/85, तारीख 21-5-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 40 (भाग), जो I मन रोड़, I ब्लाक, जयलक्ष्मीपुरम, मैंसूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी. यहायक म्रायकर मायुक्त निरीक्षण) म्रजन रें∴, बंगलूर

तारीख: 6-1-1986. मोहर: प्रकार वार्ष टी. एप. एस. - - - = -

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) जो नधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकत (निरोजण) प्रजन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी, 1986

निर्देश सं० भार० 1663/37 ईई:--्रयतः मुझे० श्रार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत निधिनियम' कहा गया है), की धाड़ा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी की वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उनित नाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जो प्लाट नं 2 में फ्लैट नं बी-2 प्राना नं 1 है तथा जो लेनार्ड लेन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) । श्रधीन, तारीख 31-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाजार मृस्य से क्रम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुर्खे यह विकास करने का कारन है कि मुभापूर्वोक्त संपृत्ति का उभित् बाजार भून्य उसके उध्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अभिक है और बन्तरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरन के लिए तब स्वा गया प्रतिफल निम्निविचित उद्देशक के उभत अन्तरण किश्वर में गरनिक कम से किया नहीं किया नवा है कि

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी अाय की बाबत उक्त विधिनियंत्र में अधीन कर दोने के अन्तरक में दावित्य में कमी करने या उससे क्वन में मृविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में स्विधा के तिए;

लत: शब, उक्त विधितियम की धारा 269-न की वनुसर्थ तो, तो, उक्त विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म (1) श्री भारफी इनवेस्टमेन्टस 802, रहेचा, वेभ्वर्स, 213 नारीमन पाइन्ट, बम्बई-400021.

(मन्तरक)

(2) श्री ए० वी० महमद सादिक सन/श्राफ डक्ल्यू० महमद कोया, 15/459, पल्लीकान्डी, कालिकट-670003.

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षा अ किए कार्यवाहियां क्राउता होत्।

उन्त बम्परित के नर्पन के धम्बन्ध में कोई भी बाशंप:---

- (क) इस सूचना के राज्यन को प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की जनिष या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील सं 20 दिन की अविध, कि भी विधि वाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख है 45 दिन को भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास सिवित मीं किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण :— इरावों प्रमुक्त खुक्यों बाँड पर्यों का, जो उक्छ विभाग्यम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी वृष्टी होगा को उस कथ्याय में विश्वः पृथा है।

## धमु तुची

(वस्तावेज सं० 1443/85-86 तारीख 31-5-85) ण्लाट नं० 2 में प्लाट नं० बी-2, पुराना नं० 1, जो लेनाई लेन रिषमन्ड टीन सिविल स्टेशन बेंगलुर-25 में स्थित ई।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-1-1986

मोहर ।

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

अाय कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनके 7 जनवरी, 1986

नोटिस नं० भ्रार० 1664/37 ईईः—-श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-11 है तथा जो 84, जे० सी० रोड़, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन, तारीख 31-5~1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के इचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके रहयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्ध में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के शिष्ठ; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अभ , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं , मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, सिम्नितिखित व्यक्तियों , अर्थात ह.——

- (1) श्री मनीश एंटरप्रायसेस, 1-2, 1 फ्लोर, श्रंॄगार शापिंग सेंटर 80 एम० जी० रोड़, बेंगलूर-560001. (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जुलैका एचव ग्रार० जाफर न० 4, म्यूसियम रोड, बेंगलूर-560001 (श्रन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिखें कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी अविक्तमों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होता हो, के भीतर प्रवेक्ति स्मिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहु भे किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टीकरणं:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1444/85-86, तारीख 31-5-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 84 जो मनीश टावर, जे० सी० रोड़, बेंगल्र-2 में स्थित है।

> आर० भारताज; सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर ग्राय त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलुर ।

तारी**ख** : 7--1--1986.

प्ररूप बाहु . टी . एन एस .-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत नरकार

कार्थासय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्दाक्ति)

अर्जम रेंज, बेंगसूर

बेंगलूर, दिसांक 7 जभवरी, 1986

नोटिस नं० आर०-1681/37 **१६/85-8**6--यनः मुझे, आर० भारक्वाज,

जामकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० प्लाट-बी, है तथा जो 34 (4/12), किसेन्ट रोड़, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), रिजस्ट्री ५२ण अधिसियम 1908 (1908 का 16) जे जैंधीय, नारीख 31-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्व है और मुक्ते पह विश्वास करने का कारण है

कि सभापूर्वोक्त अम्पतिक का उष्यत बाबार मूख्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से बाधिक है बार बन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिकित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप हे कथित नहीं किया गया है :—

- ्तं) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्छ अधिनियम से अधीन कर दोने के बन्तरक से यायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा से सिष्टृ जोर्/वा
- (प) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोचन नार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए,

श्वस अञ्च, उन्नर्स समिनियंत्र की पारा 269-ग की अनुवारण ग, में उन्नर अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को वर्षीय, निम्नीसचित व्यक्तिवर्षी, अवस्थित  (1) श्रीमती उपा बीमलेपा, नं० 571, I फ्लोर, VI मैच रोड़, अप्पार पैलेस आरचर्डस, बेंगलूर-80।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सी० पोन्ताणा, 'गोकुल', 16, विषयस गाईंम, राजान्नामलैपुरम, मद्रास-28।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

इक्त सन्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की हारीय है 45 दिन की अवधि मा तस्सम्बन्धी स्पन्तिकों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, से मीतर पूर्विक्य स्थितरामें में से किसी स्थितर हवारा;
- (श) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्बक्ति में हिस्ववृध किश्वी बन्य व्यक्ति वृद्धाः विभोहस्ताकरी के शब्द का न ने किए जा सकीने।

रचव्यक्रिरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पड़ों का, को सक्त विभिन्नियम के उभ्याय 20-क में परिकारित ही बही अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिया नथा ही।

#### क्षप्रधी

(दस्तावेज सं० 1446/85, ता० 31-5-1985) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० बी, जो उषा किरण अपार्टमेंट्स, नं० 34 (4/12), किसेन्ट रोड़, है ग्राउण्डस, बेंगलूर-1 में स्थित है।

> आर० भाग्द्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंण, बेंगलूर।

तारीख: 7-1-1986

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, प्रहायक जायकर जायुक्त (गिरीक्राण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 जनवरी, 1986 नोटिस नं० आर०—1683/37 ईई/85—86:—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कागकर विभिनियम, 1961 (1961 का-43) (जिसे इसुनें इसकें शक्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 105 है तथा जो 47, रिचमन्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इशमें उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 31-5-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार बूक्य से कम के अपमान प्रतिफन के निए अंतरित की गई है और बूझे वह विश्वास करने का कारण है कि मजापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाचार बूक्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से, एखे अस्वमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय गया नया इतिकल, निज्नितिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिन्ति में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) नन्तरम् वं हृदं जिल्ली कान की बायकः काव वीभावियम् में स्थीन कर दोने से मन्तरम् के वादित्व में क्षती कहते या उत्तर्थ मृत्यू में हृत्यिमा के किन्नः। शांतः/या

किसी नाय वा किसी धन या बन्य वास्सियों किस्बू आरतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1942 का 11) या अवस निधनियम, या थन-कर अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, या १४०७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रिया के निष्;

श्रतः अस, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्ष्म अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, जिम्मतिखित व्यक्तिसमें, अर्थात् ह—

(1) एक्सप्रेस बिल्डर्स प्रा० लि०, नं० 47, रिनमन्ड रोड, बेंगलुर।

(अन्तरक)

(2) आदित्या अगरवाला, नं० 99 ई, ब्लाक-एफ, न्यू आलिपोर, कलकत्ता-53।

(अन्तरिती)

को वह स्थान बारी करके प्याप्तः स्मृतित के वर्षत के सिध् कार्यग्रियो गुरु करता हुं।

उनक सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शन :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की नगरिय या सरसम्बन्धी व्यक्तिकों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवृधि, को भी ववधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी तमें किए का सकोंगे।

स्थादीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवां का वो स्थाद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया यया हैं।

## जन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1448/85, ता० 31-5-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 47, (प्लाट नं० 105, र्पुप्लोर, एक्सप्रेस अपार्टमेंट), जो रिचमन्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. बेंगलूर ।

**तारीख: 7-1-198**6

प्ररूप आहें. टी. एत. **एस**.-----

नाबकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कायसिय,, सङ्गायक जानकर नावृत्रत (गिर्माना) अर्जम रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिमांक 7 जमवरी, 1986

नोटिस नं० आप-1692/37 ईई/85-85:---यतः सुझे, अगर० भारताज,

शावकार श्रीधीनवन, 1961 (1961 का 43) (शिवते इसमें इसके परकान् 'उक्न अधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वाब करने का भारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से जीवक है

भौर जिसकी सं० जे है तथा जो 23, पामग्रोव रोड़, आसटिम टौस, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसने उपात्रद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रतिस्ट्रीकरण अधिभियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 431-5-1985

की पृथिकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के कावनान प्रदेशकास के निए वस्तिरितः की गई है और बूझे यह विकास करने का कारण है कि वधापुर्वेक्त सम्मत्ति का अधित बाजार बूच्य , उत्तके क्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल के बिल् प्रतिफल के बिल् प्रतिफल के बिल् प्रतिफल गाँध प्रतिफल के बिल् प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति के बीचा एसे जन्तरण के बिल् सब पावा गया प्रक्रिक्य निम्मतिकों के बीचा एसे जन्तरण के बिल् सब पावा गया प्रक्रिक्य निम्मतिक के बालाविक क्या से क्यारा निम्मतिक के बालाविक क्या से क्यारा नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण वे हुन्हें किसी जाय की वायत, चक्त नियम को अभीन कर दोनें को अन्तरक को वायित्व को जन्मी जरूने या खतको बचने को तृष्टिशा को किए; वीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। इतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मे-, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मीनियम स्थीनसर्थों, स्थात् ध—

(1) मैलर्स सद्या इन्वेस्टमेंट्स, 65, मान्नटियल रोड़ इगपोय, गद्रा : उ (१) भी स्थान्य चांगडि, (2) (2) श्री जाकोब चान्डी ग्रांट श्री एस० सी० बालन, 45, प्रयालेन, रोड़, बेंगलूर-1.

(সালাম্ক)

(2) श्री एम० एस० पाटिल, 'प्रणांस', धारायणपुर, धारलाइ— '6.

(अन्तरिती)

को बहु बूचना ल.सो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के किए कार्ववाहियों करता हो।

उथल सम्पत्ति के अर्थम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र : 🖚

- (क) इस स्थान के राखपन में प्रश्वकान की शाणीयां से 45 विन की जनिए या तत्कारनाथीं व्यक्तियों पर सूचना को तासील से 30 विन की अधिक, को भी अधिक साथ में बनाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में ते सिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कार के स्थान में निकास की बाजीय के 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्मत्ति के किस्स्थ किती जन्म व्यक्ति स्थारा सभी हस्ताक्षरी के पात सिक्तिय में दिए का सकींगे।

स्पाद्धीकरणं:--इवागें प्रमुख्त कन्यों बीर पर्यों का, को उनका 'जीपदिवाद, के बच्चान 20-क में परिकारिका हाँ, नहीं अर्थ होगा को उन्य अच्चाय में दिया गया है।

## त्रमुजूची

<sup>(¹</sup>दस्तावेज सं० 1451/85, दिनांक 31-5-85 )

संपत्ति है, जिसकी सं० 23. (श्रपार्कमेंट सं० जो ग्राउंड फ्लोर पामाद्रे प्लेस) पामग्रोव रोड, श्रासडिन टौन बेंगलूर, में स्थित है ।

> अंग्र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सह।यक प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, बंगलूर

बिनांक : 7-1-86

प्रकल नाहाँ, टी. पूर्व प्रस्तानकारण नामकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की प्रस्ति प्रस्ति का 269-भ (1) के अभीन सूचना कि अप्रति सहस्ति सहस्ति सहस्ति स

कार्याज्य, तक्षयक मायकर वाय्यत (निडीकाण)

अर्जम रेंज, बेंगलूर वेंगलूर, दिशांक 7 अमवरी, 1986

मिर्वेश सं० आर०-1700/37 ईई/85-86:--यत: मुझे, आर० भारद्वाज.

वायकड किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (विन्ते इसमें इक्की परवात् 'उक्त किंपिनयम' कहा गया हैं), की वारा 269 के के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की काडुक ' कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका अधित वाजाड मूक्त 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं ० 4911 है तथा जो है पाइंट~4, 45 पैलेस रोड़, बेंगलूर में स्थित है (श्रींत इसमें ंपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीट ण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 31-5-85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवसाय हिंदिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एवे व्यवमान प्रतिफल का विश्व क्रियमान प्रतिफल का विश्व क्रियमान प्रतिफल का विश्व प्रतिक्षत से विश्व है बीद बन्दरक (बन्दरकों) बीर बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरिण खें जिए तय पावा बचा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरिज निचल के बास्तिक क्य से क्षित वहाँ किया गवा है द—

- (क) भ्रम्बद्भ ने इ.सं कियी बाद की बावक, अक्स वृधिम्बद्ध के नथीन कर दोने के ब्रम्बद्ध के शावित्व में कभी करने वा बहुने नुमने में वृधिया के किए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी नाय या किसी भन वा अन्य वास्तिनों की, विमर्ह आरतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिनियम या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना नाहिए था कियानी जें शाक्या की सिए;

अतः अतं उक्तं अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं कों, मीं, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-गं की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीलिकिङ व्यक्तियों, अभीत् :—

 श्री एक्नेन्द्रा बी० मंग्राम, नं० 443, एकि:महल विलास एक्स्टेंग्न, बेंगलूर-80.

(अन्तर्क)

·(2) श्री पी० सी० व छ्या, ट्रस्टी मैसर्स : दीप ह वरध्या ट्रस्ट, केर/आफ आल सिल्क, नं० 10, कामलिर रोड़, बेंगलूर-42.

(अन्तरिती)

सी बृह शूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यनाहियां सुक करता हूं।

उनत बन्पत्ति के अर्जन के सञ्जन्ध में कोड़ भी भारते .----

- (क) इस बूचना के राज्यन में प्रकाबन की दारीय है 45 दिन की नवित् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की नवित्त हो थी वर्कीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में वे किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (व) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावपु संपत्ति में हिस्तवस्थ किसी बन्य स्थवित द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकोंगें।

स्वयांकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वपुत्रकी

(दस्तावज सं० 1454/85 ता० 31-5-1986) सम्बंति है जिलका सं० 4911, जो 9 ब्लोर, है पाइंट-4, 45, प्रलालेस रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज्धः सक्षम प्राधिकारी, सड्यिक अयिकंर आयुक्त (भिरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगल्र

तारीख: 7-1-1986.

मॉहर 🚁

प्ररूप प्रदी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन मुचना

भारत सं/कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनां र 7 जमवरी 1986

ि विदेश सं० आर० 1704/37 हैई/85-86:—यन: मुझे, आर० भारद्वाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाएी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिस, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,09,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० जो 4 है तथा जो जादी विलेज, संगलून में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर में वर्णित है), रजिस्हजरण अधिधियम, 1908 (1908 प्र.18) के अधीत, तारीख 31-5-1905

को पूर्योक्त सम्पति को उणित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिकत को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार ऐसे ध्ययमान प्रितिकल के पन्द्रह प्रीराशत से अधिक है और अन्तरक श्रीन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) होती किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोज-अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शाषिक्षभों, अर्थात् :—— 11—446GI/85 (1) श्री क्षत्रकेड कान्टोमी कीटिन्हों कोटिन्हों लाइज नोलूक संगल्का।

(अन्तरकः)

(2) श्री बैठ भाषायण जायन्य माँत इंडिया अ.टो. भाषीज अजीजुद्दीय पोड, बुन्दर मंगलूग- 575001

(अन्नरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 4 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिना गया है।

## अनुसुची

(दस्तावेज सं० 1464/85-86 ला० 31-5-1985) ग्रांन्ड पतोर में असाटेमेन्ट नं० जी-4 जो, किमिण में है जो अर् २० एस० नं० 62/10 वी ग्रांग 62/3ए, काद्री विलेज मंगलूर में स्थित है।

ार० भाष्ट्राण, वज्ञम प्राधिकारी, सहायक्त आयकर आयुक्त (गिरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

**नारीख** : 7─1─1986.

प्रस्य नाइ. टी. एन. एड.----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### नारुत सरकार

## कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (जि**रीकण)** ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

ब्गलूर, दिनांक 7 जनवरी 1986

नोटिस नं० म्रार० 1712/37 ईई—यतः मुझे, म्रार० भारताज

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का प्रारण हैं कि स्थार सम्पति, जिल्ला उचित काजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० बी है तथा जो 4/12 केसेन्ट रोड बेंगलूर में रिनत है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिक्स्ट्रीन रण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्रष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (गतान्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उक्तयेय से उन्त अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुए किसी बाय की वावया, उक्त अभिनियंत्र के बंधीन कर दोने से बंतरक के शियत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा अर्थे सिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाथ वा किसी भन वा अन्य अपित्यों का, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कार क्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अंतिरिती कुनारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया नामा नाहिए था, छिराने में सुविधा के सिह;

बत: थन, उक्त कथिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण थें, में, एक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अबियोग, निम्मिकिकिक व्यक्तिकों, वर्षास् क्र-- (1) श्रीमती उपा भीमसेना 571, I फ्लोर प्रप्पर पैलेस, श्ररचंडस, 6, मैंन रोड, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) स्टार अवसाँड और केमिवाल्स (प्रायवेट) लिमिटेड 701-बी, पूनम चेम्बरस डाक्टर ब्रानी बेसेंट रोड, बम्बई-400018

(ग्रन्सरिती)

को मह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सन्तरित के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

चंकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, वो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्विक्त इवारा;
- (त) इत सूचना के राचनत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिकित में विसे वा तकरी।

स्वक्षीकः रच: -- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ डोगा, को उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं 0 1460/85-86 ता 0 27-5-85) सम्पत्ति है जिसका सं ० प्लाट नं 0 "बी" जो I फ्लोर, उषा किरन ग्रपार्टमेंट्स, 4/12, क्रिसेन्ट रोड, है ग्रीडस वेंगलूर-560001 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

ना**रीख: 7-1-198**6.

मोहरा

## प्रकल कार्द्र हो . एव . युद्ध . --------

## भग्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सङ्ख्यक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांवः 7 जनवरी, 1986

नोटिस न'० भ्रार-1713/37 ईई/85-86--यतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत शाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट—103 है तथा जो रिचम करोड़, बेंगलूर ; स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27—5—1985.

का पूजांकत सम्पत्ति के उपित काजार मूल्य से काम के व्यवमान प्रतिक्रम के सिए अंदरित की गई है और मुक्ते वह निस्तास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिक्रम से, एसे दश्यमान प्रतिक्रम का पत्त्वह प्रतिक्रम से ब्राह्म करा पत्तिकार से वृधिक है और जंतरक (जंतरका) जार जंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के विए तय पाय। गया प्रतिक्रक मिन्न जिथित उद्वेदय से उस्त जंतद्रम विवित्त में वास्तियक का से किया नहीं किया या है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192,2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधार (1) के अधीन, निम्नसिचित अवित्यां, अर्थात् :— (1) मैसस: एक्सप्रेस बिल्डर्स प्रा० लि०, नं० 47, रिचमन्ड रोड़, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० गानबोग, नं० 244, ॥ मेन, ७ व्लाह, जयानगर, बेंगलूर-82 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितमबूध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्री

(दस्तावेज सं० 1461/85 ता० 27-5-85) सम्पत्ति है जिसकी सं० 47, (प्लाट नं० 103, एक्सप्रेस ग्रगटिमेंटस) जो रिचम हरोड, बेंगलूर-25 में स्थित है।

> श्रार० भारहाः, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

ता**रीख : 7-1-198**%

प्रकृप बार्ड . टी. एन : एस . ------

बायकर निर्भानसभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थाना

#### भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांदा 7 जनवरी 1986

नोटिस नं० आर०-1730/37 ईई/85-86---आतः मुझे, आर० भाष**ा**ं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अपार्टमेन्टम नं० 3054 है तथा जो 45 पैलेस राइ, बेंगलूर में निथत है (श्रीर इसते उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कृप से पणित है), रिजम्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 रा 16) अधीनके अधीन सारीख 24-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई हो और मुम्ने यह विश्वास कारने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मीर्धानयम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा तससे वचने में सुविधा के लिए; भारू/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के सिह्य;

बत: शब, उच्च विधितयम की धारा 269-म के बनुसरक भी, मी, उच्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री म्याम बादवा श्रीर श्री एम एस० वादवा नं० 11,
 1 काल, गांधोनगर, बेंगलूर-560009।

(अन्तर 🗁

(2) श्रीमती श्राणा प्रसाद, नं 17 वेसिन क्रिडरोड़, मद्रास-600079 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारह्या करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में य किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उन्त जीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय वया हैं।

## **धनु**सूर्च।

(दस्ताबेज मं० 1463/85-86 ता० 24-5-85) अत्पर्टमेन्स नं० 3054 जो 5 फ्लोप है पाइंट III नं० 45, पैलेस रोड, बेंगलुर 8 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधितारी, सहायक प्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, बेंगसूर

तारीख : 7-1-1986

## प्रसम् बार्ड . टी . एन . एस . -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, महायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांदा 7 अनवरी 1986

नोटिस न० आर-1731/37 ईई/85 86:---श्रतः मुझे, श्रार०भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 403 है तथा जो 18, एम० जी० रोड़ बंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड आगुस्ति में श्रीर पूर्ण ह से बंगित है), रजिस्ट्री एण श्रिशिनियम, 1908(1908 ज 16) ) श्रिधीन, तारीख 24 5 1985

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय राधा गया प्रक्षिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैं लिए में बासिकिक हम से किया गया हैं:

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्याक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

क्षाः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण
 मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नीविधित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्रो एच० ग्रार० जे० सलझानहा, नं० 403, ए-ब्लाक, समारसेट श्रपार्टमेटस, 18, एस० जी० रोड, बंगलूर-1।

(ਮਰਾਨ)

(2) श्री ग्रिक गुसक नार्थण राष्ट्रक उस्टण उत्तर एक्सटेंशन, हासन ।

(ग्रन्तरिती)

ह सृष्या पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए पहियां करतः हुए।

#### बन्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विक को भीतर उकत स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी तो किस का मकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स् स्वी

(दस्ताबेंज सं० 1464 ए/85 ता० 24-5 85) सम्पत्ति है जिसका सं० प्ताट 403, जो 4 फ्लोर, ए-ब्लाक, समारसेट अपार्टमेंन्टम, 18 एम० जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है।

श्राट० भारहाज सजम प्राधिकारी सहायक श्रायकार त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बेंगलूर

दिनां ह : 7-1-1986

माहर :

प्ररूप् आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, क्षंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1985

निर्देग मं० 1148/85-86 ं स्थतः मुझे, आर० भारदाजः

आधिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ब्लाक नं 1 बी प्लाट नं 21 है, तथा जो बैरीदेखाकं प्या तालुक हदली में स्थित हैं (और इसके उभावद अनुसूची में और पूर्ण एवं से विशत हैं), रिजस्ट्रीकर्ण श्वित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीत ता

को पूर्वेक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नितिखत उत्देश्य से अपन अन्तरण केलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती सुदराबाई पति राजमसा चवान गणेश-गेट, वष्डर आणी हुबसी ।

(श्रद्धारक)

(2) श्री काँतसा रामा कृणा कवार्का अजाव रोड, प्राजादरो हंबली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के ब पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज मं० 500 ता० 9~5~1985)। बीम क्षेत्र की जमील बैरीदेव कोणा ग्राम हुबली तालुक में है। इसका एरिया 5 गुंठा और 73/4 सन्नास है।

> श्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सड्गयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

हारीख: 13-·12-·1985

प्रकृष बाद्दी, दी, एन, एवं . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नवीन सुचना

#### ब्राइंट चड्डमार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 1149/85-186-पन: मुझे आर० शारद्वाज अव्यक्तर विश्विपम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते स्थने इस्ति वश्यास 'कृत्व विश्विपम' कहा गया है), की धारा 269-च के ज्योन स्वाम प्राविकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से जिथक है

और जिसकी सं० 83/2 है तथा जो मादी ग्राम मरकास गोवा में है (और इसने खागाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिय्द्रीकरण शिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रवीत दिनाक 27-5-1985 रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय इलहास

को पूर्वीपत तन्तरित के धावत बाजार बृत्य ते कब के ध्रवमान प्रिक्षक के लिए क्यारियों की पर्ध कीर मुखे यह विश्वास कारने का कारण ही कि व्याप्नींक सम्पर्शि का जीवत बाजार बृत्य, जसको ध्रयकान प्रतिपत्न ते, होते क्यामान प्रतिपत्न का प्रमुद्ध प्रिक्त से अधिक ही बीद अख्यका (अन्तरका) और क्यादियों (अन्तरितयों) के बीच एवं बच्छा के लिए ठव स्था प्रतिपत्न विश्व विश्व क्यादम् ति स्था प्रतिपत्न के स्था क्यादम् विश्व क्यादम व

- (श) बलारण से हुई जिली नाम की बावरा, उच्छ वीभीनग्रम के मजीन कर दोने के सन्तरक के शायरण में कही करने वा उसने बचने वें स्थित स्टेनिक; बीर/बा
- (w) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिवों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोध-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था स्थिपने में सविधा के लिए:

्रश्चः अथ, उन्ह अधिनियम की भारा 269-व के अन्यस्य में, में, उन्हें अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निधिविक व्यक्ति, अधीव ह—- (1) श्रेष्ठात्रष्ठात् बृत्यां विश्वापाय मुत्यांत श्रीमाति वर्तन्याः विश्वापाय के अक्तिरकाम ब्रलंहास गायाः

(अन्त-क)

(2) श्री श्रीपाद की विशेषात्वा सामाम की वर्गान्य ओफीस. ग्रकर कास्ट्रक्शन अलंकार बंगली पीव औव बीक्स नंव 18 मरगांव गीवा

(श्रन्तरिती)

को बहु क्का बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के । अर्थ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बम्पीत्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की नवींच या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की टाबीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी स्वीध नाद में इनाया होती हो, के नीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में में किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के क्वचन में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्वादर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी धन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सर्वोंगे।

स्वयक्षीकरण:—-इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्यों कर्त, आं छक्क अभिनियम को अध्याच 20-क में परिभागित ही, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा ही ॥

## अनुसूची

(दस्तावेज सं 340 ता 27-5-1985) खुला जगहा मेरकास इलहासगोवा में है। इसका एरिया 798 स्केर मीटर्स है।

> श्चार० भाग्डाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकण आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलण

दिनांक: 12-12-1**98**5

## प्रकम बाह्र . टी . एन . इस . -----

भाग 269-व (1) के वधीन स्थना

### भारत तरकार कार्यक्रम, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्रिक)

धर्जन रेंज-2, **मद्रा**स

मद्राम, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० 60/मई 1985---श्रतः सुमे, श्री मती एस० साम्बेल

जाबकर जींधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार जिसे जिसे विशेषा कहा नवा ही, की नारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारों को वह विश्वात करने का कारभ ही कि स्वावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 100,000/- छ. से विधक है

और जिसकी सं० तिष्वक्कुलम् गांव चिद्रम्बरम् है तथा जो चिद्रम्बरम में स्थित है (और इसके उनाबढ़ अनुसूची में अ2र पूर्ण रूप से विभित्त है) प्रजिप्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के श्क्रैकार्यालय चिद्रम्ब म लेख सं० 836/85 में भारतीय रिजिट्ट्रीकरण प्रविधियम् 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक **मर्छ** 1985

को पृथों भर सम्परित के उ<mark>षित याचार मृश्य वे काम के इस्यकाश</mark> प्रतिकल के लिए **जन्तरित की गई औ**र पृक्त*े यह* विक्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अधित नाजार भूत्य: उत्तक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से गाँधक हैं और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उन्हों किया गया हैं:---

- (क) क्लारण से हुई किसी काम की बावता, स्वयं सईंपरिवय के क्वीच कर बेने के ब्रम्बरण के विकास में क्वी करने ना स्थाने क्वा में इतिया। के विक; और/बा
- (क) एंसी किसी जान ना किसी धम ना जान जारिसंकों नते, विषक्ते नारतीय कार-नार अधिक्षेत्रकत, 1922 (1922 का 11) ना उनस्य विशिवन्त्र, का भूव-कर निधिवन्त्र, 1957 (1957 का 27) की प्रवोक्तार्थ अक्तरिती हुनारा प्रकार वहीं सिधा क्या था ना किया जाना व्यक्तिस्थ था, कियाने में सुविका की किस्तु;

बत: पन, उक्त बांधनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मों, उक्त बांधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री घेर० नुपर्य विकोण दीस्टिक्स (अस्तरक)
- (2) अभ्भामलै युनिवनिटी जिल्हार ए० आ० एल० लक्ष्मणा चेटिमा

(अन्द्रा-तीत)

को बहु क्षता भारते करके पूर्वोक्त कम्पति के अर्थन से सिक् कार्यवाहिकां करता हूं।

## क्ष्मत सम्मत्ति के अर्थन के बंबंध वें कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपाध में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हिस्बक्भ किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्तक्षरी के पाल निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्घी

भूमि तिब्बन्धुनम गात्र चिरण्यरम् चिरम्बरम् लेख सं० 836/85

एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकाणी सहस्थिक आयक्षर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंग-८८, मधक्

दिनांक: 9 · 1 · · 1 986

प्ररूप जाइ . टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∙7 मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 ज₁वरी 1986

निर्देश सं० 12/ मई 1985---श्रतः मुझे, श्री मती एम० सामवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भी: तिराहा तं शस्त्रा दाराफस्म् है जो हिरोड में स्थित है और इससे उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिड़ी हर्मा अधिकारी के कार्यालय दाराफथम् लेख मं 1270/35 में रास्तीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीर मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के इस्वनान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है बीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य इसके दश्यमान प्रतिफास से, एवे दश्यमान प्रतिफास से, एवे दश्यमान प्रतिफास का पन्दक प्रतिचात से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) बीर बन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. क्षेत्रमालिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :——
12—446GJ/85

(1) श्री पढाचित

(श्रन्तरक)

(2) के० विश्वानाथा फिनान्दियर सर्वोदय अभिगम (अन्तर्कार्ता)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा संकर्ग।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया नया है:

#### यन्सूची

भूमि गम्सा दाराफरम् ढाँन लेख सं० 1270/85 की शेडुल में दी ग $\mathbf{k}$ ्सम्पत्ति दाराफरम् लेख सं० 1270/85

श्री मती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (नि**रीक्ष**ण) ग्रर्जन रेंज--7, मद्रास

दिनांका: 9--1--1986

## प्रकप काइ . टी . एन . एस . ------

बायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवान

#### नारत परकार

## शयीतम, सहायक पायचर पायुक्त (विरीक्षण)

अर्ज ५ रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1986

भिदेश सं० 75/मई 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा नवा ही, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्रतिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रहा से अभिक ही

श्रांर जिसकी संख्या कांगेयम है, जो पोरुलाच्ची में स्थित हैं (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कांगेयम् लेख सं० 749/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक मईं≀85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित नावार मूख्य से कम के व्यवस्था मृतिफल को लिए अन्तरित की गई है जीर मुखे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगीति का क्षेत्रत नावार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे अवसान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत ने विभक्त है और संतरक (बंतरकों) और संवरिती (जन्मरितियों) के नीच एसे अन्तरम के विभ तब पाया नया प्रकित्त का निम्नसिवास उद्देश्य से उक्त वन्तरम विविद्य में बाद्य-विकास कर से क्षित्र महीं जिला करा है है है

- (क) मन्तरण में हुई किसी नाय को नानत उत्तर मधि-पिन्स में नधीन कर दोने के सन्तरक के दावित्य में कनी करने या स्वयं नचने में सुनिधा के किए; मीड/का
- (च) एची किसी बाव वा किसी थव वा बन्य बाहितवों की, विक्रू धारतीय बाव-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ विधिनयम, वा भव कर विधिनयम, विधिन

बतः सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :---

- (1) श्री शेन्दिलकुमार की माता श्रीमती धनलक्ष्मी (अन्तरक)
- (2) श्री बी॰ एस॰ जिन्नस्वामी ग्रीर दूसरे (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी कर्नुक पूर्वीक्स संपत्ति वे वर्षन के सिद् कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालेंग :--

- (क) इब सूचना के एउजपन में प्रकाशन की तारीज वे 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी स्प्रितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औ नवीं नाव यें समाप्त होती हो, के शीवर पूर्वोंकर स्प्रितियों में से किसी स्प्रीकत बुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा तकी।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदौका, की उच्छे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भूमि और मकाभ लेख सं० 749/85 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति कांगेयम् लेख सं० 749/85।

श्रीमती एम० सामुनेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण-)— अर्जन रेंज, मन्नास

तारीख: 9—1—86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिशांक 9 जनवरी, 1985

निदेश मं० 81/मई 85--अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल;

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या नेगमम पोल्लाच्वी है, जो तिरूपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, नेगमम लेख सं० 408/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 85

का प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंदूर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसों बचने में सूबिधा के लिए; बार/या
- (अ) एसी किसी आम मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नत: अब उक्त अधिनियम की धनरा 269-ग के अनुसरण पें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिचित स्यक्तियों, अधित्:-- (1) श्रो करम्जी श्रीमती डी० सविक्षा

(अन्हर्रक)

(2) श्री ए० के० रंगस्वामी भायुडु श्रांर उनके पुत आर० कृष्णस्वामी आर० वेंकटपति श्रांग आर० चित्रदुरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सापत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि बडा नेगमम् गांव पोल्लाच्ची नेगमम् तिरूपुर नेगमम् लेख सं० 408/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 9-1-86

## प्रका बार्च, धी . एव . वृक्त . ------

नायकर निभिनियन , 1961 (1961 का 43) की भारा 289-क (1) के कभीन नुक्का

#### भारत सरमार

ध्यागास्त्र , ब्रह्मायक बायकर बागुक्त (निरीक्स)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० 84/मई 85--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परचारा 'उसरा मधिनियम' कहा गया ही, की पारा 269-च के सधीन बक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का अस्टम ही कि स्थापर कम्पीरा, जिलका उपनत बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या शिगानल्लूर गांव नत्तम सर्वे सं० 332/ 1 सीआईएए हैं, जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (श्रीर इसमें उदाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिगानल्लूर लेख सं० 1068/ 85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन मई 85

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान इतिकल के लिए अन्तरित की पर्द है जर बुको कह विकास करने का कारण है कि बधापुर्वोक्त संपरित का स्वित बाजार मूल्य, उस्को स्वयमान प्रतिकल से, एक्के कावमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकृत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्वी (अन्तरिक्षित में वीच एके बन्तरक से लिए स्व पाया पना प्रतिक क्या दिल्लीशिका उन्दर्भ से स्वत बन्तरक विविध में बावसिक कम ते स्विध कही किया पना है :—

- (स्त) बन्दरम व हुन्दे किसी बाव की बायत्, त्रवक विधिनवृत्त के बधीन कर दोने के अन्तरक के शांवरम में कमी करने वा उच्चे वचने में वृत्तिभा के किए; करि/म।
- (थ) एसे किसी जान वा किसी धन या सम्य शास्त्रका को, जिन्हों भारतीय भाषकर वीधीनवन, 1922 (1922 को 11) ना उन्हों निष्या, का अन-कर अधिनिजन, 1957 (1957 को 27) से श्रवोधनाथ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा वा ना किया जाना चाहिए था, कियाने जे विद्या के किए:

चत्रक क्षत्र उक्त विभिन्नियम की नारा 269-न वी वनुबहरू वो, वो, अक्त व्यविनियम की बादा 269-न की उपचाण (1) वे क्षभीत, निज्ञतिविश्वक कम्पितों, वर्धात :--गोहर :

- (1) श्रीमती आर० नीला अत्वा मीनाक्षी
- (अन्तरक)
- (2) श्री टी० रामकृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त बन्दति के अर्थन के बन्दन्य में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारिया से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्मत्ति में द्वितवद्वय कियी बन्य व्यक्तित द्वारा अभोद्द्रताक्षरी के पास सिवित में किए या सकीने।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-5 में परिभाषितः है, वहीं वर्ष होंगा को उस वध्याव में विका रहा है।

#### अम्बर्ची

भूमि ग्रौर मकान-सर्वे सं० 332/1 सीआईएए नत्तम, शिंगानल्लूर कोयम्बत्तूर शिंगानल्लूर लेख सं० 1068/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जमरेंज-11, मन्नास

तारीखा: 9—1—86

## प्रकृप कार्ड. टी. एन. एव.------

बावकर विविवयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### भारत स्टब्सर

## कार्यासन, बहारक नामकर नामुक्त (निर्द्रीकन्)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्भाम, दिनांक 9 जनवरी, 1995

निदेश सं० 97/मई 85---अत: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्ने इक्षके परवात 'उन्त मार्थियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अंथीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अधित वाबार मुख्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या गस्पा, कोयम्बत्तूर टाउन वार्ट 11-सं० 9/3/1 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूरप से बॉणिश है), रिलस्ट्रीयती अधियारी के कार्यालय, कौयम्बत्तुर लेख सं० 1927/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीभ मई 85

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य संकम के उपयज्ञान प्रतिकात के लिए जन्तिहरू की यह है जीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुक्यें कर संपतित का अधित बाबार बृत्य, उसके क्यमान् प्रतिकत्त सं, एसे क्यमान प्रतिकत का पेक्स प्रतिकत्त से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितिकों) के औष एसे जन्तरण के बिए तब पाया प्रा इतिकस, निम्मनिधित उद्योग्य से स्वत् श्नाप्त्य जिल्लि में बारतीयक रूप से कवित महीं किया पवा है इ—

- (क) क्लारक पे शुर् किसी बाद की राज्य क्य व्यविष्युत में प्रथीन कर रोगे के कवाक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा के लिए; मरि/श
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य अगस्तियाँ को, विष्ट्री भारतीय नाग-कर नीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत वीधनियम, वा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती ब्यारा प्रकट नहीं किया यसा ना का किया जाना चाहिए था कियाने में तुनिका के निष्:

बह: बब, इक्स विधितिक की भारा 269-न के अनुसरन 🚓 में उक्त वीधीनथन की भारा 269-व की उपवाहा (1) दे अधीत , निम्त्रसि**शत व्यक्तियों, वर्षायु अ**-प्य

मोहर :

(1) श्री जी० मारायणस्कामी नायुडु

(अन्सरक)

(2) श्री ए० सोममुन्दरम

(अन्तरिती )

को बहु सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उन्त बन्गरित के धर्मन के बन्मरूप में कोई भी माओर :---

- (क) इत शूचनाको राज्यन में प्रकासन की तारीय थे 45 विज्ञ की वयशिया तत्वम्यन्थी स्वयन्त्रवा पर क्ष्मण की बाबीका के 30 बिन की नवीं भ, यो भी बनीय बाद में सबाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में ते किती स्पनित द्वातः;
- (थ) इब ज्वाम के स्वयंत्र में प्रकारन की तारीय ते 45 पिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति के दितवस्थ किसी अन्य अप्रोक्त दुशाय अभोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकरी।

स्पक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुरी मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुखी

भूमि और मकान-11, पोन्नेगाडर रोड़, ईश्वरन चेट्टियार ले आऊट सर्वे सं० 3, टी॰ एस॰ सं० 9/3/1, गस्पा कीयम्बत्तर कोयम्बत्तर लेख सं० 1927/85।

> श्रीमती एम० सामुपल सक्षम प्रायधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मढ़ास

तारी**ख: 9-1-198**6

त्रक्ष' वार्ष' ही एन एव ,-----

## बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

#### भारत परकार

## कार्वासय, सहायक नावकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनाँक 9 जनवरी, 1986

निदेश सं 102/मई 85 — प्रतः मुझे, न्नीमती एम० साम्बेल,

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--व के नधीन-सक्तम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थायर समिति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 4, संगनूर गाँव, टाटाबाद कोयम्बतूर सें स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गाँधी पुरम लेख सं 2079/85 सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) कें श्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्वित बाबार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिकास के सिए बन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वसापूर्वोक्त सम्मत्ति का उत्वित बाबार मूल्य, उसके स्वमान प्रतिकाल का पत्ते स्वमान प्रतिकाल का पत्ते प्रतिकाल से विश्व है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितवाँ) के बीच एते अन्तरण के सिए तब बागा गया। प्रतिकाल, निम्नसिवित उद्विध्य से उन्त बन्तरण विश्व में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत, उनत विभिन्न के वधीन कर दोने के अभारक के दार्थित में कमी करने या उससे क्ष्मने में सुविधा के सिए; बोर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

नतः वन्, उन्त निमितियमं की भारा 269-म के अनुसरक में मी, उन्त निमितियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, सर्भात् :--- (1) श्रीमती सुशीला गोपीनाथ ।

(भन्तरक)

(2) श्री ढ़ा श्रनस्य कुमार ग्रीर ढ़ प्रभु।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां करता हुं।

उनक सम्मत्ति के मर्थन के तंत्रंभ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत सुमा के रामपन में प्रकासन की तारींच ते 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींच., वो भी नवींच नांच में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तियां द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी ने पास सिचित में किए या सकेंगें।

स्पक्टीकरणः --- इसमें प्रवृत्तर शब्दों और ५वाँ का, जो उजत अधिनियम के अध्याम 20-क में मधा परिभाषिक ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **घ**नुसूची

भूमि ग्रौर मकान-संगनूर गाँव टी एस टी सं 11/278 टाटाबा ६ – सं 4, स्ट्रीट-सेंठ सं 346 कोयम्बतूर, गाँधीपुरम लेख सं 2079/85।

श्रोमती **ए**म० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-11, मन्नास

तारीख: 9-1-1986.

मोहर

## प्रक्य कार्ड.टी .एव .एच-:-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्श्रयालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 9 जनवरी, 1986

निदेश सं 110/मई 85:—श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'त्रक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड 5-टी, एस० 282, तिलयूर तेरू है जो कूरैनाडु में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मईलाऊतुरै लेख सं० 423/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985

कर वृशेंक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मुख्य से कम के इत्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पात्रा गत्रा (अन्तरितयों) के शेच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गत्रा (प्रतिफल, निम्निसिचित उद्विचय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिस्मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक करे वादित्व में जानी करने या उक्ससे अधने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के बिद्ध;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सभीन, निस्त्रतिविक व्यक्तित्वारं, क्याँति ध--- (1) श्री एस० एम० ग्रार० एम० एस० ग्रार० मुरुप्प चेद्रियार फर्म।

(भ्रन्तरक)

(2 श्रीएम० कबूरचंद जैन।

(ग्रन्तरिती)

को सह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहर्या सुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस तुमना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिंध, को भी नविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हिल्ल वद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभाइस्ताकारी के पास विकास में किए जा सकोंगे।

स्थव्यिकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

## अनुजुची

भूमि श्रौरमकान--वार्ड सं० 5,टी०एस०सं० 282,तिलयूर स्ट्रीट, क्रौनाड्-मईलाउतुरै, लेख सं० 324/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल, स्थाम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रॅज–II, मद्रास–6

तारीख: 9-1-1986

## प्रकल बाह्यं हो . युव . युव हुननवननवनक

(1) डा०एन. जयरामन।

(भ्रन्तरक)

(2) इण्डियन बौंक।

(ग्रन्तरिती)

बायकर निधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### मार्व वरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 9 जनवरी, 1986

निर्देश ेसं ० 119/मई 1985—श्रत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन हक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 251, लस चर्च रोड़, मैलापुर मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में मैलापुर लेख मं०618/85 में भारतीय श्रिरिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,1908 (1908का 16) के श्रधीन सारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार युस्य से कम के स्थमान बित्कस के लिए बन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से बिधक हैं और बंतरक (बंतरकों) बौर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरक के लिए तय पाया क्या प्रतिकल निम्निसिवित स्कूरिक से उच्त बंतरण सिविक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वृधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में वृविधा के सिए; वॉर/वा
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वोधनार्थ जन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया जया वा सा किया जाना चाहिए था. क्रियाने में सुविधा के क्रिया।

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के हैंसब कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं

उक्त सम्पत्ति के बर्चम् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत् :--

- (क) इस बुधवा के रावप्त्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य को भी अविध्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के याचपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त खट्यों और पदों का, को उपत विभिनियम के अध्याय 20-के में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया व्याहै।

#### अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान -25, लस चर्च रोड़, मद्रास-1, मैलापुर लेख सं618/85।

एम० सामुबेल, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मन्नास 6

शत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसंरण में में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों वर्षात् ∷—

तारीख: 9-1-1986

The second section of the section of th

## त्रक्य कार्यः की , एव , एव , ० ० ० ०००

भावकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की वस्त 269-व (1) के वर्धन क्वा

#### भारत स्टब्स्टर

कार्यासय, सहाबक भावकर वायुक्त (निरीकाण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 9 जनवरी, 1986

निर्देण मं० 234/मई, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उवा विधिनियम' बहा गया हैं), की भारत 209-च के जवीन सक्तम प्रतिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति विश्वका देखित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 6वि वार्ड-68वौँ ब्लाक टी ० एस० सं० 2851 है, जो तंजाबूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तंजाबूर लेख सं० 1073/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त तस्मित को उभित बाबार मूक्य से कन के बह्मनान श्रीवफल के निष् बन्तरित की मद्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधानुकोंकत सम्मित का समित बाबार स्वय, स्वयो स्वयमान प्रविक्त से एंडे स्थानान प्रतिकल का पंदाह प्रविक्तत स्थिक है और बन्तरिक (बन्तरिकों) और अन्तरिती श्रीवक्तत स्थिक है और पूर्वे बन्तरिकों) और अन्तरिती श्रीवक्तत सिम्मितिक स्वयंद्य से उस्त बन्तर्स किसित्त पे शास्त्रीविक कप से किथित नहीं किया बना है है—

- (क) अर्ग/रच में हुई किसी जाम की बागत, उक्त आदिनियन के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, आर/मा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी भन वा तान नास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अविश्वार्थ अन्दर्शिका के अविश्वार्थ अन्दर्शिका प्रभाव या किया वाला प्राप्ति था. फिरावे के स्विधा के विष्

सतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीर निम्तिलित व्यक्तियों, अर्थात् :---

13 --446GI/85

(1) श्री एन० ए० बास्कर बल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० शिवनम्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु। अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगमधी

भूमि—6वौँ वार्ड 68वौँ ब्लाक टी॰ एस० सं० 2851. तंजाबूर-तंजासूर लोख सं० 1073/85।

> श्रीमती एम• सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज–<sup>11</sup>, मद्राम

नारीख: 9-1-1986

## अ**क्ष्य बाह**्य दी , एन् , एच् , ------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन त्वना

#### गाउत सहस्राह

## कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (विद्रीक्षण)

अर्जनरंज- मद्रास

मद्रास, दिसांक 10 जनवरी 1986

निदेश मं० 169/मई 85---अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा नना हैं), को भारा 269-च के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- सं अधिक हैं

प्रांर जिसकी सं 55/2, पार्यकार्गा पेठै, बैस्टाल तेशाम्पठें हैं, जो मद्रास-86 में स्थित है (प्रांर इसमें उपाबद्ध में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय मद्रास सेन्द्रल-लेख सं 448/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन मई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रश्यवान प्रितिक्त के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल को एसे द्रश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त बीध--नियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के शायित्व में कमी करने या उगम बचने में सविधा के निष् बीट/वा
- (का) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों जा, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोण्यार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना वाहिए था, दिवाने बें स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर० ज्ञाममणि

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० मोहमद बगीर

(अन्तरिती)

को यह ब्रुपना बाखी करके पूर्वांक्य सम्पत्ति के वृत्रंत के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उन्ह उन्होंता के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (का) इस बूज्या के राज्यन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिए की क्वीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तामीज से 30 दिन की जबिंध, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से सिक्षी प्रिक्त ब्वारा:
- (क) इस ब्रुपना के स्वयंत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर स्वयं स्थावर सम्बत्ति में हितवदूभ किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्यौनीर पदौ का, जो उक्त नियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्भ हांगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

## प्रनुभूषी

भूमि और मकाम 55/2, पार्थभारति पेंठे स्ट्रीट वेंस्लाल तेनाम्पेठ मद्रासं 86-मद्रास सेन्ट्रल । लेख मं० 448/85

> श्रीमती एम० सामु<del>वेल</del> सक्षम श्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज- , मद्रास-6

तांगीख : 10-1-86

शक्य बाइ . टी . एम . एस------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-व (1) के बधील क्वा

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जंशरेज- , मद्रास

मद्राम, दिवाक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० 219/मई 1985--अतः मुझे, श्रीमती एम० यामुक्षेल

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (धित इसवें इसकें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धाच 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्बीत, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी स० भूमि प्रेकन्दलैयूर है, जो पेकन्दलैयूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिक है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कवन्दम्य(ठि लेख सं० 472/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1985

भ्यं पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल

- के पत्त्रज्ञ प्रतिशत से अधिक है और असरका (असरका) और असरिती (असरितियाँ) के बीच एसे असरका के शिए तब पाचा नया प्रतिकत्त्व, निम्नीनिवान उद्योग्य के स्वत्त असरण शिवित भी वास्तिक रूप ने कीचत नहीं किया नया की ह—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (क) एनी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट कहीं किया या था या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुरैक्धा के शिवः;

बक्षः वयः, उत्तर विधिनयमं की भारा 269-व के अनुबरण में, में, उपल विधियमं की भारा 269-व की उपवारा (1) ये अभीन, निम्मिनिया मध्यम्बर्धः, वर्षाद्यः ।——

- (1) श्री टी० आर० पी० ए० वें कटरामधें इिया और अन्यों। (अन्तरक)
- (2) श्री पोत्रुस्वामि, श्रौर उनके पुत्र । (अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पृतंक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिम या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की संबंधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (व) इत स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-वद्भ किसी बन्ध क्विक्त इवारा अधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकोंने।

स्यच्यीकरण:---इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त वीधीनवस को बध्याय 20-क में परिभाधित हैं, कही वर्ष होगा, को उत्त अध्याव में विधा नवा है।

#### अनुसूची

कृषि खती—पेरून्दलैयूर गांव-सर्वे नं० 256/2 श्रीर 271/1-कबन्दम्पाठि-लेख सं० 472/85

> ्श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

तारी**ख**: 10-1-1986

प्रकृप आहें. टी. एन. एस.-----

नायकर व्यक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अधीन सुमना

भारत सरकार

फार्यासय,, सङ्गावक जावकर जावस्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दियों ते 8 जगवरी 1986

िर्वेश सं० 38/म\$/85--अतः मृझे, श्रीमती एम० सामुकेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकाम 'उकत अधिनियम' सद्दा गया है), की धारा 269-च में अभीन सभम प्राधिकादी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थल्पर सम्बद्धित, जिसका उचित भाषार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० 4. तिरुवेंकेठाचारि स्ट्रीट, वेथ्टपुरम अर्द्स् है, जो मद्राम-53 में स्थित है (और इस्के इटाबड अनुसूची में और पूर्ण कप में विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बन्द्र लेख सं० 2115/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1985

को र्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिस्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व अं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

सतः अव, उसत अभिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलियिट व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री के० वीक बैंणुगोपालन्।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० चंद्रन ।

(अन्त िती)

को यह सूचना वादा करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त स्थानिक में कि सी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

भिम और महान-४, तिक्वेंकटाचारि स्ट्रीट, वेकटपुरम अस्वतूर महास-53 अस्वातूर, नेवारं० 2115-85 ।

> एम॰ सामृबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, मद्रास

तारीच : 8-1-86

प्राक्य आहं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (गिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्रास, दिशांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० 77/मई 85-जन मुझे श्रीमती एम० निमुचेन, धावकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें दरको परवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं) को जास 269-च के अधीन सक्षम प्रीतियम' कहा वहा विकास करने का करक हैं कि स्थावर बंपीत्स, जिलका स्वित्त वाचार नृत्य 1,06,000/-छ. से अधिक हैं

स्रोर शिसकी ते । गता उडुमले टाउन, श्रीभिवास भागता स्ट्रीट है, जो उडुमले जिल्म्युर में स्थित है (श्रीण इत्यो उपन्यं अ मे स्रीणपूर्ण का नवींगा है), अजिल्ही तो अधि नरी के नायांत्रिय उडुमानपेठ लेख न । 101185 में भारतीय अजिस्ट्री उपण अधिनियम 1908 (1908 हो 16) के अबीन मई 1985

कां वृत्तिक सम्मस्ति के उपित बाजार मृत्य से कर के कामान विश्वास के सिए अन्तिरित की गई है और मृत्रों, यह विश्वास करने का कारण ही कि वधाप्योंकत सम्मत्ति का जीवत बाबार वृत्या, उसके द्वयमान प्रतिकल सं, एसे व्यवनान प्रतिकल का पंच्य प्रतिकल के विश्व प्रतिकल का पंच्य प्रतिकल के विश्व तय गामा नमा विकल्प, निम्नतिक्ति उद्वेष्य से उपस्य क्लारण कि किस में वासर मुझा कार्या है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी नाय की वासस, उक्षय अधिनियम के अधीन कर दोने खैं अन्तरक खैं वामित्य में कमी करने या उससे वजने वें सुविधा के बिए; औष्ट/या
- (वा) वृत्ती किसी नाव वा किसी वस वा वस्य वार्तिस्था को, विन्तु भारतीय नाम-कर मीपिनवस, 1922 (1922 का 11) या इनत अभिनियम, वा वन-कर विविन्त्यम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ सम्मरिती ब्वाया वक्ट नहीं किया देवा या या विज्ञा जाना वाहिए वा, कियाने को स्वित्या के विव्या के व्या के विव्या के विव्या के विव्या के विव्या के व्या के विव्या के विव्या के विव्या के व्या के व्या

मार बाज, उपन गीभीनयम की भारा 269-व की अनुसरक थी, गी, समस वीधीमयम की भारा 269-व की उपभास (1) के सभीय, निज्निमिक्क व्यक्तियों, अर्थात् स्--- (।) श्री ए० गोपाल ।

(अन्तर्क)

(2) श्री बी० देवदास ।

(अन्यस्ति )

को यह बुधना बाची करने पुर्वेक्त क्याहित के अर्थन के किन्न कार्यगाहियां क्ष्म करता हुं।

बनस बन्नील से धर्मन से सम्बन्ध में सांह्र' मी आहोप :---

- (क) इस त्या के रायपन में प्रकारण की शाहीस में 45 सिन की जगीन का तरसम्बन्धी क्यूरिक्स के क्या की शामील से 30 दिन की जनकि, को भी क्या को बाम में समाज होती हो, के भीतर प्रांतिश क्या को किसी क्या कुशाधाः
- (व) इस स्थला के राज्यन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के औतर स्थल स्थायर सम्पत्ति में दिन्यपृथ दिन्दी सन्य व्यक्ति वृषारा क्योड्स्सासाही से पास सिवित में सिद्ध या क्योंने ।

रमण्डीकरणः ---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का., वो उक्त विधिनसम, के वश्यात 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा, को उस सम्बाध में दिवा पत्रा हैं।

#### वन्सूची

मृति और मकान ---श्रीनिवास भायकर स्ट्रीट गस्पा उडुमसे टाउन उडुमले निकप्पूर उडुलपेठ लेख सं० 1011/85

> एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी सङ्ग्यक भावकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज्रियी, महास

वारीब: 8-1-86

## प्रकार कार्ड . हो . एन . एस . -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिशांक 7 जनवरी 1986

लिदेश सं० 95/मई 85—-अनः मुझे श्रीमती एम० सामुँ ल जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

भार जिनकी सं० अरेप्सातकार स्ट्रीय है, जो कीयस्थतू — भे तुरम में स्थित है (श्रीप इससे उसाबद्ध में प्रीरपूर्ण कर ने वर्णित है) रजिस्ट्री गर्गा अधिकारी के कार्यात्वय कीयस्वरसूर लेख सं० 1895/2 में भारतीय रजिस्ट्री गरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1985

का पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सम्मान प्रतिफल से, एसे सम्मान प्रतिफल के पंत्रह्

मेर अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिकिक उद्वर्षय से उपन अन्तरण जिल्हित में नास्त्रिक क्या से क्रीयत पूरी किया गया है :---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाय की बाबसं, छक्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/वा
- (वा) ऐसी किसी बाध वा किसी भन वा बन्य जास्तियों को, जिल्हें भारबीय जामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मैं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै वधीन निम्नितिसित स्वित्यों, वर्धास् :--- (1) श्री आर॰ शामाराव गाँर 6 अन्यों

(अन्तरक)

(४) मैंससं शिश एन्ड प्रैंसिस की पार्टमर श्रीमती: एम० लक्ष्मी और उनके मैंपर पुत्र प्रवीण कुमार और एम० मालाजी

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उसत संपत्ति को वर्णन को संबंध में क्यांड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिसमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आरं उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुस्धी

भृषि भौर मकान--योधनक्कार स्ट्रीट, कोयस्बतूर कोयस्ब-तुर-लेख मं• 1895/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारीर्डे सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, महास

नारी**च** - 7-1-86 मोहर : प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

46 46 101171174

कामकर किंकिनसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिभांक 8 जभवरी 1986

तिर्देश सं० 98/मई 85---अतः मुझे, श्रीमती एस० सामुबेल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लान् 'उथर अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अभीन सक्षन प्राभिकारी को यह विष्यास करने का कारण ह" कि स्थानर संपत्ति जिसका जिल्ला वाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीए जियकी मंद कृषार पाल्यम कोयम्बतूर टीठ एसठ संद 71/118/1 है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर्ग में विशित है), रिइस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख मंद 2206/85 में भारतीय रिजस्ट्री-क्रण अधिमियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीप, मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नेवह प्रतिकत सं विश्वस हो कीर अंतरित (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक इस निम्मालिखत चब्रुव्यव से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इस के किया गया है :—

- (क) वंतरण से हुंद किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्ष
- (क) एंकी किसी बाम मा किसी धन या बन्म आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रमोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के सिए।

्यः वष, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को बनुसरण ्यः, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को कथीन, ज्यिक्तिशिक्तर काश्वितयों, अर्थात् :--- (1) भी सी० के० शिवसुनमणियम ।

(अन्तर्क)

(2) श्री पी० पलिमिनामि।

(अन्सरिती)

को बहु त्वना बारी करके पूर्वोक्त बंधीत के अर्थन के तिए कार्यबाहिया करता हूं।

उक्त सम्मौत के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानताों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अन् सूची

भूमि भार मकान---कुमारपलायम टी एस० स० 71/ 118/1 कोयस्वत्र-कोयस्वत्र लेख सं० 2206/85

> श्रीमती एम० सा**मुबैल** सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **मद्रा**स

भार**ीखा** : 8-1-1986

मंहिर:

## पुरुष वादी, **टी**, एन , एवं <sub>अस्तरन</sub>-----

## बावकर ज़िभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यामय, अहारक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिलांक ८ उनवरी 1986

िर्वेष सं० 100/ मई/85---यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

र्धाए जिस्की मंश्रसाविजी भगर है, जो कोयम्बत्य में स्थित है (यॉल इसने उपावद अनुसूची में ब्रॉए पूर्ग कर से बिणित है), रजिस्टी लि अधियारी के भारतीय कोयम्बत्य लेख मंश्र 1975/85 में भारतीय रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरभ विश्वत के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की, बाधत, खबस र्लाधनिया के अधीन कर दोने के अंगान्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- (।) श्रीमती वी० बाग्यलक्ष्मी ।

(अन्धर्क)

(2) डा० कुरिन्जिनायत ग्रीर दुसरे।

(अन्त रिर्तः )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बाहियां गुरू करना हूं

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या नन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्यिश काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इसस्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्**स्त्रों

भूमि और मकास—न्यू टी० एस० सं० 3/535/2, 535/2 और 546, सावित्री नगर कोयम्बनूर—कोयम्बनूर लेख सं० 1975/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मद्रास

नारीख: 8-1-1986

## अस्य नार्षः, टी. एत<sub>ः</sub> एवः -----

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### नारत सरकार

## चार्याचय , श्रद्धाचय वायकार बाब्यस (निर्याकार्य

अजंभ रेंज-2, मद्रास

मन्नास, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देण सं० 103/मई 85—या: मुझें,श्रीमती एम० सामुवेल, बामकर विधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं)., की धारा 263-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० संगत्र गांव, 278/2 हैं, जो कोयम्बत्र में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय गांधीपुरम लेख सं० 2026/85 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीम, मई 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि ग्रणपर्वोक्त संपत्ति का उचित है बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के स्वतरकां और कन्तरकां (अन्तरकां) और कन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उच्चेष्ट से उच्च कन्तरण

- (क) वैक्तरण ते हुई किसी बाव की वावस, वर्षक शीवनियत के वशीर कर दोने के जन्तरक सैं दासित्व में कमी करते वा क्वले अवसे में सुविधा के जिल्: और/सा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य बास्तियों को चिन्हों भारतीय बानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में महिशा के सिए;

कत: अब, उक्त विभिनियम की धारा 269-न के बनुसरण् हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) द्र अपीत किस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर० धामोधरन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० शिवगःमि।

(अन्तरिती)

को वह सूचना वारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी लाहांच :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की जबरिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपति मेथ हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए वा सकीन।

स्पब्सीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्वों और पर्वों का, जो उक्त विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस वध्याय में दिवा गवा है।

## वन्तुची

मूमि श्रोर मकाम ---संगनूर गाँव, 278/2 कोयम्बनूर गाँधीपुरम लेख सं० 2026/85।

> श्रीमती एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

भारीख: 8-1-1986

## क्रमप् मार्ड् डी पुरु हुन ुन्नन्यन्यन

नायकर निभृतियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन कुत्रना

#### भारत परकार

## कार्यात्त्व, तहात्रक वायकार वाय्यका (विद्नीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास,दिनांक 8 जनवरी 1986

निवेश सं० 104/मई 85—अत: मुझे श्रीमती एम० सामुबेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर बस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रह. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी मं० सैठ सं० 6 गणधित गांव पाण्चिमुत्तु नगर है, जो कोयम्बत् र में सित है (श्राँग इसमे उपाबद्ध में श्राँग पूर्ण रूप में विणित है), र जिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम लेख सं० 2078/85 में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीम मर्ष 1985

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित, की नहीं जीर मूझे यह किस्त्रात करने का कारण है कि यथापूनोंक्त तरमित का कारण है कि यथापूनोंक्त तरमित का उचित बाबार मूख, उसके क्यमान प्रतिकाल से दुवे, क्रवमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और जन्तरक ... (जन्तरकों) जीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वामा गया प्रतिफल, जिम्मीनिकत उद्देश्य के जक्त जन्तरण सिका को वासा वामा प्रतिकाल, जिम्मीनिकत उद्देश्य के जक्त जन्तरण सिका को वास्तिक का के कांच्या महीं किया कथा है ....

- (क) मन्तरण वे हुई कियाँ शव की दाशकः, वक्य मणिनियम के अभीत कर दोने के अन्यरण के शियरण में कती करने वा वक्के वचने में बृण्धि। के देतप; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी आयं वा किसी भन वा कुल जास्तियों को, जिन्हें आरसीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अजत विधिनियम, धा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में प्रविधानों के सिए;

बतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग.के अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-व की सपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री पी० गंगाधरम

(अन्तर

(2) श्रीमती लक्ष्मी अशोक

(अन्तरिती)

को वह स्वना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन के प्रसद कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्धन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इसः स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त्रित में किए जा सकींगे।

स्वक्षक्रियरणः -- इसमे प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, जो उच्छ स्थित हिम्द्रम के कथ्याय 20-क में परिभाजित-हैं, वहीं कर्थ होगा, को उस कथ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकाम-6, दाष्ट्रिमुत्तु नगर लेख कोयम्बतूर गणपति, गांव 264/2 गांधीपुरम लेख सं० 2078/85

> श्रीमती एम० सामुबेल स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जाप्तरेज-2, मद्राम

तारीख: 8-1-86

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961'का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाभ रॉज-2, मद्रास

मद्रास-6, दिशांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं ० 105/मई 85—यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्रिक बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० वार्ड सं० 5 टी० एस० मं० 282, दालैयूर है, जो कूरैनाडु में स्थित है (श्रीर इसमे उधाबद्ध श्रनुसूची में श्री∈पूर्ण का म विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महस्ताडुतुरे लेख सं० 423/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, मई 1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में बास्तिवर, रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: उथ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० एम० आर० एम० एम० आर० मुरुगधा (फर्म) ।

(अन्तरक्)

(2) श्री शांतीलाल मुरावा ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विशिवस्थान, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

भूमि श्रीर मकान—टी० एस० सं० 282, वार्ड सं० 5, तालैयूर क्रोन।डू महलाडुत्रे लेख सं० 423/85 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मदास

तारीख: 8-1-1986

मोहर ह

प्रभाव काष्ट्रे हो. एस. **दश**ः----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### शारद सरकार

## कार्याक्षय , सहायक आयकर वायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास--6, दिनांक 8 जनवरी 1986

मिर्देश सं ० 106/मई/85—अतः मुझे,श्रीमती एम० सामुकेल । आयकर अधिनियम, 1961 (196/1 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स किधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित न जार मृष्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 282 वार्ड नं० 5 तालैयूर स्ट्रीट है, जो कुरैताडु में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय मई ताडुतुरै, लेख सं० 423/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीभ, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूख्य से कम के क्ष्यमान श्रीतफास के लिए जन्तिरत की गर्व है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे ब्ल्यमान प्रतिफल के चन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के मिए तब पावा गया प्रतिक् क्षक निम्निलिंबत उद्योध्य से उसत जन्तरण मिनिबत में बास्तविक क्षम से कथित नहीं किया गया है कि—

- (क) नंतरण से हुई किसी साम की वाबत, उपर शांधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कामी कारने वा उदाचे बलाने में वृत्तिमा के जिल्ह; वीट/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन ना जन्य नास्तियाँ को बिन्हें भारतीय नायकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु निभिन्नम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजभाष नृष्याँद्रशी कुनारा नुकट नहीं किया पना भा वा किना पाना पाहिए पा, क्रियान में सुनिभा के विश्व;

कतः सर्व , उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को , मी , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की खपधारा (धी को अभीन , निस्तिकिणित स्पिक्तयों, अधीत :४ -

- (1) श्री एस० एम० आर० एम० एम० आर० मुरुगच्प चेट्टियार । (अन्तरक)
- (2) श्री रौमानुज नायडु ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत बम्मतित के भर्मन के सम्मन्य में कोई भी धार्शर:----

- (क) इस त्यान के रायपण में त्रकायण की तारीय वें
  45 दिन की जबीध या तत्सेवंधी व्यक्तिकों पर
  व्यवा की सामीस वे 30 दिन की व्यक्ति, को भी
  अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना की राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- किती सन्य स्थावर स्थावर सम्पर्ति में शिव किता में किया का करेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पर्यों का, वो उक्त विधिनियमं, के क्थाय 20-क में परिभाषित है वहीं भर्य होगा जो उस धडवाय में दिया गया है।

#### नगस ची

भूमि यौर महाम—टी० एस० सं० 282 वार्ड सं० 5, कुरैमाडु तालैयूर महलाडुतुरैं — महलाडुतुरै लेख सं० 423/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, मद्रास-6

तारीख: 8-1-1986

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986

भिदेण सं० 108/मई 85—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० लेख सं० 423/85 की शेड्न में दी हुई है, जो कुरैताडु सम्पत्ति में स्थित है (स्रोर इससे उपायद्ध में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय मझ्लातुरै लेख सं० 423/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हो। 16) के अधीन मई 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्सि व्यक्तियों, अर्थात क्ष--- (1) श्री एस० एम० आर० एम० एम० आर० मुरू-गप्प चेटियार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण देवि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि श्रीर मकाध बार्ड मं० 5 तथियूर सलियेतक कुरभाडु दी॰ एस॰ सं॰ 282 महलातुरै, 428/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख : 8-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

#### शायत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986 निदेश मं० 109/मई 1985—-अः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात जिसे मियम कहा गया है), की भारा 269-क थे जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का बारन है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजा मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी संवटीव एसव संव 282/वाई 5, कुरताडु है, जोबाध्यूर स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड श्रतूस्की में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), राजिस्ट्री क्वी अधिकारी के कार्यालय मईलाडुतुरें लेख संव 423/85 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिक्यिम 1908 (1908 का 16) के अधीक मई 1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

हैं क्ष्में बन्दाइय से हुई टिस्की बाय की वायत क्ष्य अधिदेवस्य के अभीत क्ष्म दोने में अन्तरक के इतिराद में कृती क्ष्माने वा स्वयं बचने में बुविधा के विष्; क्षेड∕वा

(स) एंसी किसं आप या किसी धन या अन्यं आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के जन्दरण हो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत :---मोहर छ (1) श्री एस० एम० आर० एम० एम० आर० शियद मुरुगण्यय चेटिचार

(अन्तरक)

(2) श्री कचुलाल जैभ

(अन्तरिती)

चौर वह सूचमा चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत सन्यक्ति के वर्षन के सन्यन्त में कोई जी जाकोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवहरा;
- (ण) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की टारीस एं 45 विष् में शीवर उनत स्थावर सम्परित में हितवस्थ विक्री नम्म क्षित द्वारा नथोहस्ताणरी के शास सिवित में किए वा सकीये।

स्वक्षतिकरणः ----इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदो का, वा उक् विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा थे। उस क्ष्याय में दिना गया है।

#### marks:

भूमि श्रीर मङावटी० एम० सं० 282/वाई सं० 5, नाजियूर सालियतेक कुरेनाडु मङ्लाडुमुरं लेख सं० 423/85

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

ता**रीख**: 8-1-1**9**86

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

(1) अपिमाताजी बिल्डसं ।

(अन्तर्क्र)

(2) श्री मस्टर एन० विनोद।

(अन्तरिती)

नाथकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के स्थीन ध्यम

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक वायकर बाव्यत (निरीक्षक)

अर्जम रेज-2, मद्राय

मद्रास, दिशांक ८ जनवरी 1986

निर्देश सं ० 140/मई 85--यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेला भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक **है** 

श्रीर जिसकी सं० 1 वालर्स लेश, मौण्ट रोड है, जो मद्रास-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत्न श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप सवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिपलकेल लेख मं० 417/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण रिविभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1985

को पूर्वोश्य संपरित के उचित बाजार भूस्य से आव के सरवाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि बभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मुख्य, असके क्यमान प्रतिफन से, एसे क्यमान प्रतिकत का पंक्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पावा गया प्रति-<क्षम निम्नतिथित उद्देश्य से उन्देशनतरण निवित में बास्त-पिक क्य से काचित नहीं किया पंचा है ---

- (क) बन्धरण से हाई किसी बाब की बाबत, उसत मीभीपनम के नभीन कर दोने के नन्यपुक्त वी रावित्य में कवी करने या उत्तर्भ बचने में दक्षिण चे सिए; चौडः/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्ध आस्तियाँ का, जिन्हां भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पाना पाहिए था फिपाने में सुविधा के लिए;

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में क्योर्ड भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की∹तारीख क्षे 45 दिन की जनपि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर त्चना की वामीस से 30 दिन की बनिथ, जो भी वयरिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में**ंडितबब्ध** किसी अन्य व्यक्ति बुवास अभोक्तिताक्षारी की पाव जिबित में किए जास्कों ने।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं.. है, वही अर्थ द्वारेगा, जो उस कश्चान में दिया

### मन्सूची

भूमि श्रीप मकाभ--1, वालर्स लेन मीण्ट रोड, मद्रास-2 द्विप्तिकेत लेख सं० 417/85 ।

> श्रीमती एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महाय ५ अ(य हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

**नारीख: 8-1-198**6

मोहर:

मक्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ः--

प्ररूप बार्च : टी. एव : एव : 🗷 🕫 :

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभूता

### भारत वरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-2, मद्राम

मद्रास-6, दिशांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं 152/मई 85-यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल अप्टब्स अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इस्में इरफे पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, विस्का उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से निधक हैं और जिपकी सं थार० ए 10 सं 154, विख्वानिमयूर गांव है, जी तहबान्मियूर में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाधद्ध अनुसूची में संब एक कर से विख्या है) रिजस्नी कर्षा श्रीर होरो के प्रायक्तिय

श्रीराजीका सर्व आर्विश्वादिक 154, ात्रवास्मियूर गांव है, जो तर्रवास्मियूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्त अधि घारों के घार्यालय दक्षिण मद्रास लेख संव 1417/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 घा 16) के अधीम, मई 1985

को प्रवेकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिकत सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उशके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्प्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिभत से अधिक है और गंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए त्य पाया गय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योक्त से उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है रूक्त

- (क) ब्रम्बद्भ वे ह्यू किया बाम की वायवा, उपस् विधिनवस के ब्रुधीन कर को के अन्तरक के वासित्व में क्षमी करने या उच्चे ब्रुधने में सुविधा के निग्र; वीद/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रएोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था बा किया बाना बाहिए था खिपाने में सुविधा के निए

नत: क्य उक्त विधितियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधितियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री बी०एस० भाषम् नि।

(अस्तरक)

(2) श्री बी० णिवकुमार ।

(अन्तरिती )

की यह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्षन के विश्व कार्यकारित्रया शुरु करता हां।

उक्त सम्पत्ति 📽 वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुकाश को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवें किल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, के उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा हाँ ही

### **मनुसूची**

भूमि——आर० एस० सं० 154, तिरुवान्मियूर मद्रास-दक्षिण मद्रास, लेख सं० 1417/85 ।

> श्रीमती एम० सामु**बेर्स** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

नारीख: 8-1-1986

प्रकृष भाषी, द्वी. एप., एप., क्या क्रिक्ट

वानकार वॉधनियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के न्योत स्वना

#### WITH STREET

# व्यथीयन, सहातक वायकर वायक (शिर्यक्रक)

अजैन रेंज-2, मद्रास

मद्रायः, दिशांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० 205/मई 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल बामकार विधिविषयः, 1961 (1961 का 43) (विधि द्वार्ध इसको परपात् 'उक्त विधिववन' कहा ग्वा ही, की बास 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सुम्मत्ति, जिन्नका जीवत नावाद मुख्य 1,00,000/- छ. चे विधिक हैं

भीर जिनकी सं० 21, प्लाट सं० 8 (हिस्सा) आर० एख० स० 64 अवरगांत्र है, जो (एल० बी० रोड) गैंवपैठ में स्थित है (भीर इससे उपावद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अख्यार लेख सं० 1132/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 18) के अधीन मई 1985

को पूर्णेक्य सम्पत्ति के उचित वाधार मूक्य से कम के उरवस्तर शिल्छ के लिए बन्तिरत की गई है जोर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि बचा पूर्णेक्य सम्पत्ति का उचित वाधार मूक्य, उसके उपमान प्रतिक्ष से, एसे उरवसान प्रतिक्षत के पत्तक प्रतिस्ति के विश्व है और बंतरित (बंतरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नीतिषद सक्ष्य से उक्त जन्तरण निविद्य में वास्त्रविक्ष कम से किथब नहीं किया गया है हम्म

- हैंकों बन्तरण से हुई दिल्ली बाब की नावध, उन्तर वीपिय्यय में अभीन कर दोने जी संस्कृत की शक्तिक में कामी नारण मा उन्तर बचने मां बृधिया क प्रिप्ट, मीर/दा
- (क) देशों कि की सम् या कि की प्रमुख अपने वास्तिकों कां, विन्हें भारतीय नायकता अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन्न अभिनियम, वा पन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ वंदरिती द्वारा प्रकृष्ट यहीं किया प्रमा ना वा किना जाना भाहिए मा, किनाने के कृषिका की क्रिया

बक्दः शव , उक्त वीशीनवन की भारा 269-च की, बनुक्का की, की, क्कत वीशीनवन की धारा 269-च की बनशारा (1) के अभीतः,रिज्ञानिकत व्यक्तिकों को बच्ची क्रास्ट 15—446€1/88 (1) भी टी॰ वयालन

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश देवि

(अन्तरिती)

को यह स्वना नारी करके पृत्रोंकत सन्मत्ति के अर्थन के सिक् कार्यकाहियां करता हुई।

बक्क बन्मरिक में भर्षन से सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष 🗫

- (क) इस स्वता के रावप्त में प्रकाशन की तार्रीय से 45 वित्र की अवित्र मा तत्त्वस्तरणी व्यक्तियों पड़ स्वता की तालीय से 30 वित्र की स्वत्रित, को बी सवित्र में स्वाप्त होती हो, के नीत्र प्रोंक्य व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति हथाए;
- (क) इस स्थान में एकप्त में प्रकारन की तार्रीय से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुक किसी क्ष्म व्यक्ति ब्वास स्थाहस्ताक्षरी के राख् रिवित में किए शा सकेंगे।

अपक्रीकरण :----दशमें प्रमुक्त बन्तों नीर वधीं का, जो अवस् अधिनियम, खें नध्याय 20-स में परिभाषित् ही, नहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नया ही।

### धनुसूची

मूमि भौर मकाम—21, एल० बी० रोड, अडयार, मश्रास-20 अंडपार लेख सं० 1132/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारी**व: 8-1-8**6 **नोहर 8** 

## प्रकृष बाई - टी - एन - एस ---

भायक्ष र जीभनियम, 1961 (1961 का.43) की भारा 269-व (1) के मुनीय स्पन्त

भारत सरकार

कार्यातय, तहायक आमकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिशांक 8 जमवरी 1986

निदेश सं० 220/मई 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामु बेल, बाथकर जिमीनवम 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जिथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थापर सम्मित विसका उपित बाबार मृत्य 1,00,090/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं अधिनकुधम कम्पून है, जो पांक्रिचेरी में स्थित है (भौर इसमें उपाबद धनुतूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है),रिलस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पांक्रिचेरी लेख सं 1215/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक स्प स कथिब नहीं किया गया है है

- (क) क्लारण चे हुई किवीं बाव को बावक, क्लत विकित्त निवस को वधीन कर बोने के बातरक को बाधित में कमी करने वा उच्चते क्यने में व्यवधा के लिए: नीच/वा
- (स) ऐसी किसी शाव या किसी धन या अध्य वास्तिकों को जिल्हें भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जनत कृतिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट वहीं किया देश था का किया में नृतिभा के लिया

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की अनुकरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलि**वित स्यक्तिव्यों, व्यक्ति**  (1) श्रीमृती अरिविक अल्लि

(अन्तरक)

(2) श्रीसी० मटेसन चेट्टियार

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारी हु सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी कन्य क्यक्ति ब्वारा क्योहस्ताक्षरी के पांच शिक्य का सकेंगे ।

स्यष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और प्रदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा श है।

## मनृस्ची

भूमि आर० एस० सं० 1/2 भूमि-1, अभियनकुष्ठम कम्पून पंचायत, पांडिचेरी, पांडिस्येरि, लेख सं० 1215/85 श्रीमती एम० सामु वेल सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास-6।

तारीख: 8-1-86

डक्क काईं.टी.एक,एस : -->----

अयकार वॉर्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के स्थीन सुबना

#### धारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर आगुक्त (निर्दाक्षक)

पर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राप्त, विनाक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० 233/मई 85--ग्रतः मुझे, श्रीनती एम० सामुनेल, बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, विश्वका उचित वाधाद्व मूख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 6ठी वाई ब्लाक सं० 68; टी० एस० सं० 2851 हैं, जो तंजाबूर टाउन में स्थित है (और इससे उंपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संजाबूर लेख सं० 859/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वात करने का कारण है कि स्थाप्नेवित सम्पत्ति का उचित बाजार बृद्ध, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बेब्ह भविजत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रति-क्षम कि अभिति के बुद्धिय से उचित बेदिन कि बित में बास्ति कि क्षम के कि सित नहीं कि सा गया है है है के क

- (क) नन्तरण वे शुरं कियाँ नाम की नामक क्रमण निविद्यम के वशीप कर वेथे के जन्तहरू के वादित्य में कभी मुद्रमें या उसके बच्च में सुविधा के जिए; जीर/या
- (क) प्रेची किसी बाव वा किसी भूत वा क्ष्य वास्तिकों कर्ते, जिन्हें भारतीय भाव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नयम, वा वनकर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ करतरियों बुनारा प्रकट नहीं किया गंधां था विभाग करतियां जाना चाहिए था, किया ने सुविभा के सिए;

ं अरोधः सकः, क्ष्मतः सीधिनयम की धारा 269-म की, सन्सरण को, बींट,, सक्कः सीधिनयमः सीःभूतः 269-म की उपधारा (1) को सभीव विकरित्विधित व्यक्तियों, सर्वादे ८—- (1) श्रीमती एन० ग्रार० बाम्करविल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कें विश्वम्मा

(भन्तरिती)

को यह सुखना वारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्थन की निग् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शादीक में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बद्ध किसी जून स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्ष्यी के पास सिवित में किए जा सकीन।

स्वष्टिश्वरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में तिया नवा है,

### अनुसूची

भूमि ब्लाक सं० 68, टी० एस० सं० 2851/6ठी वार्ड, तंजावूर टाउन' पंजाबूर लेख सं० 859/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 8-1-1986

मोहरः

>

क्षण बाह् , डॉ., प्र., एवं, ह-अन्तर

नावकार मधिनियमः: 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-छ (१) के नधीम कुमना

#### THE REPORT

कार्यास्त्र , बहायक सायकर बाबूक्त (विरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

भद्रास, विनांक 8 जनवरी 1986

निवेण सं० \$39/मई 85---भतः मृत्ते श्रीमती एम० सामुबेस नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का काइन हैं कि स्वावद सम्बत्ति, विश्वका अधित नावार ब्रूच्य 1,00,000/-रु. से निधक हैं

और जिसकी सं० मनल पुन्दुरै गांव है, जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय इरोड, लेख सं० 2204/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन मई 1985

की प्रॉन्स सम्मित के बियत बाबार ब्रुव से कम के स्ववास वित्रक्ष के सिए बंतरित की यह है जीर ब्रुवे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्मित का अधित बाबार ब्रुव, उत्त करवाम प्रीतक्त को, देवे स्ववान प्रीतक्त का पंचर प्रतिकत के वित्र तम विवय के बीच एवं क्यारण के तिए तम वाका वधा प्रतिकत निम्मितिकत उप्रवेश स्वत्रक्त करत्य क्यारण सिकित में के बास्त्विक क्य में कथित नहीं किया गया है क्यारण

- (क) जन्तरम् ते हुई किसी जाव की बावतः, बंबत वृधि-अधिनियम के अधीन कर वर्षे के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुनिया के बिए; बॉर/वा
- (व) एंडी किसी जाव वा किसी भन वा मन्य शास्त्रकों को, चिन्हें भारतीय शायकर विभिन्नवम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनवम, वा भन-अप विभिन्नवम, वा भन-अप विभिन्नवम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ बंधरिती हुनारा प्रकट वहीं किया नवा किया जाना अधिय वा, कियाने वे ब्रिया के दिख्य;

शतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ के अनुकरण वो, वो, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की वधीय, निम्मृति[चर व्यक्तियम]ं, व्यक्ति ड──

- (1) श्रीमती उमधाल भायरपी और उनके पुत्र धी॰ सुक्षयन और बी॰ वेंकटाचलम और दूसरे (भन्तरक)
- (2) भी वडिबेल, पत्तनिसामि भीर धन्यों (धन्तरिसी)

को बहु शूचना भारी करके पूर्वोजक ग्रन्मरित के अर्थन के किस् कार्यवाहियां करता हूं।

# काद प्रशिक्ष के ब्रह्मेंप के प्रमान्त के फोर्ट की वालेक--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति ब्यागः
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुव किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बंधोइस्ताक्षरी की पाव विक्रित में किस का सकते।

प्यक्रीकरण:--- इत्यों प्रयुक्त कर्जा और पर्यों का, जी क्ष्यक रुधिनियम के अध्याय 20-क वें संशा परि--ग्रेडित हो, यही वर्ष होना क्रों क्षा संख्यात के विका क्या हो।

### नगृत्यो

मृति---प्रवण पुण्डुरे गांव इरोड, ईरोड लेख सं० \$204/85

्रम• श्रामुबेस शक्तम प्राधिकारी सहायक सायकर शाधुक्त (निरीक्षक) धर्मन रेंज-2, महाश्व ।

तारीच। 8-1-1988 चोहर। प्रकार नाई, टी, एन, एवं,------

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग - 269-ए (1) के क्षीन सूक्ष्मा

भारत सरकार

# क्रमांचन, बहायक मानकार मानुक्त (विद्रीब्र्ज)

भर्जन रेंज-2, महास

मद्वास, दिनांक 8 जनवरी 1986

निवेश सं० 240/मई 85 — प्रतः मुसे श्रीमती एम० सामुवेल नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की नाय 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वाच करने का कारल हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मून्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

भीर जिसकी सं० अवलपून्दुर गांव है, जो ईरोड तालुक में स्थि है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण कप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्जा प्रविकारी के कार्यालय ईरोड लेख सं० 483/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1985

को पृथितिक संपत्ति को उपित बाबार मूस्य से कान को स्वयंत्रव श्रीतिकल को सिए अन्तरित की पहुँ ही बार मुन्ने यह विश्वास कानों का कारण ही कि संधाप्तींकत संपत्ति का जिलत बाबास मूख्य, जानके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यभान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उप्रदेश से उक्त अन्तरण शिखिक को बाक्टिक क्या से कथित महीं किया प्रयाह :---

- (क)ः अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उपत अधि-दिवस से बचीन कर दोने से अन्दरक से दावित्य से सभी करने ना क्यारे नवने में वृत्तिया से देखते; सोक/स्थ
- (क) देवी किसी बाय वा किसी थन वा सम्ब सास्तियों को, विन्हों भारतीय नावकर सीमिनवय, 1922 (1922 का 11) वा उपत्र सीमिनवर्थ, वा धन-कर सीमीपवर्थ, 1957 (1957 का 27) के देवे|क्सार्थ क्यारिती ब्यारा प्रकट गहीं किया क्या ना वा मिना बाना चाहिए वा, कियार्ग में बृत्यिमा में किस्तु;

वतः भवः, उत्कतं भौधीनयमं कौ धारा 269-ग कै अनुसरण कौ, भौ उकतं अधिनियमं की धारा 269-म कौ उपधारा (1) को बधीन, जिम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती उमयाल घाण्यी

(मन्तरक)

(3) भी वें कटाचल गोंडर

(यन्तरिती)

की यह युषका चारी करके पूर्वीक्क सन्तरित के वर्षन् से विश् कार्यगाहियां सूक करता हूं।

क्या प्रमृतिक के न्वीप से प्रमृत्य को कीई ही बार्कर क्र--

- हैंकों इस स्पार के राज्यभ में प्रकाशन की तारीक के 45 विश की नवींच था तत्काश्रमणी व्यक्तियों पर स्थान की तानीक के 30 विन की नवींच, को भी अविच बाद में बनाय्त होती हो, के भीतर पूनोंक्क व्यक्तियों में के किसी अधिका बुवाएं;
- (क) इक सूचना के प्रकार को प्रकार की प्रार्थि के 45 दिव को भीतर जक्त स्थावर वंपरिता में विश्व-सूच कियी कन्य न्यानित त्वास अभोहस्ताकरी के बाख दिवाल के किए का इकोंने।

स्थलनियम के सभाव 20-क ने गरिशाविक हीं, वहीं अर्थ होंगा की तक सभाव ने दिवा नक हैं।

यनुसूची ध्यानसम्पृत्दुरै यांव, इरोड तालुक ईरोड, लेख सं-483/88

> श्रीमती एम सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक यायकर शाय अत (निरीक्षण) यक्षम रेज-३, यहास-६

वारीक: 8-1-1986

मोहर ।

प्रारूप अवर्षे . टी. एकं. एसा. ------

भायकर अधिनियम, 1.961: (न.96% का 43) की भारा 269 प (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्तय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जीन रेजिन्द्र, महास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986

निवेश सं० 242/मई 85--- झत: मुझे श्रीमती एम० सामुवेल नायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के निर्मात सभम प्राधिकारी को यह निरमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निसका उचित् बाबार नृश्य

1,00,000/- का से अधिक हैं
और जिसकी सं 12 वार्ड, टी॰ एस॰ सं 275/2 वार्ड सं॰
ए घ्लाक सं॰ 16 है, जो डोर सं॰ 73, प्रकिल्मेड वीधी हरोड़
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण कप से विणत है),
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हरोड़ लेख सं॰ मई 1985
को पूर्वोक्त बस्पत्ति के उचित बाजर मुख्य से कम के अध्यमन
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर
मुख्य उसक रहयमान प्रतिकल सं, एसे द्रम्यमान प्रतिकल का
पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(बन्तार्रातवा) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पावा गवा
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योग्य से ध्वत बन्तरण सिक्ति वे

- (क) जन्मरण वे सूर्य जिल्ली जान की वायक है कका वीप्तियम के वश्रीय कर दोने के मुख्यरक हैं सुर्वित्य में कमी कार्य कर उच्छे सहस्रे को वृत्तिया। वे विद्या बाहर वा
- (व) एसी किसी बाव वा किसी वह वा बच्च बारेस्सकों को, चिन्हों भारतीय जाय-कर नृषिनिवन, 1922 (1922 का 11) वा अक्त विधिनिवन, वा धनकर विधिनिवन, वा धनकर विधिनिवन, वा धनकर विधिनिवन, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किया भारता किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिक्स:

- (1) श्रीमतीं टीं॰ रेणुगा देवीं और उनके पुत्र (भन्तरक)
- (2) श्री सेन्तिल फिनान्स की मैनेजिंग पार्टनर श्री एम० ए० देखुइबामि (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भारतीं पूर्विकित संपत्ति को वर्षन के जिए कार्यवाहियां गुर्व करता हुए ।

कथ्वत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की जन्धि, जो भी अन्धि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक के 45 विन के भीतर उपक्त स्थावए संस्पत्ति में हितंबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

रम्ब्यक्रें करण: --- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **जन्**स्**य**ि

भूमि-13 बार्ड, पुरामा टी॰ एस॰ सं॰ 275/2, डोर सं॰ 73, म्यू टी॰ एस॰ सं॰ 11, देरोड, लेख सं॰ 2299/85

> श्रीमती एम॰ सामुवेल संसम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंग रेंज-2, मदास-6

नतः भग, उनत अभिनियमं की धारा 269-न के अनुनुरस्त की, मी, उनत अभिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) में अभिन्द निस्तिमित्रित व्यक्तियों अधारा हमान

तारीख: 8-1-1986

क्या आहे हैं औ<sub>र स्</sub>राह्म स्वयं है है है

आसमार स्थिपियमं, 1961 (1961 मा 43) मा भारत 269 म्(1) में बभीन सूचना

#### गान्त धनका

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मबुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० 2/मई/85/मदुरै--अतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुवेल

नायकार निर्धातस्त्रन्, 1961 (1964 का 43) शिष्ये इसमें इसमें इसमें अप्रमाद् 'उन्त निर्धातम्' कहा नया हैं), की धारा 209-व में नधीन सक्षम प्राधिकारी को, सह विश्वाच करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अचित नामार मुख्य 1,00,000/- रहः से विधिक हैं

भीर जितकी सं० प्लाट सं० 57, टी० एस० तां० 1960/1 भीर 1961/1बी 3रो कालोती है शया जो अगा ततार, दिन्छन कल में स्थित है (कीर इससे उपाबद अनुसूकी भी और पूर्ण रूप से विणि : है), रिकार्ट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर 1, दिन्छुन कल दं० सं० 731/85 में भारतीय रिजिल्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनोक महैं 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उल्लित क्रांकार मुख्य से क्राम के दर्शमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है अनेर का यह विक्थास कर्ज का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिला बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिकल से एसे दृष्टमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (श्रृंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिकल किम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तिवक कम

- (भा) अन्तरण सं शुद्द निस्ती आय की दावत उक्त अभिनियम् में अभीन कर होते के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधः के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य अस्तिनी की, जिन्ही भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकृट नहीं किया गंगा आ वा किया जाना चाहिए था कियाने में श्रीविध्य की जिस्हा;

बतः बस्न, उन्त विभिन्निय को भारा 269-व सै बन्दरस हो, जी, उस्त विभिन्निय की भारा 269-व स्तिः उपभारा (॥) को ज्योग, निम्मीशिक्त व्यक्तियों,, नर्भात् :---

- (1) भेशर्ज युनाईटिंड इन्हों ऐसः कंपनी लिमिटेड (धन्तरक)
- (2) श्री 🗣० एस० कमलवन्नण

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिख् कार्ववाहियां करता हुं।

सम्बद्धाः को भर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप >---

- (क) इस स्थान के शांवपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनसि का तस्य अदन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तानील से 30 दिन की अवभि, जां भी जनभि आद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तीयत अजिन्द्रमाँ में से किसी ज्यानक कुनाब;
- (क्र) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीक नी . 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मां हितन बद्ध किसी बन्न कांक्ति द्वारा अभाहरताक्षरी के पास जिक्कि में किस या सकेंगे।

### **प्रनुसूद्री**

क्यूंमि क्वीर निर्माण, प्लाट सं० 57, अरा वालीनी, धरना भगर, दिरहुक्शल (द० सं० 731/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सञ्जम श्राविकारी सहायक श्रायकर झायुषत (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, महुरै

दिनांक: 6-1-1986

में हर:

# THE RESERVE AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE

नायकर नीपनियम, 1961 (1961 का 43) की शास्त्र गांध 269-म (1) वो वागीय सूचना

#### गत्तमं प्राप्ता

# कार्यासय, शहायक बावकर शानुक्त (विरोक्तक)

म्रजैन रेंज, मदुर

मदुर, दिनांक ६ जनवरी 1986

निर्देश सं० 14/मई/85—जातः मुझे, श्रीमती एम० साम् वेल आवकर विभिन्नन, 1961 (1961 का 43) (विशे इवर्षे इक्के परकार् 'क्कर विभिन्नन' कहा नवा ही), की धारा 269-व के वधीन सक्षत्र श्रीधकारी को, नह विकास करने का कारण है कि स्थानर कम्मीरत, विश्वका अधिक नावार मुख्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

मीर निसकी सं० टी॰ एस॰ सं० 12, तिकवि टाऊन नया वार्के तिकवि टाऊन है जो तिकि वि में स्थित हैं। (भीर इससे उपावद भनुसूची में भीर पूर्ण कप से बणित है), रिजस्ट्रीशच्ची स्थित स्थित स्थारी के वार्यात्रय, जे॰ एस॰ आर-2 तिकि व द० सं० 3589/85 में भारतीय रिजस्ट्री शरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिन्नीन मई 1985

को प्रोंक्त सम्मत्ति के अणित बाजार बृश्व से कन के क्यावान इतियान के तिए जन्तरित की नद्दं है और वृश्व वह विस्थान करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्मत्ति का उणित बाजार स्न्य, उसके द्यमान प्रतिफास से ऐसे द्यमंत्रान प्रतिफास का पंग्रह इतियात से निधक है और सन्तरक (अन्तरकों) और नन्तरिती (अन्तरिता) के बीच एंडे जन्दरण के विष् वय बाता प्रश्न इतियान, विन्नविद्या ज्युवोच्य से क्याद क्यादम विश्वित्य के वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) तत्त्वहम से इ.स. निकारी शत्य हारी समय , क्या वांचित्त्व की वांचीय सह वांची की सम्बद्ध की शतिरूप में सर्वी हहारों या कहते व्यक्त की मृत्यिका को सिक्ष; बांच/बा
- हैंच हैं वो किया थाए वर विवर्ध वर वर्ण आदिताओं को, जिल्हें बारतीय बान-कर निर्मित्रक, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिक्षिण, वा वर्णकर निर्मित्रक, 1957 (1957 का 27) में प्रयोगभार्थ बन्दरिती वृथारा प्रकट वहीं किया वरा था वा किया बारा चाहिने था. कियाने में जूनिया के बिह्ना?

नतः नव, तपत विधियित्वन की पाय 269-व के जंबुहरू वे, वें. वचत विधियवन की धारा 269-व की वचवपत् (१) क अभाग निकारितक व्यक्तिकों बुध्य अल्ल (1) श्री के० जनवायन घीर घन्य ।

(घन्तरम)

(2) श्री 🗣० सुबमयम घीर घम्य ।

(भग्तरिवीं)

वी वह स्वा प्रारी वहने वृत्योक्त क्ष्मात्त ने अर्थन ने विद् व्यर्थनीहर्म करता हुई क्ष

## काद क्लिटिंक के बर्चन के सम्बन्ध के आहे की आक्रिक--

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय 45 दिन की जगीन ने उत्तरमानी ज्यानतकों नय स्थान की तानीय से 30 दिन की धनिय, जो बी समीय नाम में समान्त होती हो, से भीगुर पूर्वों कर स्थानकों में से दिन्दी स्थानक हुणायाः
- (ज) इस व्यान के राजपन में अकावन की शारीय से 45 विन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में दित्यवृत्त किती बन्द व्यक्ति वृत्तारा नथोहरताकरी के शक्त विकित में किए वा सकेने।

व्यक्तीकरण:---व्यके प्रवृत्त कर्जा और परो का, को उपक्ष विधिनयन को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ज होगा को उच्च वध्यान में विका क्या हैं ⊞

### जनुसुनी

भूमि भीर निर्माण, टी० एस० सं० 12, तिकवि टाऊन, तिकचि (द० सं० 3589/85)।

> श्रीमती एम० सामुनेल स्थाम प्राधिकारी सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, महुरी

दिनोक: 6-1-1986

# हरूप बाह्र दो हम . एवं . अवन्यवन्यत

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

#### मारत श्रकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, मदुर

मदुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देण सं० 16/मई/1985/मदुरै---यतः मुझे, श्रीमती एम० सोमुबेल,

मायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्स्र 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 112/3, के० श्रिभिणेखपुरस है तथा जो तिरूचिरापल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० 2, तिक्षचि द० सं० 599/85 में भारतीय पित्रस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1985

की पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रिंस, निम्नीलिखत उद्वेद्य से उक्त अन्त्रण तिश्वित में बास्त- क्रिंस क्या से किया नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से कृषं किसी शांव की बावता, उक्त विकित्सम के अधीत कार राजेंदी अन्तरक के दिस्तिक में कामी कारने या उससे बच्चमें में सुविध्या के सिक्ष्यु न्योर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय मा किसी भन मा अन्य जास्तिमाँ मही, चिन्ही भारतीम बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सविभा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के जन्मरक की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीन निम्नितिशिक व्यक्तियों, मधीन :—
16—446GI/85

(1) श्री जोसक जयपाल ग्रीर ग्रन्य ।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्री एस० पी० मृत्तुरामलिंगम ।

(श्रन्तरिती)

स्रो वह स्वमा बारी करके र्वोक्त सम्पन्ति के सर्थन के फिए कार्यवाहियां करता है ।

# **चन्द्र सम्मरित् के भर्चन में** नम्मरूप हों साह्ये ही बाह्येए अन

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वी अत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सम्बेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रमुक्तः केक्टों और वधी का, धी स्थर विधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ण दुर्गा को उस तथ्यान में दिया गया है।

### मनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण टी एस० सं० 112/3, के० श्रभिशेखपुरम निरूचि (द० सं० 599/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सह(यक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मदुरें

दिनांक: 6~1~1986

मोहरः

पक्ष कार्य ही एक एन .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १६९-भ (1) के दाधीन मुखना

#### धारत सरकार

# नधर्मभव, तहाबक नावकल नावृत्त (विद्रासन)

श्रर्जन रेंज, मद्रे

मदुरौ, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देण मं० 17/मई/85--यनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, नायकर निर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 32, के० बतार, टी० एम० सं० 48, के० स्रिभणेख पुरम है तथा जो निष्चि में स्थित है (धाँर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में भाँर पूर्ण ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिध-वारी के वार्यालय, जे० एस० भार० 2 वर्ग्स 600/85 में भारतीय रिल्स्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के स्रधीन, विनांद मई 1985

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित माजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृवांक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से यभिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उव्योद्य से उक्त अंतरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखन व्यक्तियों, अधीत:——

(1) थी आए० वें त्टम्प्रमन्यम ।

(प्रन्तरः)

(2) श्री ए० आर० रंगनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप ्र-

- (क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन की मत्रीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य र्म्यान्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जा उक्स विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हो, बहा लिये हुएया आ उथा तर ता ना मचा है।

### प्रनुसूची

भूमि फ्रौर निर्माण ब्लाहः सं० 32, बाई के० के० ग्रिभिणेख-पुरम, तिरूचि (द० सं० 600/85) ।

> भीभती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायः अभागा अध्युक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज, मृक्क

दिनांक: 6-1-1986

# **त्रक्त कार्य** व **दी**ल प्रमाल प्रसादानन्तराज्ञन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26**०**-ए (1) **वे वधीन स्था**न

#### मापक संपन्त

## कार्यालय, सहायक भायकार कायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, मदुर मदुरी, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देण मं० 19/मई/1985/मदुरै---यनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विषये इसमें इसके परभात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिएका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी शोर मं० 13, गोखिल हाल स्ट्रीट सिवगगां में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद यनुसूची में स्रीप पूर्ण क्य से बर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिधिकारी के कार्यालय जे० एस० स्नार०-1 सिवगंगा द० मं० 817/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 वर्षा 16) के स्रधीन, दिनांक मई 1985

को पूर्वावत सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का केन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के किए तब पाना प्रतिक क्या विकासित स्थापित क्या प्रतिक का किए तब पाना प्रतिक क्या विकासित स्थापित क्या प्रतिक का कार्या कि कार्य विकासित स्थापित क्या प्रतिक कार्य विकासित स्थापित क्या प्रतिक कार्य कार्य विकासित स्थापित कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण को, को, उन्त अधिनियम की धारा ∠69-ग की उपधारा (1) चे अधीन, निम्मतिचित अधिनायों, अधीत डे—— (1) श्री ग्रार० राजगोपालन भीर ग्रन्थ।

(अन्तरक)

2) श्री के० तीरण्यन प्रेसिडेंट सिवगंगा सिल्क फोरमरस को-श्रापरेटिव सोसाइटी

(ग्रन्तरिती)

भी बहु बुचवा बादों कर्य व्यामित कम्पीत के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

### वयत् सम्मतित सं मर्थन सं सम्बन्ध में कोई भी बाधीन ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र भें प्रकालन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की वामील से 30 दिन की वर्षा, को भी अविध् वार में समाप्त होती हो, के भीतत प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना छ।
- (व) इत स्वमा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वक्रीकरण: --- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो समक्ष अभिनियम को अध्याय 23 क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होना जो उस सध्याय में दिया ध्या है।

#### पर ची

भूमि ग्रीर निर्माण सिवगंगा (द० सं० 817/85)

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ख्रायुक्त (निरीक्षण) ख्रजैंन रेंज, मदुरें

दिनांक: 6-1-19**8**6

मोहर 🖫

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन द्वा

### भारत सरकार

# भावस्थि, सहायक कावकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज, मदुरै

मद्दरै, दिमांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० 26/मई/1985/मदुर—-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुदेल,

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 912/10, मुस्नि गांव है तथा जे तिरूचि जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीयक्ती अधिकारी के कार्यालय, मुसिरी द० मं० 1056/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिमांक मई 1985।

की पूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकल के पन्तर प्रतिकल से अभिक है जौर जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बामा गया प्रतिफल, निक्निलिख जब्देच्य से उक्त जन्तरण निवित में वास्त्विक कप से किथत नहीं किया गवा है :--

- (क) जन्तरण से दूर किसी बाब की बाबत, अक्ट विधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उत्तस्य ज्ञान में सुविधा के सिष्हुं और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कार निर्मित्रमा, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निर्मित्रमा, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिने था कियानों में से सिस्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अरुणाचलम पिल्ले

(अन्सरक)

(2) श्री ए० भशीटा इकबाल

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इत् सूचना के राष्प्रच में प्रकाबन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए का सकार्व।

स्वक्तिकरणः---इसमें प्रयुक्त कव्यां और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### प्रनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 92/1ए, मृसिरी गांव, तिरूचि (द० सं० 1056/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महुरै

दिमांक: 8-1-1986

प्रक्ष नाइ . टी. एम. एस.

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 8 जनवरी 1986

भिर्देश सं० 29/मई/1985/मदुरै—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी॰ एस० सं० 730/8, 2 वार्ड है ध्या जो दिन्डुक तल में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय 2, दिन्डुक्कल द० सं० 824/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 13) के अधीत, दिनांक मई 1985

का पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, स्सके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्भुदेश्य से उक्त अंतरण निस्ति में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) सम्मरण वे हुई किसी शाम की अवह , उक्त सीधितनम को स्थीन कर वेने के बन्तरक के सामित्य में कनी करने या उत्तरे दखने में सुनिया के सिए; सीध/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छियाने में सृद्धिय के बिए;

नतः जब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती एस० सजिनी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० वी० अरुलस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवीक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की बन्धि, को भी वर्षि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास विक्ति में किए जा सकति।

त्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त विधीनसम् के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस वध्याय में दिया प्या है।

# ग्रनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण टी०एस०सं० 730/8, 1 वार्ड दिन्डुक्कल (द० सं० 824/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक: 8-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्वक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महुर

मदुरै, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं ० 30/मई/1985/महुरै--शर्ः, श्रुज्ञे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० (भई) 1223, जहमगापूरम स्टीट, वार्ड है तथा जो सं० 1, दिन्हुकलन में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिख्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 2, दिन्हुकला द० सं० 830/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1985

को प्रांकित सम्मति के डीयत बाबार ब्रन्थ में कम के क्ष्म मान प्रतिफाज के लिए कल्तरित की गई हैं और मंझे यह सिक्वास करने का कारण हैं कि समाप्योंक्त सम्मत्ति का उपित बाजार ब्रन्थ, इसके क्ष्ममान प्रतिफल से एसे क्ष्ममान प्रतिफल का गंकह प्रतिस्त से अधिक हैं और अन्तरक (अंगरका) मीर अवस्थिति (अम्बरितियों) के बीच एसे अन्तरक को लिए तम पामा क्ष्म प्रतिक्त, विम्नीनियत उद्योक्ष के अन्तर अन्तरक सिम्ल में बास्तविक क्ष्म से कांचर नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक की दायित्व भों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अबं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधि।, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री के० सुब्दा गाँडर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आए० सरस्वती अम्माल ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्म् भी

चूमि और निर्माण नई टी॰ एउ॰ सं॰ 1223, वार्ड सं॰ 1, लक्ष्मणपुरम, डिन्डुकाल (द॰ सं॰ 830/85) ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी , सहायक आयकर आयुक्त (क्रिरीक्षण) सर्जन रेंज, मद्रै

হিলাক: ৪-1-1986

TEN TE E TE LE COMME

(:) जी एक बीट जागुरायद वेड्नियर और अन्य । (अन्तरक)

(2) त्रेविडेंट, किया बाबाजी संगम ।

(अन्तरिती)

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जंग रेज, मबुरै

मदुरै, दिनाँ । ह जनवरी 1985

गिर्वेश सं० 31/मई/1985/मदुरै—शतः मृझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चात् (उकत विश्वित्यमा दाश क्या है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पतित, जिलाका एकित वालार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिल्लाकी सं० एस० सं० 381, 112/1, 113/1 ते 112/17 वर्क है तथा जो विष्मायम में स्थित है (श्रीट इसके उपलब्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण का से विष्य है), रिजिट्ट्रीट्स विद्विकारी के कार्यालय, तिष्मयम ५० सं० 440/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिविषम, 1908 (1908 का 16) के अधीव, दिसांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित को गर्दे हैं और मूझे यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें हश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक क्ष्म से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय कहे बाबत, उक्त अधिनियम के क्यीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्पत्त इका है सुनियह के जिला और/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आसिस्थां को, जिन्हीं भारतीय आय-कर विधिनियस, 1981 (1961 का 43) या उक्त अधिनियस, सा अधिनियस, 1967 (1967 का 27) को प्रतिय-राधीं मन्यिती हराया प्रति किसा बारा भा या किया जाना चाहिए था, हिसाने भी मुक्तिया को निए:

अतः अब जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलास (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, अधीन :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस रूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस इचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रश्नुकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

### अनुसूची

भूमि एस० सं० 381, 112/1, 113/1 से 113/17 तक तिरुमयण, पुद्काद्वी जिला।

> श्रीमती एम० सामुबे ल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज, मदूरै

ਰਿਕਾਂ ਨ : 6-1-1989

मोहरः

प्ररूप बाई .टी .ध्न .एस .-----

(1) श्रीमती प्रेमा गणाती

(अन्तरक)

शामकार वाधनियम, 1961 (1961 का 43) कर पर 269-व (1) के बधीन सचना (2) श्रीमती एस० तेन्मोनी।

(अन्तरिती)

शारत वरकार

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज म रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 8 जनवरी 1986

मिर्देश सं० 32/मई/1985/मदुरै—अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार पृत्य

1,00 000/- रु. सं अधिक है

्राप्तः सं० टी० एस० सं० 4501, 4वां टाऊन स्ट्रीट (दक्षिण) है तथा जो पुरुकोड्डे में स्थित है (खीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में खीर पूर्व रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय, पुरुकोट्टे द० सं० 1050/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीम, दिशांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के बह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अभारण सं हुई किसी शाय की शावद, उक्क अधिनियम से अधीन कर दोन के शावरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चल में श्रीवधा के लिए; मीर/वा
- (थ) एसी किसी बाध था किसी वन हा सन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाध कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किश वया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने अं स्विशा के सिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह स्चना बारी गारके द्वींक्त सम्पत्ति से वर्षन के लिए अर्थकादियां करता हुं।

र का सम्मति के अमन के सम्बन्त में छोड़ें भी बाहरें :--

- (क) इस सूचका के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वर्षीय था तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स
- (क) इस स्वान के राज्यव में प्रकाशन को जानि । 45 थिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्त्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किस का सकतेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

### अनुस्यो

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 4501, 4वां स्ट्रीट टाऊभ दक्षिण स्ट्रीट, पुदुकोट्टै (द० सं० 1050/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी के सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, मदुरै

বিশান: 8-1-1986

प्रकथ आर्च . टी . एन . एस . -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मद्दर

मदुर, दितांड 6 जनवरी 1986 निर्देश सं० 38/मही/1985/मदुरी---ऋतः मझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसेमें. इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' काहा गया हो।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं टी॰ एस॰ सं 8473/74 प्लाट सं ६ 4ए, एस॰ जी॰ श्रो॰ कालोनी है तथा जो एल सिकल, पुदुकोट्टे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण कर से विणत है), रिजस्ट्री क्ला श्रीध हारी के कार्यालय, जे॰ एस॰ श्रार॰ 1, पुदुकोट्टे द॰ सं ॰ 1153/85 में रिजस्ट्री करण श्रीध-नियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, दिनाक मई 1985 को पूर्वे वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के निष् स्वाप्त का स्वाप्त का स्वार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के निष् त्य श्रीर बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित में वास्तरित का, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण कि भित्र में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में मुख्यि। के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृथिधा के लिए,

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधान, निम्मलिखि**त व्यक्तियों, अर्थात्:—** 17—446 GI/85 (1) श्रीकेश वेण्गोकता

(भ्रन्धरक)

(2) श्री एस० प्लानिवेलु और श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वांग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वांग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के तर निस्ति में किए ता सकोंगे।

स्पष्टिकिस्म -इसमा प्रयाकत शब्दों और पदी का, - को जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क, मी परिभाषित हों. यही अर्थ हांगा, आ उस अध्याय को दिया सर्वा हों।

#### बन्स्ची

भूमि प्रौष्ट निर्माण, प्लाट सं । 17, एन० जी० <mark>ग्रो० कालोनी,</mark> एन० भरित्न, पुदुकोट्टै टाऊन (द० सं० 1153/85) ।

> श्रीमती एम० सामुबेल संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रैंग, मधुरै

दिनांकः 6--1--1986

प्रकण बाइ टी.एस.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में अभीन स्मान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेज, मधुर मदुर, दिनांकः 6 जनवरी 1986

निर्देश मं० 41/मई/1985/मधुरै--- श्रनः मझे, श्रीमती एम०

आयकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्रतं अभिनियम' बहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का क्षारण है कि स्थायर सक्पत्ति, जिसका उजित बाजार भून्य ा,००,०००/- रा. से अधि**क ह**ै

श्रीर जिसकी संब्युरानी एक संब् 536/1 (भूमि) है तथा जो वेंग्टम गलम गांव, तिरूचि दिला में स्थित है (श्रीप इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूर से वर्णित है), रिस्ट्रीहर्त्ता श्रधि-ारीं के ायलिया वेलायुक्तमतालयम, किरूचि द० सं० 323/85 में प्रजिस्द्री इरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 📺 16) के श्रधीन, दिनां रू मई 1985 ।

का पूर्वेक्त सम्पर्शियो उचित बाजार मृत्य से कम को करममान भतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ल्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिवात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के जीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देपम से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया ग**गाहै** ----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, नक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शियत्व मो कमी करने या जमशे तचले हों सिविधा **छ नियः और /यः**
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का**ं, जिल्ह<sup>ा</sup> भारतीय आय-कर अ**धिनियस, १००<u>०</u> (1922 कर 11) या उच्छ अधिनियमः, या धनकार अभिनियम : 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च नन्तरिती बुधारा प्रकंट नहीं किया गया था या यिजा काना चाहिए था, किएाने में सुविधा के सिए;

अखा। अब, बक्स निधिविषय की धारा 269-न के कनसरफ र्क, भी उद्या विभिन्नियम की भाग 259-म की उपनाम (1) व अधीन, नियननिखित व्यक्तियाँ अर्थात :--

(1) श्रीपी० शिवः लिगम भौर स्नन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पत्तिनम

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यशाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्िक के अर्जन के श्रवंध में कांद्र भी बाक्षेप .---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन की अविधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील सं 30 दिन की बविधि, जी भं अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उच्त स्थानर सम्पत्ति में हित्तवयुष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधानस्ताकरी के पार सिचित में किए जा सर्जीये ।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त क्रिपिनियम को अभ्याम 20-क में विभाषित हैं, बहुर संचे स्रोरत, को जर सरपार की दिया नवा हुई ।

## अन्स्ची

कृषि भूमि---एस० सं० 536/1 श्रीर 527/1, वेंकटमंगलम गांव, बेलायुतमपालयम, तिरूचि जिला (द० मं० 323/85) ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ∷ारी सहाय ए आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर

दिनांत्र : 6--1--1986

ध्रमण कार्य हरि, एवं, ध्रम, +---

(1) श्रीमती टी० सावित्री

(भ्रन्तरक)

बायकर बार्धानयस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के ब्रुपीन सुपना (2) श्री जी० चेतुरामन

(भ्रन्तरिती)

#### भारत केल्लार

काबालय, सक्षयक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग, मदुर

मदुर, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० 42/मई/1985/मदुरे---श्रतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नागकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं गंधिक हाँ

ग्रीर जिसकी सं प्रवाद सं 27, एत० जी० ग्री० शालीनी, बालकृष्णापुरम है तथा जो नगलनाय अपर्टी, डिन्डुक्तल में स्थित है (ग्रीर अपरे प्रपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), परिम्ट्री-क्तां श्रीध ारी के ार्यालय, नगलनायकन-पट्टी द० सं 1075/85 में रिन्स्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 सा 16) के श्रीधीन, दिलोक मई 1985

को पूर्वोयत सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य स काम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बंता रत को गई हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि सथापनांकत संपत्ति का जिन्दा शकार मृत्य , उसके ध्रयमान प्रतिफल सां, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हो और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल, निस्मतिधित उद्देशयों से उसते जन्तरण निधित हो बास्तरिक स्प से कथित नहीं किया गया है क

- (क) सन्तरण से हुइ किसी। आम की नावस्, बक्ध अभिनियम के अभीन कर दाने के सन्तरक के बाधित में करी करन या उस्त वचने में सुविधा के लिए, भौत/मा
- (का) एसी किसी बाय या किसी घर या अन्य आस्तियां का जिन्हों भारतीय आय-कार बाँधानयम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधितियम, या धन- कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती ध्रार प्रकट नहीं किया गया का या किया बाता नांहाए था, खिलाने मी सुविधा के लिए;

कतः नन, उक्त निर्मानसम की भारत 269-ग के ननुसरक मो, मी उक्त किंपिनसम की भारत 269-व की उपभारत (1) के वभीतः, निम्नसिकित व्यक्तियों, बचार ह का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ. पर सूजना की तामील में 30 दिन की अवधि , जा भी अवधि बाद माँ समाप्ता (रोडी हो, जे भीतर प्रोंक स्थितियों में से किसी अविधत युपाय;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उन्तर स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य काक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा पकींगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्ष विधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, बही वर्ष होगा के उस अध्याय यो क्या. पया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण, प्लाट सं० 2क, जी० एन० श्रो० तालोनी, बालकृष्णापुरम, नगलनायकनपट्टी, बिन्डुकरुल (द सं० 1075/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्र.पुंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्दरे

दिनांक: 6-1-1986

मोहर.

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस.------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नेधीन स्चना

#### भारत बर्दकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, महुरै

मदुर, दिनां 16 अनवरी 1986

निर्देश मं० 45/मई/85/मदुरै---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन मक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से लिथिक हैं

श्रौर जिपकी सं० टी० एम० मं० 1174, डोरप्सं० 9, वार्ड 24 है तथा जो पालयमकोट्ट में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुभुची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार्⊸। पालयमकोट्टै द० सं० 1542/85 में भारतीय रिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1985,

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते वह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वेक्सि सम्पत्ति का उचित वाजार बुम्ब, अवके व्यथमान प्रतिफल सं, एस व्यथमान प्रावफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरफ (अन्तरका) और अतिरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बंदरण के मिए दब वाका भवा प्रायफन, निम्निचित उद्देश्य से व्यत बंतरण सिवित में बास्तावक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अंबरण संहुइं फिसी बाय की बाबबा, उक्त, अभिनियम के अभीन कर देनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, अहर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ अंतिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया बवा भा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए,

कतः भव, उक्त विधितियमं की धारा 269-त के अनुसरक को, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की रूपधारा (1) को अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अधार (1) श्रीमती रंजनी रोसमेटी श्रीर धन्य ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रीमती एम० कमला बाई विकटोरिया श्रीर भ्रन्य । (श्रन्भरिती)

को यह सूचना कारी करके पृथीकत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

- वक्त सम्मित्स के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तिप :—

  (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से

  45 दिन की अविध मा स्तम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी
  विविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति
  व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर एक स्तावर स्टान्ट प्र किस बद्ध किसी सन्य व्यक्ति वृतारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्र विकित में किस वा तकेंदे।

### धनुसूची

भूमि ग्रार निर्माण, दी० एस० स० 3, बी 13, दी० एस० स० 1174, विनयनगर कापिल रोड; पालयमकोट्टै (द० स० 1542/85) ।

श्रीमती एम० नामुकेन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रैंज, मदुरै

दिनांक: 6-1-1986

मोहरः

प्रारूप बार्चे टी एन.एस. . . . . . . .

मायकार किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) वो लंभीन सुचना

#### भारत वरकार

# कार्यालय, सहस्यक जस्यक र नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भदुर मदुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986 निर्देश मं० 4 /मई/1985/मदुरै---यःः मुँझे, श्रीमती एम० सत्मुबेल,

वानकर विधिवया, 1961 (1961 का 43) हिंतवी इसवी इसवी वसकी वनवान केवल विधिवयाँ कहा वसा हैं। की पर्छ 269-या में व्यक्ति तस्त्र महीवकारी को यह विवतास कालों का कारण हैं कि त्यांत्र संपर्धित, चित्रका विचय नाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से विधिया हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० मं०197/1ए श्रीर 197/1बी, नट्टाती गांव है तथा जो पेरुन्युलम में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्त्रमुखी में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधिन्तारी के ्रयालय, पेरुन्युलम द० स० 161/85 में भारतीय रिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 में 16) के अधीन, दिनांक मई 1985,

को प्रॉक्क सम्पत्ति के जीवत नाजार नृत्य वे कम के स्वन्तान प्रिक्त के जिए बन्धरित की गर्ध है और मुक्ते वह निवस्त कर करने का कारण है कि अध्यक्ष के बंदिस का उच्चित नाजार मृत्य, उसके स्वभाव प्रिक्त के एंडे स्वन्तान प्रविक्त का नन्त्र प्रिक्त के अध्यक्ष है और स्वत्र के स्वत्र को विद्याल के विद्याल के विद्याल के विद्याल के बिद्याल के विद्याल के किया किया के बोच को किया के बाद के विद्याल के विद्याल

- (क) शल्यास्थ से हुए किसी नाव की बावता, बक्छ नियमियन के ननीय कर दोने के अन्तरक के वास्तिय में कती करने या उदने अभन को क्षिया के विए; नीर/मा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या मन्य जास्तियों को, नियम भारतीय बाब-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या नत्त्वर अभिनियम, या नत्त्वर अभिनियम, या नत्त्वर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती धूजारा प्रकट नहीं दिक्या न्या या या या विकास विकास वाना चाहिए था कियान से प्रयोजना की विकास

अन: सव, अन्त विधिनियम की धारा 269-स के, बेन्गरण बे, में अन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन निरुत्तिविक्त व्यक्तियों बंधित — (1) श्री एमः एसः राज्यः नाहार।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती उमला मेलिन जयन्ती।

(भन्तरितीः)

ंको कह कुचना करतो करने पूर्णेनन सम्मरिक के कर्पम के सिए कार्यपाहिनों पूरू कुपता हो।

उक्त सम्मित के बर्बन के रूखन्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिश ना तत्संबंधी स्मिन्तयों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किन्ती स्यक्ति इंगारा;
- (क) इब तुमना के राभपम में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्वक्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों गौर पदों का, को उम्स अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिश्राधिक ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

### अनुसुची

भूमि एस० सं० 190/1ए भीर 197/1बी, नट्टात्ती गांव, पेक्नगुलम (द सं० 161/85) ।

> श्रीमती एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत निरीक्षण) श्रजन रैंज, मदुरै

दिनांक: 6--1--1986

प्ररूप भार्षः, द्वौ. एन. एस ------

मस्यकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वार

#### शारत स्टब्सर

कार्थालय, सहायक बायकार बाबुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, म**दु**रै मदुरै, दिनां**क 6 जनवरी** 198**6** 

निदश सं० 60/मई/1985/मदुरै---धतः मुझे, श्रीमली एम० सामुवेल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1.00,000/-रा. में अधिक ही

और जिसकी सं० एस० सं० 103 (ए० ए० ए० एफ०) है तथा जो कुमारपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, तिस्वनविले द० स० 516/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकर्त्रा प्रधिनियम, 1908. (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्कि बाबार मूक्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की वहाँ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, ऐसे व्ययमान प्रतिकल का गल्मह प्रतिकृत से अभिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के निए तब शया गया प्रति-कल निम्नसिवित सब्बेस्य से स्वत बन्तरण निवित में बास्तीयक क्ष्म से कथित नहीं किया बना हैं है——

- (क) बन्तरण सं हुई कियी बाव की बावध क्षमत विध-विश्वस की बचीन कर बोने के बन्तरक के समित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जान ना किसी धन या अस्य आस्तिको का, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर नाधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रवासनार्थ जन्मिरी द्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा ने सिरा;

बतः वब, उक्त विभिन्निम की भारा 269-न के बनुकरक में, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसियित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- (1) मेसर्स फातिमृतु सहारा बेगम और ग्रन्य ।
- (2) भी ए० तन्गराजा ।

(मन्तरिती)

(मन्तरक)

-/ .. , .. .. .

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**उक्त सम्परित के अर्थ**न के सम्बन्ध में कोड़ेभी बाक्षेप:----

- (फ) ६ स त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय हे 45 दिन की जबिथ या सरसम्बन्धी न्याबिसमाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीजर प्रजेचित न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्याबित व्यापा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्ञाक्त स्थावर मंगीता में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास किस्मा में किए का स्थापना

स्मण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, की स्थल बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं लर्थ होगा का उस अध्याय भी विया नवा ही।

### वन्स्ची

भूमि और निर्माण एस० सं॰ 103, (1ए 1फ) कुमारपुरम गांव, (द० सं० 516/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

विनां**क: 6-1-198**6

मोहर।

शक्य नार्षे .टी. एन. एन. -----

(1) भीमती सुलैहा बीवी और भन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० शुन्दरकलेवानी ।

(भ्रन्तरिती)

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) में कभीन समना

#### थारत संरक्षार

# कार्यासय, सञ्चायक आयकर जायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मधुरै

मदुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986

**ि निर्देश सं० 61/मई/1985**—-यतः मुझे, **श्रीमती** एम०। सर्वेलः

नायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गण हो), की धारा 269-क के हथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरंग ह कि स्थावर सम्बीत, जिसका परिना बत्तर अल 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० एस० सं० 103 और 103 (1ए, 1एफ) है तथा जो कुमारपुरम में स्थित है (और इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, तिसयनविले द० सं० 515 और 517/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मई 1985,

का प्राप्त संस्थित के उचित बाजार मृत्य स कम के क्षयमान शिनफल के लिए अंतरित को गई हैं और मुमें यह विकास करने का कारण हैं कि श्थापुर्वक्ति संश्रीत की उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल की श्री बंतरक (बंतरकों) और मत-रिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में श्रीक्त करीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को चिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्योजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा औ चिन्हा तो।

कत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अे अभीत, निम्मिणित व्यक्तियों, जर्भात मुक्क को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वीध, यो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उच्चत स्थावर राम्पण्य में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टिकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उदार बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होगा वो उस अध्याय में विका

## वन्स्ची

भूमि और निर्माण, एस॰ सं॰ 103, कुमारपुरम (व॰ सं॰ 515 और 517/85)।

श्रीमती एम**ः सामुबेल** सञ्जम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, म**दुरै** 

दिनांक: 6--1-1986

सोहर 🗵

प्रक्य बाइं.डी.एन एस.------

भाषकार मीप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर ब्चना

### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जाकुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश मं० 1/मई/1985/मदुरै---यतः मुझे, श्रीमती एम०

बायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्षकों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारत 2,69-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1, सिवगंगा मेन रोड़ है तथा जो मातामंगलम, तल्लाकुलम में स्थित है (और इससे 'उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 2, मदुरै द० म० 1884/85 में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण श्रिशिवियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई 1985,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्तरमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गर्द हैं और मुभेयह विक्वास करने का कारण है कि यथापुना कित सम्परित का उचिस्त बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसि दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से विभिन्न हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकास निम्नुशिवित उद्योग्य से उपत बन्तरण विविध यो नास्त्रविक रूप वे कथित वहीं क्षिया क्या 🗗 🎾

- (क) अन्तरण संहुद**िकसी शाय** क) वावतः, उ**क्त** नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; श्रीर/या
- (छ) गर्म किसी बाब या किसी धन था वन्य वास्तिबी को, जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या पन-कर मधिनियम, 1957 (1957 मन 27) को ्यांजनार्च बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाचे में तृतिचा र्वं लिए:

कतः क्षत्र उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अजुसरण ्रभैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क कि निर्माण का कित्यों ; जर्बाह के---

(1) श्री एस० ग्रार० मुरेन्द्रन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० कन्दस्वामी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेचित संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाद्यियां करता हो।

### उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना 🐃 तानीब से 30 दिन की अवधि, अरंभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निर्मित मा किए वा मकीय ह

लक्कांकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा उक्त विभिनियम् के बध्याय 20-क मं परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जे उस अध्याय में दिया नयाहै।

## धनुसुची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 1, सिवगंगा मेन रोड़, शांतामंगलम, तल्लाकुलम, मदुरै-20 (द० सं० 1884/85) ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सबन बाधिसारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, मदुरै-

विनांक: 6~1-1986

प्रमय वाहाँ ही एत पुस , -----

मायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० 5/मई/1985/मदुरै---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' काहा गणा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि मभाष्ट्रिकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं मधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि टी० एस० सं० 25, जिन्तामनी है तथा जो तिरूचि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, ओरंपूर, तिरूचि द० सं० 1811/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक मई 1985.

का प्वोंक्स सम्परिस के उचित बाजार मूलय से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पासा गया प्रति-फस, निम्नसिसित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त्रिक क्य में कथिल नहीं किया यथा है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षीयएक की कमी शहरे का समय शकरे में ब्रिक्श के सिक्श करिया
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी भग वा बन्स आस्तिवों को, चिन्हें आरसीए बावकर विधिनयनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-व्यर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ बन्सिरती ब्यारा अकट नहीं किया गथा का को को अधोजनार्थ बन्सिरती ब्यारा अकट नहीं किया गथा का को किया अकट का किया के स्विधा के सिए;

बत: कब, उक्त अधिनिषम की भारा 269-ग के अनुसर्थ में, में, अपत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्निनिय काणित्रमां, कर्भातः (1) श्री पेरियस्वामी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेनुका और ग्रन्थ ।

(म्रन्तरिती)

हो यष्ठ सूचना जारी करके प्योक्ति संपन्ति के अजन के निगर गर्यकाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध में 4.5 विन की अविध या तत्त्वस्थिकी स्वविक्तकों इस स्थान की बाबीस से 30 विन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा, अधांतुम्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

नक्तीकरणः---इसमें अयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त जीर्धानयम के कथ्याव 20-क में परिभाषिक हैं, उहीं वर्ध होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स् ची

भूमि (प्लाट) सं० 20, टी० एस० सं० 25, चिन्तामणि तिरूचि (द० सं० 1811/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

दिनांकर्ः 6~1~1986 मोहर। प्रस्प नार्थः टी.एत.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सुबना

#### भारत शरकार

## कार्यासय. सहायक बायकर बाय्क्स (निर्वेक्षण)

श्वर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986 निर्वेष सं० 6/मई/1985/मदुरै---पतः मुझे, श्रीमसी एम० सामुवेल,

बावकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रथात 'उन्कर मिथिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिलते बाजार मूस्य 1 00.000/- रा. गं अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 50/3, प्लाट सं० 20, है तथा जो के० श्रिभिषेवपुरम पंचायत ओरैयूर में स्थित है (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ओरैयूर, तिरूचि द० मं० 1857/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक मई 1985,

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए सब पामा गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला विकास क्या में किश्वत नहीं विकास क्या है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत खलक अधिनयम के अभीन कर इन के अन्तरक के राणिक में कनी करने वा उत्तर्ध क्षणने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी पन या अन्य आफ्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयाचन नार्थ अन्तरिती इंपाया प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना पाछिए वा छिपान से स्विमा असे किया जाना पाछिए वा छिपान से स्विमा असे किया जाना पाछिए वा छिपान से स्विमा असे किया

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एस० विश्वनाथन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० एल० रामस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह श्वना चारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्त 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबधि, को त्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
  - (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में दिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष रिजित में किए का सकरें।

स्मान्द्राध्यक्षाः.—- इसमे प्रमञ्जल शब्दों और पदों का, वो उनस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहु अर्थ होगा मा उस अध्याय में विका

### प्रनुसूची

भूमि और निर्माण के॰ प्रभिशेकपुरम, पृतूर गांव, ओरैयूर तालुका, तिरूचि जिला (व॰ सं॰ 1857/85) ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मदरै

दिनांक: 6-1-1986

प्रकार बार्ड, टी. एन्, एन्,------

नायकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वायुक्त (रिनरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर

मधुरै, दिनांक 6 जनवरी, 1986

निदेश सं० 7/मई/85/मदुरै---श्रतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कर्ड भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी संख्या प्लाट टी० 34, टी० एस० सं० 33/38, भाग है तथा जो सामलवरपायम गांव, बडा वडलूर, भ्रोरेयूर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरती म्रधिकारी के कार्यालय, भ्रोरेयूर तिरुचि दु० सं० 1622/85 में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनॉक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित वाजार मृत्य से कम के दरमान शितफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास अन्ते का बादण है किययापूर्वोक्त सम्मित का उचित बातार मूस्य जसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डहां प्रतिफ से प्रविक है बीद बन्तरक (बन्तरकों) बीद बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के सिए तय पाया नया प्रतिकत किम्मितियां उद्देश्य से जन्त सन्वरण लिखित में बास्तविक क्य से कवित वहीं किया गयां । ---

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी माय की वावस, उक्क जिथिनियम के ज्यौन कर दोने की बन्तरक क्षे दायित्व में कमी कर्रों या उससे वचने में स्विधा के लिए; बार्ड/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए या, स्थिपने में स्विभा के किए; जॉर/वा

नतः जबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त निधिनियमं की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती टी० अम्तवल्ली श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के तिरू कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्मील के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिय से 45 दिन की अनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी क पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

#### जन्म ची

भूमि ग्रौर निर्माण प्लाट मं० 34, भेन कालयनी, तिल्लै नगर, श्रोरेयूर (द०सं० 1622/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल ामक्ष प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, मदुरै

तारीख: 6-1-1985

प्रकप आई.डी.एन.एस. -----

शासकार करियानियम, 1961 (1961 **আ 43) কী** धारा 263-ল (1) के अधीन सुचना

#### शास्त्र सरकाड

कार्यास्य, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर

मदुरै, दिनांस 6 जनवरी, 1986

निदेश सं० 9/मई/85/मदुरै---श्रतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्यें प्रदात विवास अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिल्ली मंग्ना डोए मं० 133 डी॰ एए० सं० 1149, है, जो महुरै टाउन महुरै में स्थित है (श्री: इसते उपाबद्ध सनुभूकी में श्रीर पूर्ण का से अणित है), रजिस्ट्रीएती श्रीधारी के एप्यांक्य, जे० एस० श्रार० डी० महुरै द० सं० 1765/85 में पिस्ट्रीहरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनाँ मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रिक्तिल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के बनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उकत अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ अन्तिरिती एकारा शकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा औ सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए तो अन्तरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के कभीत, निम्निलिक्ति व्यक्तिकों, अधित उक्त (1) श्री एस० सीक्षारामन

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० महालक्ष्मी श्रभमाल

(म्रन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधित्यो तार सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिक प्रवाह ।

# जन्स् ची

भूमि श्रीर निर्माण डोर मं० 133, नेताजी सुभाष रोड, (डिन्डुक्कल रोड) महुरै टाएन (द० मं० 1765/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल उक्षम प्राधि शरी सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के अधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक बायकर काय्क्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंग, मबुरै

मदुरै, दिनाक 6 जनवरी, 1986

िदेश सं० 10/मई/85 -- अःः, मुद्दो, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १८९-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्त्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्यात जिसकी संख्या एए० सं० जे० 13/24, वी० वूरती है, जो देवकोई टाएन में रिश्त हैं (श्रींग इस्से उपाबद्ध अनुसूची में स्थीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिपिट्रीवर्ती अधितारी के लार्यालय, देवकोई द० सं० 664/85 में रिपिट्री- एरण अधिरियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन मई, 1985

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एमें अन्तरण के निष्णु तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुद्दे किसी अग्य की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1932 की 11) या उत्कल अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तार्रती ब्वारा प्रकट नहीं किया धन धा या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: कब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-**व की उ**पभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती एस० रमणी श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० सुन्दरम

(ग्रन्तरिती)

का यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशर की तारीख से 45 दिन की अविधि का तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरा- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस संध्याय में दिया गया

### अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण एस० सं० जे० 13/24, 14वां वार्ड, बी० बूरनी बेस्ट स्ट्रीट, देवकोर्ट (द० सं० 664/85)।

श्रीमती एम० नामुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मधुरै

नारीखा: 6-1-1986

# प्ररूप बार्ड्, टी. एन, एस., \*\*\*----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्धालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, मदुरैं

मदुर्रे, दिनां र ६ जनवरी, 1986 निदेश सं० । श/मई/85/मदुर्रे- - अतः, सृझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 169-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को सह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जित्ती संख्या प्लाट सं 126 एस० सं 750 है तथा जो मीलिवट्टान यांव, तूतुकुडी संतूर से स्थित है (र्म्यार इससे उपाबद्ध श्रमुखी से श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनर्स्ट्री-तती श्रीव हारी के अर्थालय, तूतुकुडी सेल्स में द० सं 707/85 में सिनर्ट्री हरण श्रीधनियम, 1908 (1908 के श्रीवीन, नारील मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पास्त का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में धास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी अब मा किसी भण मा जन्य आस्तियां स्त्रे, जिन्हें भारतीय जाय-स्तर अधिनियम, 1922 (1922 क्ष्र 11) मा उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मंदा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने जे स्विधा जी जिल्हा।

चरा अभ उन्नर निधनियम की धारा 269-म के बन्धरूप मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में निधनियम किलानें , निधनियम किलानें । (1) श्री कें ए० नारायणन,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० 'तन पुष्पम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रमुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सं० 126, मीलनिट्टन गांव, तूतुकुडी मेलूर (द० सं० 707/85)।

श्रीमती एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, मदुरै

तारीख: 6-1-1986

मोहर 🗈

पक्य नाइ. टी. एन. एव. ----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सूचना

### मार्ठ बहुन्त्र

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या डोंग संव 28, ब्लाक सी-54, बन्दावन स्ट्रीट है, जो निरुषणंगुन्द्रडम, महुर्ग में ग्यित हैं (ग्रींग इसमे उपाबद्ध ग्रानसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से बणित हैं), रिल्ट्रीन तर्ता ग्रिधितारी के वार्यालय, तिरुपरन्गुड्स दव संव 899/ 85 में रिल्स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 तो 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1985

ा प्वितित ने जिस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की बाबल, उन्नल कथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उठते बचने में सुविधा क न्याए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अंसितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-या और नियम, 1957 (1957 का 27) के उक्त कार्य प्रकृतियम प्रकृतियम प्रकृतियम प्रकृति नहीं किया गया धा या किया जाना शाहिए था, स्थिपने में जुनिधा खे हिए;

अशः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरन जैं, तैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती एम० रुक्मनी ग्राली

(ग्रहार ः)

(2) श्रीमती वडु बल्लिङ्ह्स,

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलात मों किए जा सकती।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नवा हैं।

### अनुस्**ची**

भूमि ग्रौर निर्माण डोर सं० 28 ए, प्लाट सी-45, तिरुनगर, तिरुपरन्गुन्डम (द० सं० 899/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रैंज, मदुर

तारीख: 6-1-1986

प्रकृष् बाहर्र, की. एन. एस. - - - ----

आयकर विभिनिय्व, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) की बधीन स्थना

#### शास सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिमांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० 23/मई/85/मदुरैं——अनः, मुझे, श्रीमती एम० स मुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन इसके प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पीत ,विश्वक उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संव्होर संव 69, 70, 70ए, 5वां स्ट्रीट है, जो रामधासियुरम संधारत को यिल में स्थित है (श्रीर इन्हें उपाबब नुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीनिती अधिकारी के बार्यालय, संकरन को पिल (द० संव1005/85) में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशांक मई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मृज्य से केन के करमान शित्यक के लिए अन्तरित की नई है और बुध्ने यह भिक्षाम करने का वजरण है कि स्थापुर्वोक्त संपरित का उणिक बाजार मृज्य , उसके क्ष्मसमन प्रतिकास से, एसे क्षम्बनन प्रतिकास का चन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और कन्तरक (बन्तरकों) और कन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के सिद्ध तस सम्तरक विस्तरक के सिद्ध करने सम्तरक विस्तरक से सम्तरक के सिद्ध करने सम्तरक विस्तरक से सम्तरक करने से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के निए;

नास्तर क्या, उपल क्यिनियम की धारा 269-व की समुसर्थ ही, ही, उक्त क्यिनियम की धारा 269-य की उपधार (1) हो सभीन विकासिस क्यिक्टको, क्योद्ध स--- (1) श्री भारकरन ग्राँर अन्य

(अन्तरक )

(2) श्री टी॰ अहर गनपत् मुदिलिया

(अन्वरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वासीप :---

- (क) इव सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध वाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (स) इस स्थान के राजपभ में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उत्त स्थायर सम्पृति में हितबद्द्रध किसी अन्य म्यानित हवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगी।

स्यव्याकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के कव्याय 20-क में परिभाषित इ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय कें दिसा गया है।

## **अनुसुर्धाः**

भूमि ग्राँर निर्माण डोंंसं० 89, 70 ग्राँट 70ए, 5वां स्ट्रीट, रामसामिपुरम, सं ज्याकोधित (देश सं० 1005/85) ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, मकुरि

दिमांक : 6-1-1986

प्रकार कार्ड : टी : एव : एव : चननातन

**बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्धाक) अर्जन रेंज, मबुरै

मदुरै, दिनांक 6 जनवरी 1986

िवेश सं० 33/मई/85/मदुरै--अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी लो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

l,00.000/- रा से अधिक हैं भीर जिसकी संवभयी सर्वे संव 84, प्लाट संव 1, सन्जाबूर है, संया जो टोड, पुदुक्कोट्ट में स्थित है (भीर इससे उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रिजल्ड्री स्त्री अधिकारी के कार्यालय, जै॰ एस॰ आरः 2, पुदुक्कोट्टी द॰ सं॰ 1055/85 में रिजल्द्री करण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दन क मई, 1985

को प्रविकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकृत के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मम्प, उनके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरका) और मन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर्ण तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) बन्तरण से हुई किसी बाव को बावत, विधितियम के अधीन कर दोने के अस्तरक ले दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा **में** लिए; भौर/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधिकार अभिनियम, (1922 का 11) या उत्तर मधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) **के** प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने विए।

नतः भवः उक्त सिंधनियमं की भारा 269-१ की सनुसरण मा, उक्त अधिवियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :----19-446 GI/85

(1) श्री कृष्णास्त्रामी नाइडो, टी० एस० 4491, फस्ट स्ट्रीट, इन्द्रा नगर, पुड्कोट्टाई। (अन्तरक)

4923

(2) श्री माईनर एम० सारावनन, गाडियन श्री मोईग्रपन, विजयलक्षमीपुरम, थीरूमायम टी०के० पृष्ट्कोहाई। (अन्तरिती)

क्यों यह स्चना जारी करके पूर्व क्ता सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी धारहेप :---

(क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्यां पर स्चना की तामीर से 30 दिन की अवधि, जो भी . अविधि बाद र. समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष**री के पास** निष्टि में किये जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पनरें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, को उस मध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्ची**

भूमि भौर निर्माण-प्ताट सं० 1, प्रूप डी० सर्वेण्ट्स ले भाउट, पुरुक्तोट्टै (द० सं० 1055/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण)

अर्जन रेंज, मक्रै

विभोकः 6-1-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

क्षायः जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मदुरै (आई/सी मदुरै, दिनांक 8 जमवरी 1986

निदेश सं० 34/मई/85—अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, नायकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रस्तात् 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्ताप्तर संपत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है अपेर जिसकी सं० 1/21सी, ब्लाक 2, वार्ड 'सी' अलगापुरम पुदूर गांव है, जो सैलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में

भ्राँर पूर्ण रूप ने वर्णिन है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरमंगलम, सेलम द० सं० 1025/85 में रिजस्ट्री करण, अधिमियम, 1908 (1908 क 16) के अधीम, दिनोक मई, 1985

को पूर्वाक्त संम्यात के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एोसे दूरयमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिक्षात से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निग्निलिश्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया यया है :—

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) गंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए।

अतः अन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भा, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अभीन, निम्निशिक्त स्थीनतयों, जर्थात् ध— (1) श्री टी० जयकुमार

(अन्तरक)

(2) श्री के० करुप्पैया

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- धर्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्त्ची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 1/21—सी, ब्लाक 2, वार्ड 'सी', पुदूर अलगापुरम गांव, सेलम (द० सं० 1025/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्री अर्जन रेंज-1, मद्रास

विमोक : 8-1-86

#### प्रकृप बार्च . थी . एन . एन . ------(1) श्रीमती पदमासनी अम्माल

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री वी०

(भ्रन्तिरती)

भागकर निर्मानयम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### वार्ध्य बहुकार

कार्यांक्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मदुरै मदुरै, दिलांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० 35/मई/85/मदुरै--अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवल,

व्यायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्क (उक्त अधिनियम केहा गया है), की भारा 269-स के अभीत सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मुस्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एस० सं० 58/1बनाक सं० 32, एट्टपुरम रोड, है, जो तुनक्कुडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्तुक्कुडी द० सं० 480/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्त्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मुल्य उसक रहयमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती ्(अन्तरिक्षियों) के बीच एेसे अन्त,रण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलि**चित उद्दे**षय से उक्त अन्तरण लिक्कित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (७) बन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बर्धि-निवस को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य मे कभी करने वाडधसे वचने में स्विभा भौतिए, शेष/या -
- (क) एसी किसी नाथ वा किसी नन ना नन्य नास्तियों को, जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए जा, क्रियाने में सुविधा ने [पर्

जत अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-्ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 2,69-व की उपभारा (1) 🛊 बधीन, निकासियत व्यक्तियों, अर्थात् 🗝 🗕

**को यह** स्**चना बारी करके पूर्वोक्त सम्प**रित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

गुरुस्वामी

### उक्त स्म्युरित के व्यंत्र के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् हः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो र्भ अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो जस अध्याय में दिया न्या है।

#### वन्युपी

भूमि एस० सं० 58/1, सं० 32, ब्लाक सं० 4, बेलनाय-कमपेट, त्त्रक्ष्षी (द० सं० 480/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि लगी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, मदुरै

विमाक : 6-1-1986

### च्या बार्ड : ही पुर्: एवं : न्यान्य न प्राप्त

(1) श्री ए०एल० पेरियन्नः। शन्मुगम

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एल० वीरप्पन

(अन्तरिती)

### नाम्कर निप्तियत्र, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) के निप्ति स्पता

#### eres uvere

### कार्माबर, सहायक भारकर वायुक्त (गिरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिलांक 6 जनवरी 1986

भिवेश सं० 36/मई/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, कावचर समिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वाफे क्वास् 'बक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के सभीन सकल प्राधिकारी की, यह निकास करने का काइन हैं कि स्थास संपरित जिसका समित नावार मुख्य

1,00,000 / - रुट. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं उपस्य सं 130/4, तिरुप्परन्गुन्ड्रम है, जो मदुरै में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिरुप्परन्गुड्रम द क्सं 821/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्बद्धित के उधित बाजार मूल्य से कम के दूरप्रमान प्रक्रियम के बिए अन्तरित की यह है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उधित बाबार मूल्य, उसके दूरप्रमान प्रतिकाल से, एसे दूरप्रमान प्रतिकाल साम क्ष्मा प्रतिकाल से क्षम्यमान प्रतिकाल से क्षम्यमान प्रतिकाल से क्षम्यमान प्रतिकाल से क्षम्य प्रतिकाल से क्षम्य प्रतिकाल से क्षम्य प्रतिकाल से क्षम्य के बीच एसे अंतरण के बिए तम पासा पना प्रतिकाल स्था, जिन्निकाल उद्वेक्य से उसस संतर्थ सिकाल में अस्त-विकाल स्था से किया नहीं किया गया है हि—

- (क) नन्तरण से क्ष्म किसी बाग की वावत् । उनत् विध-नियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी क्षारने या उससे वचने में सुविधा के लिक्क आर/वा
- (क) इसे किसी आग वा किसी धन या अस्व कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिरम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निक;

क्य: सम्बा, खक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुकरण भा, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की खपभारा (1) को अधीन, निमानिकार व्यक्तियों, अधीत् ह— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्मत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्वपर-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारींब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर क्षणा की हातींब से 30 दिन की जब्बि, को भी अविध् बाद में तमाप्त होती हो, के जीतर प्रवेतन्त अविकाशों के से किसी व्यक्ति वृत्ताकः
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की धारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा बकेंगे।

क्वक्कीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया कवा है।

#### अनुसुची

भूमि छ: जगह पर--एस० सं० 130/4, तिरुप्परन्गुण्ड्रम (स० सं० 821/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंग मबुरे

विनोक : **8-1-86** 

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त निरक्षिण)

> धर्जन रेंज—I, मदुरै मदुरै, दिनाँक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० 43/मई/85/मदुरै—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० टी० एम० सं० 2524/2, नयी सं० 15, है, जो श्रीरंगम, तिरुचि में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्म्द्रावर्ता श्रीधवारी के वार्यालय, श्रीरंगम द०सं० 1026/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौक मई, 1985, को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कारिय नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० पार्तनारथी भ्रव्यंगार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ वासुदेवन पबर एजेंट डी॰ पार्तसारमी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्ना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त शिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### वन्स्धी

भूमि घौरनिर्माण नयी छोर सं० 15, नार्यं मञ्जन स्ट्रीट, श्रीरंगम, तिर्घच---- (६० सं० 1026/85)

> एम० सामुवेल समम प्राधिकारी सहायक प्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-I, मद्रै

दिनौक : 6-1-86

मोह्य 🎋

### मक्त बाहुँ हों. हुन्, हुन्, क्या

बावकार विधानवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

### कार्याचन , बहारक नायकार वासूरक (विद्वाधिक)

मर्जंन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनौंक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० 51/मई/85/मदुरै—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिर री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुंसे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 9, ब्लाक 18, वार्ड ए, वेस्ट चिन्तामनी है, जो तिरुचि टाउन में स्थित है (भीर इससे उपायद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के नार्यालय, जे० एस० श्रार०—111, द०स 78%/85 तिरुचि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, दिनौंक मई, 1985

का पूर्वीकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बार की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; ब्रीट/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी भन या कत्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (१०57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने यें द्विका को विद्युः

जत: खब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मैं, मैं, उक्त जिथिनियम की भार 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दी॰ यूनियन कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड (भन्तरक)
- (2) भी एस॰ गनेसन भौर 9 भ्रम्य (भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियों शुरू करता हुं।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीषर पूर्वोकत बिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इभ सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन् बक्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्यीकरण:-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त कींनियम , के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

### पनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 9, ब्लाक सं० 18, वार्ड ए, वेस्ट विस्तामनी, तिष्ठिः (दक्षं० 787/85)

> श्रीमदी एम्० साम्वेल सक्षमः प्राधिकारी प्रद्वायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, मकुरै भाई/सी

विनोक : 6→1-1986

क्रमा बाई है है है जा है से है क्रम

बावकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुबना

शारत सरकार

कार्यासय, सहायक नामकर वायकत (निर्माण)

धर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनौंक 6 जनवरी 1988

निदेश सं० 55/मई/85/मदुरै---धतः मुझे, श्रीमती एम० सामुदेश,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ब से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

कीर विस्कि सं ० एस ० सं ० 78 माग प्लाट सं ० 402 है, जो झन्ना मगर, मधुरै में रियत है (बीर इससे उपाबक झनुसूची में और पूर्ण रूप से विषक्ष है), रिवर्ड्ड वर्ता अधिकारी के नार्याक्ष्य, हरला-कुलम ६० सं ० 1821/15 से भारतीय रिवर्ड्ड वरण इधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनौक सई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिवित उद्योग्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक क्य से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (थं) एंनी किसी बाय या किसी धन या कृत्य बाहिसवा को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कृत्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया विश्वाना बाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

शत: बब, उक्त विधिवयम की धारा 269-ग्व के बन्तरण है, मैं, उक्त विधिवयम की धारा 269-ग्व की उपधारा (1) जै ल्थीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, बर्बात — (1) श्रो पी० टी० रामन

(मन्तरक)

(2) श्री ए० रामनायन भौर भन्य ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के शिष्ट् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सर्चन के संबंध को कोई भी बाखोप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका स्विकताों में से किसी स्वक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वजा के राजपत्र में प्रकाशन की हत्यक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

क्याव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों नौर पदों का, जो अक्ट अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

#### वनुसूची

भूमि और निर्माण डोरसं० 6, प्लाटसं० 402, भाग 78, घन्ना नगर, महुरै (द०सं० 1821/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, महुरै

दिनाँकः 6-1-1986

त्रक्य वाह<sup>र्</sup>ं टी. एव<sub>ं</sub> एव<sub>ं</sub>

अन्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याचय, बहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

धर्जन रेंज, मदुरे मदुरै, दिनौंक 6 जनवरी 1986

निवेश सं ० 56/मई /85/मदुरै-श्रतः मुद्दों, श्रीमती एम ० सामुदेल,

रफ्कर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें क्षिने पर्वात पंचत मिथिनियम कहा गया है). की भारा किं। के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० टी० एम० सं० 4009, वार्ड 6, बीबी कुलम है, जो मबुरै में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण करा से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम द० सं० 1968/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनौंक मई, 1985

को प्वॉधत सम्पत्ति को ्षित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान श्रीतफल को लिए अंतरित की पर्इ है और मृभी यह विश्वास करने के? कारण है कि यथाप्वॉक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार अ्त्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए त्य पाया नवा प्रतिफल , निम्निलिचित उद्वेश्य से उन्त अंतरण मिचित में वास्तिक रूप से अभिक नहीं किया गया है ■—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत, उक्त विभिनियम के सभीज कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या श्वससे बचने में सुविधां के लिए; बार/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना वाहिए था किया में स्विधा के लिए,

बतः वय उपल जिथिनियम की थारा 269-व के वन्तरण थे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा /1) ये अधीय, निम्निनिवित व्यक्तियों ; वर्थांत ठ--- (1) श्रीमती एम० तायम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० सीमन छोर प्रन्य

(मन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके प्राॅक्स सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीय हैं
  45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद्द
  स्वना की तामील से 30 विन की अविध, को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुक किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्तित में किए या सकीने।

स्वयद्धीकरणः -- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

### अनुमूची

भूमि काँपोण्ड के साथ टी० एस० सं० 1654/6 और 1664 ग्रम्बेय्यार स्ट्रोट, नरिभेडु, वार्ड 6, तल्लाकुलम, मदुरै (द० सं० 1968/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सदुरै श्रार्श्व/सी

विनौंक: 6-1-1986

The second second

## बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

STORY WINDS

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, मदुरै

सदुरै, दिनाँक 6 जनवरी 1986

निवेश सं ० 57/मई/85/मदुरै—-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको ध्रिको प्रकार अभिनियम कहा गया है) को भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का स्करण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका जिनका जिनका ग्रासर सम्पत्ति।

स्रौर जिसकी सं० एस० सं० 481, कोडें ारल टौन में रिथत है (सौर इससे उपावद में भीरपूर्ग का से बॉण : है), रिजस्ट्रोयर्ता अधिकारी के नार्यालय, कोडें बारल ए० सं० 477/85 में भारतीय रिजस्ट्रोयरण ग्रिशियम, 1908 (1908 ता 16) के स्रधीन, दिनाँक मई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभात के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिभाव से, एसे दृश्यमान प्रतिभाव का पन्दृह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्ष) अर अन्तरिता (अन्तरितियों) के नीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभाव, निम्नीलिश्त अद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिवक रूप से किथत निम्नीलिश्त

- (क) उत्तरण से हुई किसी बाब को बाबट, है। योधानस्य के **अधीन कर गते के अनारक** के द्रीयाल में ककी करने ए। उसले उत्तर में क्रांक्स
- ्या भी कि साम अन्य कर आधानिया, 1922 जिल्हा के जीव नियम कर आधानिया, 1922 वर्ष के कि वा नियम प्रथम, 1957 (1957 का 27)



(1) श्रोमती रोमियो सी० जात

(ग्रन्तरक)

(2) श्रानतो जार० जना और अन्य

(अन्दरिती)

को यह स्वात जारी करके पृथाकत संगतित के बहन के सिप् कार्यकाहण करता है।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी बाइन --

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तामील में 30 पिल को कार्य में भी बचित्र में समाप्त होती हो. से फीनर प्रविक्त जिल्ला में किसी व्यक्ति स्वारा
- (क) इस सूचना के राजपन भे प्रकाशन की तारील खें 45 दिन के भीतर देवत स्थापर उपने के डितव्यूष किसी कन्य कालित कृतान कालस्थापर के एस निकास में किस का सकेंगे।

स्वस्थीकरणः - इसमे प्रयुक्ता, इन्दों अरि एकों था, वा उब्ह अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित विकास को उसे को स्वरूपका के दिशा गथा

ं सम्बे

भूमि एउ० सं० 48/1, कोडैकानल टाउन (द० सं० 477/85)

> श्रामती एम० मामुनेन उन्नम प्राधिकारी उर्जन पानकर शामुक्त (निरीक्षम) सर्वेत रेंस-1, सदुरी 1/सी

विनाँक : C+ 1- 1986

भोड़र :

### प्रकष बाइ", टी. पन्. एल . .......

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन स्चना

#### नारत संस्कार

कार्यालयः, सहायव भायकर आयुक्त (निर्दाक्तिक) अर्जन रोज-ा, मदुरै

मद्रौ, दिनांग । ६ जनवरी 1986

निदेश मं ० 63/मई/85/मद्रै — अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुकेल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीण जिसकी संव आरवं एगव संव 81/3, प्लाट्स संव 1, स्टेट वैं है, जी श्राफी पर्म कालोभी, पोस्पेनी गाव में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबढ़ श्रनुभूषी में श्री पूर्ण रूप से बर्णित है), पिएस्ट्री तो अधिक रो के वार्यात्य, जेव एसव आरव IV-, मदुरै दव सव 2585/85 में भाषतीय पिजस्ट्री से प्रधिरितम, 1968 (1908 हा 16) के अधीन, दिता र मई, 1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अलारित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इस्थमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्योक्य से उक्त अन्तरण निविद्य में हास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यं, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1972 (1922 की 11) या उक्त र्जाधनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था., छिपाने स्विका के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एप० जी० सायगम

(अन्⊣र्ह)

(2) श्री गोंपाला

(अन्तरिंगी )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राध्य से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तिरणों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहरूकाक्षण वे प्राप्त लिखित में किए जा सकोंगे।

स्बब्धीकरण :--इसमी प्रयुक्त शब्दी और पर्वी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित : हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

#### **बन्**स्**या**

भूमि श्रोप धिर्माण प्लाट स० 1, सकती वेलग्माल; अगर, स्टेट बैं श्राफी नर्म जालोनी पोन्सेनी गांव (४० सं० 2585/ 85)

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, मद्रौ 1/सी

हिनांक : 6-1-1986

प्ररूप आई.सी.एन.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज--I, मदुरै

मदुरी, दिशांक 7 शिवरी 1986

जिदेश सं० ७/मई/1985---विः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ब्रीट जिसकी सं० एस० सं० 732/1 बी. बगनपरली गांव, ह, जो कृष्णागरि जिला में स्थित है (ब्रीट इसमे उपाबद्ध में ब्रीट पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-11 कृष्णागिरि दे० सं० 771/85 में भारतीय रिजस्ट्री एरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अब्रोस, दिनाह मई, 1985,

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है अपर मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिलित में शास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिम्हियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विथा के लिए;

अक्षः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारण रही अबिकार जिल्लीजिक स्वक्रिस्ता, सम्बद्धिः क्र-- (1) श्री बी० सुन्दरेतन ग्रीर अय

(अन्तर्क)

(2) श्री एम० एन० वागराञ्च

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्ञक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 4.5 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होबी हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

### न्यस्थी

मकाम एस० सं० 732/1बी, बंगमपल्ली गांव, कृष्ण-गिरि जिला । (द० सं० 771/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मन्नास 1/सी

विभाग : 7-1-19 । ।

मोहरः :

gen and all

**बायकर अधि**नियम, 1961 (196) व्यक्ति का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

हार्यालय, बहायक अध्यक्त आयक्त (निरोधण) वर्जन रेंज-II महास

महात, वितंत 8 लावरी 1930

िदेश सं 4/मई/85—अतः नुझे, श्रीमती एम० सामुजेल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ध के अधीन सक्षम श्रीधकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का पे अधिक है

श्रीर विकास के दर्शतं ० ०9/4, भोतनूर गांव, येनू रहे, जो तिसम में स्थित है (मोर का का का अवह से आर पूर्व कर वे वर्तित है), रिजन्द्री को विकास है। जो बिल्ल, येनूर बर संव 74 / 85 में भारतीय दिवादी हरण अधितिसम, 1908 (1903 जा 10) के अधीर, देशों के सई, 1985,

को पूर्वोक्त समिति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

एसे द्रश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अंतरण विश्वित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया -है:—

- (क) जातरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तरक के सोयर्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/भा
- (क) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या सम्बद्ध अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिनियम से द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया के निहः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-र के अवर प में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधित, निम्नाविष्टित अधिकतयों, अर्थात ---

(1) श्रीनती न वन न

(সভাৰত )

()) र तीर पेरमाल ग्रीर जन्य

( ) ( )

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अ**ने के लिए** धार्यकाहणां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के जुदा है जीता है कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ता ता के राज्य में प्रकाशन की तारीस स २५ पन जिसे या उत्सावनथी व्यक्तियाँ पर न तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किन्दी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमे प्रयुक्त शन्ते और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### प्रनसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—3914, पोतनूर गांव, पुदुःशलयम, नामकाल (द० सं० 746/85)

> श्री इती इत आमुक्ति उत्तम पाधिकारी सहायक अध्यक्त आसुन्त (किरीक्षण) अर्जान रज-में, महाज 1/सी

বিনাক : 8-1-86

नोहर :

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- . मद्रास 1/सी

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986

िदेश सं० 8/मई/85— अाः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल' आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर जिउकी सं० 40, को अपरेटिय कालोनी स्ट्रीट, बी० क्लास प्लाट सं० 18, है, जो टाउन एस० सं० 499/20, गांधी-नगर, शामक्कल, लेलम में स्थित है (ग्राँश इससे उपावद्ध में ग्राँशपूर्ण इस वेबाँगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पामक कल जें० एस० आर०—I द० सं० 576 ग्राँश 577/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशांक मई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का ५ के प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मादेश्वरी ग्रीर अन्य

(अन्तरक्)

(2) डाक्टर पलियणम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पब्दिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—डोर सं० 40, को० आपरेटिव कालोनी स्ट्रीट, गांधी नगर (एत० सं० 499/20) नामकडल, सेलम (द० सं० 576 ग्रौर 577/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-I, मद्रास 1/सी

दिनं : 8-1-86 मोहर प्रस्थ बाह<sup>\*</sup>,टी.एव एस. -----

आयाकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

#### भारत सरकार

- कार्यक्रक सहायक अध्यक्त आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-- प्रतास

मद्रास, विशांक 7 जभवरी 1986

मिदेश सं० ) 3/मई/1985--ाः मुझे, श्रीमती एम० साँम्वेल,

बायकर आधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिल एसमी इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा एम हों), जी धारा 269-खं के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला लिएन बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ६वं सं० 33/की, 22/5, 50/2 ए श्रीर 31/2 पुलु जिसूर गांव, है, जो कोक नाट ही, केलम में स्थित है (ग्रीर इस से उपावड में श्रीर पूर्ण का व विपत है), रिकरही जी अधिकारी के मार्यालय, एकर वं० सं० 1098/35 में बारतीय रिकरही-करण अधिकियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, दिशांक मई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित जाधार शृब्ध से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाद्यक्ति सम्मास्त का उचित बाजार मूस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल तं, एतं स्थ्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिफत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिविवर्यों) के बीच एसे अन्तरिण के नित्र तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उत्र अन्तरिण के बारा स्वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया सु

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप भी बाबत उपता अपि-नियम के अभीन कर वार्त के अभारक के दारित्य में कभी करने या उससे प्रथम में सुविधा के लिए अरि/या
- (क) हंसी किसी काम या किसी धर्म या वास आस्तियों एकी, जिन्हों भारतीय अध्यान अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धर कर क्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियम या धर कर क्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किसा धाना नाहिए था, कियान के सुनिधा हो किया

अतः अवः अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उद्या अधिनियम की ारा 269-म की जनभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती वेदवल्ही ग्रीर अन्य

(अन्तरक)

(2) औ ए० कोंबलन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन की अवधि दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि आद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ट का अस्था में से किसी व्यक्ति हता.
- (ख) शह सम्मान के प्राथम के प्रकाशन की हारीब में 45 दिन के भीतर उदत स्थावर संपत्ति में हित-सद्ध किसे क्या व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ता का किए जा सकेंगे।

स्पष्टीवारण:---इसमा श्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अविकियम को अध्यक्ष 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यक्ष में दिशा भया है।

#### अन्यची

भूमि और निर्माण पुनितियूर गांव, कोनकारणट्टी तालुका, सर्व सं० 33/1, 32/5, 50/2ए, और 31/2 (द० सं० 1098/35)

श्रीमती एम० सामुबेल सद्यम प्राधिकारी सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्ष्मा) अर्जन रें-I, मद्रास 1/सी,

दिलां व १ - 1 - 86 मोहर : प्ररूप बाई. टी एन एस ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **क**ी

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० 16/मई/85—न्प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण—मल्लसमुद्रम गांव (पिष्चम) है, जो तिरुचेन्गोड तालुका सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मल्लसमुद्रम द० सं० 633/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1985.

को पूर्वोको सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ध्थापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंजाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त इन्तरण निम्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त शिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में. में. उप्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के लगीक विकासित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ई० मूत्तु गौण्डर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० सत्यमूर्ति और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण मल्लसमुन्द्रम गांव (पिञ्चम) तिरूचेनगोडु तालुका, से म (द० सं० 633/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास 1/सी

दिनांक : 8-1-86

प्रकृष नाइ . दी. एन : एस : ......

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 व (1) के अपीत सन्धा

#### भारत मरकार

ं यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-ों, मद्रास 1/सी
मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० 21/मई/85 - ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम् देल,

शाककर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के जबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने ध्व धरे हैं। के स्थावर संपत्ति, जिसका उकत गाजार मुख्य 100,000/- रा. सं अधिक हैं।

और जिसकी सं० वार्ड सी, बलाक 22, टी० एस० सं० 27, सर्व सं० 32/1, 32/2 है, जो पेममीनूर, पेटियेरी गांव, सेलम में स्थित है (और इससे उपावछ में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-111, सेलम द० सं० 578/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मई, 1985,

का पूर्वावत सम्मेति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के उदयमान तिफल के लिए अन्तरित को गई है और मन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त समपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह बिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंडॉरेटी (अन्तरितंत्रों) के नीच एसे बन्तरण के लिए तय रामा गया प्रति-क्या निज्यविक्तित जन्द्यक से जन्तरण के लिए तय रामा गया प्रति-क्या निज्यविक्तित जन्द्यक से जन्तरण के लिए तय रामा गया प्रति-

- (क) अन्तरण संदूष' किसी नाय की नामतः, उत्तर कृषिनियम् के सभीन कर देने के अन्तरक के समित्व में क्सी करने या जसमें वजने हैं सुविधा के सिक्; बीर/या
- (क) (रेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का या किया जाना चाहिए था, स्थिपने के स्विक के लिए;

स्तः सब उन्हे अभिनियम की पाछ 269-ग है वन्सरभ गं, बं, उनत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के जाति : निम्निविश्वित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती श्रार० बेदनायगी श्रम्मा

(अन्यरक)

(2) श्री एस० पेहमाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप:--

- (का) इस स्चला के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रात है 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जो स्केंगे।

स्वरुक्त करा निक्रम करा निक्र परी का, को उपक निक्रम, के जम्माय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में विका गा है।

### प्रनुची

भूमि और निर्माण वार्ड सी बलाक सं० 22, टी० एस० सं० 27, अर्डे सं० 32/1, 32/2 इत्यादि, पेरमान्स, पेटियेटी गांव सेलम

श्रीमती एम० सामुवेज सञ्जम प्राजिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—<sup>1</sup>, मद्रास 1/सी

दिनांक : 7-1-86

प्ररूप आइरें. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, मद्रास 1/सी
मद्राम, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेण सं० 22/मई/85→-ग्रतः मुक्षे, श्रीमती एम० सामुबेल आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मिट्टा एस० सं० 32/1, 1/33, टी० एस मं० 57, है,जो बलाक 22, बार्ड-'सी', पेक्सानूर पेटियेरी गांव में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०—ॉ, सेलम द० सं० 579, 580 और 581/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मह, 1985,

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती √(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उचत अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः उस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21—446 GI/85

(1) श्री मैनर ग्रार० प्रध्ताचलम

(ग्रह्मरक)

(2) डाक्टर एम० मगुडेश्वरन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मम्स्यी

भूमि और निर्माण सर्व सं० 32/1-1/33, टी० सर्वे टी० एस० सं० 57, ब्लाक 22 वार्ड 'सी', पेरुमान्र, पेटियेरी गांव, सेलम (द० सं० 579, 580 और 581/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-!, मद्रास 1/मी

दिनांक : 8⊸1−86

प्रस्य आई<sup>°</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रा**स** 1/सी

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेश मं० 23/मई/85--ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सागवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/~ रा. में अधिक है

और जिसकी मं० टी० एस० सं० 277, ब्लाक 10, वार्ड 'एफ, माटियम्मन कोयिल है, जो स्ट्रीट, सेवाप्पेट्टै, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सेलम द० सं० 365/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मई 1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने मीं सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) े अधीन, निम्नलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती णान्ता बाई और 2 श्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० मनोहर और 2 ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकीरी।

स्पष्टीक्षरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### भनसची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 10, ब्लाक 10, बार्ड 'एफ', मारियम्मन कोयिल स्ट्रीट, शेवापेट, सेलम (द० सं० 365/85)

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास 1/सी

दिनांक: 8-1-86

मोष्टर :

### प्रकृप काइ. टी. एन. एस. -----

### आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-I, मदास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० 24/मई/1985--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर मं० 10, वार्ड मं० 1, श्रिरिसपालयम सेलम टाउन है, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाधन्न और पूर्ण इस से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-III, सेलम द० सं० 503/85 में भारतीय जिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दनांक मई 1985.

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई **है और मुभ्ते यह विश्वास** करन का का**रण है** 

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच ऐसे अत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित अं वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्यिध के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अन्सरण म, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क अधीन, जिन्निनित व्यक्तियों, अधीन :---- (1) श्री सम्पत और 4 ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० गुणसकरन

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूजेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभान की तामील से 30 दिन ते अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पृद्धित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति १वगरा;
- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जा उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय मा दिया गया है।

#### धनुसूची

भृभि और निर्माण --डोर सं० 10, वार्ड सं० 1 प्रदिसिवालयम, सेलम --- 9 (जे० एस०-प्रार०-॥, सेलम-द० सं० 503/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास 1/सी

दिनांक : 7-1-86

मोहर -

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आवकर औधनियर,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० 25/मई, 1985—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं इोर सं 3, नारायण श्रय्यर स्ट्रीट, सिव-स्वामीपुरम है, जी एक्सटेंग्जन, मेलम टाउन में स्थित हैं (ग्रॉर इससे उपावड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, मेलम दं सं 637/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक मई 1985,

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गका प्रतिफल, निम्निर्शित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उम्हत अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) इरों। किसी आम मा किसी धन का अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर्:—— (1) श्री पी० एन० वेंकटराम अय्यर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० सेलवगण्येसन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण ——डोर सं० 3, नारायण अध्यर स्ट्रीट, सिवनामिपुरम एक्पटेंन्णन, सेलम——7 (द० सं० 637/85)।

> श्रीमती एम० सामुबल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मब्रास ग्रिती,

दिनॉंक 7-1-1986 मो**ह**र ्र प्रकृष कार्द्धः टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वाना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, तहायक बायकर बायुक्त (निर्दीकर)

यर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 8 जनवरी 1986

निदेण सं० 26/म s/1985—श्रनः मुझे, श्रीमती ए.म० साम्बेल,

नामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं भवें मं 194, श्रगरम, गाँव, तिरुचेन्गोड् है, जो तालुका, सेलम जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ में श्रौरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तिरुचेन्गोड्ड द०म० 1154/85 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, दिनौंक मई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनतरण संहुई किसी बाय की बावत, उपन ब्रिश्चियम को ब्रीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वै थिए: बॉर/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के सिक्श

बतः अव, उक्त विभिनियन की भारा 269-म के, वनुसरण भा, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) इ. अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियां, अर्थातः :--- (1) श्रो श्रद्रेनारी चेट्टियार ग्रौर श्रन्य ।

(ग्रन्तर क)

(2) श्री पी० जयरामन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### ब क्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहरू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पाप लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन सूची

भूमि फ्रांर निर्माण नार्वे स० 194, फ्रागरम गाँव, लक्की-पालयम पोस्ट, तिरुचेन्गोडु, सेलम (द०स० 1154/85)

> श्रीमती एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2. मद्रास 1/सी

दिनांक: 8-1-86

भाहर :

प्रकृष आहुँ.टी.एन.एस.-----

 ¶यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- I मद्रास

मद्रास, दिनाँक ४ जनवरी 1986

निदेश सं 2 /मई/85---श्रतः मजे, श्रीभनी एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक **है** 

ग्रीर जिसकी संर एसर संर 114/1, 4ए, 553 बाई संर 17, सीठ एच० बीठ हे, जो कालांतिर, म स्ट्रांट, विकलेरलेख्य टाउन. मेलम में स्थित ह (श्रांर इतमे उपावक यनुसूची में गाँ एएणे सर से वर्णित है), रिजिस्ट्रीय तो श्रीक्षित्र के नाथोलय, विरुच्हेग्ग उ द० सं० 1171/85 में भारतीय रिजस्ट्रास्त्रण श्रीधनियम. 1908 (1908 का 10) के अधीत, दिनौक मई, 1985, को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य संकम कं इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसं दश्यमान प्रतिफल का **पन्त्रह प्रतिश**त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक<sup>े</sup>) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य स उक्त अंतरण लिखित म बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- क) जन्तरण सं हुई किसी आय का शायत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाियत्व में कमी करन या उससं अचन में सुविधा के लिए: गौर/या
- (**व) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य** आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयस, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या **धन-कर अ**धिनियम, 1957 (1957 कर 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तारता द्वारच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा को लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिंकित व्यक्तियों, अशीत :--

( 1 ) र्श्वामती जुलियसम्मान ग्रौर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) थो एन० कर भुत्रभन्य चेट्टियार और अन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करक पृदांबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अक्त सम्मित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-जनभ कियो यन्य व्यक्तित दुवारा अ**भोहस्ताक्षरी के** श्री किंग्निम में किए जा सकीगी।

स्वद्योकरण --इसमः प्रयाकत शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया اقت

#### बन्स्ची

भूमि और निर्याण एग० सं र 1.14/1, 4--ए 5.53, तिरुच्चे-नगेडि मुर्ति। पल वार्ड में० 17, सा० एच० बी० कालानी [[ स्ट्रीट, तिरुच्चेनगोड,तालुका, सेलम (द० सं० - 1171/- 85) ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)<sup>.</sup> ग्रर्जन रेज--ा, मद्रास 1/सी

दिनाक : 8-1-1986

माहर :

प्रकल बाई दी. एत. एस. ------ (1) श्राननी बाउ रादा

शायकाः, अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (।) के गधीन एजना

कारत संग्रहत्

कार्यालयः, सहायक आयकर अध्यक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज-ा. मद्रार

मद्रास, दिनाँक 8 जनवर्गः 1986

निर्देश सं 32/मई/1985 - अतः भुने, श्रीमती एमः साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त 'अधिनियम' कहा पया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह िश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पतित, जिसका उचित जाजार मृल्य 1,00,000/- रह. में अधिक ही

न्त्रीर जिनकी सं० एस० सं० 91/13, श्रलगापुरस**ा**व, से तस है. तथा जो मद्राप में स्थित है (ग्रीर इत्रपे उत्ततह अनुपूची ऐ ग्री- पूर्ण रूप से वर्णित है), अजिल्ह्यं कर्ता अधिकारी के अर्थाना, अर्थनेवलस द० सं० 915/85 में भारतीय रिप्टिल्का प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधील, दिनौक मई, १९८५,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य संकन के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और भभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिधित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दों के शंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में युविधा के लिए; और/या
- (च) पंसी किसी अया अस भा सम्य अवस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायबार अंधिरेश 🚈 📜 📳 🥍 (1922 कि 11) या उक्त अधिनयम, छ अन्हर अधिनियम, 1937 (19**57** का 27) के,प्रयोजनाथ अन्धरिती दशारा अकट नहीं विका **मदा का बा किया क**ाला प्राहित का फिलाने ही अनिशा के लिए,

बस: अन्, उलन अधिनियद की धारा 269-ए की अनस्यन में, में, उबत अधिनियम की धारा 260-व की उपातर (1) 🕊 अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🏣

(भ्रन्तरक)

– (৫) ধান্ধী এক নাজনা

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस समाना के राजया में प्रकाशन की **तारीच सं** 35 किन की अबरेब सा गत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यसम्प - ) नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अब्दीय सद मा स्थापन होती हो, के भीतर पर्वोक्त चर्ण (लग्ध) में ले भिग्नी व्यक्ति बनारा;
- ख) इसं सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच **सं** ं ५ ें ने के भीता अक्त ज्**वावर सम्पत्ति में हितबद्ध** किनो क्य प्रकार वारा अथोहस्सक्**री के पास** हैयुद्ध के रिकारिक का की में क

स्पष्टनिकरण:---इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त विश्वनिधम, क अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, को उस सम्बाय में दिया  $\mathcal{T}_{\mathbf{G},\mathbf{g}^{\mathsf{r}}}$ 

जन ∃ची

भिम पॉटिटिशीय - एउ० ४० ११/13, स्रायापूरम गाँव सेल्म -4 - (30 M + 915/85)

> थामता एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी ं आपक अपकर आपक्त (निरीक्षण) यर्ज र रेज-१, भद्रात ग्राई/सी

faffe : 8 --- 1986

माहर :

(1) श्री गी० जयरामन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कें∘ वीं∘ लक्ष्मणन ।

(ग्रन्ति)

भायकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्थवा

#### मारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, मद्रास, मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देण सं० 33/मई/85चू-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त किंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 18/3 करकोतिष्पट्टी गांव है तथा जो सूरमंगलम सेलम जिला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरमंगलम सेलम (द० सं० 947/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रितिकन के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृज्य, इसके दश्यमान प्रतिफ क से, एसे दश्यमान प्रतिफ स का भंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जम्तरण से हुई किसी भाग की वावतः, उक्त श्रीभिनियम के श्रभीम कर दोने के विरक्त ने श्रीयत्व मों कामी कारने या उससे बचने मी स्**विधा** के लिए; श्रीर/या
- (ग) एंसी किसी नाम या किसी भन या नत्य नास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपन में सुविधा के लिए;

अत्र अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण इ., इ., उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

### उक्त तंपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष:---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---६समे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिशा गया है।

### नन्यूची

भूमि और निर्माण 18/3, कारकोतिष्यट्टी गांव; सूर-मंगलम , सेलम (द० सं० 947/85) ।

> एम० सामुवेस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1, मद्रास

दिनोंक : 7--1--1986

प्ररूप आहें .टी.एन.एस.-----

कायकर प्रितियम . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यारः , तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्⊹ा, मद्रास

मद्रास धिनाँक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० 34/मई 1985----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेलः

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा ते अभिक है

और जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 18/8, प्लाट सं० 4, है तथा जो मदुरे, उत्तर, तल्लाकुलम, मदुरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम, द० सं० 16:19/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के प्रधीन मई, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा गया
गितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित
के अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण स हुइ किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एनेस् किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्दू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अनुद्धितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अनुद्धिती व्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

बतः त्र (, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, धक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।। श्रेमधीन निम्नसि**वित व्यक्तियों अधीत ड—**—

22 -446 GI/85

(1) श्रीटी० मुत्तुकृष्णन।

(भन्तरक)

(2) श्री गन्डीश्ररी ।

(ब्रह्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुख्या के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर् स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 4, विद्या नगर, मलगिरि, तस्लाकुलम, मदुरै (द० सं० 1691/85) ।

> श्रीमतो एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर श्राई/सी

दिनांक : 6-1-1936

प्रक्म बाइं. टी, एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--थ (1) के प्रधीन तुच्चा

#### भारत संद्रकार

### कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देखन)

म र्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० 36/मई 1985--श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-च के अधीन सक्षम प्रीक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाचार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संग्धार एस संग् 203/2बी, श्रन्तदानपदी है सथा जो गांव सेलम जिला सेलम तालुका में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रो कर्ता अधिकारी के कार्यालय ताक्रगण्यदी द संग 1570/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित नाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रक्ष प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिवित उद्दोष्य से उटा अंतरण सिचित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किय गया है :——

- (क) नन्तरण संहुई किसी नाय की वावन उक्त अधि-निवस के नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तत्ते वचने में त्विभा के जिए; खीद/याः
- (वा) एंग्री किसी जाव वा किसी वम वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के य्योजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्त वाहिए था, क्रियाने में तृविधा वी किए;

क्तः भव उक्त अभिनियम कौ धारा 269-न कौ अलबर्थ अः, अं, अक्त अधिनियम कौ धारा 269-च की उपधारा (1) वृं क्कीनः निज्ञानिवित व्यक्तिवाँ, अर्थात =--- (1) श्रीमती पोन्नम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० सेन्कोट्टुवेल।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन की सिए कार्यवाहियां करता हूं।

### ब क्य संपरित के कर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस त्यना के उपयपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविभि, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) वह बूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शव निवास में किए वा ककेंगे।

स्पन्द्रीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दर्गे नीर पद्यों का, जो उक्त निध-नियम के सभ्याय 20-क में परिभावित हैं, भद्दी नर्भ होगा, को सन्दर्भ सभ्याय में विमा गया है।

#### श्रनुसूची

भूमि और निर्माण झार० एस० सं० 203/2की, झन्नदान प्यटी गांव, सेलम तालुका (द० सं० 1570/85)।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायन भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज- 2, मद्रास ग्राई/मी

दिनांक 1 8-1-1986 भोहर्गः

### षक्ष बाह् .टी. एन . एव . -----

वायकर विधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीय सुवना

#### बाउद ब्रुड्या

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (जिट्टीक्सण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास, मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० 38/मई 1985---- ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विध्नास करने का कारण हैं कि स्थायर बज्यस्ति.. चित्रका उचित वाचार मूच्य 1,00,000, रहे. पे विधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 95/4सी धन्नदान पटो है तथा जो गांव दाङगप्पट्टी सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनृधूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजरट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दाङगप्पट्टी द० सं० 1600/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन मई 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के रवयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सभ्यस्ति का उचित बाजार ब्रुथ, उचके कावबान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है बीर जन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (ब्रुतिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के किए तब पावा नवा प्रति-क्ष्म विश्वनिविद्या उद्देश्य से उक्त जन्तरक जिल्ह में बास्त्यिक इय से कि चित्र वहाँ कि वा क्या हैं:---

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाग का नानत, उक्त विविद्यम् के वृथीन् कर दोने के बन्तरक के व्यक्तियाँ कानी करने वा अवसे वचने में वृषिधा के निए: भड़िंश
- (व) एंडी किसी बाव का किसी थन वा बन्य वास्तिकों को, चिन्ते बाइतीय बान-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के के अधीन. निम्निस्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कमलन्माक, ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस॰ के॰ पलनियण्यन और 5 ग्रन्य। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए फार्यवाहियां करता हुं!

बक्त स्ट्यात के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति व्यक्ति वारा,
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक र 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्मत्ति में हितवक्र किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास रेजिकित में किए जा सकतें।

ल्काकरणः --इसमे प्रमुक्त सभी कीर एको का, यो सम्ब इहिंदिवन, से सभाव 20-क में प्रिमाणिस ही, वहीं क्षी क्षेत्र यो उस सभाव में दिवा सवा ही।

### सन्सूची

भूमि और सर्वे सं० 95/4ती; श्रन्नदानप्पट्टी, गांव दाक्रगप्पट्टी, सेलम, (द० सं० 1600/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सभम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज्रे⊸1, मद्रास

विनांक : 7~1~1986

मो**ह**रः

### इक्न बाइ . टी . एन . एवं . ------

बायकर विधिनियम, 1981 (1961 का 43) का भार 269-व (1) के विधीन ब्रुचना

#### भारत तरकार

### 

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० 47/मई 1985---आतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेष

न्नायकर निधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं कि क्षें नं 159.6, 159.3, 159.1, है तथा जो अनुक्रुमले में स्थित हैं (स्रीत इससे उत्वद्ध अनुभूजी में स्रीत पूर्ण कर में वर्णित हैं) शिल्ट्री निर्ति स्रीकरण अधिकारों के कार्यालय वेट्टबल्लम दे सं 647/85 में शिल्ट्रीकरण अधिकार 1908 (1908 ला 16) के स्रधीन नारीख मई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवित का उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवित का उचित बाजार वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, एसे अवसान प्रतिकत्त का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (प्रतरकों) और जंतरित (कन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के बिए तब बाबा नवा प्रविक्ष कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शावक, उक्त अधिनियय के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में केसी केदने या उससे वसने में सुविधा के सिए; शरि/या

जतः। जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---- (1) श्री प० जीवराज जैन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीकष्णा राव ग्रीर 3 ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

### हक्त बन्द्रित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई! भी नाक्षण --

- (क) इस सूचना के सृज्युक्त में प्रकृशिन की जारीस से 45 दिन की जबिश या तरकानकी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, भी भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित सुवारा;
- (क) इस तुमना के राजपन में प्रकायन की बार्टीय से 45 दिन के शोधर जनत स्थानर सम्भोद्धा में हित्तहुन किसी बन्ध व्यक्ति दुनारा नभीहरताशेरी के पास जिल्लिय में किए वा सकेंगे।

स्थानिकरणः--इसमेर अनुस्त् सम्बा सूरि पर्यो का, ंश्री सम्ब स्टिपीयवर्ग, से श्रमाय 20-क में सुरिसायित ही, बही वर्ण होगा को उस संध्यात के दिया नवा ही।

#### मन्स्यो

भूमि श्रीर निर्माण सर्वे सं० 159.6, 159.3, 159.1 धनुकुमले (द० सं० 647/85)।

> श्रीमती एम॰ सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रुषंन रोज-1, मद्रास

विनांक: 7-1-1986

### प्ररूप बाह्"ु टी. एवं. एक. ---------

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यास्य, सङ्गयक नायकर नायुक्त (निरीक्सण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्वोश सं० 53/मई 1985—-श्रतः मुझे श्रीमती एन० साम्बेल

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं 17वां वार्ड, सर्वे सं 23/1, सं 4ए० एफ 96 प्रन्ता रोड है, तथा जोकोनेटियटी गांव टासीपुरम तालुका में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रासीपुरम तालुका वं सं 1634/85 में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 हा 16) के प्रधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकाल के सिए जंतरित की गई है जीड मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उर्क्क देश्यमान प्रतिकास से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकास का पत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया मया प्रतिकाल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना को हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंदा अंत, उक्तं विभिनियम ्ही भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्षं अभिनितम की भार 269-च की रमधारा (1) के अभीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, मर्जात्:— (1) श्री एम० सृष्णन ग्रौर 2 ग्रन्य।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्री महगसेन श्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारी कर के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था तकों वे।

### धमुसूची

भूमि और निर्माण 17 वा वार्ड, सर्वे सं० 21/1 सं० 4 ए, एफ-96, श्रन्ता रोड़, कोनेरीपटी गांव रासीपुरम तालुका, सेलम, (द० सं० 1634/85)।

श्रीमती एम॰ सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-I, मद्रास

विनांक : 7-1-1986

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के नधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेंज-1, मद्राक्ष

मद्राप्त, दिनांक 8 जनवरी, 1986

निर्देश सं० 60/मई, 185---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.,00,000/ रुट. से अधिक है

मौर जिसकी सं० मकान डोर सं० 93~I मेन रोड है तथा जो पालकोड में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीक्ति मिधकारी के कार्यालय पालकोड दमपूरी जिला द० सं० 822/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के भधीन सारीख मई, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पम्बद्ध इतिखत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती बीच ऐसे अन्तरण के लिए देय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूबिधा को लिए;

नतः नग, धनतः निमित्तवन की भारा 269-न के अनुवरण ने, में, उक्त विधितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नभीत् :—

- (1) श्रीमती गोविन्दम्माल ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० कन्द गोंडर भ्रोर श्रन्य । (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयायक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभतीयतः हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया समाहै।

#### वन्स्ची

भूमि और निर्माण डोर सं० 93-I, मेन रोड, पालकोडु दम $^6$ प्री, जिला (द० सं० 882/85)।

श्रीमित एम० सानुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 7--1--1986

मोहरः

#### प्रकर्त बाह्य हो पर पर पर : ----

### भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्तक)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी, 1986

निर्देश सं० 90/मई, 1985—श्रातः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उना अधिनियम' कहा नया है), की भारा ≥69-च के अभिन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 1522, श्रन्ता नगर, मद्रास-40 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिध गरी के कार्याच्य श्रन्ता नगर में रिजट्री करण श्रिधिनियम 1908 (1908 हा 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उचानुबंक्ति लंगित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बागा नया प्रतिकास, निम्नसिचित उद्विचेव से उक्त बन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचल अधिनियम के अभीन कर रंग के कल्टरन के दाबित्य में कभी करन दा उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के योजनार्थ जन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए:

सतः वव, उन्त विधिनियम नी भारा 269-ग के बन्सरण जी, मी, उन्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री म्रो० एस० वेंकटरामन ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सुबद्रा नागयणन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इब सूचना के रावप्त्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की बर्वाभ, जो भी बर्बाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रधव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वार लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त सन्यां और पदां का, जा उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशासित ही, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में धिया गया ही।

#### मन्त्रची

भूमि श्रीर निर्माण प्लाट सं० 1522, श्रन्ता नगर, मद्रास द० सं० 1806/85)

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, मद्रास

विनांक: 7-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जभवरी 1986

भिर्वेश सं० 91/मई/85—अतः मुझेश्रीमती एम० सामुवेस,

नायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कार्ज़ है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 107, महुवाकटे गाव, है जो अन्ना भगर मद्रास-40 में स्थित है (भौर दससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप. से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना भगर दु० सं० 1824/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन मई 1985

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पम्झह प्रतिकृत से विश्व के जिल्ला का पम्झह प्रतिकृत से विश्व है जौर अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरित प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से किया नहीं किया नया है है—

- (क) बन्तरण चेहुई किसी बाब की बाबत, उक्त वीधिनियम के बधीन कर बोने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीधनियम या धन-कर जीविध्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ते रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाचा चाहिए था, जिनाने में सुन्धा भी तिए;

बतः वन, उसत निधीनवमं की धारा 269-ग के बन्नुसरण में, में उसत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमिति सान्तकुमारी श्रीर 5 अनय

(अन्तरक)

(2) श्री एन० अ(रुमुगम

(अन्तरिती)

की वह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्त्वंत्री व्यक्तिक्रों पर शुचना की तामीश से 30 दिश की अविध शो मी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी स्पवित ब्यारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा बकोंने।

स्वष्यकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पढ़ों का, भो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया

जनसची

इसमें प्रयुक्त शब्दों और बदों का, जो आयकरअधिनियम 1961 (1961 का 43) अब्बाय 20-क यथापरिभाषित, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि (॰नाट) सर्वे सं० 107, न**डु**वाकटे गांव, अन्ना नगर, मद्रास-40 (दु० सं० 1843/85)।

> श्रीमती एम० सामुकेल सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त, (मिरीक्षण) अर्जन रोंज 2, मद्रास

तारीख 9-1-1986 मोहर: पुरूष आहें दी, एन, एस, -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्थन।

#### भारत सरकार

### कासीलय, सहायकः वायच्च आय्**ट्त (निरीक्षण)** अर्जिल चेंग, महाम

मद्रास, दिनां र 8 जगवरी 1986

निर्वोषा मं० 92/मई/85--अतः मुझे श्रीमती एम सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के १०७१ (चित्र अधितिनथम) कहा गया हो), की धारा 269 व व प्राथित सहस्र अधिकारों की यह जिल्लास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसाहा उचित वाजार मृत्य 1,00,000 / रहा के अधिक हो

स्रीत जिनकी संव पत्री संव 48, सीव एवं टीव कानती शेवाय अगा, मद्रात-30 है, जो में स्थित है स्रीत इनते उत्तर्वास्त्र स्मृत्सी में स्था पूर्ण पत्र किलिंग है), तिलिंदी लिलिंग किलिंग किलिंग किलिंग जिल्ही लिलिंग किलिंग किलिंग असी प्राप्त के प्रव 1805/35 में भागतीय रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीत 16 मई, 1985 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिशत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया ग्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उसत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरव ज दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) एमी किसा पाय के किसा धन के अन्य आस्तिया की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिकियम के 1020 के 1102 के 1022 की किसा के 1022 की किसा के 1022 क

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्माम में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखत व्यक्तयों, अर्थात् :--- 23-446 G1/85

(६) श्री बी॰ एम. टामार्गम

(अन्तरक)

(2) श्री के० बी० कालियणा

(अन्तरिती)

को यह मुखना सारी करके प्वॉक्ट सम्पत्ति के अजन के लिए अध्यक्षारिको अभवा हा।

उक्त सम्पन्ति के लर्जन के संबंध में कोर्ट भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा अकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अविव बाद मां समाप्त हांती हो, के भीतर प्वींवत अवधिनाों मां र किसी व्यक्तित द्यारा;
- (स) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उपन स्थानर सम्पत्ति में दितस्वध्य निर्मात स्थान है । १००० विश्व स्थान के एक सिन्धित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चीकर्षाः - २३१११ प्रयक्षि साद्या जी जाती हो। जात जाती कर्ण श्रीधनियम क अध्याय 20-कः - प्रतिसाधि हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उप अध्याय भी प्रिया

#### जनसंची

भूमि ग्राँग पिर्माण क्यी सं० 48, सी० ए० टी० इत्तिती, 8वां स्ट्रीट, शेक्षाय क्यर, मद्राक्ष 30 (द० सं० 1855/85)।

> ्म० कमुत्रेल ालम प्राधि तारी पहाय र अध्यक्त (उद्याजण) अर्जय रोज ८, सद्रास

परिषेण का नामका क्षेत्रका

प्रस् द्वार : र् : प्राः प्रस् , व्यान्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंन-2, मद्रास

मद्रास, दिलांक 7 जधवरी 1986

निर्देश सं० 95/मई/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँद जित्तकी सं० प्ताट सं० 4949, ए० सी० 62, है, जो 5वां अवेन्यू० जाता नगर, महाज-40 में स्थित है (श्रीद इससे उपावद अनुसूची में ग्राँद पूर्ण क्या से विश्वत है), दिलस्ट्री त्तीं अधिकारी के कार्यालय अना जगर दु० ५० 1969/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकर सम्पत्ति का अजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एसे ज्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अंतरक (अन्तरका) को कन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे लगरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजियात स्वी जिस्सा क्या हा जन्तर विदर्भ निस्तर में वास्तिक इस से कांधत नहीं जिस्सा क्या हा जन्तर

- (क) जन्तरण संहुई किसी जांग की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्य में कभी करने या उन्नसे बचने में सुदिधा के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तियाँ का कार्य का

अतं. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :---

(1) भी एस॰ देशराजन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जनपती सन्मुकसुन्दरी

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हो ।

### उक्त सम्पत्ति के क्यान के संबंध में कोई भी नाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वोचन क्योंक्त्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में दिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क गास लिखित में किए जा सकीकी।

स्पष्टीकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनिषम, के अध्याय 20 के में पीरभरीयत ही कही अधि भीषा को उस अध्यास में दिया गया है।

#### धनुसूची

भूमि और तिर्माण प्ताट सं० 4949, अन्ना नगर मद्राह्म -40 (डोर सं० ए० सी० 62 5 वो अवेन्यू (दु० सं० 1900/85।

> श्रीमती एम० सत्मुत्रेब सञ्जन श्राधि गरी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जात रेजि-2, महास/12

तारीख 7-3-86 मोहर:

### प्रकृष वार्षः, टी. एन., एन्.------

# नायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वृथीन सूचका

#### मारव बरकार

### कार्यासय, सहायक वायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज 2, मद्रास,

मद्रास, विपां 5 7 जनवरी 1986

िर्देश मं० 101/मई/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अर्थन है कि स्थाधर सपरित, बिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिस्मी लंग पनाट पण 830/पेरेप्सकूडल गाँव, अन्ना भगर । है, जो मद्रात-10 में स्थित है (ब्रीर इसमें उपाबद्ध श्रमुम्बी में ब्रारपूर्ण का निर्भाग है), रिजिस्ट्री इसी अधि गरी के अर्थालय, अना स्पार दु पण 1979/185 में मान्तीय पाजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 167 के अधीक 16 मई 1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल उच्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एखी किसी अाय या किसी भने वे। करने वास्तियों को जिन्हों भाइतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त नोधिनियम, के भने कर अधिनियम, के भने के अधीजनार्थ जन्तिरती ब्वास प्रकट मही किया गया भा ना किना जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा हो किए;

क्स: नण, उक्त क्रिभिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री प्वीन्द्रन,

(अन्तरक)

(2) श्री हरिराम मुराजी ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

का थह स्थान जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन **वे तिए** कार्यवाहियां क<u>र</u>ता ह

### धक्त संपत्ति को कर्षन को संबंध में कोई औ आहोर हु----

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तत्वीस से 30 दिन की अवधि, यां भी नवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्ति व्यक्ति में से किसी अवस्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी अवस्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी अवस्ति व्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास कि। जस में क्रिय जा नक में।

स्पष्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त करूरों और पत्रों का, जो उक्त क्षयकार किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्थ होंगा, को उस कथ्याय में दिना स्था हैं।

#### प्रनुस्त्रः

भूमि घाँर निर्माण ण्वाट सं० 8**3**0, पेरियक्**ड**क गांव, अन्ना नगर, मद्रास-40 (द० मं० 1979/85)

> श्रीमर्तः एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, मद्रास

गारीख 7-1-1986 **मोहर** 

#### . द्रवेष वार्", टी. युन्. युद्ध अन्तरका भारतके नात

### बायकाँ विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-क (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यांचय, सद्दायक जातकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्वेश सं० 106/मई/85—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसमें इसमें प्रथाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पास, जिसका उचित बाजार भूज्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 24, सक्षार भ्वामी कोरिक स्ट्रीट, है, जो मदास-13 में स्थित है (श्रीर इसते उताबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजम्द्री एत्ती अधि गरी के कार्यात्य, रायपुरम द० सं० 883 और 884/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित को उभित बाजार भूल्य सं कम के दरमजान पितफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अभपूर्वाक्त अपित का उभित बाजार कृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल स एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हात में वास्वविक रूप सं कः यह मही किया गया है द—

- (क) बन्तरून धे हुइं किसी बाव की बावत, क्या अधिनियम के अधीन कर वार्ध के बन्दर्क के बाहिब्र्य के क्यी करने या क्याचे क्या में मुल्या के स्थित, और,/या

बतः सब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ अभीन निम्मजिष्ठि व्यक्तिस्यों संशति ४---

- (1) श्री पी० डी० दनपाल चेट्टी ग्रीर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) पी० भगवती देवी श्रीर प्रेम गिरि। (ग्रन्सरिती)

को यह स्वना नारी करके प्वक्ति सम्पर्शित के वर्षन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उन्त डम्परित के नर्जन के मुम्बरूप में सोई भी वार्कष 🚟

- (क) इस खुचना के राजपण में पकाशन की जाराख सं 45 दिन की अपिश्र या तत्स्वक्वरणी ज्यापिता पर सुचना की जामील से 30 दिन की अपिश्व, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (च) इस सृचना के राजपत्र प्राप्त प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सक्षेप।

स्पष्टिकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही वर्ष होगा चो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसची

भूमि श्रौर निर्माण 124, मन्नारस्वामी कोयिल स्ट्रीट, रायपुरम, मद्राज-13 (द० मं० 883 श्रॉर 884/85)।

> एम० सामुवेल् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-2, मद्रास

तारीख : 7-1-86

प्रस्त बार्ष हो। एवं एवं

बायकर बिधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के बाधीन मुखना

#### भारत सरकार

### कार्बासय, नहायक कायकर काय्यक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक ७ जनवरी 1986

निर्देश सं० 118/मई/85—ग्रतः नुझे, श्रीमती, एम० सामुबेल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० डी०-8, 8वां फलोर प्लाट, बीतापेट है, तथा जो रोड, मद्राक्ष-7 में स्थित है (ग्रौर इसके उपावत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलस्ट्रीन ती श्रीधकारी के कार्यालय, पेरियमेट द० सं० 585/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्राधीन मई, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूच्य हो कह के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के विक्;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्री भगवानजी मांजी ताकर।

(अन्तरक)

(2) श्री हन्समुक मनिलाल या और ग्रन्य

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संस्पत्ति के नर्जन के संस्थान में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अवधि या तत्सरक्त्थी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शख किसी जन्य व्यक्ति पासकोंगे।

स्वर्धीकरण: --इसके प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गका है।

अनुसूची

भिम और निर्माण 1/3, बीतापेट रोड, प्लाट खी० 8 मद्राक्ष-7 (पेरियमेट द० सं० 585/85)।

> श्रीमती एम० लामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त प्राप्तुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, मद्रास

ारीख : 7-1-1986

प्रकष मार्धः दी एन एस , -----

आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) ही भारा 269-म (1) में बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, भद्रास मद्रास, दिना ए 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० 119/मई/85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करता का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/~ र7. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 5, हालस रोड, एहमोर, मद्रास-8 है, जो में स्थित है (ग्रांर इसने उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के आर्थलय पेक्सिट दर मंग 591/85 में भारतीय रिजस्द्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्तेयह विश्यास करने का कारण है कि यथापुनींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) **आ**र **अंतरिती (अन्तरितियोः) के दीच एसे** अन्तरण के लिए तय पा**या** गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निर्मित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाथ को बाबत, उक्त अभिनियम को अधीन कर दोने क्ष अन्सरक के बामित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त गिंधनियम, या धनकर मिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: अर्थ, उक्त विधिनियम की भारा 26% -न के जपुतरण भें, में, जकत अधिनियम की शहर 250 ख वो लप हर (1) क्र अधीय, भिम्निजिक्त व्यक्तियां, अभूत् : ~

(1) श्री के० सुन्नर्माण भ्रां 2 अन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भ्रो० सीतामणि अम्माल

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र भी प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन को अथि या सत्सम्बन्धी ध्यक्तियो पर सूक्षण को तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवीत बाद मा समाप्त होती हो, के **भीत**र पूर्वीव्रत व्यक्तिया में से किसं। व्यक्ति दशक्त,
- (म) पर सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी 🔻 🕏 45 दिन को भौतर उसत स्थावर सम्पांत में हिलानवुष किसी व्यक्ति दुवारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः —-इसमा त्याकरा शब्दाः और पदाः का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

भूमि ग्रीर निर्माण सं० 5, हालस रोल, एहमोर, मद्रास-8 (द० सं० 591/85)।

> श्रीमती एम० लामुबेल सक्षम प्राधिकारी े सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 7-1-86

Secretary and the secretary an

### म्हण बार्ड टी. एन. एस.

आधकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्मना

#### भारत सरकार

### कार्यालयः सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनां ए 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० 120/मई/85 - ग्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण हैं फि स्थावर संपरित विस्का उचित जाजार मुख्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिलकी सं० डोर सं० 2, जियन चेट्टी स्ट्रीट है, जो चिन्ताद्रीपेट मद्रास-2 में, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिप्टिट्री क्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट द० सं० 607/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 1985

को पृथों कर सम्बन्ति के जिसत अकार मृत्य से कम के दश्यमान शितफिस को जिए अन्तरित की गई हैं, और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि वथाभूगों कर संपत्ति का उचित वाखार मृत्य, उसके दश्माण प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्तात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के निष्ट्र तक बाबा वया प्रविक्तक, निक्तितिकत उद्वेषण से उकत बान्तरण निक्तिकत में वास्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिली शाय की बाबस उक्त सीय-निवब के स्वीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य हो कभी करने या उससे दचने में निवधा के लियः शीर/जा
- (अ) एंसी किसी क्य या किसी क्य या अन्य आस्तिओं को, जिन्ही भारतीय जोय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती उवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना काहिए था, कियाने में सविभा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्पक्तियों। जुर्थाह

(1) श्री वेनकटाचलम ग्रौर 2 ग्रन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सुदन्दिरा

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिक् कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रि ह-

- (क) इस स्थान के राजपन के प्रकासन की तारीस से 45 दिन की वर्तीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काश्यित्यों में से किसी व्यक्ति स्वाह्य;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सास निस्तित में किए का सकोरों।

स्यच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही कर्ष होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गन्स्ची

भूमि स्नौर निर्माण सं० 21, सिन्गन्न चेट्टी स्ट्रीट, चिन्तद्विपेट, मद्रास-2 (द० सं० 607/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-1-86

BOY FAMOUR WITHOUT THE THEORY OF THE THE THEORY OF THE THE

有哪有一句話 一一選 一 一 有能 ~ ~~~~~

आयकर अधिरियम 1961 (1961 का 43) की अवस १८६० मा (1) में अपकेट मानवा

WINE HERE

### कार्यालय, महायक अध्यक्तर आयक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंग-2, मद्राल

मद्रारं, विशांक 8 जनमरी 1986

निर्देश सं० 12 / भई / 5--- वसः सुधे, शीसती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा तथा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिकारी की पर विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विकास विकास वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० पर्द डोर सं० 9, बोलापेट रोड, वेपेटी, मद्रास-7 है, जो में स्थित हैं (और उपप्रकाशक स्रमुसूची में स्थाप के लेकिन हैं), जिल्ही क्लिक री के लागीलय पेरियमेट द० सं० 817/35 में भारतीय रिजर्झीकरण अधिनयम, 1908 (1908 जा 18) के अधीन मई, 1985

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार श्रुट्य से काल हो सक्यापत्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का लिनत जाजार मूल्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (यंतरकों) और संवरित्य (स्तारांक्यों) के बीच एसे बंगरिय को लिए उस कार कार प्रश्निक कर्म से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने यो नृतिका के जिला और/या
- (क) एसी किसी आप पा मिली घर या स्टूट वाहिलाओं की, जिन्हों भारतीय संस्थान स्वीश्वित्रका, १९२२ (1922 का 11) या तकत संधितिप्रका, या भनकार अधितिप्रका, या भनकार अधितिप्रका, या भनकार अधितिप्रका, १९५७ व्या १७५७ व्या १९५७ व्या १९५७ व्या १९५० व्या कार्या क

जित: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 260-ए को अधनरा (1) के अधीन, निम्नलिखित काकितारों, अधीत :---- (1) मेर्च परमावती जनस्टूनशास कंपनी।

(जन्तरक)

(2) भी पती अभिना जै॰ मा

(अन्तरिती)

को यह सम्बन्धा करते करते वृत्तीकत सम्बन्धित के जर्बर के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सबस समार्थ के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वत। को अविध में 30 जिन की अविध , जो भी अविध गांव में जागान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करीका वृद्धाराः
- (द) एस त्चनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 25 किया के भीतर एकर स्थापन संपत्ति के द्विष्ठ-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गण विश्वस में निष्य वा दर्जाने।

प्रविश्वास - इसमें अपूर्वत कर्न्दों और पदो का, को उक्त व्यक्ति की अन्यक 20 के में परिभाषित हीं, कहीं वर्ष होंगा जो उस अध्यक्ति दिया नाम सी।

#### अनुस्ची

भूमि और ियाण सं० 7, गीसावेट **रोड, मद्रा**स-7 (य० मं० 87.7/85)।

> श्रीमती एस० जामुबेछ जञ्जन प्राधिकारी सहायक आयंकर कांत्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. मद्रास

तारीख: 8-1-88

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

बायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० 128/मई/85—अतः मुझें, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घ्लाट सं० 26, डोर सं० 11/239, नयी वार्ड 'सी' नयी है, जो ब्लाक सं० 13 रामकृष्णा रोड, (पूरव) सिवसामिपुरम एक्सटेन्शन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पृष्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 2, सेलम द० सं० 1322 से 1324/85 तक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयमाय प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचत से बाबक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल का निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्त-विक स्प से कथित नहीं किया नया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिविन्सम के ब्योन कर दोने के अंतरक की बायित्व में कभी करने वा उस्त्रों बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिन्यभ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं लिए;

. (1) श्री स्यामलनाथन

(अन्तरक)

(2) श्री पी० नित्तिलन और अन्य

(अन्तरिती)

को वह सूदना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अलग के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रण: इसमें प्रयानत शब्दों आहे नदों का, वो उक्ट अधिनियम के अध्याण 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिवा नदा है।

### अमसर्ची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सं० 26, होर सं० 11/239, नयी सं० वार्ड 'सी', ब्लाक सं० 13, टी० एस० सं० 17/1, रामहण्णा रोड, सिवसामीपुरम एक्सटेनशन, पेरियेटी गांव, उसं वार्ड, सेलम

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आएकर आसुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-1-86 मोहर:

### 

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्थमा

#### नारव रहस्का

### कार्याभय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जभ रेज-2, मद्रास मद्रास, दिशाक 7 जशवरी 1986

निर्देण मं० 131/मई/85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० नयी सं० 4, पुरानी सं० 30, यालोनी पिल्ल स्ट्रीट, है, जो मद्रास-79 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण चप से विणित है), रिजिस्ट्रीयर्ना अधिकारी के कार्यालय सेन्ट्रल मद्रास द० सं० 474/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1985

को बुर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान अतिक ल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुर्च, उसके क्रथमान प्रतिफल से, एसे क्रथमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिचत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाजा नगा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया नया है क्ष

- (%) अन्तरम से हुए किसी बाय की बायत, उत्तर अधि-नियम के जभीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में स्विधा के सिए; बार/या.
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी भन या जन्म झास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) या उक्त किधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, किया हिया है तिए;

क्षेत्र करा विभागियम की धारा 269-त से अनुसरण रो, में उक्त सिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (ा) भी वधीक, निष्मितिकत व्यक्तियों, अर्थान् प्रस्क

- 1. ()) औ सामनामा वास और अअस्य
  - (2) मुब्बन्न बाबु ग्राँद 3 अन्य

(अस्तरका)

2. भीमर्तर मोहार देवी

(अन्तरिती)

 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

### क्षम् सम्मृतिस् के बर्जन् के सम्मृत्यु में कोई ही आयोप्य--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अव्धि, को धी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायत;
- (व) इस स्थाना क राजपन में प्रकाशन की तारीव ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में द्वित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के गास लिकित में किए का सकींगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम के अध्याय 20-क में परिभाविद ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धन्स्ची

भूमि और भिर्माण नयी सं० 4, कालोनी पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-79।

> श्रीमती एम० नामुबेल सक्ष्म प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-२, महास्म-्

सारीख: 7-1-86

### प्रकृष् वार्ड ुटी ुक्त ुरुष गुनन-नगर-नन

# नायकर निष्तियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यात्तय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षंण)

अर्जन रेज-।, नई दिल्ली

मई दिश्ली, विश्वत । 31 विजम्बर 1985 -

सिर्देश सं० साई० ए० सी०/एसपू०/1/एस आर-3/5-85/42—अल: मुझे, आर० पी० ४(जेण,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांग जिनकी सं० क्षेत्रकल 1532 वर्ग फीट है तथा जो पर्नेट न० 101, ए-13, कैमाभ सलोती, नई दिल्ली में स्था; है (ग्रांग इनके इपायद्ध अनुभूवी में ग्रांग पूर्ण का में विज्ती है), रिजिट्टी स्तां अधियारी हे कार्यालार, हिंदित्ती में भारतीय रिजिट्टी करण अधिकियम 1908 का 16) के अधीर नारीख मई 85

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित्त बाजार मूल्य से कम के द्राममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवयों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बान्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के जिए; बौर/या
- (w) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, धिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में बुविभा के लिए;

करा। जब, उक्त महिभीनयम् की भारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) धे अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, जजति :---- (1) भी अल्याम एन्टर प्राइसेस द्वारा कूर्वन्स मिस्टर याम महात और मिसेस एकुन्तला देवी निवासी एन 13, केलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) कुमारी पुचा यादव मुपुत्री एम० आर यादव 1982 पंकी उपचा सिनेमा के सामने 1 इस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यनाहियां गुरू करता हूं।

### उक्त तम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई औं श्राक्षीप इ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मों किए जा सकोंगे।

स्यच्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियस के अध्यात 20-क में परिभाष्टित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### प्रनुसुची

पर्लैट तं० 101, प्रथम खन्ड, 1532 वर्ग फीट । प्रापर्टी तं० ए-13, कैलाण कालोनी, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-1, विल्ली, पई दिल्ली-110002

तारीख 31-12-85 मोहर: 

### जरूप बाइं.टी.एन.एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सहायक नायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलाक 2 जनवरी 1986

निद्देश मं. आर्ह. ए. सी. /एक्यू. / | /एस. आर-3/5-85/43 अत: मुक्ते, आर. पी. राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. क्षंत्रकल 1025 वर्ग फीट है तथा जा फ्लैट 302, की-484, फ्रैंटर कीलाश-2, नर्क दिल्ली मी स्थित है (और इससे उपावत्व अन्सूनी मी पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टी-किक्त अधिकारी को कार्यालय नर्क दिल्ली मी भारतीय रिजस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीय मर्क 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्मत्ति का उपित बाजार शूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (वह) सम्मारण स हाई किसी भाग की भागक, जाकत मिषियम के स्थीन कर को से सम्मारक के कारिएक मों क्यी कहने या अनुके बच्ची में स्थिता के लिए, मौर/वा
- (स) एंस: किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर अभिनियम, 1922 (1922 का 13) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिक्रियम की भाग (260-६ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६—— (1) श्री हरिजन्द्र सिंह 12, रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नेरेश कुमारी विज  $\xi-484/302$ , येटर कैलाण-2, न $\xi$  दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सुधना चारी करने पृथानतः सम्मात्य में गर्चन के जिए कार्यनाहिना करता हैं।

उन्त रामास्य के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप:---

- (क) इस स्वा के राज्यम में प्रकारन की सार्थम से 45 दिन की जनभि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की सामीत से 30 दिन की नविध, यो भी अविद् वास में समस्य होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी स्वीवत हुनारा;
- (क) इन सूचना के राज्यत्र में त्रकावन की तारीचा के 45 विन के भीतार उनता स्थावर सम्पत्ति में दित- वब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, वधोहस्ताक्षद्री के पास विविद्या में किसी वा सकींगे।

त्थव्यक्षिकरणः---हतनों प्रयुक्त सभ्यों और पदों का, वो जवतः श्रीधीनवस को अध्यात 20-क ने परिधायित ही, यही कर्ष होना वो उस अध्याय में दिना भवा ही।

### सन्बनी

फ्लैंट नं० 302, प्रथम खन्ड, क्षेत्रफल 1025 वर्ग फीट ई-484, ग्रेंटर कॅलाग-2, नई दिल्ली।

> अत्या पी० राजेण संअम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख 2-1-86 मोहर:

## प्रस्य बार्चं, दी, प्रस्तु प्रचाननाननाना

### आयकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### शास्त्र सरकार

### कार्योजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजंन रेंज-1 नई दिस्ली नई दिल्ली, दिसांफ 2 जनवरी 1986

निर्देश मं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/ 1/एस० प्रार०+3/ 5/85-44— ग्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके वश्चात् चिक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- एउ. सं अधिक ही

भीर जिसकी सं 100 वर्ग गज है तथा जो लाजपत नगर, नई दिस्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीयानी अधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली, में रिजस्ट्रीयारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंक्ररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण हैं बिका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण हैं बिका गया इर्ड स्मान

- (क) बन्दारण सं हुन्द्रं कि बी बाव की बावत, उक्त अभिविश्व के वशीन कह देने की अन्तरक के खबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के विष्; बॉप/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों का विनहीं भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा विषया।

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मो, माँ उबक अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों अधीत्.—

- (1) श्री तिनाद कुमार ग्रीर मुदर्शन कुमार मुपुत राकेण दास निवासी एग० के० खन्ना, निकासी ए-1-15, नाजपन नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) एस० के० खना ए-1/11, लाजपत नगर, नई निई दिल्ली।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी दे वें 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीब के 4.5 कि की नीता के कि स्थावर मंत्रीत्त में हितवब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्ची**

ए० -1-14 लाजपत नगर सिगत स्टोरी टाईप नाददी 100 वर्ग गणा।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहाय १ अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110001

नारीख 2-1-86 मोहर .

### **प्रकल आह<u>ै, टी.</u>एन , एस ,** ------

# बाबकर वाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीधन)

ग्रजं रोज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोंक 31 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० ग्रार-3/ 5/85/46---अत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके कहा नया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

न्नीर जित्तकी संव क्षेत्रका 200 वर्ग गण है तथा जो कै-/6, लाजपत नगर, नई दिल्ली से स्थित है (ब्रॉरइससे उपाबद्ध अनुसुवी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयाची श्रिधियारी के वर्णालय, नई दिल्ली से रिजस्ट्रीयाचा श्रिधित्यम, 1908 (1908 द्या 16) के श्रिधीन तारीख मई 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिकित मे बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है !---

- (क) जंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियत्र के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी जिहा;

बत: बब, उक्त विधितियम की भारा 269-ग के बनुबरण वे, में, उसत अधितियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित कावित्रकों, अभीत् :---

- (1) श्रो बंसी लाज सुपृत्त स्वर्गीय कर्म चंद
- (2) श्री हरीण पाल सुपुत्र वंसी लाल
- (3) कंबल राज मुपुत्र बंसी लाल
- (4) श्रांमती हंस कुमारी पत्नी, बंसीलाल निवासी 2-के/6, लाजपत नगर नई दिल्ली

(ग्रन्तरः)

2) श्री वेद प्रकाण कत्याल सुपुत स्वर्गीय श्री जे०सी० कत्याल ग्रांर श्रीमती मधू कत्याल पत्नी श्री वेद प्रकाण कत्याल निवास अजे-2 लाजपतः नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यशाहियां सूक करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के धर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तात्रील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उपत अपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

### मन्त्राची

प्रार्थी नं 2के/6, लक्ष्मन नगर, न**ई** दिल्ली कादःदी 200 वर्ग गज ।

श्रार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, दिल्ली; नई दिल्ली

नारीख 31-12-85 मोहर: प्रकम बार्ड, टी. एन. एस. -----

बायकर विधितिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकाड

### कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्चार०-3/ 5-85/47, श्चनः मुझे, श्चार० पी० राजेश,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार्यों को, यह निष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० क्षेत्रफल 125 वर्ग गण है तथा जो लाजपत नगर, नई दिख्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवयमान प्रतिफल से एसे द्रवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अप्रतिफल, निम्ननिधित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निकित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी माम की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को सीमारक में कभी करने या उनसे बचने में स्विधा से जिना; प्रीर्था
- (च) ऐसी किया बाय या किसी भन या बत्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ कलरिती द्वारा प्रभट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में ह्विभा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिंगित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री एस० के० सिंह, बेस्ट पटेल नगर 3, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरः)

(2) श्री कृपना साधी, 2/12 ए. विक्रम बिहार, जाजपत नगर, नई दिस्ली ।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशण की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस ्त्रान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में संधा गरिर-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उद्ध अध्याय में दिसा गया है।

#### मन्स्ची

प्रो० 2/12 ए, विक्रम विहार, लाजपत नगर, नई दिल्ली नादादी 125 वर्ग गज।

श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-1, दिस्ली, नई दिल्ला-110002

नारीखा: 12-1-86

माहर:

### प्रकार बार्ड, टी. एव. एस. ----

**बावक ह अभिनियम , 1961 (196**1 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन स्चना

#### BIS O BRIDE

### कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली सई दिल्ली, दिसांच 26 दिसम्बर 1985 भिर्देश मं० आई० ए० सी०/एकप्०/एस० आर-अ/ 5-85/48--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे **६सके परचा**त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है<sup>\*</sup>

श्रीर जिलकी सं० यूलिट ए/द्वरा खन्ड, है क्या जो एस-189, ग्रेटर कैलाए-2, एरिया 300 वर्ग गत में स्थित है (र्ग्नार इसमे उपावड़ अनुसर्च। में पूर्ण रूप से विणित है। मफा रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, आसफली रोड, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 কা 16) के अधीन বাৰীৰ गई 1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान शतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिसित उद्वेष्य से अवत बन्तरण सिवित में बास्तविक राज में कथित नहीं किया गवा है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के जुभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व भी कामी कारणे वा सामने बनाने में मुनिया के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अरीभनियम, याध्य-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) वाँ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविभा ने निए:

वतः अथ, उक्त अधिनियत्र की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, एक्स अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिनित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैनर्ष गैर्वाफाल आश्मेन्टन प्रा० लि० एस०-14, ग्रैटर कैनाश-3, भई दिल्ली द्वारा डापरेक्टर यहेरार भाष साप्तर्गा।

(अन्तरक)

(৫) मैनर्ग जी० दी० িस श्रीर संस (एच०एफ० पूर्वाह्न कर्ना गुरिन्दर पाल मिह निवासी ए०-ईम्ट आफ कैलाण, धई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किंक कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सभ्यति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप है-

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की मनिध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे बद व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति तुवारा;
- (च) इ.स. सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख औ 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकर्ण :---दसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का वो उक्स अधिनियम को अभ्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ हांगा को उस अध्यान में विया गया है।

#### अनुमुची

युभिट न० 4, 2 द्सरा खन्ड, एस-189 ग्रैटर कैलाण-2, मई दिल्ली 300 वर्ग गम।

> भाग्०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी गहाया व्यवपर आयक्त (निरीक्षण 🕇 अर्जाण रेज-1, दिल्ली अई दिल्ली-110002

भारीख :2 G-1 2-1986

प्ररूप आई. टी. एतं. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलां हे 2 जनवरी 1986

िर्दिश सं० अहि० ए० सी०/एकपू०/1/एस**० आर-3/5-**85/49—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

1,00.000/- रह. स आधक है

ग्रीर जिसकी संग्री प्रीय सी। 1-155 है सथा जो लाजपत

सगर पहें दिल्ली में स्था है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण का से वर्गित है), रिक्टिट्री इसी उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण का से वर्गित है), रिक्टिट्री इसी अधिवारी
के हार्योग प्रीतिश्ली में भारती। रिप्ट्री इरण अधिधियम,
1908 (1908 ला 16) के अवीप प्रारीख मई 1985
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मूमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरिता) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्लिसिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिर में बास्तिकक

क्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दाय्तिय सोकमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए।

(1) साहिब कुमारी कोचर पत्नी एन०एम० कोचर सी-1/153, लाजपत नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा सूच पत्नी गोपाल के सुद 130, ग्रीन पार्क, सिविल लाइन्स, लुधियाना। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया वया है।

### **अन्**त्**ची**

सी॰-1/1,53, लाजपत नगर, मई दिल्ली-24 सावासी 100 वर्ग गज

> आर०पी० राजेगा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

सतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-ण की उप्धारार (1) के अधीन,, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 25—446 OI/85

तारीख : 2-1-1985 मोहर: यसम् बाह्यं, श्री . एम् . एस् , न्यासम्बन्धाना

जानकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की १९९१ 289-म (1) के अधीन मुचना

#### नारत सर्कार

### कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन नेंज-1 मई दिल्ली नईदिल्ली, दिनांक 2 जगवरी 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/1/एस०आर०-3/ 5—85/50——जतः मुझे,आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,30,090/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 100 वर्ग गज है सथा जो लाजपत नगर मई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विशान है), रिह्मिट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय मई दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गहुँ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्नविक रूप से करियत नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या क्रम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1937 को 27) अं पर्णाजनार्थ अन्तरिती तथारा प्रकट नहीं किया गया था या किया करना काहिए धा दिल्पाने हों वृद्धिया के किए;

णतः अव उनतः सिंभिनयमं की भारा 269-मं के बनुसरण थो, में अपन सिंभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के स्मीतः निम्मिलिकित व्यक्तियों, सर्वात अ— (1) श्री कें कें कार सर्द्रित बाल मुकुन्द भास्कर 2-एफ o/11, लाजधा भगर, गई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार चट्डा सुपुत्र एस० आर० 2 एफ/11, लाजपत मगर, भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि श्राद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्थिकता में से किसी स्थिकत बुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पन्ति में कितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उत्सर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विसा वसा है।

### धनुस्ची

प्रोपर्टी, न० 2/एफ० 11, लाजपत मगर, मई दिल्ली ादादी 100 वर्ग गजा।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरोक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली भई दिल्ली-110002

्हारीख 2-1-86 ह्यूमोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जाः रेंज-1, गई दिल्ली भई दिल्ली, दिशांक 2 जावरी 1986

भिर्मेश सं० आई० ए० सीं० एनपू०/ 1/एस०आए-2/ 5-85/51--आ: मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिल्ली सं० क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है ह्या जो लाजपा सगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुवी में पूर्ण रूप से विणा है), रिजल्ड्री उत्ता अधिकारी के लायिय कई दिल्ली में भारतीय रिजल्ड्री उत्ता अधिकारी के लायिय कई दिल्ली में भारतीय रिजल्ड्री उत्ता अधिकारी के लायित कई पित्रमा, 1908 (1908 का 16) के अधीत लारीख मई 1985 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे, दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से जवत अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री राजेन्द्र कृष्य धवा वीप-11 जी, मुलिरना नई दिल्ली

(अक्तरक)

(2) श्री जयन्त वबाला ए० ए० अभिरा धी-1/187, जाजना भगर गई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पच्छीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्द्रत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दित्या गया है।

### श्रनुसूची

**ड**ी-1/187, लाजपत गगर, नई दिल्ली 100 वर्ग गज।

> आर॰ पी० राजेश सक्षम अधि तारी सहायक आयजर आयुक्त विरोक्षण अर्जन रेज-1, दिल्ली, मुई दिल्ली-11002

अतः अब उसरा अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उसरा अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियम्, अधीत् :—

तारीख 2-1-1985 मोहर: अरूप आइ.टी.एन.एस------

बार्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरुकार

### कार्याक्षय, सहायक कायकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली
मई दिल्ली, दिलांक 2 जमबरी 1986
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
5-85/52—अतः मुझे आर० पी० राजेशः,

बावकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- स्त से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 896 वर्ग यफमीर है तथा जो फलेंट नं० 9, एस०-457, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनूसुची में पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय गई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मई 1986

को वृत्तिका सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम की स्वस्थान् हिक्का को लिए बन्तिरत की गई है जार मुख्ये बहु निश्वास करने का कारण है कि सका प्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान क्रिसक्त से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल को बन्तत् प्रतिकत से अधिक है बौर जंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरिरीतयों) को बीत एसे अन्तरण को लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्निमिक्त ख्युत्वेस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से कथिस गृहीं किया गया है ":—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सकत जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उद्यस्त बचने में सूनिधा के सिद्ध: और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बम्य कारिसवीं का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा भा या बिका बाजा वादिए भा, किया में द्विका के सिए;

नतः जन, उनत मीधिनयम की धारा 269-ग की जन्मरण में, मी, जनत मीधिनियम की बादा 269-म की स्पधारा (1) के जभीच निम्नसिवित व्यक्तिकों, स्थीत् :---

- (1) श्री प्रवेश कुमार कर र सुपुत हरी राम नकर ई-603, ग्रेटर कैलाश-2, गई दिल्ली (अन्सरक)
- (2) श्री रिवन्द्र खन्ना सुगुत्त कश्मीरी लाल भवासी मकाभ न० 4, 896 फीट प्रापर्टी नं० एस० 457, गैटर, कैलाश-2, भई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविभ या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिका में किए या सके गे।

क्योकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया धमा है।

### **मनुस्**ची

क्लैट नं० 9, तादादी 896, वर्ग फीट प्रा० न० एस० 457, ग्रेटर कैलाश-2, मई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली मई दिल्ली-110002

तारीख: 2-1-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### भार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-1, मई धिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-3/ 5-85/53——अतः मुझे आर० पी० राजेषः,

नायकर धिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रभात 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नथीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाधार मूक्य 1,00,000/- रा. से निभक्त है

मोर जि.ही सं० एरिया 100 वर्गगंज है धया जो गांव मुत्रार एपुर में स्थित है (ब्रोर इससे उपाबद अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याख्य, भई दिस्ती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के बढ़ी। धारीख मई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थयमान प्रतिफल का बंदह प्रिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भ्रितिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बच्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियानें में स्विधा के लिए।

सतः गर्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ≟—— (1) श्री सरजीत लाल पछन्दा सुपुत्र राम लाल पछन्द निवासी ए-14, साउस एक्सटेंशन, पार्ट-1, भई मई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती मोहिनी नुहहरमल पत्नी स्वर्गीय नुहहरमल श्रीमधि माया गोपाल दुलानी पत्नी गोपास आर० दुलानी निवासी-29, हाउसिंग सोखायटी, ए५० की॰ एस॰ ई-1, भई दिल्ली-49।

(अग्रारिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उपत संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

50 अविभाज्य भाग 1 सायादी 100 वर्ग गज गाँव कोटला मुखारकपुर, रिया रोड़ गई हिस्ली।

> आर० पी राजेण सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-85 मोहर:

### इच्य बाइ'् टी. एर्. एस. .-----

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 के 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### नारव बुरकार

बार्यास्य, सहायक साथकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जान रेंज-1, गई विस्ती मह दिस्ती, दिलांक 31 दिसबर 1985

िर्शि सं० अाई० ए० सी०एन रूप्त शाय-3/ 5-85/54--अतः मुझे आर० पी० राजेरः,

बायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भीर जिन्नी सं० 2250 वर्ग फीट है तया जो एम-94, ग्रीटर कैलान-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे जानब अनुसूत्रा में पूर्ण का से वर्गित है), रजिल्ट्री इसी अधि निर्दा के कार्यातय, नई दिल्ली में भारतीय रिनल्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दारीख मई 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शिक्षिण के लिए बन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) औड़ अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष्•तव गया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चे देखा के उसत अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से क्शित नहीं किया वना है हि—

- (क) नन्तरण संहुई कि जी नाय की बाबता, डायत विभिनियन के नभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तते वचने वें बृतिभा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया श्वा था या किया बाना था, खिपाने में सुविधा की बिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के जधीन, निम्नहितिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) था दिवना कुमार बोट पुरु एकाँकि सरा **प**ख िकासी एम-94, ग्रेटर कीलारा-1, पद्दिल्ली । (अन्तरह)
- (2) डा० प्रभा दत्ता पत्नी बी० के० दत्ता जिनासी
  216, डा०७ जे०, न्यू० अली पुर, कलकत्ता भार
  श्रीमती जनीगंधा दत्ता पत्नी डी० के० दत्ता जिनासी
  एप-264, पत्नी टी० के० दत्ता जिनासी एप०
  264, ग्रेटर कैंकाम पार्ट-1, पद्वी दिल्ली

(अर:रिती

को यह मृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सि कार्यनाहियां करता हु।

उक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच धैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अ्थिक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहीं कर्ष होंगा को उस कृष्याय में दिया वया हुँ।

### मनुसूची

अमुसुची

प्रार्थी नं० एम०-95, ग्रेटर कैलाम पार्ट-1. **मई दिल्ली** सन्तर श्रीर रामाणा प्रथम खन्ड श्रीर उपर 1 लगभग 2250 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश संजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नदी दिल्ली-110002

ता**रीख:** 31-12-85

### श्चम बार्च . व्या पुरु **एव**ं ----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत शरकार

### कार्यालय, बहायक व्यवकर वायुक्त (निरीक्षण)

अजैग रेंज-1, भई दिल्ली

गई दिल्ली, दिलां ह 2 जनवरी 1986

िर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/1/एम० आर० -3/ 5-85/55—अ∷ मुझे आर० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा '269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विख्वाम करने का कारक हैं कि अधापुनेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य 190,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली सं० 990 वर्ग फीट है तथा जो ग्रेटर कीला:-2, भर्दे दिल्ली में स्थित है (श्रीर इतने उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्गित है), रिजल्द्री तस्ती अधिकारी के लायांक्य भर्दे दिल्ली में भारतीय रिजल्द्रीवरण अधिकारी के लायांक्य (1908 का 16) के अधीन सारीख मई 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के रश्यमान इतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एमे रश्यमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिशत अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और जंतरितीं (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबत, उक्त आधानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिक्श करें/सा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिएतने में सुविक्षा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग के अन्सरम मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (!) को अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरीन्द्र सिंह ई-599, ग्रैटर कैलाइ:-2, गई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वराज कुमारी कपूर सी-85, मालदिया भगरः भई दिल्ली ।

(अन्यारिसी)

को यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त स<del>म्पत्ति</del> के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय औ दिया गया हाँ।

### धनुसूची

पत्नैट नं ० 6, प्रथम खन्ड, एस-473, ग्रेटर कैलाश-2, भई दिल्ली ादादी 990 वर्ग फीट।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त, (दिरीक्षण) अर्जेद रेंज्।, दिल्ली, मुद्दीदल्ली-110002

धारीख 2-1-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस:-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यांक्य, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

क्षर्जः रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोक 26 विसम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5→ 85/56—अतः मुझे, आर० पी० राजेशः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का द्वारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीट जिल्ली सं० प्रताट नं० 133 है एया जो ग्रेटर कैलाश-2 एएवादी 251 वर्ग मीटर नई दिल्ली में रियत है (भीर इससे उपाबद अनुमूची में भीर पूर्णरूप से वर्णि: है) रिजल्ट्री स्त्री अधिकारी के कार्यालय ाई दिल्ली में भारतीय रिजल्ट्री करण अधिकारी के कार्यालय ाई दिल्ली में भारतीय रिजल्ट्री करण अधिकारमा, 1908 (1908 का 16) के अधिकार तरियों के इध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापनोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिकल से, ऐसे इध्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलीखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर प्रेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याक्तयों, अर्थात (1) श्री बक्बी मोहा जिह सुरुत श्री स्त्र० बनशी लाम जिह चोनड़ा, 1281, द्रैस प्लान्टेंगा, फ्लोरिडा-33322, वर्तमान प्ला--ए-451, डिफेंस कालोनी, मई दिल्ली-24

(अन्तरक)

(2) भेतर्स कैप्टन कन्स्ट्रमधन कम्पनी, द्वारा मोहः जीत सिंह िशासी---इ हबाल फार्मत खी०एल०एफ फार्म एरिया, ाई दिल्ली-30 ।

(अदारिती).

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुष्य

प्ताट नं॰ एत-133, ग्रेटर कैनाश, पार्ट-2, कई दिल्ली 48, साक्षादी-300 वर्ग गज । (251 वर्ग मीटर्स लगभग)।

> आर॰ पी॰ राजेश, सक्षम प्राधिकारी र्रे सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जशरें ज-1, भई विल्ली

सारीख: 26-12-1985

प्रकृष आई.टी.एन.एस.------

नावकर वीधिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भाग्त सरकार

कार्याक्य, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंग-1; नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनोक 2 जावरी 1986

भिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ \$-85/57—मः: मुझे, आर० पी० राजेश,

कालकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें का विधास (जिसे इसमें का विधास) (जिसे इसमें का विधास) (जिसे इसमें 269-व के वधीय सक्षम प्राधिकारी को, शह विश्वास करने का व्यारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विधिक ही

भौर जिस्की संब क्षेत्रफल 263 वर्ग गण है स्था जो प्रथम एएक, ई-203, ग्रेटर कैलाइ, इई दिस्ली में लियर है (भीर इस से स्पाद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणि! है), एकि ट्रीनर्स अधिनारी के कार्यालय, इई दिल्ली में भारतीय एकि ट्रीनर्स अधिहरम 1908 (1908 को 16) के अधीत, सोरीख मई, 1985,

की प्रशेषित सम्पत्ति के उपित बाधार जुन्य से कम के क्याना क्रिक्यन के लिए अन्तरित की नहीं ही और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाधार शूका, उसके दश्यमान प्रतिकान से, एते दश्यमान प्रतिकास का स्वाह प्रतिकार से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्वरिती (अन्तरितिमी) के बीच एसे अन्तरण के लिए श्रम पास क्या शिवका निम्नतिस्थित उद्वरित से उसत अन्तरण सिक्षित में क्या शिवका करारण सिक्षित में क्या स्था ही :---

- ेंक) बन्दरण से हुई कि ही नाथ की बावश करत सीध-विवय की वधील कर दोने के बन्दरक के दायित्व में क्वी करने या उन्नवें बचने में सुविधा के लिए: बीच/का
- (क) वृंदी ज़िल्ही बाव वा किसी भन या बन्न नास्तिनों की, जिन्ही भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जवीचनार्थ अन्तिरिती वृंदारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, कियाने में नृविधा के विद्य;

(1) श्रीनित गीता सेठ परित श्री कृपा चंद सेठ, **६**-205, ग्रेटर कैनाय-1, पद्दे दिल्ली ।

(अन्तर क )

(2) श्री विजय कुमार जजान भौर देश्वर कुमार जजान

सुरुत श्री गिरधारी लाल जनाम बारा पिता घोर अविभावक श्री गिरधारी लाल जलाम, सुरुत श्री देवी दत्त जलाभ, भिवासी—-4375/4बी, मुरारी लाल स्ट्रीट, घंतारी रोंड, दरिया गंज, भई दिस्ली।

(अन्तरिती)

की यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की वर्षण के विद कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### खबत सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाओप :----

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की सविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भा क्या निपित्तियम, के नध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस नध्याय में विक पदा हैं।।

### भनुसूची

इन्टायर प्रथम खण्ड । प्रा० नं० ई-5203, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, हादादी 263 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, म**र्ध दिल्ली**

तारीखा: 2-1-1986

### तकन् वार्त्यः, को , वनः, कुर्<sub>या</sub> ------

## भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) से स्थीन स्थान

#### भारत स्ट्रकार

### कार्यासय, सहायक मायकर जागुक्त (प्रितीकक)

अर्जम रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 26 दिसम्बर 1985

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/5-85/58—अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

वानकर वीभीनयन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्शवे द्शवे द्शवे द्शवे प्रवाद 'उन्त वीभीनवन' नहां गया हैं), की धारा 269-च के वभीन सक्षण प्रीभकारी को, वह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थानर सध्यति, विश्वका जीवत शावार मुख्य 1,00,000/- रह. से जीभक हैं

और जिसकी सं अने क्षेत्रकत 1788 वर्ग फीट है तथा जो ए-13, कैं लाग कालोनी, गई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप में विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वो कस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) कल्याण एन्टर प्राइसिस द्वारा पार्टनर कोओनर श्री कल्यानदास मंहास, भौर मिसेज शकुन्तला मंहास।

(अन्सरक)

(2) एसोसिएटिड कम्पनी लि॰ होइचिस्ट हाउस, भारीमन पाइन्ट, बम्बई-1, फ्लेट नं॰ 102, सादाधी 1788.63 वर्ग फीट प्रापर्टी नं॰ ए॰-13 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को सह बुचना थारी करके पूर्वीच्छ संपृत्ति से वर्षत के किए कार्वगाहियां करण हुए।

### बक्त बंदरित के वर्षन् के बंदन् में कोई भी नाजेर् :----

- (क) इत स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्वना की तानींच से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्वना की तानींच से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्तियों में से समान्त होती हो, के भीतर प्राक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वास्तः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वाय वभोहस्ताक्षरी के वाक निवार में किए वा सकेंवे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनवम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होता, जो उस वध्याय वे विका काल

### **प**न्सूची

फ्लेट नं॰ 102, सावादी 1788.63 वर्ग फीट । प्रोपर्टी नं॰ ए॰-13, कैलाग कालोनी, धई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-12-1985

### प्रकथ थाएं, दौ . युव**्यक**्ष क्रान्त्राच्याकरू

### बायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) में बधीय चूचना

#### THE BUTT

### कार्यासम्, शक्कामक नामकर मानुकद् (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज-1, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनां क 26 दि तम्बर 1985

भिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/5— 85/60—अत: मुझे, पी० आर० राजेश,

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनयम' कहा नया हु"), की भारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारन है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाबार मून

1,00,000/- रत. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि खरुरा नं 800 है हथा जो उत्य गांव-हेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राज्यद्रीक्सी अधिकारी के कार्याक्य, नई दिल्ली, में भारतीय राज्यद्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के अभित बाबार मूल्य से कन के ज्यमान अतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं जोर मुख्ये वह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्योंक्त संस्थित का अभित बाबार अस्त्र, उत्तको व्ययमान प्रतिकत से, एखे व्ययमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती असंतरितिकों) के बीच एखे बंतरण के लिए वर नामा पना प्रति-क्ष्म विल्लाविक क्ष्मचेक से जन्म सन्वरण निविक्त में नास्त-विक्ष क्ष्म से कवित नहीं विका गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या वस्य जास्तिकों को , विन्दू जारतीय वायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) वा अक्त विधिनवन, मा चय कर विधिनवन, मा चय कर विधिनवन, मा चय कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ वन्तरिती व्यारा प्रकर वहीं किया चया था मा किया वाया माहिए था, कियाने में वृतिया है विद्रु;
- करा वन, उक्त अधिकियम की शरा 269-म की अमूबर्ग को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नुसिचित व्यक्तियों, वर्धात् ह—

- (1) गेडोर टूल्स (इंडिया) प्रा० लि०, 51-52, नेहरू पलेंस नई दिल्ली एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रकाण चन्द्र जहलानी । (अन्सरक)
- (2) दि मोटर एंड जनरल फाईनेंस लि॰ एम॰ जी॰ हाउस, 17 बी, आसफ अली रोड, भई दिल्ली, मैनेजिंग डायरेक्टर श्री वेद प्रताण। (अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त इंपरि के लर्बंध के सिक्ष कार्वनाहियां करता हूं।

वक्त बम्परित से गर्बर के सम्बन्ध में कोई भी गासेच :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिय या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की लबिथ, को और नविश्व में समाप्त होती हा, के भीतर पूजीवत व्यक्तियों में से किसी म्यस्थित स्वारा;
- (थ) इस सुचना के राज्यत्र में अकाश्वन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दिसवर्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के शक्ष किसी बन्य का सकेंगे।

लाकारिकारण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा नवा है।

#### **मनुमूची**

कृषि भूमि तादादी 66 बीघा खसरा नं० 806 (2-3), 799 (0-19), 809 (2-2), 82521 (2-6), 843 (2-18), 823 (1-16), 822 (1-16), 847/2 (2-6), 841 (1-0), 804 (2-0), 808 (0-19), 807 (2-0), 810 (3-17), 815 (3-3), 786 (1-3), 814 (0-18), 849 (2-19)839 (2-3), 848 (5-7), 774244 (0-18), 774236 (2-0), 774/28-29 (1-16), 774/33 (1-0), 774/42 (1-0), 774/38 (1-0), 37 (1-0), 774/40 (0-18), 774/34माइम (1-3), 774/35/(1-0), 774/45 (0-15), 820 (1-?), 821/2 (0-10), 821/1 (0-17), 840 (1-0), 811 (1-2), 826/1 (1-0), 826 माइन (1-0), 825/2माइम (2-0), 774/34माइन (1-3), गोव डेरा मांडी, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधि गरी सहामक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली।

तारीख: 26-12-1985

### इक्द बाइंछ टी. एव. एव. ----

भ्रमकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मधीन स्थमा

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरोक्षण)

मर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 जनवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/5-85/61---अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 100 वर्ग गज है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबंध अन्तृत्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985,

कां पृथा वित संपत्ति के उचित वाधार मृत्य से कम के दिश्याम् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पृथींक्त सम्पत्ति का अधित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफस से, दृसे ब्रुयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय ने उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया प्या है:—

- (क) बन्धरण से शुर्व किसी बाव की वान्त्र, उनक्ष बीचित्रका के अधीत कर दोने के बंतरक के दासित्य वी क्षती करने वा सक्त व्यव की द्विपा के लिए। बीठ/वा
- (क) एंसी किसी नाथ ना किसी नय ना नन्क नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्धानयम, या चन-कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था ना किया नाम नाहिए था, स्थिपाने में स्विभा की सिर्हा

नतः श्रव, उन्तः नियमियन की भारा 269-न के नपुष्रव वे, में, उन्तः निथमियम की भारा 269-व की उपभारा (१) के नुभीत, निम्नमिक्तित स्थेनितमों, त्रभति ड──

- (1) श्री मोहन लाल शर्मा सुपुत श्री भगत राम शर्मा, जी-100, कालकाजी, दिल्ली द्वारा श्रटारनी एस० विलोधन सिंह सी-1/202, लाजपस नगर, नई दिल्ली।
- (2) श्री महिन्द्र वसल सिंदु पृत्त श्री तेजवाल सिंह सी-1-127, लाजपक्ष नगर, नई दिल्ली। (भन्दिरती)

को नइ स्वता बारी करके पुत्रोंकत् सुन्यति से सर्वत् से दिव्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्त्रेष ह—

- (क) इस स्वना के प्रवपत्र में प्रकाशन की तारीबा की 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्वित बुवाय;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्ववद्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंने।

रमकाकिरण ८—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के कथ्याव 20-क में परिशायिक हैं, यहीं वर्ष होना को उस अध्याद कें दिवा नुदा हैं।

#### वनुसूची

2-1/2, सटोरीयङ बिल्डिंग बीरंग प्रो० नं० सी-1/227, तादावी 100 वर्ग गज, लाजपट नगर, नई थिल्ली।

> षारः पीः राजेष संसम् प्राप्तिकारी सद्यामक प्रामकर प्रापुषत (निरीक्षण) धर्मन देंग-1, मद्दै दिस्सी

तारीख: 2-1-1988

मोद्दर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जनरें ए-1, मई दिल्ली

निई दिरली, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निदेश सं० द्वाई० ए० सी०/एमयू०/1/एस०द्वार०-3/5→ 85/62—द्वारः मुझे, द्वार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिल्ली सं ० प्लाट नं ० एस-374 है स्था जो ग्रेटर कैलान, नई दिल्ली, एरिया 297 वर्ग गज में स्थित है (भीर इससे उप बद अनुसूची में और पूर्ग कर से बणित है), विल्ह्मित भीधनारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय विलस्हीतरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीज मई, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंटरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के सिए:

जल: वव, उक्त वीभीनयव, की धारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्धात्:-- (1) नवीन जली, सी-15, राजीरी गार्डन, नई दिएली।

(%, 4.4.)

(2) परमजीत सिंह मान ग्रीर रनदीप सिंह मान, निवासी-- रनग्रीर हालस, रन्धीर छेन, करनाल (हुरियाजा)।

(भागः रिती)

को यह सूचना अपने करंथे पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जबत सम्पत्ति के वर्षन के उंबंध हो कोई भी वासेव 🥫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त घब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्त्रची

ण्लाट नं ० एस-374, ग्रेटर कैलाश-2, न**ई विस्ती, एरिया** 297.5 वर्ग गज।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुका (निरीक्षण) धर्जन देज-1, नई दिस्सी

सारीख: 26-12-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर वर्षितिकः 1961 (1961 का 43) की भारा 28% च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याज्ञया, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नर्द्र दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्म्बर, 1985

निदेश सं. माई० ए० सी०/एकपू०/1/एस०मार०-3/5→85/63--माराः मुझे, मार०पी० राजेश,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व को अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृख्य 1.,00,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं० एरिया 300 वर्ग गज है तथा जो एस-43, ग्रेटर कैल।या-2, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबज अनु-सुनी में ओर पूर्ण कर से विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबज अनु-सुनी में ओर पूर्ण कर से विल्ली, में भारतीय रिजस्ट्री रण अधिकियम, 1908 (1908 का 16)के भधीन, तारीख मई, 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम को क्याबान बित्तिस को तिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुव, उसके क्यामान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिचत से मधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्त्रविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाया की बाबत, उक्त नियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के किए? बीर/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए आ, छिमाने में सुविधा के सिए।

नतः शतः, उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम ते, में, उन्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विधीन, निस्निविधित व्यक्तियों, वर्धात् क्ष्म

- (1) स० वेनेन्द्र जिह मार्जरा सुपूत राम िह और श्रीमित इन्दर जीत कार मर्जारा परिन, स० वेनेन्द्र जिह मार्जरा, वर्तमान पता--एस-43, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। भोगन इस्ट फोय व्यू केनेडा
- (2) श्रीमति चित्रा त्यांगी पतिन (ग्रन्तरक)
  सुरिन्द कुमार मास्टर ग्राशुतोष कुमार ग्राँर
  भानूप्रताप,
  निवासी--गांव पोस्ट ग्राफिस--तिवारी
  नजदीक मोवीनगर, जिला-गाजियाबाद ।
  (भन्दरिती)

को यह प्राना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उन्न

- (क) इब स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचे से 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के शीवर पूर्वोक्स स्पाक्तियों में से किसी स्पाक्त बुवारा;
- (च) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवदृष किसी अन्य स्थावत द्वारा अभे हस्ताक्षरी के शस सिम्बित में किए जा सकेंगे।

स्वका करणः ---- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, थी अवत विभिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभावित हों, वही अर्थ होगा थी अस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

एस०-43, ग्रेटर फैलाश-2, नई दिल्ली 300 वर्गगंज नई दिल्ली ।

> मारः पीः राजेश, सक्षम प्राधिकारी एड्डायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जनरें ज-1, नई दिस्सी

तारीख: 26-12-1985

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

वासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

पर्नन रेज-1, नई दिल्ली

नहैं दिल्ली, दिनांक 31 विसम्बर, 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी० /एकपू०/1/एस०धार०-3/ 5-85/65-—मत: मुझे, भार० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार जिस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर िसकी सं० क्षेत्रफल 208 वर्ग गज है तथा जो एस-462, भेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीत इससे उपाबद्ध अनु-भूवी में श्रीत पूर्ण कर से विणित है), पिस्ट्रीति श्रीधनारी भे कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय पिस्ट्रीत एण श्रीधनियम, 1908 1908 का 16) के श्रीत, तारीख मई, 1985

की पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान वित्तफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया वित्तिमा, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त श्रीरण मिखिक वें बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण के हुन्हें किसीं आव की वाबस, खक्त अभिनियम के अभीन कर योगे के अंतरक के दायित्व वो कमी करने या उससे वचने वो स्विधा के लिए। और/वा
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन जा अन्य बास्तिवों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए:

चतः वय, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के बन्तरण को, भी उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को विधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, विधीत ह—— (1) श्रीमति चन्दर नान्सा पत्नि श्रशोक कुर्मिगर, ए-७, रिंग रोड, एन०डी०एस०ई०-1, पर्ह दिल्ली।

(मन्सरक)

(2) श्रीमिति प्रेमिनती सेठ पत्नि स्व० प्राप्त० एन० सेठ, प्रोर मित्र डोली सेठ सुपुती स्व० प्राप्त० एन० सेठ, 6007, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

का यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

### क्कत बम्मीत के वर्षन् के सम्बन्ध् में की हैं भी बाक्रीय ह---

- (क) इस मुखना के राजधन में प्रकाशन की तारीख है .45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बचींच बाद म समाप्त होती हो, के भीतर वृज्ञोंकत व्यक्तियों में से किनी व्यक्तिस स्वापः
- (व) इस स्वना के राजपत्र की प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी कें शास मिकित में कियू वा बकोंचे।

स्वक्षीकरण:—इसमें प्रवृत्त सन्ती और पदों का, को अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित हैं। वहीं अर्थ होपा को उस अध्याय में दिका गया है।

#### बन्स्थी

प्रथम खण्ड, प्रापर्टी, नं० 462, क्षाचादी 208 वर्ग गण । बलाइ एस०, निवासीय कालोनी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-1, नई दिस्सी

कारीख: 31-12-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस. . . . . . . .

बायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिक)

प्रजंन रेंज:-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोक 2 जनवरी, 1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

होंगर जिसकी सं० क्षेत्रफ क 5250 हमें गज है स्था जो प्राट 6 ग्याफ ए, मीर्न की-प्राट इन्डिस्ट्रियल इस्टेट िलिटेड, बदापा में स्थित हैं (श्रीर इन्डिस्ट्रियल इस्टेट िलिटेड, बदापा में सिया हैं (श्रीर इन्डिस्ट्रियल इस्टेट किलिटेड, बदापा में सिया हैं), श्रीर पिर्ट्रिट की श्रिष्ठ परि श्रिष्ठ परि श्रिष्ठ परि श्रिष्ठ परि श्रिष्ठ की स्थापती में भारतीय पिर्ट्रिट की श्रिष्ठ परि हों परि मुद्दे कि स्थाप की उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान हितयम के तिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रुम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का श्रुम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का श्रुम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का श्रुम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे कन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तब पाया चंडा प्रतिफल, निम्निलिडित उद्देश्य से उसत कन्तरण कि जिल के बासर की सास्तिक कर से कियत गड़ी किया गड़ा है रू

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए आदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

बार बाब, अवस अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरक कों, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) है अधीत, निम्नलिबित स्पिक्तयों, अधीत:—

- (1) मैंससं स्वराजको इम्बस्ट्रीज, 29, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली।
  - (घग्तरक)
- (2) मैसर्स स्वराज को इंग्जीनियरिंग प्रा० लि० 29, भेदाजी सुमाव मार्ग, नई दिल्ली।

(मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उन्त राम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप अ---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की संवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, को भी वर्षीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचींका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूच किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहरताक्षरी के दश्च दिवस में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बा और पदों का, वो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

### बर्ज्यों

प्लाट तं० ६, ब्लास ए, मोहन को-प्राप० इर्व्डस्ट्रियस इस्टेट, नई दिल्ली गांव तेजपुर पुल पहलाद धली तहुर्वाद घोर बदरपुर, दिल्ली शांचाची 5259,94 वर्ग गण।

> बार॰ पी॰ राजेश सक्षम प्राधिका<u>री</u> सहायक सामकर सायुक्त (निरीक्षण) संजैन रेंज-1; दिल्ली

दिनोक: 2-1-1986

### प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ध (1) के अधीन सूचना

#### नारत सरकार

### कार्यांसय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्स)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर, 1985

ंनिर्देश सं० भ्राई०ए० सी०/एक्यू०/1/एस० स्नार०-3/5-85/ 69—स्रत मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ए-131, ष्टिफेंस कालोनी, है सथा जो नई दिल्ली-1 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधड अनुसूची से ग्रीर पूर्ण कृप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीक्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 85

की प्नॉक्त सम्पत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के दरगमान श्रीसफन के निए जन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि स्थाप्नॉक्त संपत्ति का उचित बाबार क्या, उसके दश्यमान प्रतिफन से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल में अधिक है जीर जन्तरक (जन्तरकों) जीर जन्त-रिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिकों अद्योग एसे उन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्तिकों अद्योग एसे उपसे जन्तरण लिकित में बास्तविक क्या से क्षीयत हीं किया जया है क्ष-

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उपत विधिनियम के द्यंपीन कर देवे के बन्तरण क दायित्य में कमी करदेवाउससे वचने में सृविधः केलिए; और/बा
- (स) एंसी किसी नाथ वा किसी धन वा अन्य बास्तियों करें, विन्हों भारतीय बावकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए;

बतः भव , उक्त विभिन्यम की भारा 269-ग के अनुबरण में , में , उक्त विभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- 27-446 QI/85

- (1) श्री लवतार जिह्न सुप्रत लाल सिंह निवासी एस-285, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली। (श्रन्तर्क)
- (2) श्री प्रकार चंद्र खुराना सुमुत्र श्री तुलसी दास निवासी 1/1, रीगल बिल्डिंग, कनाटप्लैस, नई दिल्ली।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, को उक्त किंतियम, के अध्याय 20-क में परिशाधिक इ<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका। वका है।

### अनुसूची

प्रापर्दी नं ॰ ए-131, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

मार० पी० राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, दिल्ली

विनांक: 26-12-1985

मो**ष्ट**ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्वार

#### भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस. ग्रार०/3 5-85/70—-ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एरिया 200 वर्ग गज है सथा जो प्लाट नं० 34, ब्लाक एच०, एन० डी०एस० ई-1, गांव कोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप वे विणा है), रिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय नई दिल्नी में भा तीय किस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 85

ा पर्वाकः सम्मन्ति के उचित बाजार मृह्य है कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृष्य, उसके क्यमान प्रतिफल है, एोर्ने क्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से निभक है और बंदरक (बंदरका) और बंदरिती (बंदरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए हम पामा नवा प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में नास्त-विक क्य में कीयत नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरक से सुद्दे किसी बाय की बायत उक्त बाध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें उथने में सुविधा के लिए; अपि/वा
- (व) पंत्री कियी नाम मा कियी थन मा नंत्र नास्तियों को, चिन्ही भारतीय नाम-कर निभिन्नक, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्नक, 1922 का 11) या उनत निभिन्नक, मा चत्र-कर विधिन्नक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या ना किया नाना नाहिए था, क्रियाने में सुविभा के क्रिया

अत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) वीकधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित :— (1) श्रीमती राम प्यारी पाल स्वर्गीय गुरदास सिंह निवासी 1439, यूनियन स्ट्रीट, पाको मानिला, फिलीपाइन्स, क्षारा गुरमीत सिंह चीहान, 22 रिवर वीव रोड, नंगल, टाउनसिप, जिला रोपड़, वर्तमान समय नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री बी० के० ग्रग्नवाल, सुपुत्त राम निवास ग्रग्नवाल 2. कुसुम ग्रग्नवाल, पत्नि बसन्त ग्रग्नवाल, 3, मास्टर गौरव ग्रग्नवाल, श्रीर मास्टर गगन ग्रग्नवाल पुत्न बसन्त कुमार ग्रग्नवाल निवास स्थान → -एच०-4, एन०डी०एस०ई०-गर्ट-1 नई, दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्ववाहियां चुक करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविभ या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्यः व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाद निवित् में किय वा सकेंगे।

त्वच्यकरणः---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनयम के अध्याम 20-क में परिभावित है, वहीं नर्थ होपा को उस कथ्यान में दिया वहा हैं॥

### अगुसूची

प्लाट नं० 34- ब्लाक एच, एैन०डी०एस०ई-1, गांव कोटला मुखारक पुर, 200 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश संक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 26-12-1985

प्रकार कार्य . बी, एत , एवं .....

आधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

### ation means

कार्वासय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

. ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/1/एस० आर.-3/5-85/71—आतः मुझे,, आर० पी० राजेश वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आइल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 75 वर्ग गज है तथा जो एस०-189, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विद्वित है), रस्ट्रिकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्ष्यमान शिवक्रत के लिए जन्तिरत की नई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने के आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच पूर्स जन्तरण के शिष्ट् त्व पावा ज्वा अतिफल जिम्नसिवित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण निवित्त में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त नीधनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने नो सुविधा के बिक्; बार्/बा
- (क) एंती किसी बाव या किसी थन वा बस्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय बाव-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा ब्यन्त वृधिनियम वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में तृषिधा के किया

वस्त वन, उन्त अधिनियम की भाग 259-न के बनुसरक कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीव :--- (1) गैबरियल गारमों स प्राईवेट लिमि० एस०-14, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा वशेश्वरनाथ साहनी

(भ्रन्तरक)

(2) कमोडोर जयशंकर मेहरा सुपन्न स्वर्गीय भ्रार० जे० महरा, 2, मिसस कैलाश मेहरा पत्नि जय शंकर निवासी द्वारा श्री ए० एम० भीढ ई-63, वसन्त मार्ग, वसन्त विरुलर, नई दिल्ली। (भ्रन्ततिती)

को सङ् सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त रूपरित के वृर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप .---

- (क) इस नुवना के धवपण में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बबिध, को औ बबिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त क्वित्रयों में से किसी क्वित हवाय;
- (व) इव सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किती मन्य स्थानत व्वारा सभोहस्ताक्षरी के पाव तिचित में किए वा सकेंगी।

एच-189, 75 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिस्ली

म्रार० पी० राजेश सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 26-12-1985

मोहरः

### प्रकृष बाई . ही . वृत . वृत . -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-च (1) के मभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर, 1985

निदश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० शार०-3/ 5-85/72→मतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनयम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

भीर जिसकी सं० क्षेत्रफ़ल 250 वर्ग गज है तथा जो प्लाट नं० 43-एम०, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण भिधिनियम, 1908 (1808 का 16) के भधीन, दिनांक मई, 85

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के असित नाजार मृत्य से कम के दश्यमाभ्य दिक्का को निए जन्तरित की नद्दं हैं जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि नथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नावार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत सं, एसे दश्यमान प्रतिकृत के पंद्रह् प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में मास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/मा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियी को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियाँ, अर्थात् ध—~ (1) मैरसं कानवस्य थां इष्टर द्वास्) धार्मित्-सोनायटी नं० 5885, पंजीकृत दिनांक 26-7 73 द्वारा रिजस्ट्रार सो पयटीज श्री असवन्त निह सुपुत्र साहिब सिंह निजासी एम-41, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48

(भ्रन्तरक)

(2) सौरभ सेंटर प्राइित प्राप्त नं० 3, मस्जिद मोठ नई दिल्ली-48 ब्रारा श्रीमती श्रला जैन, पतिन पत्नि एस० के० जैन, निवासी रेलवे रोड़, रोहरूक हरियाना श्रीर श्रीमती कलावती पतिन स्वर्गीय बी० एल० पांडे, निवासी शाप नं० 3, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली-48

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्चन के किन्न कार्ववाहियां करता हुं।

खबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क्ब्र) दुख सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीचा है हैं दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीध, को भी अविध बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर वृज्योंच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितवक्ष, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात तिविक्त में किए वा सकोंगे।

स्पद्धां करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्क जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याद में दिका गया ही।

#### उपस्प

प्लाट नं० 43, ब्लाकु एम०, ग्रैटर कैलाश-2, न**ई दिल्ली-48** तादादी 250 वर्ग गज।

> श्रारः पी० पाजेस सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-1, दिल्ली

दिनार: 26-12-1985

मोहरः

प्ररूप आड्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीम स्चना

भारत सरकार

भार्याबय, नहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निद्रेश सं० आंई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-85/73—आं: मुझे, आर० पी० राजेश आयकर एपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भि, चिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० क्षेत्रफल 262 वर्ग गज है तथा जो प्लाट नं० 51-एम, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनौंक मर्ज 1985

को पृथें किस सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को ध्रदः, मान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वाध करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित ग़ाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एं यं दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा म्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गमा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बावत, अल्ब्र अभिनियम के अभीन कर दोने के सन्दरकः भे बासित्व में क्यी करने ना अवर्थ वक्त के बुद्धिक के निष्धुं जीर/वा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्य जास्तियों कों, जिन्हें भारतीय जायकर जीविनयंत, 1922 (1922 का 11) का उक्त जीविनयंत, या धनकर विविनयंत, या धनकर विविनयंत, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित इवारा प्रकट नहीं किया या था का किया जाना थाहिए था, कियाने में तृषिधा के किए;

अत: अबं, उक्त जि**धिनियम की धारा 269-ग के अनुधरण** - माँ, गौँ, उक्त अधिनियम की **नारा 269-न की रुपधारा (1)** के अधीन, निम्ननिस्ति क्य<mark>ंक्तियों. अर्थात् :----</mark> (1) श्री सोहन मिह ग्यानी सुपुत्र श्री कृष्ण मिह, श्रोमती जगदीश ग्यानी पितन सोहन सिंह ग्यानी निवासी-127-128, दया चन्द कालोनी, लाजपत नगर-4 नई दिल्ली-24

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्म फाइवर्स एण्ड फैबरिक्प लि० द्वारा डाय-रेक्टर मुरेश मर्राफ मुपुत्र इन्दर चन्द निवासी -114, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली-48 (न्य्रन्सरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए स्वार्यवाहियां करका हूं।

उक्त संपर्क के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के संजयन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तानीब से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस तुमना के राभित ने नकाशन की तारीब से 45 दिन के भीट र अपत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य मांविस इनारा, मभोहस्ताक्षरते के पास किसित में पिश्व या सक्तेंगे।
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

#### बनुबूची

प्लाट नं० 51, ब्लाक एम, ग्रेटर कैशाश-2, नई दिल्ली-48, तादादी 262 वर्ग गज।

> श्चार० पी० राजेश मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनौंक: 26-12-1985

मोहर

### प्रकल काई. टी. एन. एवं,⊭----

## नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्वालयः, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 26 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एम० श्रार०/-3/5

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा यया ही, की भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसको सं० एरिया 259 वर्ग गज है तथा जो एम-8 1 ग्रीटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निकास करने का कारण है कि दथानूबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) संधरण से हुइ किसी साब की बाबस, तबस सिंधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक की राजित्य में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (ब) एसी किसी नाव या किसी भन या बन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आयक र अधिवयम, निर्मा (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना पाहिए था, क्रियाने में सुनिका के दिन्ए;

वतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए में अनुसरण वै, वे, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वै विधान, निम्निसिंग्ट व्यक्तियों, वर्षात् हुन्न

- (1) श्री वरिन्द्र कुमार वर्मा सुपुत्र डा० परमानन्द वर्मा निवासी ए-47, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (ग्रन्नरक)
- (2) श्री अगोक मेहरा सुपुत्र एच० सी० मेहरा निवासी सी-151, डिफेंम कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिएं कार्ववाहियां कुरू करता हुं।

### उच्छ सुम्मीस के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इत ब्रुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियाँ पद ब्रुचना की तानील से 30 दिन की वविष्, अर्थ की अविध बाद में तजाप्त होती हो, के शितर पूर्वोच्छ काश्तियों में ते किसी अ्यन्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच म 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के गास निवित्त में किए जा तकोंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त सक्यों और पदों का, जो उनक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा ही।

#### -

मकान नं० 8 1, ब्लाक एम, नादादी 250 वर्ग गज ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

> श्रारः पीं० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, दिल्ली

दिनाँक 26-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सृभना

भारत सरकार

### कार्यालय, तहायक आवकर आवृत्क (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 26 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० श्रार०-3/5-85/75---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश गावकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिंचे इसकें गर्याए 'उन्त विभिन्निवन' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन तक्षभ प्राधिकारी काँ, वह विश्वाद करन का कारण है कि स्थावर संवीत जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ज़्लाट नं एस०-402, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाँक मई, 1985

का वृशेंका संपत्ति के खींचत बाखार मृत्य से कन के दर्दमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है बीर मूझे वह विवयात करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त संपत्ति का उपवित बाखार मृत्य, उसके दर्दमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिक्ता से अभिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्त-रिसी (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लए तब पाचा गवा प्रतिक्क निम्नीजिक्ति उद्देश्य के उस्त अन्तरण शिक्ति में भारतिक रूप से करियत नहीं किया गवा है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को बंतरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्स आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाबकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविभा के किए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्योक्तयों, बर्धात् :--- (1) श्री सुमन कुमार 2-ए/48, लाजात नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रं। रमन श्रानन्द डी-28 9, डिफेंप कालोनी, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

कां बहु सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवज में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन की जनीं वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनीं , जो भी जनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाश्व की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हिझा-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहत्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वथा परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### मम्बूषी

प्लाट नं० एस०-402, ग्रेटर कैलाश-2. नई दिस्ली।

ग्नार० पी० राजेश मक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-1, दिल्ली

विनाँक: 26-12-1985

मोहर

परूप बाइं. टी. एत. एत. -----

अध्यक्तर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग २६०-व (1) के वधीन स्थान

#### मारत सरकार

फायांनय, सद्ययक शायकर जायूक्त (निरीक्तन) जायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 26 दिसम्बर, 1985

निद्रेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 5-85/76---श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० एरिया 4285 वर्ग फुट है तथा जो बी-46, महारानी बाग, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनौंक मई, 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से एसे इस्बनान प्रतिफल का पंछर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिवित उद्देश्य से उचत बंतरण निकित में वास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है ह—

- (क) बुस्तरण्वं हुइ किसी बाव् की बाव्छ छक्त्य विधिनियम के वधीन क्रार्ट्स के अन्तरक की युक्तिया को कभी करने वा उसके बचने में सुविधा के सिए; बौटु/बा
- (च) ऐती किसी जान वा किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था, प्रिध्यायं स्विभा से तिक्;

(1) श्री विद्या चरण मुक्त 1, विलिग्टन किर्सेट, नई दिल्ली।

(प्र∺ारक)

(2) श्रो प्रतान पिह, सावित्री प्रतान सिंह 5, बेस्टरन एवेन्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

,**को वह जूनना चा<u>री</u> करके पृथाँक्त सम्पत्ति के उन्**नि से किए. कार्यवा**हियां** करता **हां**।

### उक्त कम्पृत्य के वर्षन के सम्मन्य में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकादन की ठाड़ीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नादं में समाप्त होती हो, के शीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाक्ष लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त हिंदिनवर्ग, के बुध्याय 20-क में प्रिशावित हैं, वहीं वर्ष होगा जा उस बुध्याय में दिया, व प्या हैं।

#### प्रनुपू ची

बी-46, महारानी बाग, नई दिल्ली एरिया 4285 वर्ग फीट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, दिल्ली।

नतः जब, उथल जिभिनियम की भारा 269-न के जनसरक में, में अक्स जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यिक्कां. लुभीत :--

दिनाँक: 26-12-1985

मोहर

प्रकम बाह् . दौ . एन . एस . --------

जावकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन स्चना

#### ब्राइत स्ट्रका

कार्यालय, सहायक बायकार वाय्क्त (निरक्षिक) श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें

ग्रज न रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 26 दिसम्बर, 1985

निद्रेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/1/एस० आर-3/5-85/77—च्यतः म्∯, आर० पो० राजेण

इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृस्य 1,00,000/- सा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० एरिया 550 वर्ग गण है तथा जो प्लाट नं० एस-531, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, दिनाँक मई, 1985

को प्रविका एंपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, असके द्श्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कस, निम्नलिखिस उद्वोद्य से उपल अन्तरण लिखित में वास्तिक ज्या म कथित नहीं किया गया है:~-

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त **वधिनियंत्र के बधीन कर दोने के अन्तरक के** दासिस्य में कबी करने या उसने अवने में सुविधा के मिए; साँग/या
- (श) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रमुख्य व्हींपियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारणार्थ अन्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था या किया बाना चाहिए था, कियाने ये वृत्तिथा के सिक्;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 28—446 GI/85 (1) श्री श्रमिल कुमार गुष्ता सुपृध श्री जगदीण प्रसाद गुष्ता, निवासी सी-355, ष्टिफेंस कालीनी, नर्ड दिल्ली वर्तमान रह रहे हैं 14, श्रानन्द चीठ, नर्ड दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) फिरोज कल्प्ट्रक्शन प्रा० लि० ए५०-439, ग्रेटर कैलाश-1, द्वारा किरोज मालिक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यबितयों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस स्था के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थापित में हिंतसक्ष किसी सन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्वच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तत विभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया हैंडी

#### न्यस्यो

प्लाट न० एय-531, तादादी 550 वर्ग गज ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजण सजट श्रधिकारी सहायम श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंच-1, दिल्ली।

दिन<sup>‡</sup>क: 26-12-1985

मोहर

# प्रकृत बार्च, ही, एन, एस ------

# भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के सथीन क्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्राजिन रेंज-1, न**ई** दिल्ली न**ई** दिल्ली, दिनांचः 31 दि**सम्बर 1985** निद्रेश सं० भ्राई०ए०सी०/एनयू०/1/ए**ड**० ग्रार०-3/5-85/ 78 —श्रतः मझे, ग्रार० पी० राजेग,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नद्धा गवा है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 208 वर्ग गज है तथा जो प्रथम खण्ड ई-126, प्रैटर केलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्री- करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 .7 16) के ग्रधीन, दिनां ह मई, 1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उदके अवमान प्रतिफल से, एसे अवनान प्रतिफल का पंदाइ शिवचर ने अभिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती 'अन्तरितिया') के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा य जना, और/या
- (क) इसी किसी नाव वा किसी धन वा बन्धं शिस्तियां की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधीनवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधीनवस, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के स्थाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के निक्तः

वितः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

- (1) श्रीमती सहानी जोहर पत्नि श्री जी० एस० जोहर,सी-170, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्तर√)
- (2) श्री डी० एन० कत्याल सुपुत्र गंवार दास वर्याल निवासी ए-31, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली (ग्रन्तिरी)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के सबभ मा काइ भी बांभग .---

- (क) इस भूचना में राज्यत में प्रकाशन की तारिब से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितंबद्दथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी को पास विविध्य में किए का बजों ने।

लाकी करणः — इसमें प्रयुक्त सम्बों निर्मा का, सो उनके अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्ज होगा, को उस अध्याय में दिया कहा है।

# ध्रनुसूची

न० ई-126, सादावी 208, वर्ग गज ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सञ्जम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रोज-1, नई दिल्ली 1100 02

विनांवः: 31-12-1985

प्ररूप आहें. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई बिल्ली, दिनांनः 2 जनवरी 1986

निदश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/5-85/79 --ग्रत: म्झे, ग्रार० री० राजेश,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री हती श्रिधकारी के दार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री इरण श्रिधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, मई, 85

की पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूषमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूषमान प्रतिफल से ऐसे श्रूष्य न प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती, व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः दयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 259-भ की उप गरा (1) के अशीरा, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीर्त क्र-- (1) श्रीमती प्रेम लता सरोवर पत्ति स्वर्गीय युधिष्टर देव सरोवर निवासी एस० 488, ग्रेटर कैनाण 1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशील गुलानी परिन ए० डी० गुलानी निवासी एस०-488, ग्रैटर केलाण-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 बिन को अविश्व मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों एर स्थान की तामील सं 30 दिन की अविश्व जो भी अविश्व बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके हैं।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

दूसरा खण्ड, एक ड्रांडग रूम, एक ड्रांडिंग रूम, एक एक रसोई, तीन बेड रूम, तीत ट्रांबाइलेटस, एक दर्भचारी रूम 1, प्लाट पर बना तादादी 215/1/2, वर्ग गज, प्लाट नं० एस-488 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश पत्रन प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नर्ष दिल्ली-110002

दिनांबः: 2-1-1986

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन सुचना

#### भारत तहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनां ह 31 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० क्राई० ए० सी०-/एक्यू०/1/एस० क्रार०-3/5-85/80--क्रतः मुझे, क्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव एरिया 896 वर्ग फीट है तथा जो प्लाट एसव-457, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) प्रजिस्ट्री तो ग्रीध ारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री क्रिया ग्रीध तथा 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांवा मई, 85

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया यथा है दे—

- (क) संसरण से हुइ किसी साथ की धानत, उनते सिंपिन्दम के स्पीन कर दोने के संतरक के शायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अ ग्लिए, और/बा
- (थ) इसी किसी बाब वा किसी धन था बन्य वास्थियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार नीधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

शतः शवः, उक्त शिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण थें, भैं, जक्त श्रीभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीतः, निम्निसित व्यक्तियों, संघति ।-

- (1) श्री प्रवेश कुमार कक्कर सुपुत्र हरी राम कक्कर निवासी ई-603, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश चन्द सुपृत वेद व्यास ग्रीर श्रीमती कुकू महाजन, पित सुरेश चन्दर गगा ग्राइस फैक्टरी, कुरूक्षेत्र एफ-1/9, मालविया नगर नहीं दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सुचना जारी करके पृष्ठित सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितमबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शब निवित में कियं जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीपनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव नवा हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 6, तादावी 896, वर्ग फीट, एस-457, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, विल्ली न**र्ड** दिल्ली

दिनांक: 31-12-19**85** 

प्ररूप आहर्षे.टी.एन.एस.-----

आयं जर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द भारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार ्

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, नर्षे दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ३ 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० म्रार-3, 5-85, 81---म्रात: मुझे, म्रार० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्जित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं है, तथा जो ई-266, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधि-क्षीरी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

करने का कारण है। के

यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिकल से, एसे क्याबान प्रतिकल का पंक्क प्रतिकत से अभिक

है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच

एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखिल

अब्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत

अव्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कामी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वयः, उक्त विधिनियतं ्षी भारा 269-ग के वनवरण में, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभारः (1) के बभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, वर्धातः :---- (1) कैस भ्रमरजीत सिंह जोहर सुपुत्र स्वर्गीय भ्रजीत सिंह जोहर सी-139, डिहोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेण पत्नि सतीश वर्मा निवासी बी-4, कैनाण ग्रपार्टमेंटस, नई दिल्ली।

अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्णेक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिः कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 1.5 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एसं लिखित में किए जा सकनें।

# नन्स्ची

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

दिनांक: 31-12-1985

# प्रकार बाई : हो । एकः इस ४०० ० ० ०००

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्चना

#### महत्त्वः सहस्रहर

# कार्याजय, ब्रह्मयक नायकर नायुक्त (निर्देखक)

प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 विसम्बर 1985

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं एरिया 1032-2/9 वर्ग गज है तथा जो ई-27, डिफोंस कालानी, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची श्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त संयक्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के सम्यमान पितफल के निए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निक्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार अल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा अतिफल, निक्निवित उच्चेक्स से उक्त अन्तरण जिल्लिय के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की वावत, उपत विधिनियम के वधीन कर दोने के जम्त्ररूक के दावित्व में कभी करने या उत्तते वधने में सुविधा के सिए; बॉड/बा

बतः अव, उक्त अधिनियमं की धास 269-ए के अनुसरण वं, के उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे रधीन, निम्नसिकित व्यक्तिकों, वर्षां ध--- (1) ले॰ वार भीषिन्द्र सिंह विमनी (2) बिरन्द्र सिंह विमनी (3) सुरिन्द्र खिंह विमनी (4) बरी-जिन्द्रर सिंह विमनी (5) मेजर तेजेन्दर सिंह (6) हरिन्द्र सिंह चिमनी निवासी सी-595, डिफेंस बालोनी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रानन्द चौहान, ग्रहन चौहान, ग्राजय चौहान मास्टर ग्रतुल चौहान, निवासी ई-27, डिफेंस कालोनी नई विस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति कं वर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

# स्थत सम्मरित के बर्चन के संबंध में कोई भी आखेर ह--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की टामील से 30 दिन की जनभि, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी बन्य व्यक्ति इवारा, बभोहस्ताक्षरी को पास जिस्ति में किए वा सकोंगे।

रमधीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कर्मा नीड पर्यो का, हा उन्ह नीधीनवम, के नध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### नम्स्पी

एरिया 1013-2/9 वर्ग गज ग्राउण्ड फ्लोर, प्रथम खंड ग्रौर द्वितीय खंड 6000 फीट।

> म्रार० पी० राजेश . सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रोंज-1, दिल्ली

दिनांक: 26-12-1985

मोहर 🏻

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मई जिल्ली, दिजांक 2 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/एस०आर०-3/5-85/ 84--अतः मुझे, आए० पी० राजेश,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

र्मार जिन्नकी सं० 300 वर्ग गज है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1 नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणि: है), रजिस्ट्री ती अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में रजिस्ट्री करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिना के मई, 85

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिलह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निज्ञित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की गवत, उक्त विधि-नियम के अभीन कर दोन के अंतरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बल बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्त, व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) श्री हरीश चन्दा सूपुत्र श्री ग्याम चन्दर निवासी मी-198, ग्रेटर कैलाश-1, भई दिल्ली ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती बिमला कपूर पितः स्वर्गीय जगमोहत कपूर निवासी सी-407, प्रगति विहार होस्टल, नजदीरु जवाहर लाल स्टेडियम, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को बह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कि में से किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त कि पिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया थवा है।

#### भनुसूची

प्रथम खण्ड प्रा० नं० सी-198, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-1, दिल्ली ई ल्ली 110002

दिनांक: 2-1-1986

मोहरः

प्रकप बार्खा, भी. एन . एस . -----

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के वभीन सुवना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, मई दिल्ली,

मई दिल्ली, दिशांक 26 दिसम्बर 1985

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०-3/5-85/85—अत: मझे, आर० पी० राजेण

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिपकी सं० एरिया 6200 वर्ग फिट हैं तथा जो 54 रिंग रोड, नई दिल्ली लाजपत नगर-23 में स्थित है (श्राँर इतने उपाबड अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक मार्च, 85

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विषयास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्स संपत्ति का उचित बाजाम मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे सममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्निसिचित सब्देश से उक्त अन्तरण निम्निसत्त में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिमिनयम के सभीन कर दोने के बन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय था किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्हान की सुकिस्त के निष्।

लतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सभीय. निकरितिका अधिकारों, सर्वीतः (1) श्री परेन्द्र नाथ पहरात सी-29, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लाडली प्रमाद जायसवाल बी-69, ग्रेटर कैलाण-1, सई दिल्ली।

(अन्तरिती )

की यह सूचना जारी करके पूर्वोबस मम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुः।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्बं, ५% भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीष्ट म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति देवारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिलान का क्वार का स्वीतः

# नन्स्ची

54, रिंग रोड, भई दिल्ली लाजपत नगर-3, मई दिल्ली एिसा 6200 वर्ग फीट।

> आर0 पी० राजेश सक्षम अधिकारी ल्स्हायक आयकर जायुक्त (सिरीक्षण्ये) अर्जन रेज-1, ार्ड दिल्ली

दिशां ह: 26-12-1985

प्ररूप नार्ष .थी .एव .पाव .-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### · भारत *चरकार*

कार्यालय, सहायक नामकर भाष्यक (निरक्तिण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1986

ितदेश मं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/एस०आर०-3/5~ . 85/86—अत: मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ू(चिर्च इसऑ

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं 100 वर्ग गत है तथा जो काल जाजी, नई दिल्ली में स्थित (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 85

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उषित बाकार मृत्व हो कम के स्थमान वित्र कि के सिए अमितरत की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मृज्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पम्बद्ध प्रतिखत हे अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और नंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शवा क्या प्रतिखत , निम्मीविध अव्योग से उन्तर अन्तरण के लिए तय शवा क्या प्रतिखत , निम्मीविध अव्योग से उन्तर अन्तरण की लिए तय शवा का प्रतिखत , निम्मीविध अव्योग से उन्तर अन्तरण कि लिए तम शवा के नास्तिक रून से मीजस नहीं किया गवा है:—

- (<sup>\*\*</sup>प) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उक्त बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाब भा किसी धन वा अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ३.व., अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वन्नरण भ्रें, में अक्त अधिनियम की धारा 269-व की वनवारा (1) हे उन्हीं जिस्लिकित व्यक्तियों, अधित्:—

29-446 GI/85

- (1) श्री रधुनाथ प्रसाद सुपुत्र स्वर्गीय हरी जन्द जै-11, जंगपुरा एक्स्टेंशा, भई दिल्ली । (अन्हारक)
- (2) श्री सूबीर कुमार वर्मा सुपुत्र देश राज वर्मा  $\frac{4}{3}$   $\frac{4}{178}$ , अमर कालोनी, लाजपत नगर, न**ई** दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करके पूर्विक्त सम्बद्धि के अर्थन के लिए कार्यपाहिंसी करका हुं।

जनत संपत्ति के भवीन के तंबीय में कोई भी माक्षीप :---

- (क) इस ब्यान के राज्यका में प्रशासन की तारीक में 45 दिश की नवीं। या तस्सम्बन्धी स्मन्तियों जर स्वाम की तासीत से 30 दिन की नवीं। को भी बाधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रशासन स्वनिक्यों में से फिजी स्वप्ति ब्यास्त;
- (व) इस कृषका के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म कियी कन्य व्यक्ति क्वारा स्थाहस्ताक्षरी के बाद विविध्त में किए वा सकीये।

स्थाधीकरणः — इतवें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, यो उपत जीधीनवन, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बड़ी अर्थ होगा यो उत अध्याव में दिया गया है।

# अमुसुची

प्रो॰ सी-81-ए कालकाजी, मई दिल्ली 100 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश, राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-1, नई दिल्ली

दिमोक: 2-1-1986

मेह्हर :

# प्रकृष कार्ड्, टी अपने एस . -----

आवकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन

#### भारत बहुकाई

# कार्यालय . सहायक बायकर वाव्यः (निद्वास्त्र)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिशांक 25 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 5-85/87—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहले पहलात 'उन्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षत प्राधिकारी को यह विकास कारणे का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत नाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिल्ला प्रापे० नं० 56/2, है तथा जो हनुमान रोड, मई दिल्ली तादादी 2015.2 वर्ग फीट में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक मई, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य वे कम के दश्यवाद शित कस के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वायार अन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्ति का पत्ति

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की नामत, क्ष्मब बहिषणियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के खिलक में कभी करने ना जन्म नमने में वृष्टिशा के ज़िल्हा जोड़/वा
- (घ) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्त आस्तिवां की चिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औं सिद्धां

नकः हन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ए के बनुबर्स हो औ, इक्त विधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) के करीन, निस्तिविद्या स्थापितमों, नुषांब ॥

- (1) श्री घमन लाल साथ सुपुत स्वर्गीय राजा राम निवासी ए-6,1, वसन्त बिहार, नई दिस्सी। (अन्तरक)
- (2) श्री अभय कुमार सुपुत श्रम्त लाल, अविभाव र (1') अपिश श्रीर अखिल (छोटे) (2) श्रीमती प्रेमिला (3) रोधन लाल (4) गोपाल कृष्ण भीर स्वयं एच० यू० एफ० और छोटे (5) जगदीश प्रसाद गुप्ता (6) शिश भूषण (7) अष्वनी कुमार (8) मैसर्स मधु मिवासी बी-191, ग्रेटर कैलाश-1, मई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

# उक्त बन्धति के अर्जन के बन्दरभ ने कोई भी नाक्षेप 🖦

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकावत की धारीय वे 45 दिन की व्यक्ति या तत्वम्बन्धी व्यक्तियों दर ब्रुवन की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति, को मी व्यक्ति वाद में त्याच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत ब्रुवन के राजपन ने प्रकाशन की तारीब है 45 विन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वायं अधोहरताक्षरी के पाछ निवित ने किए का ककींगे।

त्त्रक्षीकरणः---इसमें प्रमुक्त बन्दों बीर वर्षों का, वो अवह अधिनियम, को बन्दान 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा को उत्त अन्यान में दिया क्या है।

#### नन्स्वी

प्रोपर्टी नं॰ 56/2, हनुमान रोड़, नई दिल्ली तादादी 2015.2 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जैन रेंज-1, मई दिल्ली

विमोक: 26-12-1985

# प्रस्कृताहर्षः द्वौ . युग . एकः . -------

आवकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यां तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर, 1985

त्रिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/5-85/88---अत: मुझे, आर० पी राजेश

नायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का से सधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से सिंधक हैं

भौर जिसकी सं कृषि भूमि 1 बीघा है तथा जो 13 बीम्बा गांव देवली क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नुह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे बतरण के निए सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित यें शास्तिक रूप से कथित नहीं किया चया है हिल्ल

- [क] बंदरुष से हुई किसी बाद की बादत, उक्त विभिन्निय के वभीन कर दोने के वंदरुक के दावित्य में कभी करने या उससे न्यूने में सुनिधा के निष्; बार/मा
- (व) ऐसी किसी जाब या किसी भन या बन्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या बृज-कह बिभिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविभा को निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पेटिनयों, अर्थात् :— (1) मैसर्स कन्सोलिडेटिड मक्शन प्रा० लि० बी-93 93, लाजपत नगर-1, नई दिल्ली

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती डी० शामबट्टा 162, जोरबाग, नई नई दिल्ली-11003

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्वयक्तिएण: — इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृत्यी

कृषि भूमि । बीघा 13 बिस्वा, खपरा नं ० 8/2, गांव देवली, जिला - दिल्ली।

> आर० पी० राजेश रुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विश्क्षिण) अर्जेश रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनां क : 26-12-1985

मोहर 🖫

# प्रकार कार्ये हुन होता पुत्र हुन है है । - - ----

# बायकर जिपानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुप्रना

#### मारत बहुकार

कांगलिय, सहायक बायकर बायकत (विरोक्षण) अर्जग रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 26 दिसम्बर, 1985 निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/1/एस० आर०-3/65-85/89--अत: मुझे, अत्रु० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के कथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मृत्य 1,00,000∕- रा. से **अधिक है** 

श्रार जिसकी सं० 16 बीघा छोष भूमि है तथा जो गाव समालखा यूपिया अरेटरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर 'इ.प्रमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्री कतम अधिक।री के कार्याक्षय ५६ दिल्ली में पिनस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीय, दिनोंक मई 1985

को प्रकेतित सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के वस्पनान गीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और जन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिकित उद्वेषस्य से उक्त बन्तरण सिक्टि वों बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) सम्तरम से हुई किसी बाय की बासरा, इनत मधिनियम के जभीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए मरि/या
- (क) एंसी किसी नाव ना किसी वन ना अन्य वास्तिनों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिएः

(1) मैसर्स वीटा प्रा० लिमि० रिजन्टर्ड कार्यालय, लक्ष्मी वृत्याः मिल्स, डा० ई० मोसेस रोड, महा-लक्ष्मी, बम्बई ग्रांर ब्रांच राकारी रोड, पी० ऑ० कापसहेड़ा, धई दिल्ली-37

(अन्तरक)

(2) श्री आर॰ एन० साहनी सूप्रत एस० एप० साहनी 803, आकाशदीप, बाराखम्बा रोड्, नई दिल्ली (अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हो।

इक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की बविधा, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी स्पन्ति धुनाय;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थारीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया 🗗।

#### अन्स्ची

कृषि भुमि नादादी 16 बीघा इन खासरा नं ० 18/2, (4-0) 19/2, 23 (23) रेकेंटम्लन ममालका, युनियन टेरेटेरी, दिल्ली

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (भिरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

वत: वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-म सौ बन्यरण , मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीर, निम्नसिवित व्यक्तिये वर्धात् ध---

वितं 7: 20-1-1-1985

मोह्वर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

श्रायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

गई दिल्ली, दिनांक 31 दिलम्बर 1985

भिदेश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/ 1/ए५० आर०-3/6 5-85/1091---अत: मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिनकी सं० क्षेत्रफल 12 बीघा ग्रांर 2 बीट्या है तथा खाइरा नं० 935/1, (2-10), 936 (4-16) 933 (4-16) गाव सतबाड़ी, तहसील महर्गली, में स्थित है (ग्रांर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण का मे विणित है), रिजिस्ट्री क्रित अधिकारी के जार्यालय, भई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अबीध, दिश्तंट मई, 65

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यान प्रतिफल का प्रतिफल के प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय का गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण दिलात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कु

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे नचने में सुविधा के लिए; और/वा
- एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

जत: व्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के वर्णीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) मैननं अंसल हाउसिंग और इस्टेट प्रा० लिमि० 115, श्रेनल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० वधवा 43, पूसा रोड, मई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 12 बीघा श्राँर 2 बिस्वा, खसरा नं 935 /1 (2-10), 936 (4-16), 933 (4-16), गांव सत-वाडी, तहसील मेहरश्रली, भई दिल्ली

आर०पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक: 31-12-1985

# प्रसम् बार्च हो एम्. एस् . -----

# जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के जुधीत सुचना

#### भारत तरकार

भागालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली मईदिल्ली,दिशांक 31 दिसम्बर 1985

निदेश सं० আई० ए० सी०/एक्यू०/३/एस० आर०-3/5-85/89-बी—अत: मुझे, आरण पी० पायोग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० क्षेत्रकल 22 बोघा आर 19 बिस्वा, कृषि भूमि है तथा जो गाव दयोली, कई दिल्ली में स्थित है (भीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थ में विणत है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक मई, 85

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य सं कम के रहयमान प्रतिकल के निष् अन्तरित की गई

हैं और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से करिश्व नहीं सिक्स मंशा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुड़ा किसी आय की बाबत, जनत अभिनियम के अभीन कर वाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जार/बा
- (क) होसी किसी काय वा दिन्ही भन या अन्य बास्तिओं को जिन्ही भारक्षीण आयकर जिन्ही सारक्षीण आयकर जिन्ही स्वास्त्र 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या भन-कर बिह्मितियम, 1957 (1957 का 27) के अकोषनार्थ क्लारिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, तियाने में सुविधा के शिए;

(1) श्रीमती भारती देवी पहिन राधे श्याम निवासी देवली, नहसील मैहरौली, दिल्ली

(अन्तरक )

(2) दिल्ली टावर्स प्रा० लि० 115, ग्रंसल भवत, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

# उनव सम्मान के वर्णन के सम्मन्य के सामेर्ड भी नार्थन :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीत से 45 किन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीत से 30 दिन की नवींच, यो भी जनींच ताय में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (च) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 विश के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में द्वित-बक्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अक्षोद्धकाव्यपी के गाम निवित में किए वा सक्षेत्री ।

र्युक्ट्रिक्ट्रक् ह्र---ब्रुक्ट प्रयुक्त बच्चों ब्रीर पदों का, की स्वयुक्त बच्चों ब्रीर पदों का, की संवयुक्त को बच्चाव 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होना को उस मुख्याय में द्विका गया है।

#### अनु सूची

2/3 भाग कृषि भूमि 22 बीघा श्रौर 10 बिस्वा रेक्ट नं० 30, खसरा नं० 6/1 माइन (0-10) रेक्ट नं० 31, खसारा नं० 12/2 (1-00) 13/2 (0-06), 18(2-07), 19 (4-16), 22 माइन्स **१**स्ट (2-18) 23(6-00) 7/1 (0-12) गांव देवली।

> आर० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

**की उपभारा (1)** दिनां कः 31-12-1985

मोहर:

जतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-क की अनुबारक की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभारा (1) डे क्रभीन, निम्निचित्र व्यक्तिओं, अर्थात् ध-- The state of the s

# प्रकम्ु बाइ'ु टी. पुन्, एस∌ ----अ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन स्चना

#### मारत संदर्भन

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिनम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आए०-3/5—85-89-सी—-अतः मुझे, आए० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. ते अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 12 बीघा श्रीर 9 श्रिस्वा है तथा जो गांव सत्वाड़ी नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), राजरही कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजरही करण अधिनियम 1908 कि (1908 का 16) के अधीन, दिनां ह मई, 1985

को पूर्वोक्षत सम्बक्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिकल के लिए जन्तिरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उपित बाजार बुख्य, उसके द्रयमान प्रतिकल ते, ऐसे अवमान प्रतिकल का बुख्य, उसके द्रयमान प्रतिकल ते, ऐसे अवमान प्रतिकल का बुख्य प्रतिवात ते विभिक्त हैं और बन्तरक (अन्तरक्रें) होर बंधरिती (जंतरितियाँ) के यौच ऐसे जंतरण के लिए तब पाया हुया प्रतिकल निम्नीसिवत उद्देश्य से उक्स बंतरण बिविश्य में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया प्रवा है :——

- (क) जनरथ सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अन्य की बाबत, उक्त अन्य की अन्य की कार्य का करने के बायरक के बायरक में कार्य करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बाहर/बा
- (वा) एंगी किसी आम मा किसी भन मा नत्य वास्तियाँ स्त्रे, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भना भा मा किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुनिवा के लिए;

कदः कवं, उपत अधिनियमं की धारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रांकल हाउँक्षि एण्ड उस्टेट प्रा० लिमि० 115, श्रांकल भवत, 18, के० की० मार्ग, वई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मिन्छि श्रियामीत कोर (2) रनबीर सिह (3) कुमारी किरण दीप कार निवासी 9, साउप एवेन्यू, महारानी बाग, नई दिल्लो।

को यह स्थाना आरी करके प्वेषित सम्परित के वर्षन के तिथ कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

#### उक्त सम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाह्येप उ-

- (क) इस रूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविल या तरमंबंधी व्यक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविष, को भी जविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकि स्थानित द्वादा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत् स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहलाक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

ल्ब्युकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# अनस्पी

कृषि भूमि 12 बीघा 9 विस्ता खसरा नं० 948 (1-01) 950 (2-19) 919 (4-18) 951 (3-11) गांव सनबाड़ी, नई दिल्ली।

आप० पी० राजेण पक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 31-12-1985

मोहर्ै:

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि 17 बीघा 17 बिस्वा है तथा जो खसरा नं० 666 (4-03), 670(4-03) 798 (4-16) 798 (4-15) गांव सतवारी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपबाद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्य, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 85

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्ररिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय क्ली बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन:—— (1) मैंसर्स ग्रंसल हाउसिंग एण्ड इस्टेट प्रा० लि० 115, ग्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(?) मैंसर्स आनन्द एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०), द्वारा कर्ता इन्दर प्रकाश आनन्द, 40 राम नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### असमा ची

कृषि भूमि 17 बीघा 17 बिस्वा है खसरा नं 666 (4-03), 670(4-403), 797(4-16), 798(4-15) गांव सतवाडी, न**ई दि**रुली ।

आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली•

दिनांक: 2-1-1986

# ब्रक्ष बार्ड , टी , एम , एक , , , , , , , , , , , ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) की अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक कायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रोंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० স্নাইত ए०सी०/एक्यू०/1/37-ইई/5-85/1712---श्रतः मुझे, স্বাহত पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारु मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 1600 वर्ग फीट है तथा जो फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रतुश्ची में पूर्ण रूप से विष्ति है), श्रायकर प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मृत्रे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्त से बिभक है और नंतरक (जंतरकार्गे) जोर जंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पामा गमा इतिक्य, निम्निविधित उद्देश्य से उच्य मन्तरण निविध में स्तिक्य, निम्निविधित उद्देश्य से उच्य मन्तरण है कि

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स वीधिनवन के बंधीन कर बोर्च के जन्तरक के शावित्व में कृमी कुरुने या उक्क बजने में सुविधा के किन्दु; बीड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अम वा बन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंसिरिती द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान या मुख्य व वे सिए;

बतः बन, ६ बत बीधीनवन, की भारा 269-न के जनभारतः में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 2**69-न की जपभारा** (1) में निर्मातिष्ठित व्यक्तियों, अधितः १८०० 30—446GI/85

- (1) तरंग धन्द्र भगवती भवन, 31, बी, एम० एन० दश्चनुक्तर मार्ग, शम्बई-400026 (ग्रन्टरक)
- (2) श्रीमती सुधा स्थानिया श्रांर श्रन्य राधा कुः कारुपी रोड, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ज भी कार्क्ष 🕾 😁

- (क) इत स्वना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में तिस्मी अविक्त द्वारा:
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी सम्म व्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षरी के साम सिवित में किए या सकेंने।

स्थळतीकरण :---६सम प्रयुक्त सम्बों और पद्यों का, वा उपके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मंसा है।

#### श्रनुसुची

बहुमंत्रिक निर्माण युप ह्याजिक्य स्कीम, अधीषवर श्रंपीट-मट, 34. फिरोज्ञाह रोड, चर्ड दिल्ली श्वदादी 1600 वर्गफीट,तुसराखण्ड।

> श्रार० पी० राजेश पक्षम प्राविकारी रुहायक श्रया:र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज्या, नई दिल्ली

दिनांक: 6-1-1986

From ETE . 23 OF . .....

# ज्ञायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के सधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्योगय, बहारक भारकर नायुक्त (निरौक्तम)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1713—- ग्रतः मुझे, ग्राए० पी० राजध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उक्त अधिनियय' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पन्ति, जिस्का उचित्र गायार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं 1600 वर्ष फीट है तथा जो फिरोजवाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसके उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से पणित है), आयक्तर श्रद्धिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर ग्रद्धित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रद्धीन, दिनांक नई, 85

की प्रॉक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकत्त की गर्ड हैं बार मुक्त यह विद्यास धरने का कारण हैं कि स्वाप्चॉक्त सम्पत्ति का जॉबत बाजार मूल्य, उसके स्थमान मित्रकत से एके स्थमान प्रतिकत का क्लाइ प्रतिकृत से अधिक हैं और बंतरक (अंतरका) और बंध-रिती (अंतरितिया) को बीच एम संसर्ग के निष् तम पाय विवास में निम्नीसबत उद्देश्य से उक्त बंतरण निवित्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंदरण सं हुई किसी बाय की सायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येगे के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) सेनी किसी भाग मा किसी अन वा अना जानिताओं की जिन्हें अन्यान वाल-नार अधिनिष्या, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनिष्या, या अनकर अधिनिष्या, 1957 (1957 का 27) के प्राचिताओं अविरिती इंदारा प्रकट नहीं किया ग्रेग या पर पर किया जाना चाहिए था, जिलानों से स्थिना के लिए:

सतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री नरेश चन्द्र भगवती भवन, 31-डी, एम० एल० धानुहर मार्ग, बम्बई-400026

(ग्रन्तरक)

(2) म्रादिस्य रिलोटोरस लिमि० 4, इंडिया एक्तचेंज पलेस, कलकत्ता-700001

(अन्तरिती)

स्त्रे वह स्थान भारी करके क्योंक्स सम्बद्धि के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

पलैट जातनां खंड, 1600 वर्ग फीट । एउ पार्किंग स्पेस, बहुमिलना इमारत, हाउसिंग स्कीम, अधिक्थर अवार्ट-मेंट, 34, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेक सक्षत प्राधिकारी नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेक-1, नई दिल्ली

दिनांक: 6-1-1986

# प्रक्ष बाइं.टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### बारत हरकाह

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/1714 ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाः करने यः कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट है तथा जो फिरोजगाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रायकर ग्रिधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रिधिनायम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मई, 85

की पूर्वितित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रियेफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देष्यों से उन्तरण कि निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देष्यों से उन्तरण कि निए सि

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक की बायित्ल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा हो जिए, और/या
- (क) एस किसी आप या किसी धन का बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीब आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सुमन भगवती भवन, 31-बी, एम॰ एल॰ धुनुकर मार्ग, बम्बई-400026 । (ग्रन्तरक)
- (2) ग्रांस ग्रोसियन प्रोपर्टीज लिमि० 17, रघुनाथ दादजी स्ट्रीट, दूसरा खंड, नजदीक हेंडलूम हाऊस, फोर्ट बम्बई-400001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

फ्लैंट छटवां खंड, 1600 वर्ग फ़ीट एक कार पार्किंग मर्ल्टीस्टोरी बिल्डिंग, ग्रुप हाउसिंग स्कोम, ग्रधीश्वर ग्रपार्ट-मेंट, 34, फ़िरोजशाह रोड, नई दिल्ली-110001

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1, दिल्लो

दिनाक: 6-1-1986

महेहर ः

प्रस्य बाह् हो. एत. एव.

# बारकर न[भौनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन कुना

#### ETTES EXPER

# कार्यासय, सद्दागक बायकर बावुक्त (निर्दाक्तिक)

प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37इइ/5-85/-1715 ----श्रत: मुझे, श्रार०पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी मख्या 1600 वर्ग फीट है तथा जो बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनमें उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), ग्राय कर ग्रिधितियम ग्रिधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्राय कर ग्रिधितियम 1961 के ग्रिधोन तारीख मई 1985

को नुर्सीक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के शर्यमान श्रीतपास के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य उसके दश्यभान प्रतिकल से, एसं दश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शृतिक वृद्धिम्मिशिक अनुदेश से अवद बन्दरण विश्वित में अस्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक को खिरवा को कनी कर्ण वा उवचे वचने में बुलिया के लिए; और/धा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उनक विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अन्तरितो इवारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया थाना वाहिए वा, जियाने में सुविधा के विष्हु;

कतः कव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-व व अनुतरक . ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जरश्तरा (1) अधीन, जिल्लानिसर व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री कैलाश नाथ एंड एमोनिएटम 1006 कंचजंगा 18 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केऽएस० सेठ ग्रीर मैसर्स विनासेठ निलक स्ट्रीट चूना मंडी पहाड़गंज, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सुष्ता पारी कारके प्योंक्त संप्रीत के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

# तका बन्धरित में भवंद के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप्र--

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकारन की धारीब हैं
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  ब्बान की दामीन से 30 दिन की नविध को भी
  ब्ब्हिंग बाद में स्वान्त होती हो, के नीतर प्रविक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस मृक्षा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित्तवृष्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताकारी के शक्क मिलित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौका, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या प्रयाही।

#### नन्स्पी

प्लैट नं 1600 प्रथम खण्ड । मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग स्कीम नीलगिरि खुना कारपार्किंग, 9 बाराखस्बा रोड, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 धिल्ली/नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-1-1986

मोहर 🖁

प्रारुष बाहै, टी. एत. एह......

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

# कार्यामय, सहायक भायकर भागुभत (निरीसण)

श्चर्णन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 6 जनवरी 1986

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्पू०/1/37इइ/5-85/1716 --श्रतः मुझे, आर०पी० राजेण,

शायकर श्रांधनियम, 1961 (1961 कः 4.) (निस श्रसमः इसके पत्थात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी आं हि विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या क्षेत्रकल 1810 है तथा जो हनुमान रोड: नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपायत श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रायकर श्रीधकारी के द्यार्यालय नई दिल्ला में भारतीय श्रायकर श्रीधिनयम 1961 के श्रोतंत लारीख गई 85

कां पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का अजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया नावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किवान में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाम की वावत, उक्त विधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक वा दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्टु वार/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क अस्तिरयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधान (1) के अधीन, निम्मतिष्ठिक चिन्तानी, अधीत कि

(1) स्कीयर कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्रा० लिमि० 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) डोली गेंड एंड श्री राज कमल गेंड 171 जुपीटर श्रार्टमेंट 41, कुफरी रोड, बम्बई । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के विक राजनाहियां करता हो।

उक्स अस्यास्त के जर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद मीं समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मीं से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राज्यक्ष में प्रकातन की गराच से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति र हेत्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा अकरों।

स्थळ्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का आ उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता औं उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुस<del>ुची</del>

फ्लैट नं० जो-1 11, हनुमान रोड, नई दिल्ली 1810 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश मक्षम पाधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-1-86

माहर :

TM:422 7 7 7 5 5 5 5 5 5 7 7 7

प्रकार बार्ष ही एवं सभ 🛶 🛶 🛶

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 स (.) के जीव स्थान

भारत सरकार

# कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनौँक 6 जनवरी 1986 निर्देण मं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/ ।/37इइ/5-85/1717 —-श्चतः मस्रे, श्चार०पी० भाजेश,

बायकार मिनिनम्स, 1961 (1961 की 43) ्किस इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अभीत सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वतम करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी संख्या 140 वर्ग फीट है तथा जो वाराखम्ता रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (और इतसे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विण्त है), प्रायकर मधिकारी के ज्ञायांनय नई दिल्ली में भारतीय आयकर प्रधिनियम 1961 के अधान नारील मई 85 को पूर्वांस्थ सम्पत्ति के जिस्त बाजार मृन्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुखे यह जिस्कास करने का कारण है कि यथापूर्वीं तो सर्वांच का 5 कि एएए सूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और बंदीइती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के किए प्रवास गया प्रतिफल, निम्निलीखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में अध्य का एसे अन्तरण है कि अन्तरण कि किए में अन्तरण है कि अन्तरण विश्वत में अध्य का लिए कही है के लिए कि अन्तरण विश्वत में अध्य के एसे अन्तरण है कि अन्तरण विश्वत का अन्तरण विश्वत में अध्य का अप के लिए उद्देश से उक्त अन्तरण विश्वत में अध्य का अन्तरण विश्वत में अध्य का अन्तरण विश्वत का अन्तरण का अन्तरण विश्वत का अन्तरण का अन्तरण का अन्तरण विश्वत का अन्तरण का

- (६) अन्तरण से हुए कि शी काम की प्रयक्त, उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साबित्य में कभी करने या उसके बन्त में स्थिधा से सिए; सौर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, के अपनिकर अधिनियम, के अपनिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया एया भा या किया जाना भाष्या भा विकास स्वीतियम अपनियम भाष्या किया जाना भाष्या भाष्या विकास स्वीतियम

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अवसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन. निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जनदीस खुराना 2882, वाजार पुरेवालान, जाजी हाउन दिल्ली-110006

(ग्रन्तरक)

(2) में जर एक एक एक नाज्या और अन्य ईडॉ-58 टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को सह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संपर्शित की अर्जन की लिए कार्थवाहियां करता हा।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:---

- (ख) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की स्विधि या तत्यां भी व्यक्तियां इर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्गभ, श भी अविधि बाद में कशारी होती हो, दें नीतर प्रकेशिय व्यक्तिता यो से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) १५ ्यता है। जिला में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितवद्ध किसी करत व्यक्ति। इस्तान प्रोण्यानकारी के शस विकास में विकास का सकती।

स्थव्यक्तिकरणः न्यमय अग्रहण संस्ती अस्ति का सामत अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो जस अध्याय में वियार

अन्स्ची

फ्लैंट नं०∼10ए क्षेत्रफल 140 वर्ग फीट स्कीपरभवन, 22, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली

> श्वार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002।

तारीखाः 6-1-86

मोहर .

३कप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत मरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/ 1/37इइ/ 5-85/ 1718 — ग्रतः मुझे, ग्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या प्रथम बेतमेंट एलजीएफ नं० 7 है तथा जो विजय बिल्डिंग 17 वाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसरे उपाबद्ध सनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से बिलित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीकारी के वार्यालय नई दिल्ली में भारतीय स्रायकर स्रोधिनयम, 1961 के स्रोधीन तारीख मई 1985

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जितरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्निकिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सिन्निक स्थ से अधिक नहीं किया गया है

- (क) बन्तान सं हुइ किसी आय को बावत उनत वाध-नियस के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिये:
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य अधिकती करें, जिन्हें भारतीय अध्यक्त अधिनयम, 1922 । १९३३ के १६ वर्ष अन्य अधिनयम, या धन-स्वर अधिनयम, या अधिनयम, या अधिनयम, या अधिनयम, अ

(1) वेद रतन श्रग्रवाल, बी-179, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी०यू० कामय, प्र.प० कामय एंड कम्पनी, नं० 9, तत्र खन्ड, प्रभात किरन, 17, राजिन्द्र ण्लेस, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

का यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक्त के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपह्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशत्र की तारीं है 45 दिन की अविध या उत्संबर्ध व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबेंकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बनसची

प्रथम बेतमेंट/एलजोएफ नं० 7, विजय बिल्डिंग, 17, बारालम्बारोड, नई दिल्ली लादादों 137 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 10-1-86

प्रक्ष आई .टी एर .एस . - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) में अधीन सम्बन्ध

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयजर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनाँक ८ जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सं१०/एक्यु०/1/37ईई/5-85/1719

——अतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बन्गार मुख्य

1,00,000/- रहे. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी संख्या 1600 वर्ग फीट हे तथा जो बाराखस्ता रोड नई दिल्ली में स्थित है (कीर इपसे उपानड अनुसूचों में पूर्ण रूप से विणित है), याज पर यश्चिमारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयक्षरअधिनियम 1961 के श्रधान तारीख मई 1985

को पूर्वक्ति संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर ह का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या पर-कर अधिक्षिण, (957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिसते में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण रूँ, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितां, अधीन :--- (1) सुरशेष पैटा प्राफ्टा मैडिकल प्रो**डक्ट्स लिमि०** 3 मालकामार्ग नईदिल्ली-110021

(भ्रन्तर्क)

(2) मनमोहन एड सप प्रा० निर्मिटेड 4820/24 दरियागंज नई दिल्ली- $110\,002$  (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

ज्वत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल में 30 दिन की अविधि, जो भी तत्रीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त किन्यां में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची ..

पर्नैट 1600 दर्ग फीट 1 भार पार्तिभ स्पेस इन मल्टीस्टांरी मुन हा अभिग सकीम निलिभिरि अपार्टमेंट १ वाराखम्बा रोड नई दिल्ली

> ग्रार० पी० राजेशें मक्षम प्राधिकारी लड़ायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

नारीखा 6—1--8∈ मोहर

#### प्ररूप भाइं. टी. एन. एस., -----

हायकर क्रिपिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के क्रधीन नुचना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, िाँक 6 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37ईई/5-85/1720 —श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस बे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या 580 वर्ग फीट है तथा जो 38 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रायकर श्रविकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रविनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1985

की प्रशिक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधाप्नींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया इतिफल, निम्नसिवित उव्ववेष से उक्त बन्तरण किवित में बन्सविक क्य से किथित में बन्सविक क्य से किथित में

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की दावत, शाक्त अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे ज्वने में शुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय मा किसी भन या अस्य अस्तियों की जिल्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 : ' जि. : 1) जि. उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा

कतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन: निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 31.—446GI/85

- (1) ग्रंगल प्रोपर्टीज एड इन्डस्ट्रीय प्रा० निमि० 115, श्रंयल भवन कस्तूरवागाँधी मार्ग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुनाल गुप्ता भुपृत्व लेट स्वर्गीय योगेण गुप्ता मिसेस उमिला रानी पत्नी स्वर्गीय योगेण गुप्ता श्रीर श्रन्य 202, योगेश्वर, एम-2, कनाटप्लैस, नई विरुत्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख वे 45 विन की बंबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील में 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होतो हों. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पार लिखत में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, थां उपले अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### नग्त्यी

580 वर्ग फीट । पर्नैट नं० 1403, 38 नेहरू प्लेप, नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेण सक्षम प्रधिकारी सहायक प्राय हर श्रायुका (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 6-1-86

प्रारूप आर्ड्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क के अधीन सुकता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी ०/एन्यू ०/ 1/37ईई/5-85/1721

भ्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिवनः' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचितः वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. चे अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या क्षेत्रफल 392 है तथा जो कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्,सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधितियम, 1961 के श्रधीन नारीख मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल ते एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्ट्र से उक्त अन्तरण जिल्लिस में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्रंमल प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीय प्रा० लिमि० 115, कस्तूरवा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) हिंद निहोन प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० पोस्ट बाक्स नं० 76, मुरादाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता दुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पद्मीकरण :--इतमें प्रमुक्त शक्यों और पदों को जो अन्त मधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रन्**म्ची**

फ्लैट नं० 1103, श्रम्बादीय, 14, के जी० मार्ग, नई दिल्ली। तादादी 592 वर्गफीट

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-1-86

यक्त आहू". ट्री . युन् . एख , ५०००-१०११-१०१

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ध (१) के बचीन स्वका

#### भारत तरकार

माथकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी संख्या क्षेत्रफल 850 वर्ग फीट है तथा जो फलैट नं 1101, 14, के मार्सस जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से पूर्ण रूप से विणित है) आयकर भिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 के श्रधीन नारीख मई 85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्ब<u>रण संहुर्घ किलों नाम</u> की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के जन्तरक के व्यक्तित्व में कनी करने या उससे अभने में सुविधा से मिपु; ब्रोड्स/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1987 (1987 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म⁻, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्रंसल प्रोपर्टीस एंड इन्डस्ट्रोस प्रा० लिमि० 115 श्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) हिंद निहोन प्रोपटीं मप्रा० लिमि० पो० बाक्स-76 मुरादाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाभेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कर्स की 45 दिन करीं सबिभ या तरसम्बन्धी व्यक्तिकों प्रक्र सूचना की तामी स से 30 दिन की अवधि, इसे ही अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्दभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ज[भनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

#### नन्त्यी

फ्लैट नं० 1101 अम्बादीप, 14, के० जी० मार्ग, नई दिस्ली तादादी 850 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश मक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीखाः 6−1-86

# प्रस्य बाह्". टी. एन. एवं. जनवन्त्रकारण

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

#### मारत तरकार

भार्यालय, महायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

मई विल्ली, दिनां ह 3 जनवरी 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/1723 --अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिन्नकी संख्या क्षेत्रफल 592 वर्ग फीट है तथा जो कस्तूरका गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप स वर्णित हैं), र्राजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन नारीख मई 1985

- (क) अन्तर्भ वे हुई कियों साथ की वायत, प्रक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वासित्य में कमी काइने या उससे व्यवं में सुविधः के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अब, उत्कल अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियमों. अधीत्:-- (1) श्रंसल प्रोपर्टीस एंड इन्डस्ट्रीस प्रा० लिमि० 115, श्रंसल भवम, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) हिन्द भिहोभ प्रोटिनस प्रा० लिमि० पोस्ट बाक्स 76, मुरादाबाद।

(अन्तरिती )

को सूत्र सूत्रका साडी करके पूर्वोक्य सम्हित्य के सूर्वक के लिख कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

#### क्षवा राज्यित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़का किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए वा सकर्ण।

स्थानिकरणः----इसमें प्रयुक्त धन्यों बीर पर्यों का, जा उक्त श्रीपनियवं, के बभ्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या भूवा हैं।

#### धनुसूची

प्लैंट नं ० 1104, अम्बादीप, 14 के ० जी ० मार्ग, नई दिल्ली तादादी 592 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेग ्र सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-1-86

१७५ वाइं.टी. एन्. इस . ----

नायका अभिनियन, 1961 (1961 का 43) कड़ी भारा 269-म (1) ने जभीन सुमना

#### भारत चुड्यस

कार्यानय, सहायक वायकर नावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, भई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 3 जनवरी 1986

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37**६ई**/5-85/1724 ---अतः सुसे, आर० पी० राजेश,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-श के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 410 वर्ग फीट है तथा जो के० जी० मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ला अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयवन अधिनियम, 1961 के (1961 का 43) अधीन तारीख मई 1985

क्षं पृथोंक्स सम्पत्ति के उपित नाजार मृस्य से कम के क्ष्यजान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाँक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य,, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के कंड्र प्रांतियत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल क.त., निम्नलिचित उद्धेश्य ते उक्त अन्तरण किवित में वास्त-

- (क) बन्करण हो हुए किसी बाय की बावक, बन्नय विभिन्नियम को सभीत कार दोने को बन्तर की शाबित्व में कामी कड़के या असले व्यन्ते में बुविधा को निष्; बांड/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा जन्य जास्तियां की, चिन्हें भारतीय आय-कर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धन-कर वृधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती युवारा प्रकट नहीं किया भया था वा किया थाणा चाहिए था, क्रियाने में सुविधा की सिष्

बत: अब, उक्त जीधिनियम की धारा 269-न के बजुसरण मं, मं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) से बंधीन, निस्तिसिक्क व्यक्तिवारों, जर्मात् ब—

- (1) श्रंसल प्रोपर्टीस एंड इन्डस्ट्रीस प्रा० लिभि० 115, श्रंसल भवम, 16, के० जी० मार्ग, भई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) हिंद भिहोन प्रोटिभस प्रा० लिमि० पोस्ट बाक्स— 76, मुरादाबाद।

(अन्ति रिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध ने कांड भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाकन की तारीब से
  45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हिनजब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्वकतिकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, यो उक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

#### बनुसूची

पलैट नं ० 1102, अम्बादीप, 14 के ० जी० मार्ग, नई दिल्ली। तादादी 410 वर्ग फीट

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

भारी**ख**: 3-1-1986

# प्रकप् भादी, टी. एन , एस , ------

# नायकर मीधनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) को नधीन सूचना भारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/1725 --शाः म्हे, आए० पी० एजिश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित आजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 1003 एंड 1004 है तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोप इनसे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिल्डो कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आय उर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) के अधीभ मई 1985

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित सम्प्रार मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पल्द्रह् भोतस्व से बिथक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उब्दोस्य ने उक्त अन्तरण निवित में नास्तिक रूप से कारत नहीं किया नवा है।

- (क) बन्दाइन संबुध किसी बाव की दावत्, उन्तर श्रीपरिवन् के न्यीप कह को से क्याइक से स्वीपस्त में सुनी कहने वा उन्नरे बडाये में श्रुप्तिक में शिक्ष; स्वीड/का
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए।

भतः अन, उन्हा अभिनियम करी भारा 269-ग के अनूतरण में, मैं, उन्हा अभिनियम की धः, 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तिकों, अर्थात् :---

- (1) श्रंसल प्रोपर्टो तएंड इन्डस्ट्रीस प्रावितामव 115, श्रंसल भवम, 16, केवजीवमार्ग, मई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री अरुन कें र सोधानी, डी-17, डिफेंस कालोनी, मर्ष्ट दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए -कार्यवाहिया करता हु।

उपन सभ्यत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स 🚈

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर वृजींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुक्ता के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्थलकरण: ---इसमें प्रशंकर शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, जो उस वध्याय में दिनी नवा है।

# भनुसूची

फ्लैट नं ० 1003 में 530 वर्ग फीट ध्रौर 1004 में 450 वर्ग फीट । अम्बादीप, 14, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1,दिल्ली,भई दिल्ली-110002

तारीख: 3-1-1986

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च, टी, एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-1, मर्श दिरुली

नई दिल्ली, दिमांक 3 जमवरी 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37**६६**/5-85/1726 —-अत: मुझे,आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी मंख्या 400 वर्ग फीट है तथा जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया मितिफल, निम्नलिखित उद्योश्यों से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम या भन कर अधिनियम 10,57 का 27) जे प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधित्:— (1) ग्रंसल प्रोपर्टीम एंड इन्डस्ट्रीम प्रा०लिमि० 115, श्रंसल भवन, 16के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सतीय मेहरा 23, जुनिटर बिल्डिंग, बम्बई-51 (अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वी ता सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेत्र ---

- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्वत्सामों पर सृजन की तालील से 30 दिन की जनिथ, थो भी जनिश बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक स्वतिनयों में से किसी स्वतिन दनारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किसे जा सकाँगे

स्पण्डोफरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हा।

#### धनुतुची

फ्लैटनं २ 101, अम्बादीप, 14के २ जी० मार्ग, नई दिल्ली शादादी 400 वर्ग फीट।

> आर०पी० राजेश मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेंभ रेज-1, दिल्ली, ५ई दिल्ली-110002

तारीख: 3-1-1986

# प्रकृष बाध . ही . एन . एस . ------

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भाष 269-व (1) के अभीन सुवना

#### शारक सरकार

# कार्याभय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

. श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 जनवरी 1986

निर्द्रोग सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37इइ/5-85/1727 →-श्रतः मुझे, आर० पी० राजेण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिभ सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या क्षत्रफल 560 वर्ग फीट है तथा जो लेहरू प्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मई 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्-प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्मसिखित उद्दोस्य से उसत अंतरण निश्वित में बास्तिकः स्व से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव की वावस, उपत अभिकृतिक के अभीत कर दोने के अन्तरक की वासित्य को कभी करने या तत्रते बचनों में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ष, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनिषम की भारा 269-ग के बनुसरण भा, मी, तकत अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्चंतल प्रोपर्टीत एंड इन्डस्ट्रीत (प्रा) लि०, 115, श्रंगल भवन, 16, ये० जो० मार्ग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) भाई राजेन्द्र पालिमिह, मिस गगन दीप कौर सी/ग्राफ ग्राई० एम० एग० ग्रेवाल, 654, गुरुदेव नगर, सिविल लाईन्प, लुधियाना

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मरित से नर्चन के किस कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तहरील से 45 पिन की समित ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी वनिध सद में सनाध्य होती हो, से मीतर पूर्वोंकर ध्योंकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# नमृस्ची

पलैट नं ० 1107, नेंहरू यलैंस, नई दिल्ली तादादी 560 वर्गफीट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-1-1986

म.हर

# त्रक्ष्य वार्षः हो. द्याः दुषः २ ० ० ०

# नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूच्या

#### मार्व बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन नेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 जनवरी 1986

निद्रेण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37ईई/5-85/1728 —-म्रानः स्झे, श्रार०पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 450 वर्ग फीट है तथा जो कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रामफ श्रली राइ, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम,

1961 के प्रधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (कंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (फ) अन्तरण में हुइं सिस्सी साय की वासक, क्या वीधीनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के क्यांतरव में कमी करने या दक्से वचने में वृतिया की गिंद; अन्तर्थाः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियन, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना वाहिए का, कियाने में बुविधा के बिक्स ।

अतः जव, उक्त विधिनियमं की वारा 269-व के जन्दरण में, में. उक्त विधिनियमं की भारा 269-व की उपवारा (1) जे अधीन. निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् :----32---446G1/85

- (1) असल परापर्टीज एन्ड इन्डस्ट्रीस प्रार्शल० 115, असल भवन, 16, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) त्रिगन इन्वेंस्टमेट एण्ड ट्रेडिंग प्रा० लिमिटेड जीएफ-6-17, राजिन्द्रा पलेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

का यह सुचना बारां करके पृष्टिकत सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में खोड़ों भी आक्राप :----

- (क) इत सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में ते किसी स्थितत द्वारा;
- (क) इस तुकना के राजपण में प्रकावन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध सिवित में किए वा तकोंगे।

# वनुसूची

प्लैट नं० 103, 104 श्रम्बादीप, 14, कें० जी० मार्ग, नई।देल्ली तादादी 450 वर्ग फ़ीट दानों फ्लैट

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः : 3–1–8 $\epsilon$ 

# प्रकार वार्ड . टी. एन. एस. - - - -

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुभाना

#### भारत सरस्यर

# कार्याख्य, सङ्घायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्छन रेज-1, नर्श दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 जनवरी 1986

निद्रेंश सं० प्राई० ए० सी० /एक्यूः/1/37ईई/5-85/-1729—प्रतः मुझे,श्रार०पी० राजेण,

प्रकर अिशानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भक्ते पर्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्तास करने का संस्था है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 550 वर्ग फोट है तथा जो कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्लो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय, श्रासफ अली रोड, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख मई 1985

को पूर्वे उत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के मिए अन्तरित की गई है और मुम्ने मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तो राज्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ३.५फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ध्रम्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संहुद्द किसी बाय की कल्का, धनल अधिनियम की अधीन कर दोने के कल्काल की दासिस्थ में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (बा) श्रेसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा वे सिए;

कर: सब उक्त भाषित्रम की भारा 269-य के अनुसरक माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, पिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) अंसल प्रापर्टीस एंड इन्डस्ट्रीस प्रा० लिमि० 115, अंगल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मास्टर अम्बूज गोपाल पुरी, यू० जी० मैं नर्स रामा पुरी, सी/ग्रो महिन्द्र पुरी एंड कम्पनी, सी-37, कनाट पलेम, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयोंक्त सम्पत्ति के अजन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं ने 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में श्रकाशन की तारीच स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए चा सकोंगे।

स्वासिकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क माँ परिभाषित ही, बसी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया ही।

#### श्रनुभूची

फ्लैट नं० 819ए, श्रम्बा दिपत, 14, के० जी० मार्ग नई दिल्ली तादादी 550 वर्ग फीट

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-1-86

मोहरः

प्रकर्पः बादः टी. एन. एस. - - - -

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

#### भारत चरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीकंग) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाँक 3 जनवरी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/5—85/ 1730——श्रतः सुझे, श्रार० गी० राजेण,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० क्षेत्रफल 520 वर्ग फीट है तथा जो बारा-खम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इश्से उपाबद्ध अनुसूचो में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन मई 1985

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के डल्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दूस्यमान प्रतिफस से, एसे दूस्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिविध में पास्तविक रूप से कवित नहीं किया बना है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की नामक, उन्तर अधिनिक्य के वधीन कर दोने के बन्तरक के वादित्व में कमी करने मा उससे रचने में सुविधा के सिए; और/ना
- (श) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, चिन्हुं भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के निए;

बतः अब, उक्त वैधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक ब', मीं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1)/ अदे अधीन निम्नीलिंखित व्यक्तियों, अर्थात् प्र---

- (1) श्रीएम०एन०अग्रवाल (एच० यूफ०) 3<sub>1</sub>74 विशत्पुरी कानपुर उत्तरप्रवण (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमिती शकुन्तला देवी पत्नी बलराल संगत 919/20 कूचा काबिल श्रत्तर चाँदनी चौंक, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त तस्पत्ति के अर्थन के सस्यन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इव नुकान के राजपत्र में प्रकाबन की तारील ते 45 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूक्या की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (व) इत त्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाल सिवित में किए वा सकति।

स्वध्वीकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# बन्स्ची

स्पण नं ० यूबी-9, बिल्डिंग नं . 21, बादाखम्बा रोड, नई दिल्ली श्रप्पर बेसमेंट 1 520 वर्गफीट।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-1-86

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस. ------

नाथकर निभित्तिसन्, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक वायकार वाय्यक (निरीक्षक)

अर्ज न रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/1/37इइ/5-85/1731 अतः मुझे, आर०पी० गजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 519ए है क्ष्या जो स्कीपर टावर 89 नेहरू फ्लैंस कई दिल्ली में स्थित है (प्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विदेशास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्ब, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरवमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिखत स अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंत-रती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वाया गया गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) संसरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियुम् के अधीन कार दोने के अंतरक के दाबित्व में कशी कारने या उसके बचने में सुविधा के सिद्ध; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया थाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

कतः सम, उपत विभिन्तम की धारा 269-न के नवृतरम को, मी, उपत विभिन्तियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, सर्भातः—

- (1) श्री योगेश अरोड़ा, 26/25, पामजन बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री सताब सिंह खोत एंड सूखिणन्दर सिंह खेड़ा जी-12, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को सङ् सूचना बारी काइके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इब स्थान के प्रावणित्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिव की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबप्ध किसी अन्य व्यक्ति हुनारा, अथोहस्ताक्षरी के पाह सिवित में किये का अवोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत जर्ज होना को उस जध्याय में दिवा मुका हैं औ

#### कार्य

पनैट नं० 1519ए, रुकीपर टावर, 89, नेहरू पनैस, नई दिल्ली, क्षेत्रकल 129 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, दिस्ली, गई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-86

महिर :

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### नारत करकार

## कार्यासय, बहायक वायकर बाब्क्त (निर्मक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

तिर्दोश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इड/5—85/1732 ——अतः मुझे,आर०पी० राजेण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके परचात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीप जिसकी संख्या पर्लंट नं० 824 है। व्याजी 89, नेहरू पलेख, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध स्रतुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), पिजस्ट्री उर्ता अधि गरो के लार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयजर अधिनियम, 1961 के अबीम नारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपनत बाजार इन्स, उसके द्वरयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिमा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब शवा गया प्रतिफल, निम्निचित्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किचत नहीं किया गया है :—

- (क) बलारण से हुए किसी बाब की आवत, उपक जीधनियन के बधीन कर दोने के बलारक के वासित्व में कमी कारने या उत्तवे वचने को अधिक्या के सिए; और या/
- (क) एंसी किसी भाव वा किसी भन वा अल्ल शास्त्रकां को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) स्कीप्टसैल (प्र० लिमि०) 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत जिह, एल-23, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह बूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त बंपरित के वर्षन के जिस कार्यवाहियां करता हुएं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यनितयों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की जविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकरेंगे।

स्वक्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त सक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उक्ष अध्याय में दिया नजा है।

## नन्स्यो

फ्लैट नं ० 824, 89 नेहरू फ्लैस, नई दिल्ली क्षेत्रफल 130 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध्र—

नारीख: 10-1-86

माहर:

प्रकथ बाइं टी. एत. एस. -----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के मधीन स्वमा

#### नारत परकार

# कार्याचय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नर्षे दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/1733 — अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

प्राप्तकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त किंकिनयम' कहा गया हैं), की भारा (69 के किंधीन मध्यम प्राधिकारी को रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूच्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 213 वर्ग फीट है तथा जो बस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने विणित है) आयकर अधिकारी के पार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए वय शया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उव्चोक्य से उच्च अन्तरण जिल्ला में बाक्तविक कम से किंगत नहीं किया गया है ॥——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावस, बन्त जिल्लाम के वृत्तीय कर्ड दोने के जन्तरक के सामित्य में कभी करने या उससे न्याने में स्विधा के सिए; जॉर/या
- (क) एती किसी नाम ना किसी भन या सन्य नास्तियों को, निन्हें भारतीय नाम-कर निभिन्धम, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनियम, या भन-कर निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वामा वाहिए वा, कियाने में मुनिया वे लिए;

ब्रत: ब्रथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ब्रॅ, मॅं, सक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री इन्द्रा आवेजा, 52, वखतेश्वर एनेंस, नारायन दबोलकर रोड, बम्बई-400 006 1

(अन्तरक)

(2) मिस संगीता भ्रारोड़ा, डी-1/10, बंसत विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्थन के सिक कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्संविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात जिसित में किए जा सकति।

स्थव्यक्तिरण:----इतमें प्रयुक्त कन्दों और थवां का, को सक्ख अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, कहीं कर्ष होगा को उत्त अध्याय में विश् यस है।

# वन्त्र्ची

एल-116, सुर्था किरम, 19, कस्तूरबा गांधी मार्ग, मई दिल्ली तादादी 213 वर्ग फीट।

> आर० पी राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

तारीख: 6-1-86

# प्रका नार्'ं ही. पुन्त पुर्दा क -- क

बारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2-52-घ के अधीन स्थाना

भारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० २० सी०/ए यू०/1/37इइ/5—85/1734 ---अरा: मुझे, आग० पी० १७ जेश,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोश जिसकी संख्या 300 वर्ग फीट है क्ष्या जो बारा खम्बा रोड, कि दिल्ली में स्थित है (स्रोश इसमें उपाबड अनसूची में और पूर्ण क्ष्म के विणित है) आयार अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयार अधिनयम 1961 के अधीम मई 1985

को पूजोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तिकत सम्पत्ति का उचित बाजार पृल्य उसको ध्रयमान प्रतिफल से एसे व्यथमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया थया प्रति-फल, निम्निलिचित उद्वर्थ से उक्त अन्तर्ग लिखित में बास्तिक ल्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) शम्तरण छे हुई किसी बाय की बायश उक्त बहिंद-नियम के बभीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में किसी करने या उत्तब बचने में सुविधा के लिए; बडि/या
- (च) एसी किसी नाय वा किसी वन या नाय नास्तियों को, जिन्हों आरतीय नायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनवन, वा चूड़-कार आधानियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा जे सिधः

बणः सव. उपल बाँपनिवय को भारा 269-म व बन्हरूथ में, में, उपल अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) स्कीपर सैंल्ज प्रा० लिमि०-, 22, बाराखम्बा रोड, सई दिल्ली।

(37878)

(2) श्री टी॰ राज, बी-3/49, जनकपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुणना जारी करके पूर्वीक्त तस्पत्ति जै वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वन्तं सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस जूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति को भी अविष वास में स्वाप्त होती हो, जो भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्युध किसी बन्य स्थित श्वाय, वभोइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# अनुसूची

फ्लैट न ० यूबी-10, 22 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली तादाद 300 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्बी,नई दिल्ली ।

तारीखाः 6—1—86

m 67 ;

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

प्रांत जिसकी संख्या 583 वर्ग फीट है तथा जो बारा खम्बा रोड, मई दिल्ली में स्थित है (प्रांत इसमें उपाबढ़ प्रमुक्ती में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन मारीख मई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उष्यत बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ह अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री करती जान गोयल, 4/7, रूप नगर, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) युनाइटिंड कन्स्ट्रवशन कम्पनी, 13/12, पंजाबी बाग एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्थष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पर्नेट नं ० 1, ाादादी 583 वर्ग फीट 1 नौया खंड, 28 वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश ंसक्षम अधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, भई दिल्ली-1100022

नारीज : 6--1-1986

The first sections

आरहात संपरितार, १७६० (१०५**) का ४३) की** धारा १६९ ज (१) के अधीर स्**वता** 

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनाँक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू ०/1/37ईई/5-85/1736 —- अतः मुक्ते, प्रार०पी० राजेश,

बायक र अभिनियम (961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उद्धत श्रीधनियम' कहा। गया ही, भी धारा 269-स से अधीन वर्षा पाधिकार्य कां. यह विस्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिपकी संख्या फ्लैट नं ० 816 है तथा जो नादादी 450 वर्ग फीट के ० जी० मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है) आयकर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि प्रशापवाँकत सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्निसिकत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुईं. िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- िए स्मेर्ग क्षेत्रे वास या विक्रिया या अव्य आस्तियां क्ष्में विक्रियां आरकीर आयकार अधिनियमं, 1922 केंद्र प्रितियमं, 1922 केंद्र प्रितियमं, 1957 (1967 को 27 केंद्र प्रितियमं, 1957 (1967 को 27 केंद्र प्रितियमं अल्लिक्से अल्लिक्से इंक्सिंग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अन्, अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उचन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सित व्यक्तियों, अर्थात् :----33---446GI/85 (1) श्रीबृजिक्षित, हारा इन्द्रा प्रेति गालिन्ट्रमेंका ब्लाध्य १४४० और, हिस्ति।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री राजेश बाबा ग्रीर ग्रन्य, एस 922, ए. पंत्रणाल पार्क, नई दिल्लो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रश्वेकत भव्दों और पदों का, जो उक्त अविनिद्धाः, के अध्याय 2()-के में दिस्माधित हैं, बहुी अर्थ होगा जो सस अध्याय में दिया

## नमसची

फ्लैट नं ० 816, नाबाद्री 450 वर्ग फीट 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

> ा८० पी० राजेण ाजम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-86

मोहर

प्ररूप बाहरं, टी. एन. एत.

भागकर लिपिनियम : 1961 (1961 को 43) की भागा १६० म (१) में अधीन गुजना

HIRL HIRL

नायस्तिय , शहायक जागणार कायाक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई िल्ली

नई दिल्ली, दिलाँक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/1737 -अत: मुझे, आर०पी० राजेश,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निस्ट एसमें इसके प्रवर्त उन्त को गोगरा का कि कि कर 269-स को बाधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विषयास करने का कारण हो कि स्थापर संस्थित जिसका अभिन बाज र गुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या पलैट 1414, है तथा जो हमकुए ठावर 98, नेहरू पलैस, नई दिल्ली में लियत है (श्रीर इससे कार्य ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से बीजित है), रिल्स्ट्रीयती ग्रीहिल्ली के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय बावजर अधिनियम, 1963 के ग्रधीन तारीख मुझे 1985

तो पूर्वित सम्पत्ति के उधित जागार मृत्य में का वे जागात प्रतिभक्त के लिए सत्रित्त की गर्ध हैं और मुक्ते यह विभाग करने का कारण हा वा अध्यापीत वर्णना के जान अध्याप मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एक दश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिसत्त से तथिक हो भए संवर्ण (जावका) विभाग प्रतिकति से तथिक हो भए संवर्ण (जावका) विभाग वा का वा प्रतिकत्ति स्वारण के लिए तथ अध्यापण प्रतिकत्ति (अन्तिरित्याँ) के बीच एसे अवस्था से अध्यापण विभाग हो वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं शुर्व जिसी शाय की बाबत, उनके बाधिनियम के अधीन कर दोने के अध्यादक के दायिस्त में कभी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अवः, उत्ततं अधिनियमं, की धारा 269-च के रात्यरण में, में, उपन अधिनियमं की धारा 269 च की इपधारा (1) के कर्णन विशिधतं व्यक्तियों, कथात् (---- (1) मिसेन सुमन लता जी-1248 चित्ररंजन पार्क नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रोके के ने ने ने संस (एचयूएफ) बी-4/1 सफदरजंग एक हतेन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वविक्ष सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वन। के राज्यक में प्रकारत को तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तियों में के किसी यहाँकत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजणक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा स्कॉर्ग।

स्पथ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त रान्ती और पदों का, यो उक्त कथितियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्यास में विया स्था है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 1414, हेमकुड टावर, 98 नेहरू फ्लैस, नई दिल्ली 579 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सन्भ प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-86

मोहर

\_\_\_\_

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 10 जनवरी 1986

न्त्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85 निर्देश सं० 1738-- ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश, लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269 भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1.,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 703 ए० है तथा जो देविबाग टावर नेहरू पलैस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन मई 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उस्के दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलि एत रद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण 🖈 , सें , डक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) प्रगति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी दिवकाटावर 4- खंड शीतला हाउत, 73-74 मेहरू पलैस, नई दल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री स्धावधवान ई-87 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुद्ध शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ कृष्ण जो उस अध्याप में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं ० 703 ए बहुमंजिली, बिल्डिंग, देविका टावर, 6 नेहरू पलैस नई दिल्ली क्षेत्रफल 210 वर्ग फीट

> स्रार० पी०राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 10-1-86 मोहर

## प्ररूप गाइं.टी.एन.एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, हिनौंक 6 जनवरी 1986

निर्देश गं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/37ईई/5—85/1739 --- श्रतः मुमे,श्रार०पो० राजेग,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त तैथिनियमें कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत. जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- कि स अधिक है

भौर जिसकी संख्या - — है तथा जो हेली रांड, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इंति उताबद्ध स्नतुस्था में पूर्ण देव से वर्णित है)

श्रायकर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रीधनियम 1961 के श्रधीन तारीख मई 1985

को पूर्विक्श सम्पत्ति अ अभित दाखार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथावृत्रीक्स सम्परित का उत्तित बाकार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकार सं, एकं दरवजान प्रतिकास के मृत्यद प्रतिकार सं अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंबिक्स (अंतरित्तिमाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्रामा प्रतिकास, निम्मिलिकित उद्देष्य में जक्त अन्तरण लिक्सिस में मार्किकिक रूप से किथत किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुद्द किसी आय का बाबत, उन्ध अधिनियम के अधीन अपर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ कन्तिरिती द्वारा प्रकष्ट नहीं किया गमा था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ही तहें, जिल्ला किंदी वे का तह कुछ एक का व्यवस्ता मीं, हों, अथन कि शिविष्य की धारा 269-घ की उपधारा (1) **है अधीन, निम्मक्तिबक व्यक्तियों, अर्थात्**  (1) श्रं भोलादेवां हिनी स्वर्गीय मुगरी लाल श्रौर श्रन्य 1 हेनो रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रंसल प्रापर्टीन एंड इन्डस्ट्रील प्रा० लिमि० 115, श्रंसल भवन, 16 कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारं। करके पूर्वोक्स सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अज्जेन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोशत व्यक्तियों में संभिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किन बक्ष किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्जोतः।

स्पष्टिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त जोधितिसमा, को अध्याद 20-को पिरिभाषित हो, वहीं अध होता जो उस अध्याम मा दिया। गया हो।

अन्स्चा

नं ० 1, हेली रोड, नई दिल्ली

ग्रार० पी० राजेश नक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110001।

লাকীৰ : 6−1−86

मोहर

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1986

मं० आर्ड० ए० मी०/एक्यू/1/37र्ड्ड/5-86/1740:— अस:मझे, आर. गी० थ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- के से अधिक है

और जि की संख्या पर्येष्ट नं इब्ल्यू० है या जो 89 ए. ग्रैटप वैकाश-2, नई दिल्ली में स्थित ह (श्रंट इससे उपागध प्रानुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के अधिकारी के कार्वालय, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर मिनाम, 1981 (1981 जा 16) ज अधीय, नारीख मई 1985।

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मृझ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिपित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिया ज्या से किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सूरिन्दर मलिक वे-41, एन डी एस-1 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० रानू तक्त प्रा० लिमिटेड,9/34 कीपि नगर,मई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्यक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकंगे।

स्पष्टीकरण:—=इयमें प्रयूक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह', बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

#### अनस्ची

फ्लैंट नं । द्वाल्यू०, 89 ए, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 1130 वर्ग फिट 1 वेड डी डी किचन, नई दिल्ली।

> आए० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी सहाय रुआयकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंजे~्, नई दिल्ली

ालीख: 10−1**-**1986

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली मई दिल्ली, दिनां हे 10 जनवरी 1986 मं० आई० ए० सी०/एसपू/1/37ईई/5-85/1742:---अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांस जिसकी संख्या फ्लंड नं० 817 ए, है एथा जा 14, के जी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीत इस्त अधानह अनुभूची में पूर्ण कर ने पर्धित है), र्राज्यक्षी उत्ती अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में भारतीय प्रायान अधिक्रियम 1961 के अधीनकारीख मई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्रविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  भैतिस श्रेराय श्रीहिंग गण्न रण्डल्ट्रीर प्रा० लि० 115, अन्ता भवत. 17, क० जी० मार्ग, यह दिल्ली।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की धारील से 45 दिए की जनिन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूनना की तामील में 30 दिन की अविधा, जो भी जन्धि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वीत्त्वयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस प्रचार के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विजया में दिए जा सकींगे।

स्पाक्ष करणः --- इसमी प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो जक्त परिकियर की अध्याय 20-क में परिभाषित हो. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हो।

## अनुसुची

फ्लेंट नं० ६ 17—ए, जम्बादीप, 14, कें० जी० मार्ग नई दिल्ली, क्षेत्र प्लेंट 300 वर्ग फीट।

> आए० पी० शजेश उदाम प्राधि असे महायण अध्यक्षण असुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

बरूप. बाहं, टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन गुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिमां र 10 जपवरी 1986
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू/1/37ईई/5-85/

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन कटाम शिक्कारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सस्पत्ति, जिसका उचित वाकार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 803, है तथा जो अम्बा दीप के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कुनई दिल्ली में भारतीय आयार अधिनियम 1961 के अधीन दिशांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह निश्नास करने करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसिख उद्योग से उच्न अन्तरण कि विकत में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (का) बन्तरण से हुई किसी बाब की वावत उपन कि। विश्व में बभीन भार दोने के बन्तरक के दामित्त में कभी करने वा उत्तर वजने में सुविधा के तिश् सीर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हों करनीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कीश्वनियम, बा धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था स्थिपने में सुविधा के निक्षः

अतः शब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—

1. ग्रंबल प्रोक्टीत एड इन्डस्ट्रीस प्रा० लिमि० 115, ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एशिक्तिंट कैडसूट इन्डस्ट्रीस, एफ 12, राजोरी गार्डन, मई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्न सम्मति के बदन है सम्बन्ध में कोई भी वाकोर:-

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विन्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी क्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताकरी के गाम निधित में किए जा सकोंगे।

क्ष्मद्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उक्र अध्याय में दिया। एका हैं।

#### अनसची

फ्लेट नं० 803, अम्बादीप 14, के० जी० मार्ग नई दिल्ली क्षेत्रफल 450 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सतम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिसल्ली

दिनां ः - 10-1-1986 मोहर:

## बरूप बाइं .टी एन . एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 10 जमवरी 1986

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू/1/37ईई/5-85/

1744-अतः मझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधि है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- उ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं फ्लेट नं 818 ए०, तथा जो अम्बा दीप 14, के० जी० मार्ग, गई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुंजुची में श्रौर पूर्णका से बर्णित है), रिजिस्ट्री ती अधिकारी के जार्यालय नई दिल्ली में मारतीय, आयकर-अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/बा
- (क्ल) ऐसी किसी बाय या फिसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन विक्रितिस्त व्यक्तियों, अथित् :---

- 1. अंशल प्रोपट्रीत एंड इन्डल्ट्रीन प्रा० निमि० 115 इसल, भवन, 16 कें० जी० मार्ग, नई दिल्ली । अन्तरक)
- श्री कवालिटी बूक एंड स्टें० कंपनी रोड चूलता-नियाड, भोपाल ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध नाइ में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधौहस्पाक्षरी के पास जिखित में किये जा सकना।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ग्रनुसूची

फ्लेट नं० 818, ए, अम्बा दीप 14, के० एी०, मार्ग मार्ग, मई दिल्ली, 450 वर्ग फीट।

> आए० पी० राजेश हजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक:- 10-1-1986 मोहर: <del>andreas and the second discount of the</del> part of the second of the secon

प्ररूप् मार्च.टी.एम. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

दार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5-85/1745-- ग्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का .:3) (जिसे इसमें इसके एउचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 2'69-रू के अधीन संक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 811 है नथा जो श्रम्बा दीप 14 के० जी मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (श्रांग इससे उपाबढ़ श्रनुमुची में श्रीर एणें रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीय ती श्रिधिकारी के बार्याज्य नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन दिनांक मई 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा प्वेंबित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंगे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अध्य अध्य अप्तर अंतरका (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंघ्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुदं िकसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति हिंदी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृजिधा के लिए:

अंत: अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण माँ, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा को को अधीन निम्नितिष्ति व्यक्तियों, अधित् :—
34—446 GI/85  म्रांसल प्रोपट्रीस एंड इण्ड प्रा० लिमि० 115 श्रांसल भवन 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

entre de la companya de la companya

(ग्रन्तरक)

 विजय मेहरा एंड कुकू मेहरा एकहेवन टी० एस्टेट पी० फ्रान्हार जाटिया-786610 डिब्गट असाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्याद्भीकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्चन्**त्रची** 

फ्लैंट नं० 811 ग्रम्बा दीप 14 के० जी० माग नई दिल्ली 500 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी**०** राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक:- 10-1-19**8**6

## प्रका बाहाँ दी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत क्षेत्रकर

# कार्यालय, सहायक आमकर नायुक्त (निरक्तिक)

श्रजन रेंज-1, दिल्ली

नई दिख्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1986 सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5-85/1746:---

ष्ट्रतः सुक्षे, ग्रार० पी० राजेश,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 को अधीन सक्षम प्रािश्कारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अवित वाजार मृस्य 1,00,000/ रु. से विधिक है

श्रीर जिस्की संख्या यू बी-1, प्रकाण दीप है तथा जो. 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में आयक्तर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूर्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक्ष प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय भूषा भ्रमा प्रतिफल, निम्मिसिस उद्योग से उवत अन्तरण लिखत में वास्तिवक कृप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण थं हुई लिखी जाय की वाबल, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीन भायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः सब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  भ्रांसल प्रोप ट्रीस एण्ड इण्ड० प्रो० लि० 115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, गई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री गुरबचन सिंह, <sub>ज</sub>ने 12/22 राजौरी गार्डन, नई दल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का बहु इचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के हि कार्यवाहियां शरू करता हो

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के प लिखित में किए जा सकारो।

स्वक्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया हैं।

# ब्रम्पी

प्लैट नं॰ **प**ू॰ **बी**~1, प्रकाश दीप, 7, टालस्टाय माः नई दिस्ली 400 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजे सक्षम अधिकाः महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ल

तारीख । 10-1-1986 मोहर ।

## प्रकार बार्चाः टी । प्रकार प्रवासन्तरम

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### नारत तर्कार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1986

मं० स्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5-86/1747।----श्रतः मुझे स्रार० पी० राजेश

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधिन सकार प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं 1529 है तथा जो नेहरू पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में आयहर श्रधिनियम 1961 के अधीन मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई अन्दे मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हु

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से जैक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मपन से हुई कि की बाद की बाबत, करव विश्वित्व के वृत्तीय कुद्र दोने के बुन्तुक की योगित में कभी करने या बतने बचने में सुविधा के निए; बॉफ/या
- (स) ऐसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय साव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा बन-कर अभिनियम, बा बन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भवा भा वा किया भाना चाहिए था, डिचाने को सुनियम के सिष्

भवः भवः, उन्ह विशिवन की थारा 269-न के वनुष्रम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——  मैसर्स ग्रानन्द बादरस (एच० यू० एफ०) एच-71 एम० डी० एस ई०-1. नई दिल्ली-49।

(भ्रन्तरफ

2. श्री मनी राम ग्रोबर पत्नी ग्रामोक ग्रोबर और ग्रन्थ एच-1484 चित्तरंजन पार्क नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाहरेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपित्तमों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इत सूच्या के राजपण में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्षूण किसी सन्त व्यक्ति ब्यारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्थानिक रण :--- इसमें प्रपूतत सुन्दों और यूदों का, जो उक्त विभिन्तियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हरोग जो उस कथ्याय में दिया स्था हैं।

## श्रनुसूची

फ्लैट नं० 1525, 15 खण्ड स्कीपर टावर: 89. नेहरू प्लैस नई दिल्ली 150 वर्ग फीट।

> आर० पी॰ राजेश: सक्षत प्राचितारी स**इायक भायकर धायुक्त (निरी**श्रण) **भर्जन** रेंज~1,दिल्ली नई दल्ली

तारीख 10-1-1986 मोहर

# प्रकार कार्ष हो हुन व्यक्तिकारणा

प्रायम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सूचना

### भारत बहुन्तह

# कार्यामव, सहायक कायकर नामुन्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी'० एक्यू/1/37ईई/5→85/ 1748—भ्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश

आमकर निर्मायन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्नों इसके प्रकात (उक्त अधिनियम) नहा गया हो, की भाषा 269-स के नधीन तक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वतरण हो कि स्थानर उम्मित, जिसका उमित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से मिनक ही

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 401 है तथा जो नेहरू पेलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजर्स्ट्र कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्य तम्पन्ति के स्थित बाधार मून्य ते कम के स्वमान प्रतिकाल के लिए जम्मीरत की गई है और मुक्ते बहु निक्यात करने का कारण है कि बधा पूर्वोक्य संपत्ति का उन्धिय बाबार भून्य, उन्नके स्थानान अधिकान ने, गूर्वे स्थानान प्रतिकान के रन्त्रह प्रतिकाद ने बाधिक हैं नीर अंतरक (बंतरकाँ) नीर अंतरिती (अंतरिक्षाँ) के प्रीय एसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिकान, निम्निविक्स स्वयंदेश के स्थल, नन्तरण विविद्य में नास्कृष्टिक स्थ से क्रिक्त महीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण से धुवं किकी जन्म की बाजरा, सकत जिमित्यम के अधीन कर येने के अभ्वरक की दाजित्व में कमी करने वा उच्च क्यने में जीवभा के सिक्ष; च्योर/वा
- (व) होती निवास वास का किसी भग का अन्य गास्तिकों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिन्नियम, 1972 (1922 का 11) ना छक्त अभिनिवण, या भनस्वर अभिनिवण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट महीं किया गया भा या निवास जाना चाहिन्द था, क्वियाने में सुविधा के भिन्द;

असः अव, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुकरण मों, जैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अभीव :--- 1. प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी (देविका टावर) ृै4 खन्ड शीतला हाउस 3-74 नेहरू पर्लंस, नई दिल्ली (धन्तरक)

 मुमन और मिस नीलमा डीं -- 54 पंचणील एंक्लेब, नई दिल्ली

(श्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति की अजग क कार्यवाहिया करता हो।

उस्त तवांत्र के कर्जन के सबंध में महेई भी बाक्षेप :---

- (का) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबभि या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूभम की तासील से 30 दिन की अवभि, अं और अभि सक्स में समान्य होती हो, के भौतार पूर्वोक्स क्य किता में ते किसी व्यक्ति ह्या,
- (ख) इस बूधना के राजकत्र में प्रकाबन की कारीख के 45 दिन के भीतार समग्र स्थावर संपरित में हिस्बब्ध सिक्षी मन्य स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बात निक्षित में सिग्ध का सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त कर्नों और पदौं का, जो जक्द अधिनियन, के अध्याय 2:0-क में परिश्राचित है, वहीं अर्थ होगा को उत अध्याय में विवा गवा है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 401 ए बहुमंजिली इमारत देविका टाबर 6. नेहरू पलैस नई दिल्ली 1525 वर्ग फीट।

> भार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नर्भ दिस्ली

दिनांक: 10-1-1986

# प्रकल् कार्ड हरे. भूत. एस. ------

# बाबक्कदु वांचिन्यस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निर्द्रण सं० धाई० ए० सी० एक्यू/1/37ईई/5-85/ 1749----अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका श्रीचत वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलेट नं 500 वर्ग फीट है तथा जो मेहरू पलैस नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय नई दिल्लों से भारतीय प्रायकर अधिनयम, 1961 का 43 के ग्रधीन दिनोंक मई 1985 का पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान इतिकत के स्थित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान इतिकत के स्थित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान इतिकत के स्थित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान इतिकत के स्थित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान इतिकत के एसे हुन आर मृत्ये कहा विवत बाजार मृत्ये, उत्तक द्रयमान प्रतिकत से एसे द्रयमान प्रतिकत का उचित बाजार मृत्ये, उत्तक द्रयमान प्रतिकत से एसे व्यवस्था का उचित वाचार मृत्ये, उत्तक द्रयमान प्रतिकत से अधिक है और अन्तर्ज (अन्तर्कों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया यमा प्रतिकत कम, निम्निलिसत उद्योद से उत्तत अन्तरण सिखित में बास्य-दिक एम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या वन्य नारिसची की, जिन्हों भारतीय नायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर मौतीनयम, वा धनकर नृभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः नगः, उक्त निभिनयम की भारा 269-ग के ननुसरक में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, नगित् ६—

- मगी कन्द्रान सम्मनी (देविन टावर) 4 खण्ड,
   शोवला हाउस 73-74 मेहरू पलैस नई दिल्लो-19 (प्रत्यरक)
- मास्टर भारत खोसला और अन्य ए-49, न्यू केंड कालोनी नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाष्ट्रियों कारा हा:

स्वतः सम्बन्धः के वर्षन् के सम्बन्धः में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इन्ह सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की शारीख़ सं 45 दिन की जगींच या तस्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचता की लामीन सं 30 दिन की जगींच, को भी अधित और में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यींचलकों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाधन की तारीक हैं 45 पिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिता बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निर्वाल में किए जा सकोंगे।

स्यक्तिकरणः -- एक्स प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिस्य पदा है।

## प्रसन्द्रनी

फ्लेट नं 401-मी, देविका टावर, 6, नेहरू पलैस, नई दिल्ली, लगभग 500 वर्ग फ्रोट।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोज-1, दिल्ली, नई दिस्ली । 10003

दिनौंक: 10-1-10986

मोहर

# शक्य वाहाँ : टी त एक् त एवं .....

नायकर मिनियम, 1961 (1961 क 43) की भारत 269-व (1) के मधीन स्वता

### नारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 10 जनवरी 1986

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 850 वर्ग फोट है तथा जो पालम विजवापन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण ब्लय से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय आयकर श्रीधिनयम, 1961, (1961 का 43) के श्राधीन दिनौंक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूक्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिकत से निधक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल, निम्नीतिबंद ख्वाबेस से स्थल अन्तरण निवस कार्य माना प्रतिका से निस्ति के स्थल स्थल कार्य माना प्रतिकास कार्य से कार्य के स्थल स्थल कार्य माना प्रतिकास कार्य से कार्य से

- (क) अन्तरण संहृदं किसी आय की बाबस, उमसे अभिनियम के सथीन कर दोने की अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससं बचने में बृविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एती किसी नाव या किसी भन या जस्य निष्यां को विन्हें नारतीय दासकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) वा ंित निर्मित्रम, ना भनकर निर्मित्यम, ना भनकर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ मन्त्ररिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सविधा ने तिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में औ, अक्त अभिनियम की भारा-269-व की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- निघल होल्डिग प्रा० लिमि० जी एफ 19 मानसरोवर बिल्डिग, 90, मेहरू पलैस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- श्री प्रभय कुमार सुपुत स्वर्गीय जे० पी० जैंन,
   2878, चेलप्री किनारी बाजार, दिस्ली

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिए;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

## अनसर्ची

फ्लॉट नं० ए-202, पालन म्रार्टमेंट बिजवानन दिल्ली 850 वर्ग फीट।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) श्रुवंत रेंज-1, नई दिल्ली

विनाँक:-- 10-1-1986 मोहर प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली
नईदिल्ली, दिनौंक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सीजक/एक्यू०/1/37ईई/5-85-

1751—-अतः मुझे. आर० पी० राजेश
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें
इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका तिचत बाजार मृन्य
1.00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० 204 -ए है तथा जो बिजवायन, दिल्ली. में स्थित है (श्रीर इसमें उपावत अनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 (का 1961 43) के श्रधीन दिनौंक मई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्ति के कि मन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उनके कममान प्रतिफल से, एसे व्यवनान प्रतिफल कर पन्तह प्रिक्ति से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतिडिपियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पामा गया प्रतिक्त्य, विश्वनिविद्य सद्देश्य से स्थल अन्तरण विविद्य में बास्त्-विक क्य से कृष्यत नहीं किया यवा है है—

- (क) बन्त्रण से हुई किसी मान की बावत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने को बन्तरक को दासित्व में कमी करने या जससे अधने में सुनिधा को लिए; विष्कृति
- (क) देशी किसी जाब या किसी अन आ अस्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिन्नियंत्र, 1922 (1922 का ११) था उनत अधिनियंत्र, या एएकर विभिन्नियंत्र, 1957 (1957 का 27) के उभोजनार्थ जनतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना वाशिए र कियाने से सुविधा के लिए?

कतः अवः, अवतः अभिनियमः की धारा 269- के अनुसरण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- सिंघल होन्डिंग
प्रा० लिमि०
जी एफ-19, मानसरोवर बिल्डिंग
90; नेहरू पलैस.
नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

शीला जैन
सुपुत्रो श्रार० के० जैन
ई-251 ईस्ट ऑफ कलाण,
नई दिल्लो

(भ्रन्तरितो)

हो। वह सूचना जारी करके पृथेकिक सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्म बम्प्रित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की व्यक्तियां पर स्थान की तामीन से 30 दिन की व्यक्तियां पर स्थान की तामीन से 30 दिन की व्यक्तियां में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियां में से किसी स्थानस दुवारा;
- (व) इस ज्ञान के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव निवास मानिए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमं प्रयुक्त भन्दों और पदों का, जो उक्त भीभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **मन्सूची**

फ्लैंट नं० ए-204, पालम प्रपार्टमट, विजवासन, नई दिल्ली 850 वर्ग फीट।

> स्रार० पी० राजेश मञ्जम प्राविकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनगिक :- 10-1-1986

प्रकल नाहाँ, डी. एन. एस. - - - --

नायकर निर्मानवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (15 के अधीन स्वना

## भारत सरकात

# कार्यात्रक, सहायक आयंकर बायुक्त (निरीक्षक)

ग्रज़ैन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० थाई० ए० सी० //एक्यू०/1/37ईई/5-85/1752--अतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर कम्बति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिपकी सं० फ्लेट नं० 1601 है गथा जो पें० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद अनुपूर्वो

में श्रोर पूर्ण रूप से वींगत है) रिजस्ट्रें।कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतोय स्रायकर अधितियम

1961 (1961 का 43) के अधीन दिनोंक मई 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़ों हैं और मुक्ते यह निव्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूच्य, उसके क्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और मंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरिक्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय भाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निविक्त के अध्या कर हुए के किया मुगा हैं:---

- (कः) अन्द्ररण संहुर्घ किसी आध की बाबत, उकत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन या बन्ध नास्तियों करें जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्धिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अयांजनार्व बन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बारिष्ट था, विद्या में लेक्स के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण बो, मी, जन्म अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) बै अधीय, निम्नितिवित स्थितियमों, अक्ति क्रास्ट  श्रंतन भवन एंड इण्ड० प्रा० लिमि० 115, श्रंतल भवन, 16, कें० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री डी० डी० सोनी 512-ए श्रंमन भवत, 16, के० जी० मार्ग नई दिल्ली।

(श्रन्तरितो)

का यह स्थाना जारी कारके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकारन की तारीस है 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से अहा दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रकार स्थान हसारी.
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरूनाक्षरी के पास सिचित में निष्यु भा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उन्तर कि किया कि किया 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथाय में विका गया है।

## नन्स्ची

फ्लैंट नं० 1601, श्रम्बा दीप 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली, 580 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेग सक्षम आर्थे हारी नहाय है श्वायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनाँक : 10-1-1986

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. ------

आयकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कथीन स्भना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश स० ग्राई० ए० मी०/एक्यू/1/37ईई/5-85/ 1753-- प्रत:, मुझे, प्रार० पी० राजेश, भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस<sup>्</sup> इसके परवातः 'उक्त विधितायम' कहा गया ही, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00.000/- रा से अधिक हैं और जिसकी सं० 344 वर्ग वर्ग फीट है तथा जो के० जी० भाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबदा श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन दिनांक मई 1985 को पर्यक्ति रूम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवेय से उन्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दाबित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृविभा के रिएए;

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **को, अनुबरण** में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ण की उपभारा (1)** के मभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

35 -446 GI/85

 अंसल प्रोपर्टीस एंड इण्ड० लिमि० ,115; अंसल भवन, 16; के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री कल्पना सिधल और ग्रन्य 503; साजपत नगर, असवर, राजस्थान

(भ्रन्तिरती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कांड्र भी आक्षेप ;----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए वा सकेंगे।

त्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पयों का, को उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

## वन्युची

फ्लैट नं 1007 अम्बा दीप 14, के जी मार्ग, नई दिल्ली, 344 बर्ग फीट।

> ग्रार० पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायक**र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

বিনাক . 10-1-1986

म इर:

**इक्स कार्ड** , टी. एस. एक., -----

क्रमधर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वधीन क्वना

## PIEG PERM

कार्थाक्य, तहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्रार्ह० ए० सी ०/एक्यू/1/37ईई/5-85/ 1754--श्रत:, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

गांककर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा बंबा हैं), को कि भाषा 269-च को जधीन सक्षम प्राधिकारी को, कह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. ते अधिक हैं

और जिमकी सं० पर्नेट नं० 1602 हैं तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) के अधीन दिमांक मई 1985 का प्रांथत सम्पत्ति के उपाय बाबार मून्य ने काम के दश्यमाय शिवफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे वह विश्वात करने आ कारण है कि सथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपित बाबार मून्य, वसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह शिवात से बिधक है और वंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के बीच तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योगन से उपत अंतरण सिकत में बास्त- विक रूप ने कथित उद्योगन से उपत का वार हैं:—

- (क) जलारण य हुए किसी बाग की शब्ध, उनक वीपनियन के वशीन जर पाने के अन्यरक में अवित्य में कमी करने या उक्क वर्षने में समिधा के लिए; जीर/बा
- (स्ती किसी लाग या किसी भन या कथा वास्तियाँ कों, जिन्ही भारतीय जाव-कर् अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उभन अभिनियम, या: धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था सियाने में जुनिशा से लिए;

कतः वय, उक्त विधिषयमः की धारा 269-म के वयुक्ररण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधास (1) के वधीयः, निस्तिमिधित व्यक्तिकों क्रमाँत हम्म 1 अंसल प्रोपटींस एंड इण्ड० प्रा० लिमि० 115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० मानन्द एसोसिएट्स 15, टोडर मल लेन, बंगाली मालिट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पृथीनत सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेग अ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींच, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कक्ष व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के शीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी मन्य अमित व्यापा अभोहस्ताक्षरी के पाछ निश्चित में किए जा सकेंगे।

रचक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषिक्ष हैं, यही वर्ष होगा, वो उठ अध्याद में किल्क स्वाहै।

## श्रनुसूची

पर्लंट नंब्र्ये 1602, ग्रम्बा दीप 14, केव्र जीव्यामार्ग, नई दिल्ली, सादावी 580 वर्ग फीट।

> न्नारः पी० राजेस् सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) म्रजन रेंज-1, दिल्ली

ता्रीखा: 10-1-1986

त्रस्य **वार्टः दीः एतः एतः ---**--

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वमा

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एवयू/1/37ईई/5-85/1755।---श्रतः मुझे, स्नार० पी० राजेश,

बायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट, नं० 507 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिमयम, 1961 के श्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूक्य से काम के द्रश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके दर्यमान प्रतिकल से एसे दर्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अगरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया दिक्क निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचिता में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाकित्य में कमी करने या उससे अधूने में सुविधा के सिए; बाँट/बा
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, फियाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उन्त निधिनयन की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के नधीन, निस्तिलिया व्यक्तिकाँ, अर्थात् ध— मैं० दिस्ली प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज।
 110, मेघदूत, 94, नेहरू प्लेस,
 नई दिस्ली।

(धन्तरक)

 मै० सेठी ट्रस्ट पालस् फस्ट रोड, टी'० पी'० एल० बांद्रा, बम्बई--400050।

(भन्तरिती)

का यह स्थाना कारी करके पूर्वोक्त सम्प्रांस के वर्धन के सिक् कार्यवाहियों करता हूं ।

बन्त सम्पर्ति के बर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षपे :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- -(क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उजत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

स्वकारण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वजा है।

## जनसूची

प्लैट नं० 507, पांचवा डान्ध, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली 560 वर्ग फीट

> श्रार० पी'० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीभण) श्रर्जन रेंज-1; टिल्ली

दारीखाः 10−1-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज-1, विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरीं. 1986

निदेश सं० आई०ए०सी०/ए२य्/1/37ईई/5~85/1756---अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा नया हैं), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 210 वर्ग फीट है तथा जो नेहरू प्लेस नई दिश्ली में श्यित है (और इससे उपाबक प्रमुखी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्स प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में 1961 के अधीन, तरीख पर्व, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूज्य से काम को रहयमाम प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से वृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के मीच ऐसे अंतरण को लिए तथ पाया गया प्रति-क न निम्निचित उद्देश्य से उच्य अंतरण कि बित में बास्तिकक स्थ से किथित नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरम ते हुइ' किसी नाम की बाबस, उमस मिनियम के अधीन कर देने के बनाहक के दासित्य में करने या उससे रूपने मी मिनिया के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त जीभीनियस की भारा 269-न की अनुसरक कों, मीं. अक्त अधिनियस की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- प्रगति कन्स्ट्रक्शन कण्णनी देविका टावर
 अखण्ड, शीतला हाउस, 73-74,
 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 बेबी कविता और भ्रत्य यू० जी० भ्रार० बी० बंसल, बी-60, ईस्ट ग्राफ कैलाण, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुकना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के कि। कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उपद सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माध्यप:---

- (क) इस बुक्या के राजपन में प्रकाशन की तारीक र 45 विकृत्वी अविधिया तत्सम्बन्धी स्पक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वायक स्वितस्यों में से किसी स्पक्ति क्यारा
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकारन है। जिन्होत न 45 दिन के भीतर उक्त स्थायुर सम्बन्धि में हितबबूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिर्द हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

## नगस्थी

बुक्ट फ्लैट नं० 508 ए, बहुमंजिली इमारत देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 210 वर्ग फीट

> श्रार० पी० रार्जेकी, सक्ष्म प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 10-1-1986

शस्य **बादः**, टी. एम. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

न्हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांश 19 जनवरी 1986

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5--85/1757---श्रहः, मझे, श्रार० पी० अतः,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. सं अधिक है

प्रौर जिसकी मंख्या फ्लैट नं 402 है तथा जो भगवान दास रोड, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इडिंक उपाबद्ध अनूसूची में पूर्ण का ने त्रिणित है), पिक्स्ट्री निर्मिश्रधितारी के जायांका नई विल्ली में भारतिब श्रास्त्र श्रधिनियम, 196! (1908 का 16) के श्रधीन, नारोख मई, 1985 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

भूमे यह िक्कास करने का कारण हैं
कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
भिराणल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्वेष्य से जक्त उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित
नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के 1500 अपर्यंगः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती स्टार्स एक्ट रहते किया पथ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विध के निए;

शतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अन्संरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधील, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :——  श्री केंसर दास अरोड़ा
 66, रिंग रोड़, लाशम नगर-3, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक्)

श्री संजीव कानरा,
 मकान नं० 2 6, सैक्टर 16,
 फरीदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जभ के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीच 4 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपश्र थें प्रकाशन की तारी कस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया गदा है।

# नमृस्चीं

फ्लैंट नं० 402, तादादी 750 वर्ग फ़ीट। 5, भगवान दास, रोड, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिनारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, दिल्ली

नारीखः 10−1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

नितेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू/1/37ईई/5--86/1758---श्रतः, मुझे, ग्रान्थ पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट लंक 201 है एथा जो . एताट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीत इस्ते उपायद अनुसूची में पूर्णक्य से विणित हैं), लिस्ट्री .त्ती श्रीधातरी के नार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायतर श्रीधनियम 1961 के श्रधीन, नारीख मई, 1985।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया रैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जौर/वा
- (का) एंग्री किसी आब या किसी भन या अन्य कारिसयां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकारितासित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैंसर्स कम्पीटेंट बिल्डर्स,
 101 कम्पीटेंट हो।उस,
 एफ़० 14, मिडल बंकेंस, कनाट पलेस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मास्टर रशम सिंह भौर भन्य एस-160 ग्रैटर कैलाश~2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो अध्यक्ष अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुसा है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 201 बी० एम० मी० हाउस, एन-1, कनाट सर्केस, नई दिल्ली 832 वर्ग फ़ीट।

> म्रार० पी० राजेश पक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण) म्रजन रेज-3, दिल्ली

तारीख: 10-1-1986

मोहरः

## प्रकल बार्च . टी . एन . एवं . -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में बभीन स्वका

## नारक जन्मार

## कार्याज्य, सहायक नायकाऱ् नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निवेश सं० स्नाई०ए०सी ०/एक्यू/1/37ईई/5-85/1759---**ग्रत:,** मुझे, श्रार० पी० राजेश,

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके परचात् 'उक्त वीधीनवर्ग सङ्घानया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास कारमे का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उपित बाजार। शुल्य 1,00,000/- रह. से माभिक हाँ

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 925, है तथा जो नेहरू प्लेय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इयमे उपावत श्रनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1908 (1908 क्रा 16) के भ्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से काम के बक्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्लास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपर्तित का प्रवित्त वाकार मूल्य, उसमीं दर्यमान प्रतिक्षम से, एसे दल्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिसत से विधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती ्र(अंतरितियों) के बीच एेने अंतरण के लिए तब पासा नेवा प्रतिफल निम्मीसीचत जब्दोस्य ते सबतः वस्तरमः सिचितः में नास्तानिक रूप वे कवित नहीं किया नवा है :---

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाब की बाबता, शक्छ करियानिक को अभीन कार धीने को असंसरक असे राजिए में कमी करने या उचने नपूर्व में विधा वे सिए; वरि/श
- (ब) ऐसी किसी जान या किसी अने वा अन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय वायकर गर्धिनवय, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, बा धनकार निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ नेधीरती कुबाध प्रकट स्वृति किथा गवा भा वा विकास जाना जाहिए था, क्रियाने सें त्रिया के शिष्:

अत. अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरज में, में, तक्त वीधीनयंत्र की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभील, निम्नलि**चित स्यक्तियों, अर्थाद**ः——

ा. भीतमं मकीय्य मैन्स प्रा० निमिटेड .22, बन्ध**खम्ब**ः रोड, वर्ष दिल्ली।

(अन्तर १)

2. श्री प्रार० एम० गर्मा, ए-1, येपमेंट, राजा हाउस, 30~31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कर्तन्त्र मुखना शररा कारक पृथालक सम्पान के अर्थन के विक कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस स्वास के रायवण में प्रकाशन की तारीय से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकतवाँ पर स्चना की तामील से 30 पित की गवधि, जो भी अविधि कद में समान्य होती हो, के भीतर पुर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ऋ) इस सम्बना के राजधन में प्रकाशन की तारीच पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वकुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रवृक्ध बच्चों और पर्दों का, को उल्ल भिनियम के अध्याध 20-क में परिभाषित है, बही कर्भ होगा जो उसा मध्याय में दिया ल्या है ।

## ग्रन्**स्**षी

फ्लैंट नं० 925, 89, नेहरू फ्लेय, नई दिल्ली 150 वर्गफ़ीट।

> क्रार० पी० ऱाजेश प्रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज - 1, दिल्ली

नारीख: 10-1-1986

परूप बाहाँ, ठी. एन एस. ------

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुपना

#### भारत बरकार

## कार्यालय, महायक नायकर नायकत (निरक्षिक)

श्रर्जन रेज-ा, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1986

सिदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यृ/1/3 7ईई/5-86/1760---श्रतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

अध्यकार अभिनियमं. 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें उसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गणा हु"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी । ध्या पलट नं० 802, है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भ्राँग इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), भ्रायकर भ्रधिकारी के लार्यालय नई दिल्ली में भारतीय भ्रायक्ष प्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख मई, 1985

को प्रोंक्ड सम्मित से उपितं बामार मुख्य से कम के प्रवास प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अम्तरितिओं) के बीच देशे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किली आम की बावत, उक्त बीधिमयम के अधीन कर यान के अन्तरक के क्रियरण में कमी करने या उन्नसे व्यने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या अन्य जास्तियों की, विक्रू आरतीय आयक्द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नहीं किया क्या भा या किया काना चाहिए था, डिछपाने स्विभा के लिए।

बकः वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ंे, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के तथीन निम्निविधित स्पक्तियों, अर्थात् :— श्री मुनी कुमा: अप्रवाल
मुप्रत स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण अप्रवाल
हारा डायरेक्टर तक्ष्मी डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा० लि०
4/ए, पुसा उपयोग भवन,
टी० जे० रोड, स्योरी,
बम्बई-400015।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स प्रनिता इलैक्ट्रीक प्रा० लिमिटेड 73, जोली मैंकर चैम्बर नं० 2, नारायणा प्याइंट, बम्बई-400021।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन क कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिश्यिक के फिए जा सकींगे।

स्पड्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिखा गया है।

## मन्स्ची

प्लैंट 802, चिरनजीय टावर, 43, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली, तादादी 633 वर्ग फ़ीट।

> ग्रार० पी० ाजेग ाक्षम प्राधिकारी पहासक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 10-1-1986

मोहरः

प्ररूप मार्'. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

## भारत सरकाह

क्रपालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5-85/1761--अत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके परचात 'उनत अधिनियम' यहा गया हैं), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या छाप नं० 107 है तथा जो नेहरू प्लेस नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नां लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रतिकृत कप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की आवत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जामा बाहिए था. कियाने में किया बी लिए।

बतः कयः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अपृत्तरक पं. में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग्य (1) के अभीन निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- मास्टर राहुल खन्ना
एत/जी प्रेम खन्ना
सी०-1/17, एस० डी० ए०,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री मनी राज कुमारं ग्रौर अन्य ई-452, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के सूचपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुखा हैं।

## अनुसूची

शाप नं० 107, प्रथम खण्ड 58, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, 224 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली

तारीख: 10-1-1986

मोहर:

36-446 GT/85

प्ररूप आहे. ही. एन. एस, -----

म्पार प्राप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

गई दिल्ली, दिमांक 10 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5—85/1762— अत:, मुझे, आर० पी० ाजेंग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ६३च)न् 'एवन अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्दास करने का कारण हुं कि स्थावन संपर्धत जिसका उचित बाजार मृत्य

1.00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जीक एफ० 3644.70 वर्ग फीट है तथा जो ग्रैटर कैलाण-!, कई दिल्ली में स्थित है (ग्रीप इसमें उपाबड़ अतुमुची में पूर्ण रूप से विज्ञान है), रिजस्ट्रीटर्सा अधि तरी के कार्यात्य, कई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिक्षियम, 1961 के अधीक, तरीख मई, 1985।

यो पूर्विका संस्पास के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लए अतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियां त उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है ——

- (क) अंतरण संहर्ष किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, टक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मों, ठक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  प्रा० वयनजीत चाला और अन्य ई-71, प्रीटर कैलाण-1, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. बलापपुर इण्डस्ट्रीज लिमिटेड पापर हाउस, 124, जनपथ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्स्ची

तीत मंजिल मजान नं० ई०-571, ग्रैटर कैलाण-1, नर्व दिहली तादादी 3644.70 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणे) अर्जन रेंज-1,दिल्ली

ਸਾਰੀਾਂਗ: 10−1−1986

## प्रकार बार्<sup>\*</sup>. टी..एन..एड :-------

# बाधकार शांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 10 जनवरी, 1986

**निर्देश** सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37**ईई**/5-85/1765---अत:, सुझे, आर० पी० राजेश.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 1008, 200 वर्ग गण है तथा जो बी-2, निजामुद्दीन बैस्ट, सिंगल स्टार, अई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसची में पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, धारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, ससके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (क्सरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया बिकान, निम्नीनिवत सब्बेस्थ से उक्त मन्तरण निविध के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण वे हुद किसी भाव की वादत, उक्त विधित्यम के वधीन कर दोने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बारि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियां को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्तिमा को तिय;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति :--  श्री अमर नाथ अम्बो झाला साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तर्कः)

2. श्री मोहम्मद सलीम सिछोकी वकील बी-2. निजामुद्दीन वेस्ट, सिगल स्टोरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:----

- (ण) इस मुजना के रायपत्र में प्रकायन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ विचित में किये वा सकोंगे।

स्पब्बोकरण:—इस में प्रयुक्त शक्यों और धर्यों का, को उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होरे को उस अध्याय में दिया गया है.

### ग्रनुसूची

बी-2, निजामुद्दीन वेस्ट, सिगल स्टोरी, 200 वर्ग गज।

आप० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नारीख: 10-1-1986

ोहर:

## प्ररूप आहर . टी. एन. एस.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिसांक 10 जनवरी, 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एनयू/ 1/37ईई/5--85/1764---अत:, मुझे, आप० पी० पार्जश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या 455 वर्ग फीट है तथा जो 17, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इयस उनाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप य वर्णित है), राजल्द्री हर्ना अधियारी के कार्यालय भई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, कैरीख मई, 1985

धने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) वन्तरच वे हुइ किसी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को बावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नोलांखत व्यक्तियों, अर्थात :---  मैश्वर्स अंसल प्रोपरटीज एण्ड इण्डर्म्ट्रीज प्रा० लि० 16, के० जी० मार्ग, मर्ड दिल्ली।-

(अन्तरक)

 मिसेस सुणमा चड्डा, बी-1/74/, अशोक बिहार, पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त अब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बहुी अर्थ हुएंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 510 17, टालस्टाय मार्ग, क्षेत्रफल 455 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायह आयहर अधुक: (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिह्छी

तारीख: 10~1~1986

# प्रस्प बाइ". टी. एन. एस.-----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुकरु

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 10 म त्ररी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/5--85/ 1765---ग्रतः, मुझे, श्राए० पी० राजेश,

शायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रायक एक्चाए 'ज्वत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्रशियकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाबार मुख्य 1,00,000/- राज ने अधिक ही

क्रीर जिसकी सं० 450 फीट है तथा जो के० जी० मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है) रिजिस्ट्रीयाची अधि भी के वर्षात्य नई दिल्ली में भारतीय आयार अधिनियम 1961 के अधीन दिनांव मई 1985

को प्वॉक्स सम्पत्ति के रिपत बाबार मृत्य से कम के स्यमान प्रीतफल के लिए अंतरित जी गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण ही कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से बिधिक ही और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नुनियुद्ध उद्देश्य के अक्ष अन्तरण विविद्ध में अस्व-विक स्प से कथित नहीं किया गया है क्रिन्

- (क) अध्याप के हुई किया नाव की नावत कवा वर्षिक रिवाम के व्यक्ति कर दोने के अध्यापक के सावित्य की कमी करने ना उससे कमने में मुन्या के जिने; नार मा/
- (स) एँसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिसयों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-ला अंतियम, या धन-ला अतियम, या धन-ला अतियम, या धन-ला अतियम, वा धन-ला अतियम अतियम प्रवास प्रकट नहीं किया बुवा भा वा किया बाना वाहिए था, कियाने में बुविजा ही जिन्हा;

सत. सव, उनत अधितियम की भारा 269-ग के, नमुत्रण भा, मी, उनत अधितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निम्मिनिकर काक्सिकों, संख्या ७-४

- (1) श्रंसल प्रोपर्टीस एंड इंड॰ प्रा० लिमि॰ 115 श्रंसल भवन 16 के० जी० मार्ग नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मास्टर विजय चान्ता और ग्रन्य 565 श्रद्धानन्द माशिट नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारौ करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन को सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उनक सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपक में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, को श्री ववध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्थाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, वो जवत अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गवा है।

### मन सची

फ्लैट नं० 206, ग्रम्बादीप 14 के० जी० मार्ग नई दिल्ली। नादादी 450 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक: 10-1 1986

## प्रकम बार्च . सी . एन . एस . ------

# बायकर मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 10 जनवरी 1986.

निर्देण सं० भ्र.ई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,70,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 525 वर्ग गण है तथा जो 14 के० जी० मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के नार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रात्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्य में कमी करने या उससे बजने में सविधा के लिए; आदि/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

मतः सम, जनत सिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम भो, मी, अनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) अंसल प्रोपर्ट्रीस एंड इन्डस्ट्रीस प्रा॰ लिमि॰ 115 ग्रंसल भवन 16. के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिस पाला जैन, जी एफ-4, श्रंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थीं उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

फ्लैट नं ० 107, ग्रम्बादीप, 14, के ० जी ० मार्ग, नई दिल्ली 525 वर्गफीट ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, न**ई** दिल्ली-110002**५**

दिनांक: 10-1-1986

## प्रकार आर्था <u>हो, प्र</u>कार एक प्रकार

थायकार कॉिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-च (1) के नचीर भूचना

### नाउन स्टान्सा

# कार्याजय, सहार्क आवकर वायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नर्षे दिल्ली, दिनांदः 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/1767---ग्रन:, मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

कारकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत किथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 500 वर्ग फीट है तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपावन्द श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है) स्रायन्तर श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांः मर्ड 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित वाषार मृस्य ते कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिक्त, निक्निसिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए कि बीं बाय की वावत उपच विश्वित्वन के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्व में कती करने या उसने वचने में सुनिधा के जिए; यो र/या
- (थ) इसी किसी जान वा किसी धन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनाथ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया चाना चाहिए था, जिनाने में सर्विचा वे विद्या

(1) अंभव प्रोपर्दीच एन्ड इंडर प्रार वि**मि० 115**, प्रसाय भारत, 16, केर और मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम रतन भारतात्र (एव० यू०) श्रीर अन्य, एच-220 डी० डी० ए०, पर्वेट्स, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं।

बन्द बन्दित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस स्थान के राज्यम के मुक्तस्त्र की हाडीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रबेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-धव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी वर्ष होंगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बहस की

फ्लीट नं ० 1202, ग्रम्बादीप, 14, के ० जी ० मार्ग, नई दिल्ली 500 वर्ग गा।

> श्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहाय⊕ श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ■. मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र—

दिनांक: 10--1-1986

## प्रक्ष्यः कर्त्यः टी. एवः पृक्ष्यः । ॥ ।

बायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १०९ ४ (३) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1768--श्रतः म्झे, ग्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संव 450 वर्ग फीट है तथा जो केव जीव मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुमुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीय ारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक मई 1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उफित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उफित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गयां प्रति-कल निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक्क

- (क) अन्तरण वं हुई किसी नाम की बाबद, धकर कीचिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वासित्य में कामी कारते या धमसे बचने में सुनिधा के शिक्ष, कीद/था

बत: वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) प्रंतल प्रापर्टीयहण्ड इन्ड० प्रा० लिमि० 115, ग्रंतल भवन, 16, के० भी० नार्ग, नई फिल्ती ।
  - (अन्तरह)
- (2) सिस् श्रंजली जैन जी -4, श्रंसच भवन, 16, के ० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सुवना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं !

क्ष्मत सम्पत्ति के कर्जन के गर्यंच के आहे. भी काक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाध होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति को में को किसी समित के नाम
- (का) इस स्वान क राज्यम माँ प्रकारन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मन्पतित माँ दितवय्भ किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, प्रभोहरताकरी के पास किचित माँ तिरास का स्थान.

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>क</sup>, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्स्ची

तादादी 450 वर्ग फीट 1 फ्लैंट नं० 106, 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक -1, दिल्ली, नई (रालो - 110002

दिनांक: 10 ·1~1986

प्रचम शाह". डी. इन. एव.------

नाव्यार वर्षिनियम्, 1961 (1961 का 43) की शस्त्र 269-भ (1) के नजीन वृष्या

#### नारव राज्यर

## कार्याजयः, बहुरमक बायकर बाब्क्स (निर्देशक)

अर्जन रेंज--र्म, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1769---श्रन: मुझे, श्रार० पी० राजेश

वासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें करवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-व के अधीन शक्त प्राधिकारी की, यह विस्तात करवे का आरण हैं कि स्थाप अधीत, विसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 480 वर्ग फीट है तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण कप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीयन्ति स्रिधिवारी के दार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर स्रिधित्यम, 1908 (1908 वर्ण 16) के स्रिधीन, दिनांक मई 1985

को पूर्णेक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मूक्य से काम के संस्थान बीसफल के लिए जन्तरित की नहीं हैं और मुख्ये यह विस्तास करने का कारण हैं कि सभापूर्णेक्त सम्मत्ति का करिया कालतर मूक्य उत्ते संस्थान प्रतिकास के हैं की हक्याम प्रतिकास का वस्तु प्रतिकास की किए स्था प्रतिकास की किए स्था प्रतिकास के विद्यु स्था विद्यु का विद्यु का विद्यु का प्रतिकास की विद्यु क्य प्रतिकास नवा प्रतिकास, विकासित क्या नवा प्रतिकास, विकासित क्या नवी किया क्या विद्यु का विद्य का विद्यु का विद्य

- (क) बच्चरण से हुर्द फिली बाब की बाब्छ, उनस अधिविष्म के बधीत कर दोने के बच्चरक के ध्वीयरच में कभी करने या उक्स बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एथी कियी नाय वा कियी थन वा अन्य आरियामी को, विमहें भारतीय नामकर वीपीयनंत्र, 1922 (1922 का 11) ना उच्छ वीपीयनंत्र, या चन-कर वीपीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासभाषे अन्यरिती बुसाय अकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, फिनाने में मुनिधा के सिए;

- (1) श्रंसल प्रोपर्ट्रीस एंड इंडस्ट्रीन प्रा० लिमिटेड 115, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) ले॰ कर्नल सुखदीप सिंह ग्रीर श्रन्य मकान नं॰ 329, सँक्टर-9डी, चंडीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करुमै पूनोंक्त तंपरित के वर्चन के किए कार्यनाहिना करता हुने।

इन्द्र सम्पत्ति को सर्वम को सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर कम्मित में हितवह्थ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा सभोइस्ताक्षरी के वास निवित में किए या सकेंगे।

स्वयानिका :---श्वनं प्रयुक्त कव्यां बीर वर्षों का, को उभव विष्णिकत के श्वाब 20-क में वरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में विया विषाहै।

## बन्स्ची

फ्लैंट नं० 1204, ग्रम्बादीप, 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली 480 वर्ग फीट ।

> श्वार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज∽I, दिल्ली, नई दिल्ली−110002

दिनांक: 10-1-1986

मोहर 🤳

प्रकृत बार्ड .दी .ध्य .ध्य . \*\*\*\*\*\*\*\*

नामकर निधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्थान

### क्षारक बहुकार

# कार्याचय, शहायक शायकारु बायुक्त (विद्वाकाण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1770—श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें उपनात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 209- के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाचार नन्न 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ● 2000 वर्ग गज है तथा जो मुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञ है), रिस्ट्री हत्ती श्रीधकारी के सार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक मई 1985

का पूर्वोक्त सम्मिटित को उपित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके खरमभान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल का बन्दाह प्रतिशत से बिथक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा मवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक कुप से किथास महीं किया बमा है '——

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जभिनियम के बभीन कार दोने के जन्तरक हो दामित्व में कभी करने या उससे अधने में मृत्यिक्त के सिहा; ब्रीड/बा
- (च) ऐसी किसी शाम वा किसी भन मा लम्स आस्तियाँ को, जिस्हें भारतीय नामकर नौभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सम्बंधा के लिए:

नतः का, उक्त निर्मातका की भारा 269-ग के जन्मरण में, में क्या मिनियम की भारा 269-ग की क्यारा (1) के अभीय, निम्निविधिक म्यामसर्वी, संबंधि ह— (1) श्री बंसत कुमार छावर  $51/ \xi$ , गारीहट रोड कलकत्ता ग्रीर भ्रन्य ।

(श्रन्तरकः)

(2) मैं ॰ सौमा विजया प्रतिष्ठान लिमिटेड 24, श्रार॰ एन॰ मुखर्जी रोड, इलकत्ता-700001। (श्रन्सरिती)

को वह क्षमा भारी करके नुवांक्य सम्मत्ति के व्यंत के सिन् कार्यवाहियां क्र करता हो।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में नाई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाक्ष विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त क्षव्यों नीर पत्तों का, वां उपय निश्चित्रय के नभ्याय 20-क में परिभाषित ही, यही नर्थ होगा को नभ्याय में विवस पत्रा ही।

#### वन्स्पी

फ्लैट नं० 5, दूसरा खंड, लगभग 2000 वर्ग गण, परवीन ग्रुप हार्जिसग स्कीम, परवीन श्रपार्टमेंट, सुजान सिंह पार्क, साउथ, नदीं दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10~1-86

मोहरः

प्रकल कार्द, टी., एन., एक ः-----

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

# कार्याचय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांः 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1771—-ग्रातः, मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियमास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार सुन्य

1,00,000/- रु. से अभिक **ह**ै

श्रीर जिसकी संव क्षेत्रफल 1000 वर्ग गर्ज है तथा जो 22, बीव केवरोड़, मई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रृतुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिश्च जारी के जार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (सन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नितिचित उद्वोक्त से उक्त सन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्) नन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त निधीनवन के नधीन कर देने के जन्मरक के दासित्व में कमी करने या उत्तवे वचने में सुनिधा के निए; औंदु/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कर 27) के राज्यान भीतियों कारान प्रकट कर्यों किया गया प्रकट कर्यों किया गया प्रकट कर्यों किया गया कर या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा विका

नतः जय, उक्त निधिनयम की धारा 269-त के नमृतरम में, में, उक्त धीधनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के नधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सर्वाद् :--- (1) मैं सर्स हैमकुष्ड इन्वेस्टमेंट्स लिमि॰ एल-40, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) महतानी इन्टरप्राइजेज 415, ग्रोसिएन बिल्डिंग, 12, मेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरिती)

का वह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हैं।

क्षमा सम्मन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंच में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमा में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितवत्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सकते।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम को सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नथा हैं।

## वन्त्र्यी

फ्लैंट नं० 109, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । तादादी 1000 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10--1-1986

# प्रकृष बार्'्य हो । पुरु पुरु ------

# नासकड विधानियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-न (1) के बंधीन स्वना

## मार्व स्ट्रकार

## कार्यासक, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां है 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1772--यतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

भागकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकार 'उनत विभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उड़ियत वाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से विभिन्न हैं

ग्रीर जिसकी संव क्षेत्रकल 89 वर्ग गज है तथा जो फ्लैट नंव एल-2, सी बी फ्लोद, 18, बाराखम्बा रोड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 के अधीन, विनांक मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है जार मुफ्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार पूल्य उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का प्लाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाक्त, उक्त निभागितम के नभीन कह दोने के बन्तरण के बाहित्य में कमी करने वा उत्तसे वचने में हुनिभा के लिए; नीर्/या
- (थ) लैसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने से स्विभा के लिए,

अत: अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उण्ड अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री ऋषि राम गृष्ता सुपुत श्री राम 34. दीवाशी श्रपार्टमेंट,4 खंड, 30, फिरोज़शाखंह रोड़, नई विल्ली। (अन्तरक)
- (2) मेहर्स श्रादर्श मल्होत्रा पत्नि श्री दीपक मल्होत्रा, एस -534, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्लो । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करुके पूर्वोक्स सम्माल कं कर्जन कं लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

## उचत तब्यति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुख्या के राध्यत्र क प्रकालन को तर्शक्ष सं ६० दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पाक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति स्वारा विधेहस्ताकरी के पास लिखित में किए का सकेंग।

स्वध्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सबा है।

धमुसूची

फ्लैट एल - 2, लोफ्ट, कंचनजंगा, 18, बी० के० रोड, क्षेत्रफल 89 वर्ग फीट नई दिल्ली ।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली- 110002

दिनांक: 10-1-1986

प्रकथ बाह् .टी. एन .एरा . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-फ (1) के तथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग्र∼1, नई दिवनी

नई दिल्ती, दिनों ३ 10 पनवरी 1986

निवेश सं० ग्राई० ए० ना0/एकगू<math>0/1/37 हैई/5-85/1773-46: मुझे, श्राद० पी० राजेश,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलं इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 550 वर्ग गण है तथा जो 22, बी० के० रोड़, कई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस्ते उसवद्ध श्रनुसूची में पूर्ण क्या में वर्ण है), रिजिन्द्र उर्ला अविकारी के क्यार्थालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिन्द्री रिण अवितियम, 1908 (1908 स्व 16) के श्रातीन, दिलांच मई 1985,

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाबार मूल्य स कम के उध्यक्तान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्सरक के दामित्व मो कमी करनेया उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क जभीन, निजलिखित श्रास्तियों, अर्थात् क्ष- (1) श्रीमती सावित्री देवी कोहती, द्रार-50, जी के-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) निर्रयत प्रा० निमि० 75, ई, हिमालय हाऊस 23, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली-110001।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उपत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वित व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक लिमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**ध**नुसूची

फ्लैट नं० 102, तादादी 550 वर्ग फीट 1 तल खंड, 22, वाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

> श्राप्त पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकार श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, नई दिल्ली-110002

दिनांदा: 10-1-1986

मोहर्

प्रस्य बाइ, टो. ५४. एस्. ....

आयकर अधिनिसम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश मं० द्वाई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1774--- अतः मझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० क्षेत्रफल 500 वर्ग फीट है तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभुची में पूर्ण रूप मे क्षणित है), रिस्ट्रीयनी शिक्षिणरी के विलय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायाल श्रिधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मई 1985.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिगत बाजार मूल्य म जम क रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बांजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशित उद्शेष्ट्र से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मलाहण सं हुई किती नाम की मानत अन। मिनियम के अभीन कांत्र दोने के अन्तरक पं प्राचित्र मा कमी कार्य पर उससे राजन में सुनिभ्न के गलाए; मार/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य बास्तिओं की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपाने में जुविधा के खिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम दरी बाच 269-ग क अन्सरका हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकिक व्यक्तिकों, अधीत :---

- (1) डी॰ एस॰ गिल एंड संस और अन्य, 14-ए/96, डब्लयू॰ इ॰ ए॰, ारोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) फस्ट फ्लैटस इंडिया प्रा० लिमि० 204, रोहित हाउस, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करका हुई।

उनक संपत्ति के अर्थन के संबंध में कार्ड भी आक्षेत्र :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील ते 30 दिन की कमि, जो भी जमि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी बन्य स्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्यतेकरण:—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **अमृत्**ची

फ्लैंट नं० 18-एन, 10वां खंड, डी० सी० एम० बिल्डिंग, 16, बाराखम्बारोड्, नई दिल्ली तादादी 500 वर्ग फीट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10-1-1986

प्रकल्, काइं. टी., एन., एन., -----

# मायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### बारत सरकार

# कार्यातय, सङ्घानक वायकर जामृक्त (निरीक्षक)

अर्ज न रेज-1, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमोक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5—852/ 1775—अत: मुझो, आर०पी० राजेश,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव 434 वर्ग फीट है तथा जो पवत हाऊस, क्षाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इशन उपावड अनुभूवी में पूर्ण रूप से विणि: है), प्रजिस्ट्रीयक्ती अधिरारी के व्ययिलय, मई दिल्ली में भारतीय आवक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन दिमांक मई 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित इंच्यक्य से उक्त अंतरण लिचित में वास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियां को जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से सिए:

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) २० १५० करूठ फीमली दृष्ट, जी—39, अगट रार्चण, गई दिल्ली ।

(अन्धर्क)

(2) भी सुभी हे दुम्मान श्रीर अस्य, पी--7, ही ज स्वाप, भई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

## जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्विक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (व) इत्त अपना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निविद्यत में किए वा बक्ति।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त बन्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं क√ होगा. जो उस अध्याय में दिया भवा हाँ।

#### अनुसूची

पवन हाउस' मीडल सर्कल, जी-39, कनाट सर्कस, नई दिल्ली के पीछे, तादाद 434.48 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश अक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली -110002

दिनां ७: 10-1-1986

मोहः :

प्ररूप बाइ .टी.एम.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1776---अत: मुझे, आ४० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 265 वर्ग फीट है तथा जो नेदरू प्लैस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथागपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और वन्तरक (अंतरका) और अंतरिती लिएं तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के अधिनत्व को कनी करने वा अख्व क्याने में बृजिका के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जिल्लाम मिल्कि ग्रीट अन्य एस-370, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

(পালাস্ক)

(2) शी सतीय कुमार गुणा और अन्य मी-191, ग्रेटर कैलाण-2, पई बिल्ली।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्थित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिंस-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

दुकान नं० जी-4, सिद्धार्थ, 96, नेहरू पलैस, नई दिल्ली क्षेत्रफल 265 वर्ग फीट।

> आर०पी० राजे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 8-1-1986

शस्य नाहा . दी . एव . एत . -----

नामकार निर्मितियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के नचीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

गर्द दिल्ली, दिशांग 8 जनवरी 1986

सिर्देश सं० अ१६० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/1777--अर. मही, अरण्यिक राजेश,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिल्ही सं ० 590 वर्ग फीट है तथा जो बारत्यस्यः रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इतन उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण स्प से विणित है, आयहर अधिहारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयहर अधिनियम 1961 के अधीत, दिलाह मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण हैं कि संधाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चेन्द्रह प्रतिकृति से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब गावा नवा प्रतिकृत निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित वे शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है दुन्न

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किसी आये की वायत उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के सन्तरक की शासित्य में कमी जरने या उससे वधने को सुविधा सं लिए, अदि/भा
- (थ) एसी किसी जाय या धन या जन्य वास्तियों की, जिन्हें नारतीय वाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त जिधिनयम, या वज-कर अधिनियम, या वज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्थिश के जिस्हः

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग भी अनुसर्भ ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निय्नी निवास प्यक्तियों, अधीन :-- 38-446 G1/85

(१) गुजरात एस्टेट प्रा० लिमि० 17, बारा**खम्बा रो ड** मई दिल्ली।

(अन्धर क्र)

(2) श्री योगगेण वत्तरा सुपुत्र मिलिक हकीम राय बत्तर श्रीर अन्य 17, बाराखम्बा रोट, भई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह क्षमा चारीं करके प्वास्त सम्बन्ति वे व्यान के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## वयत् बन्धीत्त् से वर्षाव् से प्रम्पून्य में सोवं प्री वास्त्रेष्टन

- (क) इस स्थार, ते राजपण में प्रकाशन की तारींस से 45 बिन की स्विभि या तत्सींशी व्यक्तियों पर ब्यान की तामींस से 30 बिन की जबींभ, को भी ब्यान वाद में बढाना होती हो, में मीत्र पृथानित व्यक्ति में में पिकी व्यक्ति हुए।
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 वित् ने नीवर उक्त स्थान्य सम्परित में दिववद्व किसी बन्ध व्यक्तित स्वास स्थाहरताक्ष्मी के शास निवित में किस का स्कीने।

ल्बक्किरणः ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वो का, भी सबस् अभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाशिक हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा भवा है।

## ममुख्यों

स्पेश नं ० 9, ८ खंड, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली नादादी 590 वर्ग फीट ।

आर॰ मी० राजेण स**क्षम** प्राधिकारी महायार आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिशाक: 8-1-1986

्रप्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जभ रेंज-I, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 9 जनवरी 1986

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5−85/ 1778—चअन: मुझे, अहर० पी० पाजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 901 वर्ग कीट है नथा को बाराखम्या रोड. नई दिल्ली में शिथन है (श्रीर इसमें उपावज्ञ अनुमूची से पूर्ण रूप में विणित है), आयकर अधिकारी के पार्याच्य मई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिकास, 1901 के अधीन, दिशांक मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हर्र्ड िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दीता उच्चा आंग अन्य 33, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(१) श्री हरबन भाग खरबन्दा ग्रीर अन्य 65/50, न्यू रोहाक रोड, भई दिल्ली।

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व<del>ोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए</del> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं गर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

#### अतस ची

स्टोरेज स्पेश नं० 5, अशोध एस्टेट, 27 बाराखम्बा **रोड**, पर्द जिल्ली वादादी 901 वर्ग फीट।

> अस्य पीर रानेम् सक्षम प्राधिकारी अहासक आसकर आसुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक : 9-1-1986

महिर:

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ में ज- I, नई दिल्ली

नर्द दिल्ली, दिसांक 9 जनवरी 1986

भिर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/5−85/ 1779—-अत: मुझे, आप०पी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम.' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिसकी संरुपलैट नं रा 1322ए, है तथा जो शहरू पलैत नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इतने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णिक है), रजिस्ट्रीकची अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिभियम, 1961 के अधीन, दिनांक मई 1985)

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिष्ठत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाखाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) देशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निशिविव क्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मै० क्रोडवे टावर (इंडिया) प्रा० लिमि० बी-104ए,
 ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(अन्तरका)

(2) रावन प्रांपर्टीस वी-7, कीर्नि नगर, नई दिल्ली । (अर्न्नारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृषीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हैंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

प्लैंट नं० 1322ए, स्कीपर टावर, 89, नेहरू प्लैस, नई मई दिल्ली 500 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

दिनां तः 9-1-1986

मोह"र :

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

जासकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्य०-1/37ईई/5-85/1780—श्रतः मझे, श्रार०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 133 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैंट नं० 14-वी, 15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्रायकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनयम, 1961 के अधीन, दिनौंक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों किमी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  (1) डी॰ एस॰ नंदा, डी-43, एन॰ डी॰ एग॰ ई॰ पार्ट-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) गीता नंदा, कविता मिह, ज्योति सिह डी-43, एन० डी० एम० ई०, पार्ट-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समाची

1/2 शेयर, फ्लैट नं० 14नी, हं आलय, 15 नाराखम्त्रा रोड, नई दिल्ली नादादो 1333 वर्ग फोट।

> श्रारः पो० राजण सक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज⊶1, दिल्ली,/नई दिल्ली→11 0002

दिनौंक: 9-1-1986

मोहर

प्रसम्ब कार्ड. थी. एन. एक

शायकर विभिनिषय, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-थ (1) के संभीत स्थान

#### ब्रायस् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोक्त 9 जनवरी 1986

निद्रेष सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1781—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

भायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्स मिथिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का जारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- का गे अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ई-8, है तथा जो 11 टालस्टाय जार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उजाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीयकर श्रविकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में श्रीयकर श्रधितियम, 1961 के श्रधीन, दिनॉक मई 1985!

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के **क्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्ड और** मुभे यह विकशास

करने का कारण है कि यथाएं गेंबत सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्य भावा गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्योख से उसके बल्लाण सिचिए में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- ्तं, जनसरश सं हुई किसी **थाय की बाबत, उक्य** अपिनियम के अधीन कार दोने के जन्महरक औ **धायित्य में क्यी कड़ने या उक्य वर्षण में शृविधा** के जिए; **मॉर**∕बा
- (थ) एसी किसी जाव या किसी धन या जन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा /+) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) **डा॰** मिसेस् सूरज काँता भगत, डा॰ फ्लैट्स, एम॰ एंड सी॰ डब्ल्यू॰, सरोजिती नगर, नई दिल्ली— 110 023।

(अन्तरक)

(2) डा॰ मिसेस् एस॰ कॉता भगत और म्रन्य डा॰ फ्लंट्स, सी॰ डब्ल्यू॰ एंड एम॰ सेंटर, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह बुज्ता बाटी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिंध कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

उक्त क्ष्म्यात् के वर्षम् के वंषभ में कोई भी नाक्षम :----

- (क) इस त्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में सजापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद लिकित में किए वा सकेंगे।

लक्कीकरण — इसमें प्रयुक्त बच्यों और पदों का, जो उसस अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में दिया क्या हैं।

## **धनु सूची**

**ई-8, ब**न्दना बिल्डिंग, 11 टालस्टाय मार्ग, नई दिस्ली ।

श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 9-1-1986

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

जावकार कॉ अर्प दक्षर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के सभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 9 जनवरा 1986

निद्रेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-1/37ईई/5-85/ 1782--श्रनः मझे, ग्रार०पी० राजेण,

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 1333 वर्ग फीट है तथा जो बाराख्नस्वा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनाँक मई 1985।

को प्रोंचल हंग्यां के जीवत याचार मृत्य त काम के श्रयमान शिक्षण के लिए अपनीच्य की नई है बार मुखे यह विश्वाय करने का कारण है कि वशापुनोंकत तम्मतित का कियत गायार कृष्य, उसके ध्यवयाम अविश्वय हो, इन्हें ध्यवयाम अविश्वय हो, इन्हें ध्यवयाम अविश्वय को इन्हें ध्यवयाम अविश्वय को वृद्ध प्रस्थान प्रतिभव को पंत्र प्रतिस्थित हो बीच एस अन्तर्थ के लिए तम पाया गर्थः अतिकास, निम्नतिधित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिविद्य भी बास्तायक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्स विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जस्य बास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिष्टा

शतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण म', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीन क्र--

(1) जी० एस० नंदा, डी-43, एन० डी० एस० ई०;पार्ट-2, नई दिल्लो।

(श्रन्तरक)

(2) अन्त पाल, मुक्रप्रोत सिंह, डो-43, एन० डो० एन० ई, • पार्ट-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितो)

ेल यह संचना आरों करक पृथानित सम्मित्स में वर्णन में हिन्स कार्यकाहदा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई थी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिलबब्ध किंग्री कृत्व व्यक्ति ध्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास चिक्रित में किए वा स्केंचे ।

स्पष्टीकरणः --- इसमा प्रश्नुक्त सन्दा बीट न्हीं क्य, सो उनक् अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ क्रोगा जो उस अध्यास में विसा गया ही।

#### वय करी

फ्लैंट नं 0.14त्री हंसालय, 15 बाराखम्बा रोड, न**६ दि**ल्ली 1/2 गेयर 1333 तर्ग फीट 0

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली,/नई दिल्ली-110002

दिनौंक: 9-1-1986

मोहर,

## शक्य बार्च हो, एत. एक. ००० ०००

# वाशकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के वधीन स्वना

#### HIZE AZELS

क्षायां अथिक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार्ट० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-85/ 1783--ग्रन: मुझे, भ्रार०पी० राजेश

कायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत वीभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को निभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 89 वर्ग फोट है तथा जो बाराखस्वा रोड, नई दिल्ली अ स्थित है (और इपये उताबढ़ श्रनुस्चो में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रिधीन, दिनाँक मई 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उत्वित बाजार मृख्य से कम के ध्रममान प्रतिकल के निष् अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापमां कित संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रममान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिवर से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के विष एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से काधत महीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण बंहुई किसी बाय की शावत, उक्त अभिनियत के बंधीन कर दन के अन्तरक के दायित्य में किसी कर्तने या उत्तव विषये में त्विधा के जिए सरि/था
- (क) होती किसी आब सा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया धा सा किसा जाना चाहिए था क्रियाने में न्धिशा अंधिका;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे क्थीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—  (1) श्राणागुक्तापल्नी ऋषि गम अन्, दीवानश्री श्रपार्टमेंट्स , मधंत्र, 30, किरोगामात लोड, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) थो ज्याम मल्हात्रा पत्नि कृष्ण लाल मत्होत्रा एस─ 534, प्रेटर कैताण -1, नई दिल्ली।

(ग्रन्निरिती)

को बहु सुचना नारी करके प्रबंकित संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के संसंभ में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों अर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थां अर जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-दव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वास अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में निक्श का सकोंगे।

लाक्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त नियम के अध्याय 20-के में परिभाषिक ही, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया ही।

## अन्स्ची

कर्माणयल स्पे श्पनैट्न एल-2, म्रान लोफ्ट/लोबी फ्लॉर, कंबनजंगा, 18, वाराखस्वा रोड, नई दिल्ली लगभग 89 वर्ग फीट।

> 'स्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक : 9-1-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

थानकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के वधीन स्थान

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सङ्गयक सामकर सामुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5-85/ 1784---ग्रतः मुझे, ग्रार०पी० राजेश

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अधितफल 525 वर्ग गज है तथा जो अस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली सें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनाँक मई 1985

का पूर्वाका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ध हैं और मुक्ते यह विद्यास का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उक्के अवस्थान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल से पंदाई प्रतिकल से बाबार है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाबारिक क्या से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के उर्जुक्त के कमी करने का उचने क्या के कृषिणा के सिए; बीट्र/वा
- (ग) इंसी किसी बाप या किसी पन या बन्य बारिसमी की, विन्ही आरबीय नायकर विधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या अकड़ बिधितियम, या अकड़ बिधितियम, या अकड़ बिधितियम, पित्रकड़ बिधितियम, 1957 (1957 का 27) अधितामध्य जन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विध्या जाना वाहिए था, किपाने में स्विया के लिए;

शक्तः जब, उक्त विधिनियत्र की धारा 269-ग के अनुवरण वो, तो, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्यीन निम्मीनिका स्थितियमं ंधीत् क्र---

- (1) संपन्न प्रोनदी, एंड इंडच्ट्रोज प्राच निनित्व 115, स्रोनन भवन, 16, केठ जोठ मार्ग, नई दिल्ली। (स्रान्तरह)
- (2) श्रादित्य पुरी ग्रीर श्रन्य 1/28, गाँति निकेतन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों १९ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अशिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिसमः — इसमे प्रयुक्त शब्दौ और पर्यो का. वा सक्त मिनिवस, के सभ्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो स्ता नामा की निका नवा हैं।

#### धनुसूची ।

पलैटनं ० 1503, श्रम्बादीन, 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली 525 वर्ग फीट।

> श्रार० पो० राजेण नजन प्रास्ति हारो सहासक श्रायकर प्रास्तु+त (तिरोज्जण) श्रर्जन रेंज−1, दिल्ली, नर्षे दिल्ली→110002

दिनौंग: 9-1-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

भाग्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में अभीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज--।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० मीः/एक्यू०/।/ 3७ईई/5−85 1785—अतः मुझे, आ४० पी० राजेश

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िरसे इसमें इसके पर्याक्त 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व से अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संरुपलैंट तंर 1204, है तथा जो कस्तूरबा गांधी मार्ग, रहे दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ड्रीयर्चा अधिकारी के अर्थान, नहें दिल्ली में भारतीय आयकर अधिरियम, 1941 के अर्थित, दिनांक महें 1986।

को पूर्वेक्त संस्पत्ति के उपित बाजार मूल्य र कर के द्रश्यान अतिकास के लिए अन्तरित की गई है और बहु विस्तास करने का कारण है कि स्थापवोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से, एसे स्रमान प्रतिकाल का प्रवास कर क्रयमान प्रतिकास से, एसे स्रमान प्रतिकाल का प्रवास है बीर मंसरक (बंतरकाँ) और मंसरिती (अन्तरित्तियाँ) के यीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा क्या के किए ते प्रमानिका उक्करेक्यों से स्वत क्यारण कि कित के प्रतिकार के विस्ता कर के लिए तम से कार्या के कित कर के कित कर के कित कर के कित कर के कार्या कर से कित महीं कित कर कर है कि

- (क) अन्तर्य से हुई किसी साम को बावच उच्छ शीप-शिवक सी स्थीन कर वंशे के बच्चरक के दायित्य से कसी करणे या उपसे स्वाने में स्विचा के लिए; सीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय भाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया बाग बाहिस था, फिनाने में स्विधा के लिए;

क्त: क्व, उच्छ विभिन्यन की थारा 269-न के अनुधरण भों, मीं, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 39 —446 GI/85 (1) अंशल प्रोपर्टीन एंड इंडण्ट्रीम प्रा० लिमि० 115, प्रांचन भवन, भई दिल्ली।

(असरका)

(2) श्री एका किसाठी 24, वेक्टीण रोड़, लंदन, ए० डब्ल्पू० 17, 9 अरु० जी०, यू० के०।

(अन्तरितौ)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए काउपाधियां करता हुं।

उच्चा सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में केंद्र भी वाक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनिथ, जो भी समीथ नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इब सूचना को राजपत्र में प्रकाचन की सारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के शास सिवित में किए था तकाने।

रपक्षिकरणः --- इसवें प्रवृक्त सन्यों और पदी का, जो समय अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु°, यही अर्थ होता, जो अस अध्याय में दिया दथ। हु°।

## बन्स्ची

फर्नेट तंब 1204, 22, ज्यत्या गांधी मार्ग, नई दिल्ली 400 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेंग सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (मिरीआण) अर्जान रेंज~1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनां क: 9-1-1986

## अथव आहे, हो , हुव , क्य , -----

भाशकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत बहुकार

## कार्यास्थ, सहायक जायकार अख्यात (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनां र 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० आहे० ए० सी०/एक्सू०/1/37ईई/5—85/ 1786—अन: मओ, आर०पी० राजेण

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 4, है तथा जो फिरोजगाह रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में पूण रूप में वर्णित है), रिल्ट्री त्त्री अधिकारी के सार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिशांक मई 1983

को पूर्वोकत सम्पत्ति को अचित बाजार मूल्य ने कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचल से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और जंत-फ्ली (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोधन से उक्स बंतरण जिल्लिस में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरक से हुई किसी नाय की बाबत, उनत जीध-नियम के जबीन कर वाने के बंतरन के वारिश्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिष्; वॉर/का
- (च) होती किसी बाब था किसी धन वा अन्य आसितों को जिन्ही भारतीय जावकर अधिनिवज, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनिवज, 1922 कर विधिनिवज, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वेसीरती क्वास्त प्रकट नहीं किया गया था या विश्वा जाना आहिए था, छिवाने अे बुविधा के सिक्;

बत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) कैलाग नाथ एंड एमोटिएट्स 1000, कंधनजंगा, 18, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

( पुरस्य स )

(2) श्री अणोक नैण, 25, हनुमान रोहे, गई (इल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबीधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितयक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाष्ट्रम्ताक्षरी के पास विश्वत में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्निध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्यान में दिया गर। है।

#### क्ससर्वी

एक आवासीय फ्लैंट सं १८०० वर्ग फीट 1 बहुमंजिली आवासीय प्रुप एक कार पाकिंग आधेष्वर अधार्टमेंट, ३४, फिरोज-शाह रोड, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश जलम प्राधि लागे लहायह आयालर अध्युजा (लिरीजण्**र)** अर्जन रेंज−1, दिल्ली, ५% दिल्ली-110002

दिनाक: 9-1-1986

मोहर

## प्रकृत बाह्र ही एवं एक - - --

भायकर लोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्याक्षय, बहायक बायकर बाय्यक (निर्धिक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 9 जनवरी 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परवात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धील जिनकी मंद फ्लंट नंद 5, है तथा जा फिरोजेशाह रोड़, कई दिल्ली में स्थित है (बील इससे उपावक अनुमूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीतरही होता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय जायाल अधित्यम, 1961 के अधीन, दिनांक मई 1985,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान रितिक्स के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास देने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार क्या, उश्चम दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का इह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्रिंटिस (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया क्या प्रतिफल, निम्नसिवित उद्विय से उक्त अन्तरण तिक्ति को अस्तिबक रूप से क्रिंगत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; वॉर/या
- (बा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  कैंगाद गाथ एंड ए मिंह-एट्ड 1006, केवल जंगा 18, वाराध्यम्बा केंड्, ाई दिल्की ।

(সন্বায়ক)

(2) श्री कपित वैश, 25, हनमान रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वाक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः- - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

एक आजासीय फ्लैंट गं० 5, 1600 वर्ग फीट 1 प्रथम खंड, बहुमंजिली आजासीय ग्रुप हाउसिंग स्कीम, अक्षेत्रवर अपार्ट-मेट, 34, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

> अ।४० पी० शाजेश सहायक आयकर अ।युक्त (भारीकण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

**दि**नां : 9-1-1986

मोहणः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

# वाबगर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां व 8 अनवरी 1986

निर्वेश सं० प्राष्ट्री० ए० मी०/एकपू०/1/37ईई/5/85/ 1788——यत: मुझे, प्राप्ति पी० पात्रेश

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इत्वें इसके प्रथात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भारि जिल्ली सं ० 1600 वर्ग फीट है एया जो फिरोजगाह रोड़, नई दिल्ली में स्थान है (श्रार इसमें उपायक अनुसूची में पूर्ण कार ने विणित है), आयकर पश्चिमानी के पार्याजय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीय, विजिए मई 1985,

को प्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर मान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) वं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से के जित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किर्: आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/भा
- (स) एरे ी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: दब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों अर्धात--- (1) कैताम आथ एंड एमोजिएटत 1000, कंचनजंगा, 18, वाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्दर्क)

(2) श्री ग्रां० पी० वैंग 25, हनुमान रोड, नई दिल्ली । (अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रस्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान में हितााद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिक्ति में किये जा सकर्ग।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कार्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

धनुसूची

एक आवासीय फ्लैट नं० 6 क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट प्रथम खंड और एक हार पाकिंग स्पेश, बहुमंजिली हाउसिंग स्कीम, अधीश्वर अपार्टमेटम्, 34, फिरोजशाह, रोड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1,, नई दिल्ली—110002

दिनाक: 8-1-1986

माहर:

## प्रकृप काइ .टी. एन . एव . ------

# भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मंभीन सूचना

#### 

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज, नर्ड दिख्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 8 जनवरी 1986

निदेश सं० मार्ड० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1789---अत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

षाबकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उनत अधिनियम' कहा गठा हैं), की अल 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का , यह लिखात करने आ कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृज्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० 176-94 वर्ग फ़ीट है तथा जो बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (भ्रार इससे उपाबद भ्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रिमस्ट्री हर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक मई 1985

की पृथेवित सम्पत्ति के उपित भाषार मृत्य से कम के ध्वनमाण मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से एसे ध्वनमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से विश्व है बार बन्तरक (बन्तरकाँ) केर बन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निष् तम पाम प्रमाप्तिकल, निम्नतिश्वित उद्दोष्य से उन्तर बन्तरण सिक्कि के बार बन्तरण के निष् तम पाम प्रमाप्तिकल, निम्नतिश्वित उद्दोष्य से उन्तर गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत विधि-मियम के बधीन कर विशेष अन्तरक के दायित्व में कती करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; शरि/वा
- (व) एसी किसी जाव या किसी भन या अन्य जास्तियों करें. जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) अर इस्त अधिनियम, या भन- अर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) जे प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकृष्ट गहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, रखनाने में मृतिका जे जिल्हा

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निष्निसिक व्यक्तितयों, अर्थात ▶──

 गोतान दास ढरबेट श्रीर हाउसिंग प्रा० लि० 28,बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(भ्रातरक)

2. मित्रमं मंजू रानी पत्नी जे पी० सिवल 11, राम नगर, सकाटेणन नई दिल्ली 110051

(ग्रावरिती)

कां ग्रह सूचना जारी करकी पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनिध ना तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति सो में बनिध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिक इवारा;
- (क) इस सूजना के रावपत्र के प्रकावन की बाचीस् से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर बम्पत्ति में दित-किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकोंगे।

स्वभवीकरणः ----इसमें प्रमुक्त बन्दों और पदों का, को उपक्ष विधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित है, बढ़ी वर्ष होगा, का उस अध्याय में विका यका है।

#### **भनभूची**

स्पेन नं० 96लए, धरातल खण्ड, डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड्, नई दिल्ली, तादादी-176394 वर्ग फिट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायः श्रायकः (निरीक्षण) श्रर्णन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख 8-1-1986 मोहर

# प्ररूप बार्ड . दी . दन . दुव . -----

जाचकर अभिनियम, 196-1 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) जे जभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहाबक वाबकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांव: 6 जनवरी 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37--ईई/5-85/ 1789---अतः मझे, आर० पी० राजेश,

वानकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाव 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निस्कास करने का कारण है कि स्थ्यापर सम्मसि, जिसका अभिन्न वाधार मूल्य 1,00,000/- रा. से नाकिक है

मीर जिनकी मं० 555 वर्ग फिट है तथा जो बहादुर णाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद मनुशूची में ऑर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्राय ५२ मधिवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर मधिनियम, 1961 की के श्रधीन नारीख मई 1985

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूष्य, अधके क्ष्यमाल श्रीतक्षक से, शृक्षे क्षयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत्रिजिंकों) के मौच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नीलिक्त उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्ष्म में करियत नहीं किया गया है :—

- (क) बल्दरण से दूव विश्वी भाग की बाबत, उक्त विश्वतिकास के अधीन कर दोने के अध्यासक के वाकित्व में कभी करने या उससे बच्टे में स्विधा के सिए; बॉर/या
- (क) श्रेकी किसी आय या किसी भव का अध्य आरित्य को, जिल्हा आरतीय आयकर विभिन्नित्र, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में तृविधा के लिए;

बतः वयः, उपव निर्मित्यमं की भारा 269-न के वनुबरण मा, मी, उनत अभिनियमं की भारा 269-च की उपधारः (1) के अधीरः, निम्नलिवित व्यक्तियों, अभौने ६1. दी डेली मिलाप, नई दिल्ली, बहादुर माह जफ़र मागं, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

 मास्टर गुलजार इलाही ऐंड मिस्बुम्हेरा जमाल ई-540, ग्रेटर कैलाभ-2, नई दिख्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के गर्वन के संबंध में कोई भी मार्कीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की हारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: -- इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सभाय 20-क जो परिशासिक ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अभ्याम में दिया भया ही।

## धनसूची

फ्लैंट तं० 403, पार्ट-2, चौथा खंड, मिलाप निकेत्तन, दिल्ली। नादाकी--555 वर्ग फिट।

भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुका (निरीक्षण) भजेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-1-1986 मोहर : प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

काम'लब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंx-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, दिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर गिसकी सं 89 वर्ग फिट है तथा जो बागासम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इप्तमे जगबद्ध श्रनुसूवी में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रायकर श्रिधशारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 के श्रिधीन, तारीख भई 1985

का प्वंक्ति संग्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके क्रयमान प्रतिफल से, एमें क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एची किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर कविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अस्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में जुनिया के निए;

जतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, जी, स्वरूप अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्——

- श्री मनिल कुम।र, 3--ए०, दीवान श्री भ्रपार्टमेंट, 30, फिरोजणाह रोड़, नई दिल्ली। (भन्तरक)
- 2. मिसेश राधिका महहोत्रा. एस-334. ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली,।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करकं पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

इबद तम्पत्ति के अर्थन के तम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओं भे अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पृष्किस्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तर अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, प्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गवा है!

#### बरसची

कमर्शियल स्पेस/फ्लैंट एल--2, लोबी फ्लोर, कंचन-जंगा, 18 बाराखम्बा रोड़, तई दिल्ली क्षेत्रफल 89 वर्ग फिट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सक्षायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**ं 8-1-1986

## त्रक्त वार्षं . ही . एन . एस . ------

# भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) को अभीन सुवना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक कामकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रोन-ा, दई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/1791---ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास द्वरने का कारण है कि स्थावर संशक्ति जिसका उचित वानार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 425 वर्ग किट है तथा जो हस्तूरवा गांधी मार्ग, नहैं दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रमुम्ची में ग्रीर पूर्ण रूप ये वर्णित हैं), ग्रायकर श्रीविक्तरी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीविक्तम, 1961 के ग्राधीन, ठारीख मई 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त रांपत्ति देश उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नाजिखित उद्घेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने के अंतरक के क्षांगिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धनकर विभिनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्धी इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए।

अतः अव , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) े अधीन , निम्नलिश्वित व्यक्तिसमी, वर्धातः :—

- 1. मैं अंश्राल प्रोपटीसं एंड इण्डरटींज लिमि०, 115, अंश्राल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री जे० भार० मुन्दरी, 4/39, रूप नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपध में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की अवधि, जी भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस स्पृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उचत स्थातर सम्पत्ति में हिन-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा, अयहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, ओ उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिष्ठ है, बही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट तं० 813, 14, इस्तूरवा गाधी मागं, नई दिल्ली ग्रम्बादीय। तादादी 425 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **प्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंजे⊸1 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

तारीख 8-1-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5~85/ 1792—श्रव: मुझे, श्रार० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिपका उचित दाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, 304, 305, है तथा जो 24 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर डसमे उपाबड़ अनुसूची ह स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनयम, 1961 के स्रिधीन, तारीख मई 1985

श्रीधिनियम, 1961 के श्राधीन, तारीख मई 1985
को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
पौतपाल के लिए अतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रक्षिक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिक क प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राजा चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए।

अत: अय, जबत अधिनियम को धारा 269-ग के अनमरण में, मी, जबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. विस्तितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--40—446GI/85

 मिसेस ज्योति गुप्ता, सो-598, न्यू फैंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मास्टर दिवाकर गुप्ता श्रौर श्रन्य, सी-598, न्यू फ्रेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अगुजुर्वी

1/2 मिविभाज्य शेयर कार्मशियल फ्लैट 303, 304, भौर 305, (भाग) 1015 वर्ग फ़िट। 3 बन्ड, मशोका स्टेट, 24 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख - 8-1-1986 मोहर THE WATER OF THE PARTY OF THE P

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बाबकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की परग 264-क (५) के अभीर मुख्या

#### भारत तरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज→1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37—ईई/5~85/ 1793—~श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश.

भागकर अधिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें दमके प्रश्नात जिसा कि धिनियम कहा गया है), की धार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करवे का कारण है कि स्थावन सम्मित, जिन्हा, उचित बाजार मून्य 1,09,000/ 77, ते करि , उ

ष्ट्रीर जिसकी गं० 1795 वर्ग फिट है तथा जो ग्रेटर कैलाश -2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मई, 1985

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की नागत, उक्त स्वीध-विधिनियम के अभीन कर क्षेत्र अ अन्तरक के विधिन्द के कनी करने या उससे अवने में सुविधा के जिल्ह; भीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी पन वा अन्य आस्तिकों का, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धर- कर विधिनियम, या धर- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औं तिए

क्स: अ्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन,, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं पालं ऐंड पाल बिल्डर्स, 70, रीगल बिल्डिंग, नई किल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० श्रानन्द निकंतन दूस्ट पंजीकृत ए-1070, न०), द्वारा श्रन्डर एण्ड दूस्टी, प्रभु स्वामी श्रमर ज्योति, 68, लूला नगर, महाराष्ट्र, पूता। (श्रन्तरिती)

को बहु सुचपा बारों करके पृथोंक्य सम्पत्ति के वर्षन के सिंह, कार्यवाहियां करता हो।

स्वत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की जयभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अवभि, का जी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस स्वता के स्वत्व में प्रकावन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितवबूध किसी भून्य म्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमे प्रयूक्त खब्बों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अभ्याय में विका गता है।

## ग्रन<u>ु</u>सुची

फ्लैट नं० 201, ई-492, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 1795 वर्ग फिट साथ में 1/6, श्रिवभाज्य एरिया  $\frac{1}{2}$  कुल एरिया  $\frac{1}{2}$  वर्ग गज।

ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्ष्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 8-1-1986

प्रकथ बाइ.टी.एन.एच.-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत चरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विस्तो, दिनाँक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/ए क्यू०/1/37-ईई/5-85/1794--अतः मुझे, आर० पी० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के परवाद 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भरा 269॰ अ अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह जिक्सार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं तथा जो नेहक ज्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय

श्रधीन, तारीख मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूख, जन्न इंडियमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल के पत्रक श्रीतक्षत से मुधिक है और जन्तरक (जन्तरको) जौर बम्बरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय बाया क्या प्रतिफल, निय्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वेष में बास्तविक स्था से कृषित नहीं किया क्या है ——

नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस समझ बहुन-विवस के अधीन कर दोने के बतरक के बाजित्य मा कवी करने वा उसके वसने में सविधा के सिक्; बीह/मा
- (क) श्रेत किसी नाव मा किसी मन या जन्म आहितयाँ को, किसी नाव मा किसी मन या जन्म आहितयाँ को, किसी मारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने के सुनिधा के सिए;

बादः बाब, जावत विधिनियम की भारा 269-त की बाल्सरर में, में, जावत विधिनियम की भारा 269-त की ल्लाभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं० प्रगति कस्स्ट्रकणत सम्पनी. 73-874, मेहन फ्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरङ)

 मैं यूनाइटेड प्रकाण ग्रौर श्रन्य, 1052, गली हीरा नंद, माली बाड़ा, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना कारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्फ़न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस अपना के राजपन में क्रकाशन की तारीश में 4.5. दिन की लगिंध या तल्लक्ष्यणी क्रामिसमों पर मुखनर को तामील से 30 दिन की अम्रिप, जो भी अबरिप बाद में समारत होती हो, के भीतर प्रशेषिक व्यक्तियों में से किसी क्यांतिस बुतास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारी के क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड विकास के जिल्ला के जिल्ला के विकास के

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 403-ए, बहुमंजिली श्रावास, देविका टावर, 6 खन्ड, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 210 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखाः ४-1~1986

मोहर 🛭

## प्रस्क सार्व . दी . एव . एस . ------

धायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सूचना

# भारत सहस्रक्ष कार्याभव, सहस्रक भावकर मायुक्त (विक्रीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 8 जनवरी 1986

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1785---मत मुझे, मार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1,961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1252 वर्ग फिट है तथा जो फ्लैट, गांल मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ भृमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रायकर श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली से भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख मई 1985

को भूगोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम को ध्रयमान लिए **अ**न्तरित की गद्र विश्वास करने यह क्र कारण है यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दुष्ट्रेय से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) ब्रम्बहर्ष वं हर्ष किसी जान की बावध, अवस निधित्तम के नभीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाव वा किसी थन वा अस्य प्रास्तियों को, चिन्हें भारतीय नाव-कर स्वीपित्रका, 1922 कि 12) या उन्हें जिस्सित्रका, वा थन-कर विचित्रका, वा थन-कर विचित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रमुखनार्थ अस्तिरित प्रवास प्रकट नहीं किया गया था वा किया ज्ञाना जाहिए वा, कियाने में बुनिधा से लिए;

नतः नन, उनत निर्मित्यमः ती धारा 269 म के अनुहरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधार। (1) में नधीरा, निम्नुलिचित व्यक्तिकें, अर्थाव क्रांस्ट

- मैं० डी० एल० एफ० यूनियर्सल लिमि०, 21-22, नरेन्द्रा पैलेस, मंतद मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- मैं० श्रनुराग कन्स्ट्रभशन कम्पनी प्रा० लि०, 24, नरेन्द्रा पैलेस, पालियामेंट, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

जन्म संपत्ति के अर्थन के बंबन में कोई भी बाओप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में संकिशी व्यक्ति इवारा;
- (क) इ.स नुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास स्थितिकृत से किस बाह्यकी।

भ्यव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदौ का, को उन्हों . अभिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षर्य होगा को उस अध्यास में विका मधा हैं।

# धनुसूची

श्रपार्टमेंट सी/2, प्लाट नं० 2, ब्लाक नं० 95, मार्किट रोड़, गोल मार्किट रोड़, तई दिल्ली 1252385 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजुँग मक्षम श्रधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

तारी**ख:** 8-1-1968

माहर १

**इक्ट बार्ड . ट्री., एन . एव** , -------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

बाह्य सरकाह

कार्यालय, सहायक वायकर नायुक्त (निर्देशक)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1786---म्रत मुझे, म्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उच्चित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से निथक है

ग्रीर जिसकी सं० 1274 वर्ग फिट है तथा जो ग्रायकर ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, नारीख मई 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितौ (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त विभिन्नियम के बधीन कार दोने के बंतरक के दावित्य में कभी करने वा उन्ने बचने में द्विधा के किए; धोर/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबस अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनाथ असीरित क्यारत प्रकट नहीं । काया गया वा वा विका जाना लाहिए था, जिनाने में सुविधा की आहों।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बै, मै, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यीक्तमों, जर्थात् :---  मैं डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लिमि०, एच० श्रो०-21-22, नरेन्द्रा पैलेस, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती परला जैन पत्नी मनोज कुमार जैन, रूम नं 26, जैन भवन, 12, शहीद सिंह मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्जूष्टित के वृत्रेन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वनिभ या तत्सवंभी व्यक्तियों उर सूचना की तासीस से 30 दिन की व्यक्ति, को जी वनिभ वाद में दमान्त होती हो, के भीतर वृत्रीक्यू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रार;
- (क) इस सूचना के च्यापत्र में प्रकाशन की तारीं ह ते 45 विन् के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी क प्रवि निकित में किए वा सकेंगे।

स्यक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किसीनयम के जध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या, क्या है।

### अनुस्ची

श्रपार्टमेंट नं॰ ए-3, प्लाट नं॰ 2, ब्लाक नं॰ 95, मार्किट रोड़, नई दिल्ली तादादी 1274.65 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम <sup>\*</sup>ाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-1-1986

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकार जिभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीत स्थता

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 जनवरी 1986

वायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) हैं किसे इतनें इसके वस्थात् विश्व अधिनियक का का नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन प्रकार प्रतिभक्तरी को वह विक्याय करने का कारण हैं कि स्थापर प्रजासित, विकत्या उचित नावार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं 1274.65 वर्ग फिट हैं तथा जो फ्लैट डी-2, ब्लाक 95, मार्किट रोड़, गोल मार्किट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबब अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रायकर श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधितयम, 1961 के श्रिधीन, तारीख मई 1985 को पूर्वोक्स संवर्षित के विषय वाचार मृज्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के निष् अंतरित की गई है और नृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संवर्धित का जीवत वाचार मृज्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से, इन्हें स्वयमान श्रीतफल का पत्यह श्रीतक्षत में विषय है और अन्तरिक्ष में विश्वास का पत्यह श्रीतक्षत में विषय है और अन्तरिक्ष के किए स्वयमान वा श्रीतफल, निक्तिविस स्वयं के विषय वाचा है है

- (क) व्यवहण में हुई कियो वाय की वावतं, उक्क विधित्वम् में वधीन कह दोने में जन्तरक कें शावित्य में कभी करने वा उससे अपने में वृतिशः में किए; बीर/ना
- (थ) एती कि श्री वास या कि ती भन वा बन्स बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, स्राप्तियम कंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुनिधा वै किए;

जत: अब, ७६. जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसारण मो, मी, अक्त जीधीनयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलीस्त व्यक्तिकां, अधीत :---

- 1. मैं० डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लिमि०, एच० 21-22, नरेन्द्रा पैलेस, संतद मार्ग, नई दिल्ली - 1। (श्रन्तरक)
- 2. मै० डो० एल० एफ० बिल्डस ऐंड डिवलपमेंट प्रा० लिमि०, 21-22, नरेन्द्रा पैलेस, पालिमामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति को अर्जन के किए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मिति के अर्तन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षीप 👝

- (क) इस स्थान के राजपत्र को प्रकार की दाखेंब से 45 दिन की कापि या दर्श्विष. व्यक्तिश्री पुद्र सूत्रका की सामील से 36 फिन की स्थापित, थी औं स्थापि कार को स्थाप्त होती हों, वे भीताप प्रकेंका करितायों में से किसी क्यापत प्रकार;
- (सं) दश भूबन के राजपत्र में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक सिसिस में किए जा सकेंगी।

भगविकारण:---वसमा प्रचानतः क्ष्यां भार नवां का, वां उनस् जीभनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहरे अर्थ हाया वो उस अभ्यान में विका-न्या है।

## अनुसूखी

श्रपार्टमेंट नं० डी/2, प्लाट नं० 2, ब्लाक नं० 95, मार्किट रोड़, गोल मार्किट रोड़, नई दिल्ली, तादाद्री∽ 1274.65 वर्ग फिट।

> श्रारः पी० राजेश यक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष्म) ग्रजेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ग 8-1-1986** मोहर

## प्रकप आद् .दी.एन.एन.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज्ना, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1798~-श्रन: मुझे, ग्राप्ट० पी० राजेश,

जाबकर जिधिनियम 1061 (1061 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उकत किथिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- ?" से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० 6575 वर्ग फींट है तथा जो जालकाजी, नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रार इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रायकर श्रिधितारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर शिधितियम, 1961 के श्रिधीन, नारीख मई, 1985

को पर्जोबन सस्पर्णि के उचित वाजार मृत्य से कम के करणार प्रतिकाल के लिए सन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्णित का उचित बाजार मृत्या, उनके क्रममान प्रतिकाल में एोमे अस्पमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकाल से अधिक है और एोमे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के लीच एोमे अन्तरण के निए तब पासा वसा स्मेतकस, निस्मतिसित उद्वेष्ट से उचत असरण विविकत के नास्तिक रूप में किश्या नहीं किया गया है है—

- (क्र) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-तियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए: और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बस्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाम चाहिए था, व्हिपाने में मुविधा के लिए:

असः अव, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के अन्यरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (1) के अधीर निक्तिसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- । पाइनिकार, एवड2-ए, क्याट फ्लेंस, न**ई दिल्ली**। ् (श्रन्तरक)
- थी विजय कुमार (श्रार० टो० टी०-110) 4, एम-41, लाजपन नगर, नई दिल्ली। (श्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यब्राहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध मां काहि भी बाबोब :----

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिरयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में तंत्रए जा सकोंगे।

स् द्रीकरण: --- इसमां प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

### प्रनुसुची

श्रार० टी० टी०-110, सी, धरातल खंड, जाँ-2, सार्पिग सेटनर कम कम्यूनिटी फ्रैंसिलिटीज, कालकाजी दिल्ली का तादादी 65.75 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश वक्षम प्राधिकारी वहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षम) श्रर्जन रेंजें -1 दिल्ली, नई दिल्ली -110002

सारीख: 8⊸1~1986

## प्रस्त नाह्ं, दी . एम . एस . . . - - - - - - -

• अस्वार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269 र (1) के मधीन सूचना

### गार्थ चहुकाह

कार्यालया, सहायक आयकर जाय्वत (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/रॅंज⊶1/5-85/ 1799---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी इसकी प्रधात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269 के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृक्य 1,00,000/- रु. से विधिक ही

गी, 00, 000/- रह. से बाधक हैं
श्रीर जिसकी संव क्षेत्रफल 640 वर्ग गंज है तथा जो एलंट नंव 505, 24, बाराखम्बा रोड़, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूणं रूप में वर्णित है), एजिस्ट्रीकत्ती श्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकार श्रीक्षित्रमा, 1961 के श्रधीन, तारीख मई 1985 को पूर्वित्र सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृत्य उसके स्वयमान श्रीतफल सो, एसे स्वयमान श्रीतफल का समझ श्रीतफल से अधिक है बार बन्तरक (बंतरका) बार बंतरित (बंतरितवा) के बीच एसे बंदरण के लिए तब पावा गया श्रीक फल निम्नीलियत उद्वेष य से उसत क्रवरण की लिए तब पावा गया श्रीक स्म से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरन वे हुई किसी बाव को बाब्स उच्छ अधिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उचने बचने में बृष्टिया के किए; और/वा
- (थ) एसी किसी बाव या किसी धन वा कंच्य जास्तिओं को, विन्हें भारतीय वावकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपांधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की सिक्;

अंत: व्यव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिनिक व्यक्तियों, वर्षीय डिल्ल

- श्री सेवा राम शर्मो, 52, प्रेम प्रेरी, मेरठ, द्वारा के० के० मोहन वकील, जनरल पावर ग्रदारनी, 58, 55, लारेंस रोड़, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजू भर्मा श्रांर अन्य, ए-14, गुल मोहर पार्क, मेरठ।

(भ्रन्तिरती)

का बहु बुक्त बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्जन के बिए कार्यवाहियां बुक्त करता हूं।

उक्त बज्यत्ति के वर्णन के संबंध में कार्ड भी वासंच हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्थीनसमां पर सूचना की तानील से 30 दिन की बनिध, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थीनत ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीन में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए का सकींगे।

## प्रमुखी

फ्लैट नं० 505, ग्रंगोका इस्टेट, 24 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली तादादी 640 वर्ग फिट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भजैन रेंज-1 विस्सी, नई दिस्सी-110002

तारीख: 8-1-1986

#### भारत संस्कार

## बाबलिक, सहायक वायकर नार्वकत (निरक्षिकी

ग्रजन रेंज-1, नई दिस्ली मई दिस्ली, दिनांक 8 जनवरी 1986

निवेश सं श्राई० प० सी ं/एक्यू व/1/37-ईई/5-85/1800--श्रतः मझे, झहर० पी० राजेश,

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसवें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से स्थिक हैंं

भीर जिसकी सं० 500 वर्ग गज है तथा जो फ्लैट नं० 1007—ए०, 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिस्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ अनुसुक्षी में भीर पूणं रूप से वणित है), रस्ट्रिमली मंक्षिलार के लाम्रिए, नई दिस्ली में भारतीय क्रायन सिक्तियम, 1961 के बाबीन, तारीख मई 1985 को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृश्य से क्रम के दश्यमाव प्रतिकास से लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रोक्त सस्मिति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे क्रममान अंकिफल का बन्कर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्रमित का उचित का उचित का उचित का उचित का इन्कर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्रमित का इन्कर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्रमित का उचित का उचित का स्थाप का इन्कर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और कारतिका का सम्मित का उचित का उचित का स्थाप का

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियों नाम ना किसी पन था बन्य बास्तियों ना, जिन्हों भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 हैं (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था। फियारं के ब्रिया के ब्रिया के किया के ब्रिया के ब्र

क्तः वयः, उक्त विधितियमं की भारा 269-ग के अनुसरक वै. वै. उक्त विधितियमं की भारा 269-क की उपधाक (1) के वधीतः निम्निवित व्यक्तिलों, वर्धातः :— 41—44631/85  मैं० स्कीपर सैस्सं प्रा० लि०, स्कीपर भवन, 22, बाराखम्बा पोड़, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. मैं । सिफ़बर लाई स फ़ाइनेंडुस, 154/5, जमुना भवन, ग्रासफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली।

(ब्रन्सिंग्ती)

क्षा बहु सूचना कारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्पन के निक् कार्यवाहियां ४-क करता हुं

अवस्य सम्मरित को अर्थन के संबंध में कार्दि भी गामीप रू---

- (क) एक लूकना के खबरण में प्रकाशन की तार्यक कें 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर शूबना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, वो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वासाः
- (का) इस स्थान के शाक्षपण में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतक जनक स्थानक सम्प्रीक में हिजनह्म किसी मन्य न्यक्ति द्वाच, वधोहस्ताक्षरी में कड़ सिवित में कियु वा सर्वेगे.

स्वकाश्यारण:---इसमी प्रयुक्त कव्या बहि पर्यो का, जो क्याउ विभिनियम को बन्धाय 20-क मी परिभाविक है, बहु क्या होता वो उस वन्याय मी विका गवा है।

#### वनस्वी

फ्लैट नं॰ 1007-ए, 22, बाराखम्बा रोड़, नई विस्त्री, तावादी--500 वर्गे फिट।

> द्यार० पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्स (निरीक्षण) द्वर्जन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-1-1986 मोहर प्रारूप बाह्र .टी .एन .एत . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विस्ला, विनाय 8 जनवरी 1986

निवेश सं० ग्राई० ए० सा०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1801--ग्रत: मुझे, भार० पीं० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्थास करने का कारण है कि स्थाबर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं असे असे कि कि वर्ग गज है तथा जो पलट नं 401-वो, 6, नेहरू प्लेस, नई दिस्लो में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूणं रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के आर्यालय, नई दिस्ली में भारतीय आयकर अधिकारी के आर्यालय, नई दिस्ली में भारतीय आयकर अधिकारम, 1961 के अधीन, तारीख मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिबत बाजार मूस्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान एतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तर्कों) बीर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक को तरण लिखित में आस्तिक स्प में किशत नहीं किया गया है .....

- (क) बंतरण से हुई किती बाब की बाबत, बक्त जिथानियम के बंधीन कर दोने को अन्तरक का दावित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में युविका के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी अब या किसी बन या अन्य अस्तिको की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृकारा प्रकट नहीं किया गया। प्या था या किया जाना चाहिए था, किया वे अविधा के सिक्

नतः शय, उक्त अधिनियम की भारा 269-श के बनुसरक्ष में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिस्थां, क्यांत् :-- मैं० प्रगति क स्टूब्यान कम्पनी (देविका टावर),
 4 खन्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू पैलेस,
 नई दिस्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मकुन्तला देवी श्री कपिल सिंगल ऐंड श्री सुधीर सिंघल, 912-20, कुचा कार्निल धत्तर, चांदनी चौक, दिस्ली-110006। (भग्वरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त बम्पति के अर्बन के संबंध में कोई भी वासेंच म---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें 45 दिन की जनिथ या तत्से वेंभी व्याक्तना पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, वो बा अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (व) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विय-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

गुन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पर्यों का, जो उनके, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया च्यूक्रे, हैं.।

#### नग्रुपी

पलैट नं॰ 401-वी, बहुमंजिसी झावास देविका टाबर, 6, नेहरू प्लेत, नई दिल्ली-, ताद दी 500 वर्ग फिट।

> धार० पी॰ राजेण, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज⊸1 दिल्ली, नई दिल्ली⊸110002

सारीख: 8-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

ं बायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसक, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज⊶1, नई दिल्ली

नई विस्ली, दिनोक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5→85/ 1884---श्रत: मुझे, भार० पी० राजेश,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणिहा बाजार मृल्य 1.,012,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० टी-33, मनाटेमेंट तारा है तथा जो नई दिल्ली कालगाजी में स्थित है हैं (मौर इससे उपाबद मनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्री क्ता कार्यालय नई दिल्ली में मायकर प्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के मधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रसिक्त के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिक्ति को एसे क्ष्यमान प्रतिक्ति का पंद्रह प्रसिक्षण सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिक्त निम्नलिकित उद्देष्ट से उक्त अन्तरण सिवित में बाल्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसों आया की भावत, अक्त कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। नियम के अधीन कर दोने के मंतरक के दायित्व में और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः इव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, है, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीज, निम्निचित्त स्पवित्तमों, अभीत् :----  श्री बी० अदिल्यायी मूर्ति, ए~63, गुलमोहर पाकं, नई दिश्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शशि कांत खरबंदा, ई~31, ताम श्रपार्टमैंट, कालकाजी, नई दिस्सी।

(प्रहुतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, से भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबज्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्षिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयमः, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अगस्यी

शी-33, तारा भपाटंभेंट, कालकाजी, नई दिल्ली तादादी--10434 वर्ग मीटर।

> ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज- 1 विस्ली, नई विल्ली- 1100021

तारीखः;- 10-1-1986

प्रारूप बाहें हो . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 वा (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक जायकर मायुक्त (विद्रांसण्)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 10 जनकरी 4988

निर्देश सं० द्याई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1804---भतः मुझे, भार० पी० राजेश,

बायकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्षणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-को को अधीन सकाम प्राप्तिकारी की यह कियास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मूख 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं पलैंट नं 403-ए, पार्ट-ा है तथा जो 4 खन्ड, मिलाप निकेतन, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भायकर अधिनारों के कार्यालय, नई दिल्ली से भारतीय भायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई 1985 को पूर्वेक्त सम्पंत्ति के उपित्र वाजार सूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई बाँर मूओ यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काबार भूक्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ वाया वया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त सन्तरण देशस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त विभिनियम के वंशीप कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुनिधा के सिए; कर्रिया
- (ण) एसी किसी नाम या किसी थन या नुम्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 भूँ 1922 का 11) मा उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था था किया अभी वाहिए था, जियाने में सुविधा ने किया

बत: अब, खंबत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, की सबत विधिनियम की धारा 269-व की स्वपंति (१) के वधीन, पिक्नसिवित स्वित्यों, वधीत ——  की डेजी मिलाप, नई दिल्ली, बहावुर शाह जफर मार्ग. नई दिल्ली।

(घन्तरक)

 मास्टर जर्करी इलाही, मिस क्जय्मा सर्मा, ई-540, ग्रेटर कैलाया-८, नई विल्ली।

(मन्तरिकी)

को यह ।सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वृर्वन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यांकितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यांकियों में से जिसी क्यांकित तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्रायीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए वा सकेंगे।

श्मक्कान्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

क्लैट औ॰ 408-ए, पार्ट-1, 4 **अन्य विका**प निकेतन, विक्ली क्लैट एरिया 555 को किटा

> चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)-धर्जन रेंज−1 दिल्ली, नई दिक्सी→110002

तारीय ा 0-1--1-986 मोहर

# प्रकृत कार्यः हो । एत , एक, जन्म

बायकर अर्थिनियम, 1981 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) में समीन सुमर्पा

#### WING WHAT

# कार्याक्षय, सहायक जामकर वागुक्त (निश्लीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई विस्सी

नई दिल्ली, दिनौंक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-85/ 1805-ए--मतः मुझे, घार० पी० राजेश,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ्षिक अवसे इसके परकार जिस्ते अपने कहा गया है, को भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उपित वाचार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 308 है तथा जी 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भायकर घिवारी, के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय भायकर ग्रीविनियम, 1961 के भाषीन, तारीख मई 1985

को पूर्णिकत सम्मति के उचित बाजार मूल्य से काम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रक्रिष्ठ प्रतिफल का प्रक्रिप्रति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उद्युत सम्तरण जिल्हित वें बांस्तिक इप से कांधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उचत अधिनियम के जाशीन कर येने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविदा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वर्गेस्संयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपवारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् क्---

- मिसेस सुदेश वर्मा, 98, धामन्द निकेतन, नई दिल्ली (धन्तरक)
- क्षेत्रद्वारणनजीस सिंह फोबराय कुलबीर्यासिंह कोमश्य बन्त्यू ०-100, जी० के०-2, नई दिल्ली।
   प्रन्तरिती)

को नह सूचना चारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के जिल्ल कार्यवाहियां शहर करता हुं ।

उक्त सम्पंति के अर्जन के संस्थान्य में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती नहीं, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्यक्ति क्यारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किमी जा सकोंगे।

#### सनुसूरी

पलैंड में ० 398/88, मेहक प्लेस, नई दिल्ली ह्वादाबी 484 वर्ग फिट।

> चार० पी० राजेश तस्त्राम प्राधिकारी सहायक चायकर चायुक्त (निरीक्षण) चर्जन रेंज→1 विस्ती, नई विस्ती⊶118002

योहर १

# पान पार्क हों। ह्या प्राप्त जनसङ्ख्या

. नावकर नीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

# नारत धरकार कार्यासय, बहायक वायकर वायुक्त (निर्दोक्षण) धर्जन रेंज⊶1. नई दिल्ली

नहें विल्ली, दिनौंक 31 विश्वम्बर 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० धार०-1/

भाषकर निर्मान्यम, 1961 (1961 का 43) (विस् इसके इसके विवाद करने का कियानियम करने का करने कर कर करने का करने कर करने का करने कर

भौर जिसकी सं 1533/1, प्लाट नं ई-1/15, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), प्रायकर प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मई, 1985

का वृत्तीं कर सम्मित के उपित वाजार मृत्य से कान के असमान प्रतिकाल के लिए कम्परित की गई हैं। जौर मुखे यह विश्वास अस्ते का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त कम्पति का समित नावार मृत्य, व्हाके संस्थानं प्रतिकाल से एके असमान प्रतिकाल का राज्य प्रतिकाल से स्थापक हैं और संतरक (अंतरका) और संवरिती (अंवरितिका) के बीच होने अस्वरण के जिए तम गया गया प्रतिकाल का रिक्निकालिक क्यारेन के क्या अंवरण विश्वास के माम्यूनिका सम से कवित्य महीं किया गया है है—

- हैं के स्पारत में हार्च दिन्हीं नाम को पानम करना मानि-पियम में अभीन कार को में संबद्ध के वाजित्स में अभी कारने ना क्षमें क्षमें में सुविधा के जिल् में
- (क) होती किसी बाव वा किसी वय वा केन वास्तिकी की, विज्ञें प्राच्छीय वाक्यार गणिवियम, 1922 (1922 का 11) वा स्वच्छ व्यविवयम, वा वय- क्षर गणिवियम, वा वय- क्षर गणिवियम, 1957 (1957 का 27) की प्रचेश्वाच क्यारियों व्याप्त प्रकट नहीं किया क्या का वा किया वाला चाड़िन्द वा, क्षिणाने में द्विवया की विद्या

बतः वय, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुतरम में, में, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) में क्यीन, निकासियक व्यक्तियों, संभात है—  श्रीमती मोहिन्दरं कौर पत्नो स्व० श्री भगत सिंह, निवासी—5, राजदूत मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

2. (1) श्री सी० एस० मल्होता पुत्र श्रीयान चन्य मल्होता श्रीर राजेश मल्होता पुत्र श्री सी० एस० मल्होता, निवासी 5/12, वेस्ट पटेस नगर, नर्ष दिख्सी।

(मन्तरिती)

और यह क्षत्रा बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षक के विद्यु कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

# बक्त बंपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रोप ह----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन की समिश या तत्सवंधी स्थितायों इस शूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितयों में है किसी स्थितर द्वारा;
- (च) इस मुचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीच चें 45 दिन के भीवर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितवकृष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पाच विवित्त में किए वा स्केंगे।

स्थळोकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्को और पर्यो का, को उनक वृधिनियम के बध्याय 20-क में प्रिशाविक हैं, वहीं क्षे होगा हो उन्न कथाय में किया बना हैं।

# वन्स्वी

सिगल स्टोरी प्रौ बैरिंग में 0.1533/1, स्थान में 1.15, तादाबी 0.0 वर्ग गज ६स्ट पटेल नगर, नहें दिस्ली।

धार० पी० राजेष सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धजैन रेंज-1 दिस्सी, नई विस्थी-110002

सारीख -31-12-1985 योहर वेक्स नार्<sub>य</sub> ठी : हुन्<sub>य</sub> हुन्<sub>व</sub> क्रान्त

बावकार वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक सायकर नामृत्रत (निरीक्रण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं॰ आई॰ ए॰ सी॰/एमयू०/2/एस॰ भार०⊶1/ 5-85/50-भातः मुझे, भार० पी॰ राजेश,

बावकर अभिनिवम 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार भूज्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० प्रो० नं० 31, रोड़ नं० 72 है तथा जो कलास बी, पंजाबी बाग, नई दिस्लो में स्थित है (प्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रायकर प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख मई 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमांव प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वश्ममुंबोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिकाल से, एसे प्रयमान प्रतिकास का प्रमुख, उसके प्रयमान प्रतिकाल से, एसे प्रयमान प्रतिकास का प्रमुख, उसके प्रयमान प्रतिकाल से, एसे प्रयमान प्रतिकास का प्रमुख, उसके प्रयमान प्रतिकाल से, एसे प्रयमान प्रतिकास का प्रमुख प्रतिकाल से विश्व है और मन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरित (अन्तरितयों) में बीच एसे बन्तरण में सिए एक जाना प्रतिकाल, निम्निविचत उद्विस्य ने उच्त बन्तरण

- हेक्स् अन्यप्रण में हुए किसी नाम कर नामक, सनक श्रीपरिचन के स्थीन कह बोने के मृत्युरक से स्वीयरम् में सभी करने ना स्वयं नमने में स्वीयना में हिला; मंडि/ना .

जत: जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अन्सरण ज, जो, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्मतिविद्य स्थानतयों, अभाव् :--

- (1) को जुगल कियोर, (2) की लोकेक्टरनाय
   (3) की चन्दर प्रकाश, की चरनजीत लाल, पुत्र स्व० की लेखराज भुरी, निवासी—हाउस नं० 752, गली नं० 11, सदर बाजार, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री वलीप कुमार पाह्ना पुत्र श्री हंसराज पाह्ना, (2) श्रीमती विना पाहना पत्नी श्री राज कुमार पाहना, (3) श्रीमती सानित्री पाहना पत्नी श्री हंगराज पाहना, निवासी बी-16, कीर्ति नगर, नई दिल्ली, (4) रामा गंकर शर्मा, (5) राधा गंकर शर्मा, पुत्र श्री रामायन गर्मा, निवासी टिटा गौरो, जिला खेकराजाहर (ग्राजाम) (ग्रन्तरिता)

को यह सुबना बारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के बर्बन के बिख् कार्यवाहियां गुरू करता हुं

उन्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षीय :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कृद स्वान की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वानित में से किसी स्वानत इनारा,
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकारण की तारीबा है, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में वित्तवकृत् किसी मन्य क्यक्ति वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास वित्तित में किए वा सकींगे ।

स्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्क विधिनियम के बध्याय 20-क में वरिधावित हैं, वहीं अर्थ होया को उस मध्याद में दिया क्या हैं।

#### नगुज्जी

मूमि सावादी—1090.83 वर्ग गज, बैरिंग नं∘ 31, पीड़ नं॰ 72, क्लास 'बी', पंजाबी बाग, एरिया ग्राम— बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110003

सारीख: 31-12-1985

# 

# नावण्ड गरिनियम्, 1981 (1981 मा 43) की पाछ प्रेडण-पं (1) में बचीन सूचन

#### TIES TENE

# प्रजेव, स्वायस वायपर वायस (विरोधन) प्रजेन रेंध-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, द्वितांक 23 दिसम्बर 19865

निवेम सं धाई० एव सीव/एमपूज/2/एस० धार०-1/ 5-85/5 क्रिस्टिंग, भार० पी० राजेम,

नामकर निर्धितमम 1:96:1 (196:1 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें क्यक्ति क्यक्ति (उक्त निर्धितमम कहा गया है), की धारा 269-न के नेधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निर्धास करने का क्यक्ति हैं कि स्वावेद संविद्या क्षित्रमा स्वीवित नामाद स्वावेद संविद्या स्वीवित नामाद स्वावेद स्वावेद संविद्या स्वीवित नामाद स्वावेद स्वा

और जिसकी सं जो नं '34/21 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (धार इससे उपावद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिस्ट्रींवर्ती धिधकारी के कार्यान्य, नट्ट दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16)के ध्रधीन, सारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त बंदित के उचित वाजार मूल्य से कम के दूरगान प्रक्षिक्त के तिए अन्तरित की नव हैं बार मूक्षे वह विकास करने का कारक हैं कि क्यान्विक बंदिस का उचित वाजार मूल्य, उसके दूरगान प्रतिकल से, एसे दूरगान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जारितयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकृत कि निम्निति का दूरदेष से उच्च कम्परण कि विकास में वास्तविक कुन से श्रीका बहु किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अपन की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी नाम या किसी भन या जन्म बास्तियों की जिन्हों भारतीय नामकर निभिन्नन, 1922 की 1922 का 11) ना उनत निभिन्नम, वा भन-भर निभीनकम, 1957 (1957 का 27) जी अवीचनार्थ नन्दिरती बुवारा प्रकट नहीं किया कुछ ना वा किया बाना नाहिए वा किनाने में सुनिना के सिप्

कतः वंद, धनत विभिन्नियमं की भारा 269-ए के वन्त्रर्थ वें, में, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-वं को उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिवित अभित्यों, वधीत् रूप् 1. की परमा नम्क सहगत, निवासी~34/21, ईस्ट पटेस नगर, नई दिल्ली।

(प्रग्तुरक)

2. श्री विशयः मुमार सुरी, निवासी--7-ए०,/30, इस्त्यू० ६० ए० करोल बाग, नई दिल्ली। (मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यक्तिहियां करता हुं।

# बक्तः समारितः के वर्णन के संबंधः वो काहि भी-वासीय अ---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की सारीचा है 45 दिन की समिश या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिश, वो भी समिश वाल में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोच्छ क्विता में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थला के राजपल में प्रकासक की स्वर्धीक के 4.5. विक के भीतार उक्त स्थावत स्थापित में तिक्व-वव्य किसी बाग व्यक्तित क्यारा वधोद्धासाधारीः के रास विविधात में किए वा स्थापे।

स्वक्रिकरणः — इतमें प्रयूषत कक्यों और वयों का, वां उन्तं अधिमयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका क्या है।

# बन्द्रवी

मी॰ नं॰ 34/21, इंस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली)।

श्रार० पी० राज्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपंत रॅज्न-2 विश्ली, नहीं विश्ली--110002हैं

शारीकः ३1-1:2-1988 मोहर (: प्रकृत काह<sup>ा</sup>. टी. **एव** . **एव** . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीधाण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एवयू०/2/एस० प्रार०-1/ 5→85/52—-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्रो० नं० 4606, है तथा जो पार्ट नं० 13, दित्यागंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रायकर श्रधिकारी के लार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय स्नायकर श्रधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वाकित सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का शारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार इस्स, उसके दश्रकान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का बन्दब अतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अँतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गर्ना प्रतिकल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अंतरण ते हुई किसी वाय की नावत, उपर अधिनयम के जधीन कार दोने के अंतरफ की वायित्त में कामी कारते ता उससे वचने में सुविचा के लिए, और/या
- 🐙 एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम । १९५७ (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या विशेष कार असिंहम् बर क्लिपार में सुविधाः ने सिए:

इत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) ण अधीय निक्नील**सिन व्यक्तियों, अर्थात** " 42-446GI/85

1. ছাত पँग । नाथ बहल, निनासी া নেও, ে फेंड्स रालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तर्ह)

2. मैं० मध्य याला प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०, n-62, न्यू फ्रेंड्स फालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तुरिती)

उक्त सम्परित के अर्वन के सम्बन्ध में कोर्ड भी अक्षेप :--

को ग्रह सुचना जारी करके पुर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हां।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिका पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हों के भीत । पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- किसी अन्य व्यक्ति ह्वास ८३७म छरी 👉 अस लिसित में किए जा सकेगें।

स्पर्का**करण:—-इ**समी प्रमुक्त शब्दारी और पंता कर आं अक्त  $\widehat{\mathbf{g}}[\mathbf{f}] \approx (\mathbf{x}_1 \mathbf{x}_1 \mathbf{x}_1 \mathbf{x}_2 \mathbf{x}_1 + \mathbf{x}_2 \mathbf{x}_2 + \mathbf{x}_2 \mathbf{x}_2$ **हाँ, बहाँ अर्थ** हुन्। बा २४ अस्तर १९ - :ह्या षया **ह**ै।'

डबल सटोरी बिल्डिंग; भूमि तादादी 784 वर्ग गज; प्रो॰ नं॰ 4606 (पार्ट) दरियागंज नं॰ 13, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज→2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 31-12-1985. मोहर:

# प्रस्प बाई . ठी . एन . एस . ------

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 5-85/53--श्रन मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

ग्रांश जिसकी संव प्रोव प्लाट नंव 142, है तथा जो ब्लाक ग्राईव कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं ग्रांश इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरण ग्रायकर श्रिधशारी के शायिलय, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख मई, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मृत्य से क्रम के दश्ममान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करमें वा उससे बचने में स्वीक्ष्ण के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ने भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाता शिहए था, छिपाने में सविष्ण के लिए;

 (1) श्रीमती श्रनाममा ए० के० परनी श्री ए०
एम० एसुक्जेंगर (2) श्रीमती शराममा फिलिप्स परनी श्री थोमस फिलिप्स, निवामी श्राई-142, क्रीति नगर, नई दिल्ली, (3) श्रीमती मारियममा कोश्ये परनी श्री चहुन कोश्ये, निवासी--वाली-यापारमापिल, चैंगननुर, केरला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामधरी गुप्ता एन्ड सन्स (1) राम पाल गुप्ता एना अन्स, (3) बिशान स्वरूप गुप्ता एन्ड सन्स, (4) सुभाष चन्द गुप्ता एन्ड सन्स, 2/5117, एष्टणा नगर, हरोल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी दन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाउ जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यन्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसची

प्रो॰ बैरिंग फी होस्ड प्लाट नं॰ 142, ब्लाक 'माई॰' तादावी-200 वर्ग गज क्रीति नगर, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बन: अब, उक्त अधिनियम की भारा ५69-**ग के अभूसरण** में, में, उक्त अधिनियार की भारा ५69-व की उपभारा (1) से उसीर जिल्लाफिकिन **स्ववित्तकों, वर्षांत्र र**ूक

तारीख: 31-12-1985

शक्त आहा, हो, एस, एस,-------

# नाथकर घोंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-प (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, नहीं दिल्ली

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कालून है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बान्गर मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 9 है तथा जो ब्लाक नं० 8, माडल टाउन, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिनियम, के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन, तारीख मई 1985

की पर्वोक्त सस्मिति के उचित बाबार मध्य में कम के कममान प्रतिफल के ਕਿए अन्तरित की गहर ਰ\* विषयास करने का कारण भूनोंक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मृल्य, उसके करयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बन्तरक (अन्तरकां) और स्तिरिती (अन्तिरितियां) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य हैं उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया €ै ९----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन वा नन्य नास्तियाँ की, जिन्हों भगरतीय जाय-कर लेभिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट यहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा की निस्तृ:

 श्री सोह्न जाल भाटिया मुप्रत्न झाई दास भाटिया डी-8/9, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तर्ह)

2. श्री चम्ता लाल गौरी प्रसाद, 4546, महावीर बाजार, क्लाथ मार्केट, फ़तेहपुरी द्वारा गीरी प्रसाद पार्टनर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के नित्र कार्यवाहियों करता हो।

# उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि जो भी उर्जाय पाठ रा सभाषा होती हों, के भीवर एयोजल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस अवना को सम्पन मो प्रकारन की नार्यक र 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पर्धांकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम, के कथ्याय 20-क में परिसाधित द्वी, बही कथी होगा, जो उस अध्याय में भेगा हैं।

# ग्रनुसूची

सिंगल स्टोरी बिल्डिंग प्लाट नं० 9 ब्लाक नं० 87 माइल टाउन, दिल्ली 28.00 वर्ग गज फी होल्ड।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज-2 दिल्ली, नईदिल्ली~110002

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिमित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 10-1-1986

# प्ररूप बार्ड .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 5-85/55--श्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रींप जिसकी संव महान तव सी-35 है तथा जो कीति नगर, वर्ड दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वर्ड दिल्ली में भारतीय श्रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 को 16)के श्रधीन, वारीख मई 1985

को पूर्व कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क अधीन, निमालिसिन व्यक्तियों, अधीत :--  श्री देव प्रशास सुप्त जगन नाथ 16, थई कास रोड, मद्रास।

(अन्तर्भ)

2. श्री किए।व भागवान लोहाठी सुपूत्र श्री स्व० हिर बैग्स लोहाठी ग्रौर निर्मल देवी लोहाठी, पत्नी श्रिव भगवान लोहाठी निवासी डी-73, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को बर्चन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

मकान नं० सी०⊶35, 300 वर्ग गज, कीर्ति नगर, गांव वसई द।रापुर, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1985

मुक्त मार्ड . ट\ एव . एक -----

# धारकर नींपनियम, 1961 (1961 का 43) कीं पाड़ा 269-म (1) के नेपीन क्यांग

#### 

कार्यासय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनाँक 31 दिसम्बर 1985 मिदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० आर०-1/ 5-85/56--अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

बायकर बीधिनयम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसके प्रकात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है।., की भारा 269-च के बधीन सक्त प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चितका उचित वाचार मुस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संज नंज 41 ब्लाज एफ है तथा जो मानसरोवर गार्डन, ग्राम वसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपावड़ अनुभुषी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकरण अधिकारी वे जार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिकारी वे जार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिक्यम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

की पूर्वोक्त तम्मति के जिया अपार मूक्य से कम के क्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्मित्त का उचित याजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकत से एमे क्यमान प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत का म्लद प्रतिकत में अधिक है और अंतरित (अन्तरिक्ति) और अंतरित (अन्तरिक्ति) के बीच एमे अन्तर्भ है निए तय पाया गया प्रतिक्ति का निम्नितिबत उदयोग्य से उन्तर अंतर्भ निम्नितिबत अवयोग्य से उन्तर अंतर्भ निम्नितिबत के वास्त्रिक के क्या के कार्य के प्रतिक के कार्य कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य का

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिवत्य में अभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अवं, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग की अनुसर्थ में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री वास्तेव भारधाना, (2) मूखदेव सारधना
(3) अर्जुन कुमाण सारधना, (4) सहदेव सारधना पुत्र स्थ० श्री टिकफन लाल सारधना, (5)
श्रीमती राज सारधना पत्नी स्त्र० श्री आत्मदेव
नारधना निवासी बी-109 मानसरोवर गर्डेन
नर्ष दिल्ली।

(अस्तरक)

2. श्री वसन्त राम शर्मा पुन्न श्री मिक्की लाल एमी श्रीर छाबिल दास शर्मा पुत्र श्री बसन्त राम शर्मा निवासी 254. फाटक करोर, अजमरी गेट, दिल्ली, प्रजेन्ट एफ-41, मालजरोवर गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्वोक्त कर्नाक के जिल के जिल कार्यवाहियां करता हो।

डक्त सम्परित के जर्बन के सम्भन्न में कोई भी मासेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की जनभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षन को तारीस सं ४० दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति क्यारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में फिए का सकीय।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पवों का, जो उचता अधिनिवन, के अध्याय 20-क में परिभाषिक वृ, वही वर्ष दोगा, जो उत्त वध्यस्य में दिवा भा है।

#### अम्स्भी

प्रो० बैरिंग नं० 41, ब्लाक 'एफ' तादादी-270 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डेन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1985

# प्ररूप वार्<sup>4</sup>. दी . दुन . एस . ------

# नावकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के नधीन सुबना

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आजुक्त (निक्रीक्षण)

अर्जन रेंज-2, न**ई** दिल्ली नई दिल्ली. दिनांछ 31 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 5-85/57—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नावकर नामिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके घरणाल् 'अक्त अर्धिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विभवास करने का कारण हैं कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उणित नाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से नाभक हैं

ग्रींग जिसकी सं० 863 प्राइबेट नं० 33-के है तथा जो केदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी. दिल्ली-7 में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण क्य न वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधितारी के नायिलया, नई दिल्ली में रिजस्ट्री गरण अधिनियम 1908 के अधीन (1908 का 16) तारीख मई 1985

का पूर्वाकल सम्पत्ति के जीवत काकार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकस के लिए बंस्तित की वहाँ हो और मुम्ने यह विस्थास करने का कारण हाँ कि मथापुर्वाकत सम्पत्ति का समित वाजार मूस्य, उसके दयमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्छद् प्रतिकत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हाँसे अन्तरण के लिए क्य पाका गया, प्रक्रिक्स, जिल्लिसित स्क्षेत्रय से उस्त अन्तरण निर्मित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं कया गया हाँ:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स जिस्तियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्वतिकाय में कसी करने या उत्तसे अचने में सुविधा दानिस्य के लिए; जॉर/या
- (क) एते किसी भाग वा किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) का किस की की एक कि किया किया 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तिस्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविभ्य के निए;

शतः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्वरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के व्योन, जिस्तिवित व्यक्तियों, वर्षात् ः— 1. श्री खत्या प्रशास गुप्ता, श्री (स्वं०) काणा कृपा राम, निवासी 33-के, केदार विल्डिंग, सब्जी मृडी, दिल्ली, जनरल पावर अदारनी श्री भारत भूषत पुत्र स्वं० श्री कृषा राम, निवासी 809 वैस्ट कैलीफॉर्निया वेय वुडमाईड, कैलीफॉर्निया, यू० एस० ए०, (2) श्री हरि प्रकास गुप्ता पुत्र स्वं० लाला कृपा राम , निवासी ए-187, सुर्या नगर, जिला गाजियाबाद (यू० पी०) प्रजट कम्पनी दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री भिमेश्वर दास गुष्ता पुत्र श्री इ.रका दास गुष्ता, निवासी डी--29, राधा पुरी, कृष्ण नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सक्वित के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी जाक्षेप ए----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिध वा तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की कामील से 30 दिन की अविध, को भी व्यक्तिय बाद में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिंद- वक्ष किसी जन्म व्यक्तित द्वारा, कथनेह्स्ताक्षरी के पास मिरिशत में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः ----इसमें प्रमूक्त सन्दों और पदों का, जो उक्स जीधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मन्स्धी

वादादी----135.00 वर्ग गज, प्रो० न० 863 प्राईवेट नं० 33-के०, केदार विल्डिंग, अब्जी मंडी, दिल्ली।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 31-12-1985

# प्रकथ ह्या. ही. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर वायुवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां : 31 दिशम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सीः/एक्यू०/ः/एस० आर०--।/ 5--85/58---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बनीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 47/11 है नथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इनसे जपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है) रिजस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन जारीख मई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निटिखिश उद्देश्य से उका अंतरण दिक्कित में बाम्सविक ज्य से कवित नहीं किया गया है है

- (क) नंतरण ते हुई किसी आय की आबस, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के विष्: और/वा
- (च) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिसी दवारा प्रकार नहीं किया यहा था या किया जाना चाहिए था, स्थितने हो त्रिया करें किए।

वतः वज्ञः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग की अनुसरक में, में, संवस विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में विधीन: निस्तिनिवित व्यक्तियों, वधाराः—  शीत री जोभ। ग्रोकः, निवासी 47/11. ईस्ट पटेलं नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. शां भूषत लाल ग्रांर श्रीमती उपा रानी ए-40 म $e^{-i}$ । गंज, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

का यह स्वान जारी करके पृवाँक्त सञ्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू क<u>र</u>ता हुं।

बक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक धै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शि में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकते।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

प्रमुखी

47/11, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

आर॰ पी॰ राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-11000

कारीख: 31-12-1985

१९७४ वार्ड ती एए एस , ------

आप्रवर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की দশং চুচ্চেছ (১) के अधीन सृष्टना

#### यारत सरकार

नार दिख्य, महासक बायकर बायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 31 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस० आर०-1/ 5-85/59-34: मझ, आर० पी० राजेंश.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रवाद 'उक्स अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्बन्धि, जिसका स्वित गाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ष्याँर जिसकी सं० डी-22, मनोहर पार्क, है तथा जो ग्राम बसई दारापुर रोहत र रोड़, दिल्ली स्टेंट, दिल्ली में स्थित है (श्रार इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकस्ती अधि गरी के गर्याला, नई दिल्ली में भारतीय आय हर अधिन्यम, 1908 1908 का 16) के अधीन, नारीख मई 85

कारे पूर्वो कर संपत्ति अधित नाजार नृस्य सं कम के धरयमान् इतिकत्त के निए जन्तरित की गई हैं जौर नृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भूल्थ, उसके दश्यमान प्रतिकल अं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखित जब्दों किया नवा ईं —

- (क) अन्तरण ते हुई किसीं आय की बाबत, उक्त विभिन्नज, जै वधींय कर देने के बन्तरक औ वादित्व में कमीं करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या कर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या धन-कर प्रिंगियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्वा वा का किया जावा चरीहर जा, जियाने में प्रविधा के किया:

जल सन, उक्त अधिनियम को भाषा 269-म के समुसर्थ या में उक्त अधिनियम को भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अधिया निम्मितिका स्वीवतार्थों, सर्भात् :---

- श्रीमती जिल्ला बेनुगं,पालिनी द्वारा अनम्ल अटाएनी श्री जें० के० सेटी पुत्र श्री लन्त राम मेठी, निवासी 51—डी, शास्त्रबा नगर, लुधियाना। (अस्तरक)
- श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री राम निवास श्रींर श्रीमती गीना गुप्ता पत्नी श्री रिशी सम, निवासी डी-28 मनोहर पाक दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भी बहु स्थान कारी करके प्रेक्ति अस्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

सम्बन्ध संपत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ----

- (क) इस स्वना के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वन्धि या तत्त्रज्ञान्थी व्यक्तियों दर क्वमा की पानीस से 30 दिल की नव्धि, को बी ववित्र वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पुनीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) हम बुजना ने राज्यम में अकारण की शारील हैं
  4.8 जिन में श्रीदार क्याद स्वादर बज्जीरत में हित्यहुंथ विक्री कृष्य जातिक हुंपार ब्योहरतालकी में गांव दिवाक में किए जा बचीचें !

श्रमधीकरण: --- इसमें प्रयुक्त संब्धें और पक्षों का, जो सबके बहुँद्विनयन, वृं अध्यान 20-क में परिवाणित है, वहीं मुर्थ होता, यो उस संध्यान में दिसा स्वाही।

# भनुसूची

बेरिंग नं० डी-22, मनोहर पार्क, ग्राम-बसई दारापुर रोहतक रोड, दिल्ली सादादी---243 वर्ग गज।

> अंगर० पी० राजेंश सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**खः**: 31—12—1985

प्रथम बार्ड-टी-एम-एस-------अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

श्यक्तर आयानसम्, 1961 (1961 का 43) प्रारा 269-थ (1) के अधीन सुचमा

#### भारत तरकार

कार्यक्षम, सहायक जावकर वानुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, नई हिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/ 5-85/60—अंतः मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे क्या है इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है ), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जितका उचित बाचार बुक्च 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव हाउन नंव 30 है, तथा जो बेखल पार्क, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाषड़ अनुसूची में श्रीत पूर्ण रूप से दिल्ली है). आयकर अधिकारी के सार्यात्म, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिकारी के (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को प्रवेदित सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से कन के ज्यानान बितफल के लिए अन्तरित को गई है और मृजे यह विश्वास अश्ने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के निए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त बन्दरण क्षितिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ववा है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किती बाब की, बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में बृविधा के सिए; और/वा
- (क) देशी किसी भाग या किसी भग या बन्न आस्थियों को विन्हें भारतीय आयकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

1. श्री मोहिन्दर सिंह मान, श्रीमती सुरिन्दर कोर िनासी 151-ए, प्राहेट यू० बी० शालीमार बाग, दिल्ली।

(अन्त्र्क)

2. श्री डी॰ एउ॰ माडोह पुत्र श्री आनंत राम माडोक, निवासी 30, केवल पार्क, आजादपुर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक अरखा हूं।

# क्ष्मत तल्लील के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्च थी वास्त्रोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वाधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीं का व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इससूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिएजबूध किसी जन्द व्यक्ति व्यास वशोहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए का सकत्त्रे।

स्वकारण :---इतर्जे प्रमुक्त बच्चों और वर्षों का, वो उनक विधिनियम के अध्याद 20-त में परिजाणित है, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याद में विका वका है:

#### अनुसूची

हाउस नं० 30, तावादी—133 वर्ग गज, केवल पार्क, आजादपुर, दिल्ली—33, खसरा नं० 11, ग्राम—आजादपुर, दिस्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-198**5** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जावकर बायुक्त (मिरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1 5-85/61--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ला सं० प्रापर्टी 14/86 से 91, है तथा जो 93 से 95, 875, 878, 880 से 883 तक कृतव रोष्ट्र, खारा नं० 25 वर्ग गन दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उलाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), आयकर अधिनारी के कार्योचन, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनायम, 1961 के अधीन, जारीख मई 1985,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मून्य से क्रम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनका निभिनियम के अभीन कर दोने के नंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ काँ जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट महीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विधा के लिए;

नेतंः संब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की ठपधारा (1) के अधीज, निम्मलिखित व्यक्तिकों. बक्की कुरू-

- (1) श्री प्यारा नाल सुपुत्र पन्ना लाल निवासी
  42, वीर नगर, दिल्ली (2) माया देवी पत्नी
  प्यारा लाल 42, वीर नगर, नई दिल्ली (3)
  नारा चंव सुपुत्र दिवान चंद, 40, साउथ एक्सटेंशन
  बस्ती हरफूल सिंह, दिल्ली, (4) विजय कुमार
  सुपुत्र बनारसी दास, 128, वीर नगर, दिल्ली।
  (अन्तरक)
- 2. मास्टर दीपक विंग छोटा सुपुत बूजमोहन विंग निवासी 65, शालीमार वांग, दिल्ली द्वारा माताजी और अभिभावक श्रीमती कमला विंग,(1.) मास्ट गरीश लाम्बा छोटा सुपुत्र सत्तीश लाल लाम्बा, एफ-55-56; मल्कागंज, दिल्ली द्वारा माता और अभिभावक श्रीमती बिम्बल या लाम्बा (3) विमल कुमार छोटा ,मास्टर वीपक कुमार छोटा सुपुत्र एम० एल० कुमार, निवासी एम-100 कीति नगर, नई दिल्ली द्वारा मदर और अभिभावक श्रीमती कृषण कुमारी।

(अन्तरिती)

को यह त्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की जनिष सा तत्सं नंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इसार;
- (ब) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्धु-विक्रवी जन्म स्थावित व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पांच तिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और बदों कर, को उक्त अधि-नियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

60 प्रतिपात शेयर प्रापर्टी 14/86, से 91, 93, से 95 तक 875, 878, 880 से 883 तक कुतब रोड़, बिल्ली। खसरा नं० 256 लीज होल्ड।

> आरं० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षणै) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1985

# क्ल बार्ष ३ मी० स्त्र होत

नावकर निर्मानवन . 1961 (1961 का 43) की थारा 269-न (1) के नशीन त्युचना

भारत बहुकार अर्थाकव , सहायक कायकर जायुक्त (किर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 5-85/62-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही),, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, चिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एफ प्रापर्टी नं० 2993, है तथा जो दरियागंज, नई चिल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद अनुसूची में झौर पूर्ण रूप ने विणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई 1985

की पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित बाजार मूक्य से कम के करमान इतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूक्य, उसके करमान प्रतिकल से, एंडे क्ष्म्यमान प्रतिकल का पन्त्रह इतिश्रात से अधिक है और मंतरक (अंतरकार्) और अंतरिता (अन्तरितिश्रा) के बीच एंडे अन्तर्थ के निए तम पाया जवा प्रतिकल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्थ लिखित में बास्तरिक रूप से स्थित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम से हुई कियों बाय की बायत, उक्क बिशियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा वे सिए; बीट्/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बत्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ बंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बंदा वा या किया बाना आहिए वा कियाने में सुविधा को सिए;

क्वः जव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की विमुखरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री गुरुचरन जिह् बदी, एद-- 105, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री किसन लाल, निवासी 1259, गंज मीर खान, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के जिल कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाचन की तारीच हं 45 विव की वर्गीच वा तत्स्वस्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 विन की वर्गीच, को भी कंचीच वाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों: में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस ब्राचन के सावपत्र में प्रकाशन की दारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्राथ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए का तकों जे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें पयुक्त कब्दों और पदों का, जो अवद जीभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होचा था उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्यो

पहली मंजिल, प्रापर्टी नं० 2995. दरियागंज, दिल्ली लीज होल्ड।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, भई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1985

ोहर:

प्रस्य बाह्", टी. एन. एत. ------

आयुक्तर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत कुषवा

#### नाहत बरकाद

# कार्वाचय, सहायक बायकार बागुन्त (निरीक्षण)

अर्जान रेज-2, नई विस्ती नई दिल्ली, दिलांच 31 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 5-85/64--अथः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से सिथक हैं

र्झार जिसकी संव प्रोपर्टी नंव 20 है स्था भी नजकगढ़ रोड़, वई दिल्ली में स्थित है (फ्रांट इससे उपायड़ अनुसूची में खोर पूर्ण रूप में विणित हैं), आयक्र अधिकारी के कार्यालय, वई दिल्ली में आयजर भारतीय आयजर अधिनियम 1961 के अधीन, वारीख मई, 1985

को प्वांक्त संपरित को उचित बाजार मुख्य से क्या के अवयवान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति को उचित साबार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एवं अववान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से विभक्ष है और यह कि वंबरक (बंबरकों) और बंबरिती रिती (अन्तरितिवों) के बीच एते अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविश में वास्तिवक रूप से किंबर नहीं किया गया है है—े

- (क) वन्तरक से हुई विश्वी बाव की बाबट, उक्त विधिनियन के अभीन किर दोने के बन्तरक के दारित्व में कमी करने वा उच्चे वचने में चुनिधा के निक्; बाह्य/वा
- (न) एंडी किसी आब वा किसी वन श बन्द बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना वाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

बत्र अव, उक्त कीपनिषय भी भारा 269-न के बन्तरण वें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नतिमित व्यक्तियों, वधीत क्रिन  श्री राकेल गोपन,प्रतीय गोयल व संजय गोप ल लभी पुत्र श्री बलबंत जिह, निवासी—35, जोर बाग, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

2. मैं० हिमालय ड्रग्स कम्पनी, 22/24, गांधी रोड़, वेहरादून द्वारा श्री बी० ए० शरीफ।

(जन्द्रस्ति )

का यह बुधना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के जिए कार्ववाहियां करता हुए।

उनक सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की समीस से 30 दिन की स्थापि, को भी सबिथ साद में समान्त होती हो, के भीतर पृथींक्ष्य स्थानिताों में से किसी स्थानित ब्याय;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्पित्त द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्कीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त बीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### म्स्पी

पोर्णन प्रोपर्टी नं० 20, नजकगढ़ रोड़, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली (लगभग 1275 वर्गगज)।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्रश्निकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1985

मोर:

प्रकष बाह्र .टी .एम .एस . -----

# भावभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मभीन नुष्णा

#### भारत शरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिदांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०—1/ 5—85/65——श्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से सिधक हैं

श्रीर जिसकी सं 0 1/2. पोरशन एच 0-35-ए ० है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरतों श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्लों में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन, नारीख मई, 1985

स्में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई हैं और मृत्वे यह विश्वास करने का कारक हैं कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का उम्बद्ध वाचार मृत्व, अवके दश्यमान प्रतिकास ने एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (अंधपन्वें) और बंतरिती अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे सन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में गस्तिकास, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में गस्तिका क्य से अधित बहीं किया गया हैं :—

- (क) नन्तरण संबुद्ध किसी नाम की बानतः, उपत बह्मिनियम के नदीन कर दोने के जन्तरक से बानित्य में कनी करने ना उससे अपने में बृतिधा से सिक्ट और/या
- (का) एरेती किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर सीमीनवम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर नीमीनवम, वा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना चाना चाहिए वा, स्थिपाने में सुविधा के निए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मो. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री दाता राम सुपुत्र राम दित्ता मल निवासी— ई~3/156, श्रारोड़ा कालोनी भोपाल द्वारा ग्रटारनी श्री गोबिनी लाल मक्र, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कुसुम लला बत्तरा पत्नी श्री सतीश बतरा निवासी एच--35-ए, कोर्ति नगर, नई दिल्लो। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोचल सम्मित्य के वर्जन के तिए कार्यनाहियां शुरू करता हुए ।

उक्त सम्बन्ति के जर्जन के बम्बन्ध में कोई भी जाओब :---

- (क) इस ब्रुचना के राज्यक में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 दिम की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबीध, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हते, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवाइए;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बहुध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किबे वा सकी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

# धनुषू यी

मकान भूमि 165 वर्ग गज 1 1/2 प्लाट नं० एच-35-ए, कीर्ति नगर, बसई दारापुर, दिल्ली फीहोल्ड। क्षेत्रफल: 750 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽2, दिल्ली, नई दिल्ली−110002

नारी**ख** : 31-12-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ---- -

आप्नकर अधिनियम, 1961 (1961 तम 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### श्रारत संस्का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० यी०/एक्यू०/२/ए७० श्रार०—I/ 5-85/66—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

हरायत को प्रतियन, 1961 (196) यह १३० (विन्ने प्रयमो इसके पश्चात् 'उत्कत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्रशिकारी की यह विश्वास करने की कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अस्ति अलार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० मकान नं ० 42/9, है तथा जो रमेण नगर, नई दिल्लो में स्थित है (और इन्तं उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण च्ल से वर्णित है),रजिस्ट्री जर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख मई, 1985

को प्रवेक्त सम्पन्ति के उभित भाषार मृत्य से क्रम के सममान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का बार्ण है कि सभापूर्वोक्त सम्मन्ति का उपित वाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्षण ए एए एक्सिमान के कि मान प्रतिक्षण एक एक प्रतिक्षण के विषय प्राप्त के विषय प्राप्त के लिए त्या पाया मण प्रतिक्षण, विस्वितिक से विषय एक स्थापन से लिए त्या पाया मण प्रतिक्षण, विस्वितिक स्थापन स्थापन से प्रतिक्षण के विषय स्थापन विश्वित वेष्ट्र के स्थापन से कि के वास्तिक स्थापन वे व्यवित्व वहीं कि वा यस है के —

- (क) जंतरण से हुई फिली आय की शक्का, क्या क्षीय-नियम के अधीन कर बोने के जंतरक के बायिएवं में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के किए? जॉर/शा
- (च) एँसी किसी आय या किसी धन या वन्त्र कांस्तियों की विनद्दें शरशीय आवक्तः अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूप अधिनिया (1957 (1957 का 2)) शे प्रयोजनार्थ अंतरियो व्यारा प्रकट नहीं किया गया था मा नियम जाना चाहिए था, कियान में कृषिया के लिए।

सतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अचित् :---

- श्री इन्दर किशन कपूर सुपुत श्री दीवान चंद कपूर, 42/9, रमेश नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री त्रवेण चन्दर सुपृत श्री नारायण दास, निवासी टी-410, ग्रहाता केदारा, दिल्ली-6। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें
  4.5 दिन की कविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  स्वित्वां में सं किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (थ) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए का दुवारा,

स्वकाश्वरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदों का, यो उक्त विधीनवम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस बध्याय में विका यस हैं।

# नमसूची

मकान नं ० 42/9, रमेश नगर, नई दिल्ली, लीज होल्ड राइट के साथ एटेच्ड कवर एरिया 745.00 वर्ग फिट।

श्वार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासथ , सहावक बावकर बाव्यत (निर्देशक) भ्रर्जन रेंज~2, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिशम्बर 1985 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/2/एस० आर०-I/ 

बाबकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें **श्व**को पश्चात 'उक्त क्रीधीनवर्ध' कहा गया ह**ै), की धारा** 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी सं० 8/44, है तथा जो साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली सें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अभ्य के अस्थमान को लिए अन्तरित की गड़ भौर मभ्रे यह विख्वास करने का कारण है यथा-पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्यः, उतके दबसमान प्रति-फंस से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यक्त प्रतिकत से अधिक हैं। बरि अंतरक (अंतरका) बरि अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एते अंतरण 🕏 सिए तय पाया गया प्रतिकत निक्लीनीचेत उद्देश्य ते उच्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप वे कव्यक नहीं विजा गया 👸 ए---

- (क) बन्तरण ते हुए किसी बाद की बादत, उपरा संचितियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में त्विका चे लिए: केंद्र/श
- **(क) एती किसी भाग या किसी भगया अन्य अधिकार्यो** की, जिन्हें भारतीय जावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी युवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-**म** की उपधारा (1) के अधीन निम्नसितित अभितयों , अर्थात :---

 श्री शांति नारायन भेहता इबी, फ्लैट नं । 130. डी ० और एर एन्ट एफ ० एस ०, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बूज लाल सिक्का एंड सीमा सिक्का, 8/44, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के सियं कार्ययाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भौतर वर्बोंक्ट व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बनाराः
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरी।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित **है, यही मर्थ होगा जो अरा शक्याय 🔆 टिक्र**ा नवा है।

#### भनुसूची

8/44, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली 200 वर्ग गजा लीज होल्ड राइट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1985

प्रकप आहें.टी.एन.एस.------

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासन, सहायक भावकर नावृत्त्व (रैनरीबाज)

ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 विसम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू 0/1/2/एस० म्रार०-1/5

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० 750, ब्लाक ई, है तथा जो खसरा नं० 1389, मानसरोवर गार्डन, गाँव वर्ण्यदारापुर, नई दिल्ली सें स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची सें पूर्ण रूप से वर्णित है): रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली सें भारतीय श्रायकर ग्रिधनियम 1961 के ग्रिधीन दिनांक मई 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के दृश्यमान वित्तिल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रो मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार करने का करवा प्रतिकृत वाजार करने का करवा क्यमान प्रतिकृत का प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्त, निक्नीनीचा उच्चोक्त से उक्क अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किंदन सहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई विक्वी जान की बाबद, उक्त जीवीननम के अभीन भर योगे के जन्तरण के कामित्य में कमी करने ना उत्तसे क्यने में सुविधा के निए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी थन वा मन्य अंतिस्तरों की, विन्हें भारतीय वाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपतः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया रका था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

श्रकः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के शनुकरण जों, जों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थायुः :----  (1) श्रीमतो माविद्री देवी पत्नी वेद प्रकाण शास्त्री ए-67 कीर्ति नगर नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रमल शाह सुपुत्र गामा जी बाला एन--39 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के त्लए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्रेप 🐃

- (क) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधि-निक्रम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही पर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फी होल्ड प्लाट नं ० 75--ए ब्लाक ई, तादादी 220 वर्ग गज खसर। नं ० 1389, मानसरोवर गार्डन, गांव वसई दारापुर, दिल्ली।

> स्रार०पी० राजेश पक्षम प्राधिकारी सहायक स्राधकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 31-12-1985

# THE RES ET !! SEL SEL ...

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थारा

#### भारत बहुनमह

# कार्यातव, सहायक आयकर आव्यत (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज−2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985 निर्द्रोश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्चार−1/3− 85/69--श्चत: मुझे, श्चार०पी० राजेश,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये के अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 21/2, नार्थन सिटो, है तथा जो एक्सटेशन स्कीम नं० 2, रूप नगर, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्गित है), रजिस्ट्रोक्तां अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्लो में आयकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त बईपनियम को नभीन कर दोने को मन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जाँडि∕सा
- (क) एंडी किसी भाग या किसी भन या जन्य जारितयों की जिन्हों भारतीय शायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिशा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) प अधीत: निम्निचिलिए प्रावित्तयों अधीत :----44---4460I/85

- (1) श्री मक्ष्मुदन लाल एंड गुर्चरन लाल पुत्रान भगवान दा ा, निवासी 24/2, शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तर्क)
- (2) श्री विणन दास मेठी सुपुत्र बलदेव दत्त सेठी ए-22, विजय नगर दिल्ली 9 श्रीर 2, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय जयचंद श्रग्रवाल निवासी 25/69, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अबत सम्परित के अर्जन के राज्यतम में कोर्ड भी जाक्सेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन को अविध , जो भें अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त लाकित में में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगिल्य में हितमब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उन्हर अधिनियम के लब्दाय 20 के में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हांगा को जान अध्याय में दिया नवा हाँ।

#### वन्सरी

दो और ढाई स्टोरी प्रापर्टी नं ० 21/2, ताबादी 266 वर्ग गज, नार्थन सिटी एक्सर्टेशन स्कीम नं ० 2, वर्तमान रूप नगर के नाम से जाना जाता है।

> श्रार०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण ग्रजेंगरेंज- 2, दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

दिनांक: 31-12-1985

प्रकृष **आह<sup>र</sup>ंटी. एवं. एसं. -----** (1) श्री भारत भणण सृपूत्र ह

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 31 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० श्राई ०ए०सी ०/एक्यू०/2/एस० श्रार−1/5→85/70—श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेशः

आयकर निर्धानियम 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सस्पत्ति, जिसका उमित नावार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० 30/23, है तथा जो वेस्ट यटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनमे उलाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिलत है), रिजस्ट्रीकर्क्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक मई 1985

को पूर्विका सम्पत्ति के उपित बाकार मूल्य से कवा के क्स्मजान मित्रकास के लिए बन्तरित की नहीं है बार अब यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत सम्पत्ति का जीवन बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्यवसान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकास से अधिक हो और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बाब एसे अन्तर्ण के बिह् तब पावा गया प्रविकाल निम्नोलिका उद्देश्य से उकत अन्तरण निम्नोलिका

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जान की बाबत उक्त अधिपिनम्ब को अधीन कर दोने भी अन्तरक हैं वाचित्य में कनी करने या उससे बचने में स्विधा जे अस्ट, आह्र/बा
- (थ) द्वी रिक्वी नाव या किसी धून या क्ष्यू वारिस्त स्थे को, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भश्क इं वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाचनार्थ जन्तरिक्षी व्याप प्रकट नहीं किया ज्या था या फिया जाना धाहिए धा फियाने में सुविधा की शिक्तः

(1) श्री भारत भूषण मुपुत्र स्रोम प्रकाण निवासी 30/23 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) नेशनल इन्टरगेटिड मेडिकल ऐसोसिएशन, देव नगर, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यमितयों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अभोह्न्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सफरेंग।

स्पक्कीकरणः—क्समाँ प्रयुक्त शब्दों कीर पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

# नम्स्ची

30/23 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

ग्रार०पी ० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज−2¦ दिल्लो़ नई दिल्ली−110002

जतः ज्ञान, ज्ञान अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं. में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ज्ञानेन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

**दिनाँ**क: 31-12-1985

योहर :

# प्ररूप आहें .की .एन . एस .....

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अभीत स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 31 दिनम्बर 1985 निर्देश मं० श्राई० ए० सी ०/एउपू०/2/एस० श्रार-1/5-85/ 71---भ्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश,

शागगर गिंशनियम , 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जित्तको नं कारीट तं कर्क-67, हे तथा जो मानसरोवर गार्डन, गाँव बनई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूचों में पूर्ण का से विश्त है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक मई

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान ,पीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रांतफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मी निवस उद्देष्य से उक्त अम्तरण सिचित में बास्विक रूप से अदिशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाज की वाबत, उचका अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में अभी करने या उसने वचने वें सुविधा के निक्; और/वा
- (क) ब्रेसी किसी काब का किसी अन मा कस्य कास्तिकों को, जिन्ही भारतीय जाब-कर किसिन्यम, 1922 (1922 का 11) का उक्त किसिन्यम, मा अनक्तर किसिन्यम, मा अनक्तर किसिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के किए;

श्रोमतो केंगरो देवो पत्नो सेन दिता मल निवासी एफ-67, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ला। (श्रन्तरक) (2) श्रो राम नरन भाटिया मुगुद्ध स्वर्गीय पुंजू लाल

(1) श्री कृष्ण लाल श्ररोड़ा मुपुत्र श्री जवाला दास एंड

(2) श्रा राम नरन भाटिया मुगुत्र स्वनीय पुंजू लाल भाटिया 5/4, जयदेव पाकं, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त रांपत्ति के जर्जन के संबंध भी बाई भी आक्षंप :---

- (क) इस सृष्या को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविश् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या को तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गृर्वितस स्वितियों में से विक्ती व्यक्तियां कारा:
- (ख) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपति के किसी अन्य व्यक्तित स्वारा अथांहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्स मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं ० एफ – 67, एम ० जी ० 2384 वर्ग गज । मान सरोवर गार्डन, गांव वनई दारापुर, दिल्ली फीन्होल्ड ।

> स्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर गातुकत (निरोक्षण) स्रजेंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनौक: 31~12~1985

मोहर ः

प्ररूप आर्'. टो. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 31 दितम्बर 1985 निर्देश सं ० श्राई ० ए.० सः ०/एस्यू ०/७२/२/एस ० श्रार-1/5--85/72--श्रतः मुझे, श्रार०पी ० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिमकी मं ० मकान नं ० 1560, वार्ड एका, है तथा जो गली कोटाना, सुयवालान, दिल्ली—6 में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के वार्यालय, नई दिल्लो में रिजस्ट्रोकरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनाँ ह मही 1985,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्ममान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रस्य, जसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गृह प्रतिशत म अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिषक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रासफेक बेग मुपुल श्रब्दुल्ला बेग 2 हसीना प्रवीन पत्नी श्रमफेक बेग निवासी 1216, गली हाजी नासिर वाली, काला महल, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरक)

(2) मोहम्मद रिवन, 2 मोहम्भद रहमान, मोहम्मद इमरान, मोहम्भद बीलाल (3 एंड 4) सुपुत अब्दुल सलाम 1560 गली कोतना, सुईवालान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सहिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त कावितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# मन्सूची

भकान नं ॰ 1560 बार्ड एक्स, गली न ॰ कोटाना मुईबालान दिल्ली--6 तादादी 212.56 वर्ग गज 1 फी होल्ड ।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 31-12-1985

प्रकप माईं.टी. एन. एस. -----

जायफर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासक,, सहायक जायकर कागुक्त (रितरीक्षक)

भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० म्राई० ए०- सी०/एक्यु०-2/एस० म्रार०-1/ 5-85/73--मनः मुझो, म्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० के०-16 है तथा जो माडल टाऊन दिल्ली में स्थित है (श्रौण इससे उपावद्ध श्रनुसुची में श्रौण पूर्ण रूप स विला है) रिजस्ट्रोकिना शिविःगरी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1985,

मा श्वांकत संवित्त के उणित याजार मृत्य में कम में क्यामा प्रतिक्रम के सिन्न बन्तिरित की नहीं हैं और मुखे यह निक्यात वादने का कारण हैं कि स्थाप्नों कर सम्पत्ति का स्रीमा वादार धृत्व, उसके दरममान प्रतिज्ञ के ए से क्यामा प्रतिज्ञ के ए सह प्रतिक्रम के ए सह प्रतिक्रम के प्रमुख प्रतिक्रम के स्थाप के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम निक्मित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तीविक रूप से काथत नहीं किया गया है ---

- (७) जलाउन से हुई किसी भाग की बाबत, डक्ड कर्डिश्नियम के अधीन कर दोने के जलारन के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा और/मा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन था अभ्य बास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। यदा वा वा किया बाना वाहिए वा, कियाने में सुनिधा वी विद्या

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अथित् :——

- (1) श्री कृष्ण लाल श्रीर श्रीमती पुष्पा रानी. निकासी के -16, माडल टाऊन, दिल्ली । (अन्तरः)
- (2) श्री परपोत्रम द**्स** जैन, सी--5/20, मा**ड**ल टाऊन, दिल्ली । (श्रस्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिप्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को नारीस से 45 दिन की अशाध या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बविध, को भी अनुि याद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पत्नों का, सो उक्त वायकर अस्मित्यमा का अध्यास १०० का सा प्रश्निक ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया का है।

#### नमुस्पी

प्रो**० नं० के**—16, ताद(दी——271, **55 वर्ग ग**ज, **माहल** टाऊन, दिल्ली ।

> मोर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनोक : 31-12-1985

मोइर :

# प्रकमः बाह्य<u>ै, ठी. पुन. एस., ::::--:::::</u>

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० मार०~1/ 5-85/74---यन: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं जे-11/12, है तथा जो राजौरी गार्डन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के दार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन मई, 1985

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकास से दिश्यक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितयों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिल उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री कृषण चन्दर,
  - 2. राम नाय,
  - 3 क्रोम प्रकाश सुपा स्व० राम लाल,
  - 4. शांति देवी पत्नी खोम प्रकाश,
  - 5. कान्ता देवी पत्नी केदार नाथ,
  - त. राज कुमारी पर्ता धरम पाल, कुमार सुपुत्र श्रो राम लाल, जे→14/12, राजौरी गार्डन, नई दिस्सी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रशोक कुमार वधवा, सुपुत चेला राम विधवा बू श्रीमती प्रवीण वधवा, पत्नी श्री ग्रशोक कुमार वधवा, जे-11/12, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोरल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पौत में हिल- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त्" अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### ग्रनुसूभी

प्रापर्टी नं॰ जे $\sim$ 11/12, तादावी 200 वर्ग गज। राजौरी गार्डन, नई दिल्ली की होएड ।

ग्नार० पी० राजेम स्थम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली,

विनोक : 31~12-1985

मोहर .

# प्रकृष कार्युः, द<u>ी., पुत्रः, पुत्रः, ग</u>रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### बारत सरकार

कायात्त्रय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंग-2, नर्ष दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 31 दिसम्बर, 1985

निर्वेभ सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-1/ 5-85/75--यतः, मुझे, ग्रार० पी० राजेम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समर्थन, जिसका उस्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

मीर िसकी सं सी-6/10, है तथा जो राना प्रताप बाग, गांव साधोरकलान, दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूर्या में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिन्स्ट्रीनर्ता श्रिधिवारी के बार्यालय, नई दिस्ली, में रिजिस्ट्रीनरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य वे कम के वश्यश्रम प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई बौर मृत्रे यह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एरो क्ष्ममान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए तम बाबा बया प्रतिकास, विम्लिशित उद्देष्ट से अन्तरण के निए तम विकास में किया प्रतिकास कम से किया नहीं किया प्रवाह है द—

- (क) जन्तरण से हुए किती जाव की वाजत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (अ) एगो विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था जिया स्तिया के लिए;

जरा: वज उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्निमिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) राम रत्ती सुपुर्वा घंजू मल , विडो श्री अमर नाथ, नियासी 6/10, राना प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती विद्यावनी पत्नी मदन नाल,
  - 2. श्रीमती शोभा गुप्ता पत्नी ग्रनिन कुमार,
  - अमिता गुप्ता पत्नी अक्त कुमार,
     निवासी 4362, गली बरोनवली, नर्ष सङ्क,
     दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

तकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के गस लिखित में किए का सकेंगे।

स्यक्टीक,रण: --इसम प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपत अधिनियम के अध्यास 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्यास में दिवा नवा है 🗓

### अनुसूची

सकान तादादी 11333 वर्ग गज । नं॰ सी-6/10, राना प्रताप बाग, गांव साधोरकलान, दिल्ली, फी होल्ड ।

> म्नार०पी० राजेश सक्षम प्राक्षिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 31-12-1985

# प्रकार बाही, दीं, एस, एस, कारणान्यान

# नामफार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अभीन स्थान

#### नारुत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रजंन रेंग्र-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांवः 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/ 5--85/76----यतः, मुझॅ, ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर िसकी सं० फ्लेट नं० एम-1, 4, प्रापर्टी नं० 4348वी/1, है तथा जो अग्रवाल भवन, ब्लाम नं० 4सी, सदन मोहन स्ट्रीट, दरमागंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद भनुसूर्या में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीयनी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिस्ट्रीय रूप श्रीधनियम, 1908 (1908 पा 16) के अर्थान मई, 1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रभ् प्रतिचत से बिभक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया नया ब्राह्मिक निम्प्रिलिबत उब्दोश्य से उक्त अंतरण मिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नलाएन वं हुए किसी बाद की दावत, उपक विभावता के बचीन कर दोने के इत्तर के दानित्य में कभी कारने ना स्तस्य मचने में सुविधा से विद्या नांड/ना
- (वा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त जिप्तियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया बाना चाहिए था, जिपाने में तृविधा खें विद्यु;

बर: बब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वं, वं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) वं विभीतः, निम्मीनिया व्यक्तियों, वर्षाष्ट्र है——

- (1) श्रीमनी संतोष कुमारी ग्रग्नवाल, पत्नी बीठ एस० ग्रग्नवाल, 116, म्टेट बैंक कालीनी, राना प्रनाप बाग, दिल्ली-7 (ग्रन्तरक)
- (2) मसवृद ब्रालम शेमम मुपुत्र मोहम्मद इक्राहिम, निवासी बाजा नं० 8080, कुवैस, द्वारा ए-2/16, दरियागंज, नई दिल्ली-2: (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के जिल्ला कार्यजाहियां करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख में 45 किन के भीतर उक्त स्थात्रार मपित्स मों हित्यव्य भित्री अन्य क्यांक्य युगाग अधांहस्ताक्षरी के पास निश्वित मों किए जा सकरेंगे।

स्वयक्षीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत जीभीनयम, के अभ्याय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में विका यक्ष हैं।

#### अनुसूची

पलैट नं० एम-1 श्रीर एम-4, प्रापर्टी नं० 4348वी/1, श्रप्रजाल भवन, स्थित ब्यारा 4सी, जाना जाता हैमदन मोहन स्ट्रीट, दरियागंज, नई दिल्ली, लगभग 231.27 वर्ग गण। खसरा नं० 63, की होस्ड।

प्रार० भी० राजेश गत्रग प्राविकारी सह्यक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रोज-2, नई दिल्ली

**रिनां**क : 3!--12-1985

# त्रभग धार्चः, सी. एक. इस. ----

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं श्राई० ए० सी०/वयू०/2/एस० धार०-2/ 5-85/77---यत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

वावकर लिपिनियम 196! (1961 का 43) (विसे इसवे इसके प्रकार प्रभन किपिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह से अधिक है

मीर जिसकी सं० क्लेट नं० जी-3 मीर जी-4, रीयर पोरसन जो जी एफ प्रापर्टी नं० 4348/बी-1 है तथा जो मबन मोहन स्ट्रीट दिखागंत्र, नई दिल्ली में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद धनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीयर्जी मधिकारी के वायलिय, नई दिल्ली में रिस्ट्रीयरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख मई, 1985

को प्वांकित संपत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के क्याम बितियक्ष के निए अंगरित की पड़ें हैं और अभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्वोंकित संपत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का केवह प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाजा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देष से उसत अन्तरण के सिए तय बाजा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देष से उसत अन्तरण के सिए तय

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की वाबत, उन्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वारि/बा
- ेड) एंसी किसी बाव या किसी धन था अन्य बास्तियीं की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए.

कार: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) क्यूसिर सुलतान पत्नी जिउरहमान 4348/4-सी, घंसारी रोड, दरियागंज, विस्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) कुंज बिहारी कजरीवल, सुपुत श्री राम गोपाल कजरीवल, निवासी 1, जयपुरिया बिल्डिंग, कोहलापुर रोड, संब्जी मंडी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करकं प्वेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हूं।

# रक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाब्धेन ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वना के रायपत्र में प्रकाशन की हारीय सं

  45 दिन के भीतर उक्त स्थाब पंपत्ति में दिलक्ष्य

  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास

  विवित में किए का सकरें।

स्पब्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पर्वो का, जो उक्त अधिनाम के अध्यार 20-क में यथा परिमाणित है, बहा अथ शोगा, जो उस अध्याय बै दिया गवा है ।

#### **भनुस्**ची

पलैट नं० जी-3 मीर जी-4, रियर पोशन जी० एफ०, दो रूम। तावादी: 858 वर्ग गण प्रापटी नं० 4348/बी--1, प्रप्रवाल भवन, बजावा4-सी, कोमनली, मदन मोहन स्ट्रीट, दरियागंण, नई दिस्ली, फी होस्ड।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार मायुक्त (निरीक्षत्र) गर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक : 31--12--1985

प्रकार वाही. टी. एत. एस. ------

नायफ़र विधिनियम, 1961 (1961 को 43) काँ भारा 269-म (1) को नभीन स्वता

#### भारत बारकार

# शार्यात्रव, सहायक शायकर बावुक्त (मिरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांत 31 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० स्0एकपू/2एस० ग्रार०-1/55-85/78— यतः, मुस्ते, ग्रार० पी० राजेण,

बावकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बावार मृल्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 7/62 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णिम है), रजिस्ट्री निर्मा श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण श्रीधितियम, 1908 (1908 ना 16) के भ्रधीन मई, 1985

नां पृथींक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उषित वाजार मूल्य, उक्के दश्यमान प्रतिफल ते ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भन्त्रह प्रतिपत्त से विश्वक है बार अंतरक (अंतरका) बार अंतरिती (वंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्रक कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित में वक्तिबक्त कर्म में क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) सम्प्रस्थ से हुइ किसी बान की बाबत, उसके विभिन्न के अधिनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के शियल्य हो कती करने या उससे उसने यो सुविधा के लिए: और/बा
- (च) एती कियी नाम ना निजी धन ना नन्य नारितयों का, जिन्हें भारतीय आवकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नेन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा से निष्ह;

अतः अव उक्तं अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियाँ, अधित :--- (1) राज श्रुमार घीर श्रीमती देवी, कॅजी-2/318, विनासपुरी, नई दिल्ली ।

**(ध**श्तरक)

(३) सुमाय चन्द एन्ड मुकेश चन्द, 7/71, रमेश नगर, मद्दै दिल्ली।

(मग्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से सर्घत के सिह कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उपन प्रत्यात्त में मर्चन के नामम्म भी कोई भी बासेप 🚈

- (क) इस ब्रचन के राजपन में प्रकाशन की तारीस से ८५ दिन की समीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की समीच, जो भी समीच बाद में समाप्त होती हो, से भीतर न्वॉक्स म्यक्तियां में से किसी न्युक्ति हुवा छ।
- (क्यू हुए व्यक्त के राज्यम में प्रकारन की राश्चित हैं
  48 किन के मीत्र क्या स्थापर कम्मीता में हिवबहुव दिक्की मून्य माध्य हुगाय अध्यक्षणकारी के शक् निर्वाद में किन हा सकेंगे हैं

स्वकोकरण:--इसमें क्रमुक्त सक्यों सूर क्यों का, को सक्य वर्षिनियम से अध्याय 20-क में परिशासित हैं। यही वर्ष होता को उस अध्याद में विधा नवा है।

### मनुसूची

मकान नं । 7/62, रमेश नगर, नई दिल्ली, लीज होल्ड।

मार० पी० राजे हा सञ्जम प्राधिवारी सहायक भायवार प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नद्रै विस्ती

विमोक : 31-12-1988

मोष्टर:

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जेन रेंज-2, नई दिल्ली

मद्भ दिल्ली, दिनोंक 31 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० भ.६० ए० सी०/एक्यु/2/एस० झ।र०--1/ 5-85/79---यतः मुझे, झार०पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और िसकी सं की -235 है तथा जो मंजलीस पार्क, दिस्ली में स्थित है (ग्राँट इससे उप बद्ध अनुसूची में ग्राँट पूर्ण रूप से बंजित है) रिन्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय नई दिस्ली में रिन्ट्रिवरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्ष्ट) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विए; सीर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने कें सूबिधा के सिए;

जतः जव, उनत जिमिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण भी, भी, उनत अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारत (1) की अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्भाद्य:—

- (1) खरोज लगा पतनी भूषण गर्मा, निकासी 1/38, रूप नगर, नई दिल्ली। (अल्सर्स)
- (2) मंतीय कुमारी पन्नी श्री राम नाय महेन्द्रा, निवासी 24-ए, नंदा रोड़, ग्रार्वेश नगर, दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की अविधि मातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिः है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सन्त्ची

प्रापदी नं असी -235, मजीनस पार्क, दिल्नी, फी होल्ड ।

आरः पी० राजेण संज्ञम पावि करी संज्ञासक प्रापकर प्रापुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, नदी दिख्ली

विनोग : 31-12-1986

मरूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत संस्कार

कार्यांचर,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रैंग-2, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांगः 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्पू०/2-एस० भार०-1/ 5-85/80-यत:, मुझो, धार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थंके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 34 रोड, नं० 6 हैं तथा जो पंजाबी बाग, नहीं दिस्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्री कि धिकारी के कार्यालय, नहीं दिस्ली में रिक्ट्री करण धिकियम, 190 8 1908 का 16) के अधीन मही, 1985

को प्रांयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बेह्ह प्रतिशत स अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय. की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाने चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः कतः, उथल अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण तै, तै, उथल अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) तै अधील, निम्मिसिक व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) 1. श्रीमती लीला धन्ती उप्पल, पत्नी स्व० श्री एम० एस० उप्पल,
  - श्री हर्ष कुगार उप्पल,
     पुत स्थ० श्री एम० एस० उप्पत,
  - 3. श्री प्रमोद कुमार पुत्र स्त्र० श्री एम०एस० उप्पल निवासी सेम्टर नं० 5, हाउस नं० 54, भार० के० पुरम, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री पी० एन० सरीन पुत्र स्व० श्री पिन्डी सास,
  - 2. डा॰ श्रीमती एन॰ सरीन, पत्नी डा॰ पी॰ एन॰ सरीन,
  - 3. पुनीत सर्रात (माईनर), पुत श्री पी० एन० सर्रात, निवासी ए-2/15, पश्चिम विद्वार, नई दिल्ली।

(ध्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस गुचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां किरों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्दिक्त दुवारा अधेहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण:---इसमें प्रयूवत शक्यों और पवाँ का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यया है।

#### नमृत्यी

ण्लाट नं० 34, रोड नं० 5, तादावी 277.5 वर्ग गण, पंजाबी बाग, प्राम-बसई, दारापुर, रोह्तक रोड, विल्ली स्टेट, विस्ती।

> धार० पी० राजेश सन्नम प्राविकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिस्सी

दिनोक : 31-12-1985

# धक्य बाइ . टी. एन. एस . ------

भागनार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

ष्ठार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० झाई० ए० सी०/एभयु०/1/एस० झार०-1/ 5-85/80ए---यत मुझे, झार० पी० राजेश,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित आजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मारं जिसकी सं 0 1/4 क्षतिभाष्य मेमर 5520-21, क्लाट नं ० मं 0 1, नार्थ बरती हरफूलसिंह है एथा जो सदर बाजार, दिरली में रियत है (मीर इससे उपाबद मन्धुची में मीर पूर्ण रूप से मणित है), रिटर द्रीय तो क्षति श्रीय में रिटर द्रीय की किया है। रिटर द्रीय की किया है। वामित में रिटर द्रीय रण कितियम, 1908 (1908 वा 16) में क्षति महीन मही, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पेतृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उद्युखे वक्को यें सुविध्या के सिद्धः। जार/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सुविधा के सिए;

बतः बव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक वे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अधीत्:---

- (1) मुरबका जिह सुप्रज में ला जिह, महान नं० 6922 (प्रतात) 5520 (नया) प्लाट नं० 16, नार्थ वार्ड, नं० 14, बस्ती ह्रफूल जिह, सदर बाजारण दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) राज रानी, परनी श्री विश्वता बन्धु, निवासी नं० 18, सदर थाना रोड, दिवसी। (धन्दरिती)

क्षे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्दित्त के अर्थन के किए कार्यनाहियां करता हां।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस तुष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्विता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों मीर पदी का, जो अक्ट विधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 सविभाष्य वीयर प्रापर्टी मं • 5526--21, स्लाप्ट मं • 16, नाय बस्ती तुरजूल सिंह, सदर बाजार, दिस्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राप्तिकारी सद्दायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेज-2, महे स्विकी

बिनांक : 31-12-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-2, नई विल्ली

मई दिल्ली, दिनोक 31 दिसम्बर 1985

निर्बोध सं० माई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० मार०-1/ 5-85/80की---यतः, सुक्षे, मार० पी० राजेध,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं 01/4 मित्रभाज्य भेयर 5520-21, प्ल.ट मं 016, नार्थ बस्ती हरकूल सिंह में स्थित है (मीर इससे उपाबक प्रतृष्ट्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिअस्ट्रीक्सी भिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके द्वयमान प्रतिकाल से एसे द्वयमान प्रतिकाल का पंचा प्रतिकाल के विषय है और अंतरक (अंतरकों) धाँर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिकास, विम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में साम्बर्धिक क्य से किथा महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबस उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे ध्यने में सृविधा के सिंह्री अदि/मा
- (च) घोषी किसी बाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हुं भाररतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (19>2) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किया वे सुविधा के सिर्धः

नतः वय उपत गाँभनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, सकत वाभिनियम की भारा 269-म की उपभाराद (1) के अभीन निकासिकित काक्तियों, अर्थात् :— (1) गुरबधा सिंह पुत्र श्री भेला सिंह, निवासी--6922 (पुराना) 5520 (नया), प्लाट नं 16, नाथ बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) रमा टंडन पत्नी श्री सुरिग्द कुमार, निवासी-16, सदर बाना रोड, दिल्ली। (धम्बरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यों किया की किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त वाब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषिष्ठ हैं, वहीं वर्ष होगा, यो उस बध्याय में दिवा स्था हैं।

# वर्त्वी

1/4 प्रतिभाष्य ग्रेयर, प्रार्श्टी नं० 5520-21 प्लाष्ट नं∙ नाम बस्ती हुरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली ।

> धार० पी० राजेश स्वसम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई बिस्सी

दिनांक : 31-12-19**8**5

पोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एम्यू०/2/एस०घार०⊶1/ 5—85/80सी----यः:, मुझे, घार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्षार िरकी सं 1/4 परिभाज्य मेयर 5520-21 प्लाष्ट्र नं 16, नार्षं बरती इएफूल सिंह में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रद्रुची में प्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री ती पिधिगारी के वार्याक्षय, नई दिल्ली में रिलस्ट्री तरण प्रधिनियम 1808 (1908 का 16) के प्रधीन मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री गृथवनमा सिंह पुत मेला सिंह, निवासी-6922 नया, मं० 5520, प्लाट मं० 16, बरती हरफूल सिंह, सदर बाजार दिल्बी। (धन्सरक)
- (2) श्रीमती स्थणं लता पतनी श्री जगवीय मित्तर, नियासी-बी-243, फेंड-1, बारोश विद्वार, विल्ली ।

(मन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिप् कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क्षेत्र की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अन्त्यी

1/4 घविभाज्य मेयर, प्रापर्टी नं० 5520-21, प्लाह मं० 16, नार्षे बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिस्सी

दिनोक : 31-12-1985

# प्रकृत वाष्ट्र . टी. एक. एवं . -----

कामकार जीपनिमन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीद सुचर्मा

#### alen areas

कार्याक्य, बहाबक बायकर बायक्त (निरक्षिक) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोक 31 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यु०--2/एस० भार०--1/ 5--85/80-डी---यतः, मुझे, भार० पी० राजेश,

सावकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व प्रवर्ध क्र्यक नश्चात 'जन्त न्यापिनियम' कहा गया है), की भाष 269-अ के ज्योन सक्तम प्राधिकारी को वह निष्नाद कारने का क्रायम है कि स्थावर सम्बद्धि, विश्वका शिक्त नावार मुक्त 1,00,000/- रहा से विधिक है

भीर जिसकी सं० 1/4 अजिभाज्य शेयर 5520-21, प्लाट मं० 16 है तथा जो बस्ती हाफ़ूल सिंह दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उप बढ़ अन्सूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिस्ट्रीहर्ता अधिहारी के नार्यालय मई दिल्ली में रिस्ट्रीहरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भवीन, तारीज मई, 1985

क्षो प्वॉक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम से कम स्वयमान भितिकाल को निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पाया ग्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में ।स्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं।——

- (क) बज्रारण ते हुई जिल्हीं बज्य की बज्रारक के बीधीनवस को बधीन कार बोने की बजारक के गाजिता में कभी करने वा सबसे बचने में वृण्यिका ने क्रिए: बॉट/बा
- को, किसी बाय या किसी भन वा बन्न कास्तिनों को, जिन्हों भारतीन बाय-कर बीचनिन्न , 1922 र 1922 का 11) वा उन्तर बीचनिन , या उन-कर बीचनिन , या उन-कर बीचनिन , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना बाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:— (1) श्री गुरबक्य सिंह पुत्र श्री मेला सिंह, निवासी 6922 (पुराना) 5520(नया), फ्लाट नं० 16, बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली।

(घन्सरक)

(2) श्रीमती रंजनी टंडन, पत्नी श्री विजय कुमार, निवासी बी-243, फ़ेज-1, श्रासीक विहार, दिल्ली।

(भग्वरिती)

को सह स्वता बारी कारके प्रशिक्त संस्थित के अर्वन के लिए कार्ववाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इड स्थान के राथपत्र मां प्रकाशन की तारीश है.

  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद
  मूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी
  विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्छ
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवबृष्ट् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास विश्वित में किए था सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय। 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्या

1/4 भविभाज्य माग प्रोनर्टी नं० 5520-21, प्लाट नं० 16, बस्ती हुरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधि हारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनोक : 31-12-1985

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंगे~2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिसार: 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं अ।ई० ए० सी०/एक्यु०/Ш-एस० भ्रार०-1/ 5-85/80-ई---यतः मझे, ऋ।र० पी० राजेश.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भूसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रांग विश्वकी मंज 4852/24, है तथा जो हुएबंश सिंह स्ट्रीट वरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रांग इसमें उपावद्व प्रमुम्नी में प्रांग पूर्ण रूप ने विश्वक हैं) प्रक्रिस्ट्री तो अधितारी के ार्यालय नई दिल्ली में एफिस्ट्री उपण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यदापृष्वित सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, इसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण ⊤, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) □ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----46---446 GI/85 (1) श्रीमती विद्या वती परेनी स्व० श्री गोपी नाय. तित गी--1858-0/24, हरबन्य सिंह स्ट्रॉट, दरिया गंन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज कपूर, पुत श्री लाला ग्रमरनाथ कपूर, श्राँर श्री समीर कपूर पुत श्री बलदेव राज छपूर, निवासी—1188-ए, विकम विहार-वा, लाजपन नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निक्ति में किए का सकेंगे ।

स्पष्टाकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जनस**ची

बैरिंग नं० 4852/24 हरबन्य सिंह स्ट्रीट, दरियागंज, नर्घ दिल्ली, खरारा नं० 51, वादादी-209 वर्ग फिट ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज → 2, नई दिल्ली

दिनांक : 31--12**--**1985

# ः क्रम्पः जान्यः द्वीः एतः, एसः, न्यान्यः स्मान्यः

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### गरल सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/2-एस० श्रार०/1-5-85/80-एक---यतः मुझे, श्रार० पी पानेश,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा २०५० वर वर्षात् सक्ष्म भौधिकार का १३ विधापस करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर निकारी तंत 4582/24, है नक्का से अरबन्य किंद्र स्ट्रीट, दिएगा कि तर्र दिल्ली में स्थित है (श्रीक इसमें प्रवाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण कर ये वर्णित है) रिवस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नर्ष दिल्ली में क्विस्ट्रीक्षण श्रीवियम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन तारीख, मई, 1985

का पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गईं ही और गुक्तें यह विश्वास करने का कारण ही कि यथागूरोंव? संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक संप से किथन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम भी अभीन कर दोने के बतरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के बिए; बीह/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन वा बन्य बास्तिबों एटों, जिन्हों भारतीय आयकार बिधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनियस, या बन- कर अधिनियस, या बन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था, क्रियान में स्विधा क्रिया;

गरा: नक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अधीत: :—~ (1) श्रीमती विद्या वती पत्नी स्व० श्री गोषी नाय; निवासी-4558 ए/24, हरवन्श सिंह स्ट्रीट, दिश्यागंज, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा ्पूर पत्नी श्री बलदेव राज कपूर, श्रीर श्री मुसन्त त्पूर पृत्र श्री बलदेव राज कपूर, निवासी—188—ए, विक्रम विहार, लाजपत नगर—4, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिद्धी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (का) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहेस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यक्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जो उर्वेत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं वर्ष होगा, को उस ब्ध्याय में दिक मया हैं।

### अनुसूची

म हान नं ॰ 4852/24 को एक भाग हरबन्ग सिंह स्ट्रीट, दरियागंज, नई दिल्ली, खसरा नं ० 51, नादादी-209 वर्ग फिट।

> श्राप्त पी० राजेश सक्षम प्राधिकार्टी सहायक श्रायक्त अन्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 31-12-1985

### प्रकृष वार्षाः हो । हुन् हुन् हुन् क्रान्स्टर

बायफार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के जभीन स्वना

### 

### कार्याम्य, सहायक आयकार मायुवस (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेज-2, अलबसा

कलकत्ता, दिनाक । जनवरी 1986

बावकर श्रीभीनवम, 1961 (1961 का 43) (विसं इवमें इसके पश्चात् 'वनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारत 269-क के अभीन समय प्राधिकारी को वह रिश्नास करने का कार्ज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूर्ं 1,00000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 14 है तथा जो स्नालिपूर पार्क, रोड़, कल कत्ता में स्थित है (स्रोर इसके उपाबद स्नानुषूची में स्रोर पूर्ण रूप में विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता स्निधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्रीकरण स्निधित्यम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 3~5—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संसूद्ध किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आह/या
- (का) ए ती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वर्ता वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के जनुसरक को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अशि नाथ मल्लिक ।

(ग्रन्तरक)

(2) एलडोराडो (इन्डिया) प्रा० तिसिटेड । (अन्यरिती)

को यह भूषता कारी करका प्रशासित अपरित के अर्थन के जिए कार्यवारहवा करता हुए।

बन्द रक्तीर के अवन के मानान है नाब का वाक्षा

- (क) इस सूचमा के राजपण ज प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की बन्दिय ग तत्त्वभ्वन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की अवधि,, भी भी बद्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्तों कर व्यक्तिकों में से किसी स्थाबत हवारा;
- (ण) इस सूचना को राजणकार अकाशन की उत्तरीख स 45 विन् के शीतर जनस स्वावर सम्पत्ति में हित्सकृष किसी नन्य व्यक्ति इनारा नभोहस्ताक्षरी के पास जिसक में क्षिण का सकीता।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याव 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रमुस्चा

30.97 कंटा जिमीन का माथ नाजान जा ग्रविभक्त 1/3 ग्रेंग 14, ग्रालिपुर पार्क रोड़, थाना ग्रालिपुर, पालकत्ता में अब स्थित है। राजन पात्रि ारा के पास 3-5-1985 तारीख में रिजिस्ट्री हुया ।

रिजिस्ट्री ा किमा पंख्या 49 है।

शेख नईमुद्दीन सक्षमः प्राधिकारी सहायक स्रायक्त श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेज--2, कल स्ता

दिनां ३ : 9-1-1986

### प्रस्थ बार्ड . बी., एम., एस., १२०० ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

### भारत श्रुका

# व्यवसिय, सहायक बायकर नायुक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दलकात्ता

कलयत्ता, दिनांक 9 भनवरी, 1986

निर्देण सं० ए० सी०-97/एक्यु--11/दल्लाः $\pi 1/85-86$ --- यतः मुझे, शेख नर्द्दमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव 14 है तथा जो श्रातिपुर पार्क रोड ्वत्यत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजिस्ट्रीकिता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 3~5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत का पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिकृत, निम्मनिवित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तरिक रूप से कृषित अद्वी किया वना है हिन्स

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विध-मिश्रम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उक्त देवने में सुविधा के जिला; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रसंद नहीं किया यया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नालिकित व्यक्तियों. अर्थातः :--- (1) श्री विश्वनाथ मल्लिकः।

(भ्रन्तरक)

(2) एलडोराडो (इन्डिया) प्रा० लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त स्टम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4% दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अविकास में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास निश्चित में दिन्न का सम्भें ह

स्वध्यक्तिरण ह----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्या का, जो उत्तर विधिनियम के लभ्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हाँ 10

#### पनसर्ची

30.97 कंठा जमीन का साथ मकान का श्रविभक्त 1/3 श्रंग, 14. श्रालिपुर पार्क रोड़, थाना श्रालिपुर, क्लब्सा 27 में स्थित हैं ।

सक्षम प्राधिकारी के पास 3 5 1985 तारीख में रिजिस्ट्री हम्रा । रिजिस्ट्री का क्रमांः संख्या 50 है।

> णेखं नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रैंज-2, रालकत्ता

दिनांक : 9-1-1986

प्रक्ष बाइ'. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण)
श्रर्जन रेज-2 कलकत्ता

क्लक्ता, दिनांक 9 जनवरी 1986

श्रिक्श सं० ए० सी०/98/रेंज०-2/कलकता/85-86--श्रतः मुझे, शेख नईमृद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 14, ग्रालिपुर पार्क रोड़, क्लकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) एजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकार के पार्यालय में रिजिस्ट्रीकर ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के वीच एसे अन्तरण के लिए प्य पाया गया ब्रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अस्त अन्तर्क लिखित वास्तिक हम में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी अग्य या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखत व्यविक्यों, अव्यक्ति क्रु--- (1) कनक लता मल्लिक ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एलडोराडो (इन्डिया) प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बक्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकाँगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रमृत्यी

30.97 कंठा जमीन का साथ मकान का ग्रविभक्त 1/3 ग्रंश 14, ग्रालिपुर पार्क रोड़, थाना ग्रालिपुर में कलकत्ता में स्थित है।

सक्षम प्राधिकारी के पास 3-5-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ । रजिस्ट्री का क्रमांक 51 है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक: 9-1-1986

### प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) सुनील कुमार गृह।

(2) गोपीनाथ पारवाल ग्रौर ग्रन्य।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. इलहता क्लक्ता. दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-99/ग्राए०-2/क्लाका/85-86--श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है।, की 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिविकारी की , वहाँ विवेचल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मुल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं • प्लाटनं • 83 है तथा जो लिगाई टी स्कीम-VI एम्० में स्थित है (ग्रीर इत्तरे उपावद श्रनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है) इतिस्ट्री इती ग्रांबि ादी के अवर्यालय श्चार० ए० कलकता में रिकस्ट्रीकरण अबिविधम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गरुव से कम के स्वयमान प्रतिकाल के फिए अन्तरित की गर्ड ही और मूर्ज यह रिख्याल करने का कारण **है कि** यथा प्लेंक्ट संगीत का बाजार मृत्ये, उसके दश्यमार वरैक्षण. दृश्यमानः प्रतिफल के पन्दह प्रतिश्रह सी **और अंतरक (अंतरकों)** और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बनारण के लिए तब शया गया प्रीवक्ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर को बाबत, नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या निजी धन या अन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया **था या किया** जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

का यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जकत सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स जी

कमबेसि 5 कंठा जमीन का साथ मकान प्लाट नं० 88, श्राई० टी० स्कीम VI एम० थाना फल बागान, कलकत्ता में

दलील संख्या आर० ए० कलकत्ता का 1985 का जुलाई **श्राई-799**।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अभीन किम्निल्डियत व्यक्तियों, अर्थात् 🖫--

विवांक : 9-1-1986

मोहर ঙ

# राज्य बार्यं ही .एव .एव

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

व्लक्त, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/100/ग्रार-2/क्लकत्ता---85-86

ग्रत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 36वी है तथा जो निउरोड़ कलकत्ता -27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख 30-5-1985

करं पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंदृह पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) नन्तरच से हुइ कियां नाय की बाबत, उक्स निविधक के बधीन कर देने के सक्तरक के दाकित्व में कभी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्द बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री परेश चन्द्र सम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभेन्द्र राय ग्रौर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबहम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का अकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

# अनुसूची

21 कठा 40 वर्ग फुट जमीन का ग्रविभक्त 1/25 ग्रंथ बी० न्यु रोड़, ग्रालिपुर, कलकत्ता-27 में स्थित है। दलील सं० एस० ग्रार० ए० जलकत्ता जा 1985 का ग्राई 7996

> शेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता ।

दिनांक : 9-1-1986 मोहर

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— प्रकल नाहाँ . टी . एन . एस . . - - - -

अग्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा ?59-य (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

### कार्यालय , तहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, तलहत्ता कुलहत्ता, दिनांक 9 जनतरी 1986

निर्बोश सं० ए० सी०/100/रेंज- $\Pi/$ कल०/85~86—-यतः, मुझे, शेख न\$म्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी संव सीव डीव-121 है तथा जो सेक्टर 1, सल्ट लेए सिटी में स्थित है (धौर इसमे उपाबद धन्सूची में धौर पूर्ण रूप में विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि परी के कार्यालय एसवधारव एवं, एल इत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृष्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्षिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के वाजित्य में कभी करने या इससे बचने य' त्विधा के निए; नौर/या
- (ण) एसी जिसी बाध वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मूबिधा के लिए,

()) ऋषाच्या लेहार एक ।

(अस्तर्)

(2) भागीन एत और धारण (

(ग्रन्तिंगती)

को यह सुमाना जारी कारके पूर्वीका सम्मास्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध याँ काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी ज्यवितयों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रोंकर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति (बारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसस्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए ना सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुसूची**]

4.23 कठा अमीन ो साथ मकान सी० डी०-121, सन्द नेक सिदी सेक्टर-१, कुनकुत्ता-64 में स्थित है।

ঘলীল দক্ষি। দূৰত স্থাহত দূত, কুল চলা কো **198**5 ক। স্থাহিত 6577 ।

> शोख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी पर्धागक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रानंत रिज-II, कलकत्ता

ं अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

दिनांक : 9~1~·1986

मोहर

### प्रकृप बाइ . टी. एन . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

#### नारत तरकार

# भागांचय, सहायक आयकर नाय्यत (निरीक्षण)

শ্বৰ্জন ইজ-2, কলবলা কলকলা, বিনাক সন্বৰ্গী, 1986 নিবিষ মত তত মীত/102/শ্ব(স-2/কলত/85-86---শ্বন: মুদ্রী, যৌজ নুর্বধারীন,

आयकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,90,000/- का से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं प्लाट नं 885 है तथा जो मौजा तिपुकुर, तलक्ता में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूजी
में ग्रांर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री ति ग्रिधिकारी के
कार्यालय एस शार ए जलक्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 जा 16) के ग्रिधीन तारीख 20-5-85
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृस्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने यह विक्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल का
पंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) श्रीर अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्निलिखत उद्विक्त से उक्त बन्तरण निक्ति में बास्तविक्त रूप से कथित नहीं किया बया है के—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एँसी किसी शाय मा किसी धन या जन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के, कें, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपध्या (1) के अभीन, निक्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
47—446G1/85

(1) वासना बाला गांगुली भ्रीर भ्रन्य ।

(अन्तरक)

(2) भित्रिशन जालानि स्रीर धन्य।

(धन्तरिती)

का वह सुकता बादी अस्थे पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां सुक करता हुं।

### स्वतः संपत्ति के वर्षम के बंबंध वे कार्ब भी अक्षाप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तत्संबंधी व्यक्तिमां वर्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमां में से किसी व्यक्ति दूषकरा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वा अवत अधिनियर, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### क्रुकी

4 कहा 7 छिटाक 17 वर्ग फुट जमीन के साथ मकान प्लाट नं 885, मौजा पानिपुकुर में स्थित है। दलील संख्या एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का 7450।

योख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राप्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज-2, कल कत्ता

दिनां ए : 9-1-·1986

TWO HIS & ET. OF , ENGINEERS

भागकर विभिन्निक, 1961 (1969 का 43) की भाग 269-ए (1) के अर्थन स्थल।

#### भारम संस्कृत

कार्यालय, महायक जायकर कावका (रिनरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षञ्च) आर्जन रेंज-2, वलकत्ता कलकत्ता, दिनांत १ जनवरी, 1986

निदेश सं० म्राई०ए०सी० 103/आए-1ं/१ त०/1985-86--म्रतः मुझे शेख सईमुद्दीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सभम प्राधिकारी को, यह किरवार राज्य कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला करियल कारण स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला करियल कारण स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला करियल कारण स्थावर सम्पत्ति,

ग्रीर जिसकी सं 0 36 वी है तथा जो निज रोड, जल रता-27 में स्थित है (ग्रीर इससे जराबंड अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण कृप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिवि ारी के व्यक्तिय एस० ग्राउ० ए० कलकत्ता रिस्ट्री जरण प्रविनियम, 1908 (1908 न 16) के ग्रिवीन दिनांक 30 मई, 1985

को प्रॉवत संपत्ति के उपित बाजार मुख्य है कर के का का कारण प्रितिक को निए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वति करने का कारण है कि समापूर्वित सम्पत्ति का किया गाना मृत्य उसके क्रमान ही कि समापूर्वित सम्पत्ति का किया गाना मृत्य उसके क्रमान ही किया है कोर काररक (कल्परका) श्रीप अवश्वारती (जन्तरितिया) के बोच एसे कन्तर्म के विष् प्रव पाना गाने प्रितिकात, निम्नीलिक्ट उन्हों क्रम के अध्य प्राप्त किया प्राप्त के बोच एसे कन्तर्म के विष्

- (व अन्तरण से हुई किन्दी कांग्र की पावत, उकत बिधिनियम के अधीन कर दल के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; बार्डिया

क्त: सब, जन्म अधिनियम की भारा 269-ए की अवस्थान मों, मों, जन्त अधिनियम की धाउ 269-ए की उपायाया (१) के अधीन निम्नालिसित अधीकार्थों अर्थात 1. भी तुरेत सन्द्र राव, ।

(ग्रन्तरकः)

2 श्री सुरेन्द्र कुमार दुगार और अन्य।

(ग्रन्तरिती)

को वह स्थान आरौ करके प्याक्ति संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जक्त सम्मति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त कावितयों में से फिर्सी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उबत स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति. द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भयक्टोकरण:—इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस भ्याय में दिया गया है।

# धनसूची

21 कठा 40 वर्ग फुठ ज्यीन का म्रविभक्त 1/25 ग्रंग 36 वि० निउ रोड, आलिए: क्लन्ता-27 म्रवस्थित है।

वनीत संख्या एस० ग्रार० ए० तनकत्ता हो 1985 का

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अल*ा*त्ता

दिनांत 9-1-1986 भोहर प्रकृष बाह्र टी. एव. एस.-----

**भाषकरु विधित्यम्, 1961 (1961 की 43) की** भाद्रा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### प्रारक्ष बरकार

# कार्यासन, सहायक बावकर नायुक्त (विद्रीक्षक)

श्रर्जन रेंब-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी० 104/रेज-2/कल०/1985-86-यतः मुझे, शेख नईमुई।न,

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात 'उथल अधिनियम' कहा भया है'), की धारा 269-व को सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करन का कारुण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मस्य 1,00,000/- स्त. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 64/7ए है, तथा जो खुदिराम बोह सर्जि, ठलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची वे ग्राप जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्रास्ट्रीकर्ता श्रीधकरी के ार्यालय एस० मार्० ए० दलकत्ता मे रजिस्द्रीयरण भाधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 31-5-1985

की पूर्वीक्ष सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य संकम के कस्ममान र्रातफल के सिष् अंतरित की गढ़

🗗 आर मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुवाबत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक रूप्यमान प्रतिफल सं, ए से इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियात सं अधिक है और बतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अबरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्वेदश ब उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप से किथ्व नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की गायत, अन्त अधि-नियम को अभीन कर येने को अंतरक क दास्मित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ब) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं सारतीय भागकर मिर्शनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, बा **धम-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए भा छिपाने में सुनिधा ने निए:

कत्ः वय, उसत् अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) 📽 १धीत, निस्तालि**वत व्यक्तियाँ वर्धात् 🖫**—

श्री भ्रानिल कुमार भट्टाचार्य ।

**(अ**न्त्रक

2. श्रानिता चन्द्र।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता 🚛 🛭

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप 🐎 🖘

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोकत न्यावितवों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 3.5 जिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अगाहस्ताक्षरी के पास निरिक्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में किया गर्मा

### अमुस्ची

एक तल्ला पर लगभग 1350 वर्ग फुट प्लाट 64/7ए, खुदिराम बोस सर्रान, एला त्ता-37 में श्रवस्थित है। दिल्ल संख्या एस० मार० ए० कलकत्ता का 1985 का

別章 8029 1

शेख नईभृहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय⇒र श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रंज-2, कलकत्ता

दिनांक: 10-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्री स्वाहा राय चाँधुरी ।

(ग्रन्तरक)

2. विकाश चन्द्र सिन्हा।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, कलकत्ता कलकत्ता, 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० ब्राई०ए० सी० 105/रज- /্লেও/1985-86— श्रतः मुझे, शंख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है जो मौजा बेहाला में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता, श्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-5-1985

कां पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करन का कारण है कि यक्षापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त शिवितयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

लगभग 11 कठा 13 छ्यां ह जमीन खनियान नं० 3954/2743, डाग नं० 308/309, कलकत्ता म्युनिसियल कारपोरेशन के ग्रन्तर्भुक्त मीजा, बेहाला में ग्रवस्थित है।

दलिल स० एम० श्रार० ग्रालिपुर का 1985 का 4287।

शेख नईमुदीन सक्षमप्त्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण\_) श्रजन रोज-2, कलकत्ता

दिनांक: 10-1-1986

# श्रम्भ मार्चः यो एम**् एष**ः ----

आयकर विधिनयम. 1961 (1961 का 43) की भारा २६९-४ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तस्कर

### कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्ट (निरीक्षण)

राहायक आयत्र आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-II, कलकत्ता बल्दामा, दिनोष्ट 10 जनवरी, 1986

निदेश मं० श्राई०ए० मी० $/86/\bar{\tau}$  त-/1Vकल०/85-86----श्रतः मुझे शेख नर्डमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुक्त से विधिक है

स्रीत शिभकी सं ० पि-236 है, रिशा जो सि० स्राई० टी० रोड कलकत्ता-10 में स्थित हैं (स्रीर इसमें उपाबद सनुसूची में सार जो पूर्ण कप से विणित हैं) रिष्ट्रित ती स्रिधितारी के तायिलय सक्षम प्राधिकारी में रिजर्ड़ी एण स्रिधितयम, 1908 (1908 को 16) के स्रिधीन दिनांदा 18-5-1985

कां प्रतिकत क्यांत के उचित बाजार मृत्य से कम के एक्समाम प्रतिकत के निए अंतरित की मर्च हैं और मृत्ते यह विस्तात करने का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके क्ष्यमान प्रतिकत का पन्तह अतिक से स्थापन के निए तय पामा क्या अतिकत, निम्मितिक उपयोग्यों से उसत अन्तरण विक्रित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरम् वं हुन् सिवी बान की बानक, उनक विभिन्नित्र के बधीन कर दोने के बन्तर के बीचस्य में क्वी कारने या उनके बचने में सुविधा के किए; विश्/वा
- (ध) एसी किसी बाग या किसी पन या बन्त नारित्त्रहीं की, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियन, 1932 (1922 का 11) या उन्तर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या वा या किया बाला था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— श्रीमती राधा देनी नुनजुनबाला,

(म्रन्तरक)

2. शान्ति देवी टिब्रेवाला।

का यह सूचना चादी करके पूर्वोक्त संपक्ति के वर्षन के सिद्ध कार्यगिहियां सूरू करता हूं।

उन्त संदक्ति को वर्षन के संबंध में कोई भी वार्शेप :---

- (ह) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितर दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति स्थाय अधाहस्ताक्षरी के पास विविश्त में किए वा सकींगे।

स्वधिकरणः ---इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, को उपक विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा थो उस अध्याय में दिया नवा है।

### अभ्सूची

पला नं० 2ए, पि-286, सि० श्राई० टि० रोड, कलकत्ता में मवस्थित, प्लाट का श्रविभक्त 1/3 श्रंश, सक्षम प्राधिकारी के पास, 18-5-1985 में रिजस्ट्री हुश्रा।

रजिस्ट्री का कमांक संख्या 1984-85 का 56।

णेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहाय∵ श्रायवर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज- , कलकत्ता

दिनांक 10-1-1986 मोहर '

#### भारत सहकार

# कार्यास्त्र , बहारक वायकार वायुक्त (निहासिक)

प्रजन रेंज-II, धलकता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०⊶107/ग्रार०⊶II/ङल०/85⊸86→ ग्रतः मुझेः शेख नईएहीसः

कानकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' काहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पी-236 है तथा जो मी० ग्राई० टी० रोड, कलकत्ता-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्तिस्ट्रीन की श्रीध ारी के कार्यालय, सक्षम जाधिकारी में, स्तिस्ट्रीन रण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-5-1985 को पूर्वेक्श संपत्ति के उपात बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और मंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंत-रण के निए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिचित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया क्या है:---

- (क) अन्तरम सं सूर्य किवी नाथ की सक्स, उल्स् निर्मानकम क अभीत कर दोने के जन्तरक के वायित्थ में कमी करने वा उससे क्यने में सूनिधा के थिए; और/ना
- (७) इसी किसी आध पा किसी धन या अन्य आस्तियाँ औ, जिन्हों भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) अन जक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

वतः कथः असतं कथिनियमं की भाष 269-ग के अमस्त्रकः हो, में, अक्त स्थिनियमं की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अभीत्। किस्सी, क्षिणिता स्थानित्यों, स्थाति ।---

ा. श्रीमती राधा देवी जुनजुनव।ला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मंजू देवी टिब्रेवाला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त बन्पत्ति के व्यन्ति के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तब्यस्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील को 30 दिन की जबिंध, जो भी जबींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में है किसी स्थित इवादा:
- (का) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीं व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हिसक्द्रभ किसी बन्य व्यक्ति क्षारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिक्षित में किए का सकोंगे।

स्वक्रीकरणः---इसमं प्रयुक्त क्षव्यों और पर्वों का, को उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

### ममुस्ची

फलैट नं०  $2-\eta$ , पी-236, सी० **प्राई**० टी० रोड़, कलकत्ता-10 में ग्रवस्थित फलैट का ग्रविभक्त 1/3 ग्रंश, सक्षम प्राधिकारी के पास 18-5-1985 नारीख में रजिस्ट्री हुग्रा। रिस्ट्री का क्रमिक सं० 1984-85 या 571

शेख नईमुद्दीन गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षर्ण) भ्रजन रेंज–II, कलकत्ता

नारीख • 10-1-1986 मोहर •

# प्रकल कार्र्यं, ट., इन्,, एव , - - ----

भारतम्बर व्योपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सूचना

#### बारत सरकार

### कार्यासय, सहायक बाधकर बायुक्त (जिड़ीक्रक)

श्रर्जन रज—2, क्लक्ता कलकत्ता, दिनांक 10 अनवरी 1986

निदेश मं० ए० मी०-108/रेंज-2/:ल०/85-86--मनः मुझे, शेख नईमुद्दीनः

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत मधिनियम महा पया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, कह विकश्यास करमें का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित भागार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पी०-236 है, तथा जो मी० श्राई० टी० रोड़, कलकत्ता-10 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय, कलकता, में, रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 ज 16) के श्रधीन, तारीख़ 18-5-1985

को पुनोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्षयमान इतिकम् के सिए कन्तरित की गई है और मुक्ते वह विस्तास करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त सम्मतित का उचित नाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यवाय प्रतिकस का पन्तह प्रतिवात से किथक है और कन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ वाया गया प्रतिकल, निम्निसिचत उच्चक्य में उस्त अन्तरभ सिचत यें नास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण तं हुइं कियी नाम की बाबत उक्त विभिनित्तव के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने मा सृविधा के लिया. वरि/वा
- (क) प्रीति किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिजों की चिन्ह आरतीय आयकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अध्येजनार्थ अन्तरिती इंशरा प्रकट नहीं किया गया का या सिका जाना जाहिए था, स्थिपने में सुनिधा जे लिए;

वात: अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अस्यप्रक वो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती भाषा देशी तृज्याभागाः!
- (श्रन्तरकः)
- 2. श्री रघुनाथ प्रसाद टिब्नेवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हो।

### इन्त शब्दीरा के अर्थन के नम्बन्ध में खोड़ें भी नाओप :---

- (क) इस सुचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 4 र दिना कि जलिए या क्षाह्मां के कि कि कि की प्रमासी पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वीध, जो भी मृतिश साथ में समान्त होती हो, के भीतार पूर्वीकत कालिस्ट्या प्रकार का किस्ता स्वास्त
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्त जिस्से काम गर्दात्त कृता प्रकार का मकीम ।

स्वध्दीयत्व :---धाता १८०० राजा गाँ, वया का, जाँ उक्क मिविनियम के विकास १००० में सांस्क्रांतर हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या वया है।

### ग्रनस्ची

प्लाट नं० 2-ए, पी-236. सी० **प्राई० टी० रोड़,** कल इत्ता-10 में अवस्थित प्ताट ए। अभिभक्ता 1/3 **प्रंग।** सक्षम प्राधि पी के पास 18-5-85 में रिजस्ट्री हुमा। रिपट्री पा कमिए थ० 1981-85 ए। **58**।

> णेख नईमुहीन ाक्षम प्राधियानी पहासाऽ आयटा अप्युक्त (निरीक्षण) प्रजिस रेजेस्2, कलकत्ता

वारीख: 10--1--1986

मोह

# प्रक्षः वाद्यं दी एन एवं प्रकारकारकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निवेश सं० ए० सी०-109/ब्राए०-2/कल०/85-86---यतः मुझे, शेख नईमुहीन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पी-236 है, तथा जो मी० ग्राई० टी० रोड़, कलकत्ता-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण कर मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी
के कार्यालय इलकता मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी
के कार्यालय इलकता मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकाम,
1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 18-5-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इल्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इल्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के के लिए;

जतः अभ, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जन्मरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) अं अभीन, रनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र- 1. श्रीमती राधा देवी जुसल्चवादा ।

(अस्टार हो)

2. श्रीमती शाति देवी टिब्रेबाला ग्रांप ग्रस्य। (ग्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अवधि बाद में नमाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीस में 45 बाा के भीतर पूर्वाक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

and the

पी-236, सी० ग्राई० टी० रोड, अलकत्ता-10 में ग्रवस्थित प्लाट नं० 2-ए, सक्षम प्राधिकारी के पास रिजस्ट्री हुगा। रजिस्ट्री का क्रिमिक सं० 1984-85 का 56, 57, 58।

शेख नईमुई⊯ सक्षम प्राचि ∴री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, कलकत्ता

तारी**ख**: 10-1-1986

भोहर:

# १कन भार ुटी, पुन्न पुरु, ----

# नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-न (1) के विभीत क्षत्रवा

#### ज्ञाच्यं बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ना पृथावत सम्यात के उचित बाजार मृस्य सं कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिफल का पंचा प्रतिफल के विद्या अंतरित से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरित में) और अंतरित (अंतरित में) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पास गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्य से उच्च अंतरण निचित में वास्यविक रूप से किंपल नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय वर्षी वावसा, जनक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाक्तिस में कनी करने वा उत्तर्त वयने में सुविधा से किए; और√सा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जाभानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्नियम. या धन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना पारित का किया गया के किया

लतः वस, उक्त अधिनियम का भार. 269-ग के बत्दें ६ग में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों / अधीत् :---48---446GI/85

- 1. मैं० कलकला फ्रेडिट कार्परिशन लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० डेबेलपह्नुट कनासाबटेन्टस प्रा० लिं०। (भ्रन्तरिती)

की बहु कृष्मा कारी करके पूर्वोक्त संपाम के वर्षम् के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मारित को अर्जन को सम्मारभ में कोएं भी भाकार :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
  व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किस वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# प्रमुची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित मकान का एक तला ब्लाक डी, म 2878 वर्ग फ़िट श्रायतन जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन ग्राफ़िस में डीड नं० 1-8672 के श्रनुसार 27-5-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> ेशेख नईमुईीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 20-2-1986

प्रक्ष आर्ड.टी.एन.एस. \*\*\*\*\*\*

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज−2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनोक 20 फ़रवरी 1986

निदेश सं० एस० भार-126/85-86/नं० 1160/ माई० ए० सी०/एक्विंश भार-1/कल०-भ्रप्तः मुक्षे, शेख नईम्हीन,

कावकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्वे इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया ही, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 2 है तथा जो प्रकलाड स्क्वेयर, कलकला में स्थित है ग्रौर इससे उपाबज ग्रनुसुनी में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए० कलकला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-5-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के स्थित बाबार मूल्य से कम् के व्यवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाबार कृत्य, स्थाने व्यवान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे संतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किती बाय की बावत, उक्त विधिनयंत्र के बधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/मा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जे स्विभा के लिए;

ब्द: बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उच्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अथोत :--- श्री प्रशोक कुमार पाडि।

(भन्तरक)

2. श्री सूर्य कान्त मेहरा एवं गालिनी मेहरा। (भन्तरिती)

का श्रह बुसना पारी कार्यके पूर्वीक्य ब्रम्मीस के सूर्वन से विष् कार्यवाहियां कार्यवाहरी।

# वन्त् तुन्तित् ने न्यंत् ने वंबंध में कोई भी बाजेन् ह--

- (क) इत तूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की समिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, थो भी मृतिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किश्री कृत्य स्थावत इवारा, क्योइस्ताकरी के वाद् निवित में किये का वर्केंगे।

स्वाचित्ररण:---६समें प्रयुक्त सम्बां बहि पर्यों का, को उक्त बहिष्टित्रवन, को अध्याय 20-क में परिभाषित्र हाँ, वही वर्ष होगा, जो उस स्थ्याय में दिशा नवा है।

### नन्स्ची

2, भकलान्ड स्ववेयर, कलकत्ता में भवस्थित 2 बीघा जमीन तथा मकान का 2/22 वां भाग जो सब-रिजस्ट्रार भयं एस्यूरेंस, कलकत्ता के पास डीड नं० भाई-7799 के भनुसार 25-5-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुगा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 20-2-1986

प्रकम् बार्डः, टी. एवं. एत्. "-----

भार्यकरं जाँधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारों 269-मं के अभीन तुंचना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II,

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी, 1986

निवेश सं० टी॰ग्रार० 125/85.86/3० 1159/3गाई॰ए॰ सी॰/रेंज-1/3कल॰-3गतः मुझे, शेक नईमुद्दीन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 32 है, तथा जो देवेन्द्र चन्द्र डे, रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक 3-5-1985

की पृथें कित सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दूसमान प्रिक्तिक के सिए अन्तरित की पहुँ हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्र , अतके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिपत्त से अधिक हैं और जंतरक (अंतरका) और बंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय बागा जवा प्रतिक्रक निम्मिनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैं तिए तम की वास्त्रीय में वास्त्रीय के की वास्त्रीय से वास्त्रीय के वास्त्रीय से वास्त्रीय के की वास्त्रीय से वास्त्रीय के वास्त्रीय की वास्त्रीय के वास्त्रीय की वास्त

- (क) अन्तरण से शुर् फिली शास की बाबता, बनता निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथितियम, या धनकर जिथितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ज्या वा किया जाना जाहिए था, जियाने में वृष्टिभा के सिह;

नतः वन, सक्त निर्धाननमं की भारा 269-ए के नमुसरण में, बें., सक्त अभि[तयक की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निर्माणकीया व्यक्तिओं, नमीत् ८---- 1. श्रीमती पारुत बाला दास एवं ग्रन्यान्य ।

(मन्तरक)

 श्री शाहनशाह हुसैन, जाफरी, एवं प्रन्यान्य । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा कथीहरताक्षरी के पाड़ सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो अवस्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्र हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

### अनुसूची

32 देवेन्द्र चन्द्र डे, रोड, कलकत्ता में भवस्थित, सम्पत्ति जो भलकत्ता रिजस्ट्रेशन, ग्राफिस में डीड नं० ग्राई० 6535 के भनुसार, 35-1985 को रिजस्ट्री हुआ।

शेक नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकसा

दिनांक : 20-2-1986

मोहर 🙄

### प्रकृप जाईं.टी.एन.एस. -------जानकर् साधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक शायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I,

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी, 1986 निदेश सं० टी०घार० 123/85-86/ऋ० 1158/घाई० ए० सी०/रेंज-I/कल०--ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है'), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1.00,000/-ए. वे विधिक हैं

और जिसकी सं० 55 है, तथा जो मलंशा लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-85 को पूर्वोंक्त मम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को क्यमान प्रश्तिक के जिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से बिधक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नितिस्त उद्वेदय से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नितिस्त उद्वेदय से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नितिस्त उद्वेदय से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नितिस्त उद्वेदय से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, कि मनितिस्त विश्वी किया गया है :—

- (फ) अन्तरण से हुए जिल्ली आय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवकर अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

जतः ज्व, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनूतरण में. में उक्त जीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (६) के जभीन, निब्मसिचित व्यक्तियों, अभीत् :--- 1. श्रीमती दिपाली बोस एवं, प्रन्यान्य।

(धन्तरक)

2 दि शीपिसू कारपोरेशन, को-मापरेटिव हा उसिंग सोयसाईटी (स्कीम-4), लिमिटेड ।

(प्रन्तरिती)

न्धे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्चत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की वविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिब्दा में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों बीर पर्वों का, को उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्वी

55, मलगा लेन, कलकत्ता में श्रवस्थित, सम्पत्ति जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन, श्राफिस में डीड नं० श्राई०-6608 के श्रापुसार 3-5-85 को रिजस्ट्री हुगा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनोक 20-2-1986 ोक्ट

# धक्त बार्च हो, पुन, एव, -----

माथकर मिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) वे ग्रेशीन क्षाना

#### PURE VENTA

कार्यालय, सहायम आयकर नायुक्त (विर्]क्रम)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1.,

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी, 1986 निवेश सं० टी० ग्रार० 122/85-86/ऋ० 1157/ग्राई०ए० सी०/एक्वी०रेंज--/ऋल०----ग्रतः मुझे, शेख नमुईद्दीन

नायक ए जिसिन्यम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिसे वसमें इसके प्रकार जिसे अधिनियम किया है), की भाष 269-च के अधीन साम प्राध्य करते की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्त , जिसका जिस बाबार मुख्य 1,00,000/-स से अधिक हैं

जिसकी सं० 6/25 है, तथा जो मयरा स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 20-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्मत्ति के उचित बाधार पूर्व से कन के करवंगान प्रतिकास के सिए अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संस्वत्ति का उचित बाधार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे नहा राग प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिचत के विषक है और बंदा ह (बं डिक्टॉ) और बंदिएकी (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्द्रांश के किए हम पाना बचा प्रतिकस, निम्नतिविद्य हो किस चन्द्र बन्द्रांस कि किए से विक्र के विष्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री रघुनाय प्रसाद मस्मरा एवं वयानाय मस्करा, (मन्तरक)
- भानोरी देवी बेगानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चांा करके पुत्रीक्त संपरित के वर्णन में किए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति है नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप--

- (क) इस नृचना के राचपण में प्रकाखन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्शल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रमुक्त खम्यों और शबों का, जो उक्त विभिनयम के लेशाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष है ना को क्या जभ्याय में दिया नया है।

### वगुलुकी

6/24 मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित, मकान मंगल द्वीप का तीसरा तल्ला, में 2395 वर्ग फिट, श्रायतन का प्लाट नं० 304 जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन, श्राफिस में डीड नं० श्राई-6993 के श्रनुसार विनाक 20-585 में रिजस्ट्री हुश्रा ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, कलकत्ता

दिन|क 20-2-1986 बोह्य ह

# प्रकार वार्ष ुटी एव . एस . ------

आयुक्द सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अभीन स्पना

### भारत स्रकाड

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशिक)

मर्जन रेंज-1, कलकता।

कलकता, दिनांक 20 फरवरी, 1986

निदेश सं० टी०म्रार० 119/85-86/फ० 1156/माई० ए
सी०/रज-1/कलकता—मतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,
गायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें
इसके प्रचात् 'उकत मधिनियम' कहा गया हु"), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्मल करनं का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० 6/24 है, तथा जो मयश स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से

स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 20-5-1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्दरक (बन्दरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफल निम्निसिस उच्चेश्य से उन्त अंतरण विविद्य में भास्तिक स्थ से किया नहीं किया बना है ॥——

- (क) जैक्कल वे हुई किसी बाब की बाबत, अंधक अधिनियम के बधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे रूपने में सृतिधा के लिए; बाँग्/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी प्रस् या बन्य बास्त्रिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में स्विया खे किया

नेतत्र अन्य उनतः निर्मानवन की भाषा 269-ग के जनसरण को, नीत जनतः निर्माण निर्माण की भारा 269-ग की उन्धारा (1) के नभीन, निरम्तिज्ञित व्यक्तियों, जर्मात् क्रे--

- श्री रघुनाथ प्रसाद मस्करा एवं दयानाय मसीरा। (अन्तरक)
- 2. शान्ति देवी अग्रोबाल ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बार्डी कहती पूर्वोक्त संपत्ति के कर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज़क्त सम्मत्ति के वर्जन् के संबंध में कार्ड भी जाक्षप 🗻

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविध, यो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, जधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकने।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को तस अध्याय में दिदा स्वा हैं।

#### प्रनुसूची

6/24, मयरा स्ट्रीट, कत्कत्ता में श्रवस्थित, मकान मंगल दीप', का 8 यो तस्त में 2395 कुर्ग फीट, श्रायनन का प्लाट नं० 804, जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन, श्राफिस में डीइ नं०-र्रे-6988 के श्रनुसार दिसांक 20-5-1985 को रिजस्ट्री हुशा ।

> शेख नईमुहीन संश्रम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, कलकत्ता

विनोफ: 20-2-1986

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# बलकर वृधिनिय्त्र, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-वृ (1) के वृषीव सुप्तना

भारत सरकार

### कार्यातम्, तहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निवेश सं० टी०आर० 118/85-86/क्र० 1155/आई०ए० सी०/रेंज-1/कल०--अत: मुझे, शेख नईमुद्दीन

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात 'उक्त विधिनियम' सहा गया ही, की धारा 269-च के जभीन सकत् प्राधिकारी को वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका दिवस वाचार मृस्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकीं सं० 6/2ए हैं, तथा जो मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितकात के लिए बंतरित की पहुँ हैं और बुक्ते वह विश्वाध करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूख, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एते व्यवमान प्रतिकास का बन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिय तय पाया रवा प्रतिकात निक्नितियां उक्तरेस से इक्त कम्बरण विवित्त में पास्तिक एन से किया नहीं किया वसा हैं:---

- (क्क) जन्तरण ते हुई किथी शास की बासरा, उक्त जिथितियन के जभीत कर दोने के जन्तरण के खिराय में कनी करने या उसने बचने तो सुविधा ने (क्षिप्; बोधा/का
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर्ध वाधिनियम, वा चन्-कर विधिनियम, वा चन्-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया वाना चाडिए था, डिमाने से स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसर्ग में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा /1\ के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री रघुनाय प्रसाद भस्करा एवं दयानाय मस्करा। (श्रन्तरक)
- श्री हंसराज कोठारी, एवं प्रताप सिंह कोठारी।
   (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

### क्ष्मत सम्मत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई बाह्मोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें किस व्यक्ति ब्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति व्
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए वा सकरेंगे।

स्वकडीकरण :----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पयों का, जो उक्त जीभिनियन के अध्याय 20-क में पीरिभाषित हैं, नहीं जर्म होना को उस अध्याय में दिया क्या है।

## भ्रनुमुची

6/2ए, मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में भ्रववस्थित मकान 'मंगल दींप' का 20 वां, तल्ला में 2583 वर्ग फीट श्रायतन के फ्लैंट नं० 2008 जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन श्राफिस में डीड नं० I-6987 के श्रनुसार दिनांक 20-5-1985 को रिजस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षन प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्ीन रेंज-I, कलकसा

्दिनांक 10-1-1986

\_\_\_\_\_

## प्ररूप नाहरे . दी . एन . एस . -----

जायकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### मारत परकार

### कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 अनवरी, 1986

निदेश सं० टी०न्नार० 117/85-86/ऋ० 1154/माई०ए०

सी/रेंज-1/कल०- - ग्रत: मुझे घोख नईमुद्दीन

आयकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसमें प्रकार प्रिकार किसे प्रकार प्रिकार किसे प्रकार प्रिकार की सिधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6/2ए हैं, तथा जो मयरा स्ट्रेंट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्वायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और नृभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, ऐसे द्वायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी बाक्ष विवास, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को सिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

लतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक रू, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीय विकास सिकामों, अर्थात् धु—

- 1. श्री रयुनाथ प्रसाव मस्करा एवं दयानाथ मस्करा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमहेश चन्द्र मुन्द्रा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45' दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हों से किसी व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 हित को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

त्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### annali

6/2ए, मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रवस्थित मकान 'संगल दीप' का 8 वां तल्ला में 2390 वर्ग फीट धायतन का फ्लैंट नं 805 जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन, ग्राफिस में डींड नं -1-6982 के अनुसार दिनोक 20-5-85 को रिजस्ट्री हुआ।

शेख नईसुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रॅंज-I , कलकत्ता

दिनांक 20-1-1986 मोहर । प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता
कलकत्ता, विनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० टी०श्रार० 116/85-86/क० 1153/प्राई०ए० सी०एक्ट्र/रज-1/कल०---प्रतः मुझे, शेख नईम्हीन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6/14 है, तथा जो मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वाणत है) रजिस्ट्री हर्ता श्रिध हारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री हरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक 10-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 49—446GI/85

1. श्री रधुनाथ प्रसाद मस्करा एवं दयानाथ मस्करा। (ग्रन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार जालान

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोर्क भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

6/14 मस्करा स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित महान 'मंगल दीप' का 7वां तल्ला में 2395 वर्ग फिट आयसन का प्लाट नं० 708 के रिजिस्ट्रेशन आफिस कलकत्ता में श्रीड नं० I-6982 के अनुसार 10-5-85 तारीख में रिजिस्ट्रीकृत हुआ।

> शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 10~1-86

# प्रकृष् वाद्रौ दी एव एवं । -----

आयकर अधिनियम, 1961,(1961 का 43) की. धारा 269-च (1) के बंधीन सूचना

#### बार्व सरकार

# कार्याजय, बहायक बायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक, 10 अनवरी 1986

निर्देश मं० टीआर-114/85-86/क्र० 1152/ आई०ए०सी०/एक्यु० आर-I/कलकत्ता—यतः, मझे, शेख मईमुदीन,

णायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एक्से इस ने पण्यात 'उस्त अभिनियम' सहा गया ह"), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पेटिल, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6/14 है तथा जो मयरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10-5-85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास मुखे यह विद्यात करने का कारण है कि मथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल क्ष्म पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंचल उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिचल में वास्तविक रूप से क्षित नहुँ किया गया है है—

- (क) अन्तरक चंधूवं कियों साथ की बाबत, सकत अभिनियम के सभील कर बोने के बन्तरक के बावित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ब्रोट/वा
- (क) ऐसी कियी जाव वा किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे बक्षेत्रवार्थ बन्दरियों द्वारा कृष्ट वहीं किया वंदा था वा विका वाचा वाहिए वा किन्दर्थ में स्विभा के सिए;

शतः वय, दक्त विधित्तवध की पास 269-व के वज्वरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ्---

- (1) श्री रघुनाय प्रशाद मस्करा एवं दयानाथ मस्करा (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गीता देशी अगरवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्वनिहिन्द करता है।

वक्त क्रमित के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस ब्रुवना के रावपन में प्रकाशन की तस्तीय से
  45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी स्थानतमों पर
  सूचन की हाजीन से 30 दिन की जबिभ, को की
  नविश्व में संजाप्त होती हो, के भीतर प्रजेक्त
  स्थितकों में से किसी स्थित दुसारा;
- (च) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशित की तारीब के 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्च किवित में किए वा ककों ने।

स्वक्रीकरणः:--- इतमें प्रमुक्त सम्बंधीर पर्यो का, यो अवक अधिनियम, के संध्याय 20-क में परिभावित इं, वहीं वर्ष होगा यो उस संध्याय में दिया स्वा क्ष्मी

# धनुसूची

6/14 कमरा स्ट्रीट, 'मंगस दीप' कलकत्ता में अवस्थित 2395 वर्ग फिट आयतन का प्लाट नं० 708, 7वां तल्ला में जो रजिस्ट्रेशन आफिस कलकत्ता में डीड नं० I-6976 के अनुसार 10-5-85 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

> णेख नईमद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 10-1-86

मोहरः

**হলে পা**ৰ্টুত্ৰ কীত্ৰ মুখত মুখত সম্প্ৰ

नामनात्र विभिनित्ताः, 1961 (1961 🐃 43) 🛍 भारत 269-न (1) के नभीन सूजना

#### भारत तरकार

# कार्याचन, सहायक नायकर नाम्यत् (निर्द्रीयम्)

अर्जन रेंज-I, कलकता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० टीआर-113/85-86/क 1151/1-आई०ए० सी०/एक्यु० आर-1/कलकत्ता—यतः मुझे, शेख नईमुदीन

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० 6/14 है तथा जो मगरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपावक अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-85

को पूर्विक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से विभिक्त है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (बन्तरितियों) के बीच होने बन्तरण के निए तम याया गया प्रति-फल निक्नीलिया उद्योग्य से स्वत वंतरण निक्नीलिया उद्योग्य से स्वत वंतरण निक्नीलिया से वास्त्यिक स्था से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) नित्यपन में हुई किसी नाव की बाबत, स्वतं निश्चिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रामिल्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के तिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आग भा किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्ही भारतीय वार्य-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्प्रिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था कियाने में स्विका के सिक्षः

बार वन, उनत मामिनियन की बाह्य 269-म के अनुबहुत ने, ने, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मुन्नित् हुन्न

- (1) श्री रधुनाथ प्रसाद मस्करा एवं दयानाथ मस्करा। (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीण प्रसाद अगरवाल एवं निर्मेला देवी अगरवाल ।

(अन्तरिती)

भो यह स्वना चारी करके पृथांकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध का भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य स्थावत व्वास मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

ल्यक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वजा की।

## अनुसूची

6/14 मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान भंगल दीप का दूसरा तल्ला में 2375 वर्ग द्विट आयतन का प्लाट नं० 202 जो कलक्ता रजिस्ट्रेशन आफिस में फीटनं० +6972 के अनुसार 10-5-85 वारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

नारी**ख**: 10-1-86

भारूप आहू .टी.एन.एख.

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 थ (1) को मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० सी० ए० 157/85-86/क० 1150/ग्राई ए०सी०/एवयु०आर-1/कलकत्ता--यतः, मुझे, शेख नईमुदीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्रभिकारी को यह विकास करने का
कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिल्लको सं० 6/14 है तथा जो मयरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है )रजिस्ट्री वर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० भाई० सी० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6~85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ शया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिविस में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है ——

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; बॉट/बा
- (थ) ऐसी किसी साय या किसी धन या सन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय सायक-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिया में सुविधा से स्राह्म

अतः शंव, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण भी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलितिक व्यक्तिसमी, अर्थात् ु--- (1) श्री राजन कुमार धनधाएवं अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल एवं निमला देंबी अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनतः सम्मत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से A5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्या किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी. के पास दिश्लित में किए का सकीं ।

स्वर्णः - इस्में प्रमुक्त कन्दों और पवी का, जो उक्त विभिन्नियम, की वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

### अन्सची

6/41 मयरा स्ट्रीट, कल कत्ता में अवस्थित मकान 'मंगल दीप' का दूसरा नल्ला. में 2375 वर्ग फिट आयतन का प्लाट नं० 202 जो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I कलकत्ता के पास सिरियल नं० 257 के सनुसार 29-6-85 में रजिस्ट्री हुआ।

णेखं नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-, कलकत्ता-16

तारीख: 10-1-86

प्ररूप . बाह् . दी, एम, एक् र न न न न

भाषकर विधिनियम, 1961 (15 ु का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुचना

### भारत सहकान

# कार्यानयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकता

कलकत्ता-16, दिनांक 20 फरवरी 1986

निर्देश सं० सी०ए० 172/85-86/एक० 1149/ जीई०ए०सी०/एक्यू० आरू-1/ङलकत्ता—यतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा →69-च के गथीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० 62 है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिर में वास्तविक स्र्रेंप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आप की बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय : यक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासना : कार्यों के दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

अतः सब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सून्दरदास भगवानदास छिरा

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कारवा एवं अन्यान्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वेंक्त संपृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरा के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वक्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### धन्त्यी

62ए पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित मकान का 22वां तत्ता में 2300 वर्ग फिट अयान का प्लाट नं III जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज -कलकत्ता के पास ऋ० नं० सी० ए० 272 के अनुसार 10-5-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

नारीख: 10-1-86

प्रारूप आर्धः टी. एन. एस. . . . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सचना

#### भारत चरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकना

कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1986

निदेश सं० सी० ए०171ए/85-86/क्रमांक-1148/ आई० ए० सी०/एक्यू० जना/कलकत्ता--अतः मुझे, शेख नई-मुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- फि. से स्थिक हैं

स्रौर जिसकी सं० ६ सि० है तथा जो मिडलटन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज्म्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सि०ए०आई० ए० सी०, अर्जन रेंज-2, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दारीख 3-5-1985

करे पूर्वीक्त सम्परित के उचित बीजार मूल्य से कम के उज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विकथास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकरें) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आगत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: और/सर
- (क) एसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. जिया में स्विधा के सिए;

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ः—- (1) श्रीकृष्ण कुमार बागारिया।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमिन्द्र कुमार झुनझुनशा एवं अन्य । (अन्तरिती)

की यह स्वना धारी करके प्वॉक्ट सम्पर्टित वें वर्षन के जिस कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त प्रमहित की वर्षन को सम्हत्या की काहि भी बालेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तः अरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणं :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हम्मा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसू**ची**

6िस, मिडलटन स्ट्रीट, कलकत्ता-71 में अब स्थित मकान गुलमोहर को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० का 7वां तल्ला में प्लाट नं० 74 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण), अर्जनरें ज-2, कलकत्ता के पास सीरियल नं० सि०ए० 171ए के अनुसार 3-5-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-1, कलकत्ता

**नारीख: 10-1-198**6

मे.हर:

### प्रकर कार्य हैं हैं । पूर्व सुरु है ----

## भागभर मिनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भूभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्द्रोक्सक)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

मिदेश सं० सी० ए० 171/85-86/क्रमांक-1147/ आई० ए० सी०/एक्यू०रें ज-।/कलकत्ता--- अतः मुझे, भेख नई-मुद्दीन,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 62ए है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी०ए०आई० ए० सी० अर्जन रेंज-2, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाचार मृश्य से क्रम के स्वनाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यू, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तूह प्रतिशत से विश्व है और बंतरिक (वंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विश्वतिविद्या उच्च देव अन्तर्ण लिखित वे वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी शाय की बाबत, उच्छ विधितियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बावित्य में कवी करने वा उच्च व्यन में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसं किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औं निक्त

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वें बधीन, निम्नसिथित अधिकार्ये⊞ वर्षांत क्र— (1) दयानम नाराचन्द मीरचन्दानी।

(अन्तरक)

(2) पेशमें जिल्ला जूट एण्ड इन्डिट्स्यल खि॰। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

### अवत सम्मिति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रास किसी ब्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्त निवास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्श्वां का, जा उकत विश्विमयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय को दिया गया हा।

### नन्सुची

2ए पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अबस्थित भकान का प्लाट नं० 205 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, कलकत्ता के पास सीरियल नं० सी०पी० 171 के अनुसार 3-5-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> णेख न**ईमुदीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

मारीख: 10-1-1986

मं हर :

(अर⊹रिती )

# मुक्त बाह्य औं पुनः पुनः -----

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-न (1) चे नभीन बुजना

### 

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीकार)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० टी० आए०-120/85-86/सीरियल नं० 1146/ आई० ए० सी०/एक्यू० रेंज-1/कलकत्ता—आंतः मुझे, शेख मईम्हीन,

जायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भाग 269-श के अधीन स्थान प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अन्त 1.00,000/- रहें से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 6/1ए है तथा जं मथुरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृस्य से कम को उपयमान की अन्तरित श्रीतकल के लिए गष्ट विश्वास करने का यह कारण हैं कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकें इक्थनान प्रतिफल से,, एसे इक्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिकन, निम्मलि<mark>बित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक</mark> रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्र किसी आय की बाबत, उक्क बीचीजबब के बधीन कर देने के बस्तरक के दायित्व में कबी करने या उत्तते बचने में सुविधा के बिए; औड/का
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोदनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पना वा वा किया वाना चाहिए वा किया में वृद्धा में विष्ट;

क्तः अन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं सक्त विधिनियम की भारा 269-ण की खपेशारा (1) के अधीर निम्नीसियत व्यक्तियम, सर्थात् :---

- (1) श्री रघुनाथ प्रसाद मस्करा एवं दयानाथ मस्करा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमित्ति कमला देवी बुरार ।

का यह सूचना बारी कर्ज पूचाँकत सन्युक्ति न वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

# काद बुल्याचि के स्वान के सम्बन्ध में कोई भी शासोद अ--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इ.स. स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा यो उस कथ्याय में विया यवा हैं।

### वनुसुची

6/1ए मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रव मकःन स्थित है,मंगल दीप' का 8 वां तल्ला में 1988 वर्गफुट आयत्तन का प्लाट नं० 801 में जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन आफिस में डीड नं० 1-6989 के अनुसार 20-5-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एच . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेज-1, कलकसा

कल हत्ता, दिनां म 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० टी० आर०-115/85-86/सी श्यिल नं० 1145/ आई० ए० सी०/एक्यू०रें ज-I/क्लकत्ता—अतः मुझे, णेख नई मुद्दीम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्ग्वार जिलकी यं० 6/1फ है तथा जो मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रार इसमे ज्याबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णच्य से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वा किस सम्पत्ति को उचित बाजार भूस्य से कम को इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ान्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चक्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण त हुई किसी भाग की बागत, उक्त ग्रीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; बौद∕या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिभा के लिए;

आर्त: अब, उक्त अधिनियम श्री भारा 269-ग के जनकरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) कों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थीत् ः— 50.—446G1/85

- (1) श्री रवुनाथ प्रसाद मस्करा एवं दयानाथ मस्करा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमति लक्ष्मी देवी अग्रवाल ।

की यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्बरडीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्वों का, ओ उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### भनुसूची

6/1फ मयरा स्ट्रीट, कल एता में अब स्थित महान 'मंगल-दीप' का 8वां तल्ला में 2395 बर्गफुट आयत्त का प्लाट नं 804 जा कत्र हत्ता में रिजस्ट्रेशन आफित में डीड नं 1-6980 के अनुसार 10-5-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ है।

शेख नईमुद्दीन पक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1, कलकत्ता

नागीख: 10-1-1986

### प्रचल परहे . ही . एन् . एवं . ------

# अभवकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के अभीन स्वना

#### माइत तरकर

ध्यांसय, बहाबक **बायकर बाय्कर (निरीक्षण)** 

अर्जन रें घ-1, कलकला

कल ब्ला, दियाँ है। 10 जनवरी, 1986

िन्देश सं० टी० अगर०-121/85-86/सी रियल नं० 1144/ आई० ए० सी० /एनपू०-रेंभ-।/फलफत्ता--- अतः मुझे,शेख नईमुद्दीन,

नामकर शिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रश्नात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

धाँ जिल्ली पं ० () ए हैं एया जो मयन प्ट्रीट, व्लयत्ता में स्थित है (ग्री) इसने जिल्लाबह अनुमूची में घीट पूर्ण बलमें बिणित है), जिल्ह्री तो अधि हारी के वर्षात्य, विल्ला में अजिल्ह्री रूण अधितिसम, 1908 (1908 का 16) के अधील, हारीख 20-5-1985,

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्व वे कम के दरयमान तिमाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरित वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त बन्तरण चिकित में वास्तविक रूप से कथिट नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की शायन, अक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक खे वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एँसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरे। धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के खिद्द;

शंत: सव, इक्त विधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण हो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रधुताय प्रसाद मस्करा एवं दयानाथ मस्करा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमिक्ति स्था देवी बेंगानी ग्रॉर पूर्वा देवी बेगानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथींक्स स्व्यस्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### बाक्स संबंधित के बर्बन के संबंध में काई भी बालांच :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की मनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्यॉक्ट व्यक्तियों में से किसी काक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उपवा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नका है।

#### अनुसूची

6/2ए, मयरा रुद्रीट, जलकत्ता में अब स्थित मकान 'मंगल-दीप' का 8वां तलना में 1395 वर्गफुट आयसन का प्लाट नं 808 जो रुजिएट्रेशन आफिस में डीड नं ।-6992 के अनुसार 20-5-1985 सारीख में रुजिय्ट्री हुआ हैं।

> शेख न**ई**मुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जनरें ज-1, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

### प्रक्ष आहें, ही , युष्, पुर्व क्षान्त्रकारका

(1) थी सुजी। कुमार घांष।

(अस्वर र )

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

(2) सीत लेप कोपण हार्जीनम संगाइटी लिए। (अस्तिनी)

### CHEST VERMS

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निवेश सं० टी० आर०-133/85-86/सीरियल नं० 1143/ आई० ए० सी०/एनयू० रेज-ग्रन्त्वलसा—यतः, मुझे, शेख मईमुद्दीन,

कायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परकार 'उकत मीभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन क्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्यं 1,00,000/- रहं. से विभिक्त हैं

माँ र जिसकी सं ० 19ए/15 है तथा जो सील लेज, न ल कत्ता में स्थित है (माँ र इपने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण छन ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच ऐमें संहरण को निए तय पावा गया प्रति-क्ष्म, निक्लिमिकत उद्देश्य से उच्त कन्तरण निष्यित में बाल्हिक क्य में विषय नहीं किया यहा है:—

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी नाय की नावत, उचत अधिनियश के वधीन कर वोने के अन्तरक के ज्योगत्व में कमी करने या उसने वचने में वृतिधा जो निए; और/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी वन वा क्य विशिष्ट को जिन्ही भारतीय वायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयन, या ध्याकर विधिनयन, या ध्याकर विधिनयन, या ध्याकर विधिनयन, या ध्याकर विधिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्यारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, कियान में सुविधा के किए

को वह ब्यंग जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के बिर् कार्यवाहियां करता हो।

त्वत सम्बद्धि के बर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस त्याना के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो जी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी कार्यन द्वारा;
- (व) इस सूचमा के राज्यन वाँ प्रकायन की सारीस वाँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माँ हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक सिवित माँ किए जा सकीं।

### अन्**मू**की

7के−7सीएव०−4 र ग० फुट अमीत के लाथ महात । 19ए/15, सील लेत, कलकत्ता।

दलील सं०-7276 ।

गेख नईमुदीन ;अम आजि गरी सहायक आयागर आयुक्त (चिरीक्षण) अर्जन रेंक-, कलकस्ता

त्रतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण जॉ, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तिमें, अर्थात् ए---

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निवेश सं० टी० आर०-128/85-86/एस० एल०-1142/आई० ए० मी०/एक्यू० रेंज-1/कल क्सा--यत :--मुझे, शेख नईसुदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15 है तथा जो खाढ स्ट्रीट, कलकत्ता में विधन है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), राजिस्ट्री इती अधिकारी के हार्यालय कलकत्ता में राजिस्ट्री-इरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीत तारीख 22-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती प्रयामा देवी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० नमीरूदीन ।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनकथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

1के-12 मीएच-17 स्का० फुट जमीन साथ मरान । 15, खाढ स्ट्रीट, रुलकत्ता । बलील सं० 7623

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधि तारी सहायक आया तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-रिक्स तत्ता

तारीख: 10-1-1986

मोहर 🧓

# व्यक्त बाइ ुटी , एन् , एव् , ॥ = - -- » •

हायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन सूचना

#### **भारत सरकार**

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निदेण सं० एक्यु० /रेंज-/कल $\circ$ /1985-86--श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2 है तथा जो ऐलाउ रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), उद्भिर्द वर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में ,रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे सम्मान प्रतिफल का पंव्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्त्रें) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के सीच एसे अन्तर्ज से सिए उच पावा बचा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा श्रीक्षण: आरि/का
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारितवाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के पधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधित :--

 मै० दन्तिंदर रोगधनेत श्रीर कन्स्ट्रनसन क० प्रा० लिनिटेड।

(ज्ञांतरक)

2 थी निरा जारण बार्भ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्ह सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीं के के 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वर्धां , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए था हकी।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में विया गया है।

# **प्रनु**भूचा

3652 वर्ष फुट, 2. ऐलाइ रोड़, हवाउना। तता प्राधिकारी के पाम रजिस्ट्रीकरण हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख 10-1-1986 द्व**ा**हर प्रस्प बाह्र .टी.एव.एस. -----

1. श्रीमती कुशस्य रंगमानि।

(ग्रन्तरक)

2. न्नो कौस्तम मनी सरकार

(भ्रन्तरिती)

बायकर बर्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

### भारत स्रकार

# कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनौंक 20 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-111/कल०/1985-86--श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकं पश्चात् 'उसतः निवनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-ल को जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/-रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो सिद्धेभ्वरि रोह, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब उद्मनुमुची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० रेंज-III, कलकत्ता सें, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जान वा किसी धन या जन्य जास्तिय? की, विन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रगेखनार्थ बन्हरिती द्वारा प्रकट नह<sup>™</sup> किया गया धः या किया काना चाहिए था, छिपाने में समिका न्हे बिए:

अत: तब उक्त विधिनवम की भारा 269-म के वज्रसरण मो, मो, उथत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) ६ अपन्ति निम्नतिवि**त्वत व्यक्तियों , वर्षात् ६---**-

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन के सिक् लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधियातस्सम्बन्धीव्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त **म्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (स) इस सूचनाको राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच ये 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सन्देगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

8, सिद्धेश्वरि रोड़, कलकत्ता-29 में भ्रवस्थित मकान का प्लाट नं० 2.4 जो भ्राई.० ए० सी०, एक्यि.०— रेंज--III कलकत्ता के पास 37-ईई/एक्वि० ग्रार०-**I**II/85-86/ 103 के अनुसार 24-5-1985 तारीख सें रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ुरेंज−3, कलकत्ता

ारीख: 20-2-1986

मोहर

### प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, कलक्ता

कलकत्ता, दिनाँक 20 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० मो०/रेंज-3/कल०/1986/2046--म्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 43 है तथा जो कैलास बोस स्ट्रीट, कल-कत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी०, एक्वि० रेंज-3, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह बिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दरममान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक प्रसे किया गया है:——

- (3) अन्तरण संहुई किसी आद की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देंसे के अंतरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) इन्हें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नोलिकत व्यक्तियों, अधित :--- मेमर्स महेश प्राप्तिंज प्राह्वेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गंगा बिषण श्रग्रवाल।

(ग्रन्तरिती)

कं यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

43. कैलान बोन स्ट्रीट. कलकता-6 में प्रवस्थित मकान का तीयरा तल्ला में 2228 वर्ग फिट भ्रायतन का पर्नंड नं० 322 जो श्राई० ए० मी०, एक्वि० रेंज-3, कलकता के पान 37-ईई/एक्वि० रेंज-3/.85-86/58 के श्रनुसार 6-5-1985 तारीख को रजिस्ट्रा हुआ।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, कलकत्ता

नारीख: 20-2-1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 20 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० मी ०/रेंज-3/कल ०/1986/2047--- अतः मझे, शेख नईम हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 22 ए हैं तथा जो पाम ऐविन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०, एक्वि० श्रार०-3, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जिक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— 1 मैं ० के ० एन ० प्रोपर्टीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. क्यांसी० के० फोगला।

(ग्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्पत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रिक्षाः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

22.5 पाम एजिन्सू, कलकत्ता में स्रवस्थित मकान 'स्रमोक टावर्म' का 22वाँ तल्ला में फ्लैंट नं० 22 बि० सो०, श्राई० ए० सी०, एक्वि० श्रार०-3, कलकत्ता के पास 37-ईई/एक्वि० श्रार०-3/85-86/89 के अनुसार 20-5-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन
मक्षम प्राधिकारी≯
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 20-2-1986

मोहरः

प्रस्त् नार्ष् ु दी. एत्. एत्. -----

बॉर्चकर बॉॅंभिनियक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

#### भारत प्रत्यार

कार्यालय, सञ्जयक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज⊸3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 20 फरवरी 1986

निवेश सं० हैर्० सी ०/रेंज-III/कल ०/1988/2048--

घतः मुझे, शेख नईमुहीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके परवाद 'उसत अधिनियम' कहा गंग हैं), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर वंपीक, विसका उपित वाजार नृश्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 253—सी ०/2 है तथा जो नेताजी सुभाष जन्द्र बोस रोड, कलकक्षा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, भाई० ए० सी ०, एविव० रेज-3, कलकक्षा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 6-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पर्धि के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिपत्त के सिए ब्राविट्रत की नहीं है और मुझे यह निकास करने का कार्य है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्त का उचित बाबार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिपत्न से, एसे क्यमान प्रतिपत्त का पंत्रह प्रतिश्वत से विभिन्न ही बार शंतरक (नंतरकों) और बंतिरती (अन्तरितियों)। के बीच एसे बन्तरण के लिए स्य पासा नवा प्रतिकान, निकाशिक्त समुद्रों कि वा नगर्य कराइन विभिन्न में बास्तिका कम से कथित नहीं कि वा नगा हैं

- (क) नन्तरण वे शुद्ध किसी नाम की नामक, उनक बहित्रमध्ये समीन कड़ वोचे के नन्तरक वे समित्य में कभी कड़ने मा अवसे नम्म में श्रीवधा में सिक्; मीहर/बा
- (क) एंती कियों भाग या किसी भन या किसी वास्तियों को, किन्दें भारतीय बाय-कर वॉम्पिन्यन, 1922 (1922 का 11) या उनते वॉम्पिन्यन, वा भन-कर वॉम्पिन्यन, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ बन्धरिकी क्ष्यान्त्र तथक नहीं किया गया वा वा किया जावा जाहिए वा, कियाने वें बृद्धि। वे सिए;

मंतः अर्थे, उन्तं मिशिनयमं की धारा 269-ग के अनुतरण में, मी, उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिविकः व्यक्तियों, अर्थात् म 51—446GI/85 1. मै० स्लाब बिल्डर्स।

(भन्तरक)

श्री माति प्रिय दत्त राय

(मन्तरिती)

को यह सूच्या जारी करको पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के जिस् कार्यवाहिको कड़ता हों।.

उनक संपत्ति को अर्थम् को संबंध् में कोई भी काक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की जबिंग या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद सूचना की तानील से 30 दिन की जबिंग, जो भी वृष्यि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तारीच से 45 विने में भीतर सक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यक्त व्यक्ति अभोहस्ताक्षरी के पाद सिखित में किए वा सकत्त्री।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम् के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होना, जो उस अध्यास में विदा नेवा हैं।

### अनुसूची

253—सी०/2, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्तां से अवस्थित मकान का प्लाट नं० 3 जो आई० ए० सी० एक्वि० रेंज-3, कलकत्ता के पास 37—ईई/एक्वि० आर०→3/85—86/53 के अनुसार 6-5-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

भेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 20-2-19856

मोहर 🖫

प्रस्प वाही, टी, एन, एक्..------प्राक्तर अधिनियम् । १०६१ (१०६१ का ४२) की

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्रम, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिर्मांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-3/कल०/1985-86/2049---अत: मुझ, शेख नईसुदीन,

नायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 43 है तथा जो कैलास बोस स्ट्रीट, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीवर्सा अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तफ क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौ (अन्तरित्यों) के अस्य एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उच्न अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई जिन्हीं लाग्य की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या बन्ध जास्तियों को जिन्हों भारतीर जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीस्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. मै० महेश प्रोपर्टीज प्रा० लिमिटे 🕏 ।
- (अन्तर्फ
- 2.श्री रमेश दत्त भानुका

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (अ) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

पलैंट नं∘ 422 (4था फ्लोर) पता—43, कैलास बोस स्ट्रीट, कन्नकत्ता—6, दलिल सं∘ 1985 का 37—ईई/ 85—86/73।

> शेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, कलकत्ता

तारीख . 10-1-1986

प्रकार कार्<u>य हो . एवं . एवं . -----</u>-

नाथकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्भीन त्यना

### प्राप्त प्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाबुक्त (विद्राक्तिक)

अर्जन रेंज--3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनॉक 10 जनवरी 1986

निवेश सं० ए० सी०/रेंज-3/कल०/1985-86/2050--अतः मुझे, शेख नैईमुद्दीन,

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विको इसके इसके वृश्यात् 'उनत निधीनयम' कहा गया ह"), की धारा 269-व के जभीन सदाम अधिकारी को, यह विद्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार 1,00,000/- रत. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 36-बी० है तथा जो सेन्टिमपूर क्षेत्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में ,रजिंस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजाह बूक्य वे कव के व्यवदान प्रतिफल के निष्टुबन्तरिय की गई है और जुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एते अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितौ (बन्दरितियाँ) के बीच एंसे बन्दरण के जिए तब पाना क्या अति-क्स निम्नसिवित उद्देषम् ते उक्त बंदरण निष्यतः में सास्क्रीयकः रूप से कवित नहीं किया गया है है---

- (क) नन्तरण वे हार्च कियी बाद की बावत क्या वर्षिन विवृत के वृतीय कड़ दोने से बन्तरक के दावित्व वें कभी करने वा उबते वचने वे बुविधा के किए;
- (व) एची किसी जाय या किसी भगवा अभ्य जारिसकी को, विनहें भारतीय शायकर नीधींगयन, 1922 (1922 का 11) वा अवस विधिवयव, या पन-कर नौपनियम, 1957 (19**57 का** 2**7)** व प्रवासनार्थं बन्तरिती युवार्त प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए जा, क्रियाने में सुविधा ≺ सिए:

अतः जद, उत्तत विधिनियम की भारा 269-न में जन्हर्य में, में, उन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपवास (१) हे अधीन, निस्नजितिक अनित्यों, अनीत् ६---

1. श्रीमती श्यामलि दास

(अन्सरक)

2. श्री डी० के० घोष।

(अन्तरिती)

को बहु बुचना बाही करके पूर्वानत् सुन्यत्ति से नुर्वत् से सिए कार्यवाद्वियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विनुक्ती अविधि या तत्स्वस्थानी स्वक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ब्विथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा उन्हेंगे।

लक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और वधीं का वो उक्त निधितियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस मध्याय में विका गया है।

### बनुसूची

जमीन 601 स्कवे० फिट, पता---36--बी०; सेलिमपूर, लेम, कलकत्ता-31, दलिल सं० 1985 का 37-ईई/एक्वि० आए०-]]]/45/85-86।

> शेख नैईमुहीम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

**तारीख: 10-1-1986** 

}महर:

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

जलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निवेश सं० ए० सी०/रेज-3/कल 30/1985-86/2051 --जतः मुझे, शेख नैईम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है 2 है तथा जो रोलान्ड रोड़, कलकता में स्थित है (श्रीप्ट इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीष्ट पूर्ण इस्प से क्षित है), 'जिल्हीन्त अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——[

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की शावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के वास्यित्य में कमी करने या उससे श्रचने में सुविधा के किए; और/या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ‼--

- दामोदर रोपवयेज कन० को० प्रा० लि०। (अन्तरक)
- 2. सेट्ट टिकमानि, श्रीमती शुशमा टिकमनि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाद्यारणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### धनुसूची

पलैट नं० (4था पलोर) 1136 स्क्बे॰ फि॰ पता—2, रोलान्ड रोड़, कलकत्ता, दलिल सं० 1985 का 37-र्ह्ह/ एक्थि॰ आर॰-III/703।

शेख नेईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आय*5*र आयु<del>ग्</del>स (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, कक्षकत्ता

**भारीख:** 10-1-1986

प्रकथ बाही हो. एत. एवं, ननन-नानन

आवक्षात्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

### माहत वरका।

# कार्यातय, तहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिमौक 10 जनवरी 1986 .

निदेश सं० ए० सी० $/\bar{\tau}$ ज-3/कल०/1985-86/2052-- अतः मुझे, शेख नईमुदीन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरवात 'उकत अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अध्यतित, विश्वका अधित वाचार नृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 1/530 है तथा जो गड़िया हाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीतर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विध्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क्षं) एसी किसी बाय या धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विज्ञा नवा वा का किया वाना चाहिए था, कियाने में नृतिका के किया;

चत्तः व्यवः, उत्तवः अधिनियमं की धारा 269-गं वी विज्ञास्त्रक में, में, उत्ततः अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के विधीयः, निस्तिवितः व्यक्तियों, वर्षात् क्र— 1. श्रीमती प्रमिला बाला देवी

(अस्तर -

2. श्रीमती कृष्णा सुद।

(अर= सिः तिः)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीच से 30 दिन की व्यक्तियों जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों मीर पद्यों का, वो जनत जीभीनयन, वो जभ्यान 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, वो उस नभ्याय में दिया व्याहै।

# अनुसूची

जमीन 3 का॰ 1 छटक का आधा भाग, पता 1/530, गाड़ियाहाट रोड़ कलकत्ता दलिल मं॰ 1985 का 4022।

> शेख न**ईमुद्दी**न मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

# प्र**क्ष आहु<u>ौ, टी, पु</u>न\_एस-**======

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीय स्वामा

#### भारत सर्कार

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्त)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० मी०/रेज-3/कल०/1985-86/2053---अतः मुझे, गेख नईमुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 आग 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 11-ए० है तथा जो पाम एमिनिड कलकशा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त कम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दरशमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और कुके यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार बंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया समा है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, अन्यक्रम अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यक्रम को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के सिए; और/था
- (का) एंसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में स्विधा के लिए;

बतः बवः, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-गं के बनुसरणं वें, वें, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-णं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं० के० एन० प्रोपर्टीज प्रा० लि०।
- (अन्तरक)
- 2. मै० चिद्रमा मरकैटाईल्स लिमि०।

(अन्तरिती)

को बहु सूचनां जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

क्या सम्बद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (का). इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वीभ या तत्त्रक्षणी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की सर्वीभ, जो भी जवाँ भ नाद के सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वास;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किए के भीतर उपता स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के नाम विकास में किए जा सकींगे।

स्पार्कीतकार - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उनक श्रीभिक्षम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, अही अर्थ होगा, यो उस अध्याय में विया यस हैं।

#### वन्त्रूची

फ्लैट नं० 11-ए०, (11वां फ्लोर), पता "अशोक टावयार" 11-ए, पाम एमिभिड, कलकत्ता, दलिल सं० 1985 का 37-ईई/एम्ब० आर०-111/85-86/90।

> शेख न**ईमुदीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण∫ अर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

इक्ष कार्च हो ।एन । एक - :-----

1. मै० के० एम० प्रोपर्टीज प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. श्री सी० के० फोगला।

(अन्तरिती )

# बायकड वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में भवीन युवना शास्त्र इरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्तक)

अर्जम रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-3/कल०/1985-86--2054-अतः मुझ, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 11-ए, है तथा जो पाम एमिनिड, कलकत्ता में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय बलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 10-5-1985

को पर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण **है** कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ने किए: नौर/या
- (क) एेसी किसी बाव या किसी भन या बन्ध भारितयों को, चिन्हें नारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया<sup>.</sup> जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त लिधिनियम की भारा 269-व के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कं अभीत, निम्नसिवित व्यक्तियों, अथिक ६---

का यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर तुषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेकत व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति बुक्परा;
- (च) इस स्वनाको राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध े**कसी म**न्य स्पक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास .सचित में किए वा सकेंगे।

निभिनियम, के नुध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

प्लाट नं 1-वी (11 वा फ्लोर) पता- "अशोका टावयारस, 11-ए पाम एमिनिङ, कलकत्ता. दलिल सं० 1985 का 37**--१६**/एक्वि० आर०--**III**/93।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

प्रकार कार्या, यो . एना, एस . . -------

भावकार अभिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के क्षिम सूच्या

#### THE THE

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

मिदेश सं० ए० सी०/रेंज-3/कल०/1985-86/2055/-अतः मुझे, मेख नैईमुद्दीन,

मायकर मांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद् 'उस्त मीचिनयम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के सभीच सक्तम प्रतिभक्तरों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका स्थान मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 34-की है तथा जो सरदार शंकर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन', तारीख 13-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पण्डि के उचित वाजार मूल्य से कम के क्रक्मन प्रेतिफल के सिए अन्तरित की यह है और मूझे यह जिल्लास करने का कारण है कि वजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काखार भूष्य, इसके क्रममान प्रतिकृत से, एवं व्यवस्थ प्रविकृत के प्रेतिक है और वंतरिक (वंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्वेचय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (%) बन्धरण वे हुई कियों बाग की बावरत, बन्ध बीधीयक के बचीन कर वंधे के बंदरक के बाविस्त में कमी भारते या उससे बचने में सुविधा के लिए; करि/वा
- (था) एपी किसी बाय या किसी थव या बच्य वास्तियों को, जिन्हीं भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, वा धनकर वीधीनयव, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वास वकट कहीं किया नवा वा का विद्या जाना वाहिए वा ज्याने में संविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनयम की भारा 269-म के बनुसरम भे, में, उक्त विधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, वर्षाब् ध--- 1. श्रीमती शिमा रानी विश्वास।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती शिखा सेन

(अन्तरिसी)

भारे यह सूच्चल जारी कालके पूर्वोचक सुम्पत्ति में वर्णन के जिए कार्णनातिकार्व कालता हो।

# वक्त बंकरित में वर्षन से ब्रान्तम में कोई भी बार्यकः---

- (क) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किबित में किए जा सकेंगे।

### वन्त्रभी

फ्लैट 900 स्क्व॰ फुट (1ला फ्लोर), पक्षा—-34-्वी॰, सरदार शंकर रोड़, कलकत्ता, दलिल सं॰ 1985 का 3877।

> शख **वैईसुदीन** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज–3, कलकत्ता

तारी**ख**: 10-1-1986

मोर:

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

कलकत्ता दिनांक 10 जनवरी 1986

भिक्षेत्र सं० ए० सी०/रेंज-3/हल०/1985-**86--**अतः **मुझें**, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

धाँर जिनकी सं० 22 है तथा जो आणुतोष चाँधुरी एवेन्पू फलकत्ता में स्थित है (ग्राँर इनते उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वणित है) एकिस्ट्रीर्जा अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ा में शिवसा पार विका

(अन्तरक)

2. श्री द्विजवान साह्याल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से जिसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### क्षामधी

> योख नईमुद्दीन संक्षम प्राधिकारी व्हायक अध्यकर जायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेज-3 कलकत्ता

वारीख: 10-1-1986

मोहर 🕾

प्रस्प आर्थः डी. एनः एसः ------

आयकार अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहस्रक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन २७-॥ वलयमा,

याल गत्ता, दिनर्ग 10 जनवरी 1986

िर्दिंग सं० ए० सी०/गिंक $-\Pi\Pi/$  घनः०/1985 -86/2057- अतः मसे शेष्ट् नैक्ष्मिद्रीन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रील जिसकी सं ा 1-ए है ज्या जो पाम एसिएड जल घता में रिधन है (श्रील इसने उपावद अनुमूची में श्रील पूर्ण हम में बणित है) प्रतिस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय अलकत्ता में प्रतिस्ट्री रुण अधिनियम 1998 (1908 का 16) के अधीन नारीस 10-5-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिंखित उद्देश्य से उथन अन्तरण जिस्ति में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए:

अत अब अका अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत —— ा. मैं० ७० एन० प्रोपर्टीन प्रा० लि०

(अस्तरकः)

2 श्रीमनी भाग भागी का∹डोई।

(अस्तिभिन्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

अकर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की नाशील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभूस्ची

प्ताट संव 1—सीव(बीव) (1ल) फ्लोर) फ्ता—— 11—एव গাম ত্মিলিজ ংলকলা হলিল নাব 1985 কা 37-ইছি/ঢ্নিকে সাণ্ড III/85-86/64।

> शेख नैईमुद्दीत सक्षम प्राधिक री रहासक अधिकर आपूक्त (तिरीक्षण) अर्जार रेज III अकला

भारील: 10-:-198%

\_\_\_\_\_

प्रकृष भावा, टी. एन. एव. -----

भागकर अधिनियज, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुखना

### भारत तरकार

### कार्यासय, सहायक अध्यकर नायक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेज-Ш कलकत्ता

कलक्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

শিবীয়া শৃত দৃত মাতি/ইল-III/চলু√85-86---2058-अत: मुझे फेल छईमुद्दीन

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारां 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रन्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रीर जिएकी सं० 39/1 है तथा जो लाग्य डाउस रोट, ज्याना से स्थित है (ब्रीट इत्तरे उपाबद्ध अनुभूषी से ब्रीट पूर्ण कर से अशिश है) शिवस्त्री तो अधियारों के जायांत्रिय, ज्याना से ,र्याऽस्त्री एण श्रीतित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रूपयमान प्रतिफल से, ऐसे इस्पमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्त्रिक कृप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्धक ६ हुइ किसी बाय औ बाबत, जनत व्यक्तियम को अधीन कर योग के सम्प्रदेक अ स्रोबल्य मी कमी कारते या उसल बचन मी मृत्यिका के लिए; बॉट/बा
- (क) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए:

शतः भृतः, उक्तं अभिनियमं कौ भारा 269-ण कौ, अनुसरण भौ, मौ, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) क्षं प्रभीर विकासिकित अधिनको अर्थान ----

(अस्त्र)

2 श्री सिवामु बदर्गी

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बाबत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांध भी अक्षिप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) ध्रम स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब में 4.5 दिन के भीतर उकते स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास क्लिक्त मा किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:---६समी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदार अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषिड हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिव गया हैं।

### **अन्**स्थी

ण्याद न ० ई-7, 1015, सक्बे० फिट, प्रता--39/1, ताका डाप्य रोड़, प्रमण्या -20, दलिय ग० 1984 आ 3, ईई०/एकिय० आर०--11/85-86/52।

> णेख नईमृद्दीत २क्षम स्वाधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बलकक्ता

नागीख: 10-1-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सम्भा

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-3 हलकता

कलकता, दिलाँक 10 जनवरी 1986

निदेश सं ० ए० सी ० रिंद - 3 जिल ० / 1985 - 86 / 2059 ---श्रतः मुझे, शेख नईमहीन,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 209 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारणं है कि स्भावर सम्पत्ति, जिनका उत्तित बाजार मृत्य 1.00.000/-रा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं $\circ 357/1/8$ -ए है तथा जो प्रिन्त श्रविवार साह रोड़, कलकता में विषय है (और इसने उपावड अनु-सूची से श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रिक्ट्रिइक् अधिकारी के कार्यालय, कलकता में रजिस्ट्रोकरण अधिनियन, 1908 (1908 हो 16) के त्रवीन, तारोख

क्षं मधीकर संपरित के सीमाह तालाम । उस में अब की अध्यान श्रीप्रकार के फिए मस्तीएंड की गर्म हैं। और वर्ष गर्म वेजनवाद करने का कारण है कि स्थापुर्वोचित सम्मति के उचित जानार गुरुष. उसके क्यमान प्रतिकत हो। पंसे प्राप्तान प्रतिकत का पेड्ड प्रहिष्यत से गोपन है और अन्तरक (अन्तरक) गांच असरिसी (बन्हरिशियों) के बीभ एके बन्दरण के लिए तर भाग एक कीत-कर निस्तिविद्य उद्योष है स्वट मस्टरण विदेश है करनाहिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वन्तरक में एए किस शास का बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर राने के नतरक के अधिक्य में क्यी करें। या तानारे बचने हैं। शानिका के लिए बार/व
- (क) एती किसी बाद या किसी पन दा बन्न जास्सियाँ का, जिन्ही भारतीय आयकार जीवीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्स सिधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अधिकार्यक्षेत्रकार विकास क्या का पा विकास का का किए जा है किया में श्रीवया जे सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा १६९-ए के अनुसरण में भी अक्त विधिनयम की भारत 269 व की जगराया (1) के अभीन, कि होत्सित व्यक्तियों, वर्षात् --

1. प्रो ग्रह्य कुमार बोत।

श्री पी० माग्य लक्ष्मी ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जात के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्थन के सम्मत्य में कोई भी साक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के उजपत्र के प्रकाशन की **ठाड़ीय से** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 जिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुदाय;
- (स) इस सचना के राज्यंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबह सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरम्त में किए या सकेंगे।

स्पष्टिकरण:-इसमें प्रयक्त शर्ग और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिमा

# अनुसूखी

एक तल्ला 1075 वर्गफट, 357/1/8-ए, त्रिस ग्रानीयार साहु रोड़, कलकत्ता, दलिल सं  $^{\circ}$   $^{\circ}$  $^{\circ}$ 7345 श्राफ 1985।

> शेख नईम्हीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) म्रार्जन रेज−3, कलकताः

वारोख: 10-1-1986

मोहर

इंसर क्षाप हो है स्था स्था मानामाना

आवकार शीभनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा १८९-म (1) के सपीन हामया

कारल सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्वन रेंज−3, कराकचा कलकला, दिनौं है 10 अनवरी 1986

निकेण सं०ए० *गाँ ० जिल* ०/1985-86/2060---श्रतः मझे, शेख वईभई:त,

मायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको प्रथमन 'उपकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 259-स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, विसका उपित बाकार मृज्य 1, (0,000/- रह. से अधिक **ह**ै

ग्राट जिल्हास पंच ५४ इत्या जा हालि देखल रोड, कलाह्ना--७६ में स्थित है (पोर इतसे जनायह अनुसूची में ग्रार पूर्ण धव ले बॉयत है), रिनस्ट्रोक्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, अक्षम पाधिकारो, अल्यक्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रवीन, नारीय 14-5-1985

कतं पुत्रोक्ट सप्ति के उपित वाकार मुख्य से कम के अवसान धिक्षिप्रत के निए अस्तरित की धर्म है और मुझे यह विक्याक ध्यस्य का कारण है कि यशाश्रवीयत सम्पत्ति का उपित बाबार ्यः य उसके कायमान प्रतिकास से, एसे कामनान प्रतिकास सा क्ष्म्यस् प्रतिकात संभाषिक **ह° और जंबरक (बन्हारकों) बाँर** अन्तिरिती (अन्तिरितियों) से बीच एंसे अन्तरण के जिए तथ पावा नया द्**तिक्त निम्निक्षिक उन्नदेश से उन्द**्र संसरण् शिक्षणिक में हारकारितक क्या **है क्रीया महारे** शिक्षणा यहा है है—

- ्कः) अस्टारण संबद्धं किसी मान् की वान्त, उच्छ जांपानमध्य को जभीन कर वंश के ज्लारक क्षे द्यागित्व में कमी करने या उससे अपने में सुनिधा ले लिए: सौर/वा
- (स) चंग्री कियी काम या किसी वन या क्रम्य वास्तिकी का, विन्हा भारतीय अध्यक्तर विधिनियम, 1922 ्रापुत्र कर (1) वर वर्षा अभिनियम, या भनकार या जीवन , 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ ान्ताकर्ष बुकारा अक्ट नहीं किया यथा या या किया कला पाहिए वा कियाने में मुश्यिम में बिम्ह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अत्सरण में, में, लक्त कीचीतमाम को भारा 200-भ की उपभारा (1) कं अधीन, निम्नानिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा. मास्ट्र बिल्सम्

(ग्रन्तरक)

श्री पी० वैद्यनाथन श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

का ५० धुनना जारी करके धुनमित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सम्बद्धि सम्बद्धि अध्यानेत् की सञ्चाल में कार्डि भी बार्सन :---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधीष ना तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की लामील से 30 दिन की बनिध, वां जी क्षिभ बाद में समाप्त होती हो, के जीतर प्रशिक्त स्पिक्तकों को के किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस तुलना के राजपत्र में तकाबन की सारीय से 45 दिल को भीतर खकत स्थावर सम्भ त से कित-बस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षाराधारी औ भाग ति कित म' कि**ए का सकेंगे।**

स्वयदोक्त क्षाः ---- वसमो प्रयक्षः **वध्यां और पर्यः तः, या उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस जन्नार में विका गया है।

### अनुस्ची

फ्लैट नं ० 1-ई ०, देलला, ४४, कालि टेम्पल गेंड, क्रवंशना-26, नक्षम प्राधिकारों के पान 14-5-85 में रजिल्होकरण हथा।

> शंख नईभट्टोन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्का (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-3, कलकत्ता

तारीख : 10~ <sup>1</sup>-1986

शास्त्रः आइ. टी. एन , एस . ----

नायकर निर्मानयम 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) को अधीन सचनः

कार्यालय, सहस्यक आपकर नायुक्त (विरोक्सिक)

श्चर्जन रेंज—3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 10 जनवरी 1986 निदेश सं० ए० सो ०/रेंज−8/कल०/1985—86~2061→ श्वनः सुझे, शेख नैसुदीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का का कारण हैं कि यथापूर्कत संपत्ति का उधित वाजार मून्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ब्रीर जिसकी सं० 62/17 है तथा जो बालि गंज सारकुलार रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रोर पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10-5-1985

को प्वेंक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे स्थमान प्रतिफाल के बितशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गवा ब्रितिफल, निश्निचित्त अ्थिक्यों से स्वत्त बन्यरूक विविद्य में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गमा है से——

- (क) शतराच सं इत्रं किक्षा साम का नामप्, क्या नीम्निय्म के नमीन कर दोने के नामपुष्क के स्वतित्व् में कमी करने ना उस्ते नचने में सुविवा के सिए; मीर/ना
- (क) स्त्रेश किसी काथ या किसी पन या कर्क वास्तिकी को चिन्हों भारतीय आय-कर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्मरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियां, अर्थात् .-- । मैं० भावता प्रांपटींज प्रा० लि०।

(अन्तरक)

 श्री केदार नाथ फतेपुरिया ग्रांर श्रन्य। (ग्रन्तिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### दनत सम्परि। में भर्जन में सम्बन्ध में मोर्च भी बाह्मेप ह--

- (क) इस भूषना के एजपूत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूषना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास्ट;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गस सिवित मों किस् वा सकों ने।

### प्रनुसूची

्लाट सं०2, तीन तल्ला, 62/17, बालि गंज, सारकुलर रोड़, कलकत्ता ,सक्षम प्राधिकारी के पास 10-5-85 को र्जिस्ट्रीकरण हुन्ना।

शेश्व नैमुद्दान मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज–III, कलकत्ता

नारीख 10-1-1986 मोहर ∤ प्ररूप बार्च . टी., एन् . एस्.,-------

ga<mark>nalak ikangkuna</mark> pelarangan kalan milikan mengan mengan mengan mengangan mengan pengan pelarangan mengangan men

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधान मूजना

भारत गरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (हैनरीक्षण)

श्चर्यन ने रेज - 3. कलकत्ता यलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश सं० ए० सी ०/रेज-3/कल ०/1985-86-2062-श्चनः मुझे, गोख नईमुद्दीन.

शायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं ० 62/17 है तथा जो बालिगंज सारकृलर रोड़, कलकता में रिथन है (श्रीर इससे उपातढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण घप से बिलत है), रिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकता पक्षम प्राधिकारी में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारील्य 1985

करे पूर्वोद्धर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एम स्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निनिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण जिल्लित भें भामतिक, अप से कथिन नहीं किया गया है ----

ासायुक्त श्री क्रिंकी क्षायं में क्षाप्त रक्षा अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा श्री निष्; और∕दा

(ख) एमी किसी बाय या किर्न धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा थे लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध्याः (1) के अधीन, निम्नलिमित कविनयों, अर्थात :--- ा सैठ भाषणा पार्कीनी गाउँ लिंड

(भ्रन्तरक)

कैलाण नाथ फन्प्रिस भ<sup>13</sup> पना।

(भन्नरिती)

क्षे यह मुखना जारी करके वालकत सम्मांक को अर्जन को लिए करता हों।

उसत मंपील को गर्जन की गंगंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या उपसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ं विन की बविध, को भी क्वीभ बाद में किए दिन हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से के व्यक्ति ख्वारा,
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें

स्पद्धीकरण :---इसमो प्रयुक्त शब्दो आर पदो का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही एक होना प्रशास अध्याय में दिया गया ही।

# प्रनुभूची

पत्नाट नं० । दो तकला. 6217, बालीगंज, सारकुनर रोड़, कलाप्ता. भक्षम प्राथिकारी भी पा। 10−5⊶85 तारीख में रिजिस्टीकरण हुआ।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी गहायर आयुका (निरीक्षण) स्रजैत रेजे-3, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

**शक्य अ**राष्ट्र<sup>1</sup> . . . )

बाधकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैंन रेज-3, कलकत्ता . कलकत्ता, दिनीय 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सीं ०√रंज−3/कल०/1985−86-2063---श्रतः मुझे, जेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मुरू 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 62/17 है, तथा जी बालिगीन, सारकुलर रोड, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से थींगत है), श्रीस्ट्रीयनी अधिकारी के कार्यालय, कलकता सक्षम प्राधिकारी में, श्रीस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधान, हारोल 10-5-1985

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण से हुई किसी आय की सावत, अकस बीधिनयम के अधीन कर दोरे के अन्तरक के दायित्व में कभी करन था उससे असरे भी स्विका को तिए; और/या
- (ब) एसं किसी भाग या हिसी बन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को हो) था उस्ते अवसीन्यम, व धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकर नहीं िकया गंभा भा का किया राजा नाहिए था। रिल्हाने से सुनिया के लिए:

**बत: बर्ग,** जक्द **व्यक्तिसम्बद्धः स्था भगग १**६५ म हो बहुसारकः र्ग, प्रोत, प्राथमिक्षिण्यस् १६६ १७६० १६५-छ हो उर्ज्याच्या (1) स्रोतिका, निम्नलिखिल व्यक्तियमें स्थाति :--- া দঁত भारता केटीज সাত লিও।

(श्रस्तरक)

ः श्री पोन्न प्रकार किसुस्या और अस्य । (श्रीन्सिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवस मग्गिता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म" कोई भी आक्षप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारांक्ष्य से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यव्यियों पर सूचना की लामील में 30 दिन की वर्षा , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित एवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपप में प्रकालन की तारील से 45 दिन के भीदर उक्त रक्षावर सम्बक्ति में हिन्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित में किए का सकी।

रपष्टिरिक्षरण.---इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यात 20-क मी परि-भाषित ही, वहीं अथ होता, जो उस अध्याय प्रस्तिकारी

#### अनस्पी

प्लाट नं ० 4, पाँच तल्ला, 62/17, वालिगंज, गारकुलर रोड़, कलाम्ला, यक्षम पाधिकारी के पाम रजिरहीकरण हुपा शरीख 10-5-1985।

> शेख नईसृद्दीन सक्षम प्राधिकारी यहाबक क्रांगपण पापका (निरीक्षाः) सर्वत रेंब-३ क्लोन्स

नारीख: 10-1-1985

भोद्धर:

प्ररूप आई टी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० एक्य $\sqrt{r}$ ंद $-3/\sqrt{r}$ ल0/1985-86/2064--- श्रतः मझे, शेख नईम्हीन,

आयकर अितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 57-बी है तथा जो स० र० दास रोड, कुलकत्ता-26 में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध अनुमुची में स्रोर पूर्ण कर से वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, स० र० द०, कलकत्ता हु, रिजस्ट्रीकरण स्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 29-5-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---53—446GI/85 1. श्री जीवनधन मुखर्जी

(अन्तरक)

2. मैं० भ्रारटार प्रोपटींज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

५.. यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, भो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### ननसंबंधि

2800 वर्गफ़ुट जमीन 4 काठा 12 छटांक, 57B, सुठ रु० दास रोड़, कलकत्ता-26, दिलल सं० 1985 का 7917 तारीख 29-5-1985 सुठ रु० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण हुन्ना।

णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-3, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

मोहरः

प्रभव बाई ., टी ., एन , एस ,----

बाधकर मांभनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कामीलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजें⊶3, कलकत्ता

कंलकृत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० एक्यु रेंज-3/क्लं०/1985-86/2065--श्रतः मुझे, शेख नर्डमृदीन,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का की अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव 62/17 है तथा जो तिलीगटल स्रस्कृतर रोड़, कटकत्तामें स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधियारी के कार्यालय, सक्षम प्राधियारी, बलवत्ता में, रजिस्ट्रीवरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, चारीख 10-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिङ की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नेतृह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नसिचित उद्वोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसों आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अलारक के दायिक मो कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/ण
- (अ) एसी किसी बाय या किसी भन या रूप कास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

कतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के वाधीन जिस्सिकियन व्यक्तिया उपस्ति —

- मै० भावना प्रोपर्टीज प्रा० ष्ट्रिं०।
   (भ्रन्तरक)
- श्री विजय कुमार फ़तेप्रिया ग्रीर भ्रन्य। (ग्रन्तरिती)

की यह सुषना पारी करक पूर्वोक्त सम्भत्ति के अर्थन के सिख् कर्णवाहियां करता हूं।

ज्ञान्त संपरित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध मा तरसंबंधी अमितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रांक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस कृषना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकरेंगे:

न्यच्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का. को उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया संबाही।

बस्म्सी

फ्लैंट नं० 3, चार तस्ला, 62/17, बालीगंज सरकुलर रोड़, उल्लिक्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 10-5-85 को रिप्स्ट्रीकरण हुआ।

णेख नईसिन सक्षम प्राधिकक्री सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, कलकत्ता

तारीख : 10-1-1986

मोहरः

### प्रस्प कार्ड ही एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

### शाहक सहकात

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

क्लगत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज→3/कल०/1985--86/2066----श्रतः मुझे, योख नईसुदीन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० 1/71 है तथा जो जोधपुर पार्क, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 10-5-85

की पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य सं काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नह है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिस्त से अंतरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिस्त से अंतरित के से अंतरित से अंतरित से अंतरित के से का कि ति से अंतरित से अंतरित के से अंतरित के से अंतरित की अंतरित से अंतरित के से अंतरित की अंतरित के से अंतरित की अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोखनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकल नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में श्रीकथा खें सिए;

सतः अन, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसारों, अर्थात :—— 1. श्राजाफ्रका कोच्छानि प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

श्री निर्माल कुमार चौधुरी और श्रन्थ।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए जार्रथाहिका करहा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी न्यवितयों पड़ तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वृतिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत न्यवित्यों में से किसी न्यवित द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी से पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कम्बों और पर्वो का, जां उन्नत विभिन्नियम, के विभाग 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विभा गया है।

# अमुसूची

1/71, योधपुर पार्क, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 10~5~85 में रिजस्ट्रीकरण हुन्ना।

शेख नईमद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, कलकत्ता

तारीख: 10~1−1986

# प्रकृत नाह<u>ै, टी. एन. एस . ------</u>

# नायकर निभ<u>ति</u>त्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-√3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-3/कल०/1985-86/2067--श्रतः मझे, मुखे नर्दमहीन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विववाश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो ग्रहन बोस रोड़, कल उत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रधीन, नारीख 1-5-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार गृस्य से कम के स्थानन प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूच्य, उसके स्थानन प्रतिफल से, एसे स्थानन प्रतिफल का पन्छम् प्रतिक्रत सं अधिक है और बंतरक (जंतरका) और बंतरिती (जन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या बन्य जारिसकों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुनिधा और सिक्य;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिसित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्रीमती नीरजा पोहार दास ।

(भ्रन्तरक)

2. मैं ॰ अलमल फ़ाउन्डेशन आंर. अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वौ वर्णन के सिए कार्यवाहियां कारता हो।

# जन्य संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संज्ञाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

भ्यष्योकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याय में विया वया है।

#### ग्रन्सुची

1062 वर्गफुट, ग्राठ तस्ला, 2/7 सरन बोस रोड़, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-1985 कारीख में रजिस्ट्रीकरण हुग्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोंज-3, कलकला

तारोख]: 10-1-1986 मोहर्:

# प्रकप नार्चं हो एक एत . -----

# नावकर जीभीतयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत स्वना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहिवक नीयकार नायुक्त (निद्रीक्षण)

श्राजिन रज—3, इलाइता

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी 1986

निवेश सं० ए० सी०/रेंज-3/कल०/1985~86/2068→→ श्रत: मुझे, शेख नईमहीन,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अभिनियम' सञ्चा गया है"), की धार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँए जिसकी सं० 2 है तथा जो हेयर स्ट्रीट, बलकत्ता में स्थित है (ग्राँए इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्राँए पूर्ण रूप से बणित है), एजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रा० ए० पी०, एक्वि० रेजि-3, तलकत्ता में, रिकस्ट्रीएट्टण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 2-5-1985

तो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान तिफस के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास उन्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफन सं, ऐसे रहयमान प्रतिफन का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और क्तिरिती (अंतरितियार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दय बाया गया बतिफन, निम्नीनिजित उद्बोध्य से उच्छ अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कांचत नहीं किया व्या है है—

- पूँक) कस्तरम से धुर्घ किसी साम की बाबत, उक्त वीधीनयम के जभीन कार दोने के अन्तरक क दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा से किए; वीर∕वा
- (क) एँसी किसी आय या किसी का अन्य आस्तियों की चिन्हीं भारतीय आयक मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरती इवारा अकट नहीं किया नवा वा सिक्या वाना वाहिए वा, छिषाने में या प्राचिष्

क्र्यः जब, उक्त विधीनयम की धारा 269-व के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को बधीन, निम्नीविक्त व्यक्तियों, अर्थाव् ह——  प्रै० लोधा क्षिंबिंगज प्राईबेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)

2. मैं० श्राललानासन्स प्राईवेट लिमिटे**ङ**। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के कर्जन के सिए कार्ज-वाहिया करता हो ।

नारा संपत्ति के अर्जन के संबंध में को**ई भी आक्षोप:**---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थाकत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास निकास में किए जा सकने।

स्पष्टिशकरणः ---- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा ज। जस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

2, हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति जो श्राई० ए० सी०, एक्वि० रेंज-3, कलकत्ता के पास 37-ईई/ एक्वि० श्रार०-3/75-एच० के श्रनुसार 2-5-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> णेख नईम्हीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, कलकक्ता

नारीख: 20-2-1986 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकता

कलकत्ता, दिशंक 10 नवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/एक्यू०-आर०- 3/कल०/1985-86/2069-भतः, पुन्ने, गोख नईमुदीन,

कायकर प्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 24 है तथा जो रिजेन्ट पार्क, कलकत्ता में रिथत है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीक्ररण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय बाबा यबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित भे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त वीधीनव्म के बधीन कर दोने के जन्तरक के वादित्य में कभी करने या उससे क्यमें में सुविधा थे हैंतस; और√या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आदितयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वाप प्रकट नहीं किया गया था या किय। काना साहिए था, कियाने में सुविधा भी लिए;

बतः वन, उनल नरीभीत्यम की भारा 269-ग के बन्तरण में, में उन्त निभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नभीत् ::— 1. मै॰ प्रेसमान प्रोपर्टीज लि॰।

(श्रन्तरक)

2. मै० इंडिंज कार्पोरेशन इं० लि०।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अवधि या तत्यं ग्रंथी व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अवधि , जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट क्वित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इत सूचना के काषपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स सिवित में किए वा बकोंने।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गडा है।

### नन्त्रची

पता-24, पार्क रिजेंट, कलकत्ता-40, दलिल नं**०** 1985 का 37-ईई/एक्विं भ्रार०-3/85-86/100।

> शख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- 3, कलकत्ता

तारीख: 10~1-1986

# इक्ष् बार्ड, ही. एन . एच . ------

अ। यकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की)। भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

### STEE SERVE

श्रावांत्रय, नहायक वायकर नायुक्त (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज-3, कलकला

कलकसा, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०क्यू०/रेज-3/कल०/85-86/2070---श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रणान् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो रोनान्ड रोड, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान शितफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बत-रिती (बंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में अस्तिक रूप से कांचन नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः. उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों करें चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा से सिक्स हैं

कतः जब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग कै जनसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) चे वधीन जिस्तिचित व्यक्तियों, वचीत ट—— 1. मैं दामोदर रोपवयोज कन को प्रा० लि । (अन्तरक)

2 श्री नरोन्द्र कुमार, के० मेहता।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

रक्त सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जवल बिभिन्यम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में विकार नया है।

### अन्स्ची

ष्लाट 3652 स्क्ये॰ फुट, पता---2, रोलान्ड रोड, कलकसा, दलिल सं॰ 1985 का 37-ईई/एक्वि॰ ग्रार॰--3/ 691।

> गेख नईमुद्दीन सभम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारीखा: 10 -1-986

मोहरः

# प्रकार भार्द . दी . एन . एच . -----

ा. श्री ग्रमर नाथ चटर्जी

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती राखी चक्रवर्ती।

(ग्रन्तरिती)

**बाधकर ब्राधिनियम,**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### नारत तरकार

कार्यांस्य, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-3, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 10 अनवरी 1986

निदेंग सं० ए० सी०/रेंज-3/कल०/1985-86/2071-→ झत: मुझे, शेख नईम्टीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-सः से सभिक हैं.

और जिसकी सं ए/93८/एन०/1/बी० है तथ जो राजा एम० सी० मिलक रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 24-5-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के ध्रयमान प्रतिफस के निए अस्पित की गई है जौर बुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, अथके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और बंतरक (जंतरकों) और अंधे रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरक के निए तम पाया क्या प्रतिकत किम्निवाचित उच्चेष्य से उक्त वंतरण निवित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बाबत, उकत स्थितियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के स्थितियम के कभी करने या उससे बचने में स्विका से सिए; गर/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्म वास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारं प्रकट नहीं किया जया या किया बाता चाहिए था, डिपाने में स्विका के किया।

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षक के जिल्ल कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूच्या के राजप्त में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, वो बी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्टीच वें 45 दिन के भीतर उत्तर स्थातर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयाकिरण :—इसमें प्रयुक्त वस्यों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विशा गवा है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 8 (3रा फ्लोर) ब्लाक नं० एच/1, पता—  $v/96/v=^1/4$ ि०, राजा एस० सी० मिल्क रोड, दलिल सं० 1985 का 4393।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, कलकत्ता

प्रतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण के अनुकरण में मैं, सक्त विभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीत, निम्नेलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख: 10--1-1986

प्ररूप बाह्र ती. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी० रेंज- 3/क्ल०/1985-86/2072--ग्रतः मुझे शेख अईमुदीन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके परभात् '**उक्त अधिनियम' कहा गया **ह**ैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रत. में अधिक है

और जिसकी मं० 4 है तथा जो ग्लक नं० 12, डब्ल्यू० जैंड० ए० (ग्रार०) यादवपुर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीक 20-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति क उपित बाकार मृल्य से साम के उपवजान प्रशिष्ण ल के सिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मुक्ब वसकं इत्यमान प्रतिकल से, एमें इत्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरियों अन्तरितौ (अन्तरिधियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब भाषा गया प्रतिकक्ष, निम्नलिखित उपविषय से उक्त अन्तरण लिचित्त भें वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा को लिए; बरि/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर्बीधीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत ीराम्नलिसित व्यक्तियाँ, संसति :---54--446GL/85

1 श्री हरसित कुमार घोष।

\_ \_ . . .

(भ्रन्तरक्)

2. श्री रविन्द्र मोहन देव।

(अन्तरिती)

को यहस्यना अगरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सरवन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजग्रंथ में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य म्यक्ति खवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

**श्यव्यक्तिरण:** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गगः हो :

### धन्म् ती

फ्लैट नं 1, ब्लाक मं 12, डब्ल्यू० जैड० ए० (भ्रार०), पता--धाना यादवपुर, कलकत्ता, फासे- 4-की०, गल्फ ग्रीन श्रारवान कमप्लरक, दलिल सं 1985 का 42581

> शंख नईमहीन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -3, कलकत्ता

नारीख: 10 - 1 - 1986

# अस्य नाइ.सी.एन.एस.-----

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन सुमना

#### KITO EVENT

# कार्यासय, सहायक वायकर भाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3. कलकता

प्कलकक्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश मं० ए० मी०/र ज-3/कल०/1985-86/2073---ध्रत: मुझे, शेख नईम्हीन,

जायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- व के अधीन-सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समेचि, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं। जो बालिगंज सरकुलर रोड,

कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस् में और पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में, रिजल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 16-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के तिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिखत से जिथक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वर्षण से उम्त जन्तरण निम्नसिवित उद्वर्षण से जम्तरण निम्नसिवित उद्वर्षण से जम्तरण निम्नसिवित उद्वर्षण से जम्तरण निम्नसिवित अद्वर्षण से जम्मसिवित अद्वर्षण से अपनिवास स्वर्णण स्वर्यं स्वर्णण स्वर्णण स्वर्णण स्वर्णण स्वर्णण स

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, अक्त विभिनियम के अभीत कार देने के अन्तरक बी दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के जन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० मादस उद्योग।

(ग्रन्तरक)

2 मै० जबेन्ट प्यान्ट कमेटी।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना बारी करके प्राँक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के कर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश थे 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृंबारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और ५दों का, जो उक्त अधिनिवन के अध्याव 20-के में सभा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुमुची

फ्लैंट नं० 4-ई० (4था फ्लोर), 1238 स्क्वे० फुट पत(--20, बालीगंज, सरकुलर रोड, कलकत्ता दलिल सं०-1985 का 728।

> शेख नईमुईीन् संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रामुक्त रेंज-3, कलकता

नारीखा 10-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-3, कलकना

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश मं० ए० मी०/रेज-3/कल०/1985~86/2074—-श्रत: मुझे, शेख नईमुदीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 2 है, तथा जो मोनडेमिला गार्डेन, में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाँणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1985 का पूर्वीकृत मम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान

(1908 का 16) क अधान, तरिराख 17-5-1985 का प्रविक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदूर प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहृष्टं किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधां के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अबं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात्:—— 1. श्रीमती लिनिका देवी

(ग्रन्तरक)

2. श्री कानवारि चौरससिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वीकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां कारता हों।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी बाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मं 30 दिन की अविधि, जो भण अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो भर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन कर्ष सारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्मनो

फ्लैंट नं० 8-ए का 1/3 भाग (8वां फ्लोर), पता— 2, मानडेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता, दलिल मं० 1985 का 7310।

> णेख नईभुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकला

तारीख: 10-1-1986

# प्रकथ आई.डो.एन.एस.-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. कलकता

कलकसा, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेण सं० ए० मो०/रेंज 3/कल०/1985→86/ श्रत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० 50-ए. 50-बी है तथा जो गरचा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में आंर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्वि० रज-3, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 1-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरमाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उथ्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित ही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, अवत विधिनियम की धारा १४,०-ध की उपधारा (1) या अधीर जिन्नोकिस्ति अवस्थि अधीर् .--- 1. श्री सुरजीत कादर और ग्रन्यान्य।

(मन्तरक)

2 मैं भाल्टिफिन कान्सल्टैंट्रम लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबएथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं जब्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

50- ए, 50- बी. गरचा रोड, कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति जो श्राई० ए० सी०, एक्वि० श्रार०- 3, कलकत्ताके पास 37- ईई/एविव० श्रार०- 3/749 क श्रनुसार 1-5-85 तारीऊ में रजिस्ट्री हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1985

# प्रकण बाइ .टी . एन . एस ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

क/यंतिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश मं ्राष्ट्र सी० रेंज-3/कल०/85-86/2076--श्रत मुझे, शेख नईमृदीन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 192 है तथा जो मी० प्रार० टी० स्कीम , VIII , कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रमुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एस० प्रार० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-1985

कर पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुफ्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का तन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिचित में गास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्त आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निध्निनिधित प्रानित्यों अधीत :--- ा श्री मुकुल कुमार राय चौधुरी।

(भ्रन्तरक)

मै० लाभदा प्रोपर्टींच प्राडवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाकित सम्पतित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी माध्येप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाचर सम्पत्ति में हित• बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थय्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनस्ची

प्लाट नं० 492, सि० ग्राई० टी० स्कीस, एरिया 4 काटा 7 छटांक, 2990 वर्ग फिट, डीड नं० I-7833 के ग्रनुसार 28-5-1985 में कलकत्ता रजिस्ट्रेणन ग्राफिस में रजिस्ट्री हग्रा।

> गेख नईमुदीन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- 3, कलकसा

तारोख: 10-1-1986

प्रकृष बाहे. टी. एन. एइ. ------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सुवना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक खायभार सायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रोज-III, कलवत्ता कलकत्ता,दिनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश मं० ग्राई० एकवीहरोंत-3/85-86/2077---ग्रतः मुझे, शेख नईसुद्दोन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्यास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकता में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्रीवर्ता अधिरात्री के वार्यात्र, सक्षम प्राधिवारी में, रिजर्ट्रीत्रण श्रिक्तिम 1908 (1908 का 16) के अधीर, विशंत 1-5-85

कते पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरमभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके धरममान प्रतिफल से, एसे धरममान प्रतिफल का रम्ब्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के निए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण किस्तित में बन्तरिविक रूप से किथा नहीं किया गमा है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसम अभने में स्विधा के निरुए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) कि प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

बात. अब, अक्त अधिनियम की धारा 264-ग के अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 264-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत क्ष्म (1) श्री विजय कुमार अग्रवाल

(ग्रन्त्रक)

(2) आलमोल फाउंडेशन ग्रीर अन्य।

(ग्रन्भरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्बन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

### प्रवृत्रुको

1003 वर्गफुट, श्राट तत्ला, 2/7 सरन बोस रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-85 में रिकस्ट्रीकरण हुआ हैं।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहासक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक : 10-1-1986 मोहर : \_\_\_\_

# 

**बाबकार अधिनियम 1961 (1961** का 43) की पारा 269 व (1) के अधीन स्**ब**ना

### मार्ग सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दाक्त)

श्रजीन रोज-३, क्लक्सा

क्लकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निर्देण मं ए० ए० सीकि रेड-शिवल (85-86/2078--ध्रत: मुझे, शेख नईम्होन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विव इस्में इसके प्रकास 'प्रकृत अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा

इसके परधात् 'डजत अधिनियम' कहा गया हैं), कौं भारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास र रने का कारण है कि स्थानर सम्मरित, जिसका उचित बाजार नुन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिस्की ग० 32/1 है तथा जो लांस्डाईन रोड, बलवत्ता-20 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्धुची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्रीवर्ता श्रीधनारी के वार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजिस्ट्रीवरण श्रीधित्रम, 1908 (1908-16) के श्रधीन, दिनांक 1-5-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमन मितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एचे दृष्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्नितिचित उच्चेक्य से उक्त कन्तरण विचित में वास्त-

- (क) अन्तरक से शुद्र किसी भाव की वावतः, उक्क अधिनियम के नधीन कर योगे के जन्तरक वा अधिरूष में कभी करने या उससे वचने में भ्विधा ले किए: और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्तं अधिनियमं की शारा 269-गं के अनुसरण वं भ्रा नक्तं अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के क्षीन, निम्नितिकित स्पृतिकारों, वर्षांत क (1) मिगमा प्राप्यवेट लिभिटेड ।

(अस्त्रः)

(2) र्थाः मी० सार्यासाहा।

(भन्धरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

अथव संपृतिल के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की जत्रिहा, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, को उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हा, बही कर्य होगा का उस अध्याय में दिया सबा है।

### ग्रनुसूची

्राध्य नं ० ए-५, छ: तत्त्वा, 1015 वर्गफ़ट, 39/1, लॉसडाईन रोड, कलकत्ता-20, सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-85 राजस्ट्रेशन हमा ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक कायकर अ(युक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-3, कल हला

दिनांक 10-1-1986

प्रकर बाह<sup>र</sup>े टी. एवं. एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (1) के अधीन स्थना

#### भारत चहुकार

# कार्यासय, सहायक बावकर आव्कः (निरक्षिक) श्रार्जन रोज-3. कुलकृता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी० वयू०/२३-३/व्ल०/85-86/2079— ग्रतः मझे, शेख नईमहीन

बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतको परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हों), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरन बोस रोड, कुलकत्ता में स्थित हैं। श्रीर इससे एए।बद्ध अन्दुची में श्रीर पृणं रूप मे विणित हैं), रिक्स्ट्रीवर्ता श्रीधकारी के वार्यालय, रक्षम प्राधिकारी में, रिक्स्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, दिनांक 10-5-85

भो प्वांचित सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य सं कम के व्यवनान प्रतिकाल के लिए मन्तरित की गई है जोर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यांवित सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, जसके दायमान शांतिफल से एक्ते इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतिकात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीज एक्ते अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित बें बास्तविक कप से किंवत नहीं किया नया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वावत उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिएंट्र वरि/या
- (अ) एसी किसी नाय या किसी वन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने जें स्विभा की निए;

कतः यद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण वा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) बसुन्धर। प्राप्टींज प्रा० जिल

(अन्त्रकः)

(2) श्री श्याम सन्दर फतेप्रिया

(ग्रन्तरिर्ना)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपेन के लिए सार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इत क्षमा के रामपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की विषयि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की सविष, जो भी सविष् बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस प्रवा के रावपत्र में प्रकार न की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विस्थ किसी कस्य व्यक्ति द्वा?। अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी ।

स्वक्रीक हुन :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विभिनिषम, के नभाग 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया वक्त हैं ॥

#### अगसची

10 तल्ला, 2/7, सरन वोप रोड, कुलकत्ता, सक्षमः प्राधिकारी के पास 10-5-85 तारीख में रकिस्ट्रेशन हुन्ना।

> णेख नईमहीन्,≻ सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकण ग्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजेन रोज-3, कल क्ला

दिलांक : 10-1-1986

# प्र**क्षम् का<u>ह् , हर्ते , इन</u> , एवा** ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) से बधीन सुचना

#### मार्ठ बर्कार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षक)

**ध्रर्ज**न रेंज-३, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निवेश सं० ए० सी० न्यू०/रेंज-3/क्ल०/85-86/2080---

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्तम प्रतिभकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

भीर जिसकी मं० 7/1-वी है तथा जो रे० ई० मी० पार्कं० कलकत्ता में स्थित है (ग्राँर इससे उपावद्ध ग्रनसूची में ग्राँर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकहाँ ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी मों, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृज्य से कम के रूपमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृज्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फस, चिम्नीलियत उद्वेश्य से उनत अन्तर्क मिणित में वास्त-फिक रूप से कथित नहीं किया यथा है है—

- (क) नन्तहम ते हुए किती नाव की वावत , उक्त सीर्वनिषय के सबीप कर दोने के मन्तुरक के शियरन के कामी करवे या सन्दर्ध वृत्तने में सुविका के स्मिए; श्रीव/का
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य जास्तियों करें, विकार आर्दीय जाय-कर जीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्कर अधिनियम, या धन-कर जीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने जें स्विधा के लिए;

- (1) मुपित को-म्राप० हाउसिण सोमाइटी लि० (ग्रन्तरक)
- (2) ईबूर सी० के० इन्दर।

(मन्तरिती)

स्त्री बहु सूचना जारी करके दुवाँक्त सम्महित के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

#### बच्च बन्धारित को बर्चन की बन्धन्य में कोई भी आक्रोप १०००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत स्वता के राजपण में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्य स्थावत द्वारा अभोइस्ताकरी के पाध सिच्छ में किस् या सकेंने।

स्थानीकरुण्3--देशमें प्रवृक्त सम्बो नार स्थो मा, जो उत्तर वृत्तिनुषम के बच्चाव 20-क में दरिशानित है, बहुत वर्ष होता को उत्त बच्चाव में दिया नवा है।

## **प्रमुस्**ची

फ्लैट सी/4, 7/1-बी, रेईनि पार्क, कलकत्ता-17,सक्षम प्राधिकारी के पास मई, 85 में रजिस्ट्रेशन हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षम) श्रजन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-व के वनुसरण के, में, उक्त विभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वे वाधीन. निम्निसिवित व्यक्तियों, शर्चात् म— 55-446GI/85

दिनांक: 10-1-1986

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) में मधीन सुम्रा

#### CIZO SZPII

# व्यक्तिय, तक्षायक मायकर मायुक्त (रिनरीक्राय)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० **क्यू**०मी०/रेंज-3/कल०/85-86/2081—— অন: मुझो, ঈख ধर्मुहीन

अध्यक्षर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असको परमात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का स्राध्य हैं कि स्वावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,090/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2ई है तथा जो राधा कुमुद सुखर्जीसरिन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-5-85 को वृश्रीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से क्रम के दृश्यकान शिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कुम के दृश्यकान शिक्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके अवसाब प्रतिकृत से, एके अथवान प्रतिकृत का नक्त प्रतिकृत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ प्रया गया प्रतिकृत, निम्नितिस्त उप्योच्य से उक्त अम्तरण मिन्नत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, अब न बाँधिमियन के बसीन कर कोने के अन्तरक औ धायित्य में कनी करने या उससे विश्वने में सुविधा और सिष्; को दु/का
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका के विद्धाः

भतः अभ. उन्त अधिनियम की धारा 269-व को अनसरण भे, भी, जक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) को अधीन, जिल्लीलिख व्यक्तियाँ अभीन ;--- (1) श्रीमती शॉति चट्टोपाव्याय

(अन्तरका)

(2) श्री जैमिलि कुमार बमर्जी

(अन्तरितीः)

चौ स्त्रु शूचना जारी करके पृत्रोंका सम्पत्ति की अर्थन के शिक् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

#### वनस बन्महित के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 विन की नविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 विन की अविश्व जो भी व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राज्यत्र में प्रकाशन की हारीज सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के शस लिखित में किए जा सकतें ।

स्पष्टीकरण --- ६समें प्रयुक्त स्वयों और पद्यों की, जो उक्ट सिंधितयम, के अध्याय 20-के में यथा परि-भाषित हीं, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **ब्रनुसुची**

4 काठा जमीन, 2ई, राधा कुमुद मुखर्जी सरित, कलकत्ता -19 स० र० ए० के पास, 24-5-85 में रिजिस्ट्रेशन हुआ। दलील मं० 7775।

> णेख भईमुद्दीन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्ष**र्ण**) अर्जनरेज-3,कलकत्ता

दिनांक: 10-1-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

1961 (1961 का 43) की **धा**रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986 देश सं०ए० सी०क्यू०/रेज-3/कल०/85-86/2082—— अत: मुझे. शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1/121 है तथा जो गरियाहाट रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रांत इसमे उपाबद्ध अनुसुची में श्रांत पू रूप में विणित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्याल स०२०ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के जभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभित्:-- (1) म० बी० इन्टरप्राइईज

(अन्तरक)

(2) तुषार कान्ति मजुमदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजंब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

चार तल्ला फ्लैंट, 950 वर्ग फट, 1/121, गरिया क्र रोड, कलकसा, स० र० ए० कलकसा के पास 16-5-85 में रजिस्ट्रेशन हुआ। दलील सं० हैं-8248/85

> मेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनां ह: 10-1-1986

मोहरः

प्रकृष् आहे.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलफंसा

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निधेश सं० ए० सी० क्यू०/कल०/85-86/2083---अत मुझे, शेख नईम्हीन,

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000∕- रऽ. से जिथक है

मीर जिसकी सं० 302 है तथा जो नेताजी सुभाष जन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स० र० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, स० र० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिकायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-5-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्यदेश से उक्त अन्तरण कि बार विवा में बारतिक रूप से कि बात नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अमरेन्द्रनाथ गोस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री तुपार कुमार घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पाका करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

3 तल्ला फ्लैट, 735 वर्ग फुट, 302, सुभाष चन्द्रबोस रोड, कलकत्ता।

दलील सं० 1985 की 4442. स० र० ए० के पास 27-5-85 में रेजिस्ट्रेशन हुआ।

> णेख नईमुद्धी<del>न</del> सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 10-1-1986

# इस्त<u>्</u> वार्ष्<sub>ः</sub> टी, युन्<sub>ः</sub> एउ., ---न

(1) मिनमा प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयेस क० भौरा।

(अन्तरिती)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत तरकार

# भारतीयन, बहानक नानकर नान्तक (निर्वासक)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० **एम्बी** ०/रेंज-3/कल०/85-86/2084---

अतः मुझे, णेख नईमुद्दीन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया ही, की भारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नावार मूख्यः 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 39/1 है तथा जो लांसडाउन रोड, कल ब्ता-20 में स्थित है (स्रौर इससे उपाब द्व अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्धास करने का कारण है कि यभागूबेंक्त तीपित्ति का जायत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिभेत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बावा पदा प्रतिकास, विकासिक्स स्वयंक्त से उच्छ अन्तरण विश्विक में बात्त्विक रूप से कृषित नहीं किया जया है ——

- (क) नंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक औ दावित्य में कर्नी कहनें ना स्वासे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्त्यां को, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वतः विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योज्ञार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिनों में सुविधा के सिए;

सता स्था, उपत काँगिनियम की भारा 269-न से बन्दरण में, मी, उपत अभिनियम की कारा 269-म को उपधारा (1) के अभीन, निम्नीसरिवत व्यक्तियों, अर्थात् १को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के तिए कार्ववाहियां कुक करता हुं।

उपत बंदति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप त-

- (क) इस बुजना के हायपून में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की जनिथ या तत्थं नेथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्षि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिक्ति में किए जा सकती।

स्वच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हिंदसा नमा है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं० एफ-4, पांच तल्ला, 910 वर्गफुट, 39/1 लान्सडाउन रोड, कलकसा-20 सक्षम प्राधिकारी के पास दिन'क 1-5-85 की रिजिस्ट्रेंशन हुआ।

शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 10-1-1986

# प्रक्ष बाह् .टी.एन.एस.------

# भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० **एकवी**०/रेंज-3/अल०/85-86/2085— अत: मुझे, शेख न**ईमु**हीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 132 है तथा जो बलराम डे स्ट्रीट कलकत्ता-6 में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लार्यालय, स० र० ए०, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 10-5-85

को प्रामित सम्मित के बीचत नावार नृत्य से कम की क्यमान प्रतिफर को लिए कन्तिरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि बचाप्योंकत सम्मित का उचित बाजार नृत्य, इसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पेक्स प्रतिस्त से किसत का पेक्स प्रतिस्त से निष्क हैं और जन्तरक (अंतरकों) और जन्तिरती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे क्यारण के तिए तब पाना वर्ण हितकक, विश्वासित उद्योग्य के क्यारण व्यक्तिस्त के विश्वत प्रतिस्ति के वास्तिवक से समान क्यारण किसत के वास्तिवक स्थ से किया प्रतिस्ता ग्वा है र——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने के अंतरक के धायस्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी।, निस्तिशिक्त व्यक्तियों, अधीत् ः--- (1) श्री सचिन्त्रलाल धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निलिमा धर्मन।

(अन्तरिती)

का ग्रह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननुसूची

दा तल्ला ग्रीर ऑिश्क तीन तल्ला, 132, बरवराम ष्टे म्ट्रीट, कलक्ता-6 दलील संख्या 1-6907 दिनांक 10-5-1985

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकार्ट्री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिन**ौ**क: 10-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

(1) श्री चन्द्र शेखर मुखर्जी।

(ग्रन्तरक)

जाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना (2) आर० थार० प्रापर्टी ग्राईवेट लिमिटेड (श्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निर्देश सं० 2086/एक्पू० ग्रार० IH/85-86---यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त िधनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, सह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं 57-बी है तथा जो एस० आर० दास रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 22-9-85

करे पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण व हुइः किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने वा उससे बचने मों मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किनी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1924 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ सन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसर गया हाँ।

#### अनुसूची

2800 वर्ग फुट, 57-बी, एस० भार० दास रोड, कलकत्ता-26, दलील सं० 7916, दिनांक 29-9-85

> शेख नई मुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण). श्रजैन रेंज-3, एलक्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 10-1-1986

प्रक्षम् आर्चः टी. एन. एचः 🗷 - -

याथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं धारा 269-क (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय , सहायक वायकर नायुक्त (निर्दाक्तिक)

मर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेण मं० 2087/एक्यू० आर०-III/85-86--यतः मुझे, शेख नईम्हीन,

कायकार ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गमा है'), की भारा 269-च के मधीन सभम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीप जिसकी सं० 5 श्री है तथा जो सपत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित है), प्रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी कलवत्ता में रिजस्ट्रीक्रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 1-5-1985

को प्वांवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथाप्वोंक्त उम्मरित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एवे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रशिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अम्तरकों) और बन्तरित (जन्तरितवों) के बीच एवे बन्तरूज के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निक्यितिविच अद्वेदन से दश्य कन्तरूज निल्ला की सिंह कर्म विश्व में अस्तिविक रूप से क्षित नहीं किया गया हैं:—

- (क) नक्तरण से हुई किती भाग की वायतः, उक्त नीपनियन के संधीय कर दोने के बन्तरक के खिल्ला में कमी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा चे निएक शोद्ध/पा
- (अ) एंसी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ब्रिंबधा से निए;

अतः अव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-न के बनुसरण में, मीं, शक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः निम्निणिखित व्यक्तिस्त्रों, अभीत् :--

- (1) मै॰ ग्रार॰ पी॰ ग्रागरवाला ग्रोर बादर्स (पीं॰) लि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बी० के० श्रागरवाला श्रोर श्रन्य। (अन्नरिती)

को यह त्वना जारी कार्यके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उनत सम्मत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से
  45 दिन की जबीच या उत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  व्यक्तियों में से किसी अमीकत द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः—-इसमे प्रमुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याव 20-क में परिश्राविद हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किय वक्ष हैं।

# वर्ग्यू ह

पर्लंट नं० 12ए, 2612 वर्गफ़ुट, 5बी, सरत बोस रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास दिनांक 1-5-85 में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) प्रजिन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक: 10-1-1986

नोहर :

प्रकृप भार्ड . टी . एन . एस . ------

जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० 2088/एक्यू० भार०—III/85-86——भतः मुझे, शेख नईम्हीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1.00,000/- छ। से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की सं० 7 है तथा जो गृहसदय रोड, एलक्ता-19 में स्थित है। (ग्रीर इसमे उपायब ग्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधवारी के वार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलक्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 1-5-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का फ्लाइ प्रतिशत से आधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंत-रिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उन्त अंतरण शिक्ति में बास्तविक रूप से कथिब नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उपल जीव-नियम के अधीन कर दोने के शंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के जनसरण वो, मों, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपभाषः (1) के जभीम. निक्तीसीचते व्यक्तिकों सभीहः △ 56—446GI/85 (1) श्रीमती दिप्ती सिंह

(श्रन्तरक्)

(2) श्री श्रिभिषेक मोदी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायक से 45 बिन की अविधि का तत्सम्बन्धी ध्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त आधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विया गया है।

प्लैंट नं० 4, 2 तल्ला, 7, गरु सदय रोड, कुलकृत्ता-19 सक्षम प्राधिकारी के पास दिनांक 1-5-85 को रिजस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3, क्लकत्ता

दिनांक: 10-1-1986

# वक्त बाइं.डी. एन, एवं. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के नधीन क्वा

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्स (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज्-3, कलयत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी,1986

निदेश सं० 2089/एक्यू०श्रार०-111/85-86-- श्रनः मझे. शंख नईमुद्दीन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुल्द 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राप्त जिसको सं० 48 है तथा जो जाली टैम्पल रोड, कलकत्ता-26 में स्थित हैं (ग्राप्त इससे उपाबद्ध श्रानमूची में ग्रीप पूर्ण स्पर्म विणित हैं), पिनस्ट्रीवर्ता ग्रिधिवारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिवारी, तलकत्ता में रिपर्ट्रीवरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 जा 16) के ग्रिधीन, दिनांदा 1-5-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममन प्रतिफल के लिए करारित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वातों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा श्री लिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, फिन्दू भारतीय साय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जन्त नौधिनियस, या धनकर विनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जना चाहिए था, क्थियने में सुविधा के सिए:

मुख्य जन, बन्त गाँधनियम की धारा 269-न से अमृतरक भेंद्र में उन्त गाँधनियम की धारा 269-म की उपधान (११ के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) मास्टर बिल्डर्स।

(श्रन्तरक)

(2) श्री तरित कुमार वनर्जी ग्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

कां वह सूचवा बादी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत तुमना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूमना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भं अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तिता में से किसी स्थित ब्वास्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द स्थावत द्वारा विशोहस्ताक्षरी के पार तिबित में किए का सकोंगे।

स्वक्किरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त स्थितियम के कथ्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष कोगा, जो उस कथ्याय में दिया समा हैं।

#### अभूस्ची

फ्लैंट नं० 3-सी, 4 तल्ला 1187 वर्ग फुट 48 काली टेम्पल रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-85 में रजिस्ट्रीकरण हुन्ना।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकरिंग सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक: 10-1-1986

मोहरः

#### प्रकृष बार्ड . दी , रुग् , एड् ,-------

# (1) क्रार०कार श्रौर एसोसिए**ट**स।

(अन्तरक)

(2) श्री जयदेव साहा।

(ग्रन्तरिती)

# बायकर विधितियुव, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बचीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० 2090/एक्यू०/ग्रार०-III/85-86--ग्रतः मुझे शेख नईम्हीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 180 (ए श्रीर बी) है तथा जो रास बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूपी में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक 1-5-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मून्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (जंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नुसिच्ति उनुविद्य से उच्य अंतरण मिचित बें बास्तुबिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरुष वे हुए दिस्ती यात्र भी वाव्य , उक्छ महित्युत के मुनीन छाड़ योगे के बन्दरफ का बाह्युत को कती करने वा कहते व्यन को सुनिया को विष्टु: आंक्र/वा
- (वा) एसी किसी भाग का किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियान में सुविधा के निहर;

कतः, वव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के जर्बन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

# बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्मन्थ में कोई भी माक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की जनींच या तत्सम्बन्धी न्यम्तियों वर सूचना की दानीन से 30 दिन की बन्धि, वा भी बन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स स्पित्तयों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकरों के पास निचित में किए या सकते।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कवा बीड पर्वो का, को उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, दही वर्ष होता, को उस बध्याय में दिवा व्या है।

### प्रनुसूची

फ्लैंट नं० बी-1, 754 वर्ग फुट, 180 (ए० ग्रीर बी) रासमिहारी ऐवेन्यू, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-1985 में रिजिस्ट्रीकरण हुन्ना।

> णेख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, कलकत्ता

दिनौंक: 10-1-1986

प्ररूप आही. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### बारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकसा

कलकत्ता, दिनौंक 10 जनवरी, 1986 निद्रेण सं०ए०ए०सी ०/रेंज-3/कल०/ 85-86/2091~~ भातः मक्षे, शेखनाईम्हीन,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 46/3/बी है तथा जो यादवपुर सेंट्रल रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक 6-5-1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के जीवत बाबार मूख से कम के अवकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बह विक्वाम करने का कारण है

कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से किथक हैं जोर अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिचित उक्य के उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के दायित्व में कमी करने या उत्तक्षेत्रका में सुविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) स्लाब बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्थमल भट्टाचार्य।

(अन्तरिती)

नवं यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यशिक्ष्यां करता हुं।

डक्त संबंदित के अक्बीन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिष या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिष, को जी अमिष बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वेक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र को प्रकावन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर तज्यित को हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सकोंगे।

स्पन्धिकरण :---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

#### वन्स्ची

फ्लैंट नम्बर 1, दो तल्ला 46/3/बी, यादवपुर रोड, सेंट्रल, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 6-5-1985 में रिजस्ट्रीकरण हुन्ना।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक 10-1-86

# प्रकृष कार्ड . वी . एन . एस . -----

भाषा थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 10 जनवरी, 1986

ि सिर्देश सं ० 2092/ए**स्**यू०न्नार०-Ш/85-86--अत∶ मुझे, भेखा न**ई**म्दीन,

सायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उकत अधिनियम' अञ्च गया हैं), की भार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2/1-ई है तथा जो टाउन मेंड, रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक 1-5-85

का प्रवेशत तम्मित के उचित माजार म्स्य सं काम के स्वयमान्
प्रतिकाल के निष् अंतरित की गई है और मुक्ते वह निक्तात करने का कारण है कि सभाप्योंबत सम्मित का उचित वाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रांतपान म, श्री काममान प्रांतपान का निक्त संविचत से मुख्यि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितियाँ) के बीच ऐसे जंतरन के जिए तय पाया गया प्रति-क्य निम्मितिथा उच्चेत्व से स्वत मंतरन विचित में गास्तिक क्य के किया वहीं किया यथा है अ--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रवह महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधार (1) के अधीन, निक्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्लाव बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेन्का मुखर्जी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

चनत सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बार्लन :---

- (क) इस सूचना के राजभन्न को जाशी से 45 दिन की अविध या तत्त्रं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेने।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### मनस्यी

प्लैट नं० 1, 2/1-ई, टाउन सेंड, रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-85 में रिजस्ट्रीकरण हुम्रा।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,कलकत्ता

दिनाँक: 10-1-1986

मोहरः

प्रका बाई ु टी, एन, एस, -------

नायक उनिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन सुचना

#### भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं०२०९३/एक्यू०मार०-III/85~86--म्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 18/2 है तथा जो गरियाहाट रोड, कल उत्ता में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबंद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 10-5-85

की प्रांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृश्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिपास का पस्तद् प्रतिचत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच हो अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेस्य से उसक अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किनत महीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक वो दासित्व में कमी करने वा तससे वचवे में सुविधा के लिए; बॉडि/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ जन्मीरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया ना दा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा ने जिए;

वदः भ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निक्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)श्रीमती नीरजा रातेरिया।

(भ्रन्तरक)

(2) बी० के० प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह तूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इंत सूचना के राज्यत्त्र में प्रकासन की तारीच ते 45 दिन की जबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, चो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सक्ति।

स्वष्यक्रिरण:—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उपर वीधनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया पदा ही।

# **प्र**नुसूची

फ्लेट नं० 3ई, 7750 वर्गफुट, चार तल्ला 18/2, गरियाहाट रोड, कलकत्ता-19 सक्षम प्राधिकारी के पास रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> भेखा नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनौंक: 10-1-1986

गोहर :

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3. कलकसा कलकत्ता, दिनाँक 10 जनवरी रे1986

निदेश सं ० एम ०ए ० सी ०/रेंज-3/कल ०/85-86--2094--श्रतः मुझे, शेख नईम्हीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनकी सं. 253/सी/1, है तथा जो मेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 14-5-85

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हों भारतीय अायकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को . प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अर्तः अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) स्लाब बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप भरकार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उम्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक तल्ला 253सी ०/1, नेताजी सुभाष चन्द्र बोम रोड. कलकत्ता-47 सक्षम प्राधिकरी के पास 14-5-85 में रजिस्ट्रीकरण हुम्रा।

> शेख नईमहीन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनौंक: 10-1-1986

मोहरः

प्रकृष बाह्रौत दी तु एत तु एस तुल्लाकरण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) की बधीन स्वना

#### भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक ब्रायट्सर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कशकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं०एस० ए० सी०/रिंज-3/कल०/85-86/2095— श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस एसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ं69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,35.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 31 है तथा जो राजेन्द्र रोड, कलाना में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, स० र० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनाँक 18-5-85

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में नाम के लिए तम के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्यरम से हुए फिसी आध को सावन जक्त और जिस्स के जभीन कर दोने के जन्सरक के वादिएवं में कभी करने या उससे अवने में स्थिपा के जिसे, बीस्ट/सा
- ्रीयो किसी वाय वा किसी धन अन्य जास्तियां को, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्न कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) म अधिकार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रयद्ध नहीं किया अधा वा या किया चाना चाहिए था क्रियाने में गुन्तिका के चित्रा

वतः वंव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण वी, पी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अर्धान, निक्तिविश्वत व्यक्तियों, वर्कत् 2--- (1) कुन्डलिया फैड्गिन।

(स्रन्तरक)

(2) ग्ररिहन्त कोग्रापरेटिव हार्जीसम सोसायटी लिमि ० (श्रन्तरिती)

को यह युवना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मात्त के अर्थन के निए कार्यजाहियां कारता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध् में कोई भी बाकोप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हार,
- (स) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यें

स्पाक्षीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवतः अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूगा हैं॥

31 राजेन्द्र रोड, कलकता, स०र०ए० के पास 18-5-85 दिनाँक में राजिस्ट्रीकरण हुमा । दलील सं० न०।-7391 1985

> शेख नईस्द्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कल-इता

**दिनाँक**: 10-1-1986

मोहर

मास्य अहाँ ही भूग एप 🕡

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (६) के अधीन सचना

(!) किञ्चा कोत।

(श्रन्त(रक्ते)

(2) भी अध्यक्षत गल ।

(ग्रन्ति)

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 10 जनवरी, 1986

निदेश मं० ए० ए० सी०/रंज-3/कल०/85-86/2096---श्रनः म्झे, शेख नईम्हीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्पी पक्चत् 'उक्त अभिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य

1,00,000 ∕ - रुः. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 41/ए, है तथा जो चारु चन्द्र एवेन्यु, कलकत्ता-33 में स्थिन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्युची में न्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), गठ रठ एठ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और पुको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रितो (अर्न्तरितयोः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारत गया प्रतिफल निम्नलिखित उ**द्देश्य से उक्त अन्तरण** लिखित में वास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविभा के लिए।

को यह सूचना ारी करके पूर्वीयन सम्भात्त के अर्जन के लिए कार्यवादिया करना हो।

उत्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांर्र भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध वा तत्संबंधी व्यविद्धां पर त्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो **भी** अपिध बाद में उमाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में भ किसी व्यक्ति दवारा:
- (ध) इस स्वना है राज्य े पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जन सरागर सम्पत्ति सो हित-उपन रिक्सी अन्य व्यास्त दवारा, अधाहरताक्षरी के पास निर्मासन में किए जर नेकीं जे।

स्पष्टीतःरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अधार के दिया गया है।

#### **श्रन्**भूची

फ्लैंट नी०-6, दो भल्ला -41/ए, पाष्ट सन्द्र एवेनियू, कलकता, ७० ए० ए के आफ, दिर्गंक 15-5-1983 में रजिस्द्यान हुआ। दलील संख्या 404!

> णेख नईष्टीन ाक्षम मानिकारी रहात्रय पास्तरण क्राप्तर (तिरीक्षर) ारीक शिक्तास्त्र, कर**स्वा**

जर अब, उपन द्रिपिनियम की धारा 269-ए क्षे अनस्रण पं, माँ, उबद र्ींशनियम को भाग 269-घ को उपलाल (1) ारिक विकास विकास विकास के अर्थात् :----57--446GI/85

faits 10-1-1986 मोहर

प्रारूप आई. टी. एव. एउ. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, महाग्रङ कायकर कायकः (निर्दाक्तक)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 10 जनवरी, 1986

निर्नेश सं० 2997/ग्राई०ए०ए० सी०/ग्र०रॅज-3/85-86── ग्रतः मुझे, शेख नईम्होन,

भायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिस्तास अपने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित अखार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 27 वी है तथा जो मूर एवेंन्यू, जलकत्ता-40 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 85

को पूर्वांक्छ सम्मिति के विजित बाजार शृह्य में कम से छाराभाव प्रतिफान के निए अन्तरित की रहें हैं और युकों वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंक्ड सम्मित का दिवस वादार बृज्य, उसके दवयमान प्रतिफान को कि विश्वास प्रतिफान के कि विश्वास प्रतिफान के उन्दर्शन से अर्थित से अधिक हैं और विश्वास कि (आतरकों) और अन्तरित (अन्तरित से अधिक हैं और विश्वास के विश्वास के विश्वास के प्रतिकार के प्रतिकार के विश्वास के प्रतिकार के अर्थित विश्वास के अस्ति के अस्ति विश्वास के अस्ति के

- (क) कन्तरण सं हुई किन्द्रा शिल की श्राबस, उक्स जापिएयम के जबीन हर देने के जेंद्रक ले रामित्य में कभी करने या जसले सचने में स्थिता प्रात्तर, मोरास
- ाक) एसी किसी अभ या किसी थन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा अवल अधिनियम, या धन-कार अधिनिया, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अंतरिती दुनारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना वरहित था, फिलाने औ स्थितन

शब्दः व्या उक्त विभिन्निम की थारा 269-ग की अनुसरण के, में, उक्त विभिन्निम की भारा 269-ल की स्थापा (1) दे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति हुन्न- (1) औं दीयुक कुमार बीकी।

(अन्तरक)

 $\cdot(2)$  श्री रास दान নি $\mathfrak{g}_{\pm}$ 

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्मित्स के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के एउमाध में कांचे शे वाहोप ;---

- (क) इस स्थान के एकपभ में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बाविच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन को स्विध, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से विभी क्यांतिल हवाया;
- (ब) इस मुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रीहस्ताक्षरी के पाछ निक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त कल्यों लॉब पदां का, वां उक्स अभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाश्यत हैं, वहरें कर्य होंगा हो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

# **ब**न्स्ची

सम्पत्ति जो 17 वी नूर एवेन्यू कलकत्ता में स्थित 7 काठा 2 छटांक 5 वर्गणीठ आप्यतन हा जभीन जो सक्षम प्राधिकारी, सहायस आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सीरियल नं० 37-ईई/एक्यू० आर-3/716 के अनुसार 1-5-85 दिनांक में रिजस्टर्ड हुआ।

> गेष नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी, महायक स्राणका शायुक्त (निसीक्षण) स्रजीन रेज-3 कलकत्ता

हिनां क : 10-1-1986

मोहर 👙

प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनाँक 10 जनवरी, 1986

निर्देशसं० ए० सा*्*रिंज-3/कल्/85-86--2098-ऋतः मुझे, गोख नईम्होन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12/2ए, 12/2-को ग्रीर 12/2सो है तथा जो बालीगंज पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्व है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-, कारी के कार्यालय ए० सी० ग्रीर III, कल० में रजिस्ट्रीं-करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनाँक 1-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री ब्रिध राज भन्डारी एवं ग्रन्यन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं तसं ग्राई० टी० सी० लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

12/2 ए, 12/2 बी एवं 12/2 सी वालिराज पार्क कलकत्ता एरिया शिवधा 7 छटाक एवं 20 वर्ग फूट जो ग्राई० ए० सी०, एक्यू० ग्रार- $\Pi$ , के पास सीरियल 37-ईई/एक्यू० ग्रार०- $\Pi$ /710 के ग्रनुसार 1-5-1985 दिनाँक में रजिस्टर्ड हुग्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक: 10-1-1986

# प्ररूप **बार्ध**, टी. **एन**. **एस.----**अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-रात्ती, कलकरता

कलकत्ता, दिनाँक 10 जनवरी, 1986

निदेश स० ए० ए० मी श्रेंज-III/कल श्र85-85/2099---धतः मुझे, ग्रेंख नईम्हीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उन्त विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिनकी सं० 62/1 है तथा तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कल हता में स्थित है (स्रोर इनसे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रीधकारी के कार्यालय साई० ए० सो० एक् स्थार०-धा, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण स्थितिथम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 2-5-85

कां पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भित्तकल की लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिधित उच्चेष्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिकक रूप से अधिन नहीं किया गया है :---

- (क) जनसर्भ से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मि-ायम के जधीन कर धेमें के अन्यरक के दायिए में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के निए; मौर/या
- (व) एंगी बिल्ही आय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाडिए था, हिस्पाने में स्थिभा के स्थिए;

मा अस्त अस्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो , मा , उसर आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीत है -

- (1) श्रीमती बीना दास गुष्ता एवं ग्रन्यान्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती ऊषा रंजन सरकार। (ग्रन्तरिता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में एकाणन की तारीखं सं 45 दिन की अविध या उत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारांख छं

  45 दिन के भीतर उकत सम्पत्ति में हितबहुध
  किसी अन्य व्यक्ति इदार अधाहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों आंद्र पदाँ आ, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 2(1-क म गरिभाषित हैं, बही जर्थ होंगा जो उन्न अध्याय में दिया गया हैं।

# भनुभूषी

62/1, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता का दूसरा तल्ला का का दक्षिण अंश।

> शेख नईमुद्दोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-धी, कलकत्ता

दिनौं 5 1.0-1-1986

मोहरः

प्ररूप . बार्च . टी . प्रन . एस । = = = =

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाँक 10 जनवरी 1986 निर्देश सं० 2100/ग्राई० ए०सी०ग्रर्जन /रेंज-III/85-86─ ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

कायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 38 है तथा जो लेक गार्डन्स, कैलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्यू० ग्रार०-3, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिकित में पास्तिक रूप से अधिक नहीं दिया बचा है :—

- (क) अन्तरण से हूई किसी बाय की बावह, उक्त अधिनिक्य के अधीन कर देने के जन्तरक के शिवत्य में कभी करने ना उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण बे, यें, उक्त विधिनवन की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) मै तर्स ए० एण्ड ए० डैव तपमेंट्स (प्रा०) लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर एम० सूद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकावन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास निश्चित में किए जा सकती।

स्पध्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याम 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अन्स्ची

38 लेक गार्डन्स, कलकत्ता 45 में स्रवस्थित मकान का एक तल्ला में प्लाट नं० 9 जो भ्राई०ए० सी०, एक्यू० स्रार-3, कलकत्ता के पास सीरियल नं० 37-ईई/एक्यू० स्रार-3/701 के स्रनुसार 1-5-1985 तारीख रजिस्टर्ड हुस्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक: 10-1-1986

माहर 🤢

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सुचना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिशोक 10 जनवरी 1986

निर्वेश मं ० 2101/1 ए० मी० एक्प्यु० आए-3/85-86---यतः, मुझे, शेख भईमृद्दीन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं 2 है तथा जो मन्डेमिला शहर, कलकत्ता में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रीर, पूर्णस्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के बार्यालय एस० आर० ए० कल ज्या में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-85

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए दय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, अवतः अभिनियमं की पारः 269-म के बनुसरभ कें, में, उकत अभिनियमं वा भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(।) श्रीमनी छन्दा भट्टाशर्य

(अस्तर्ह)

(३) श्रीका पारि चार रिया

(अन्त(पर्ना)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के संस्वत्य में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के 'पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् रों, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियो गया है।

# धनुसूची

2, मन्डोमला गार्डेन्स, १० उसा में अवस्थित माधान का 8वां ततना में पनाट नं ० अहा जा 1/3 पा हिस्सा 1385 वर्ग फिट आयलम जाजी कलाकत्ता शिजस्ट्रेशन आफिस में डीड नं ० 1-7309 के अनुभार 17-5-85 में राजस्ट्री हुआ।

> मेख भईमुद्देश सक्षम प्राधिकारी सहाय ६ अ.५२.५ श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वेभ रेज-३, कलकत्ता-16

ारीख: 20-1-86 **मोहर:**  प्ररूप बार्च . 2ी . एक एक . ....

शायकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ছ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालप, तहायक वायकर अध्यक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3 अध्यक्ति का

कत्रकृता- ! ६, विश्वेक 1 ७ जन 🕫 1986

निर्देण मं० = 2/03ए/ए०मी-एकपु० आर-3/85-86--यंतः मुझे शेखा, र्हमहीस

कायकर बिधिनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रीर जिसकी सं 2/7 है । (था जो जान योग रोड, कल कत्ता स्थित है (ऑप उत्तत उताबद अनुसूची में सील पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधि । री के जार्यालय आई० ए० सी० एक्यु० आप-3कन्न० में, रिजस्ट्री करण अधिक्षियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीख 6-5-85

का प्यांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निग् अन्तरिश को गई में गाँउ नुष्ठे यह विश्वास फरने का लाग्ण में कि एकामुबँदित के कि का उवित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल ने एमे दश्यमान प्रतिगत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के निग् एयं पाया गया प्रतिकल, निग्तिसिल उद्योध्य से उक्श सालरण सिवित में वास्तिबक स्य से किशन नहीं किया गग हैं ---

- (क) जन्तरण सं हुंडे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दर्ग के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में स्विधा के लिए; अरि/मा
- (ब) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्योजने देशरा प्रकार सहीं किया गया था विधा अन्य चाहिए था. स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के पर्यंत्र पिल्ली पंचन व्यक्तियों, समिति क्ष- (।) श्री ज्ञानेक्यर पनाद अगण्याल

(अ.स.स.)

(2) श्री डेलिगान होल्डिस निमिटेड

(इ.स.किती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सफींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

2/7 भरत बोस रोड, कवकत्ता में अवस्थित महात का 4था तत्ता में 2153 वर्ग फिट आयतन बगह जो आईएसी, एक्यु-आर-3कल० ने भारा सिन्यिल ने० 37ईई आएक्यु आर-3/55/-85-86 के अनुसार 2-5-85 तर्शीख में परिस्टी हुआ।

> शेख अईमुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज (रोज-3, कल बना-16

नारीख : 1*0*-1-86

माहर :

TO THE LAW ST. P. ST. POR

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-ण (1) की ल्यांन स्टब्स

#### मार्ट सरकार

कार्यास्त्र, सद्भावक गावकर गावका (निरोधका) अर्जन रेज-3, जलकत्ता-16

कलकत्ता-18, विमांश 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० 2193/हाईएसी, एकपू॰ आए-3/85-86— यत:, मुझे शेख नईसुद्दीत

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करकात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्तम प्रतिभकारों को, यह विस्कार करने का करण हैं कि स्थायर सम्बद्धित, जिसका जीवत जाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से मधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० 43 है एथा जो बेंग्यू एवं बोध स्ट्रीट जल करा में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर, पूर्ण रूप से पणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई०ए०सी० एक्यू० आर-3 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-85

का पूर्वोक्त संपत्ति के जीजत जाजार एका से कम ये उर्धमान प्रतिकत के लिए जन्तिरत की नई हैं जार मुख्ये यह जिल्लाक करने का कारण हैं कि अधापूर्वोक्त संयोश्त का शिला का वाहार मून्य, उद्दर्श क्रयमान प्रतिकाल सं, एति कलावान प्रविक्षण का वेद्रह प्रतिकात वे जिथक हैं और जन्तरक (जन्तरका) और अवशिक्षी (जन्तिरिज्ञा) के बीच एसे जन्तरम के लिए इस भवत प्रका शिल का दिल्लीकिय उद्दर्श से उनक अकरण कि कित हैं नास्त्रिक कर से करिया कहीं किया गया हैं ---

- (क) बन्दरक थं हुई शिक्टी करन की बन्दर, उनक कियानिक्य में अभीन कर वोने के अन्तरक के प्रवित्य में सभी करने मा नवसे दक्ते के प्रविकार के जिल्हा; बीर/मा
- (ण) एसे किसी जाय या किसी जा का अल्य वाण्यिकी कां, जिसी भारतीय वायकर महिनायक, 1922 (1922 का 11) या उसत वाधिनियम, शा अन वाधिनियम, शा अन कांपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ लानांपती हुआर प्रकार कांपिनियम, वाधिनियम, शा अल्यां कांपिनियम, शा कांपिनियम,

हतः वय तक्त विभागयम की भारा 269-व र्थ अनुसद्धः व, म, अक्त विधिनयम की भारा 269-व की उपवार (1) ह अभीत, नियमिसिक व्यक्ति, वर्षातः (1) नैसर्व क्षेत्र अपूर्व अपूर्व तिविदेव

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाज मैन एवं अन्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति को अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुँ:

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई जालेप ;—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की साबीस में 30 दिन की बनिध, जे भी क्यांच बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्यंक्ति व्यक्ति की में किसी क्योंक्त कुक्ता है।
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिब से 45 बिन के भीतर एक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तें का, जो उक्त विधित्यमः के जव्याय , 20-६८ में परिभाषित हैं, यहीं वर्ष होना को एस वन्याय में दिमा रहा हैं।

#### सम्भूत

43, कैनाध बोस, स्ट्रीट कन्डसा-3 में अवस्थित महान का प्लाटनं 222 जिनका आवतन 2300 वर्ष फिट जो आईएसी, एनपुर आए-3, कनकता व नास विरियत 37ईई/-एनपुर आए-3/85-88/74 के अनुसार 20-5-85 धारीख में एजस्ट्री हुआ।

> येख नईसुद्दीन है सजल माधिकारी वायकर अहिन्द (निरीक्षण) अर्जन रेंक-ः, कलकत्ता-16:

वारीख: 10-1-86

मोहर 🗄

# प्रकृतिहाँ ्टी. प्रमृत **एव**ं क्रान्स

नावंकर निधित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

#### भारत ब्रज्यार

कार्यालयः, ताप्रयक्षः कार्यकरः वायुक्तः (विद्रीकाणः) अर्जन एज-III, जलकत्ता-16

कल हत्ता-16, दिशांग 20 जनवरी 1986 प्राप्ताक कि लगा १००० र के ४४० १००० के जिल्हा निर्देश सं० 210 श्रीकाई एसी, एक्यु० अए-III/85-86---येथ:, मुझे शेख नईम्हीन

बायकर बरिपीनवन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवाएं 'उद्या निर्मितन' बहा बना हैं), की भारत 269-य के अभीन, सभाव प्राचिकारों को, बहु विक्यांस करमें का कारण हैं कि स्थायर कार्यांत, विक्थां विषय गायार मन्य 1,00,000/- रा. से निर्मित हैं

श्रीर जिसकी सं 39/2 है तथा जो लैन्स डाउन शेष्ट्र, पूलू ज्या-20 में स्थित है, (श्रीर इसमें अतबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण कर से चिशित है) रिक्टिंग ली अधिकारी के कार्यावय आधामी, एन्युक आप-**III** पल ज्या में अधिक्युंकि ण आधिन्यम 1906 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख 2-5-85

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के शिवश बाबार बृत्य ने सम के श्रूषमान प्रक्रिक के तिल् बन्दरिए की वह है और बृद्ध मह विक्योंसे सदने का अपरण है कि अवायूनोंनेस सपित का उपित बाखार बृद्ध, उसके अवमान गतिकल से, एसे अवमान प्रतिकल का पहुड़ प्रतिस्था से सिक है और बन्दरिक (बन्दरिका) बार अवगरिती (बन्दरितिया) के बीब एसं अम्बर्ध के सिए दय पाया रथा इतिकल, निम्नोसाबद उद्देश्य से उक्त बुन्दरिका कि बालिक के से सिए से समारण के बालिक के से सिंदरिका की सिंदरिका के से सिंदरिका की सिंदरिका की सिंदरिका के से सिंदरिका की सिंदिका की सिंदरिका की सिंदिका की सिंदरिका की स

- (क) क्याप्य ६ हुई कियी बान की नम्बद स्वयू क्षितिबंध के संशीध कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; के 7/थ;
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्ह भारताय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या अस-अद्द राधिनियम, या अस-अद्द राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकायनार्थ जन्म दिसी पूर्वार्थ प्रकट तहीं किया गया भा वा किया गया भा कियान में सुनियभा के दिश्वः

सःगम् अधिकारी

मागुरस्य १ २०४ । १४न १ (जि.सीज्यप)

ेहल क्ष्मं, उनेत अधितियम की भारा 269-म के अनुसरण तो, भी उन्त अधितियम को भारा 269-म की उपभाग (1) इ.स.चेत जिल्लीलीका अधितत्वो, अभीष :- व 58—446GI/85 (1): (मगसः प्राईकेट क्लिमके**र**ू

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फिल्प जे० भोरा

(अन्तर्भिती)

का' वह सूचना चारी कारके पूर्वीक्ट सम्मित्ति के वर्जन के । जब कार्ग्वाहियां भूक करतां हुँ।

डक्ट सम्मन्ति के वर्षन के बम्बर्ग में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इत सूचना के राज्यम् मं प्रकाशन की तारीच च 45 दिन की अपिश्वा नत्नम्बन्धी व्यक्तियाँ पर कूचचा भी तत्विक से 30 दिन की जबिश, जो भी वक्षि बाद में सुवाला होती हा, के मीतर प्यक्तिक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वना के समयभ में प्रकाशन की तारीश है 45 फिन के अंखार उपक स्थानर सम्यक्ति को प्रितनकुष भिन्नी जन्म भ्यांकर ह्वास नभाहस्ताकारी के नास निवास नो किए जा सकारी।

स्थ्य किरण -- इसमे प्रयुक्त कन्दों जरि पक्षों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गुमा है।

# **प्रमुसु**ची

39/२ लैंग्बर्डाचन रोड, प्राप्तचा—20 में अवस्थित महान क. यथा प्रत्या में 800 वर्ष फिट हायपन प्राप्ताट नंद मीद 4 जो आईएसी, एक्ब्र्वआर-III कल क्ला के पाल सिरियल नंद 47ई है/एक्प्रुव III/708 के अनुसार 2—5—85 प्रारीख में प्रिन्हीं हुआ।

> शेख नईमुद्दीभ ाक्षम प्राधि हारी सहायात आगाजर आयुका (शिरीक्षण) अर्जभ नेंग-III, ाला त्वा—16 ।

নালীৰ: 20-1-88 ১

अक्न आहें.. टी, एवं , एवं , -----

प्रायक्षर स्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-भ (1) के समीव सूचवा

#### NICE CLIM

# कार्यात्रवः, बहुत्वक बावकर बावुक्त (निरीक्तन)

अर्जन रेंग-3, कप इसा-16

कत्र हता-16, दिवां र 10 जनवरी 1986

् तिर्देश सं० ७/०५ आईएसी एक्यू० आण-३/४५-४६—यतः मुझे, शेख नईसुद्दीरः,

नायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उनत अधितियम' अक्ष नया हैं), की धाच 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्मरित, जिसका उपित बाजार मुक्य 1,00,000/- कः से अधिक हैं

स्रोप निज्ञिति सं० 39/2 है तथा जो लेंबडाउन रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रोत इससे उजाबद्ध अनुसूची में, स्रोप पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री उर्वा अधि जरी के कार्यानय आईएसी एक्यू० आए-3, उनकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, जारीख 2-5-85

को पूर्वोक्त सम्पंतित के उचित बाबार मूक्य से काम के दश्यमान प्रतिकात के लिए जन्तरित की नद्दें हैं और मुक्ते वह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का बन्दह प्रतिकार से जिथक है और अंतरक (बंतरकों) और अंदरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निए दय पत्ना पशा प्रतिकात निम्तितिकार उद्देश्य से उक्ष बंतरण सिचित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बान की बानत बक्त किन विवय के नबीन कर दोने में अन्तरक के शांधरन में कनी कहते वा अवसे नचने में सुविधा के शिक्ष कार/वा
- (य) एसी किसी जान या किसी वन ता अन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय आसकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसा भाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को शिए;

अस मंब उक्त विभिन्नियम की भार। 269-म के सम्बर्ध को , बी, जीवत विभिन्नियम की भारा 269-म की सम्बर्ध (1) के मधील, कियानियम व्यक्तियों, मधील हु----

(1) मिरामा प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) जिल्प जें० भोरा

(अन्तरिती)

को वह स्कता कारी कारके प्रॉक्ट सन्परित के वर्षन के सिक्ष कार्यवादियों करता हूं।

कवत संवरित के अवीव के तंबंध में कोई भी नासीय 2--

- (क) बब त्यना के प्रवापन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नवीं या त्रसम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की नवीं । को भी नवीं नाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वास;
- (क) इस बुच्या में ग्रामप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन कें भीतर जन्म स्थानर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य स्थानस ब्यास, अभोहस्ताकरी के काल किस्तित में किए का ककों थे।

लब्दुक्रिरणः -----इसमें प्रयुक्त कट्यों और पर्यों का, जो उक्त विध-विषय के सभाव 20-क में परिशायित है, वहीं कर्य होगा, वो उन्न कथाय में दिशा पथा है।

# **मनुबूची**

39/2 लैसडाउन रोड, कलकत्ता 20 में अबस्थित मनान का 4था नता में 800 वर्ग फिट आयतन का प्लाट नं , सी 4 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 के पास, सिरियल नं ० 37ईई/एक्यू०-आर-3/711 के अनुसार 2-5-85 तारीख़ में रिजस्ट्री हुआ।

णेखः नईमुद्दीन **सक्षम प्राधिकारी सद्दायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, कलकत्ता -16

ता नीखाः 10−1−86

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस., ------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) के भारा 269 थ (1) के सभीन त्चना

#### भारत सरकार

क्प्रस्तिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलरुत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-3/ज़्ल०/1985-86/2106--अश: मुझे, शेख भईमृदीन.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिल्ली में ० 10-बी० है तथा जो बालीगंज सरकुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल ज्ञा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ज्ञीत, कारीख 6-5-1985

को पूर्वेचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिख में गरितिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिख में गरितिकल कि से किथ तथ से किथ तथा से से उक्त संतरण कि लिख से से सिक्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम ने ह्यां फिली जान की बावज, उक्त बाधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में स्तिवधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी साम ना किसी भन ना मन्य नास्तिनों की, किसूँ भारतीय आय-कर् निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभन्मम, या भन-कर निभन्मम, या भन-कर निभन्मम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा ना किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा स्विधा के लिए,

बतः नगर, बच्च जिथिनियम की धारा 269-न के अनुबर्ध में, में, उक्त निधित्यम् की धारा 269-न की उपधारा (1) के नधीन, निम्मलिबित म्यन्तियों, अर्थाण् :--- 1. रूपा मेन ।

(अन्तरक )

2. सथम .सून्दर ।

(अन् रिनी )

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कमिति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां कुछ करता हुई।

जनत सम्मरित के वर्षन के संबंध में करेड़ों भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्याना को राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिसबंद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकने।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षण्यों और पदों का जो उक्क कि नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसुची

अपार्टमेंट नं० बी, तीन मंजिता 10-त्री, बालीगंज, सरकुलर रोड, कलक्ता-19 सक्षम प्राधिकारी के पास 6-5-85 तारीख में रिजस्ट्रीकरण हुजा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 10-1-1986

प्रकल नाह<sup>1</sup>. टॉ. एन ःःएसः ५---

# नायकर निर्धातयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

#### भारत संहकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जान् रेज्निक्तरहरूसा

कलकत्ता, दिवाँकी 10 जनवरी 1985

निदेश मं ० ए० सी०/रे ज-3/ जल ०/ १985-80/ 2101---अत. मुझे, शेख पर्डमुद्दील,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च. के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने के वरण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजीर मूर्त्य 1,00,000/- रहें. से अधिक हैं

ग्रांट जिसकी सं० 38 है तथा जो लेक, ग्राइंक्ड, कलक्सा— 45 में स्थित है (ग्रांट इसमें उपाबद्ध अनुभूची में ग्रांट पूर्ण एप में विणात है), रिजिस्ट्रीक्तर्स अधिवाणी के वार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलक्ता में, रिजिस्ट्रीकिक्य अधिकिम, 1908 (1908 का 10) के अधीक, क्षरिख 1-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के राष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उणित नाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्षयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-भिन्न के अधिन कर दान के अस्तरक के सीचिक जा कमी करने या उसमें अजने मा अधिर या के भारत
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आ स्तयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रकर्णनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था का किया जाना चाहिए था, छिपान के स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) ा.श्री अशो∜ मुमार''सुंद भ्रौर अन्य।

्(अन्तरक )

2. मास्टर, एम० सूद्र।,

(अन्तरिती)

कं अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— कर्महृबुचना वारी करक पर्वाचतः सम्मल्ति कं क्रून्ति व लिए कार्यवाहियां सुरू करता ह

जनत सम्पत्ति के नर्गम के संबंध में कार्ड भी नाक्षेप .--

- (क) इस त्याना के राजपत्र को प्रकाशन की सारीके कि 45 दिन की अविधि या सरकात्राची व्यक्तियों कर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, वा भी जुबधि बाद में हजाप्स होती हो, की श्रीस्ट पुर्वाकर व्यक्तियों में से किसी त्य की बुबादा;
- (क) इस सूचेना के राजपत्र को प्रकासन की तारीक स 45 दिन के भीतर उसत स्थापर सम्पत्ति में हिसंबद्धप किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी । के प्राप्त निख्ति में किए जा मकोगं।

स्वध्यक्रिकरणः -- इसमी प्रयुक्त क्राइती और नहीं क्राइत क्राइति विकास क्रिक्त हैं, विकास क्रिक्त हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में विकास क्रिक्त हैं।

# प्रनुसूची

670 वर्ग पुट, 38, लेक गाइन्स, कुलकत्ता, सक्षम प्राधि-कारी के पास ,1-5 85 कारीख में सुनिस्प्रीकरण हुआ।

> ं शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकर्मी

तारीख: 10-1-1'986'

'**शक्य**्कार्ड , टी. 'एन . हएस , -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की अभीत स्वना

#### भारत स्रकार

# जार्यासय, सहायक जाणगण वास्कत (निराधिक)

्राजीत रोजि⇔3, करायाची १८३ - वर्षा

ालामा. विशोध 10 कायरी 1989 अप्रिक्त क्षिमें मंद्रीपुर सीविर्णिता-3/क्षाप/1985~सः/2108~~ विकास मुक्की भीक कर्षमुद्दीन,

भिष्ठित विभिनिसम्, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसके इसके पश्चात उकते विभिनिसम् केंद्रा गया हैं) की भाग 26 - व के मधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह प्रवश्चास आर्न का का एए ही कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,00,0 रिंड मिल्लाक हैं

महार जिन्ही में 38/ हे 'या जो पहुंम धर्मगां थंड, गल लो में स्थित है (या इसो उन्हें अपूर्म अपां के पांच पूर्ण हुए में स्थित है) जो उन्हें स्वां अधिकारी है जो जिल के पांच में अधिकारी है जो जिल के पांच के अधिकारी है जो जिल के पांच के अधिकारी है जो के के हिंदि वाजार मूल्य से कम के दरमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनें कत सम्पत्ति की उनित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिक ल से एसे दर्यमान प्रतिक ल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क ल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त अंतरण लिखर में बा तिवक हूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई जिल्ली भाग की नामल, उक्स सिमिनियम के प्रिमिनिकिर दन के अन्तरक के गणित्व में कमी करने या उसस किने में सुविधा के लिए, सरि/मा
- (क) एसी किसी गय या विशा वन गा विस्ता असेस्त्यां क्रिकेट्स अस्तियां क्रिकेटस अ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तिकां, अर्थात ---

# --- ---१.--थीभाजधेमम् औषार् असमामिनम

(अन्तरक)

2. श्रीमती रीना शेन गुण्ड क्का यह सूचना जारी करके पूर्वेंवत संपत्ति के अर्जन के लिए का यह सूचना जारी करके पूर्वेंवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई। कार्यवाहियां शुरू करता हुई। कार्यवाहियां

# उक्त, सम्परिताके सर्जनः के सम्बद्धाः स्रोत्काके अभिन्नाकार्थे :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भी कर पृत्त कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बेद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी. के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जुक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि 5 कठा, 1 छटांक, और व 7 रिष्म अयंगार रोड, तिक्तलकत्तात्रमें स्वक्षंम आधिकारिकों के वृत्यस हिन्छम्छि हैं ए क्षिक्ट्रिकस्कारिहें अपि। एक पर तिना के महासीतील पुगली के तिर्वाणि में तिकार सेम्छ कि निष्क मिक्ष पर और/मा

में मुद्दीन के मुद्दी किसी थुणा था दिन्ने पर ११ तथा परितासी मिन्ने मिन्ने मिन्ने पर्वा ११ तथा ११ विकासी मिन्ने मिन्ने शिक्ति अवश्वार संस्थार १९२२ विकास १९२२ (विद्यास १००४) किसी के किसी स्थाप १९८४ वर्ष १४) के प्रयासकार्थ अवसार्थ अस्ति वेदारा प्रयास प्रयस्तार्थ अस्ति वेदारा प्रयास प्रयस्ता भाग स्थाप प्रयास स्थाप भाग स्थाप स्थाप भाग स्थाप भाग स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप

# तारीख: 10-1-1986

अत अब, उपत अधिनियम को पाना १६६ न की जानिया माँ, सी, उकत अधिनियम की धाना १६५-घ को उपधाना (1) के अधीन, निम्मिनिवन ध्यवित्यों, अर्थात् :-- प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

**बायकर अभिनियम**, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**भ** (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांचय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कल हसा

कलकत्ता, दिनों : 20 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-3/ ा०/1985-86/2109---अतः मही, शेख नद्दमहीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 22ए० है तथा जो पाम एवेन्यू, जनजना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रां पूर्ण रूप में विश्वत है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्याक्रय, आई० ए० सी०, एम्यू०, रेंज-3, कलक्ता में, रिजस्ट्री-एरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, शारीख 6-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निणिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० कं० एन० प्रोपर्टीज प्रा० लिं०।

(अन्सरक )

2. श्री राका नन्दी।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन की अविध यातत्सम्बन्धी ध्यक्तियों परि सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

22-ए, पाम एवेन्यू, कलकत्ता में अवस्थित मकान का 9वां सल्ला में फ्लैंट नं 7-जी, जो आई० ए० सी०, एक्यू० रेंज-3, कलकत्ता के पास 37-ईई/एक्यू० रेंज-3/61/85-86 के अनुसार 6-5-85 हारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रोज-3, कलकत्ता

तारीख: 20-2-1986

# पक्त नाइं .टॉ. इन ,एव ु -----

भागकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के वधीन क्यांग

#### THE TOTAL

कार्यात्तय, बहायक बायकर बायुक्त (निद्रक्षिण) अर्जन रेज-3, कलक्ता

कल त्या, दिनां ह 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०वयू०/रेज्-3/कल०/2110/1985-86 यत: मुझे, शेख ध्र्यमुर्द्द्शन,

नावकर मिर्गिनसम्, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें पर्यात् उक्त समिनिसमं कहा गया हैं), की भारा 269-स के समीन सक्तम प्राधिकारों को यह निश्यात करने का कारल है कि स्वाप्ट बम्माति. विश्वका अधित नावार सूक्त 1,00,000/- फ. पे निश्क है

र्माए जिसकी मं० 22 है स्था जो आमुतीय चौधुरी अस्मि-भिड, कलकत्ता में स्थित है (र्माए इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीए पूर्ण रूप ने इणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी०, एक्वि० आर०-3, दलवत्ता में, रिजस्ट्रीएण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम 16-5-1985

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिकत के लिए बंदरित की गई है और मुक्ते यह निय्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त, उसके क्ष्मजान प्रतिकत से, एसे क्ष्मजान प्रतिकत का पंतर्क का पंतर्क के प्रयान प्रतिकत का पंतर्क प्रतिकत से विभिन्न है बीर जन्तरक (वंदरकों) और जंदरिती (क्रियद्वित्यों) के बीच एसे बन्धरन के विभ्र तब पाया पदा प्रतिकत का प्रकार कि विभ्र तब पाया पदा प्रतिकत का प्रकार के किए तब पाया पदा प्रतिकत का प्रकार के कि विभ्र के विभ

- (क) बन्तरण ते हुद किसी बाय का वानत, उनत बहिष्णित्रध्य के स्पीप कार दोने के अन्तरक के दलिएत के किसी कहने वा कहने वचने के शृतिका नी किस्: ब्योक्ट/का
- ्क) श्वी कि जी आव था कि शी धन ना बन्य वास्तिको को, विक्य भारतीय बाय कर वीधीनयन, 1922 (1922 का 11) या उकत जिभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के निए;

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण मो, औ, उदल अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के को अधीन. निस्तिलिया व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स मिगमा प्राईदेट लि०।

(अन्तरक)

2. श्री विजदास सान्याल ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवादियों करता हैं।

#### थनत क्षणित के बार्डन के बार्डन में नोहां भी वासरे ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील हं 45 दिन की संवधि वा तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी ववधि बाद में तकान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति व्याराः
- (च) इब स्थान के राजपंत्र के प्रकार की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर कम्परित के हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के गास व्यक्ति में किए वा ककेंगे।

ल्ल्योकरणः--इषाने प्रमुक्त वृक्षी वृदि एको का, को स्वय श्रीदिश्यन, ने गुण्याम 20-क ने पृहित्वाचित्र हुँ, यहाँ नर्ज क्षोत्रा वो उस वस्त्राम् ने दिवर नवा हूँ।

## मपुषी

860 वर्ग फुट ब्लाट 22, आशुतोष चौधुरी एविन्यू, कलकत्ता-19।

शेख ाईमुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

**सारीख: 10-1-198**6

मोहरः

ा ०४औरुप्र**ः शार्तः , ह्मी , हिन**् , **एक** सुन्। -----

न्यसिलियम् पश्चिकःखायकर भावकत (निर्मिशाम)

#### मार्क्टम घटाह

का प्रश्न क्षियां के क्षा (1) के क्षा के कि का कि का कि का कि क

अर्जन रेंज-III, कलकला

गांगाक कोज रहाक्षेत्र जिल्ला स्टूडिस प्रमुख्य कि विदेश सं एस्यू ०/रेज-3/कल ०/1985-85/2111--

अतः भूजी गिंव अधिमुहजते हैं कि 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाद्ध असी असी असी अधिनियम के कि पर्वाद्ध असी अधिनियम के कि ग्रेंग हैं), की धारा 269-ब के सधीन संदर्भ श्रीधिकीरी कि यह बिक्तीस करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

भौर जिन्नकी मं० 22-ए है तथा जो पाम एविन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उभावद्ध अनुभुनी में भौर पूर्ण क्या से विश्वास है), रिन्स्ट्री जो अधिकारी के अधिकार, आई० ए० सी०, एक्यू० आरं०-III, कलक्ता में, रिनस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, सारीख 6-5-1985

कि प्रमित्त तथ्य ति के स्कित का जार मृत्य से कुन के दृष्णमान प्रमित्त के लिए अंतरित की पूर्व है का अदिश्व में में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापनित्त संगति का उचित नाजार मृत्य, उसके देशमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमीन प्रतिफल का पन्तद्द प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरका) और नन्तरिती (जन्तरितिया) के नीच ऐसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्तर में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया हैं :—

> (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्त्र में कमी करने या उससे बचाने में मृजिधा बायिस्त्र के सिए; और/या

#### *ध्नस* ची

बतः अब, उपत अधिनियम की भारा 269-स के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की भारा 269-स की जिपधारि [मू]) हे अधीन 'न म्निकिश्वित, व्यक्तियों, अर्थाते :---

श्री माणि राम कान्डोई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथितिक सम्पक्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां शुरू ऋरता हुं।

जन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख बें 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रमुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तींकका व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ेजो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्रची

्23-ए, पाम ए। बस्यू, रूप उत्ता में अवस्थित मकान का गढ़ तहवा में फ्लैंट नंद 2-सी, (ए०) जो आई० ए० सी०, एक्यू $^{\circ}$ , तर्द $^{\circ}$ - $^{\circ}$ - $^{\circ}$ -सि, रूप उत्ता के पास 37-ईई/एक्यू $^{\circ}$ -आर $^{\circ}$ - $^{\circ}$ - $^{\circ}$ -1935 जिसेख में किस्ट्री हुआ।

्षेख नईमुद्दीन ास्थ्रम प्राधिकारी यहायक क्रायकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोज-3, कलकत्ता

**सारींब:** 10--2<del>--</del>1986

मोहः :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सुपता

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जेट रोज-3, फलकत्ता फलात्ता, दियाय 10 जनवरी 1986

िदेण मं० ए० । मीरक्यू ०/रेज – 3/जल ०/ 85 – 86/ 2112 ्र – अन्तः मुझे, लेख ः ईमहीत,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके प्रचान जिसे अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-म के भीन नक्षम प्राधिकारी की, यह विश्याय करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,700,000/- रह. से अधिक है

र्धाण जिसकी संव 11-ए, है तथा जो प्राम एक्स्यू, उर्धाला में जियम है (श्राट इत्ये जिसबंद अनुसूची में ग्रीप पूर्ण हा से जियम है). जिस्ट्रीटर्ना अधियारी के वर्षालय, आईव एवं मीव, एक्सिंव, आरव-3, कलकत्ता में, रिकस्ट्री-उपण अधिक्षिम, 1908 (1908 टा 16) के अधिक, सर्वीद 20-5-1985

को पूर्धिक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थमान प्रतिफल को लिए उन्सरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अर्तारती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्सिकर, रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै० के० एउ० प्रोपटीज प्रा० लि०।

(अन्तर्क)

2. श्री मुदगाला संशामा।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्लाक्षरी के पास निष्वत में किए जा सकेंगे।

स्प्रस्तीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# श्रनुसूची

2.2-ए, पाम एकिन्यू, फलंशना में अवस्थित मकाभ का 20वां संदर्ग में पर्लंड नं 0.10-सी०, जो आई० ए० सी०, एक्सि० आए०-3, रूपांग्ना है पास 37-ईई/एक्सि० आए०-3/85-8.5/33 के अनुपार 2.0-5-8.5 सारीख में र्जिस्ट्री हुआ।

णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिका**री** सड़ायक लासकर आयुक्त (दिरीक्षण) अर्जन रोज--3, इन√स्ता

初行は: 10-1-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री अमरलाल मिल

(अन्तरकः)

2. श्रो अलोक कुमार मुखर्जी

(अन्तरिती)

अक्रिक्टियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज़न रेंज-3, कलकक्षा कलकत्ता, विनांक 10 जनवरी 1986 निवेश मं० ए० मी०/रेंज-3/कल०/1985-86---अतः मझे, शेख नईम्हीन,

नायकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहलाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि कावर संरक्ति जिसका उधित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 38-बी०, है तथा जो रामधन मिश्र लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे जनशबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में एस० आर० ए०, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीनरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1985

को पूर्वाक्क्ष संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एगेसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरित्यः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निग्नितिस्त उव्होदय से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिवक इप से कोश्रेट नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) पंसी किसी अत्य या किसी अन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्या था किया जाना चाहिए थीं, छिपाने में सुध्या के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) का अभीन, निर्माण कृत अधिकायों, अर्थात् :---

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

38—बी॰, रामधन सिस्न लेन, जनकत्ता में व्यस्थित मकान तथा जमीन जिसका आय 2 कठा 6 छटांक 28 वर्ग फिट जो कलभत्ता रिजस्ट्रेंः । आफिस में डीड नं॰ I-7358 के अनुसार 2-5-1985 नारीख में रिजस्ट्री हुआ।

शेख नईमु**दीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-े 3, कलकत्ता

तारीख: 10-1-198

प्रचल बाहाँ. टी. एव. एव. -----

बायकर विभिनिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नेभीन क्वा

#### भारत सरकार

# कार्यासम, तहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश सं**श्राई०ए**०सी०-एक्यू०/रेंज—III/कल०/1985-86/---अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 ज के जभीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु से अधिक है

मीर जिसकी सं० 3 एवं 7 है तथा जो रहीम अस्वागर मेठ, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुमुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्यू० आर०-III, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार बृत्य से कम के क्यमान प्रिविक्त के सिए जन्तरित की नहीं हैं और बृक्ते वह विकास करने का कारण है कि वभाग्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक हैं और वह अन्तरक (अंतरकाों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बाबा गमा प्रतिफल, निम्निसिकत उद्देष्य से उच्त अन्तरण कैलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बाबत, उपके विधिनयम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा वी लिए; वॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, बा धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा वी किया

नदः अव. उन्त अभिनियम की भारा 269-न को अनुसरक , मैं, उन्त अभिनियम की शारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— आर्धेन्द्र शेखर कथाल।

(अन्तर्क)

2. श्री बस्त कुमार चक्रवर्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व किस सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पन्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीर से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिं में किये वर सकती।

स्थाकीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पट का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वह अर्थ होगा, वो उत्त अध्याय में विचा गया है।

#### वय करी

5 कठा 1 छटांक जमीन 36 एवं 7 रहीम **धस्वागर** रोड, कलकत्ता—45।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-III, कलकक्ता

ਨਾਹੀਵ: 10−1−1986

\_ y\_\_\_\_

# प्रकार वार्षः, हो, एग्य एष्, भारतस्थानस्थान

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-**ण (1) के बधीन स्**भना

#### शारत दरकाड

# कार्यासय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—,III वलङ्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रंज-III/कल०/1985-86/2115—अतः मुझे, शेख ५६म्**ही**भ,

आयकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रांग जिसकी सं० 28/2 है तथा जो गरियाहाट रोड, कल कत्ता में स्थित है (ग्रांग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप में बणित है), गिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी०, एत्रयू०, आग०-III, कलकत्ता में, गिजम्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातकश के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफत ब-पन्तह प्रतिस्त से अधिक हैं बौद जन्तरक (अन्तरकों) और बंदरिती (अंदर्शित्यों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पामा भवा प्रतिकल निम्ननिधित सद्देश्य से उच्द बंदरण जिलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्म में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसिसवीं का, जिन्हां भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भी अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— ा में० भिके प्रोपर्टील प्रा० लिए।

(अলংক্র)

2. मै॰ मारुति उद्योग लिमिटेड।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के दलन के लिल कार्यमाहिया बहुरु करता हुए।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपश मी प्रकाशन की तारीख े 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन के भीतर अकर स्थावर स्थान में निर्वाबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शांर पदी ता, जो व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### **ग्रन्**म्ची

28/2, गश्यिक्षाट रोड,, कलकत्ता में अवस्थितः मकाम का 5वाँ संस्था में फ्लैंट नं 6 5-बीं जो आईं एक सीं एमिव आर-111 क्यांच्या के पास 37-\$\$10/7 के अनुसार 2-5-1985 वारीख में विस्ट्री संशी।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जापु<del>का</del> (निरीक्षण) अर्जन रोज-111 कलकत्ता

नागेख: 10—1—1986

प्रास्त्व जार्ड.टी.इस. एस. -----

नागकर निभावित्रका, 1961 (1961 का 43) व्यीभारा 269 व (1) के नधीन क्रूनना

भारत तरकार

कार्यांतन, सहादक नायकर नानुक्त (निरोक्षण)

श्राज्ञीन रोंघी-3, रालकना

क्लाक्ता, दिनांक 10 अनवर्ष 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-3/∵ल०/1985-86/2116---श्रवः मझे, शेख नईस्होन,

र्मार जिसकी संव पीव-174 है तथा जो भ्राणुतोप वौधरी एविन्यू में स्थित है (श्रीर इससे उपाब इ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण छए से विणित है), प्रजिस्ट्रीएती भ्रीधनारी के पार्यालय, श्राईव एव भीव एक्विव श्राप्त्य-अपालकत्ता में, रिक्ट्रिं एण श्रीधित्यम, 1908 (1908 ए० 16) के श्रधीन, त्रीख़ 6-5-1985

ना पूर्णिक बन्निति के बीचन बाजार मूक्य व मान में क्यानाय प्रश्निक्य में लिए अन्तरित की नम्र ही भीर मुर्फ नह तिक्कान कर्य का ग्रारण है कि स्थापुर्शकत संपत्ति का स्थित माजार मूज्य, क्याने दक्ष्ममान प्रतिकास सं, एसे दक्ष्मभाम प्रतिकास का पत्रका प्रतिकास से लिथक है और अन्तरिक (अन्तरिक्ष) और जन्मारिती (अन्तरिक्षिण) से बीच एके क्यारण में क्यार स्थापा क्या प्रतिकान, निम्नितियत स्वर्थक से क्यारण तिकास में वास्तियक रूप से क्यारण नहीं किया नमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बायस, उच्छ विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के वर्तिक्क में कभी करने या उच्च से बचने में कृष्यिथा के लिए; और/वा
- (क) ध्रेडी रिकडी बाव वा किसी भन ना सम्ब साविद्यां। का किन्दुं धारतीय शावकर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) ना चन्त्र विभिनियम, का धर्म-अर कींचीनव्यम, 1957 (1957 का 27) कें प्रवासनार्थ समझीरती ह्यारा प्रकट नहीं किना गया धा था किया जाना चाहिए था, किनाचे में सूर्वभूष्ट कींक्यः;

अज्ञ: अंग, उपत मधिनियम की धारा 269-ग के स्पूज्यण में, मैं,, उपत अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा ।) के अधीन, जिम्मिसिसित व्यक्तिमों, अधीर :--- ा. श्री िद्धार्थ मुखर्जी स्रीप स्रन्य।

(श्रन्दर्क)

🥒 2. मै० मालटिङ्न बिल्डर्स लि०।

(ग्रन्तरिती)

कां कह बूधना भारी करके पूर्वेक्स कम्मिक के नर्पन के लिए कार्वकाहियां कुक करवा हूं।

उस्त सम्बद्धि के अर्थन के संबंध में सार्थि भी अस्तिय :---

- (क) इस सूचना की राज्यक में प्रकायन की बारीच छ 45 दिन की बनीध ना सम्बंबंधी व्यक्तिकों पर सूजना की राजीध सं 30 दिन की बचीध, पक्षे भी अविध बाद में सनाया होती हो, के भीवार पूर्णीनक व्यक्तिकों में किसी व्यक्तिस ह्वास;
- (च) द्वार भू ता के एक ता ता ता की आर्थन के 45 चित्र को भीतर उपकार स्थापन संपत्ति में विस्तबद्ध स्थापन संपत्ति में विस्तबद्ध स्थापन संपत्ति में विस्तबद्ध

स्थाप्त्रीकरणः --- इसमे अयुंक्स शब्दों और पृष्टों का, को बन्त अभिनिश्रम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इन, सही अर्थ होगा, को जस अध्याय में विद्या गया इनै:

अनमूची

पी--17-ए, नी० श्राई० टी० स्कीम⊷ वी०, थाना--ःरेया, इलकत्ता।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायक्त ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, कलकत्ता

हारीख : 10-1-1986 मोहर: प्रकल बाह्र .टॉ. एव . एस . +-------

बायकर विभागियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत संस्कार

# कार्यासन, सहायक वायकर वायुक्त (विद्वासन)

मर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1986 निवेश सं०ए०सी० क्यू०/रेंज→3/कल०/85~86/2117---भतः मक्षे, शेख नईमुद्दीन,

बावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इवने इसके परवात् 'उन्त निर्मानयम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्मास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका जिल्हा बाजार नृस्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं० 72-ए० है, तथा जो वार्ड रायपुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 20-5-1985

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यज्ञान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार ब्ल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य के उस्त अन्तरक विश्वित में नास्तरिक रूप से अधित नहीं किया बना है दिन्य

- (क) नम्तरण से इन्द्रं कियों शाय की नावछ जनक निधिनियम के नधीन कर दोने के नम्तरक के द्वारित्य में कमी कड़ने वा बससे नचने में सुनिधा के किए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 की 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोध-वार्थ विधिनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोध-वार्थ विध्या धाना वाहिए था किया में प्रविधः के विद्या

अतः अन, उन्न अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>4</sup>, उन्नत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिषिक अधितकों, नर्भात् :--- 1. श्री हेम चन्द्र गृह।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० सनातन वास्तुषिरूप प्रतिष्ठान प्राईवेट लि०। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति श्रे अर्थन के जिल् कार्वनाहियां सूक्त करता हुई।}

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस यूचना के ग्रंथपत्र में प्रकाशन की तारीय व्हर्म 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितिकों पर बूचना की तात्रीस से 30 विन की नविध, यो बी नविध नाद में सनास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थीनताओं में से किसी स्थीनत बुनारा;
- (व) इस सूचना के राजवंध में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकष्ध किसी व्याच व्यक्ति दुवारा वजीहरूताकरी के पार सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनसे अभिनिवन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गका है।

## भनुबुची

77-ए०, बाद रायपुर रोड़, कलकत्ता में भ्रवस्थित जमीन तथा मकान जिसका भ्रायतम 25 कट्टा जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन भ्राफ़िस में डीड नं०  $\frac{L}{7452}$  के भ्रनुसार 20-5-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुमा।

शेख नईमृद्दीन सक्षम प्राधिकार सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारीच 20-1-1986

प्रकम बाह्यं हो हो एन है पुत्र हुन-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-च (1) जे वधीन स्वना

### मार्च सहस्राष्ट्र

# कार्यानय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दाक्तक)

श्चर्जन रेंअ—III, कलवत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश सं०ए० सी०/रेंज—III/कल०/1985—86/2118—— झतः मुझे, शेख नईमुहीन,

बावकर बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परचात् 'उक्त बिधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० 39/1 है तथा जो लान्स ग्राउन रोड़, क्लकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुभूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी०, एक्यू० ग्रार०—III कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 1-5-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के क्याबान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विचनाथ करने का कारण है कि यथाप्जॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्याबान प्रतिफल से, ऐसे क्याबान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकत से निभक है और बंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिवित में बास्तिचक कप से किंचत नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उस्थ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वो दाबित्य में कमी करने या उससे श्वन में उदिशा वे सिए; बीट्र/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध वास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना चाहिए था, खियाने में सृविधा वे सिए।

मंद्रक बंब, उक्त विधिष्यम की धारा 269-ग के बनुसरण गें, गें, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की रूपभारा (1) चें कधीन, निस्तिविधत व्यक्तियों, वर्षात् रूप्प 1. मैं० मिगमा प्राईवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मालिनी देवी वांका।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्ठ कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हार सम्बन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपा में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यक्तिनों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित अपिकताों में से किमी व्यक्ति व्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखिन में किए जा सकींगं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1225 वर्ग फुट फ्लैंट न० ई-7 झाट तरला पर 39/1, लान्स पाउन रोड, कलकत्ता में झबस्थित है। सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-1985 क्षारीख में रजिस्ट्री हुझा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज III, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप बाह्".टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज--III, एलवत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० सीं० $/ \hat{\tau}$ ज- $\Pi^{++}$ ल०/1985-86/2119 ---श्रतः, मुझे, शेख ःईमुद्दीन,

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है). की भार 26ए-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवन जाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्राँग जिसकी संव 7 है तथा जो गुरु यहम रोह, जलकता में स्थित है (श्रांग इ.से अपाबद्ध श्रमुभुची में ग्रांग पूर्ण रूप से वर्णित है), रिल्स्ट्रीकर्ता श्रिक्ष जिस्से के वर्षित्यम, एसव श्राप्त एव, कलक्ता में, रिल्स्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 2-5-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं

नीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्मारत का उचित वाजार मुख्य उसके क्यमान प्रतिकल से, एस स्वयमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और और अंतर के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्निलिशत उद्वरिय से उकत अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशत उद्वरिय से उकत अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा अंतिए; और/या
- (स) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै लिए।

अंधः नव उत्तत निमित्रियम की भारा 269-न से बन्सरण मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीरा, विकरितिश्वत स्थालिकमों, अभाति "---

- ाः श्री नोगर बेहरामणा पानडेलिया ग्रीर ग्रन्थ। (ग्रन्दरक्)
- 2. श्रीमती आभा पाहनी।

(भ्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुघना के राजपत्र मी प्रकाशन की सारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हिस-क्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिल मी किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसू**धी

1840 वर्ग फ़ुट फ्लैंट 7, गुरुसदय रोड, एल एना में श्रवस्थित है। दलिल सं० एड़० आर० ए० धल ना छा 1985 ा श्राई० 7735।

> णेख नईमुहीन सलम प्राधिकार्गी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-III, ालकत्ता

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप काइं. दी. इन. इस्.-----

बाबकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय,, सहायक आयकर आकृष्य (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश सं०ए० सी०/रेंज—III कल०/1985⊶86/2120**~— ग्रतः** मुझे, शेख नईमृहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' नहा गया है), की भारा 269-च के जधीन तक्षम प्राधिकारी की, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 23 है, तथा जो शाहानगर रोड़, कलकत्ता— 26 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर े बणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्यू० ग्रार०-III, कलकत्ता में, किस्ट्री-करण ग्रिधितियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्रधीन, तारीख 10-5--1985

को पूर्वोक्त राज्यित के उपिश वाचार मुख्य से कल के उपयमन प्रतिफल के निरं अन्तरिक्त की गई है और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अचित नाजाए मूक्त, उत्तर्भ अवनान प्रतिकास का पंचा प्रतिकास का पंचा प्रतिकास का पंचा प्रतिकास का पंचा प्रतिकास के विश्व सम पाना गया प्रकारित को के नीचा एके अन्तर्भ के किंद्र सम पाना गया प्रकारक विश्व की कार्यक के विश्व की विश्व की कार्यक के विश्व की विश्व की कार्यक की की कार्यक कार्यक कार्यक की कार्यक की कार्यक कार्यक की क

- (क) जन्तरण ते हुई जिल्ली जाय की बाबत, उक्त निवस के जधीन कर बोने के बलारक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत वस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, नियमपेलिश्वित अधीकतमी, सर्थात् :— 60—446G1/85 श्री सग्रेन्द्र चन्द्र मुखार्जी।

(ऋन्तरक)

2. श्रीमती सुमिता शर्मा।

(ब्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्थन के िरण कार्वगहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तरिष्टी हैं
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्णि में द्विस्तक्ष्य किसी जन्म क्वीकत द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पान सिस्तित में किए जा सकींगे।

स्यक्किरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और प्रश्नों का, जो उक्स अधिनिक्त, के अध्यात 20-क में प्रकाशिया हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया गया है।

## मनुसूची

880 वर्ग फुट फ्लैंट मी० तीन तल्ला पर 23, शाहा नगर रोड़, कलकत्ता-26 में अवस्थित है। गक्षम प्राधिकारी के पास 10-5-1985 नारीख़ में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन ंक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामक्ष अक्षुक्त (जिरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶III, कलकत्ता

ारीख : 10-1-1986 **मोहर** :

<del>zaka</del>ngan ili imo oroganizaten e

# प्रकृत आर्ड . डो . एन . क्य . .-----

# नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) वे नभीन तृषना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज−3, कलक<del>रा</del>

कलक्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/-आर०-गा/85-86/2121 धनः, मझे, शेख नईमहीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 253-सी/1 है तथा जो नेताजी सुभाव बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधनारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी०, एक्यू० ग्रार०—III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीमीन, तारीख 1~5-1985

को पूर्योक्त सम्मित के उचित बाजार मृस्य से कम के इरयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की नई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृस्य, उसके इरयमान प्रतिपत्त से, एसे इरयमान प्रतिपत्त के पंतह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्निलिंकत उद्योग्य से उक्त अंतरण निकत में वास्तिकक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पामित्व में कमी करने या उससे कचने में सृविधा के सिष्: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करें. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या विद्या जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए;

भरू अर्थ, उक्ट अधिनियम, की धारा 260-ग के अनसरनी नै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्धात्:— (1) स्लाब बिस्डसं।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती बानि सेनगप्ता।

(भन्निरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्धन के सिए कार्यवाहियां करका है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के णम तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्योक्ता, को उक्क जिथिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### -

253-सी/1, नेताजी मुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47 में भवस्थित प्लाट नं० 1 सक्षम प्राधिकारी के पास 5-1-1985 तारीख में राजिस्ट्री हम्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय<del>क्त</del> (निरीक्षण) धर्जन रोज-IJI क्लकस्ता

तारी**ख: 10-**1-1986

मोहर 🖫

प्रका नार् टी एन एव------

बायकर वर्षिनियस, 1961 (1961 का 43) की पाय 269-व (1) के बचीन बुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश सं∘ श्चाई० ए० सी०/रेंज/-एस्यू०/3/कल०/1985-86/2122---श्नत:, मुझे, शेख नईमृदीन,

वानकर विविध्यम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें स्थान पर्वात 'उन्त विधिनवम' सहा नवा ही, की बाख 269-क के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार नृत्व 1,00,000/- रु. से विधिक है

मौर जिसकी सं० 20/1 है तथा जो भागुतोष भौधरी एवेन्यू क्लकत्ता-19 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी०, एक्यू०, रेंज-3, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 1-5-1985

क्षे पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल

के पन्त्रह प्रतिशत से विभिन्न हैं और वन्तरक (बन्तरकों) कीर बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तब पाया नया प्रतिकास, निम्निसंखित उद्योख से उक्त बन्तरण किचित में बास्तिक क्य से करियत महीं किया क्या है ए----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आसिसमें को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बया था हा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के जिन्ह;

क्सः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्तरण कें, की, उपल विधिनियम की धारा 269-च की उनवारा (1) वै वभीग, निम्नितिवय चीक्शवों, वजीय ध--- 1. मैं० मिगमा प्राईवेट लि०।

(भन्तरक)

2. श्रीमती मीना दास गुप्ता ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राध्रपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि मा तत्त्रज्ञां व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविध, जो और वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (व) इक सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सञ्चित्त में द्वित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकोंने।

## अनुसूची

700 वर्ग फुट फ्लैंट नं० 42, पांच तरला पर 20/1, श्रागुतोष चौधरी एवेन्यू, कलकत्ता~19 में श्रवस्थित है। सक्षम प्राधिकारी के पास 1-5-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज~3, कलकत्ता

तारीख: 10-1-1986

प्रकल नाइ". टी. एन. एच्. ------

नाम्कर निर्मानसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन त्यना श्रीमती बीना दास गुप्ता श्रीर भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्यामलि भट्टाचार्या।

(ग्रन्तरिती)

### मारत सरकार

# कार्यासम् , सहायक जायकर भाग्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश पं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/रेंज-3/कल०/1985-86/ 2123-- भतः मुझे, शेख नईमुहीन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकान्दी को यह विश्वास करने का कारण हो कि १६) व सम्बन्ध , विस्त्रा उधित प्राधीर पूला 1.00,000/-स से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० 62/1 है, तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कल हत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध्यारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०, एक्यू०, रेंज-3, एलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रीधीन, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुर्भे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्यक्तित सम्पत्ति का उचित बाजार भूका, संसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय क्या गया प्रतिकात निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्क बन्तरण किकित में बास्तविक कप से किकत नहीं किया गया है है—

- (क) वंशरफ ते हुई किसी बाय की बाबक, प्रवरा विधिनिवृत्व के बृधीन कर दोने के बंतरुक के शायरय में कभी करने या उद्यक्ष वचने में सुनिधा के लिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी नाव वा किसी वृत वा अन्य कारियां को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्यम, या अन-कार अधिनयम, या अन-कार अधिनयम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का का किसा जाना जारिक्र था, कियाने में सुविधा के विद्याः

बसः थाव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण बी, मी, इक्त विधिनियम की धारा 269-ग की वर्षभारा (†) अो बधीर िनम्बनिधिक व्यक्तिकों वर्षीय थ— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्यन के सिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिसि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्ष

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की दावीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिसामों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में त्रकाशन की तारीय स 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिवित में वियो ना सकते।

स्वाद्यां अप्याद्य हम्यों प्रयुक्त हम्यां शौर पदों का, जो उसस विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय अ क्वित स्वाही।

अन्सूची

62/1, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक **भाय**कर भायुक्त (निरीक्षण) **भ**र्जन रेंज- 2, कलकत्ता

तारीख - 10-1-1986 मोहर

प्ररूप आइ. टी एन एस . -----

बाबकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन त्यना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्स (निर्रीक्षण)

**प्र**र्जन रेंज−3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986 निदेश सं अपाई ० ए० सी ० एक्यू ०/रेंज – 3/कल ०/1985 – 86/2124-- भ्रत: मुझ, शेख नईमुद्दीन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ।स्याद्ध 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च 🕏 प्रभीन सक्षन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण इर् कि रभावर संपास जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,009/- स. से **जिथक है** 

ग्रीर जिसकी सं० 1/530 है, तथा जो गरियाहाट रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमे उपायड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्रती ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० झार० ए०. कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, नारीख 17-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के 🗪यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित वाचार मुख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का न्**ब्रह्म प्रतिकात** सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अल्तरितियाँ) के बीच एक्षे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-🖏 निम्मानिकत उद्योषय से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक **रूप से कथित नहीं किया गया है**्—

- (क) अंतरण से हुन्दं किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; सर/या
- (क) एंदी किली बाव या किसी भन या जन्म बारिकाओं का, जिन्<mark>ह</mark> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन--कर अर्थिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोभनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नंथा भा भा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविभाके लिए।

अप: अव, उनत अधिनियम की धारा 269-न को अनुसरक , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 2.69-भ की उपभारा (1) में बधीय, <sup>किपन</sup>लिखित व्यक्तियों, वर्षांक् ः—

1. श्रीमती प्रमिला बाला देवी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विनय चन्द्र भूद।

(भन्तरिती)

को बहु क्षना जारी करके पूर्वोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त भ्यभितयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- ं(च) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहूभ किसी अन्य स्थक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

## अनु सूची

3 कठा, 1 छटांक जमीन का ग्रिविभक्त 1/2 ग्रंश 1/503, गरियाहाट रोड, कलकत्ता में धर्बस्थित है। दलिल सं० एस० आर० ए०, कलकत्ता का 1985 का 40231

> शंख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **भ**र्जन रेंज--3, कलकत्ता

तारीखः 10−1−1986

मोहर '

प्रकार बार्ड , टी. एस. एस. \*\*\*\*\*\*\*\*\*

बाधकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) खी पारा 269-म (1) के बचीन स्थवा

### राख क्षान

शार्वासय, सहायक शासकार शास्त्रका (निर्णक्रिका) ग्रर्णन रेंज-4, बस्बई

सम्बद्द, दिनांक 10 जनवरी, 1986 सं॰ मई-4/37ईई/104/85-86--अप्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि: स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या खोटी जमीन का हिस्सा, इमारत के साथ, जो, जाम्बली गल्ली, सर्वे नं० 22, एच० नं० 1 (अंग), बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है। और इससे उपावक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1985।

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र वाकार मृश्य वे क्रम के क्ष्यमान प्रतिकत के सिए वन्तरित का गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित्र वाकार वृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकत से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकत का उन्द्रह प्रतिकत से विभिक्त है और वंतरित (वंतरितियों) के बीच ऐसे वंतरण के निए तय पामा यवा प्रतिकत का निश्निविद्य उद्वादेश से उक्स वन्तरण सिवित में वास्त्रिक क्या से कथित नहीं किया वया है ॥—

- (क) शन्तरण वे हुई हिल्ली बाय की बावध करव धाय-रियम के बचीन कर दोने के बन्धरुक के दावित्त के कमी कड़ने वा उचने व्यापे के सुविधा के लिए; ब्रांड/या
- (थ) एसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्द्रियों क्वाय प्रकट वहीं किया गया वा सा किया वाना वाहिए वा, कियाने में द्विधा के सिए;

बत्ः जब, उक्त ब्राधिनियम की भारा 269-म वी बंगुतरण को, मी, उक्त व्यक्षितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्जात :—

श्री शिवा भाई ग्राशा भाई पटेल ।

(अन्तरकः)

2. श्री गुह्रनाथ एम० पेठे।

(मन्तरिती)

को यह तुषना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

दक्त तन्यरित के कर्णन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्येप:---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबीध या तरसम्बन्धी स्पन्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविभ, यो भी व्यविष बाद में समन्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 बिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हिस् विद्या किसी अन्य स्थावस त्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकत्य।

स्थाकीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जर उभक्त सम्बाद 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विद्या नया है।

## बन्स्की

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 799/70 और जो ऊपर रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, संसम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक: 10-1-1986

शासन शार्च व्यो । इन । एस . . . . . . . . .

नावकर नीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभील तुषका

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर शायुक्त (निरीक्षण)

ध्रार्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1986 निर्देश संश्राई 3/37जी/106/83-84-श्रतः मुझे, लक्ष्मण तस.

शायकर समितियम, 1961 (1961 का 43) हिंच्ये द्यापे इसमें क्ष्मात् चन्त्र समितियम सह गया ही, की गाफ 269-थ में सभीत समान प्रतिपद्धारी में यह निस्ताय करने का साइम हो कि स्नापर संगीता, विस्तास समित नामार मुख्य 1.00,000/- का ने समिक हो

और जिसकी संख्या कृषि भूमि जिसका सर्वे नं० 80, एच० नं. 15, सर्वे० नं० 411, विल ज मालवनी, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा के कार्यालय, बम्बई में तारीख 9-5-1985

को पूर्णिक बन्गरित में विशव बागार बूटव में कन में करवान अधिकार के जिस अन्याच्या की नहीं हैं और पूर्ण वह विश्ववाद करने का कारण है कि वचान्योंका वेचरिक का अधिक अध्यार अध्या, उन्ने क्ष्मवान प्रतिकार ते, देते अध्यान प्रतिकार का नवह प्रतिकार में निष्ण है और व्यवस्थ (बंद्यकार) की बंद्यकी (अध्याधिकार) में कीन दोने क्ष्यरण में विश्व कर नाम क्ष्म प्रति-क्रिंग निकासिका स्थापन में उत्तर सम्परण निविद्य में बास्त-निकासन ने क्षित्र नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्दरंप ये हुई किसी बाम की बावस, उपक अधिमयन के अधीन कर बोने के अन्तरक के सावित्य में केसी करने वा उपसे वचने में स्विधा के सिक्ष: मीर/वा
- (क) एंसी किसी बाम या किसी अन वा अन्य आस्तियों को, विन्हीं नारतीय नाय-कर निर्धानयन, 1922 (1922 केंद्र 11) या उन्त निर्धानयम, गा-नकर अधिनित्रम, गा-नकर अधिनित्रम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिहिसी बुधारा प्रकट नहीं विकास नवा भाषा किसा बाहा चाहिए वा किसाने के स्विका के स्वारा के

्रमः सदः, धभेतं संभिनियमं की भारा 269-व को, अनुसरण इ., में उक्त विभिनियमं की पार 269-व की उपभाय (1) अक्षेत्रभित्र निम्नतिविक्त व्यक्तिकों सभीतं क्षेत्र

- 1. श्री थामस एम॰ गोन्साल्बीज श्रीर अध्य। (अन्तरक)
- 2. श्री बी० वि० सादन्त।

(अन्तरिती)

को नव् बूचना पाड़ी करके पूर्वोत्तव बज्जरित के कर्यन के हिन्दू कार्यगादियां युक्त करता हूं।

उन्ह कलात्ति के शहर के समस्य में कोर्च भी शक्षर :---

- (b) इस सूचना के रायक्त में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन की नवींथ या तत्संबंधी अमेनियों पर सूपना की तामीन से 30 दिन की अवींय, को धीं अवींथ नाम में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीका अमित में से किसी अमिन्य द्वारा;
- (च) हव बुचना के राज्यत्र में प्रकल्पन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिला- बक्भ किसी स्थाविस इवारा, नभोहस्ताक्षरी के पाव निविध में किया या सकोंगे।

रनक्कीकरण:—-इसमें प्रकृतसः सन्दों तरि पर्यो ता, को उपह नीधीनकन, की सध्यात 20-क में परिकारिक ही, वहीं नर्थ होना को उस सध्यात में दिला गना ही।

## वन्सूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 983/1984 भ्रौर जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनॉक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (चिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्ब**ई**

दिनांक: 10-1-2986

प्रकर बाह् दी एक एक ,----

थानकार निर्माणयान, 1961 (1961 वर्ण 43) की पाछ। 269-व (1) के न्यीन बुवना

### भारत उरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्रफ)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांत 10 जनवरी 1986

सं**० अई**-4/37जी/108/85-86 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्ते इसकें इसकें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विस्थाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी संख्या सी० टी० एम० नं० 319 (प्रंग),
एकतार विलेज, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।
प्रौर इसने उपायद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से विणित है),
रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1985
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिपत बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्बन्धि का विश्वत बाजार
मूल्य, उसके उस्यमान प्रतिकल से एसे अनमान इतिफल का
बन्दाह प्रतिस्तत से विश्वक है और बंदरक (बंदरकों) बोर बंदरिती
(जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण से लिए तब पावा प्या
इतिस्त निस्तृतिवित स्वृद्धित से उसत क्यारण विश्वक में
गान्तविक कम ने करिया नहीं किया प्या है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय का बावत, उच्च नियम के नधीन कर दोने के नन्तरक के दानित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नीए/वा
- (क) ऐसी किसी बाब मा किसी वन वा बन्च वास्तियों को, जिन्हें वारतीय वाबकर क्षितियम, 1922 (1922 का 11) ना संबंध विधित्यम, या वय- कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के एकोजनार्ज बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना वाहिए था, कियाचे में सुविधा के किया

अतः अव उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण वं, के उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे तथीय विकासिनियम स्थानितयों, क्यांतु हुन्न 1. श्री आई० जे० जोशी।

(अन्तरक )

2. मैसर्स विशाल अन्स्ट्रवशन्स।

(अन्तरिती)

कार्य वह बूचना जारी करके पृथांचरा संपरित के अर्थन के विक् कार्यनाहियां करता हो।

उपत बज्जीत्व से वर्षन से बज्जन में कोई भी बार्बर क्लाह,

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की नवींथ या तत्त्वम्बन्धी स्पितियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की बर्वीथ, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्तयों में से किसी स्वित्त स्वारा;
- (क) इस स्वता में चलपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिव के शीतर उनत स्थानर सम्मत्ति में हिछ-नव्भ किशी नम्य स्थानत स्वाप्त नम्बेह्स्ताक्षरीं के बाद विशिक्त में विश्व का सकेंचे ।

लक्कीकरण:----- एसमें प्रमृत्त कर्ना गीर पर्यों का, को कलक वीधीनयम् के बध्यास 20-कं में परिकारिक ही, बहु वर्ष होगा जो उस बध्यास में दिया नवा है:

## **प्रनुसूची**

अनुसुची जैसाकि विलेख सं० 1962/1080 श्रीर जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी / सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

दिनांक: 10-1-1986

प्ररूप जाई.डी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-4/37ईई/16789/85-86:--अतः मुझे, लक्ष्मैणं दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें प्रभात (उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांद जिल्ला संख्या पसैट नं ए ए-9, जो, 2री मंजिल रोतारीग्रो अपार्टमेंट, एक्सार विलेज, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (प्रांद इसमे उपाबद्ध अनुमुखी में प्रांद पूर्ण का से विधन है), प्रांत जिल्ला करारनामा आय- कर अधिन्यम 1961 की धारा 269 ज, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वार करने का कारण है कि यथाण्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल से बन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पूरा गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्देश्य से उच्त जन्तरण कितिक के सिर्म त्य से बन्तरिक में बन्तरिक कर से किए त्य क्रिक्त में बन्तरिक कर से किए त्र क्रिक्त से बन्तरिक कर से किए त्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी भन या बच्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधान किन्निनिश्चित व्यक्तियों, नुधार् :—
61—446G1/85

1. श्री जगत के० बालानी।

(अस्तर्ह)

2. श्री ए० ए५० परेशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के क्षिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त निविद्य में किए वा स्कों में।

इनकाकिरण: --इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्दों का, को उनक किनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हीं, वहीं अर्थ होगा, को उसू अध्याय से विका गया हैं।

## धनुसूची

फ्लैट नं ० ए-- १, जो, 2 री मंजिल रोगारीको अपार्टमेंट एक्सार विलेज बोजिवली (५०), बम्बई-- 92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/16789/84-85 झीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां वि 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, जलम आधिकारी, सहायक आयमर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्ब**ई**

दिनाक: 10-1-1986

**त्रक्त वार्य**्टी. एन<sub>ः</sub> इतः ------

बावन्य र विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-21 (1) के बचीन स्थना

#### भारत संस्कार

# **कार्याबर, बहारक आरक्षर वाय्वत (किरीक्षण)**

प्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-3-37ईई/19706/84-85:---ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विकास करगे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाबार मस्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

भौर निसकी संख्या जमीन का हिस्सा, जो, मंत्रीवाडी, जिसका सर्वे नं० 143, सिटी सर्वे० नं० (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपानन प्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 वा, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वायालिय में रित्रस्ट्री है, नारीख 1 - 5 - 1985

की प्रॉक्त तत्र्यात्त के डीचत बाचार मुख्य से कन के उत्प्रजान प्रतिकत के निष् जंतरित की नई ही और मुक्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार ब्रुच, तक्क अध्यक्षान प्रतिकृत से, देखे अवकान प्रतिकृत का पंक्रत प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया **प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त** अन्तरण लि**बित** में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है----

- (४) अन्तरण से 8ार्च किसी बाय की बाबत, बच्छ विध-अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसके वचमें में सुविधा के किए: बौर/श
  - ं) ए`सी किसी जाय या किसी धन या अल्य कास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 🖛 27) को अयोजनार्थ अंतरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चारिक्य भा, कियाने ने तुमिशा की लिए;

अत. वर्व, उक्त वाँभौनयम की धारा 269-ग के वनुवारण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की दवभारा (1) के जबीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्धात ६---

1. श्री राजेन्द्र बी० मंत्री।

(अन्तरकः)

2. श्री निक्षर ग्रहमद ग्रब्दुल मजिद।

(श्रन्तरिती)

को अबुब्बना जारी करके पूर्वोक्त बज्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यगाष्ट्रियां करता 🛍।

# क्या प्रमाणिक के मुर्जन के प्रमाण के बोर्च की बार्चनः.--

- (क) इस तुमना को राजपण में प्रकासन की तारीस 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवीध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति च्चमितयाँ में ते किसी स्पनित द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपण में प्रकायन की तारीवा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किनी जन्म व्यक्ति द्वारा मधोद्वकाक्षरी के वाड किरिकात में जिल्हा का सक्तमें।

लक्कीकरणः---इक्षमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, बो सक्त अभिनियम को अध्यास 20-क में सभा परि-भाषित ही, बढ़ी अर्थ होना सो उस अध्याय में दिया गया 🗗।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, भंतीवाडी, जिसला सर्वे नं० 143, सिटी सर्वे नं० 605, म(नाड (प०), बम्बई 64 में स्थित है।

भ्रनम्ची जैसा निः सं० श्रई-3/37ईई/19706/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-1-1986

प्रक्ष बाह्रं, टी. एव. ५स., ------

बावकर मिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्चना

### माइत सरकार

# कार्यास्य , सहायक नायकर नायक्त (निरीजक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्ब**६** 

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1986 निर्देश सं० ग्राई-3/37-ईई 19471/84-85 --यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किस् इसमें इसके प्रचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार ब्रह्म 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 2-ए, जो, घाटकोपर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकापर वम्बई-400086 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), फ्रांर जिसवा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के सस्यमान गद्द हु लिए वन्तिरत की मुभ्हे यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान 🦊 तिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मरि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकर सिमिनियम के अधीन कार योगे के अधरक के दाविराय मा कामी कारन ए। असी शहर में उन्हें के क लिए और वा
- (क) द्वी विवर्ध नाम वा किसी धन या जन्म वास्तियां को, जिन्हें भारतीय जासकार मिधिनयस, 1922 (1922 का 11) या उसत मिधिनयस, या ला-कार व्यक्तिसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्ध मंतीं रजी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा खे सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भन्ता 269-घ को, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिकित व्यक्तियों, वर्षातु :--- 1. श्रीमती श्राभा एस० नन्दवानी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स केनरा बोरिंग एण्ड इंजिनियरिंग वर्म्स । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

इन्स्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मप हज्ज

- (क) इस बुधना के राजपण में प्रकासन की तारीब के 45 दिन की बनिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां १६ बुधना की बाबीश ने 30 दिन की स्वधि, वो भी सनीय नाय में कनाय्त होती हो, के नीतर पर्नोकल कावितमों में से फिसी व्यक्ति हुन। १६,
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर कम्बत्ति में हितबहब किसी अस्त स्वक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के बाद सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षाकरण: ---इसमें प्रमुक्त वक्षां और वक्षां क्षा, को उक्कां अभिनियम, के वक्षां 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थहोगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुमूची

यूनिट नं० 2-ए, जो, घाटकोपर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37-ईई/19471/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर (श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 2-1-1986

मोहर 🖫

प्रकृष भाषां हो । एन , एस . -----

स्रायकत्त् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

#### भारत **सरकार**

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्तण)

श्चर्जन रोंज- 3, बम्बई बम्बई, दिनांः 2 जनशरी, 1986 निर्देशं० श्चई -3/37-ईई/19472/84--85:—-मतः मुझे, ए प्रशत्द,

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसके इसके प्रकार (उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सभान प्रधिकारी को, वस निरवास करने का भारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/-रा. से जिथिक है

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं 106, जो, ए बनाय, 1लीं नित्त, पाटकीपर, इण्डिन्द्रियनं इस्टेट, एला बीव एसव मार्ग, घाटकीपर बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), श्रीर जिसका कारासामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के खें श्रीवीन, बम्बई स्थित क्षान प्राधिकारी के यार्पाचय में रिजस्टी है, नारीख 1~5-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंचे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिकल, निम्नितिष्ठ उद्देश्य से उक्त बन्दरण विविक्त में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- ्थं) प्रेशी किसी बास वा किसी वृत्व वा स्व्यू जारिक्स को, चिन्ह आर्जीन जाय-च्छ निधिनियस, 1922 (19∠2 का 11) या उत्तर अधिनियस, या भनकर ज्यिनियम, या भनकर ज्यिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्यांजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिये था. कियान वें स्विधा के निष्;

अत. अत. अत्व, उक्त अधिनियम की पार 269-म के कम्सरण भ्रा, नी, उक्त अधिनियम की पार 269-म की उपभार (1) भ्रास्थीन, निष्कितिक स्पित्तां गर्चार ।— 1. श्रीमती चन्द्रा श्रार० मिरपूरी।

(अन्तरक)

मैसर्स रिगीड टूल्स कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

को सह सुम्या चारों करके प्याँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**सक्द दश्योत्त के वर्ष**न के सम्बन्ध में कार्द भी माध्यप:---

- (क) इस स्वना के राजधव में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की सब्धि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की संवधि, वो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी स्थानित हुगारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यव्य किया क्यों क्या क्यों इस्ताक्षरी के पास निवत में किया का सकेंगे।

स्वच्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पदों का, जो अवध विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा क्या हैं।

# अनुसूची

यूनिट नं० 106, जो, ए-ब्लांक, 1 ली मंजिल, घाट कोपर डण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्ब**ई-8**6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37-ईई/19472/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाई, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रुर्जन रोज-3, जम्बई

दिनांक: 2-1-1986

प्रचम बाही, ही, एन, एक,------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-ए (1) वे नधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बर्घ बम्बर्घ, दिनांक 2 जनवरी 1986

सं० **गर्६**-3/37**१६**/19047/84-85:------प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार नृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या खुला जमीन का हिस्सा, जो, विलेज माहुर, जिसका सर्वे नंव 146 (श्रंश), सीव टीव एसव नंव 260/1, मुलुंड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 का,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

द्रं प्रांचित संपत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के स्वयं शिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क एने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार बुक्य, उसके रश्यमान प्रतिक ल से एसे रश्यमान प्रतिक का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्नलिबित उद्वर्ध से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उच्त अधि-नियम के अधीन कर दने के बन्दरक के वावित्व में कना करने वा उन्हों अवने में सुविया के जिन्दे; बर्ड/या
- (क) एखी किसी बाग ना किसी वन ना अन्य आस्तियों की, विनहीं भारतीय नामकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, ना धम-कर बिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेणवार्थ वन्तरिती द्वारा बच्च नहीं किया नया ना वा किया बाना पाहिए था, क्रियाने में मृजिधा के लिक्द;

अतः जबः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिकित स्यक्तियों, अर्थान् —

- जोसेफ फिलिएस गोन्स/ल्बीज और श्रन्य। (प्रन्तरक)
- 2. मैसर्स अरविन्द आसोसियेस।

(ग्रन्तरिती)

की बृद्ध सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्धन् का त्या कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्यत सम्मृतित के सर्वन् के सम्मृत्य में कोई भी शाकोप अ---

- (क) इब स्वान के रावपन में प्रकारन की तारीक हैं
  45 दिन की सर्वीय ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीदर प्रांतक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) वय ब्यान के राज्यम में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीसर उन्त स्थावर सर्पास्त्र में हिंदा बहुध किसी बन्ध स्थिति द्वारा अभोहरताकारी में पास निवित्त में किए जा सकेंने।

स्पक्ति रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल अधिनिवस के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग। जो उस अध्याय में दिया यका है।

# अन्सूची

खुला जमीन का हिस्सा, जो बिलेज माहुर, जिसवा सर्वे नं 146 (ग्रंग), सी० टी० एस० नं 260/1, मुलुड बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/19047/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5- 1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, तक्षम प्राधिकारी, सहायक द्वायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जम .रेंज∼3, बम्बई

दिनांक: 2-1-1986

महर.

प्ररूप नाई. टी. एन. एत. -----

1. श्रीमती लक्ष्मी शेषाद्रि।

(अन्तरक)

2. श्री पी० वि० मोह्न।

(अस्माधिती )

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० अर्ड-3/37र्डेड्री 1900 / 84-85:--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अभिक है

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- को बह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हु।

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनद्रश्च किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम:, के अध्याय 20-क में दिसाचित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बनुसुची

फ्लैट नं० 5 जो मुरली सिमा को आप हाउमिंग मीसाईटी लि० घाटला रोड चेम्बुर बम्बई-71 में स्थित है।

अनुमुची जैसा ि क सं० अई-3/37ईई/19001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

दिनां-म : 6-1-1986

मोहर 🚁

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जमबरी 1986

निर्दोण सं० अई-3/37ईई/19193/84-85:--अत: मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,030/- रह. से अधिक **ह**ै

भ्रौर निक्षकी संख्या गाला नं० 22, जो 1ली मंजिल, हरे रामा हरे कृष्णा इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, आई० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), अम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबट अनुसूची में ग्रांश पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रांश जिसका करावसामा अध्यक्ष अधिकिम, 196 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पिन्दी है, हारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अस्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए।

अत: अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीर ह---

1. श्री एन० सी० कर्केरा।

(अन्धरक)

2. विनाद डण्डस्टिज।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीक्ष क्षे 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त **ष्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

गाला नं० 22, जो 1ली मंजिल, हरे रामा हरे कृष्णा, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, आई० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ई\$/19193/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांस 1--5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रोज-3, धमबद्दी

दिनांक: 6-1-1986

प्रस्कृत् **सार्थ** . **टी <u>. यन</u> . एवं ,**------

लायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

### भारत सरकार

# फार्यांत्रय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्द्यांक्र)

अर्जन रोज-3, बस्बई रेजिस्टर्सर ८ जन्मकी र

बम्बई, दिलांक 6 जनवरी 1986

सं० अई-3/37ईई/19396/84-85:---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

सायवार कि धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्नात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 14, जो 4थी मंजिल, पदमा-वती सोक्षाईटी सर्वे० नं० 45, विलेज पहार्गी, गोरेगांव (५०), वस्वई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जित्तका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारए 269क,ख के अधीन, बस्बई स्थित स्वाम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख़ 1-5-1985।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिटिफल के निए अंतरित की नहाँ हैं जीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वोंक्त संपत्ति का उचित बाचार क्ष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्ववमान प्रतिक्षत का फ्ल्यू प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ गया नया महिक्कत, निम्मीनिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्तरक संतृष्टं किसी काम की वाचधः, उक्त मुधिनियम औं वधीन कर दोने के बन्तरक के दायिक में कमी अर्थ या उससे बचने में सुविधा के किए; अप्रांति।
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत जीविषयम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिशं व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः जयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धास्त 269-ण की उपभारा (1) के अधीर निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— ा. श्रीमती एस० एस० क्षांबसे।

(भ्यारक)

2. श्रीमती एच० बाबूलाल फारीया।

(अन्तरिती)

को नह सुपना चारी करने प्नांकित सम्पीत्त के न्वंन के निष् कार्यगाहियां कुछ करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी वालेप :---

- (क) इस स्थल के राजपण में प्रकाशण की तारीय से 45 रिष् की संबंधि या तत्त्वभ्यप्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमेपि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण मां प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त मों किए वा सकींगे।

रक्षकीकरणः---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का को जयत अधिनियमं, को अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं श्रे

# अगुजुबी

फ्लैट नं० 14, जो 4थी मंजिल, प्रवसावती सोसाईटी, सर्वो नं० 45, विलेज पहाड़ी, गोरेगांव (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰ अई-3/37ईई/19396/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--5-1985 को रजिस्टई िन्या गया है।

ए० प्रनाद, सक्षमप्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रोज—3, बम्बई

**चिनांक**: 6-1-1986

प्रक्म कार्ड. टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) समे भारा 269-म (1) के अभीन त्यना

### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37ईई/19384/84-85:--अत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/-फ. रा अधिक है

श्रीन जिसकी संख्या फ्लैंट तं० 3, जो फ्लाट तं० 160, सिन्धी सोगाईटी, चेम्बूर, बस्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उप-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), श्रीर जिसका करारामा आगणर अधिनियम, 1961 की धारा 269 इ.ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री हैं, नारीख 1-5-1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उधिस बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित अपनार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, र दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्वत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनआर अधिनियम, या धनआर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :----2-466/रो 85 1. श्री जै० विश्व विशियानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० बी० मलिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करता हुं।

बक्त संपत्ति के गर्वन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंग।

स्पष्टीकरणः — इसमा प्रमन्त पान्दों और पदों का, जो अक्त है, वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

#### वमसर्ची

फ्लैट नं० 3. जो प्लाट नं० 160, किसी मोसाईटी, चेम्बर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैस िक्क०मं० अई-3/37ईई/19384/84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिलांछ 1-5-1985 को प्रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद ्वक्षम प्रक्षि वारी बहायता आयका आयका (निर्देक्षण) जर्जन रोज-3, **बम्बई** 

दिनांक: 6-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं ० प्रई--3/37ईई/21557/84-85 ---प्रनः सुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैटनं० 29, रेनबो विल्डिंग, कीले कल्यान कलीना, बम्बई-400098 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 17-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान् :--- 1. श्री लायोनेल डीसोजा।

(भ्रन्तरिती)

2 श्रीमायकल डिसोजा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं ० 29, जो रेनचो विल्डिंग, कोले-कल्यान, कलीना, बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/21557/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 17-12-1985 से रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रशाद शक्षम प्राधिकारी पहाबक ब्राबज्द ब्राबुका (निरोक्षम) ब्रजन रेंज∽3,बस्बई

विनौक: 6-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एते.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1986

निर्वेश सं ० श्रई-3/37ईई/19382/84-85 -- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 55, जो, हिसा श्रपार्टमेंट, एस० बी० रोड, गोरेगाँव (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-5-1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारत्सीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा श्री वी० एन० शाहा।

(भ्रन्तरक)

2. पो० बी० पत्की।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क है भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ष्म स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमृस्ची

फ्लैंट नं० 55, जो, हिझा अपार्टमेंट एस० बी० रोड, गोरेगॉंब, (प०), बम्बई- 62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं अई -3/37 ईई /19382/84 - 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-4 1985 को रजिस्टर्ब किया गया है।

ए० प्रपाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 6-1-1986

मोहर।

# प्रक्य नार्दः टी. एन्, एव्....-----

बायकर नौभनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-न (1) के न्यीन क्या

#### बारत बरकार

# श्रामीय, सहायक वायकर वायुक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं ० ग्रई-3/37ईई/19067/84-85 --- श्रतः मुझे, ए० प्रसाव,

बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उन्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नचीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाच करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित् वानाह नुस्य 100,000/- रा. सं अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या प्लाट नं ० 14, फ्लैंट नं ० ई/४, जो 27 मंजिल, मार्थे रोड, बालनाय विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1~5-1985

को पूर्वनित सम्मति के अभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत समरित का स्वीतत बाजार बूच्य, उन्ने स्वयमान प्रतिफल है, एसे स्वयमान प्रतिफल का पल्ल् ब्रतिश्व से विभिन्न हैं ज़ौर बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे बन्तरक के सिस् तब पाना प्रति क्या शिक्य कि सम्बद्धिक के सम्बद्धिक के सम्बद्धिक स्थाप्त कि सम्बद्धिक के सम्बद्धिक के सम्बद्धिक के सम्बद्धिक स्थाप्त हैं :---

- (क) अस्टर्स वे हुई कियी अन की वास्तु, उक्त युध्दिन्त्र के स्थीन कर दोने के अन्तुरक के खीनत्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; बीटर/बा
- (व) एसी किसी नाय मा किसी भन या कम्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत निधिनयम, या यन-कर नाधिनयम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ना वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुरिवध। के लिए;

विक: या उपल भीभिनियम की भार 269-म के बब्धरम मं, मं, उपल मिभिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती एच० जी० जेस्सानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एच० एच० सचदेव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**ाहियां करता टू**ं।

# क्षत समिति के वर्षन के समान में कोई नी नामेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की ध्वीच वा ब्रह्मलमी लिएकों पूर बूचना की सामीय से 30 दिन की नवदि, को भी बचीच वाद में बनान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर लाक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिव के मीतर उक्त स्थावर कब्यूति में हित्वद्ध किसी कब अधिक द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा करोंने।

रच्या करण: इसमें मुनुष्य कर्यों की पूर्व का भी क्या की क्या करणाय है। वर्ष क्या के क्या करणाय में विका क्या की क्या क्या कि क्या की क्या क्या की क्या की क्या क्या की क्या क्या की क्या की क्या की क्या का क्या क्या क्या क्या क्या का क्

## पनुषुची

प्लॉट नं० 14, जो फ्लैंट नं०  $\mathbf{g}/8$ , जो 2रो मंजिल, मार्ने रोड बालनाय विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37ईई/19067/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

ता**रीय**: 6-1-1986

# प्रकृष बार्षा हो । सुब प्रकृष्ट

नावकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को नवीन ज्ञान

## वारत सम्बद्ध

# कार्यालयः, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्तक)

ध्रजेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1986

निर्वोग सं ० ग्रई-3/37ईई/19704/84-85 --- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाकार मुख्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 313, जो, कालिना विहार दर्शन को-ग्रांप हार्जीसग सोसाइटी लि , सांताकूज (पूर्व), अम्बई-98 सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रान्ट्चं में ग्रीर पूर्ण रूप से टिंग्स है), ग्रीर जिसका नरारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सकम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के क्यंगान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कि एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्योग से जन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्योग से जन्तरण निम्नलिबत में वास्तिक क्या से क्षिण नक्षी कि का गया है:—

- (क) वन्तरम वे हुए किया वाय की वायक, उन्तर निविचन में अपीप कर दोने से बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उनसे समने से सुनिधा के विष्; स्ट्रीट/वा
- (क) ऐसी किसी बार मा किसी धन या अभ्य बास्तिकों का, गंजन्ते भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हों व्यितियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियी ब्वाइर प्रकट नहीं किया बाता था किया में ब्रियोच की विद्युष्ट वास किया में ब्रियोच की विद्युष्ट

ब्रुक्क क्षत्र, उन्नर अधिनियम की भाग 269-ग है जनुसरच वी. बी. अन्द अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) को अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री ग्रमर पर्सं राम गिडवानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती निर्मेला सिंधवी।

(भ्रन्तरिती)

को वह कुषमा बारी कारके पुर्वोक्त कंपरित के अर्थन के जिस कार्यवाहियां कारता हो।

# **उपस संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी काओ**य s---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बर्बीथ, जो भी ब्रवीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविकारों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत सुवना के राज्येत में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर जन्म स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा बधोहस्ताक्षरी के पान विविद्य में किसर का बकी थे।

स्प्रकाशिकरणः—इत्तमे प्रयुक्त सन्धा निर पदा का, जा अवस्थ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के विश्वा भक्षा हैं।

# अनु सूची

फ्लैट नं० 313, जो, कालिना विहार दर्मन को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सांताकूज (पूर्व), बम्बई--98 में स्मित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37ईई/19704/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीव: 2-1-1986

मोइर:

त्र<mark>कर बाद ेहीं ्य्र</mark> .पुरु ु<sup>द्धा</sup> सक्र<del>वनसम्ब</del>

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### गारत शरकार

# कार्यासयः, सहायक बायकर बाबूक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी, 1986

सं॰ **ग्राई**-3/37-ईई/19643/84-85 --ग्रातः मुझे, ए प्रमाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ष्प्रौर जिसकी संख्या दुकान नं 10, जो, तल माला, नूतन श्रापिंग सेंटर, गोवण्डी स्टेशन रोड, गोवण्डी, बम्बई-88 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया वया प्रतिफल, निम्मीलीयत उच्चरेय से उच्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की सायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय लाय-सर अभिनियम 1922 (1922 को 11) या उस्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, जिया स्विधा जी निष्

अत: अब, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री एस० एम० पाण्डे

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० एम० पाटील।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्बन्धि के वर्षन के संबंध के कोई भी वास्तेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाक्षण की तारिश्व से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अवधि, आ भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल प्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुद किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाल तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनक्ष विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाग्वित ही, बहुने कर्भ होता को उस अध्याय में दिया गया

## वन्त्यो

दुकान नं 10. जो, तल माला, नूनन णापिंग मेंटर, गोवण्डी स्टेणन रोड, गोवण्डी, बम्बई-88 सें स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं श्रई-3/37ईई/19643/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधि काद्री, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 6-1-1986

# प्रकृष् आर्थः दी. एन . एस . ------

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यासम, सहायक बायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 जनवरी, 1986

ि निर्देश सं० ग्राई—4/37ईई/17065/84—85 ——ग्रान मुझे, अथण टास

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलट नं० 603, जो, विलेज मागठाणों, हरीश्रोम श्रपार्टमेंट के पान, एस० वी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं, श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है. तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के लिकत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यवाम प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से आफक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अंत-रिती (बंतरितयाँ) के बीच एसे बंतरण के निष् बच पामा गया प्रतिफल, निम्निसिक उक्ष्य से उच्छ बंतरण कि जित में बास्तीनक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या जनसे अचने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य अपस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

्रशः त्रवा, न्यसं अधिनियम की भारा २६०-ग से अनुसरण में, भीं, उसते अधिनियम की धरा २६० प की उपधार की के अभीत निस्मानिक स्विक्तिक, स्वाक्तिक क्रि. 1. मैं० सागर बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

 श्री किर्न छोटालाल मेहता श्रीर श्रीमती मिनाक्षी किरन मेहता।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सायत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शन्यों और पदों का, को उक्त अधि-नियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो सम अध्याव में दिया गया है।

### वन्स्यी

पलैट नं० 603, जो, विलेज मागठाणो, हरीस्रोम स्रपार्ट मेंट के पास, एस० वी० रोड, बोरिवलो (प०), वम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि क सं० ग्रई-4/37ईई/17065/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन $^{\dagger}$ क 1-5-1985 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दात, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼4, बस्बई

दिनौक: 6-1-1986

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन स्वना

### भारत चरुकार

कार्यासय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनॉक 6 जनवरी 1986

निर्वेज सं० श्रई-4/37ईई/16951/84-85 -- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूक्य 1,00,000/- रह. से श्राधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 11-ए, जो 3री मंजिल, इमारत ए, बोरियली तुलसो बाग को धाप हाउसिंग सोसाईटी लिं०, प्लाट नं 17 ए, टी० पी० एस० 1, रोड चन्दावरकर बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपा-बस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिज-स्ट्री सारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्सि क उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुभे वह विश्वास करने का कारण है कि यभाष्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्च, धराको कंपनान प्रतिपत्न सं, एस जयमान प्राचमन का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंडे बंतरण के दिए इब् बाक प्रवा प्रतिपत्न, निक्निवित उच्चेष्य के क्या बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण पंहुदं किसी बागकी नावस, उक्तः निधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मंकनी करने ना उक्तके नचने में सुनिधा की लिए; भीर/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोक्तभार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया केवा था वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा से किए,

अतः भव, उनतं वाभिनियमं की धारा 269-न के बनुसरकं कं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की जपधादा (1) के अधीन, निम्नीसृधितं व्यक्तिकों, अधीत् करू 1. श्री सुन्मर सिंग चलाराम राजवाल।

(अन्तरक)

श्री हर्षदराय बी० देसाई ग्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षय के लिए कार्यवान्त्रियां करता हुं।

उक्त क्यांति के वर्ष के क्यांत्य में कोई भी आकोष :——

(क) इंच सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारींच के

45 दिन की अवीध मा तत्त्वस्थाओं व्यक्तिमों पड़
कुषणा की तालील से 30 दिन की संविध, जो भी
वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
क्यांविसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-वह्म किसी कम्य स्वीक्त स्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पान किसित के स्था का कर्कन ।

स्वव्यक्तिस्य :--- इतमें प्रवृक्त शब्धों और पर्यों का, वो उक्य विध-तिवन को अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दया गया है।

# **भनुसू**ची

प्लैंट नं० 11 ए, जो 3री मंजिल, इमारत ए, बोरि वली तुलसीबाग को ग्राप हार्डीसंग सोसाईकी लि०, प्लाट नं० 17 ए, टी॰ पी० एम० 1, चन्दावरकर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई 92 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/16951/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंग-4, बम्बई

विनांक ∦ 6-1-1986 सोहर ∤ प्रकृष भाइ. ही. एम. एवं . -----

. लायफर 'विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्थाना

### मारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी, 1986

मं० ग्रर्हेन् 4/3 ४ हेई/16872/84-85 --ग्रतः मुझे. िलक्ष्मण दास,

बत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-च के अधीन संक्रम प्राधिकारी का वह पिकाल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 9, जो, तल माला, बी विग, प्रेम नगर नं० 2, एस० वी० पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई—92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-5-1985।

को प्रविधः तम्पीत के उपित बाजार मृत्य से कन के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नीकर सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, खसमे स्वमान प्रतिफल से, एंते क्यमान प्रतिफल का प्रवास का प्रवास का प्रवास का प्रवास का प्रवास का प्रवास के अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बच्चारिती (अन्तरितियों) के बीच एंडे अन्तरक के लिए तब पाम प्रया प्रतिफल निम्बलिक उप्रवेध से उपन कम्लस्थ लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क्ण) जनसरम सं ग्रुंद्र किसी बाय की बाबस, उस्त लियिनियम को प्राचीन अप को के जम्झरक को सायिक्य में क्यी करमें मा उसने संपने में अधिकथा के सिक्; बॉर/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आधिसामी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या हिमाने में मिविधा के निग्छ:

न्दाः कव , द्वाल अधिनियम की भारा 269-न के बन्धरण में, में, उत्तन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नियनियम कित स्थानयों , जर्भात इ—63—446GI/85

1. श्रीमता कान्ताबेन मावजीभाई पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री यामणी प्रेम जी पटेला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीकर सम्पत्ति के वर्जन के भिर् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की वनींच या तत्खम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की ताबीस से 30 दिन की बवीच, यो भी बवीच बाद में इनाप्त होती हो, के नीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंतारा;
- (क) इस बूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्तक्ष्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किस वा सकोंगे।

## अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, तल माला, बी विंग, प्रेम नगर नं० 2, एस० बी० पी रोड, बोस्विती (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंशा कि क सं० श्रई-4/37ईई/16872/84~ 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दारा दिनाँक 1~5~ 1985 को रिल्टिइ जिया गया है।

> लंक्मग दास, गक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण), श्रर्जन रेंजे—4, बस्बर्फ

विनौंगः: 6-1-1986

माहर:

प्ररूप वार्ड.टी. एत. एत. -----

बाश्कर संभित्तिसम, 1961 (1961 का 43) करी भारो 269-घ (1) के अभीन संभाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेण मं० अई--4/37-ईई/16880/84-85--ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास धियकर अधिनियम

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन का हिस्सा सर्वे नं० 63, एच० नं० 3, जो मी एम० नं० 1721, एवसार, बोख्यिकी (प)। वम्बई-92, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनाक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रिमिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके उद्यमान प्रतिफल ते, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में नास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी थाय या किसी थन मा अन्य आहिताओं को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उसल अधिनियन, या धन-कर अधिनिवन, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-थ की उपधारा (1) क लगीन, नियनचिक्तिए स्विकार, वार्की क्रिक्ट मेसर्स साई क्रुपा इन्टरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

2. मेयसं विभास बिल्डर्स।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्चन के जिह् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख क्रिंक कि 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इतस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के फंच खिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिस्य : इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, भी उक्स अभिनित्रम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होना यो उस अभ्याय में दिसा नवा है :

#### - प्राप्त क

ष्मभीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 63, एच. नं० 3, और सी० एस० नं० 1721, एक्सार बोखिली (प), बभ्बई~ 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर सं० श्रई--4/37--ईई/16880/ 84--85 और जो स्थम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--5--1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, **सहायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बस्**ब**ई

दिनांक: 6-1-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अभीन ब्यना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें**ज- 4; बम्बई** बम्बई, दिनांक **6 ज**नवरी 19**86** 

निर्देश सं० प्रई- 4/37-ईई/17093/84-85--ग्रत; मुझे, लक्ष्मण दास क्राक्टर क्रीविस्ट्रम, 1261 (1961 को 43) **विकर्त** ।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिस्की संव पलेट नंव 107, इमारत नंव ए 38, योगी नगर एक्सार रोड, बोखिली (प), बम्बई-92 में स्थिन है और इससे (उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिस्का करारनामा प्रायक्षर प्रधिनियम 1961 की धारा 269, क, खंके प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के का या लिय में रिजर्टी है

दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाबार मून्य से कम के क्यम। प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विवतास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितिकों) के बीच एसे वंतरक कन्तरण विचत में वास्त-फल, निमालिकित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिकित में वास्त- विक स्म से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुर्गेवधा के सिए; बोर्/या
- (अ) एसी किसी बाव या किसी थन या बच्च बास्तिकों को, जिन्हों भारतीक नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुनिधा के लिए;

नतः अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्वीक्तयों, अर्थात्:— ा श्री भूरेण बी० म्हाडगुट।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विनोद कुमारन ओन्कन।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना बारी करके प्योंक्त अध्यक्ति के वर्षण के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कार्य बाक्षेप 🏗 —

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीय बं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इद त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरों के पार लिखिल में किए जा सकीरों।

अध्यक्तिका निर्मा प्रभूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि -ही, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विज का है थे

## **थ**न्स्ची

पलैट नं० 107 जो इमारत नं० ए-38 योगी नगर• एक्सार रोड बोरिबली (प०) बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ०मं० अई-4/37ईई/17093/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है। ▮

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्राधकर प्रापुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-4 बस्ब**र्ड**

दिनांक: 6-1-1986

ोहर :

# मास्य भार्यः दी धन्यप्त । व व्यवस्थान

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

#### भारत चरकार

कार्यांचय, सहायक नायकार नाय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बबई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्रई--4/37 ईई/17123/84-85---ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह भिष्टास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 जो तल माला विक्रम प्रपार्टमेंटस एस० टी० रोड बोखिली (प) बम्बई~92 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है

दिनांक 1-5-1985

कं पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिकी (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योध्य से सक्त अन्तरण किस्सा में सास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त प्रतिनियम के अभीन कार दोने के मन्दरक के सर्वन्त में क्ष्मी क्ष्मने या उनमें भवने में सुविधा के लिए; दौर/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का विन्हें भारतीय सावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था कियाने में सुविधा के निष्

कतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्मिनियत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री परेश जी शाह और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती अमृत बेन चंपशो कारीया ७र्फ णहा और अन्य । (अन्तरिती)

्रम्<mark>ती सह सुम्या पाटी करके प्यांतित सम्परित के वर्ष</mark>न के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्यना की तासीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकतो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्पत्त विधिषयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

दुकान न० 1 जो तल माला विक्रम श्रपार्टमेंटस्, एल० टी० रोड, बोखिली (प), बम्बई-92 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाक क० मं० श्रई-4/37-ईई/17123/84-85 और जो स्थाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सत्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक: 6-1-1986

## इक्क्ष्य मञ्जूरे, जी, एक एस,------

आयकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) क**ी पार** 269-प (1) के जधीन स्पना

### भारत न्रस्कार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बर्ड, दिनांक 6 जनवरी 1986 गर्ड-- 4/ 37- ईई/ 16813/84- 85--ग्र**त**: निर्देश सं०

मझे लक्ष्मण दास, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसके इसके प्रत्यात 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ह के मधीन मक्षण शांभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य,

1, ⊌∪, 000/- रह. से अधिक है और जिसकी मं० दूकान नं० 3. जो, तल माला, ईमारन रोका डिया प्रपार्टमेट, बिग-की किमका सी० ट/० एस० विहलेज एक्सार, रोकाडिया लेन, बोजिलीं (प), बम्बई-92 में स्थित (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रजिस्ट्री है

दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास भारती का कारण है कि श्रेषापुर्विक्त संपरित का उचित अखार 🏨 य, उराकं दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लूह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया पया प्रति-कार रिनम्निलिश्वित उद्दोषय में उक्त अम्परण निकित में बारतियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) प्रत्यार मां शाक्षी किया किया की **गावल, उक्त** अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक की वाभित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कं⊤लए और/या
- 🙀) एको किसी आय या किसी भन या जस्य आस्तियाँ कारे जिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, डिडमान में मुसिया के लिए.

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की बनुसरण #\*, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रान्त अवन्तितिखन व्यक्तिमाँ, अर्थात् :---

ा. रोकाडिया इंटरप्रायजेस

(श्रन्तरक)

2. लियागत ग्रली छेदी और ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

का यह स्चना अपनी कारके पूर्वीवस संपरित की वर्षन की कार्यवर्गतयां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुखला के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्बना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंती का, नो उन्ह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गयां हैं।

### नन्स्की

दुकान नं० 3, जो, नल माला, इमारत रोकाडिया त्रपार्टमेंटस विग-त्री, जिसका साटी एस० नं॰ 2459, विहलेज एक्सार, रोकाडिया लेन, बोखिली (प), बम्बई-92 में स्थित

ग्रन्मुचो जैमाकी क० सं० ग्रई-4/37-ईई/16813/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजोस्टई किया गण है।

> लक्ष्ममण दास. नक्षम प्राघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 6-1-1986

प्रारूप आहें, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर िताकी मं० दुनान नं० 1, जी सिध्दार्थ, प्लाट नं० 34, श्राय मीं० कालंनी, बोखिली (६), श्रम्बई 103 में स्थित हैं श्रीर इससे उसाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिसका करारताना, श्रायकर श्रीवियम 1961,की बारा 269, 5, ख के श्रशीत बस्बई स्थित सक्षम श्राविकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं।

दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स श्रेयस कन्स्ट्रनशन्स।

(भ्रन्तरक)

 श्री० माँस्कॅरेहान्ह्स मार्कस इडुग्नर श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथांक्त सम्परित के वर्षन के सिरू कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारींस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया ह<sup>3</sup>।

## अनुसूची

दूरान नं 19, जो, िहध्दाथ, प्लॉट नं 34, जो, म्राय० मी क्लालॅनी, बोखिली (प), बम्बई-103 में स्थित है। 84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकादी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 6-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आवकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्बागव, सङ्गायक आयकर आयकत निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/16871/84-85-**-श**तः मुझे, लक्ष्मण दास

गावकर गौभनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इतको पश्चात् 'अक्ष अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अभीन सक्ता प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक **है** 

श्रीर जिसकी सं० दूरान नं० 6, जो, तलमाला गिरनार, अपार्टमेंट, श्रांफ़ मंडपेश्वर रोड, गोविद नगर बोखिली (पण), बम्बई-92 में स्थित है और इससे अवबद्ध अनुसूची में ग्रोट पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका हरारतामा ग्रायकर ग्रचिनियम 1961, की धारा 269, ए, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राघिष्ठारी के कार्यालय में रजिस्दी है। दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफोस के लिए अन्तरित की गई है और मुझी यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित नाजार म्ला, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंबद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से**हुई** किसी आधकी बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भाररतीय आय-कर अधिनियम, (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजरार्थ अन्तरिती व्वारः प्रकट नहीं किया गया था यः किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, इक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नफ्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- ा. श्री मणिलाल मांगजी केनिया और श्रन्य। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री करमधी मंदन पटेल।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स.सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ब** से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होंसी हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सांपत्ति में हितनकुध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० ६, जो, तलमाला गिरनार अपार्टमेंट, श्रांफ़ मंडपेश्वर रोड, गोविंद नगर बोविली (प०), 92 में स्थित है।

ग्रन्भ्ची जैयाको कर संर ग्रई-4/37-ईई16871/ 84-85 ग्रीर जो नक्षम प्राधि प्रारी बम्बई द्वारा दिनौक 1--5--1985 को एजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायश श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, गम्बई

दिनांक: 6-1-1986

मोहरः

प्रकृष बाई. टी एन एस ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सम्रग

भारत महकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, वस्वई
वस्वई, दिनांग 6 जनवरी 1986
निर्देश सं० श्रई-4/37 ईई/20013/84-85--श्रतः
मुझे लक्ष्मण दास

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राथा है), की धारा 289-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. है अधिक है

म्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 10, जो 3री मंजिल, बंच मांफ बरोडा एम्प्लाईज को-म्राप हाउदिंग सोमाईटी लिं० एक टी० रोड, बोखली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर अधिविजम 1961, की घारा 269, ः, ख के म्रधीन मिंबई स्थित लक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गड़ें हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमुन प्रतिकास का पढ़ह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम प्रामा गया प्रतिकास, निम्मितिसित उच्चरेप से अक्त अंतरण लिखित में गम्यविका रूप से काथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सहर किसा अध्य की वाबते, उक्त बिसियम जे अवीच कार दीन की अन्तरक की दायिख में कभी कपने या उससे बदन में मुविधा के लिए; श्रीप/शा
- (ब) एसी किस्से नाव या किसी धन वा अन्य आस्तियां की, जिन्हें पारतीय वासकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियस, या धन- कर अधिनियस, या धन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुआरा यकट नहीं किया गया था या जिल्ला का बाहिए था, स्थिपने में स्नृतिधा की निया

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित ध्यिक्तयों, संधात कु--- ा. श्री ए० ग्रार० खेर।

(अन्तरक)

2. पी० बालकृष्ण पिल्लाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उसत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में । इस-नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास टिकाल में किए हा सक्ते

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रमृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याध में दिया। वस हैं.

#### श्रमणी

फ्लेट नं 1, जो 3री मंजिल, बैन्छ स्नाफ़ बढ़ौदा एक्प्लाईज, को--स्नाप ह. एरिंग सोसाईटी लिंग, एवंग टींगरोड बोखिली (प), बस्बई 92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाक कर सर गई-4/37-ईई/2001-3/ -84-85 और सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकाशी सहायक आयकर आहुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

ंबिलांक - 6-1-1986 मोहर : प्रकथ महर्षे दी . एन . एस . ---- 🐃

सर्यकार क्रीचितिकम् । 1961 (1961 का 43) की क्रीसर 969 थ (1) के बचीन सचन

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रजंन रेज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांदः 6 यनवरी 1986 निर्देश सं० भ्रई--4/37--ईई/16965/84--85---भ्रत:

मुझे लक्ष्मण दास

कासकर किंचियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रथात 'जिल्ल किंचियम' कहा गया है), की भारा 369-च के अभीत सक्षम मधिकारी को यह विश्यम करने का कारण है कि स्थानर संपीत्त, जिसका संचित्त बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से निधक है

ग्रं"र जिलकी सं०

प्लाट नं० 625, टी॰पी॰ एस॰ 3, णिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई 92 में रियत है और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रवित्यम 1961, की धारा 269, क, खें श्रीत बम्बई स्थित प्रक्षम प्राधिकारी के विद्यालय में रजिस्ट्री है। तिनां र 1-5-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है जौर मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि संयापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृत्य , उसके क्ष्यमान प्रतिफन से, एचे द्रश्यमान प्रतिफल क्ष्य पंचा अतिकास क्ष्य पंचा अतिकास के पंचा के प्या के पंचा के प्या के पंचा के प्या के प्या

- (क) अन्धरण में हुइ फिल्ली नाय की शायत हम्ह मिनिनियम के स्पीत कर योगे के भारतपुर की वास्तित्व में कसी भारते या उससे जबने में मुविधा को लिए; और/या
- (म) एसी कियाँ काम ना किसी पत्र या शतः जासिवाँ

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या भनकर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण कें, में, उवत अधिनियर की धारा 269 घ ती उपधारा (1) भी बधीन निक्रिनियत व्यक्तिमों, अर्थात :— 64-446GI/85

त्रीमती शांताबेन बी संचेला श्रीर अन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० एस० वि० कृष्णन ग्रैयर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्स सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रेप :----

- (क) इस स्वता को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच नै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बक्थ किमी जन्य व्यक्ति द्वारा जथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टि।करण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, जो उच्च अध्याय में दिया गया है,

#### अन्सची

दुकान नं० 8, जो, मधुसूदन टेरेस, प्लाट नं० 625, टी० पी० एस० शिम्पीली रोड, बोग्स्लिः (प), बम्बई-92, में स्थित है।

श्रनुसूची जैहाकि ऋ०ं सं० श्रार्ड-4/37ईई/16965/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की रजिस्टर्ड िया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रैंज-4, बम्बई

दिनांव ' 6-1-86

मोहर ः

**प्रमुख्यार्थः हो** , एन . एस<sub>्य</sub> - - क स्थान

भावकार निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के स्थीन स्थान

#### भारत सहस्रा

कार्यालय, महायक आयकर आयकत निरीक्षण) अर्जन रेज-ग, गम्बर्ड बम्बई, दिनांक 6 जनकरी 1986

निर्दश मं० अई-4/37-ईई/17057/84-85---यत: मुझे, लक्ष्मण दारा

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क में अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह पिक्याध करने का मार्रण है कि स्थावर सम्पत्ति , विश्वका उचित नावार मृस्व 1,00,000/- रहः से अधिक है

ग्राँग जिसकी सं० फ्लेट नं० 24, जो, ए-इमारत, 2री संजिल, वसुधरा अपार्टमेंट, एस० वि० रोष्ट, बोरिवली (प), यम्बई-92 में स्थित है ग्राँग इसमें उपावक अनुसूची में ग्राँग पूर्णकर में विणित है ग्राँग जिसका अभागतामा आसान शर्मार एम, 1961, की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजीस्ट्री है। दिसांक 1-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति की उपित बाजार मून्य ते क्र के दश्यमान असिक को सिए अन्तरित की अहाँ हो और मुक्ते यह विकथान करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित्र प्राजार भूरय, उसके दश्यमान प्रतिकल में, देसे रश्यमान प्रतिकल का क्ष्मिक हो और अन्तरका (अन्तरका) बीर अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अस्तरण वो जिए तथ नामा प्रतिकल, विक्नितियात उन्नदेश से अस्तरका लिए तथ नामा प्रतिकल, विक्नितियात उन्नदेश से अस्तरका लिए तथ नामा प्रतिकल, विक्नितियात उन्नदेश से अस्तरका लिएन में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रधोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया गया था या िकया जाना चाहिए था छिपाने में सूनिधा बैसिए;

नतः सव, उन्त विधिनियम की पारा 269-म के अगुरुषम ते, मी, उन्त विधिनियम की धारा 269-म के उपपादः (४) है बसीन, निम्मिनियस व्यक्तियों, सम्मित ३---

- 1. शीमती कृशिर्मा । वहवस्ताल मामतोसा । (अस्तरक)
- श्री हरीण प्र गुणा श्रीर अन्य। (अन्यरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वना की तामील से 30 दिन की मयिश, जो भी जबिश माद में गमापत होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्विकत द्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपन में प्रकातन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ फिसी जन्म स्थाबित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान जिस्ति में किए था सकोंगे।

स्वव्याकरण:---द्समें प्रमुक्त खब्दों शीर पदों का, जो बक्स श्रीविवयां के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिका गया ही।

#### नन्त्र भी

फ्लेट नं० 24, जो, ए—इमाग्त 2री मंजिल, वर्मुधना असर्टमेंट एम० वि० रोड, वोर्विली (प), बम्बई—92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कु० सं० अई-4/37ईई/17057/ 84-85 ऑंग जो क्षिम प्राचि ती बम्बई हारा जिलात 1-5-1985 को सर्वाम्टर्ड रिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राप्ति घरी सहायक जासकर रायुक्त (किरीक्षण) स्रजीम रेंज-4, बस्बई

दिभांक: 6-1-1986

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन सुवन।

#### HICH TENE

### कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेज-4 बम्पई

बम्बई, दिनांग ८ जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/18708/84-85--यन: मुझे, तक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधिक वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रॉप्ट जिसकी सं० फ्लेट न० 701, जो, 7वी मजिश, श्री रघुवंशी अपार्टमेटस, हुदावर र रोड, बोरिवली (१), दम्बई— 92 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीप पूर्ण क्य के विधित है), श्रीप जिसका क्यापनामा आयक्त अधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के अधीन दिनोक 1-5-1985

का पृत्यक्त संपत्ति के उपित बाजार पृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरम संहुइ कि.सी आय की याक्त, उक्क अधिनियम कं लभीन कर द'न के बन्तरक के वानित्व में कवी करने या उत्तवे बलने में सुनिधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, चिन्हों भारतीय सायकर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, था धन-कर ऑधिनियम, था धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयाजवार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना वाहिए था, छिनाने में सुविधा खें किए;

अशः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुतरण कें, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियल व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री विनोद कुमार रणछोड जी पंचाल। (अन्तरक)
- 2 श्री उदय लक्ष्मी कान्त गाह स्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लियू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जासेच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी जन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए वा सकति।

स्पष्टिनिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पृदा का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विया नया है।

### बन्स्ची

फ्नेट नं० 701, जो, 7वी मंजिल, श्री रघवंशी श्रपार्टमेंट, चंदावरकररोड,बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैपाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/16708/84-85 थ्राँग जो सक्षम प्राघिणारी वस्बई द्वारा दिनाए 1-5-1985 को एजीस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आययक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—4, बम्बई

दिनां ह: 6-1-1986

प्रकृत चार्ता, क्षी, श्ला, एक. -----

सायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारव तरका

## कार्यासय, सहायक नामकर बाबुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक ७ जनवरी 1986

निर्देश > अई-4/37-ईई/17070/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण स

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अर्थ भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित संजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्व नं 67, एवं नं 2, बीठ टीठ एपं नं 1394, ब्हिलंज दिहसर, तालुका बीरिवली बम्बई में स्थितहै (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणा है), श्रीर जिल्ला जिसका करारनामा आयकर आधिनयम, 1961, की धारा क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राविकारी के प्रायित्य में रजीस्ट्री है

दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल के प्रमुख प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरुण के लिए तय गांगा गतिक क्षम निम्निसित उद्योग्य से स्वयं अन्तर्ण निवित में वास्त्यिक क्षम के कियत नहीं किया गया है किया

- (क) अंधरण से दूर्व किसी नाम की नानत, उनत प्रितियम के ल्योन कर बाने के बन्तरक से बादित्य में अभी करने ना असबे अज्ञमें भी सुविधा के जिए; बार/गा
- (क) एखि किसी अप या किसी यह पर क्षाप्त पारित को बिन्ही भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, मा प्रतिक कर अभिनियम, मा प्रतिक कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजवार्ज बन्ता दिया बुवास प्रकट वहीं किया या था वा बिना जाना आहिए था, जियाने में बुविया के लिया;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण अंत, स<sup>व</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत :- -

- श्री एस० एम० सोलेलकर, श्री एस० के० खरोड, श्रीर श्री आए० वो० वि. सेरेंडकर। (अन्तर्क)
- श्रो सेरेंन्द्र गोयल मेसर्स आए० एस० गोयल बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

का बह सूचना आरो करके प्रांक्त सक्यातम से वर्चन से सिए-

उक्त सम्पत्ति के केवन के सम्बन्ध में कोड़े भी बासीय:---

- (क) इस त्यान क रायपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जनिय था उत्सन के व्यक्तियों पर स्थान की बामीन से 30 दिम की व्यक्ति, को बी अवधि नार में संप्राप्त होती हो, के भीतर प्रांचल व्यक्तियों में ते जिसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी बन्ध म्यक्ति स्वारा बचोइस्ताक्षरी के बास निविक्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त बन्धें और पखें का, वो उन्त अधिनियम, के स्थाय 20-क में परिभासिट है नहीं पर्य होगा नो उन प्रव्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

खुला जमीत का हिस्सा जिसका सर्व नं० 67, एव० न० 2, सी० टी० ए८० गं० :394, ब्हिलेज दहिसर, तालका बोरियलो बस्बई में स्थित हैं।

अनुमुची जैसाकी क० सं० ग्राई-4/37–ई $\frac{5}{17070}/84$ –85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1–5–1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बस्बई

दिनांक:- 6-1-1985

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस . -----

**्नायकर अभिनियम, 1961 /1961** का 43) की बारा 269-म (१) के बबीन श्वाम

#### बारत सरकार

### कार्यासम, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक ा प्रावरी 1980 निर्देश स० अई-4/3/ईई/2004/34-35--अत: मुझे, रूक्ष्मण दास,

भायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ली सं० फ्लैट नं० ३७, जो ३२ी मंजिल, मुन्दर बाग. एस० बि० रोड, दहिरा (पूर्व ), बस्बई-4009४८ में स्थित है), (ब्रॉटडनम उपायह अनुसूची में ब्रॉट पूर्ण रूप से बर्टिट है), क्रोर कियार राजारातामा आयर्ष राधितिसा, १६६० की धारा 259, ए, ख के अधीन बम्तई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में अजिल्हों है दियो छ । 1-5--1985

को प्रशेषत संपरित के उच्छि अधार मूस्स में कम के ध्वयमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाबार ूब्स्य, ससके अध्यमान प्रतिकास से, ए से व्यवसान प्रतिकास का पहन् **प्रतिकात से** अधिक **है औ**र अस्ताह (बिखायारी) । बीट संघर्षि अन्तरिक्षणों) के शीभ एसे अन्तरण के शिए गए शब्द एवं: शिल्प कंस निम्नीनियत उद्वांस्य स उक्त मन्तारण निवास में बास्त-विक कप सं करियत नहीं किया गया है ---

- (क) मन्तरण से इर्द्र किली भाव की शबत, इत्रु अभिनियम को अभीन कर उने के अस्तरक औ बाबित्य में कभी करने या उत्तर्श बचने में सुविधा कं जिए; बौर/वा
- (च) एंसी किसी अगय था किसी धन मा कल्य अगितयों का, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकः अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनायं अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के तिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

ा श्री बुरुप्राती वाली मरेडिया।

(अन्तरक)

्र. धी उपेद्र जनेथ शास्त्राधा।

(भ्रन्धरिती )

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 बिन की अवधि, वो भी लविष बाद में समान्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त न्यविरुवाँ में सं किसी व्यक्ति वृवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विसबद्धभ किसी बन्य व्यक्ति युवाच वश्राह्मसाक्षरी के पास जिखित में किए आ स्केंगे।

श्पष्टाकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है.. हैं, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 20, जो, 3री मंजिल, सुन्दर बाग,एस० वि० रोड, बहिसर (पूर्व), लम्बई-400008 में स्थित है। भन्सूबी जैनाकी कि० सं> जई-4/37—ईई/20041/ 84--85 और जो सक्षम पाधिजारी, पम्बई द्वारा दिनां ह 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास राक्षम प्राधिकारी राह्यक आयाहर अत्युक्त (किरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बई

दिमांक: 6-1-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

## नायकर अधिनिवस 1961 (1961 का 43) की भारा

260-भ (1) के अधीन मुचनः

#### भारत सहकार

## कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

यसाई, दिनौंक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रर्द-4/37-ईई/12005/84-85--श्रत: मझे, लक्ष्मण दास,

नायकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा , जो, व्हिलेज कान्हेरी फायनल प्लाट नं० 8, सब नं० 82/2, सर्वे नं० 55-8, सी० टी० एस० नं० 156/ के०, टी० पी० एस० 3, बोरिबली बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से बॉणन है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 को धारा 269, क, ख है; अर्थीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय पे रिजस्ट्री है

दिनांक 1-5-1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उनित प्राप्तार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करण का कारण ही कि स्मानर सम्पत्ति, जिसका उ।चत बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (धन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण की लिए सर ज्या नवा प्रतिफल, निस्नलिखित उद्ववेष्य से उन्त जन्तरण सिविध धास्तिबक रूप में कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) प्रतारण सं इत्र किसी बाय की बाबत उक्त बाध-नियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के दायित्य में कमी करने था उससे यावने ही स्मृत्या के निया; बौर/या
- (ब) एंसी किसी नाय या जिसी धन या अन्य क्रीस्त्यां की, जिन्हीं भारतीय काशकर अंतिरीनयम, 1902 (1922 का 11) या उक्त विश्वित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धि प्रयोगनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपान के दिस्मा के लिए। वार्/मा

जतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (६) के अधीन, निम्मलिवित व्यक्तियों, वर्धात् :— 1. श्री मती जे० के० गालिया।

(भ्रन्तरक)

2 श्री कें एम सोलंकी श्री ए० के सोलंकी, श्रीर श्री एच० के० सोलंकी।

(अन्तरिती)

करें यह सूचना आरी करकें पूर्विक्त सम्पत्ति के बर्चन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति क वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वता के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीख म 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितबव्ध वेद्य किसी चन्य अधिकत द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित माँ किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमा श्र्युक्त शब्दा भार पता का, जो उक्त अधिनियम ३ तथार १८-८ मा पारमाधित है, बहुी अर्थ हाँगा का उस अध्याय मी दिया नगर म

### अमस्ची

जमीन का हिस्ता जो, व्हिलंज का न्हेरी, फायनल प्लाट नं 8 सर्वे नं 8 20/2, सर्वे नं 5 5-8, सी० टी० एस० नं  $156/\bar{a}$ , टी० पी० एस० नं 3, बोरियली बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० म० ग्राई--4/37--ईई/12005/ 84--85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5--1985 को रजिस्टडे किया गया है।

> लक्ष्मण दासू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 6-1-1986

### प्रकृष बाह्र . टी . एन . एस . -----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

#### मारत सरकार

### कार्याक्य, सहायक नायकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1986 निर्देश मं० श्रई-4/37-ईई $^{\prime}16873/84-85-$ -श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 , 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपरण हो। अधीय राजांचा, दिसका जीवन बाजार गुरुव 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा व्हिलेज दिह्मर, (पूर्व), तालुका बोरिवर्ला सर्वे तं० 335, एन० नं० 4, सी० टी० एम० नं० 1493, श्रौर 1506 दिह्सर बस्बई में स्थित है श्रौर इससे उपावह अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनौंक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के दर्शमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ष्में , उसके दश्यमान प्रतिफल से , ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित याँ बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बस्तरण ते हुइ फिसी शय की बाबत, अक्त अधिनियभ के बधीन कर दोने के बंतरक के वासित्य में कामी कारण पा एक्से उक्तन माँ श्रीमान्य के लिए; बाँर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त धीरिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रजाट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अधीत्:— भेनार्थ संज्ञा वाला कन्स्ट्रनशन्स ।

(भ्रन्तरक)

मेसर्स ग्रग्नवान यन्स्टुक्यन्स कंपनी।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध हो कोई भी बाओं। 🖚

- (क) प्रस सूचना के राजपत्र में अकाशन की जारील हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ
  अविधि तक में समान्त होती हो, के भीतर पूरीवित
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीता उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूभ किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पान तिबित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, आ उथन भाषितियम से अन्यास 20-क में परिशासित हो, बहु, अर्थ होंगा, जो हा का दे स

### ग्रनुसूची

जमीन का हिम्मा जो विह्लेज दिक्ष्मर, (पूर्व), नालुका बोरिवली सर्वे नं० 335, एव० नं० 4, सी० टी० एम० नं० 1493, श्रीर 1506 दिहमर वम्बई में स्थित है। श्रमुसूची जैसाकी ऋ० मं० श्रई-4/37ईई/16873/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी वम्बई हारा दिनाँक 1-5-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रोजन रेंज-4, वस्बई

दिनौक: 6-1-1986

प्र**रूप बाह**ै. टी. एन. एत. <sub>प्रयूप्तासम्बद्धः</sub>

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निराक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/16734/84-85--ग्रत. मुझे, लक्ष्मण दास

स्रौर जिसकी सं ज खुला जमीन का हिस्सा, जो दिहसर, सर्वे नं 255, 256, एच० नं 6 सी ही एस० नं 925 स्रौर 926, तालुका बोरिबली, बम्बई में स्थित है (स्रौर इपसे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से बिजित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्राधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के स्रशीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनौंक 1-5-1985

को पूर्वोक्त तस्पिक के जिनत बाबार मूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीशीयत उद्बदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप वे किश्वत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अप की बायत उक्त प्रिथ-अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी कारने या उससे अधने में सुविधा की शिष्ट;
- (स) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य झास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनयम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तियमें क्वाण श्रुष्ट नहीं किया गया आ था किया जाना भाषिए था, रिणाने में एजिना के लिए; और/या

जत: अब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-म की, उत्तम्पण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलि**वित व्यक्तियों, वर्धीत् क्र**—

- ा जॉन पारकल मिस्क्यूटा ग्रांर 4 भ्रन्य। (भ्रन्तरक)
- 2. चंदु तहि्लराम तालानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्घन के सिष् कार्यनाहियां करता हूं।

### उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्योकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

#### मन्सूची

खुला जमीन का हिस्सा, जो, दिहसर, सर्वे नं० 255, 256, एच० नं० 6, सी० टी० एस० नं० 925 श्रौर 926, नालुका बोरिवली बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि करु सं० श्रई-4/37–ईई/16734/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 6--1-1986

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. -----

भाषा र अधितियम, 1961 (1961 **का 43) की** গায় <u>2</u>69-জ (1) के अधीन स्**य**ना

### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनौंक 6 जनवरी 1986
निर्द्रण मं० श्रई-4/37श्रिई/17111/84-85---श्रतः

मुझे लक्ष्मण दाम शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें "सक परकात 'ाज्य अधिनियम' कहा गया है), की पार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार गुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 318, एच० नं० 7-ए, सी० टी० एन० नं० 1399, स्रंग), व्हिलेंज दहिन्र, (प्वं), बस्बई में स्थित है (स्रोर इतमे उपाबद्ध अनुसूचों में प्रोर पूर्ण रूप में विणित हैं), स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्द्री है। दिनौंक 1-5-1985

करे पूर्वीक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिएल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिका (अन्तरितिया) के बीच एपे अन्तरण के लिए तय पत्रा मया प्रतिकास है जिस्स से उक्त अन्तरण निचित में तास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनस्रण से हुइ किसी आय की बाबस्, उक्त को घिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कामी कारने या उससे तचने में मुन्दिधा के जिस्हा नौर/या
- (ए) पूरी किसी बाथ या किसी यम या क्या आस्थियां करों, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 को ), रा ना के अधिनियम, 1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना बाहिए था खिथान में सुनिधा के लिए:
- अस. अब, उक्त अभिनियम धी भारा ⊵60-म की अन्यास्त्र मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ा ौ अपभाग (े के अभीय, पिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्था 65—446GI/85

1-श्री ए० डो० पार्टील ग्रीर ग्रन्य।

(श्रन्तरक)

2 श्री निलिन जमना दान तेजूरा ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह भूजना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए। आर्यगहियां करता हो ।

ाः भग्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांद्र भी आक्षप :---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी राजितकों पर पुजना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पृथीवस व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उधत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में विका नदा है।

#### **प्रत्**मुची

सर्वे नं 318, एच० नं 7, ए सी० टी० एस० नं 0 1399, (श्रंग) विह्लेन दिह्सर, (पूर्व), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूचो नैसाकी ऋ० सं श्रिष्ठ-4/37 श्रई है/1711/ 1 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 की रजीस्टई किया गया है।

> (लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी सहाय ः ,श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनाक : 6-1-1236

प्रस्प कार्ड. दी. एन. एत. - - - ---

भाषकर, विधिनियम, 1961 (1951 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज--4, अम्बई

बम्बई दिनांक 6 जनवरी 1986 निवण सं० ग्रई-4/37-ई5/20020/84-85--अतः मृहो, लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हरूके पश्चात 'उक्त अधिभानयम' कहा गया हैं), का प्रभ्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं

यौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 459 (श्रंग), प्लाट नं० 71, 1/2 (श्रंग), टी० पी० एस० 2, व्हिलेज कान्हेरी, नालुका बोरियली बम्बई में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबह अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय ; रिस्ट्री है। दिनांक 1-5-1985

को भूबोंकत सम्पत्ति के उत्तित बाकार मृत्य से कम के क्ष्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिकल के पंतह प्रतिकान से अधिक हैं और यन्तरक (अंतर्कों) और संवरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पावा गवा प्रतिकल निम्नलिबित उद्वरेग से उक्त जन्हरण सिकित में सास्विक रूप से किया नया है :---

- (क) बलारण स हाई किसी धाय को शायक, अक्ल अन्यानसभ के सभीन कार दीने के अन्यारक । १९ उन्हें करने या उसमें बचने में अधिका के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उन्ध अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए:

भतः वय उक्त विधिन्यम की भारा 269-म की मन्तरण का, मी, उक्त विधिन्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्तिमिश्वत व्यक्तियों, वर्षात ६—

ा. योजेश ब्राय० पिटरा

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्भ विमल बिल्डर्भ।

(श्रन्दरिती)

का यह स्वना जारी करके प्योंकत सम्मृति के अर्थन के लिए अर्थिशिक्षणं करता हुए।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की नजिय प्रा तत्ममन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर अविधा में में रिसी क्षित्र अवार:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत रथावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के कास निमित्त में किए जा सकोगें।

राज्योक रेण — इससं प्रयुक्त क्राब्दों और पदों का, आ उक्य अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को जस अध्यास में तिया गया तै।

#### अनुसूची

मी० टी० एस० नं० 459, (ग्रंश), प्राट नं० 71, 1/2 (ग्रंश), टी० पी० एस० 2, व्हिलेश दान्हेरी, तालुका बोरिवली बम्बई में स्थित है।

श्रमुसुची जैसाकि कर संर श्र $\xi$ -्4/37-  $\xi \bar{t}/20020/84$ -85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार। यस्प्र्र द्वारा दिनांदा 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

त्रक्ष्मण दास्≱ सद्धम प्राधिकारी सह।यक स्रायकप स्रायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रोज−4, बम्बर्ड

दिनांबः: 6--1-1986

मॅ(हर:

प्ररूप आहें.टो. एन. एस. -----

आयबार श्रीश्रीन्यमः, 1961 (1961 का 43) कौ 269-भ(1) के क्ष्मीन स्थान

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहामक भायकार नायुक्त (निर्शाक्तक)

श्रर्जन रेज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 6 जनवरी 1986

निर्देण गरे गई--4/37-ईई/16908/84-85--- प्रतः मुझे सक्ष्मण टास,

प्राथकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं ६समें सके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापन सम्बीत, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर चिसकी सं ० फ्लेट नं ० 54, जो, विग—ए, 5वीं मंजित वसुंधरा इसारदत, एस० नं ० 161/2/5, एस० वि० रोड, बोरिवली वस्वई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर विसरा करारमान श्रायन श्रीधित्यम 1961 की धारा 269, ने, ख ने अर्धान बस्बई स्थित क्षय प्राधितारी के नायांत्रण में रिचस्त्री हैं दिनों । 1-5-1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ नाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (अ) एमो किसी आय या निस्ता धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अस्तिवन, या ६०-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

ा. श्री पुरूषं(त्तम लाल ग्रगरवाल।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती इला एम० मेहता।

(ग्रन्तरिती)

का यह सम्बना जारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूकत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 54, एो, बिग+ए, 5वी मंजिल, बसुंधरा इसारा, एस० नं० 161/2/5, एव० त्रि० होड, बोरिबली बस्ब**ई** में स्थित है।

श्रत्मुची जैसाकी किं० सं० श्राष्ट्र-4/37-१६/16908/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिवारी बम्बई द्वारा दिनांदा 1-5-198 5क रिनस्टई विया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 6-1-19**8**6

प्रस्प आहं दी एन . एस . -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्भना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनां = 6 जनवरी 1986 निर्वेश सं० श्रई-4/37-ईई/16953/84-85---ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास,

अभिकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन दम हिस्सा जिस म सर्वे नं० 22027, 22/21, 22/20 20/2, 18/2, 17/19, 20/1, व्हिलेज पोईसर तालुम लोरिवली अम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269, का, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है

दिनांदः 1-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दूरयभान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्विमा से उक्त अन्तरण तिबित में वास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कत, उक्य अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खत व्यक्तियों, अधीत :---  हेक्टोर पाँच फोन्सेका आँग श्रीमती नेली इं० फोन्सेका।

(ग्रन्तरकः)

2. एच० ग्रो० एम- इ० प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना नारी करके पृथींकत मन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया ही।

### श्रनुसूची

जमीत तिसजा सर्वे नं० 22027, 22 $_{\parallel}$ 21, 22 $_{\parallel}$ 20, 20 $_{\parallel}$ 2, 18 $_{\parallel}$ 2, 17 $_{\parallel}$ 19, 20 $_{\parallel}$ 1, बिहलेज पोईसर, तालुला बोरिवली बम्बई में स्थित है।

स्रतुमुची जैसा ऋं०िक सं० स्नई-4/37-ईई/16952/ 84-85 स्नौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांच: 6-1-19**8**6

प्रकार, कास्ते की गृज, गुण, ----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत भरकार

### कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-37 जी/98/83~84--ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फन्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार भून्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन ा हिस्सा जिसका सर्वे नं 23, एचं वं 2, (श्रंश), सी टिंग एसं नं 332-इ टीं पी एसं 3 कि हिला एससार, तालुका बोरियली बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुवी में श्रीर पूर्ण स्प से विणत है श्रीर जिसका करारतामा आयकर श्रिधितयम 1961 को धारा 269 ा, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांका 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विकास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उपित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तरक का विकास में कांचिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्निविचित उद्वेदक स उपत अन्तरण कि विकास यो प्रतिफल निम्निविचित उद्वेदक स उपत अन्तरण कि विकास से अन्तरण के लिए तय कार्या गया प्रतिफल जिम्मिक कर से कांचित वहीं कि सा गया है अन्तरण कि विकास से अन्तरण के लिए तम निम्मिक कर से कांचित वहीं कि सा गया है अन्तरण

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर धने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उनमें पकते में स्थित के किए सौर्ना
- (६) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कता. जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त आयिक्यम, अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरियो क्षारा पाट कही किया गरा था किया जाना चाहिए था कियान में सिवा के लिए.

बत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अथित् :— मंदिख्वर एख० म्हात्त्रे।

(श्रान्तर्यः)

2. श्री विनास-वैभव को ० औंग हाउसिंग सोसाईटी विमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना भारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उसल सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में आही भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्थित स 45 विन का अविध के निस्मक्तिया व्यक्तिया पर कि कि निस्मक के कि कि कि कि कि कि कि अविभ बाद में स्थापत होती हो, के भीतर पृथेकिक व्यक्तियों में भें किभी व्यक्ति हवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख रे 45 दिन के भी रेर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिखा बच्च किसी अप्य व्यापन द्वारा अपाहिस्ताक्षरों के पास लिखित में विकार जा मर्थने ।

स्पष्टीकरण: -- इराची प्रयुक्त शब्दों आहे. पदाँ का, आ उक्त मिभिभ्यम के अध्याय 20-कः में परिभाषित ही, बही अभे होंगा औं उस अध्याय में विभा एका ही।

#### **ध**नुसूची

ग्रनुमूची जैसाकि विलेख सं० एस०-4069/84 भ्रौर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांः 24-5-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकार क्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 6-1-1986

्रयस्य बाह्री, टी., एन., एस.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### मारत बरकार

कार्यांबर्, सहायक नायकर नाय्क्त (निर्धिक्न)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, 6

6 ₹1 **198**6

निर्देश मं० अई-4/37-जी० 97 1985-86--अतः, मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्षमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण पं कि स्थावर संस्पित्त, जिसका उचित बाजार भूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी मं० जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 23, एच० नं० 2 (श्रंग), सी० टी० एस० नं० 332-ई (श्रंग), बिलेज एक्सार, टी० पी० एस० नं० 3, तालुका बोरियली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है औड कन्तरक (वन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा थया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में यास्तिक कप से किथत वहीं किया गवा है है—

- (क) बन्दरण थे हुई जिस्सी बाद की बाबस, उनस् विभिन्दम के वर्षीय कर दोने के जन्दर्क के राजित्स में कवी करने वा बक्को असमें में द्विभा के सिए; बॉर/बा
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था छिपाने जें भाजभा को सिष्;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— माहर : 1. श्री के० के० काटे

(अन्पर्क)

2. मै० विलास वैभव को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

की वह क्षाना बादी करके प्वॉक्त सम्मृत्ति के वर्षन के मिँध कार्यनाहियां सुक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस बूचना के राव्यंत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन की अविक् या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सुवना के राजपन में प्रकाशर की तारीज स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वास जभाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### प्रमुख्यी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-4034/84 फ्रांर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 6-12-1986

मोहर

### प्रकृप शाह .टी.एन.एस.-----

# बावकर मीधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊶4, बम्बई बम्बई. दिनांक 6 जनवरी 1986 निर्देश सं० अई-4/37-जी०/96/1985-86--अतः, मुझे, ∰बक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

ष्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 80-ए, जो, कांदिवली इंडस्ट्रियल इस्टेट, विलेज कांदिवली, कालुका बोध्विली, बरबई में स्थित है (ब्रांथ इसमें उपबाद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, शारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पांत्त के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक एसे किया गया है :——

- (का) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बावस उक्स सिंध नियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी कारने वा उसके वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (म) एसी किसी नाय वा किसी धन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अल्ला नाहिए था क्रिपाने में गुनिशा के सिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निनिधिष्ठ व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती घं० सी० चात्रराय ग्रांर अन्य।

(अन्तर्क)

2. श्री मेहल मी० दलाल ग्रांग अन्य।

(अन्तरिती )

की वह स्थाना **धारी कर**के प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्भन्ध में कोई भी काक्षंप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) 4स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित । भद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष विधिनयम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, बही अर्थ रोगा, को उस प्रध्याय में पितक पदा ही।

#### वन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-1318/85 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार, बस्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिशांक: 6-1-1986

### वस्य बाइ . टी . एन . एच . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

### कार्यांनय, सहायक जायकर मायुक्त (निरन्धिकार्ण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिलांक ह जनवरी 1985

विदेश सं० अ**ई**-4/3 --ईई/16972/82 -85---भागः, मुझे, लक्ष्मण दास.

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चान् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्तम प्राधिकरी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृहर 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

प्रॉप्ट जिसकी मं० सम्यन्ति, जो, विलेज पोई-र, कांदिवली प्रांप बोध्विली है बीच, बस्पई में निथल है (ग्रांप इक्ष्मे उपायक अनुसूची में आप पूर्ण कर से बणित है), प्रांप जिल्हा अनुसूची में आप पूर्ण कर से बणित है), प्रांप जिल्हा अनुसूची अक्षान अक्ष्यार अधिनियम, 1961 की धारा 269ए, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के तार्यालय में प्रजिस्ट्री है, तारीख 1–5–1985 की

को प्रशिक्ष सम्पत्ति को उचित बाह्यर मूल्य स क्या की दृश्यभाग प्रतिफल को लिए जीतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात अरने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरित्रों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तम पामा गमा प्रतिफ ल्लीम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में अस्तर्थ के ध्य से किंग नहीं किया गमा है ----

- (स्र) कस्तरण से हुवाँ किसी जाथ की बाबता, उनतः अभितानगत के अधीत एक अधि के प्राप्त के प्राप्त के स्वितान में कमी करने या उभसे बचाने में मृष्यिया के लिए; शरि/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का । या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यान में मूविशा के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

श्री डी० अ० इस्तणी ग्रॅंगर 10 अन्य।

(अन्तरका)

- 2. मै॰ एत० श्रो॰ एम॰ ई॰ प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरिनी)
- 3. मैं इतिबन्धु एसोसियेट्स।
  (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हण्याक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के गर्जन के रावध में कोई भा आक्षप .--

- (क) इस सूचना के उप्पथ्न में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएसक्श किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वार लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्बक्दिक्तरणः -- इसभा प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के मध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में क्या गण हैं।

### भगसची

प्रमास्ति जो, विलेज पोईनर, कांदिवली ग्रं(र बोरिजली के बीच वम्बई में स्थित है ।

्तृसूची जैना किक संज्याई-4/37-ईई/16972/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> लक्ष्मण दः सक्षम प्राधि हारी सहायह आयक्षर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, अम्बर्ड

दियाँन: ५-1-1986

TT: " :

### प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के बधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनां क 6 जनवरी 1986

िर्देश सं० अई-4/37-ईई/16745/84-85--अ:, मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है ग्रीर जिन्नी संव खुना जमीन का हिस्ता, जिनका सर्वे नं० 20, एव० नं० 2, ार्वे नं० 20, एव० नं० 3, स्कीस, विलेश एकतार, बोरियली तालुका, बम्बई में स्थित है (ग्रार इतसे उनाबद्ध अनुभूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिलका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की बाह्य 2395, खा अबीप, बम्बई स्थित संभाग प्राधि-हारी के हार्याक्य में एजिस्ही है, आरीख को पर्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण 🕏 िए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से क्कत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हु :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित का चिक्तथों, अर्थात् :—— 66—446GI/85

- 1 श्री आत्माराम शांदाराम चोगले ग्रीर मेनर्स एल० टी० इन्स्ट्रक्शन कम्पनी।
  - (अन्तरक)
- 2. मेसर्स अगरवाल कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4. दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिदा गया है।

### अनुसूची

धुना जमीन का हिस्ता, जिन्न जर्बे नं० 20, एच० नं० 2, सर्वे नं० 20, एच० नं० 3, टी० पी० एस० 3 स्कीम, जो, त्रिनेन एक्नार, बोरिन्नली तालुका, वस्बई में स्थित है।

्रमुसूची जैजा ि क० सं० ्रई-4/37-ईई/16745/ 84-35 ग्रांट जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाज जक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां :: 6-1-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

A CONTROL OF THE PROPERTY OF T

बायकर जिथ्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांजय, सहायक जानकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जा। रेंज-ा, बम्बई
बम्बई, दिलांड 6 जलवरी 1986

निर्देश स० अई- 1/3%-ईई/ 534/84-85-अत: मुझे, निसार अहमद,

आयकर लिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- त से अधिक है

भौर जिस्की संव तमरा नंव 110, जो, सुरत सबक, 1ली मंजिल, सुरेत स्ट्रीट, बम्बई-9 में हिथ्य है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूण रूप से विणित है) और जिसका कराय्यामा अ. २६.२ अधिरियम 1961 की धारा 260%, खु के अधीन बन्बई स्थित उक्षम प्राधि और कार्यांचय में रिवस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

कों पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर् रितो (अंतरितिष्टों) के वीच इस अत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उवत अंतरण निश्वित में बास्तविष्य हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंडी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तियां का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में स्विधा के लिए,

कतः बंध, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री शांति स्वरूप गुप्ता।

(अन्तरक)

2. श्री शकर प्रसाद बाजोरिया।

and the second second section is a second se

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

कमरा नं 110, जो, सूर्य बदन, 1ली मंजिल, सूरत, स्ट्रीट, बम्बई-400009 में स्थित है।

अनुस्वी जैसा कि कि से अई-1/37—ईई/6082/84-85 फ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

िसार अहमर्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: C-1-1986

प्ररूप आर्धः टी. एन*,* **एकः ----**-

श्रीमती रेहमाखाई पडा० समनागी।

(बटारक)

2. श्री मोजतअनी के० मरेडिया।

(चन्प्रशितो )

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत नरकार

### कावसिव, सहावक शावकर बाव्यस (निरोक्षण)

अर्जन रेण-1, बम्बई बम्बई, दिनोग 6 जनवरी 1986

भिसार अहमद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसक्षे पर्वणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्री जिस्की संब दुहार नंब 4 जो सप मारा गुरु हिम्मत डा० मुध्यारेहरा रोड साक्षमाद बम्बई-10 में स्थित है। (भीर इतन उपायद अनुसूत्री में और पूर्ण का ने विणि। है), श्रीर जिल्ला गापिसामा जायजर अधिरियम 1961 की धारा 309 व्या के अधीत वस्त्रई स्थित क्षम प्राक्ति कारी के रार्धालय में अधिकर्दा है आरीख 1 अहन-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मुक्के यह विश्वास फरने का कारण है कि यशायकित संपत्ति का उक्ति वासार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसि दश्यमान प्रतिफल के **गम्बर्ध प्रतिशाल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) बौर** भन्तरिती (अन्तरितियों) के वीभ एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, जिस्तिनिश्चित उत्वरेष से उत्तर अन्तरुण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (कः) अंतरण वे हुई किसी आभ की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यारक की दायित्व में कमी कररे या उत्तरे वचने में सुविधा के जिए; गरि/या
- (का) होसी किसी साथ या किसी धन या उत्त्य अवस्तियो का जिल्हां भारतीय बायकर अधिनिया, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या भन-कर अरघोत्तिसम्म, 195**7 (1957 का 27) क** प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

कतः भव, अक्त अभिनियम की भारा 269-न के बनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) म अशीन , विम्मीलि**क्टल व्यक्तियों , वर्षात** ६—

को यह सुपना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बन्ध संपत्ति के नर्बन के संबंध में काई भी बाक्षेव :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकालन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन कि वयरिय, जो भी ब्यं भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि भागिता में में जिसी समाप्त देवाल
- (**श) इस सुष्पना के राजप**ण को अकाशन की एउटीया **स**े 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संपत्ति में इतिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सवर्षे।

स्पम्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, े भो **सम्ह** मिनियम् के अध्याम 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अभ्भाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुरुमि नं 4 जो धर माना गुरु हिम्मा डा० मस्कारेब्न्स रोड, म(अगांव बस्पई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कि के० सं० अई-1/3,-ईई/७123/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हार हिलांक 16-5-1985 को अजिस्टर्ड िया गया है।

> चिता**र** अहमद कक्षम आभिजारी सहायात् आयकण जान्यकः (विजीक्षण) अजेन रेज-1 बम्बई

नारीख: 6-1-1986

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ", टा. एव. एस. - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सूच्या

#### भारत सरकार

कार्यालय, महासक बासकर जामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज-1, वस्पई बस्बई, दिनां 6 जनवरी 1986

निर्देण मं० अई-1/37-ईई/०918/84-85---माः मुझे, निसार अहमदः,

भागका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें क्रिक प्रजार उक्त अधिनियम कहा गया है). का भारा 269 भ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह प्राप्त करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

प्रीर जिनकी लंक पन्न लंक 113 जो, 11वीं मंजिल, जिनकी लंक पन्न लंक 113 जो, 11वीं मंजिल, जिन वीं नी, उमें क्षेत्र, जिम्लिएधील इम्लिक, काम्प्रेड हम्बंक लाल मार्ग, जम्मुखाल्य ताल के लाल, रामा (पूर्व), बस्वई—37 में स्थित हैं (प्रीर इसके उपावद प्रमुखी में पूर्ण क्ष्म सं विणित है) ज जिल्ला लालनाम अ बाल अधि-जियम, 1931 की आला 2695, खाके अधीर, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तारी के लियांत्र, में राजिल्ही है अतिखान सक्षम प्राधि तारी के लियांत्र, में राजिल्ही है अतिखान 13-6-1985

क्ये पर्वक्थि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह जिस्सास करन का कारण है कि यभापुनोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्निजिसन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकान में शास्तिक भ्रंप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) शन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, उक्त प्राथितियम के प्रधीन कर दोने के बन्तरक के श्रीयत्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौरंबा
- (व) एसी फिमी उप या किसी पह स स्व आस्तिय की, जिन्हीं आस्तीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम देः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेष्ट्रनार्थ अस्तिरित्ती द्वारा पंकट नहीं किया गया था वा किया आने चाहिए था कियाने में मिर्धा के लि

ज्य: अ. अ. उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- श्री मोफनराज पी० मुनोट (हि० अ० कु०)।
   (अन्तरक)
- 2. श्रीमर्ता रत्ना अर्रावद्र नाथ पोदार। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकं पूर्वोक्त सम्हित के वर्धन के बिश् कार्यक हिया शरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति को बार्जन के सम्बन्ध में कोड़ी भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थमः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोकेश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टीकरणः:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जः अक्त अधिनियम के अभ्यार 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया स्वा हैं।

#### **धनु**सूची

फ्लैंट न० 113, जो, 11वीं मंजिल, विग बी-1 कर्म क्षेत्र, विमणिधिक्ष इमक्ति, क्षामुंड हरवंसलाल मार्ग, पण्मुखातन्द हाल के पास, जायन (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-1/37—ईई/6487/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रजिस्टड किया गया है।

नितार अहमद र सक्षम प्राधि नारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बर्ध

तारीख: 6-1-1986

प्रकम आही. टी. एम एस. -------

जायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### मारता सरकाह

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–1, बस्धई

बम्बई, दिशांक ६ जनवरी 1986

िंसर्वेण सं० अई—1/37—र्हर्ड्/0532/85—85—अः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजा मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ब्रीर जिनकी संब दुक्का तंब 10, जो, तल माला, पंजाब महत मारत, 25, उन्नू स्ट्रीट, जिल्ला मीठ एर वंब 4279, भूलेन्वर टिवीजिंद, वस्प्रई-3 में स्थित है (ब्रीर क्से उपाधद अनुमूर्वी में ब्रीर पूर्व मार से बर्णित है), ब्रार दिन में काल होना पाया पर्या कि काम प्राचित्र में की ब्रीर के ब्रीर क्से काम प्राचित्र में की ब्रीर क्से काम प्राचित्र में की ब्रीर के काम लिया में प्राचित्र है, सरीद 13-5-1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के इश्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अभिफल में आंध्य, ही और अन्तरक (अन्तरका) मार अ्वतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्दर्थ से उक्त अन्तरण जिलित विश्व से बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रृन्तरण सं हुई किसी बाय की बाधर, उच्च अधिमियम के अधीन कर दोने के बन्छरक चै दायिस्थ में कमी करने या उच्छे वचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धम एक द्वार जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बावर चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के स्टिं.

अतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण वै, वै, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धातः:—  श्री तूल्ताल असल्हील जाफर ग्राट रणीद कमन्दीन जाफर।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती नसीमबाई अव्यातमाई अकोलावाजा। (अन्यरिती)
- 3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकालन की तारीख़ सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल पें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर किंधिनियम, भे अभ्याय 20 क में परिभावित है, यही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

दुकात नं । 12, जो, तन माला, पंजाब महल इमारत, 25, डब्बू स्ट्रीट, जितका सी० एस० नं । 4279, भुलेख्बर डिबीजन, ब्रम्बई-3 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1/37-ईई/6080/ 84-85 ग्रांग जो सलम प्राधिकारी, बब्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अ**हमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बर्फ**

तारीख: 6-1-1986

### प्रकृत सहित्दी हो तुम तुम्म तुम्म तुम्म स्थान

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च ई1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

### काशीलय, सहायक बायकर बायुक्त (नियोक्सप)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6405/85-85--ात:, मुझे निसार अहमद,

नामकर माँभिनिसम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत मीमिनियम' कहा गया हाँ), को भारा 269-च के सभीम सक्तम प्रतिकारी को यह विस्थात करने का कारण हाँ कि स्थानर सन्वति, जिसका उचित मानार मुख्य 100,000/- रा. से मिथक हाँ

श्रीर जिल्लकी संव पत्रीट तंव 511, जो, विद्या बिहाप, 5वीं मंजिल, गांधी मार्केट के सामने, 17-ए, फरान्ह रोष्ट्र, जिल्ल सर्काल स्टेशन के पाल, लायप, बस्बई-23 में स्थिल हैं (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विशित हैं), श्रीर जिल्ला हरापरामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2395, ख है अधीं, बस्बई स्थित प्रक्षम शाधिनारी के आयिलय में राजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्बन्ति के उभित बाचार मूक्त संकार है अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का जीनत बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ्य प्रतिखत से बीधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एस अन्तरण के लिए तय पाया मना बिकस, निस्तिवित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण विविद्य में बास्तिविक रूप सं कथित नहीं किया नया है:---

- (क) बन्तरण में धुर्व कियी जाय की बावता, स्थाप बद्दियरिकान के बनीय कर योगे के बन्तरथ की बद्धियर को सभी करने या उससे बचने में बुविका से सिक्; धार/मा

जतः भव, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ए के अनुस्रम्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपवारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात:—

 श्री वन्याण एच० जोबातर श्रीर श्री नरेश एच० जोबाहर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रतीण अंदि मारू ग्रीर श्रीमती मालती पी० मारू।

(अन्तरिती)

को यह ब्याना बारी करके पूर्वीचल सम्पर्कत के नर्वन के तिवय कार्यगाहिकां करता हुं।

### प्रकश तक्ष्मशि को कर्णन को संबंध को काई भी कार्योग :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की सामील से 30 दिन की कविध , जो ती अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण्य में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उवस स्थावर सम्परित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तकरी के शक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **ओ उन्स** अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिवा गया है।

### नन्स्जी

फ्लैट नं० 511, जो, बिशा बिहार, 5वीं मंजिल, गांधी मार्केट के सामते, 17-ए, फलन्छ रोड़, किंग्ज सर्वेल स्टेशन के पास, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37–ईई/5984/84–85 धोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड सिया गया है।

निसार अहम**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, **बम्बई** 

नारीख: 6-1-1986

### बक्क बाद्दे ही . एन . एक . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत चरुका

### कार्यासय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जाः रेज-।, वस्त्रहे

बम्बई, दिनां ह 6 जनवरी 1986

भिषेश मं ० अई-1/37—ईई/6304/84–85—अतः मुझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

म्रोर जिनकी संश्राप्तियं नश्य 2-ए, जो प्रथी मंजिल, लेक्टीन चेंबर्स, चलाल स्ट्रीय, फोर्ट ग्रीय जिसका मीश एसश नंश् 78, बम्बई में स्थित है (आप एसशे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण चर ने विणि। है), श्रीय जिन्नता उपायकामा आयम्बई स्थित सक्षय प्राधितारी के नार्यात्य में परिष्टी है, सारीख 16-3-1885

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त राम्पत्ति का उचित हाजाः प्रमूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निसित में बास्तिक क्य से किया नहीं किया नहा है है—

- (क) बन्तरम मं हुई किसी आय की यामत उक्त मधिनियम से जभीन कर दोने के जंतरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिरा; और/भा
- (क) एसी किभी आय या स्थिमी घर ना महा जारिस्पर्य की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 की 11) या उत्तर अधिनियम 1922 महिकार अधिनियम, या महिकार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अतिरही दुवारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था स्थिमा असिया असिय

. अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , निम्तीनिक्त व्यक्तियों , अधित --- 1. श्री पी० एल० हराडिया।

(अन्तरक)

 श्रीमती मंत्राबेन गोताल रवाडिया ग्रॉप श्रीमती सर्विताबेन नविणचंद्र पटेल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

भा यह मूचना जारी करके पृत्रोंक्त मम्पास्ति के क्षर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में का**ंड** भी जाक्षेप एनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानित्यों में में किसी व्यक्ति इवारा.
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास स्थितिक व किस्स का स्थाप

म्पर्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा को उस अध्याध में दिया गया हैंं।

### वम् ३५री

यूषिट नं० 2-ए, जी, 4थी मंजिल, लेन्टीन चेंबर्स, दाल स्ट्रीट, फोर्ट, प्रार जिस हा सी० ए५० नं० 78, बम्बर्द में स्थिर, है:

अन्मूची जैसा ि करु सं० अई-1/37–ईई/6125/81–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16–5-1985 की रजिस्टई किया गुरा है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बर्ध** 

तारी**ख**: 6-!-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. - - -

नायकर निमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा भारा 269-व (1) के अभीन सचना

#### HIER DATE

### कार्यांतय, धहायक नायकर जायुक्त (निरक्तिक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/6500/84-85--अतः मुझे, निसार अहमद,

भायकर निधीनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातः सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00-000/- रा. से अधिक है

श्रीण जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 60%, जो, एठी संजिल, पूर्म अपार्ट मेंट्स इमा त. बी-क्याल, पूर्म प्रोग्टी को आप ० हार्जिस मोजायटी लिंग, णियजागर इस्टेट, डा० श्रामी वेसेस्ट रोड़ बरली बस्बई-18 में स्थित है (श्रीण इससे उपाबड अनुसूची में श्रीण पूर्ण कर से विणित है) श्रीण विजान कराएलामा आयम अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीत, बम्बई स्थित एक्षम श्रीधितारी के नार्याच्या में रिजिस्ट्री है, सारीख 8-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अारित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वित सम्बंधि का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-विचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) सन्तरण स होई सिसी काय की धावत, उक्त बीधितान की स्थीन कर दोने के अन्तरक की श्रीवत्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए बॉर/मा
- (क्ष) ऐसी िज्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिंड भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त कींधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उल्ल भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) गें अधीन, निऽवीनांबत व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमती चिमला अग्रवला

(अनारक)

2. श्री केमरीचंद बाबनदास अहा, गिरीण केशरीचंद गहा, जीन केमरीचंद शहा, श्रीर खा० जयेश केमरीचंद शहा।

(अन्तरिती )

अन्तिशितयों।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के रिर्ण कार्यवाहियां करता है

धनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि जाद में समाध्य होती हा, के भीतर पुदा श व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्ति च :---ध्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष हाँ, बही तर्प होगा जो उस अध्याय में प्रिअ गया है।

#### **मन्स्**ची

पर्लंड नं० 60 र, जो, 6ठी मंजित, पूतम अपार्डमेंट्स इमारत, डी-ब्बार, पूरप पोपर्टी को-क्रा.प० हाउदिन मोसायटी लि०, गिव सागर इस्टेट, डा० अनी वेगेन्ट रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/6049/ 85--86 और जो उजस प्राधिकारी, बस्बई द्वाण दिनांक 8--5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> निनार अहमद सक्षम प्राधिकरी महासङ आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

नारीस: 6-1-1986

प्ररूप बार्<sup>ड</sup>. टी. एन. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६७-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

फार्जालय, सहायक आयक्तर आयक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिशांग 6 जनवरी 1986

निदेश मं० अई-1/37-ईई/6482/84-85--अत: मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- स्ड. से अधिक **है** 

श्रीर जिनकी सं० दुराम नं० 16, जो, तल माला, बी-विंग, मान् आधिए प्रिमायनेय को-आप० हाउसिंग सोशायटी लि०, 39, नेजियत सी टोड़, अम्बई-36 में स्थित है (ग्रीर, इतमे उशावाद अनुसूची में श्रांत पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिसका ाराश्वामा शायकर अधिवियम, 1961 की धारा 259 ं, ख के अधीन, बस्बई रिथन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, वारीख 13-5-1985

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बदय-

मान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अर्धुभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) 🖏 बीच एपे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्न-शिक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- ंक) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के नभीत कर दोने के अन्तरक की क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में पविधा के लिए। और/पर
- (भा) एमी किमी जाय वा किमी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हीं भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर् व्यक्तित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्परिती दुधारा प्रकट नहीं किया गण भा एर जिल्ला अपने **चाहिल था फिल्ला**न को 👉 🖰 के जिए:

अतः अतः, १९७७ पश्चितियम् स्तौ भारा 26**9-ग के अत्यार**ण ए. रं एकत विधिनयम की भारा 200-व की उपभाग (1) र १० १ । श्रित व्यक्तिमा, अर्थात :--

67-446GI/85 .

🛕 जीभर्ता परमा लक्ष्मावद उदाशी।

(সালাপক)

2. विश्वयं चेंडीमह

(अन् रिती)

अन्तरिक्षिमें: ।

(बहु वाक्टि, जिल्हें अधियोग में शम्पः ति है)

को सङ्ग स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन को लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि , बाँ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेवत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच ानोपित मा किए **का सकोंगे।**

स्पर्धाकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भया है 🚯

बुबाग रं० 1 ८, जो, भार साता, बी-विंग, मान आफ्रिया िमाराव को-ग्राम हार्कीन सोवायटी विरु, ३०, लेखिक र्थ: रोड, बस्पई-3उ में स्थित है।

अन्सूची जैता कि ऋ० मं० ४ई-1/37-ईई/6115/ 85-86 श्रीर जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई उत्तरा दिनांक 13-5-1985 की यिजस्टई जिला गया है।

> कियाप अहमद अक्षम प्राधिकारी यहाय ६ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

लाभीख: 6-1-1986

प्रकृप आइ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायाल्य , गरायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—१, बम्बई

बम्बई, दिसॉह 6 जनवरी 1986

निर्देण सं० अई-1/37-55/6411/84-85-3त:, मुझे; निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोंग जिसकी सं० कार्यालय नं०134, जो, 13वी मंजिल ए-विन, श्रीण एक गाड़ी पारिंग जगह, बेलमेंट के अन्दर, "निल बोर्ट, प्राट नं० 224, ब्लाफ नं० 3, बैंक्वे रेक्ने- सेंगा स्कीम, जरीमत प्वाईन्ट, बम्दर्ग-32 में स्थित है (श्रीर इपने ज्याबद्ध अनुसूची में स्रीण पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कराणशामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधींग, वस्पई स्थित सक्षम प्राधि गरी के गार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वीविष्ठ सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **एरयमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके इञ्यमान प्रतिफल से, एसे इञ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिष्टात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की, वाधत, उक्त र्लाधनियम के अभीन कर दोने के अंटरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 
ं. म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपभारा (1)
के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों. अर्थातः :—

1. मेनर्स मनिए लूबीकान्ट्स।

(अन्तर्भरकः)

 मेनर्स जनपल मार्केटीग एण्ड मैन्यूफैक्लिंग कंपनी लिं०।

(अन्नरिती)

3. अन्तरिती

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पंत्रि है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए बाहियां सुरू केरता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उन्हेंत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया हैं।

#### वन्स्ची

कार्यालय नं 134, जो. 13वीं मंजित, ए-विस, और एक गाड़ी पार्टिंग जगह, बेममेंट के अन्दर, मिनल कोर्ट, प्राट नं 224, म्लाक 3 बैकवे रेक्लेमेशन स्कीम, नरीमन प्यार्डन्ट, बम्बर्ड-32 में स्थित है।

ानुसूची जैसा कि क० सं० ईई-1/37-ईई/5988/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3-5-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> िलाप जहमद पक्षम प्राधि ारी सहायक आयकप आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेजें—1, बस्बई

ःगरीख: 6−1−1986

प्रारूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयफर निधितियम, 1961 (1**961 का 43) की** भारा 269-व (1) के **अभीत स्**चना

#### AND MESON

कार्थालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश मं० अई-1/37-ईई/6511/84-85--अतः, मुझे, स्थितर अहमद,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके परणाप् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के नधीन नक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से कथिक हैं

प्रीर जिसकी स० कार्यालय नं० 5, जो, 8वी मंजिल, वार पार्किंग प्लेस, नं० 29, आर्काडिया प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी, आर्काडिया, 195, नारीमन प्वार्डन्ट, अम्बर्ड-21 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण इस से विभिन्न है), प्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में श्रीस्ट्री है, तारीख 9-5-1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यंथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-चन्ति निम्नीलिक उच्चरेष्य से उक्त जन्तरण निम्नीकत में वास्त-किंग रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिभा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सर्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभौत्:— श्रीमती क्वतात अतः अत्मीवाला।

(अस्त्रर 🗇

- 2 में० अर्नेन्ट काल एण्ड त्यानी प्रा० लिए.। . (अन्युनिती)
- 3. अहारका

(बहु व्यक्ति, स्मिक अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

खनत संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

### अनुस्चो

कार्यालय नं 5, जो, 8वीं मजिल, जोर तारिंग स्पेय नं 29, अक्षिडिया प्रिमायसेए कोन्भाव हार्जात्य सोमायटी, आकोडिया, 195, वरीमव प्वाईन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैना ि करु संर अई-1/37-ईई/6059/ 85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारो दिनाँक 9-5-1985 को प्रजिस्टर्ड िया गया है।

> ि ताः अत्मद्द क्<mark>ष्ममः प्राधिकारी</mark> सहायात आयकर आकृतः (नि**रीक्षण)** अर्जन रेजेंं—1, बस्बई

नारीट: 6-4-1986

### शक्य नार्च . टी . एन् . एस . -----

**नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-म(1) के मधीन सम्बा

#### भारत सरकार

कापालिय, स**हा**यक अध्यक्तर आयुक्त (किराँक्षण) अर्जन रोंज-1, बम्ब**र** 

बम्बई, दिनां रु ६ जनवरी 1986

निदेश संव अर्ह-1/37--ईई/6517/84-05--अतः, मुझे, निसार अहमद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बजार मूल्य 1,00,000/-रु. से जीधक हैं

स्रोर जिसकी सं० कमरा नं० 3, जो, फोर्ट विजय की-आव० सोसायटी लि०, 1/3, गोला लेन, फोर्ट, बम्बई-400 001 में स्थित है (श्रीर इसमें उत्ताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्था से बंणित है), श्रार जिसका कारकामा आयहर अधिवियम, 1961 की धारा 269क, ख क अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे संतरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्निजिसित उस्वास्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक एप से किथत नहीं किया गया है ॥--

- (क) अशरक में हुई किसी बाय की बायस, उपक अधिनया भी सधीन कर दोने के बन्तरक वा दावित्व में कभी कारमें दा समसे नचने में मुविधा के लिए। भीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिये था, जिनामें में सुविधा में तिए;

बकः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री विनोद कजलाल कारीया।

(377.77.7)

2 श्रीमती छाया प्रक्रिय बार्गेटर और श्री प्रताश प्रभावन बारेकर।

(अन्तरिती)

को भड़ सूचना चार्डी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के धर्वन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जनत संपर्तित के जनीन के अंजंध भी काइ' भी भाक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध नाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृत्रींक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपन भें प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य अपिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सर्होंगे।

स्यक्षीकरणः - इसमं प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त कि। नियम के बध्याय 20 के में परिशावित हैं, वहाँ अर्थ हांगा, भी उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसची

ं गमरा नं० 3, जो, फोर्ट विजय को-आए० सोश्वायटी जि॰, 1/3, गोला लेन, फोर्ट, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसची जैसाकि कर संर अई-1/37–ईई/6087/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिस्तक 13-5-1986 को रजिस्टई किया गया है।

शिसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (क्रिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

भारीख: 6-1-1986

मोहण:

प्ररूप बाह<sup>\*</sup>.टी.एम.एस. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-**ष (1) के अधीन स्थना** 

#### मार्स सर्कार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांज 6 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6573/84-85--अत:, मुझे, निसार अहमद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिएकी सं० फ्लैट नं० 1009, जो, 10वीं मंजिल, भाभनारी को-आफ हार्जिंग सोसायटी लि०, "ए", इंकन कॉजंबे रोड़, चूना भट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारणामा आयकर अधित्रिम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकार प्रिक्षिण के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के क्लूह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और म्हेंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बंधा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिवक क्ल से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण **सं हुएं किसी बाग की** बाबत, उक्त सचितियम के बधीन कर योगे के अन्तरक के बांबरल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी लाग या किसी धन या जन्य वास्तियाँ की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने ये स्विधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती जल्पना बी० तेवानी।

(अन्तरक)

 श्री रनेश हिरजी शहा ब्राँर श्रीमती मीना रमेश शहा।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीवर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्साक्षरी के पास निष्यत में किए वा सकींग़।

स्पन्त किरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदां का, को उक्स अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अम् मुख्ये

फ्लैट नं० 1009, जो, 10वीं भंजिल, भागनारी को-आप० हाउधिम सोशायटी लि० 'ए', इकन काजवे रोड, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाि कर सर अई-1/37-ईई/6104/ 85-86 और जो सक्षम प्रशंधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1986 को रिजस्टिड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बत

तारीख: 6-1-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यासयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ं अर्जन रेंजं-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० अई--1/37--ईई/6664/84-85---अत:, मुझे, निसार अन्नमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिल्लको सं० भ्री(धोगित यूनिट सं० 6, जो, 1ली मंजिल अमीर इंट्रिस्ट्रियल इस्टेट, राभ मिल कम्याउन्ड, यन मिल लेंन, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (भ्रौर हसमें उपाबड़ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भ्रौर जिसका करारतामा आयाज्य अधितयम, 1901 की धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

जतः अभ, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री अमीरअली जाए० प्राफर।

(अन्तरक)

2. मे उर्म सुदीन गारमेंट्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारा करके पूर्वोक्त सम्बक्ति कं कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

### उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों अह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धन्मूची

भीबोगिक यूनिट नं० 6, जो, 1ली मंजिल, अमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्व मित्र कम्याउन्ड, सन मिल लेन, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-1/37—ईई/6173/85–86 श्रंग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 20-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे-1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

प्रारूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

वस्वः, विशास उ. गर्यसा 1986 निर्देश सं० अर्ड-1/37-ईई/6592/84-85--अतः, सुझे, निसार अहमद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विखे इसके दसके पर्वात अधिनियम' कहा गया ह") की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का करण ह" कि स्थानर संपरित. जिसका उपित नावार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक ह"

श्रीर जिन्नकी सं० पर्लेट नं० 302-ए, जो, सार्रकर मन्श्रम पारसी जालोनी, दाहर, बम्बई-14 में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिन्नका करारकामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, तारीख 10-5-85

को पूर्वोक्त तस्पतित को उचित बाजार मूल्य से कम को काबमाब बतियक्त को सिए जन्तिरित की गई है और मुभ्के, यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त बम्मित का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्रवमान प्रतिकत से, एते क्ष्रयमान प्रतिकत कम पंक्र प्रतिकत के किए ति बाजार अंतिरित के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नमा कियक, निम्नितियार उद्देश्य से उन्तर अन्तरण मिनित में बास्टिक कर से किया नमी किया गया है:---

- (क) जन्तरण ने हुए किसी जान की बागत, उपत अधिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक वें दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड़/बा
- (थ) देती किसी आप वा कियी पन या अन्य वास्तिकों को, चिन्हों भारतीय बाय-कर मधिनियम, 1922 ११००० का ११० या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा वक्ट नहीं किया रवा या या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने बी दविषा के किया

कर'ः वर्षः, उक्त विधिनियम की धारा 269-व क वनुसरण वा, वा, रावत विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धाल, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षान् प्र— ा. मै० भूपर इंजीएस्टर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री भहापुर रुस्तम हराणी।

(अन्यिश्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पष्टि के बर्चन के किन्दू कार्यवाहियां गुरू करता हूं

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस ब्यमा के समयम में प्रकारण की शाहील से 45 रिष्य की समृष्य मा तत्त्वस्थी क्रिक्सों कृष्ट स्थाना की सामील से 30 दिन की जबिंध, को भी सम्बंध बाद में समान्य होती हो, से भीतर पृश्लेक्ट क्षितस्यों में वे किसी व्यक्ति सुवाराः
- (व) इस ब्यास के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 किन के भीतर उपत त्यायर सम्पत्ति में हिस्सवृथ किन के भीतर उपत त्यायर समाहित के नाव हिसबत में किए वा क्वीचे।

लाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों गौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, वो उन्न बध्याय में दिया क्या है।

### अनुसुची

फ्लैट नं ० 302-5, जो, मारकर पैन्शन, पारसी कालोनी द दर, बम्ब $\frac{2}{3}-14$  में स्थित है।

अनुसूची जैता, िय क० सं० अई-1/37-ईई/6116/ 85-86 और जो एक्ष्म प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 16-5-1985 की शनस्टर्ड सिया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिनारी सहासक आसमद आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

तागीख: 3--1--1985

मार्च नारं ही या पा .....

बायकर विधिनियम, 1931 (1951 का 43) का बाख 269-ए (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

आर्थामय, सहायक भागकर आयकर विरोधाण अर्जन रेंज-1. बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6582/84-85--- अत: मझे. निसार अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृज्य** 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ाफ्लैट नं ा ।-ए, जो मिरामर को-आप हाउक्षिम सोसायटी, 3, नेपियम सी रोड़, दम्बई-36 है तथा जो बम्बई-36 में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), और जिसका करारतामा आय हर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकटी है, परी

13-5-1 85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कु के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और यूशे यह विश्वास करने का कारण है कि वंशापना नेत संगीत का उपित राजार बन्ध, उसके धारमान प्रतिकास हो, एंडे अध्यक्षान शतिकास का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के तिरा तम नामा नमा प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- कि) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावज, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- क) एंसी किसी आप मा किसी भन या कृत्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकासकार्य करवासिती हजारत अयत नहीं जिल्हा भशा था या किया बाता पालिए था, जीववारी ही ाविचा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारत 269 में के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

। श्री पुत्रस्तन त्रीन प्यात ग्रोर श्रीमती जब बाई एव० दवाल।

(अन्तरक)

2 श्री भूपेन्द्र सी० पारेख ग्रीर श्रीमती इंता बी० पारेखा

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बन्धि है।

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता है ।

उन्स सम्परित के अर्थन के बक्तन में कोई की कानन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्त्वकानभी न्यरित्तगा पर स्चना की तामील सं 30 दिन की बविध, जो भी क्लिभि बाद में समाधा हाती हो, के भीतर दनों कर न्यांक्तवाँ में से विक्ती वर्ष**क**्ष दशहराः
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच है 45 विन के भावर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति बनारा वश्रोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए वा गर्केरी

श्वाकारिकरण:--इरामें प्रमृत्यु शान्यों शार पद्यों क्या, जो स्वता मधिनियम, के स्थाय 20-क में परिशायित हैं, वहीं बर्च होना जो उस अध्याम के दिया गवा **ह**ै।

#### अन्स्ची

फ्लैंट नं ० 11-ए, जो, मिरामर को-आए० सोधाईटी, 3, नेपियन सी रोड़, वम्बई-36 में स्थित है। अनस्वी जैसा कि क० सं० इई-1/3?-ईई/8113/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> निसार जहमद इक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर दायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, बम्बई

ारीख: 3-1-1986

प्रकम बाइं. टी., एवं., एवं. ---------

अध्यकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

नायां सम्बद्ध सहायक नायकर नायकः (निरक्षिन्) अर्जस रेजि-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6619/84-85--अतः, मुझे, निसार अहमद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (हैंचर्स इक्सें इसकें पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा बया हैं) की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से निधिक हैं

श्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-4, जो, मानू आशिण, 8वीं मंजिल, नेपियन सी रोड़, बम्बई-36 में स्थित है (श्राँर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप से विणित है), श्राँर जिस ना करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख है: अधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के प्रथमान प्रतिकास के सिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने आ कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकत से, ऐसे खप्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में अम्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई िकसी अग्रय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिगय में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ बन्तरिती बूबारां प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्थिया के लिए;

भतः भव, उक्त अभिनियम औ भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उब ' ऑध्यीन भा की धार ४४९-घ की एघधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :——

 श्री जगजीकाहास मोहनलाल सकेरी ग्राँप रामागारी पराजीकादाप सकेरी।

(अन्तरक)

2. र्घा पडेंद्र अमृतवाभाई वीटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोध्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकालन की तारी का बैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वान्तयों में से किसी स्वान्त क्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाबन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य म्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सकों ने

### यन्सुची

फ्लैट नं० बी-4, जो, मात् आणिण, <mark>8वीं मं</mark>जिल, नेपियन मी रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अतुमूची जैला कि करु संरु अई-1/37-ईई/6139/ 85-86 प्रार जा पत्तव पाजिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 17-5-1985 को एजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

वाशीख: 3-1-1986

मोहरः.

#### प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस. -----

आयकर व्यक्तिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ३६७ छ (1) के अधीन स्वना

#### नारुत तरकार

### **अध्यक्तियः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षिय)**

अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिमांक 3 जनवरी 1986

मिदेश मं० अई-37-ईई/6525/84-85--अतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 🚳 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 ∕- रा. से **अधिक ह**ै

श्रीप जिसकी संबद्धान नंब 7, जो, सायप ास्मोपोलिटन को-आप०, हार्ऊमिंग मोबायटी लि०, कायन, ग्रंडर धाराबी क्रीज, है, तथा जी तम्बई-22 में स्थित है (ब्रॉप इसने उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), ब्रौर जिसका अराज्यामा **श्रायकर श्रधिनियम की धारा** 269ा, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 10-5-85

को पूर्वेक्ट सम्परित सं उपित बाजार मुख्य से कम की दश्यमान शतिकल के लिए जन्ती≮स की गई है और मुक्ते यह विश्वास

**करने का कारण है कि यथावृर्वोक्त सम्व**ित का उ**चित बाजार** भूत्य, उत्तको दश्वमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का विच्चाह प्रतिचात से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिद्धी (अन्तरिक्तियों) के बीच एेसे अन्तरण के चिए तय पाया जवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य म उक्त अन्तरण सिमित में वास्तविक रूप से काँभत नहीं किया गया 💅 🚌

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत उक्त अविध-नियम को नभीन भार दोने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए वरि/वा
- (च) क्रेडी किसी जाय या कि<sub>री</sub> धन या अन्य जास्तियों ్, चिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर **विभिनियस, 1**957 (1957 का 27) *चे* प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया थाना चाहिए था, फ़िपाने में सविधा ने विका

अतः **त्रवः उक्त अधिनियम** की धारा 2,69-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) पी० एउ० राजगोतालन

(अन्तर्क)

(2) भुःपृक्तिनी नाडर

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाही करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिव की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकावन की सारीय वे 45 बिन के भीतृर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्या किसी जन्म व्यक्ति धुनारा मधोहस्ताकारी के पात सिवित में किए जा सकें ने।

स्पक्कीकरणः;—-इसमें प्रयुक्त जन्दों और पर्दो का, वो उच्छ अधितियम के सभ्याय 20-क में परिभावित है, वही वर्ध होना को उस अभ्यास में विका भवा 📢

### अनुसूची

दुकान नं ० ७ जो, सायन कास्मोपोलिटन को-आप० हाउद्यिग मोशायटी लि०, सायन, ग्रंडर धारावी बिज, बम्बई-22 में स्थित है।

अनु**स्ची** जैसा कि कि० मं० अई-1/37-ईई/6073/ 85-86 ऑस्ट जोसक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नियार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहाय र आय रूर आप्ना (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 3-1-19**86** 

### प्रस्य बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सङ्गायक मायकर वाधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिलांस 3 जनवरी 1986

भिदेश सं० अई-1/37-ईई/6504/84-85--अतः मुझे, भिसार अठमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप संस्थित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

1,00,000/- स्त. स अधिक ही

ग्राट गिउकी संच फ्लैंट नच 505, जो, 5वीं मंजिल, इमारहै
नच 1, मंचय, आचार्य दोंदे मार्ग, बम्बई—15 में स्थित

(ग्राट इक्कार उपावड़ अनुपूची में ग्राट पूर्ण रूप से विणित्त
है), श्रीट विकार करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की वारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-5-1985
को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार पंत्रह प्रतिशत स बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क निए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री अक्षमनुरुषाट भफीनुरुषात् खान । (अस्तरक)
- 2. मोहम्मद हर्नीफखान मोहस्मद सिद्दीक खात। (अन्तरिती)
- 3. স্থাপ্রা

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे जमाति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किविनिधम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### श्चनुसूची

फ्लैंट नं० 505, जो, 5वीं मंजित, इमारत नं० 1, संजय, आचार्य देदि मार्ग, बस्बई—15 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा ि क० सं० अई-1/37-ईई/6053/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिसारी, बस्बई द्वारा दिनां ह 9-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधि ारी सहाय व आय ः अत्युक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंजेंेंंग्री. बस्बई

तारीख: 3-1-1986

### अक्ष आहाँ . टी . एन . एस . ------

जावकर जीधनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### धारत तरकार

### कार्यासय, सहायक बाबकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

मिवेश सं० अई-1/37-ईई/6652/84-85---अतः मुझे, निमार अहमद,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्तव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उपित वाबाद मूक्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

श्रांर जिसकी सं० ब्लाक नं० ए/8 है, जो, समाधः की-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, उरी मंजिल, सनापित बापट मार्ग, दादर, बम्बई-28 में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबद्ध अतुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणत है), श्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उप्तित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिष्टल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से,

एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से श्वक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सूचिधा के निष्; क्रीर/वा
- (क) एरेसी किसी आम या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

लतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग्र के बनुकर्ण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-्र की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—— 1. श्री नारायण सदाशिव गुप्ते।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती खेतबाई जखुबाई विरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं। 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़े सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारण अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **प्रनुसूची**

ब्लाफ नं० ए/8, जो, समाधान को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 3री मंजिल, नेनापित बापट मार्ग, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6164/85-86 श्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20–5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमक्र सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 3-1-1986

प्रक्यः **बार्** ः दौः एकः एकः = = = =

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शय 269-ए (1) के स्थीन सुष्ता

#### THE STATE

## कार्यासय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/6621/84-85--अतः मुझे, निसार अहमद,

पकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर िंउकी सं० फ्लैट नं० 201, जो, 3री मंजिल, मुडी लोअर माहिम, प्लाट नं० 940, टी० पी० एस० नं०, ममता इमारत के पीछे, प्रभादेवी, बम्बई—25 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17—5—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया क्रिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किश्वत नहीं किश्वा गया है।

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की कायत, उपल बीधित्यम के बधीन कर देने के बन्तरक के दाजित्य में कमी करने या उससे बुध में स्तिमा के लिए; बौर/या
- (वा) शुंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती एवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा औं तिए;

बतः वर्ष उक्त विधिन्यम की बारा 269-य के वव्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के वर्षण, रिम्निवित व्यक्तियों, वर्षाह

- 1 श्री एस० पी० केला (हि० अ० कु०) (अन्तरक)
- श्री एन० आर० अगरवाल ग्रौर श्रीमती निरा अगरवाल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिंदा-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, मुडी, लोअर माहीम प्लाट नं० 940, टी० पी० एस० नं० 4, ममता इमारत के पीछे, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37-ईई/6141/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

मोहरः

जायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्याज्य, सहायक बावकर बावका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्घ बम्बर्घ, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रर्ड-1/37-ईई/6417/84-85--ग्रतः, मुले निसार ग्रहमद

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्रे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षय प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी मं० प्लैट नं० 1, जो. 5वीं मंजिल इमारत नं० 7-बी० पटेल ग्रुपार्टमेंट एण्ड पटेल एण्ड गुप्ता टावर जी० बी० खोर रोड़, बम्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम बबा प्रतिफल, निम्नितिदात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में अस्तरिक रूप से कायत नहीं किया भवा है ए---

- (क) अन्तरण से हार असी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए और/वा
- (व) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वार। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

बरः वंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को अनुसर्क कां, मी, उक्रत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधाँत्:— श्री यूसुफ ग्रब्दुल्ला पटेल।

(भ्रन्तरक)

2. मै० थेराप्युटिकल्स केमिकल रिसर्च कारपो०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित के वर्जन के सिए कायनाहियां श्रूक करका हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बभ के सम्बन्ध में को**ई भी वाक्षेप** हन्नाई

- (क) इस स्वान के पाषपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानीस से 30 दिन की बन्धि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेरत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के धास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्माक्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में विया गया हैं।

#### वन्स्पी

फ्लैट नं० 1 जो 5वीं मंजिल इमारत नं० 7-बी० पटेल ग्रपार्टमेंटस एण्ड पटेल एण्ड गुप्ता टावर बी० जी० खेर रोड़, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि । मं० ग्रई-1/37-ईई/5992/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 6-1-198**6** 

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6550/84-85--श्रतः मुझे नि**स**ार ग्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 601 जो, 6ठी मंजिल, इमारत उद्यान दर्शन, सयानी रोड़, प्रभादेवी, बम्बई-25 में रिथत है (और इसमें उपाबढ़ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधितियम, 1961 की धारा 29क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्स संदित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अंतिएत की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

मै० फेरानी डेबलपर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रो प्रकाण जी० हेबालकर और श्रीमती शैलजा पी० हेबालकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिमा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पत्रैट नं० 601, जो, 65ो मंजिल, इमारत उद्यान दर्शन, त्यानी रोड़, प्रभादेयी, बस्बई-23 में स्थित है।

श्रनुसूची जैका कि कु० सं० ग्रई-1/37-ईई/6089/ 85-86 और जो क्षत्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रिष्णस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज⊶1, बम्बई

तारीख: 6-1~1986

## प्रकार कार्षे . यहे . इस , यहा .....

# भागकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के लभीन क्षमा

#### शास्त्र स्थानक

कार्थांसय, सहायक आयकर आवृक्त (जिरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश मं० प्रई I/37-ईई/645/83-85--्यतः, मुझे, निसार प्रहम्द,

वाजकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट किंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्ष्म प्रतिभक्तरी को, कह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्ध सिस्ता विच्च वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से जर्मिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, 1नी मंजिल, भावेण्वर धाम की-आप० हार्डाक्षण सोखायटी लि०, 85. ग्रार० ए० किडवाई रोष्ट्र, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुभूची में और पूर्ण रूप में विधित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीक 6-5-1985

को पूर्वों करा सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों करा सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के लन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय बा िकसी धन या अन्य अतिस्तयों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सिवधा के के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-फ की जगधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमती कमलाबेन रमनलाल शाह।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के॰ श्रार॰ राजन, और श्रीमती साबिब्री राजन।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को बह सूचना वारी करके प्यॉक्स अंपरिस के वर्जन के तिव कामश्वित्यां करता हुएं।

उथत अंपरित को अर्थन को संबंध में कां**द्रांभी वाक्षेत्र:--**-

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्करवन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताशीक से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के गीलर पूर्विक्स व्यक्तिसों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति स्थाकः;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीक से 45 दिन के भीसर उक्स स्थावर राज्यस्य में हित्यद्र्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहल्लाक्षरी के पान लिखित के किए जा सकेंगे।

स्थ्व्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्थितिकम, के सध्याय 20 क में परिभाषित ही, बहु सर्थ हुंगा, जो उस सध्याय में दिया गया.

## ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 10, जो, 1ली मंजिल, भावेश्वर धाम को-ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, 85, ग्रार० ए० किस्वई रोड्, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-1/37-ईई/6031/85-86 और जो सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बभ्बई

नारीख: 6-1-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 1/37-ईई/6476/84-85---यता, मुझे, निकार ग्रहमद,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (चित इंतर्जें इसमें पञ्चात 'उवन अधिनियस' कहा गया ही), की धारा १६९-स के अधीन सजम आधिकारी की यह विस्थास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, चित्रका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 73, जो, 7वीं मंजिल, विग-बी1, निर्माणाधीन इमारत, कर्म क्षेत्र, काम्ररेड हरबंस लाल मार्ग, षण्मुखानन्द मार्ग हाल के पास, सायन (पूर्व), बम्बई37 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा मायकर प्रधिन्मम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-5-1985

को प्रतिकत सम्मतित को उचित बाजार मृत्य से कम के कावान प्रतिकत्त को सार अन्तरित की गई है और मुख्ये यह विकासन करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उजिन्न बाकार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान से, एसे दृश्यमान प्रतिकान का पंचह प्रतिकत से अभिक है और बंधरक (अंगरकों) और बंध-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंधरण के जिल् तब पाया क्या प्रतिकास, निम्नतिविक उज्वदित से उसत अंगरण जिल्हिक में बास्तविक एप ने कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरणं से हुई किसी बाव की बावत, उक्त ब्राधिनियद के अधीन कर दोने के बंतरक के बाबित्य में कामी करने या उससे बचने के स्विधा के लिए: और/वः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अस्य बास्तिकों सों, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कालिए था, छिपाने से सुविधा के लिए:

जित: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण चै, मैं जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखिन व्यक्तिकों चिधात :—— 69 —446GI/85 1 श्री पराग मोफतराज मुनोट (नायनर), ब्रह्म पिता और पालक मोफतराज पी० मुनोट।

(म्रन्तरक)

 श्री सुधीर बी० तांबे और श्रीमती ग्ररुणा एस० तांबे।

(ग्रन्तरिती)

का क्ष क्षान बुारी,करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त क्रमित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नामीय ह--

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाधन की तारीब से 45 विव की स्वीध की तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारीब से 30 विन की स्वीध, यो भी स्वीध नाव में बनाय होती को, के भीतर प्रविकत व्यक्ति की, के भीतर प्रविकत व्यक्ति की,
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब व 45 विन के भीतर उक्त स्थावर तंपरित के हित-क्ष्म किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के नास निर्मादत में किस् वा क्कोंने।

रनकाईकरण:----इसमें प्रमुक्त धन्यों जीर गर्वी का, वो उत्पत्त जीवनियन के अध्यान 20-क में परिवाधित हैं, वहीं अर्थ होना जो उत्त अध्यान में दिया नमा है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 73, जो, 7वीं मंजिल, विंग बी-1, निर्माणा-धीन इमारत, कर्म क्षेत्र, कामरेड हरबंसलाल मार्ग, पण्मुखानंद हाल के पास, सायन (पूर्व), बस्बई-37 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37—ईई/6032/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-1; बस्बई

तारीक: 7-1-1986

प्रकृष बाइं.टी. एवं. एसं. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बचीन सुचना

#### भारत सरकार

## बार्यानयः, बहायन् पायकर पायुक्त (विरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 जनवरी 1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किये इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, चिसका उचित नाकार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी मं० श्रौद्योगिकः यूनिट नं० 309 जो, 3री मंजिल, श्राफ महा-नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्राफ डा० ई० मोजेस रोड, वरली, बम्बई-400018 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका तररारनामा श्रामकर श्रीक्षिमम-1961 की धारा 269क, ख के श्रीका, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-5-1985 को पूर्वेक्त बम्पित के विद्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-5-1985 को पूर्वेक्त बम्पित के विद्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-5-1985 को पूर्वेक्त बम्पित के विद्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख वान के व्यवका श्रीक्ष के मिए बन्तरित की नई है और मुखे कह विद्यालय करने का कारण है कि वचाप्तांक्त संवरित का जीवन का विद्यालय से अपनान श्रीकाल से अपनान स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त स्थिन विक्य से स्थीन कर वार्त क स्थारक के दावित्व से सनी करने वा स्थार वजने में, तृतिका के सिए सर्/या
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों की, जिन्हें यास्तीय नाज-कर अधिनिधन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीचित्रया, या धन कर वाधिनिवस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने भें सविधा के बिए:

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अधित :-

- 1. श्री स्मेहल जे० मेहना, श्रीमती बिना एस० मेहता, श्री स्मेहल जे० मेहना (हि० ग्र० कु०) श्री चिराग जे० मेहना श्रीमती मयूरी डी० मेहना ग्रीर श्री चिराग जे० मेहना (हि० ग्र० कु०)। (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स सर्व मंगल मर्केन्टाइल कंपनी लि०। (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कर्न पूर्वीक्त संपरित के नर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासों :--

- (क) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, को और जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकीं।

स्थलाकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, की उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथाय में दिका गया हैं।

#### भ्रमुसुची

ग्रौद्योगिक यूनिट नं० 309, जो, 3री मंजिल, ग्राफ महा-बहार (बरली) लाईट इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्राफ डा० मेजोस ई० रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37/ईई/6177/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, बस्बरी

सारीख: 6-1-1986

## प्रकष् बाह्य हो , एस , एस 🕫 ----

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाड़ा 269-च (1) के ब्रुपीन सूचना

#### तारत सम्बार

## कार्याक्रक, सङ्घाषक जायकर जायुक्त (विरोक्तिक) ग्रर्जन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देण सं० **ग्रई**-1/37-**ई**ई/6**5**27/**8**4-**8**5--यतः मुझे, निसार शहभद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्हें इस्तें इसके क्षणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिस्की सं० फ्लैंट नं० 204, जो, विशाल, जयंत गणपत पवार लेत, और चिंचपोकली कास लेत का जंनशत भायकुला, बम्बई-27 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), स्रीर जिसका करारनामा स्नायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-5-1985

को पूर्वेक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफन का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तथ वाया ववा प्रतिफन, निश्निवित उद्देश्यों से उच्त अन्तरण शिवित में नास्त्रीयक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ संधूर्य किसी भाग की शास्त्र, सक्त अधिनिय्य के अधीन कर दोने के अन्तर्क के साथित्व मों कमी करने या उससे अधने मों स्विभा के लिए; अधि/या
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी अन वा जन्म जास्तियों का जिल्हों भारतीय जाय-काड विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त व्यभिनियम, या धन-कर व्यभिनियम, या धन-कर व्यभिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

बदाः नवः, उन्त अधिनियम की धादा 269-ग के अनुसरम की, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वे अधीर, निस्तिविद्य <del>व्यक्तिक्कें</del> स्वताद डम्म्म

- 1. मैं० आर० टी० मेहता कंस्ट्रकशन कम्पनी। (श्रन्तरक)
- 2. बाबीबेन खिमराज जैन।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुए।

## उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के एजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पूर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी नव्धि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकालन की तारींच है
  45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
  किसी बन्ध व्यक्ति द्वाध सभोहस्ताक्षरी के पाइ
  सिवित में किए का सकेंगे।

हमकाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्बों जीर पतों का, जो उक्त वृद्धितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 204, जो, विशाल, जयंत गणपत पवार लेन श्रौर चिचपोकली कास लेन कोजंक्शन, भायखाला, बम्बई-27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-1/37-ईई/6069/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

मोहरः

## त्रक्त बार्ड्, दी. **र्ग. र्च**. ००००००००००

# बायकार स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269--च (1) जो अभीत ज्ञाना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, रम्बद्द

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्वेश सं० भ्रई-1/37-ईई/6401/84-85--%तः मुझे, निसार भ्रहण्द,

मायकार निवित्तमम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकी इसकी प्रकात (उनत निवित्तम) कहा नवा ही, को बाद्य 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास कर्षे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिस्की सं० फ्लैंट नं० 41, जो, 4थी मंजिल, इमारत डाक्यार्ड रोड, में, सी० एस० नं० 8/138, मझगांव डिवीजन, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान इतिफन की सिए बन्हरित की गई है जोर मूर्कें अपने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाधाइ भूग्य, उत्तर्थे अथान प्रतिकास से, एवं अववान प्रतिकास का नगह प्रतिकात से जीवक है बीर बन्तरक (बन्तरका) और वन्तरिती (बन्तरित्वा) से बीच पूरे बन्तरम में विष् हम वाचा पना प्रतिकास निम्नतिक्ति अपूर्वदेश से उपन बन्तरम विश्वित में नारविष्क सम से समिस मुद्दी किया पना है:---

- (क) बन्दरण है हुई चित्री बाद की बावक उपक वरिन हैन्द्र के क्योन कड़ को के बन्दरफ के कवित्रम के अभी करने वर कड़के बचने के कृषिया के सिद्ध; क्योंक्रिका
- (क) प्रेडी किसी नाम ना किसी थए ना मण्य नास्तिनों को, किसी नाम ना किसी थए ना मण्य नास्तिनों को, किसी नाम किसी नाम किसी निम्न के प्रतिनिम्म सा थन कर तिथितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रतीय-नाम क्सी क्सी क्सी क्सी किसा नाम ना ना ना ना किसा नाम नाम किसा नाम नाम के किसी

जत: जब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधिक्यीय\_विकासिक व्यक्तियों, अधित् के —

- 1. मैं ० जान पलेमिंग एण्ड कम्पनी लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हुसैनी णेख रमाक्डवाला उर्फ प्रतापघर वाला। (श्रन्तरिती)

को वह श्वाना चारी कार्य पूर्वोचक कमारित के नर्पन के लिए कार्यपादियां करका होत्।

बक्त बन्दरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेंप :---

- (क) इस बुचना के सम्मन के प्रकारन की दारीय से 45 दिन की समीय ना उत्तरमन्त्री व्यक्तियों पर नुचना की दानीय से 30 दिन की समीय, जो भी वनीय नाम के समाय होती हो। के भीयत पृष्टिक व्यक्तियों में से निसी कामित सुनाय;
- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीक के 45 दिल के शीसर समझ स्थानर सम्बन्धित में हिस्तन्य विश्वी सम्बन्धित स्थाप्त सभावेत्रसाकारी के पास विश्विस में किए या ककीने।

रमक्किक्षण:---इसमें प्रयुक्त कन्यों बीर वर्ष का, जो क्यः। व्यविवयं के कम्याय 20-क में वहिकाचिक ही, वहीं वर्ष होना, वो उस अभ्याय में दिवा नेवा ही।

#### प्रनुस्चा

फ्लैट नं० 41, जो. 4थी मंजिल, इमारत डाकयार्ड रोड में, सी० एस० नं० 8/138 मझगांव डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-1/37-ईई/5983/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **बस्बई** 

**सारीख:** 6-1-1986

## प्रकार कार्य <sub>न</sub> दर्जि पुरस्का पुरस्कान्य न्यास

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे वधीन व्यवा

#### शक्त पुरुष्ण

## कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विरीक्षण)

श्चर्जन रेंज - , **बम्बर्ध** 

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्वोश सं० ग्रई-1/37-ईई/6625/84-85—ग्रंत:, मुझे, निसार ग्रहमद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ौर जिसकी सं० यूनिट नं० 121, जो, 1ली मंजिल भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, ठोवरसी जीवराज रोड, सावेरी, बम्बई-15 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-5-1985

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की बन्तरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के बचीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, जमांत के — 1. मेंसर्स पंक्षज बजाज एण्ड कं० (नावेलिस्ट) प्रा० লি০।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० सुधीर इलेक्ट्रीक्लस

(भ्रन्तरिती)

चौ वह वृथवा चाड़ी कड़के पृवाँक्त कम्परित के वर्षन के सिध कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्बन्धि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचनः की सामील से 30 दिव की अवधि, को भी वर्षाध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतत्र वर्षोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाद्य;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औ पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

• संक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, धा सक्त विभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होंगा को उस कथ्याय में दिया पत्रा हैं।

## वन्स्यी

यूनिट नं० 121, जो, ाली मंजिल, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, ठोकरसी जीवराज रोड़, सिवरी, बम्बई--15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/6145/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--I, बम्बई

तारी**ज:** 6-1-1986

मोहरः

and the second second

प्रकल नाइ' टी.एन एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### धारत सरकार

## नश्रवांसय, तहायक बायकह बागुनत (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० शई-1/37-ईई/6749/84-85---- श्रतः मुझे, निसार श्रहमदे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव युनिट नंव 306, जो उरी धंखिल, इमारत कीएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लांट नंव 12 सीवएसव नंव 72, एनवएमव जोशी मार्ग, श्राफ लोघर परेल डिविजन, वस्वई- है तथा जो वस्वई-II में स्थित है (और इसले उपावह अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिविचम, 1961 की धारा 269 के, ख के ध्वीन बस्वई स्थित सक्षम श्राविकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 27-5-1985

को पूर्णोक्त सम्मित्त के उचित बाबार यूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्मित्त का उचित बाबार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिक रूप से केंग्रित नहीं किया गया है

- (क.) अंतरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथोतः :--- (1) ताराचंद ओमप्रकाश एण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री साई कांपीरेशन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की लगींघ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में जन्मासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाबीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## **प्रनुसू**ची

यूनिट सं० 306, जो, 3री मंजिल, इमारत किएटिव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लांट नं० 12, सी०एस०नं० 72, एन० एम० जोकी मार्ग, आफ लोकर परेल डिविजन, बम्बई-II में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क० सं० अई-4/37-ईई/6215/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

## 

# शायकर जीविनयम, 1961 (1961 का 43) की कास 269-व (1) के त्रकीय स्वाना

#### शाह्य सर्वार

# कार्बालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) $\gamma \hat{y} \hat{y} \hat{y} - \hat{z} \hat{y} \hat{y} \hat{z}$

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6438/84-85—-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसमें परचात् 'उक्त मरिमियन' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह कित्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उपित बाबार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० युनिट नं० 16, जो, बेसमेंट, इमारत क्रिएटीव्ह 'इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लांट नं० 12, सी ०एस० नं० 72, एन०एम० जोशी मार्ग, श्राफ लोग्नर परेल डिविजन, वम्बई-II है तथा जो वम्बई-II में स्थित है (और है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रविद्या, की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 3-5-1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का रुचित बाबार मस्य. उनके दश्यमान प्रतिफल से ए से दश्यमान प्रतिकल का पंदन पित्रक्त अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नीतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित ये वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अर/रण हे हुई कि ही आय की बार त, उक्त अतिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अर्थर/मा
- (क) इसी किसी आय या किसी धन वा तन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोग्नार्थ अन्तरियो दक्षा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना धाहिए था छिपाने हो स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स यस्मिन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रनीता श्रमीर लालजी और श्री अमीरग्रली एम० लालजी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>†</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>†</sup>।

#### wirest !

युनिट नं० 16, जो, बेसमेंट, इमारत किएटीव्ह इंड-स्ट्रियल सेंटर, प्लांट नं० 12, सी०एस०नं० 72, एन०एम० जोशी मार्ग, ग्राफ लोग्रर परेल डिविजन, बम्बई-II में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क्र०सं० श्रई-1/37-ईई/6011/85-86 और पो सभम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 3-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 6-11-1986

## प्रकप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन बुचना

#### भारत सरकार

कारणीय, सहायक आवकर वाय्वत (निरीक्रण) अर्जन रेज-I, बंबई

बंबई, दिनांक 6 जनवरी 1985

निदेश मं० हाई-/137-ईई/6429/84-85----म्रतः मुझे, निमार श्रष्टमद,

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 401, जो, उद्यान दर्शन इमारस, स्थानी रोड, दादर, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम गांधिकारों के कार्यात्य में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985 की पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल को कर्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के

पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा अंतिए; और/बा
- (क) ए'सी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-क'र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) भेसर्स फेरानी डेव्हमोपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भुनील रोधलानी और श्री उमेश रोचलानी। (धन्तरिती)

की यह सूचना जार्री कर्यके पूर्वोक्त संपरित को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उनक संपरित के वर्षन संबंध में' कोई' भी कालीय ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (य) इत् सूचना सै राजपम् में प्रकाशन की तारीं श्रेष्ट श्रेष्ट की भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध किशी जन्म व्यक्ति इतारा जधोहस्ताक्षरी के पाइ सिवित में किए वा सकी।

स्यक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया

#### भनुसूची

ं फ्लेट नं० 401, जो, उद्यात दर्शन इमारन, सवानी रोड, दादर, बभ्वई-28 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क०सं० श्रई-1/37-ईई/6002/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा दिसांक 3-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज**⊧, बम्बई** 

तारीख: 6-1-1986

The second secon

प्रान्य बाह्री. टी. प्रवृत् प्रस<sub>्यान</sub>नामा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बभीन सूचना

#### भारत सहस्रा

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, वंबई

बंबई, दिलांक 6 जनवरी 2986

निदेश सं० श्रर्ष-1/37-ईर्ष/6608/84-85----ग्रतः मृझे, निसार श्रहमद,

भायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अभीन सक्ष्य प्राधिकारी की, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० शेश्चर्म नं० 621 से 626, बुमा उद्योग भवा इंडिस्ट्रियल प्रिमायनेम को-थांप० सोमाईटी लि० और गाला तं० 215, जो, 1ली मंजिल, बुसा उद्योग भवन, 684, टोकरमी जीवराज रोष्ट, बस्बई-15 है तथा जो तष्बई-15 में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण का ने जीवा है), और जित्तका कारणामा प्रायकर श्राविधियम, 1961 ती बाचा 269 करण के श्रावीन बस्बई स्थित सक्षम गाविकारी के कार्यालय में जीव्ही है तारीख 16~5~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को ध्रयज्ञान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण से स्थि एव पापा पदा प्रतिफल, निश्निसिवित उच्चेष्य से उच्छ बन्दाइन जिखिल को कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (45) अन्तर्भ से हुई किसी नाव की नावस्त, उनस अधि-नियम नौ अधीन कर दोने में अन्तर्क भी दायित्व मों कभी करने या उससे अचने मों सुविधा के निए; सहि/वा
- (क) ऐसी किली नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नविभा के जिए;

बत:, अब. उक्त विधिनियंग की भारा 269-व के बन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित स्यवित्यों, वर्धीत के -- 70--446GI/85

(1) श्री भाताराम रामभाउ चामकाः भागंत णिवराम श्रीजगीवकाः, और प्रकाण वसंत प्राजगीवकर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मरद एत० पालांडे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का बहु सूचना पारी करूके पूर्वोक्त संपत्ति कं वर्षन के विह कार्यशाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद
  सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, थो भी
  ववधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियाँ में से किसी न्योंक्स ब्वायः
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी, के पात कि कि कि में किए जा सकैंगें।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों नीह पदों का<sub>छ</sub> को सबस्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में पहिसाबित ही, वहीं नर्थ होया को उस अध्याय में दिया क्या है।

## **जन्**स्ची

ग्रेग्नर्स मं० 621 ने 625, बुमा उरों ावन इंडस्ट्रियल प्रिमायसेम को-ग्राम् संसाईटी लि०, और गांला नं० 115, ाली मंजिल, बुसा उद्योग भवन, ॄै684, ठोकरमी जीवराज रोड, बम्बई-15 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कल्संल ग्राई-1/37-ईई/6131/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-85 की रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, बंबई

नारीख : 6-- I-- I 986

प्रकम बाह्ये हो है एस , एवं , -----

अल्पकर वॉभिनियन, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) के कभीन नुमना

भारत सरकार

## कार्याज्य, तहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

भ्रार्जन रेंज-1, बंबई बम्बई: दिनाँक 6 जनवरी 1986

निदेश मं० श्रई-1/3 /-ईई/6502/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

रामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विद्धं द्वसे क्ष्मके पर्वचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), जी वारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, इमारत ए, विना विना ग्रनार्टमेंटन, श्राचार्य दोंदे नार्ग, पीठ ठाकरे उद्यान के पास, सिवरी (प०), बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (ग्रांगर इंग्से उगायह अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 9-5-1985

को पूर्वोशत सम्पत्ति के लियत बाजार मूल्य से कम के क्यमान बितक्त के लिए बंदरित की नहीं है और मूओं वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रीत का जियत गाजार भूक्य, जसके दृष्यमान प्रतिकास से, एसे दृष्यमान प्रतिकास का प्रमुख्य, जसके दृष्यमान प्रतिकास से, एसे दृष्यमान प्रतिकास का प्रमुख्य, जसके दृष्यमान प्रतिकास से, एसे दृष्यमान प्रतिकास का प्रमुख्य प्रतिकास से अधिक है और जन्तरक (असरका) जार अंदरिती (जन्तरितिवाँ) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मिनिवान जबूदेय से जन्तर बंदरण सिविदा में वास्तिक क्या ने कीचन नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुए फिली बान की बावल, उन्नर मिनियून के अभीन कर तोने के अन्तरक के बासिस्थ में कसी करने था उसके अपने में स्विधा के जिल्ला, बीड/बा.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा क्षिणानं में मांप्रधा के एका

नतः वय वान्य विधिनवम की धारा 269-व के वन्धरक में, में, उन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) व विधीन मिनासिया व्यक्तियों, वर्धात क्रान्त (1) श्री प्रेमजी पूजा मारु।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रहमद हसन डिंगनकर।

(भ्रन्तरिती)

कौ शह शुक्ता चारी करके पृक्षोंकर सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत सम्बद्धित के अर्थन के बस्याप में कोई मी आसेप :---

- (क) इस स्वता के राजवन में प्रकावन की तारीय आं 45 दिन की अवित ना तत्त्वंत्री अवित्तां पर स्वता की तामीन से 30 दिन की अवित, जो भी अवित नो से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त अवितयां में से किसी अवित द्वारा;
- (क) इस बूपमा के रावपत्र में प्रकाशन की वारीय में 45 किन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दित्यक्ष किती कम्म स्थानक द्वारा स्थानस्ताक्षरी के पान सिवित में किए वा सकीय।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, इमारत ए, बिना बिना श्रपार्टमेंटम, श्राचार्य दोंदे मार्ग, पी० ठाकरे उद्यान के पास, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की सं० श्रई-1/37-ईई/6051/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

जरूर नार्षः अर्थः एमः, हसः,,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-ग (1) जे अभीन स्**चना

#### बारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर जापुक्त (निर्याक्षण)

प्रर्जन रेंज 1, बंबई

बंबई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6575/85-86--- प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-भ के अधीन तक्षण प्राधिकारी को बह् निधनास करने का कारण हों कि वधन्यकेंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से जीधक ही

श्रीर जिसकी सं० माला नं० 35, जो, टोडी इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन०एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 है तथा जो बम्बई-11 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 13-5-1985

को पृश्विकत सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए जंतरित की यह है और मृत्रे वह विद्यास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्परित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का नन्द्रह प्रतिकात अभिक है और जन्तर् (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पामा नया प्रतिकल निम्नितियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिक रूप से कांग्रित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण वे हुन्दं निक्की जाव की धावतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर देवें के अन्तरक क अभिन्त में कभी करने था उत्तस बन्दन मं बृण्यिथा के सिक्श औड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम या अन-अन्त्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वास प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जामा चाहिए था, कियाने में सुनियम के तिए।

वतः वन, उक्त विभिन्नियन की धारा 269-न के वनुसरण मो, मी, उक्त विभिन्नियन की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्धात् क्ष्म (1) मैसर्स भगवती स्टिन वन्से।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स टीसीश्चार इंजिनियरींग सर्विसेस प्रायवेट लि०।

(भन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह तुर्वना बार्स करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की नवीं का तालान्यन्थी व्यक्तियों नक सूचना की तानील से 30 दिन की वचीं भी भी कवीं वाद में समाप्त होती हो, के भी सर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे।

स्वव्यक्षिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, भी अधन जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## **ग्रनु**ज्ञुची

गाला नं० 35, जो, टोडी इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन०एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी कि०सं० श्रई-1/37-ईई/6106/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 13-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त, (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बस्बई

तारीख 6→1-1986 मोहर

## प्रकप नार्द . की . स्थ . स्थ . -=----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की भाषा 269-घ (1) के अभीन कुचना

#### मार्ख करकार

## कार्यांचन, सहायक जायकर जावूक्त (र्निरांक्स)

ग्रर्जन रेंज 1 बंगई बंगई दिनाँक 6 फरवरी 1986 निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/6416/84-85⊸-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रकात (जन्म अभिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ब के सभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य

1,00,000/~ रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो, 5वी मंजिल, इमारत नं० 7-बी, पटेल श्रपार्टमेंटन एण्ड पटेल एण्ड गुप्ता टावर, बी०जी० खेर रोड, बम्बई-18 है तथा जों। बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 3-5-

को पूर्णीक्त संपत्ति के जीभत बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रिक्षक के लिए अंतरित को गई है और मूक्षों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपत्ति का उभिक्र बाजार मूक्य, उसके स्रथमान प्रतिफल को, एसे स्रथमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिपास से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्वरितियों) के बीभ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंबरण से क्यूर्य किसी आव की बानत, उक्त बीधीनबाम के जधीन कर दोने के बंतरक के स्वीवत्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किशी आय वा किसी भन वा बन्स आस्सियों को, जिन्हों आरतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाले में सुविभा के लिए।

अतः सकः, उक्तः विधितिक्रमः की धारा 269-ग के अन्सरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निक्तिका व्यक्तियों, अर्थात (1) श्री युसूफ भ्रबदुल्ला पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) थेराष्युटीक्स् केमिकक्ल रीरार्च कॉर्पोरेशन । (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्म्बनाहियां करला हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में विकर जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनका अधिनयम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### #मृश्यी

फ्लेट नं० 2, जो, 5वी मंजिल, इमारत नं० 7-बी, पटेल अपार्टमेंटस एण्ड पटेल एण्ड गुप्ता टाबर, बी०जी० खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई 1/37 ईई/5991/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-5-85 को रज़ीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 6-1-1986 मोहर : प्रकथ आहें टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधिक स्चना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंग 1 बम्बर्ड बम्बर्ड दिनाँग 6 जनवरी 1986

निदेण मं० ग्रई 1/37 प्रांग्रा/6507/84—-ग्रनः मझे, निसार ग्रहमद,

नामकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त ाधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिस्त नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० गाला सं० 228, जो, 2री मंजिल, बृपा उद्योग भवा, टो०जे० रोट, जिसरी(प०), बम्बई 15 हैं तथा जो बम्बई 15 में स्थित हैं (स्रौर इस्ते उपाबद्ध सनुसूबी में स्रौर पूर्ण का र वर्धित है), स्रौर जिसका करारतामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क.ख के स्रधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीरही है तारीख 9-5-1985।

को पूर्शिकत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीकत सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके नहयमान प्रतिफाल से एमें दृष्ट्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रीतिशत से अधिक है आर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाण गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाष्टिय में कमी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी था किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्य अधिनियम, सा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया जाना जातिए था, क्रियन में सुविधा को लिए।

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उच्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारार (1) के अभीन,, निम्नतिसित व्यक्तियाँ, जथींस् ६—— (1) मेणमं संतोष विश्वरहाजीयम एजेन्सी और मेणमं शहा इंटरप्राईन।

(ग्रन्थरक)

(2) मेयर्स ग्लोबल ट्रेडर्स ।

(श्रन्तरिती)

(3) मैसर्म शहा इंटरप्राईज।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिश्रिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचरा को ताभील में 30 दिन फी अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्लोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास जिसित में किये जा प्रकेंगे।

स्पथ्डीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्धी

गाला नं० 228, जो, 2रो मंज्ञिल, बुपा उद्योग भवन, टो० ज०रोड, भिवरी(प०), बम्बई 15 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई 1/37 ईई/6055/84 85 आरं जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौँक 9-5-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई,

तारीख 6-1-1986 मोहर प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई बम्बई दिनांक 7 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6666/84-85→-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं पलेट नं 123, जो, 12वी मंजिल, विग-बी-1, निर्माणाधीन इमारत, वर्म क्षेत्र, काम्रेड हरबंसलाल मार्ग, पण्मुखानंद हाल के पास, सायन(पूर्व), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रांर इसमे उपारद्ध श्रनुसुची में श्रांर पूर्ण रूप से विणत है), श्रांर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 20-5-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेससं गांधी फ़्रेमिली ट्रस्ट।

(भन्तरक)

(2) श्री भुपेंद्र जे० शहा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 123, जो, 12वी मंजिल, विंग-बी-1, निर्माणा-धीन इमारत, कर्म क्षेत्र, काम्रेड हरबंसलाल मार्ग, पण्मुखानंद हांल के पास, सायन (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकी फ्र॰सं० अई-1/37-ईई/6175/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

तारी**ख** : 7--1--1986 मोहर :

## प्रकप बाइ ै. टी. एम. एस. 😕 - - ----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त (1) के अभीत क्याना

#### भारत सरकार

## कार्यानय, सहायक मायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-1, बंबई वंबई दिनांक 7 जनवरी 1986 निदेश सं० श्चई-1/37-ईहै/6646/84-85 --श्चन: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार म्ल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० फ्लेट नं० 26, जो, 7वीं मंजिल, विनस 45-डी, श्रार० थडानी मार्ग, वरली, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में एकिस्ट्री है तारीख 20-5-1985

को पूर्वोक्त संपोत्त के उभित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गर्व है और मूक्ते बहु विश्वात करने का कारण है कि सथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिह तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्नि में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: :--

- (क) जन्तरण ते हुई किशो जाय की बाबत, उक्क जिमितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के क्रियिक में कमी करने वा सबसे बचने में सुविधा को क्रियः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाच-नाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में मृतिथा को जिए;

शत: अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कें जनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीर, निम्नजिवित स्वित्यों क्षा क्षियीं क्रि--- (1) श्री बालचंद सरावर्गा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दीगार श्रार० विज्ञा श्रीर श्रीमती पमाबेन डी० विल्ला।

(श्रन्वरिती)

(3) भ्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग हु सन्गत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्मिक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकीय कु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाना होती हो, के भीतार पृत्रीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भौतर उक्का स्थावर तम्पृत्ति में हिन्द-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्वींगे।

स्थव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या भया है।

## **श्रनुसूची**

फ्लेंट नं० 26, जो, 7वीं मंजिल, विनम 45-डी, श्रार, थडानी मार्ग, वस्ली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी क॰मं० ग्रार्ट-1/37-र्ट्स/6158/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रैंज-1, बस्बई

नारीख: 7-1-1986 मोहर: प्रकप आही. टी. एन . एस . ------

नायकर निधित्तियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यांसय, तहायक बायकर बायूनरा (निराक्षण)

श्चर्जन रेंल-1 बस्बई बस्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6491/84-85----ग्रनः मुझे, निसार ग्रह्मद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद (उक्त अभिनियम कहा पया है), की वारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर बस्पीत, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 505, जो 5वी मंजिल, श्रीर गैरेज नं० 7. इमारत उद्यान दर्शन, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद श्रानुमुची में श्रीर पूर्ण रूप ये विणित है), श्रीर जिसला तरारनामा श्रायतर श्राविध्यम, 1961 की धारा 269 ए.ख के श्रधीन बम्बहैं स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 8-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिश्व के लिए अन्तरित की गई और अमे यह विक्यात करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पर्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिपत्त से एसे क्यमान प्रतिपत्त का पन्तह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिपत्त, निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसत में वास्त क्य के कर्मिक स्था है ——

- (क) अन्तरण ये हुई किलीं बाम की बावतः, उपत वर्ड्गिविक की वांधील कर दोने को अध्यारण वो दासित्य में कसी करने वा खबबे वर्षने में चुलिया के सिए; वॉर/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन या अन्य कास्तिकों को, चिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में श्रीवधा को लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, स्वत अभिनियम की धारा 269-घ की एपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् ्र—

(1) में नर्म फेरानी डेव्हलंगर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्णवात बीठ ठाणावाला, श्रीमती कृमुमबेन केठ ठाणावाला, श्री दिलीए केट ठाणायाचा ग्रांट श्रीमती भावना दिलीए ठाणावाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

जनत तम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (६) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विक्तिमां में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए पा सकींगे।

स्पष्टिकरणः—-इसमं प्रयुक्त बक्यों और पदों का, जो अक्त अधिक निवस की वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गयाः हैं।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 505, जो, 5वी मंजिल, श्रीर गैरेज नं० 7, इमारत उद्यान दर्शन, एमानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 भें स्थित है।

श्रमुसूची जैसाकी क०सं० अई-1/37-ईई/6042/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा िस्सक 8-5-85 को रजीस्टर्ड िया गया है।

> निनार ग्रहमद समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज 1, बम्बई

नारीख : 6−1-1986

इक्स बाद्री : शी. एम . एक : अ-----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अप्रजंत रेज 1 बम्बई बम्बई दिनांक 6 जनवरी 1986

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ के उधीत सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,06,066/- ए. से योजिक हैं

श्रौर जिन्नकी तं ० फ्लेट तं ० 303. जो, उद्यान दर्शन इमारत संयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसाग एरारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 तख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 3-5-

को पर्वाक्त प्रशानित से शिवार प्राचार साम से तम के प्रावसान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उण्यसन अंतिकल के पंद्रह इसके दश्यभान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकला, निम्नीसिक उद्दोश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिबक कम से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) जनतरण मं शुद्धं फिली अध्य आं बाबत, उक्तं आंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/वा
- (थ) एंसी किसी जाब या किसी भग वा जन्य आस्तिवां कारे, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उकत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रजट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, दिश्याने में सुविधा के लिए

जतः जंब, उक्त विधिनियम की धारा २६९-१४ के असगरण मीं, मीं, उक्त निर्मियम की धारा २६९-१२ की उपधारा (1) के न्योल, निक्तिविक व्यक्तियों, अवीत — 71—446GI/85 (1) भेजमी केयाची डेब्ह्लोपर्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उपेश रोचलानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह गुजना जारी करके पूर्वीक्त अम्पत्ति के जर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

राजन संगतित को अर्जन को संतीय में काहि भी साक्षीप :---

- (क) इस स्थान को राजपण मों प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की बनित्र या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील ले 30 दिन की अविध, को भी बनिध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों हों से विस्ती व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्थ किसी जन्य व्यक्ति स्वाय वाधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

पलेट नं∘ 303, जो, उद्यान दर्श√ उमाप्त, समानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी करुसं० अई-1/37-ईई/6003/85-86 और जो ाक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद नक्षम प्रादि गरी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रैज 1 बम्बई

तारीख : 6-1-1986 मोहर : प्ररूप माइ . टी. एम . एस . -----

**शायकर क्षिनियम,** 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-थ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भागृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बंबई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० श्रई 1/37 ईई/6624/84-85—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इतर्जे इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, पर्ल हार्बर इमारत, तुलसीनाडी, मामगांव, बस्बई-10 है तथा जो तस्बई-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्राधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17-5-1985

करें पूर्वीकर बस्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य के का को कावमान शतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुश्ने गई विकास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त तंपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उत्तके रूप्यमान प्रतिफल ते, एने इत्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निस्तिलिश्वत उज्जेष से उन्तत करतरण लिखित में बास्तविक रूप से कीचत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर दिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए;

उत्त. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिसस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेलर्स बोनी इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहमद ह्नीफ इस्माईल काझी, श्री हरून ग्राय० काझी, श्रीमती खातिजाबाई ग्राई० काझी।

(अन्तरिती)

क्कों यह सूचना जारी करको पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्रोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाम्ब होती हो, के भीतर पूर्वो क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, पर्ल हार्बर इमारत, तुलसीवाडी, माझगाँव, बस्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० श्रई-1/37 ईई/6144/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनौंक 17-5885 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निवार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर संघना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, बस्वर्ष बंबर्ष दिनाँक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रई 1/37 ईई/6636/84 85—श्रतः मुझे;

गनसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी सं० फ्लेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, शांसी कुंज इमारत, 87, नायगांव क्रांम रोड, दादर, तम्बई 14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रौर जिमका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17→5-1985

को वूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिचान से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक स्थ्य स किथे नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कै, कै, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध— (1) मेन्स् बोनी इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिपक इंद्रलाल मेहता, श्री दिलेश श्राय० मेहता, श्रीर श्री केतन इंद्रलाल मेहता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भ्रमुसुची

पलेट नं ० 403, जो, 4थी मंजिल, शांती कुंज इसारत, 87, नायगाँव क्रांस रोड, दादर, बम्बई 14 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी कर्न श्रई 1/37 ईई/6149/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 17-5-85 को रजीस्टई किया गया है।

निसार **प्रहमय** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख 6-1-1986 मोहर

# 

## भागुकर मिन्निमक, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-भ (1) की नवीन सुचना

STATE FORDS

## कार्नीबर, सहायक जावजर जानुक्त (निर्त्तिक)

श्चर्जन रेंज 1 वंबई वंबई दिनाँक 6 जनवरी 1986

निर्वेण सं० श्रई-1/37-ईई/6746/84-85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इस

1,00,000/- स्ट. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 25. जो, 2र्रा मंजिल, इमारत नं० बी-5, पूनम पार्क, प्लॉट नं० 6, सी०एम०नं० 7/50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, वम्बई-12 है तथा जो बम्बई-12 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधि-नियम, 1961 को धारा 269 क,द के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 27~5-1985

को कुर्वेचरा बन्गरिता को जीवत नावार नृत्य से कान की करनाल प्रीक्ष्मक को सिए संस्थिति की वहाँ हां और मुक्ते नह निकास करने का कारण है कि स्थापनीयत संबरित का विषय नावार सृत्य, वासको वस्तान प्रीक्षित संबरित का विषय निवास का प्रमाह प्रविद्यत से अभिक है और स्थारक (सन्ताहकों) और संबर्धिकी हैंसेडडिर्डिक्सें) को नीच एवं नंतरण के किस तब पाना नवा प्रदेश-स्वा, विकासित प्रदूर्णका से स्थास संबर्ध सित्य को नाता-निकासम से अधित नहीं जिल्हा कना है है---

- (क) मन्तरम संहृष्टं कियी सम्बद्धा बाक्या स्वयस स्थित निवन के नधीन कर दोने के अन्तरक के कमिरक में कभी करने या उसरी वधने के सुविधा के क्रिक् बार/या
- (क) एसे किसी जान ना किसी भन या अन्त्र आस्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, ना भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं सिन्ना गना या किया जाना जाहिए था, कियाने में सूरिका से किए:

अक्षः जन, उन्त निर्माणन की भारा 269-ग के नग्नरण में, में, उन्त भीभीनम को भारा 269-ण की व्यथाचा (1) को नभीग, जिल्लीकाचित्र स्विधवनों, अनीत :--- (1) पूनम बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी०पी० शहा।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों।

(बह ब्यक्ति जिसके <mark>प्रधिभोग</mark> में सम्पत्ति है)

को यह अपना जारी कारके पूर्वोक्स स्वास्थिक के अर्थन के सिक् कार्यनाहियां करता हुँ।

सकत सम्बद्धि के अर्थन के धम्बन्ध में काहि भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में नक्ष्यान का बार्यक्ष से 45 हिन की अवधि या तत्क्ष्य की स्वीत्ता का सूचना की सामिता की मानिता की सामिता की सामिता की सामिता की सामिता होती हो, के भीटर प्रमुख्त व्यक्षित का किया में बनाएत होती हो, के भीटर प्रमुख्त व्यक्षित का किया में से किया व्यक्षित क्षाक्ष
- (थ) इस सूचका के राज्यम में प्रकारण की बारीय के 45 दिन के मीतर चक्त स्थावर अम्परित में दिवा-यथ्य किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोइस्तातारों के पाल निकार में किए वा सर्वीये ।

स्पक्कीकरण:---इसमं प्रमुक्त राज्यों और पढ़ों का, जो उक्क गौर्थानकम के अध्याद 20-क में गौरभाषित हो, कही अर्थ होगा जो उस अध्याद से किया ामा हो।

## \*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

फ्लेट नं० 25, जों, 2री मंजिल, इमारत नं० बी-5, पूनम पार्क, प्लॉट नं० 6, सी०एस०नं० 7/50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, बभ्बई-12 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसाको क्र०सं० श्रई-1/37-ईई/ङ212/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 27-5-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> तिनार श्रह्मद नज़म प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

मोहर

्रका आई.टी.**एन.एस.----**

असम्बद्ध अधि। त्यात्र , 1961 (1961 का 43) की सार -60 स (1) के लागीन सुकला

#### भारत सरकार

# कार्यालय , सहायक कायकर बागुक्त (निरीक्रण)

श्रजीन रेंज-1, त्रम्बई स्वर्ध विक्रील ८ जनवरी ४०

वम्बई, दिन्कै ७ जनवरी 1986

निदेश मं० श्रई-1/37-ईई/6549/84-85-श्रतः मुझे, निहार श्रहमद,

कायकार आधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमं इसक पत्रकार शिक्त अधितियम काला गया हो), की भारा 269-स के अधीन मक्तम प्राधिकारों को बह जिल्लास कारण का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार कल्य 1,00,000/- स. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं ० फर्लैट सं ० 92, जो, 9वीं मंजिल, विग-वी-1. निर्मानाधील इसारत, उर्भ क्षेज्ञ, कामरेट हरवं तलाल मार्ग, पण्नुखा-नन्द होल के पार, जायन (पुर्व), वस्वई-37 स्थित है (स्रीर इससे उपाबढ़ स्रौर जिपका करारनामा स्रायक्षर स्रिधिनियप, 1961 की भारा 269 क्षेत्र के स्रिधित वस्वई स्थित तक्षण जाधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, दिनाँक 13-5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उत्तित योजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करन का कारण है। के स्थाप्यायत तेपीत्त का उत्तर शिकार कृता, उसके दश्यमान प्रतिकल की एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए एक पांचा गया प्रतिकल. जिन्निसित अब्देष्य से जाकत अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) शतारक म हुए किसी बाग की जानक, उनक मामिनियम के अभीत कर शने के क्रासरक के वामित्व में कमी कर्ज़ मा उसके वर्षक की कृष्टिका में सिए; बीर बा/
- [का) एसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य वास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिपान भा सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशितः व्यक्तियाँ, अर्थात् के

- (1) श्राप्यान मोफनगणनाहाट (मायनर) द्वारा पिता योरपालह मोफन्याल पीठ मुनोड । (ऋन्तरह)
- (2) श्री महेन्द्र पो० जोत्रालिया श्रौर कीमती मथुरी एम० जोवालिया

(श्रन्तरिती)

भा बहु सुचना का**दी कारक प्रतिकत संपर्धित के अर्थन से निध** कार्यवाहियों करता हुए।

उन्त सम्मत्सि के अजन का ग्राह्म का का में भी बाओब :---

- (क) क्स सूचना के राजरण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नवित्र या तत्सम्बन्धी स्योकतयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवित्र, को भी अवित्र वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्तियों हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपौत्त मां हिसबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के यारा जिल्हा मां किए १६ वक्तीय ।

स्पद्धिकरणः--५समे प्रयुक्ध सब्दां और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ध्या है।

#### **अन्स्की**

फ्लैट सं० 92, जो, 9वीं मंजिल, विग—वी—1, निर्माणाधीन इमारत, कर्म क्षेत्र, लामरेंड हरबंगलाल मार्ग, पण्युजानन्द हाल के र पास, भायन (पूर्व), वस्वई—37 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा जि कि के सं अई-I/37—ईई/6088/85— 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 13-5-85 को रिजस्टई किया गया है ।

नियार ग्रहमद पक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज--1, बम्बई

दिनाँक : 6-1-1986

माहर :

मुक्तपु कार्ष्ट्र, टी. एवं , एवं , -------

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) फी भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकाष

# कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/6497/84-85--ग्रत: मुझे, निसार भ्रहमद,

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परचात् 'उलक अधिनियम' कहा गया ह") की भारा 269-वा के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000∕- रु. से अभिक **ह**ै

भ्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 43, जो, 11वीं मेजिल, विनस को०-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी, इमारत नं० 43, वरली सीफेप, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्सुची से श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रध-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई (स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दि गाँक 8→5-85, कां पूर्भों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उस्थमान प्रतिपाल के लिए अन्तरिश की गर्ी है और मुक्ते यह विस्थास करन का कारण हो कि समान्य कर समास्य का उचित बाजार मुख्य. असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसीरितियों) के बीच एेसे बंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्म्हीमिक्स उष्ट्येश्य से उस्त अन्तरन लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा हैं:---

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाय की वाबत, उथल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कुरने वा उससे नुचने में सुविधा के लिए; र्वार∕ वा
- 🔳) एसी किसी आय या किसी धन या कुन्ध आस्तियाँ कां, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत विधिनवम, वा भन-कर अध्यानयम, 1957 (1**957 का 27) के** प्रवाचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के विष्:

क्षतः वयः, उक्त व्यधिनियम की भारा 269-व को बनुसरण के, में, उक्त मिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🗤 अपीन, जिल्ली**तीयत व्यक्तियो**च **अपीत् 🖅** 

(1) श्रो जी० टी० हेमनानी

(प्रन्तरक)

(2) डा० शशि स्रोम प्रकाश कपूर स्रोर श्रीमती पंतली श्रोम प्रकाश कपूर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनतु सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस स्थला के राजपण में प्रकारण की राहीस से 45 दिव की अवृद्धि या तरकव्यामी व्यक्तिकों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वंबीभ बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में हे किसी व्यक्ति बुवाराः
- (क) इस सूचना के र अपन भ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाच अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्भ होगा, दो उस अध्याय में दिया पया 

### प्रमुख्य

फ्लैट नं० 43, जो, 11वीं मंजिल, विनस को०-ग्रॉप० हा उमिन सोसायटी, इमारत नं० 45-डी, वरली मिफेस, बम्बई-18 में स्थित है ।

म्रनुसूची जैसा कि कि० सं० म्रई-1/37-ईई/6046/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 08-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक 6-1-1986

## प्रकृष जार्च . टी . एन . एस . . --- -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) से सभीन सुचना

#### शाह्य सरम्बर

## कार्याजय, सहायक आयंकर जायकत (निरीजन)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई-1/37-ईई/3235/84-85---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वरचात् 'उक्त अधिनियम' अहा नया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्त्र प्रतिकारों को, यह विकास करने का कारच हैं कि स्थादर संपरित विकास उचित वाचार कृत

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव फलैंट नंव 1203, जो, शिरीन श्रपार्टमेंटस,
जिसका सीव एसव संव 1/315, ताडदेव डिविजन, गंगा जम्ना
सिनेमा के सामने, ताडदेव, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें
उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). श्रीर जिसका
करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री
है, दिनौक 18-5-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृस्य में कम के दृश्यमाम इतिफाल के सिए बम्हरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि बनाप्तोंकत सम्मास का अधित बाबार मृत्य, उत्तके व्यवमान प्रतिफाल से, एसे व्यवमान प्रतिफाल का पहिल्ल प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितीवर्वा) के बीच एसे बंतरण के निष् तब पाना बया प्रतिक्षक हमा विश्व के सम्मान प्रतिकृति के स्वास के बंतरण के निष् तब पाना बया प्रतिकृति के सम्मान की स्वास के सम्मान की स्वास के सम्मान की किया मही किया गया है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो मृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को . जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम , 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या घन कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया चाना चाहिए था , जियाने में सुविधा के लिए;

चतः सम, वक्त अभिनियम की भारा 269-म के जनगरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ≟— (1) ताउदेव प्रापर्टीन प्राइवेट लिमिटेट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जेठालाल विनोधादाम ठकार ग्रीर श्री नारनदाम जेठालाल ठककर

(अन्तरिती)

्रक्षा सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपष्टि के वर्षक के लिक कार्यमाहियां करता हो।

धक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्भन्ध में कोई भी आओप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकासन की तारीच से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवृधि, को भी जबकि वाद मों समाध्य होती हो, की भीतर पूर्वो वस जातियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्या ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर तक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा सभोहरताक्षरी के बाब लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्यक्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक्ष है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा स्था है।

#### ग्रनुसू**ची**

फ्लैट सं० 1203, जो, णिरीन ग्रयार्टमेंटम, जिसका सी० एस० नं० 1/315, ताडदेव डिविजन, गंगा जम्,ना सिनेमा के सामने, ताडदेव, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि कुछ संज श्रई-1/37-ईर्ट/6431/85- 86 श्रौर जो नक्षम प्राधिकारो, वस्वई हारा दिनांक 18-5-85 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार म्रह्मद नक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजिन रेंज--1, बम्बई

दिनौँक 6−1−1986 मोहर प्ररूप आद्र<sup>4</sup>. टी. एन. एस∵-----

आप्रकर अधिक्षितः 1961 (1961 का 49) की धाराहरू असी अधीन मुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रर्ड-1/37—ईई/6390/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक ही

ष्ट्रीर जिसकी सं माला सं 421, जो, समेक्ष्म इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रिमायसेस को०-प्रांप० सोपायटी लि० "ए", दादोजी कोंडदेव कॉस मार्ग, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विजनहै), श्रीर जिल्हा करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रीचन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ही है, दिनौंक 1-5-85,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए शन्तिरित की नई है और मूम बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्र्स, उसके द्ध्यमान प्रतिकल से एमें दश्यमान प्रतिकल का बंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिश्तिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिसित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. ध्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण तैं, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की क्पीन, सिम्निलिकित व्योक्तयों, अर्थात् :--- (1) साँमर्स्ट गेंटर ।

(अन्तर्क)

(2) में पर्म हामान लेदर मणिन्य।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह प्रचना आरो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलग् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के नालपत में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविध या तरहम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्स त्यक्ति सों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिश के भीतर उसक तथाबर अस्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इताया अभेतन्तालारी के जाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधि हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **भ्रनुसूची**

भाना नं 421, जा. समेनन इंडस्ट्रियल डस्टेट प्रिमानमेन को०-ग्रॉप० सोसायटी लि०, "ए", बादोजी कोंडदेव कान मार्ग, भागकला, बस्बई--27 में स्थित है ।

धन्यूची जैसा कि कर संर स्रई-I/37-ईई/5976/85-86 स्रीर जो तक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1-5-85 को रजिस्टई किया गया है ।

निसार श्रहमाई गक्षम प्राधिकारी शहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंजे-।, बम्बई

दिनाँक 6- 1-- 1386

प्रकप गाइ .टी.एन.एस. -----

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

## बाह्य स्रकाड

## कार्यालय, महासक आयकार जायुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ध, दिनाँक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6641/84-85--श्रतः मुझे, निमार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्र के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,90,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं उत्तर-पूर्व फ्लैंट सं 14, जो, तीसरी मंजिल, प्लाट सं 326, फारवर्ड हाउस, कस्तूरबा झोपडपट्टी नगर के सामने, वडाला फिण मार्केट के पास, वडाला, बम्बई 31 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनाँक 20-5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय का किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राना चाहिए था, छिपान में सविधा से किए;

(1) स्री पानाचन्व ग्रार० शाह् ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीपकुमार रामजी टक्कर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा वर्कोंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नम्सी

उत्तर-पूर्व फ्लैट सं० 14, जो, तीसरी मंजिल, प्लाट मं० 326, फारवर्ड हाउस, कस्तूरबा झोपडपट्टी नगर के सामने, फीज मार्केट के पास, बडाला, बस्बई—31 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-I/37—ईई/6155/85— 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 20—5—85 को रजिस्टई किया गया है ।

नियार श्रहमद यक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज−1, बम्बई

दिनाँक : 6-1-1986

मोहर

## वक्ष बाहें. टी. एम. एस, \*\*\*\*\*\*

भागकार अभिनियम 1961 (1961 हो 43) की भाग 269 व (1) रे अपीन भूषण

#### भारत नरकार

## कार्यालय, सहादक बायकर आख्वत (निरक्षिण)

ग्रजेन रेंज⊸ा, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उकत अधिनियम' कहा गया हूँ), वहाँ वारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका तियत बाहार मूच्य 1.00,000/- राज्य से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं । गेड सं । 240, जो दूसरी मंजिल, ए टू जैंड इण्डस्ट्रियल इस्टेट, फर्म्युगन रोड, लोग्रर परेल, बस्बई—13 में स्थित है (ग्रीर इसरे उपावड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर से में विकार हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रासकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 वस्त के श्रिशीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनोंक 13-5-1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रहयमान इतिफल के लिए न्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारते का कारत है कि स्थापूर्वेक्त सकाति का उचित्र|बाजार मूर इसके दृश्यमानिश्विक्त से, एसे दृश्यमानिशितिकल का पण्डाह्|बितिश ते प्रतिक दे बार वर्षरक (अग्तरकों) बीर बार्यरित (बक्तिपितियों) के बीच ऐसे बारतर के लिए स्थ पाया नया पनिक्रम; निक्तिसितिय उद्देश्य से प्रति बार रहा है कि रहें कार्यरिक प्रव ने महिल मही

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आय की बाबस, डक्स** अभिनियम के जधीन कर दोने की अन्तरक के अधिक प्रतिकास में करी करने ए उन्हार एक्स ऐ में मिलिया के न्यिए: अके/का
- (क) एंटी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया बाना चाहिए था, छिपाने के सिवधा की निरा; और/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मिसर्स गहज्ञ श्राफनेट (भागीदारी फर्म) रिश्रेजेंटेड बाय श्री एउ० जी० देवक्ले ।

(भ्रन्तरक)

(2) क्यां नन्दिकिशोर जी० सराफ श्रौर श्री नवल जी० सराफ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के सिए कार्ववाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबींध, वो भी अवींध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इब जूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी छ से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रूथ किसी मन्य स्थिति द्वारा, अधोहन्ताक्षरी के पाच निचित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पक्षों का, ओ उक्त बाधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं क्षी होगा जो उस अध्याय में दिया वया ही।

#### वन्त्यो

शेड सं० 240, जो, दूसरी मंजिल, ए० टू जैड० इंडस्ट्रियल इस्टेट, फर्म्युसन रोड, लोग्नर परेल, वस्बर्ड-13 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/6110/85-96 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बर्ड हारा दिनाँ र 13-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तितार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनौंक : 6~1~1986

मंहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### शारत श्रूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1986 निर्देण सं० अई-1/37-ईई/6527/84-85--श्रतः मुझे, निसार प्रहम्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्सकें हमकें पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' वाहा गया हैं), की भारा 269-स्व के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्षं न जिसकित्यां व र्षं द्यांगिक्ष यूनिट सं 346, जो, तीयरी मंजिल, ए-जीड (इण्डिस्ट्रियल) प्रिमायभेभ को ०-न्न्रापण सोशायटी लिए, गणपतराल कदम मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इगल उपाबद्ध प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिल्ला जिलार नामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क्ष के अधान अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनाँक 13-5-1985,

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्त्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृल्य, उसके स्त्यमान प्रतिकल सं, एसे स्त्यमान प्रतिकल का भन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शैच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण मे लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरुण से हुक्ष किसी आप की बाबत उन्नत भोधनियम ज अधीव कर दोने के अम्बरक से शियरव मा कभी करने या उससे बचन मी श्रीवधा क निस्द्र; बीहरीमा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः ब्रंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-4 के अनुसरण भें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारः (१) के अभान, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्भात् :— माहर : (।) श्रोमता भूलका जे० ब्रह्मांडकर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो जुनलिक्षांर जी० यराफ श्रौर श्रोमती शकुंतला-देवी सराफ ।

(भ्रन्तरिती)

**को यह सूक्ष**ना भागों करको पूर्वोक्तः सम्परित के शार्तन को लिए कार्यवाहिया

## उपत सन्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी -श्रीवतया हर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नद में समाप्त होती हो, के भीलर प्रवेषित व्यक्तियों मी से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में अकासत की ता है। य 45 दिन के भीतर करता स्थावर मस्पत्ति मा दिल्लाकृष किसी कर्म व्यक्ति द्वारा अभोनश्ताकृष्ण अहं कर है।

स्थाकीकरण:---इत्यों प्रयुक्त अन्यां और एकां का, जा उक् विभिनियम को अध्यास 20-क में गरिक्शांचा है, वहीं वर्ष होंगा जा उस अध्याय मा रि मना है।

#### मगुस्य

श्रीद्योगिक यूनिट गं० 349, जो, तीमरी मंजिल, ए-जैंड (इण्डस्ट्रियल) जिमायना को०-धाय० मोनायटो लि०, गणनत-राव कदम मार्ग, लोबर परेल, बम्बई-13में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कर्ण मंग्र श्रई-1/37-ईई/6076/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हात दिलांक 13-5-85 को रजिस्टडं किया गया है।

> निभार श्रहमद पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरक्षिण), स्रर्जन रेंज−1, बम्बई

दिनौंक : 6--1-1986

महिर:

प्रकप बाहै . टी . एतं . एस . ....

# नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के संधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 6 जनवरो 1986 निर्देश सं० श्रई $-\frac{37}{5}$ ईई $/6651-\frac{84}{84}$ -85--श्रन मुझे,: निसार श्रहमव,

बावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्म हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 31, जी, तीसरी मंजिल, क्लासा-ब्लॉसला, प्लाट सं० 39, कफ परेड वस्बई—5 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिन्यम, 1961 की धारा 269 क्**ख के** श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी क कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनौंक 20-5-85

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंशरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति- कम् , निम्नसिवित उद्योध्य में उक्त अन्तरण निम्नसिवत में वास्त्रिव हुए से क्षित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क अर्थज्ञस्थ में कभी करने या उसके अध्यो में सुविधा के किय: बाँद/या
- (ण) द्रेसी किसी बाव वा किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा भा सा दिस्या जाना पाहिए था, जिपाने में सुनिया के लिए;

बतः वयः, उत्तत निर्धितयम कौ धारा 269-न को बन्धरण नै, मै, अपत निर्धितयम कौ धारा 269-न की उपधारा (1) कै नधीन : निस्तितिक सामित्रयों समितः :--- (1) श्री मालिय जी० बच् ग्राली ।

(भ्रन्तरक)

(2) सिपला लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना चारी करके पृथीक्त संघटित के अर्धन के जिल्ला कार्यवाहियों करता हुए।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की भवींचे या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की बाबीश से 30 दिन की बवींचे, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोगे।

ण्यक्षतीकरणः — इसमें प्रयुक्त प्रथ्यों नीर पदों का, को उक्त नीधीनयम के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्थ होगा, को उस नध्याय में दिया मका ही।

#### वन्स्ची

फ्लैट सं० 31, जो, तीसरी मंजिल, कसाब्लॉसका, प्लाट सं० 39, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि के सं प्रद-1/37-ईई/6163/85- 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 20- 5- 85 को रजिस्टई किया गया है ।

निनार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-I, बस्वई

विनाँक: 6-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-1, क्षम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

नदेश सं० ग्रई-1/37- ईई/6557/84--85-- ग्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस मं० 215, जो, दूसरी मंजिल, कामर्स हाउस इमारत, 140, नागिनदास मास्टर रोड, बम्बई-23 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क खे के प्रधीन बम्बई स्थित स्थान प्राविकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-5

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पूर्वेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय क किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय अ्य-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारार (1) के अधीन, निम्मलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भारत कांतीलाल बुसा ।

(ग्रयत रकः)

(2) श्रीमती हमीदा इसाक शाकीर और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के संगंध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपरित में हितयक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त बाधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुस्**ची

कार्यालय प्रिमायसेंस सं० 216, जो, दूसरी मंजिल, कामसं हाउम इमारत, 140, नागिनदास मास्टर रोष्ठ, अम्बई--23 में स्थित हैं।

श्रनुसूर्चः जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-I/37ईई/6080/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-85 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज़⊸1, बम्बाई

दिनांक : 6-1-1986

माहरः

## प्रकार नाहाँ, ठी, गून, प्रवृत्तानान

बारकार अधिनियम, 1961 (1961 का उ.3) वर्ष भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

## क्रावालयः, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रें**ज**-1, बम्बई बम्बई 6 दिनां ह जनवरी 19**86** 

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/6965/84-865---श्रतः मुझे, निसार श्रहमदः

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णित इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राणि री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु सं अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट सं 701 जो उद्यान दर्शन हमारत सब डिवावडेड प्लाट वी ग्राफ एक पी० सं 911 टी० पी० एस० 4 माहिम संयानी रोड प्रभादेवी बम्बई-28 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क क के श्रधीन बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17-6-1985

क्षं पूर्णिक्त सम्मिति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कर्ण का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, जिम्मीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुर्व किसी आण की आसत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के फिए; और/या
- (य) एंसी किसी आम या किमी धन या अन्य आस्ति में को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-केर नोंधीनयभ, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिष्धा के सिए;

अतः शक, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अवत अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (।) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स फेरानी डवलपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री व्यामसुन्दर मखारिया और श्रीमती राजरानी मखारीया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त बिक्तयों में से किसी क्यवित व्वारा;
- (स) इथ सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिशिक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

## **अनुसूर्च**ि

प्लैट सं० 701 जो' उद्यान दर्शन इमारत, सबिखवायडेड प्लाट बी ग्राफ एफ० पी० सं० 911, टी० पी० एस० 4 माहिम सयानी रोड प्रभादेवी बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल मं० ग्रई-4/37-ईई/6532/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनोंक 17-6-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रह्मव मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

विनांक ! 6-1-1986

महेर व

## मरूप बाइ है दर्ज प्रमु पुरा हरा ।

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन सचना

#### मारत घरकार

## कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निर्जाभन)

श्चर्जन रेंज-1 ब बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० श्रर्द-1/37-ईई/6903/84~85--श्चना मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है और जिसकी फ्लैट सं० 7072, जो उद्यान दर्शन इमारत, सयानी रोड,, बम्बर्ड में स्थित है (अंति इनमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा स्रायकर ग्राभिनियम, 1981 की भारा 269 कला के प्राचीन वस्वई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-6-85 **की पर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मत्य से कम** के **धर**समा∾ प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्थात करने का कारण है कि यथापूर्वीवन ग्रम्पिन का उचित गाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पच्या गया प्रीतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किल्या में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:···

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय श्री आबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में \*िषधा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, हिपाने में सृविधा के लिए;

(1) मेसर्न फेरानी हैवलोपर्न ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० ग्रार० नृत.कर शेणाय और श्रीमती विनया सुवाकर शेणाय

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के निए भार्वकाहियां करला मुं।

जनत शस्य (११५ क) बाबान को सम्बन्ध माँ को हो भी काक्षीप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिए के मीधर उक्स स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताकरी के शाध किसीस में किए का मकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्यी

फ्लैंट सं० 702, जो उद्यान दशन हमारत, सयानी रोड, दादर, बन्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० श्रई- I/37-ईई/6474/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-85 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षिण) स्रजन शिज-1, बस्बर्ध

**वतः थवः, उक्त विधिनियम की धा**रा 269-श के, अनुसरण भें: में इंपर पंित्रयम की धारा 269-थ की उपभाषा (ह) के अधीन, निम्नलिखि**न व्यक्तियों, अ**र्थात् :---

दिनांक : 6-·1--1986

## प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनां 6 जनवरी 1986 निर्देण सं० प्रई-1/37-ईई/6993/84-85--प्रत:, मुझे, निसार ग्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय, नं० 606. जो, 6टी मंजिल, णारदा चेंबर्स प्रिमायसेस को- श्राप० मोसाईटी लि०, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कर्षिक के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-6-85,

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह शितास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल निम्निलिखन उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से स्रिश्त नरीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के जिए:

कक्षः उन्न, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण भैं में, उक्त अधिनियम की धारा 260-छ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमेणचन्द्र एन० पारडीवाला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रंजन भारत गांधी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिस-ने बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सर्केंपित में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होता हो, के शीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कृत्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में हिंचा गया हैं।

#### **अ**नस्पी

कार्यालय सं० 606, जो, 65ी मंजिल, शारदा चेंबर्स प्रिमायसेस को-श्राप० सोसयाटी लि०, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं  $\sqrt{9} = 1/37 - \frac{1}{2} = \frac{1}{6559/85} = 86$  और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 - 6 - 85 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

निसार प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-1-1986

प्रकृष सार्ध्, टी. एन. एस. \*\*\*\* \*\*\*

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निद<sup>न</sup>श मं. अर्द-।/37ईई/6610/84-85—अतः मुक्ते, निशार अहमद,

आयकर अभिनिःम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थान अध्या अध्या अध्या अध्या अध्या अध्या अध्या की, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- र . तं अधिक हं

और जिसकी सं फ्लैट नं. 53, ब्लाक 8, श्याम निवास, भुलाभाई दोसाई रांड, बम्बई जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपात्रव्ध अग्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारदामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तथा तारील 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार नृत्य से कम के दरवजान प्रतिफल के लिए लंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का नंत्रह प्रतिणत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या इससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिक्षी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्लिया के लिए;

श्रत. जग, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मो. मा, रक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीरा. रिम्सिलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :—— 37—446GI/85 (1) श्रं मर्तः हिरो जोहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सनत श्रार० गरीवाला, और श्रीमती उषा एस० जरीवाला ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिनियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिम्बित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उपस्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक्स हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गणा है।

#### अनुस्ची

फ्लैंट नं० 63, जो, ब्लॉक 8, श्याम निवास, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई में स्थित है ।

प्रमुक्ती जैसा कि कि के सं प्रई-I/37-ईई/6132/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-85 को प्रजिस्टई किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-1-86

## प्ररूप आहें. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई- 1/37-ईई/6766/84- 85--ग्रत, मुझे, निसार ग्रहमद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृज्य \$1,00.000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, 10वीं मंजिल, कर्म क्षेत्र, कामरेड हर्श्वस लाल मार्ग, पण्मुखानन्द हाँल के पास, साजन (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा अथकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-6-1985,

धरे पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाब की बाब्छ, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिसत व्यक्तियों, अर्थात ;—

- (1) श्रीमती अंजना एस० गांधी । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कैलास सिंधी और श्रीमती नीना सिंधी। (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 103, जो, 10वीं मंजिल, कर्म भैन्न, कामरेड हरबंसलाल मार्ग, षण्मुखानन्द होल के पास, सायन (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-I/37- ईई/6232/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-85 को रजिस्टई किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज– i, बम्बई

दिनांक : 6-1-1986

प्ररूप बाइ<sup>र</sup>. टी. एन्. एस<sub>., "</sub>-----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सर्कार

कायीलय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अम्बर्द

बम्बई, दिनां र 6 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6408/84-85--अतः मुझे, निसार अहमद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 ग्रांर 2 जो, 5वी मंजिल, 2 टेरेस के साथ लाटन कोर्ट, डा० ऐनी बेसंट रोड, दरली, बम्बई—25 में स्थि। है (ग्रांर इससे उपायड अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिल्ला जिल्लामा आय- कर अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 3—5—1985

कां पूर्विकत सम्पत्ति के जीवत वाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चवेष से उक्त अन्तरण कि बिहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार√या
- (ण) पोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनाथ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा है लिए;

कतः क्षतः, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै० अधित ापरिणन।

(अन्तर्मा)

2. मैं स्म दर्यातानी (इंडो सायगन) कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० विमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति हुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अक्षेहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा उस स्थ्याय में दिया

## अनुसुधी

पर्लैट न ० 1 थां? 2, जो, 5वी मंजित, 2 टेरेसस के साथ, लोटत कोर्ट, डा० एनी बेसेट रोड, बरली, बस्बई— 400 025 में स्थित है।

अनुसूची जैता कि कि सं अई-1/37-ईई/5986/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद क्षम प्राधि गरी सहायक आयकर जायुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेजे-1, बस्बई

तारीख: 6-1-1986

## प्रकप आई.ही.एन.एस.-----

जावकार जाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर वागुक्त (निरीक्षण)

अर्जाल रेज-1, बस्बई अम्बई, दिनॉक 6 जनवरी 1986

तिर्देग मं० अई-1/37—ईर्इ/6661/84–85–-थाः मुझे, निसार अहमद,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संव पर्नेट तंव 401, जो, 4थी मंजिल, हैपी हाउस, जी हाउप की-अपव हाउमिंग सोपायटी लिंव, एकसाथ बुवा हातीस्तर मार्ग, प्रभादेवी, बस्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयार अधिनियम, 1961 को धारा 2695, या के अधीन, बस्बई स्थित एसमें अधि-कारी के कार्यालय में राजिल्टी है, नारीख 7-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्हरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप्य या किसी भन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्ती तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिभा के लिए;

जतः । । । स्वतः अि. तयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिश्वित व्यक्ति स्थितः : L श्री ए० बैनर्जी

(अन्तरक)

2. श्री हरीदास २णछोड्दास।

(अन्तरिती )

3. इ.स. १एक ।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

## को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कमित के वर्षन के सिह्

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पत्रियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

## मन्स्ची

फ्लैंट नं० 40१. जो, 4थी मंजिल, हैपी हाउस, हैपी इाउस को-आप० हाउक्षिम सोसायटी लि०, एउनाथ वृवा हातीस्कर मार्ग, प्रभादेवी, बस्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ़रु संरु अई-1/37-ईई/6452/85-86 प्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशक 7-5-1985 को एजिस्टई किया गया है।

निधार अहमैद सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

. नारीखा: 6-1-1986

माहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ६ जनवरी 1986

भि**र्दे**श मं ० अई-1/37-ईई/7028/84-85--या: मुझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्समें इसके पश्चाद 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारणी की यह विश्वात करने का आरण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका जीवत बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से जिधका है

स्रोर जिनकी तंत्र मृतिष्ट तंत्र 6, जो, तल माला, वृह्मा इण्डान्ट्रमा प्रत्येद, प्रसादेशी, बस्मई-25 में स्थित है (स्रोत इजने उनावड अनुभूषों में भ्रोर पूर्ण का ने विणित है), स्रोत जिनका कारतामा कार्यकर क्षिप्रित्यम, 1901 की धारा 269क, खाक अमीत, वस्वई स्थित क्षमा प्राधिकारी के कार्यालय में किल्दी है, वारीख 24-6-1985

कां पृषीक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उष्टित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाक्तिक कप ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाभित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंगी किसी बाब या किसी धन या जन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकार नाधिनियम 1922 वा 11) या वक्त वरिशीयका, या जिथिनियम को अभीन कर दोने के जंतरण के दायित्व
- (क) इसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों करी, जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष उपधारा (1) अं बधीर, निम्निजिसित करिक्तवों, अधित :— 1. मैं० विश्वनर्था आर्टस प्रायंबट लिए। (अन्तरक)

2. (1) लन्द्रका: ज्ल्याणर्जा, (2) लिलित जे० शाह, (3) ोरंका जे० गाह यीए (4) अनुल जे० गाह यीए (4) अनुल जे० भाह, (भागीदार मेसर्स वार्ल्फान इंटरनेशनल)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षियां श्रक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध मा सत्सम्बन्धी स्वितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान, के राजपत्र में प्रकाशन की ताऱीब है 45 दिन के भीतार उपन स्थाबर सम्परित में हिंद-बस्थ निकसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी बी पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियद को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उन्न कथ्याय में विका नवा हैं।

## अनुसुची

युनिट नं ० ६, जो, तल माला, बुन्पा इंडस्ट्रियल इस्टट, प्रभादेवी, वस्वई-25 में स्थिन है।

अनुसूची जैया जि कर संर अई-1/37-ईई/6594/ 85~86 यार मो यक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> नितार अहमद सक्षम प्राधि नारी सहायक आयहर रआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—1, **बम्बई**

तारीख: 6-1-1986

भाहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयवत (निरोक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/6747/84-85--अनः मुझे, निसार अहमद,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- का से बीधक है

धीर शितकी सं० पलैट नं० 605, जो, 6टी मंजिल, इमारत नं० ए-2, पूनम पार्क, प्लाट नं० 0, सी० एम० नं० 7/ 50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-12 में स्थित है (धार इतम उपाबद्ध अनुभूची में धार पूर्ण कर से विणि है), श्रार जिल्ला करारतामा आयार जिल्लाम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन बम्बई स्थिए उदाम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, धारीख 27-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथान्योंक्त सम्बद्धि का उचित बाक्कर मूल्य उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल का पेन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंकरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुन्दं किसी बाय की बाब्त, उबस बिध्नियम के बधीन कर दोने के बन्दरक हैं दानित्य में कमी करने या उबसे बच्ने में बृहिया के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य अतिस्त्यों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

भतः कथः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभिक, निम्नसिधित व्यक्तियों संधात ह 1. मेनमं पूनम बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तर्क)

 श्री दीपक पोषटलाल बारा और शांताबेन पोषटलाल बोगा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरको।

(बहु स्थाक्त, जिसके अधिभोग में सम्बक्ति है)

का मह सूचना जारी करके पृथाकत सपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की मम्भि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्परित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उकत आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुस्**ची

पलैट नं० 605, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं० ए-2, पूतम पार्क, प्लाट नं० 6, सी० एस० नं० 7/50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/6213/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिहारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-5-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद नक्षम प्राधिकारी सहाय व आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ब्रम्बई

नारी**ख:** 6-1-1986

प्रकम कार्य, दी, एन, एक,-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज-1, वम्बई वम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० म्नर्ड-1/37-ईई/6620/84-85---म्नतः मुझे, निसार भ्रहमद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, पैराडाईज को-श्रॉप० हाउसिंग सोमायटी लि०, प्लाट नं० 153, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्राय-कर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 17-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है द्र—-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृविभा के लिए।

बत: बस, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ंग की अनुसरक में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत सिस्तिनियाँ व्यक्तियों, वर्धांत:— 1. श्रीमती एवं० के० शांगम्मव।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० देशिकाचार ।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा प्रकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्र**न्**मुची

फ्लैट नं० 5, जो पैराडाईन को-श्रॉप० ब्राउसिंग सोमायटी लि०, प्लाट नं० 159, सायन (पु०), वस्बई-22 में स्थित कै।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/6140/85-86 श्रीर जो अक्षम पाधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 17-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार म्रह्मद नक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

परूप **बाइ<sup>\*</sup>. टी** , एम् , **एस** , मन्नमनननननन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग १९,० छ (1) वे अधीन मुखना

#### मारत सरकाड

नागीपाक, पक्षामक आध्यक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनां ह 3 जनवरी 1986

निदेश सं० अर्ध-1/37-ईर्र/6618/84-85-- -प्रतः, मुझे, निसार भ्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करन का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य :.00,000/- रा. से अधिक है'

भ्रोर जिसकी सं० फ्लैटनं० 17 है, तथा जो "क्क्मणी निवात" इमारत, दुर्गेश दादर को-श्रापं० हाउँ निग मो नायटी लि०, 135, मेनापती बापट मार्ग, दादर, अम्बई--28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायः ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के श्रधीन, बस्बई रिथत अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17--5-198 5

को पूर्वों कत संपरित अवित बाकार मून्य से कम के हस्यमान शितफास के लिए अन्तरित की नहें हैं और मुक्ते यह विश्वास कारों का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित दाजार सून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल को एसे क्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिफात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्दोक्त से उक्त अन्तरण जिलित यो बास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्रेस ईं —

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र, के अभीन कर कीने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने के उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बल्य आस्तियों को, किन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1000 (1922 का 11) या उबत अधिनियम या घन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया म्या था व्या किया जाना प्राहिए था, छिपाने में परिश्वा के किए:

न्त. अस, उल्ला अधिनियम की अधि 269-थ में अनुप्रस्थ में भी किए की अधिनियम का अधि 269-थ की उपधारा (1) के अभीत भिक्त विभिन्न भी किया, अधीत :---

श्रा मावजा ठीचरणी गाला।

(श्रानगर्क)

श्री श्रीविवास हरी जोगी।

(ग्रन्दरिती)

3. श्रन्तरहा

(बड़ व्यक्ति, जिलके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

की यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त प्रश्नित के कारी है के अधिक कार्यवाहियां शुरू करता है ।

सकत संपत्ति को अर्जन की सम्बन्ध को कोर्ड भी क्षारीय 🕟

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की नारील में 45 विन की अविध मा तस्यात्रन्थी व्यक्तियों पर स्थान की नामीस से 30 विन की अविध, को भी अधि वाध में समाप्त होती हो, के भीतार परितर व्यक्ति वाध में समाप्त होती हो, के भीतार परितर व्यक्ति वाध में समाप्त होती हो, के भीतार परितर व्यक्ति वाध में समाप्त होती हो, के भीतार परितर व्यक्ति वाध में सिन्सी व्यक्ति व्यक्ति से नो सिन्सी व्यक्ति वाध में समाप्त होती हो, के भीतार परितर वाध कि स्थानित वाध में समाप्त होती हो ने सिन्सी व्यक्ति वाध में समाप्त होती हो ने सिन्सी वाधित वाध की स्थानित वाध सिन्सी वाध सिनसी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिनसी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिनसी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिन्सी वाध सिनसी वाध
- (व) इझ सुवना के रावचन में प्रकानन को तारीश सं 45 दिन में और उसल स्थानर संस्पत्ति में हितबप्र क्रिकी नम्ब न्यत्तित ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के गस तिवित में क्रिश् या सकोने ।

स्पब्दीकरण: --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, अही अर्थ होगा. को उस अध्यास में दिए। स्वाही।

## ग्रनुमूची

फ्लैंट नं० 17 जो, "कक्मणी जिवास", इमारत, दुर्गेश धादर की-ग्रॉम० हाउमिंग मोनापटी लि०, 135, सेनापित बापट मार्गे, दादर, वस्त्रई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा हि क० गं० झर्र-1/37-ईई/6138/ 85-86 और जो लक्षम प्राधिकारी, बम्बई हाल दिनाँक 17-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नितार श्रहमद ाक्षम प्राधिकारी महायक श्रायहर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्वन रेज-1, बम्बई

नारीख : 3-1-1986

माहर:

## **एकम् आद¹.ट**√.एम्.एस्.-----

# धात्रकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाइर 269-व (1) के वधीन सूचना

#### बाइव सम्बद्ध

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेण सं० श्रई-1/37-ईई/6.426/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-च के अभीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित् वावार मृन्वं 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 13, जो, विग-ए, 7वीं मंजिल, गंगोली, 89-89-ए, वाणगंगा रोड़, बालकेष्वर, वस्बई-6 में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

नी पूर्विपत सम्मरित के उचित बाजार मृन्य से कम के द्वस्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह बिक्दाम करने का कारण है कि बभापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मृन्य, असके दश्यमान प्रतिकृत सं, एसे रश्यमान प्रतिकृत का निद्ध प्रतिकृत में मिपिक है और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पति- कल निव्नतिस्ति स्वविक स्वविक कर्म में क्षित नहीं कि वा गया है ----

- (कं) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक से वासित्य में कभी करने या उससे अधने में मृजिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निका के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्नाम्तरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----74---446G1/85

- श्री मथुरादास नारायनदास मजीयिया। (ग्रन्तरक)
- श्री मनोज नानालाल कोठारी।
   (ग्रन्तिरती)

को यह स्वता बारी करके प्रविक्ष सम्बंध के बर्चन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्भाग में कोई भी वाक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ल स्थितियों में से किसी स्थक्ति ब्वारा;
- (क) १४ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक सं १० दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबव्ध १७ सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास "लिखत में किए जा सकाये।

स्पष्टांकरण. - ६भमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा. जो उस विश्वाय में दिया स्वा है।

## उन्सूची

फ्लैट नं 13, जो, विग-ए, 7वीं मंजिल, गंगोली, 89-89-ए, बाणगंगा रोड़, बालकेक्वर, ब्रम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37—ईई/5999/85–86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वस्बर्फ

तारीख: 3-1-1986

मोहर 🖫

## प्रकल बाह्र . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### शारत संहक्तर

## ध्यां स्थाप सहायक वायकर बायुवर (निर्धिकाप) अर्जन रेंज-1, वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/6447/84-85--श्रन:, मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च रहे नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० दुकान नं० 32, जो, तल माला, शालिमार गाँपिंग सेंटर, लाघ निगम रोड़, कुलाबा, बम्बई--5 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिणस्टी है तारीख 29-5--85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा चया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेक्व से उद्युत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्म ते हुई किती बाव की शावन, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; बरेर/॥
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव उक्त विधिनियम की धारा 269-म को अनुकरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रो भ्रन्थोनी डिसोजा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० मी० प्रभाकर।

(ग्रन्तरिती)

का बहु बुधना धारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्धन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हों

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टोकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### 1

दुकाल नं० 32, जो, तल माला, शालिमार शापिंग मेंटर, लाल निगम रोड़, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6335/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ह29-5-1985 क्षी रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहम्भद्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक ज्ञायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6464/84-85--शत: मुझे,-निगार अहमद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रांग जिपकी सं० फ्लैट नं० 7-ए/1, जो, भिरिशां को-ऑप०, हाउसिंग सोसायटी थिए, 1!, अल्ट्रामाउन्ट रोड़, खंबाला हिता, बम्बई-26 में स्थिय है (श्रीण इसमे उपावत अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप से विणय है), श्रीण जिमका जराशतामा आयक्षण अधिनियम, 1901 की धाण 209%, खंबी अधीम बम्बई स्थि। सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है तारीख 6-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के कसमान प्रतिकल मो लिए अन्तिरत की गइर्ह धौर करने कारण विश्वास का यह कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल के परद्रह प्रतिशत से अधिक हैं मौर अंतरक (अंतरकाँ) मौर अंतरिती (अंतरितिवर्यों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निकालियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केसी करने या उससे दचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अध्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरंग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अंशींच ——  श्रीमती रजनी जी० लखानो और श्री घनण्याम ए५० लखानी।

(अन्तरक)

 श्रीमती रसीला मैलेश जबेरी थाँर श्रीमती अर्रका कमलेश पारीख ।

(अन्तरिती)

की यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कम्प व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्**स्ची

प्लैट न० 7-ए/1, जो, गिरिराज को-ऑप० ह्।उसिंग सोसायटी लि०, 11, अल्टामाउन्टरोड़, खंबाला हिल, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-1/37-ईई/6024/85-86 और जी तक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 6-5-1985 की एजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी गहायक आग्रहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 3-1-1986

## प्रक्य मार्ड . दी . एन . एस . -----

## सायकर गींपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के गंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निवेश सं० श्रई-1/37—ईई/6442/84-85—अत:, मुझे निसार अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- कः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 12-ए, जो, 2री मंत्रिल, दी क इमारत, ऑफ पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से बन के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहममान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिल्य में कभी करने वा उद्यक्त वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया ध्य या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविध्य के लिए;

जतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण जे, मैं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के जभीन, निम्मलिखित व्यक्तिजों, वर्षांद :-- 1. श्रीमती कृसूम सी० रूपारेल।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती राजाबाई रमनलाल बक्लीवाल। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरिती।

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स स्म्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्रची

फ्लैंट नं० 12-ए, जो, 2री मंजिल, दीपक इमारत, ऑफ पेंडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰ अई-1/37-ईई/6015/85-86 श्रौंर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 3-1-1986

िह्राः

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

UNICE DESCRIPTION OF A STATE OF THE PROPERTY O

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-ा, वस्वई

बम्बई, दिनांक 3 अनवरी 1986

निदेण मं० अई- 1/37 -ईई/ 6553/84-85--आए मुझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांग जिसकी सं० फ्लंट नं० 100-र्वा, जी, 1ली मंजित इंदीरा अपार्टमेंट्स, कारमायकेत रीड, (एम० एस० उठणू-कर मार्ग, (सी० एस० नं० 1/736,) मन्द्रशास्त्रहाला हिल डिवीजन, वस्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपायह अनुत्वी में श्रीर पूर्ण कर मे विणित है), श्रीर जिससा २००० स्त आयकर अधिनियम, 1961 की धारा २०१५, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के वार्यालय में रिजर्झी है नारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिक्षक हो, ए वे क्रयमान प्रतिक्रस का पन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रति-कल, किम्बिलिक उद्देश्य से अक्त अन्तरण सिवित में बास्त्-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्रम् सं हृद्दं किसी अप की अपतः, जन्तः अधिनियम् के स्थीन् कर दोने के अन्तरक को शामित्व भी कारी करने या उससे बचने मी सुविधा को लिए; सीड/वा
- (क) एसी किसी आध या किसी भन था जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु अभिनियम, या भूमकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के ह्वोचनार्थ अन्तरीरती बुवारा प्रकट नहीं किया वंग था वा किया चाना चाहिए ा कियाने से स्विधा के लिए:

अंतः अव', उक्त अधिनियम की धारा 269-भं को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, उर्थात् :— ा श्री निक्ष अपर महना

(अन्तरक )

2. श्री अमुल जीव क्याडिया ग्रीर पुष्पाबेन जीव रुपाडिया।

(अन्दर्शिती )

को यह सूचना जारी करके पृथींक्य सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्द सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप ३-

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की स्वाधि मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाशा;
- (व) ६स तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पास । किसी जन्म में जिस्सा का सकोंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

पलैंट नं 106-बी, जी, 1ली मंजिल, इंदिरा अपार्ट-मेंट्स, जारमायकेल रोड़, (एस० एल० डहाणकर मार्ग), मी० एस० नं 1/736, माजार खंबाला हिल, डिबीजन; अम्बई में स्थित है।

अनुनूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6092/ 85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-1, बम्बई

াগিৰ: 3-1-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

प्ररूप बाह्ः दाः एनः एसः :----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

अर्जन रेंज~1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6643/84-85-अतः, मुझे, निसार अहमद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

र्झाए जिस्की संव पलैट नंव 23, जो, भावेष्वर दर्णन 31— डी, पेडर रोड़, बम्बई—26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20—5—1985

का पूर्वीक्त सम्पर्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरिस्थों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निस्थित उद्विश्य से दक्स अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयल-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविश्य के जिल्हा;

नतः नन, उक्त निर्मित्यम कर् भारा 269-ग के नन्सरण मों, मीं, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन जिस्तिवित व्यक्तियों, नर्भात् ह---

- 1. मैं० प्रतीक्षा सेल्स एण्ड सर्विक्षेत्र प्रा० लि० (अन्तरक)
- 2. श्री जितेन्द्र बी० मेहता। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के निए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति से वर्षन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बा और पर्वो का, जो उक्त अधिनिज्ञा, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है।

#### नन्सूजी

फ्लैंट नं० 23, जो, भावेश्वर दर्शन, 31-डी, पेडर रोड, बस्ब $\xi$ -26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कु० सं० अई-1/37-ईई/6156/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारी**ख:** 3-1-1986

## thad and or ago have harmone

नावकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन त्यता

#### PIEG TEMP

## कार्यासय, तहायक आयंकर वायुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बई

बगबई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6598/84-85---प्रतः, मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काण्ण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,30,000/- रुपये वे विधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं०  $\xi \sim 1/15$ , जो, तल माला, s-1, इसारत, भारत तगर को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० शारत नगर, 342, ग्रैन्ट रोड, बस्ब $\xi \sim 7$  में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित हैं), और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, बस्ब $\xi$  स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख  $16 \sim 5 \sim 1985$ 

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्तियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिविक रूप से किया गमा है:—

- (क) संतरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त मुधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए श्रीहर्म्बा
- (क) एंती किसी नाय या किसी भन वा अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या धन-कर निभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा स्थे सिर्हा

अत: अत्र, उक्त अधितियम की धारा 269-म के वनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) हे बधीन, निम्नसिविद व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री गनपत सखाराम णिन्दे।

(अन्त्रसका)

2. श्री विरासाम केराजी प्रजापती।

(ग्रन्थिता)

3. श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जबत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोष्ट्र भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विका भवा हैं।

#### त्रम सी

दुकान नं० ई-1/15, जो, तल माला, ई-1, इमारत भारत नगर को-प्राप० हाउमिंग मोमायटी लि०, भारत नगर, 342 ग्रैन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-1/37-ईई/6121/ 85-86 के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 3-1-1986

## प्रकृष आहे. टी. एवं. एसं., नन्तरप्रनानन

# नाभकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### नारुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निवेश सं० श्र $\xi \cdot 1/3$ 7--ईई/6727/84--85-- अल मुझे. निसार श्रहमद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  $2^69$ -स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्यालय प्रिमायसेस नं० 402, जो, वर्धः मंजिल, खजूरवाला नैवर्स प्रिमायसेस को-आप० हार्यसम् सोसाईटी लि०, 313/315, नररि राथा स्ट्रीट, वस्वई--9 में स्थित है (और इसरी उपायद्ध अनुसूचों में और पूर्ण क्या ने वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ल के अवीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-5-1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार ब्रूथ, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिक्रत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया बितिफल निम्हिलिकत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क्य) अन्तरम चं हुई किसी बाब की बाबल, अन्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी कारने वा तससे वणने मी स्विकात के लिए; जांद्र/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी घल या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बामा चाहिए था, जिपाने में सविधा वे विद्या

शतः स्थ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, जें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीर, निम्निशिवत व्यक्तियों, वर्षांद्व ४--- 1. श्रीमती दमयंती लक्ष्मीचंद महा।

(अन्तरक)

2. श्रीमर्ता प्रतिमा मुकेश उपान्याय।

(भ्रन्गरिती)

3. प्रन्तिरती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिष् भाग्येत्राहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित मों हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकने।

स्पञ्जीकरण:--इसमें अमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जबस नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा मना है।

## **वन्त्र्या**

भार्यालय प्रिमायमेस नं० 402, जो, 4थीं मंजिल, खज्रवाला चेंबर्स धिमायभेस को-श्राप० हाइसिंग सोसायटी लि० 313/315, नरसी नाथा स्ट्रीट, बस्बई-9 में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि कि सं श्रष्टि-1/37-ईई/2196/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 21-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्**भूद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--1, वस्ब**र्**

नारीख: 3→1-1986

प्रकार बार्ड. टी, एन. एड.-----

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्थना

## बायत् ब्रह्मकड

## कार्यालय, सहायक आयक्तर बाय्यत (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश मं० आर्ध-1/37-ईई/6603/84-85---श्रतः मुझै, निसार श्रहमदः

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव कार्यालय नंव 502, जो, 5वीं मजिल, जेव एमव चेंबर्स कार्यावय प्रिमायक्षेस को-प्राप्त हाउसिंग सोसाईटो लिव, 314, पर्यासाथा स्ट्रीट, बस्दई-9 में स्थित है (और इसपे उपायड अनुसुनी में और पूर्ण कप से विणत है), और जिसका कगरनामा प्रायकर श्रीविष्टम, 1961 की घारा 269क, क के श्रवीन, बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यावय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 16-45-85 को पूर्वेवस सम्पत्ति या उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमन प्रिक्त के सिप् अस्ति पर अस्ति के विष्या सम्पत्ति या उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमन प्रिक्त के सिप् अस्तिरत की गई है और मुक्ते यह विष्यास

को पूर्वेकिस सम्पत्ति थे उचित बाजार मृत्य से कम के दरयम् । पित्रक के लिए अन्तर्भित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य इसके पर्यमान प्रतिफ न से ऐसे दश्यमान प्रतिफ न का अन्तर्भ । श्रिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पाया जवा प्रतिफल निम्निवितित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निम्निवित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निम्निवित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निम्निवत वें वास्त्रिक स्थ में किया नहीं किया नथा है है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के बिह; और/बा
- (का) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य या निया कारें, किसी बाब या किसी धन या अन्य या निया कारें, किसी भारतीय बाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम शा धनकर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधन के वस्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया बाबा था या किया बाना वाहिए था, किया ग्रीमिया के निया बाना वाहिए था, किया ग्रीमिया के निया

इत: अत्र. तक्त अधिनियम की भारा 259-ग के तिन्तिक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 75—446GI/85 1. श्री वीक्सेत रामदास ठक्कर

(ध्रुटइस्क)

1. मेसर्स के० सी० केम।

(भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्यक्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त रामिति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :----

- (क) इस स्वाना के रावपन में प्रकासन की तारीत से 45 दिन की अविभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो औ अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवब्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में विद्या गया है।

#### -

कार्यालय नं 502, जी, 54 मंजिल, जै० एम० चेंबर्स कार्याज्यल प्रिमायभैम कोन्याज्य हार्डासग सोमायटी लि० 316, नरसीनाथा स्ट्रीट, वज्बई-9 में स्थित है।

श्रमुखी जैमा वि कि० सं० श्रई-ा/37-ईई/6125/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी तम्बई क्षारा दिनांक 16-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गरा है।

> िनार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रोयकर श्रायुक्त (िरीक्षण) स्रजेन रोज-1, वस्वई

तारीख: 3 ः}--1986

मोहरः

## प्रकम बार्च . ही . एन . एस . ------

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विदांबा 3 जनवरी 1986

ितदेश लंब य $\xi-1/37$ --ईई/6655/84--85 $\rightarrow$ -श्रतः मुझे, सिमार शहभद,

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 265-ल के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण उँकि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

और जिसकी पंज दुकान नंज 7, जो, तल माला, पंजाब महाल, 27, ब्र्नू स्ट्रीट, तक्बई--3 में विश्वत हैं (आर इससे हरावाह अस्पूर्ण में और पूर्ण छप से बणित हैं), और जिसका कारणपामा आयक्षर अधिक्यम, 1961 को धारा 269क, ज के प्रवास यस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकर्टी हैं, तारीस 20--5-1985

क्षे प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे उस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे जेतरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निभ्नोल किन उद्योदय में उसत अंतरण जिल्लित में यास्तविक क्ष्य में जीवत नहीं किया गया है:—

- (भ) अन्तरण ले हुइ किसी आय की बाबत, उक्त ं िनसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी अरने या उससे अचने में सविधा के लिए; अरि/मा
- (क) एसी लिसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों वा, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९२२ क) 11) या उक्त अधिनियम, या धन्यकर अधिनियम, या धन्यकर अधिनियम, या धन्यकर अधिनियम, विश्व अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

रुत: अब, अबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, ६६, उसर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हीलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात ह—

(अन्तरक)

 श्रीमती जोहरा एम० तापीया और र्श्वामती हसनीम हमजा तापीया।

(श्रन्तरिती)

अन्तरितियो ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. स्वर अभवुल्लाबाई एमर घार्ड छर्ल: केर घारीस । (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अर्धा-हमादारी जानता है कि बह समर्थन में त्रिबंद है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्म्ताक्षणे। के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रन्मूची

दुकान नं० 7, जो, तल माला, यंशाब महल, 27, ढब्बू स्ट्रीट, बस्ब**६**-3 में स्थित है।

श्रानुभुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6166/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्प्रई द्वारा दिनांक 20-5-1985 की रजिस्टई किया गया है।

िसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक शास्त्रवर शायुक्त (िरीक्षण) श्राचैन रेंज-6, बस्बई

नारीख: 3--1--1986

## प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

आवकर आंधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहनात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है'), को भारा 269-च के अधिन सक्षम प्राप्तिकारी को यह निश्मास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी गृं० क्वितिय गृं० एम-1-बी, जो मझनिन फ्लोर, सुमाम खेवर्त को-आप० ह्याप्तिम सोधायटी लि०, 1/3, सुकाता खेवर्स, भिरची रहीट, बम्बई-3 में स्थित है (श्रीर इसने उपायत अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिलाल क्वारकामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की आरा 269 है, खे के श्रुवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालयमें प्रिक्टी है, तारीख 6-5-1985

को पूर्वो क कायालय में राजस्ट्रा ह, तीराख 6-3-1985 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के किए जन्हरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बाँच खंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्मिलिख उद्बंध्य सं उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्क विक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:---

- (था) अमलरण संहुए किसी आज की बावल, खकत अधिनियम क्षं अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसजं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आध-कर विधिनयम, 19 (1922 का 11) या उचत अभिनयम, भा भक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री किरन वल्लभदास ठक्तर।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स सी० के० इंटरप्राईज

(श्रनारिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र भा प्रकाशन की तहां से सं 45 दिन की अवधि या तहसंघीनी का बदायों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी जवधि बाद मी सभाष्त होती हो, को प्रतिर पूर्वाक्त क्यिक्समों की से फिल्ली व्यक्ति द्वासा;
- (ख) द्रस सूचना के राज्यत्र में प्रकारण की टारीस में 45 दिन के भीतर उद्यान स्थायर गंधा के प्राचीतिक के सिता द्यान स्थायर गंधा के प्रविद्या के प्रविद्य के प्रविद्या के प्रविद्या के प्रविद्या के प्रविद्या के प्रविद्य के प्रविद्या के प्रविद्या के प्रविद्या के प्रविद्य के प्रविद्य

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

कार्याजय नं० एम--1 -वी, जी, मभितित पत्नोर, सुजाला चेंबर्स को-फ्राप० हाउसिंग सोलायटी लि०, 1/3, सुजाता चेंबर्स, मिरची स्ट्रीट, बस्बई--3 में रिषय है। ऋतुभूली जैता है। क० नं० जरी--1/37-चेंबे/७०३त/ 85--86 क्रोट को तक्षम नहींगड़-ची, पत्नवी जाता दिनांछ 6--5-198 5 को प्रतिस्टर्ड रिया गरा है।

> ातार प्रह्मार ाता मात्र हारी बहायक प्रायक्षण प्रकृति (तिरीक्षण) अर्जनरोज—1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986 मोहर:

## प्रक्य बाह्र .सी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोजें ना. बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/38-ईई/6539/84-85--श्र(38-3)निसार श्रहमद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं कमरा नं 207, जो, 2री मंजिल प्रारं जे मार्केट, 347, तालबादेवो रोष्ट, बम्बई—2में स्थित है (प्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रोर पूर्ण क्य से विणित है), और जिन्ना करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख के अधान, बम्बई स्थित लक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में लिक्स्ट्रा है, तारीख 13-5-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप सं किथत महों किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अभ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिभित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री लीलाराम हरिकशनदास नैथनानी ग्रीर श्रीमती मोनिका इव्यर भगवनानी।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैं० वसूधरा।
- भ्रन्तिरितियों।

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीदस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## **श्रन्स्**ची

त्रमरा तं० 207, जो, 2री वंजित, श्रार० जे० मार्केट, 347, बालबादेवी रोड,बम्बई-2 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा िंग किंग् सं श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्री किंग सिंग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज−1, बम्बई

नारीख: 3~1-1986

प्रारुष मार्च. टी. एन. एक.-----

बायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचता

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्तज)

श्रर्जन रेंज-!, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

ेनिदेश सं० ग्रई-1/37- र्वर्ड/6597/84-85---ग्रनः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'; की धारा 269-स के अधीन सकाब प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रंग्र जिसकी मं० ग्रांधोगित यूजिट नं० 11व, जो, 1ली मंजिल, ग्राफ गहा एण्ड तहार इंडिस्ट्रियल इस्टेट, ए.-2, धनराज मिल ६ स्पाउन्छ, लोग्रर परेच, बम्बई-13 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपावढ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण व्य में विणव हैं) श्रीर जिसा इसर्वामा श्राचकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्तारी के लायां लय में विश्वस्ट्री हैं, तारीख 16-5-1985

कां पूर्वेक्ति संपंत्ति कं उभित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास' करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नामा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवान में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दाबित्व में कभी करने या उसमे बचने में मृतिधा केलिए; और/भा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छा अस्तित्यस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के न्यीय, निम्नलिखिक चिक्तवों, अर्थात —  श्री के० एल० मखीआ, श्री जे० पी० भगरवाल, श्रीर श्री श्रो० पी० मुखीजा।

(भ्रन्तरक)

2. मेससं डोल्लार गारमेंट्स।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राज्यक्ष में प्रकाशन की गराच सं 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संगत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का आ उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

## भगुसूची

श्रीसोगिक यूनिट नं० 116, जो, 1ली मंजिल, श्राफ़ शहा एण्ड नहार डंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, लोश्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6120/ 85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **भ्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) **भ**जैन रेंज-1, **बम्ब**ई

तारीख: 9-1-1986 मोहर प्रस्य बार्च . टी., पुत् पुत् .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

#### गारक सरकार

कार्याक्य, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6498/85-86--श्रतः मुझे, निसार शहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उन्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 301, जो, भागनारी को-ग्राप० हाइसिंग सोस्यटी लिं०, डंकन वॉजवे रोड, चूनाभट्टी, बम्बई--22 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कर ने बणित हैं), श्रीर जिसना करारनामा श्राय-कर श्रीधनियम, 1961 की धारा 2697, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री हैं; तारीख 8-5--1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्ति प्रतिक का पन्ति प्रतिक है और अंतरक (बन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफ म, निम्निलिख उद्देश से उनल अंतरण कि विष् तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कामी भारते या उन्नसे मणने के सुनियम के सिए; बार्ड/बा
- (भा) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य अस्तियों अहे जिन्हें भारतीय आध-का अधिनियम, 1922 (1922 की 11) ता उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए भा, किया में सुविभा के निया;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री ह्रीराम श्रार० चपरानी।

(भ्रन्तरक)

 श्री संजीव एन० नेजवानी ग्रीर श्रीमती रेना एन० तेजवानी।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करका हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ नर सूचना की तामील से 30 दिन की गर्वीभ, को भी अविभ याद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति दुनारा;
- (का) इस सूमना को राज्यात्र मां प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतार जन्छ स्थावर सम्पत्ति मा हित-ब्रम्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी का गास सिक्ति में किए जा सकोंने।

स्थव्योकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अयं हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

पलैट नं० 301, जी, भागनारी की-म्राप० हार्जिसम सोसाईटी लि०, डंगन कांजबे रोड, चूनांभट्टी, बस्वई-22 में स्थित है।

भ्रम्सूची जैसा कि कि संव स्रई-1/37—ईई/6047/85–86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमैद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंजेंेंेंेंें सम्बई

तारीख: 1-1-1986

मोहरः

परूप नाहाँ, टी. एन. एत<sub>ा नावश्यक</sub>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेज-1, वस्वई

बम्बई, दिसं र 3 जनवरी 1986

ैं निदेश मं० अई-1/37-ई ${8/6576/84}$ -85---अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधिक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिल्ला संव कमरा नंव 9, जी, रोड़ के अस्तर, जी, जी/3-118 (आयव एलव) एसव सीव एसव 52, विधी रिट्रेंच कालोती, बाली, वस्बई-18 में व्यव है (स्रीत इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण स्व पे वणित है), स्रीर जिल्ला एक्कान्यमा क्षेत्रकर अधिविषम, 1961 की धारा 269 के, खा के अधीत, बस्बई व्यव वक्षम प्राधिकारी के कार्याच्य में प्राच्छी है, धारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उत्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिस बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त बाध-अधिनियम हे असीन गर में के अन्तरक वे दर्शकरण में कमी करने या उससे अचने में सृतिभा के लिए; बौद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्वी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 क) 11) के उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तापती देवात काड नहीं किया गण था या किया जाना नाहिए था, विष्याने में सविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :-- 1 श्री प्रदीप विष्णु सावन।

(अन्सरकः)

2. श्रीमती प्रभादेवी नाथवानी।

(अन्तरि**ती**)

को यह स्वना जारी करके वृजीवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सर्वध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में डिनबस्थ रक्कि र १००१ के दूरान कारण १७०१ के उक्त जिम्मिन में किए आ सकींगे।

स्पष्टिक रायः -- प्राप्त अप्ता अन्य और प्राप्त काः, जा उक्रा अधिनियम के अध्याप 20-क सः परिसासित हो, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय मी दिया गण हो।

## नन्स्चीं

्रामरा नं ० 9, जो शेंड के अन्दर जी/3-118 (आय० एत्र०) एत्र० मी० एव० 52, सिधी रिट्रेंक कालोनी; वर्खी बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-1/37–ईई/6105/85–86 और जो सक्षम प्राधिक।री, बम्बई द्वारा दिमांक 13–5–1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयक्षर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेज-1, बम्**बई** 

नारीय: 3-1-1986

प्रकार बाह्ये, टॉ., एन , एड्,,----

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भार 269-म (1) के सभीत सुपता

#### भारत सरकार

## कार्यासयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष बम्बर्झ, दिमांक 3 जनवरी 1986 निदेण मं० अर्ध-1/37-ईई/6432/84-85--अनः, मुझे, निसार अहमद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके एश्यात 'उस्त मिनियम' कहा गया हैं), की थाएं 269-स में मेंने सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मतित, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से बीच्या हैं विश्वास मिनियम की मिनियम कि एप कि मिनियम की अधिक हाउनिया मोजायदी लि० 62/64 सादी भेठ अप्यारी लेन, बम्बई-2 में स्थित हैं (प्रीण इसमें उपावड अनुभूची में ग्रीण पूर्ण क्या में बणित हैं), ग्रीण अस्त माजायदी स्थाप अधिकार अधिकार अधिकार 1961 की धाणा 269क, खंब अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्याक्य में रिस्ट्री हैं, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितफल को लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंधरण संहुइ किसी मान की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा जे सिए; बाँछ/या
- (वा) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य अस्तियां कों, जिन्हों भारतीय आयकार अस्तियां (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया वाना वाहिए या, कियाने में सुविधा के जिया:

बतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण वा, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ट व्यक्तियों, अर्थात् क्र---- ा जयंती लाल मोजीलाल गहा।

(अन्नरक)

2. शकीर मुख्तार मिर्जा।

(अन्यरिती )

3. मेसर्स गोल्ड प्रिट, मेसर्स न्यू ताज टैक्सटाईल्स एण्ड इस्टेट्रा (प्रा०) लि०।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के सिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उन्तं सन्तरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन को लग्नीय, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुवा है।

#### धनसची

फ्लैट नं० 2, जो, माडर्न ब्रिदाबन को-आप० हाउसिंग सोल(ईटी लि०, 62/64, दादी फेठ अध्यारी लेन, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैना हि कि सं० अई-1/37—ईई/6005/85—86 और जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 की रिजस्टई किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायङ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 3-1-1986

प्ररूप बाई टी एन एस .-----

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के सभीन स्वनः

#### भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बर्ध

बम्बई, दिभांक 3 जनवरी 1986

निदेश मं० अई-1/37-ईई/6427/84-85--अनः मुझे, निसार अहमद,

नाक कर शिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विका धरानी हत प्रचान प्याचित प्रचान प्रचान प्रचान प्रचान प्रचान प्रचान प्रचान प्रचान प्याच प्रचान प्रचान

श्रीर जिसकी सं० यूभिट नं० 436, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (श्रीर इपने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त तम्मित के उचित बाचार मून के का के कावान इतिफल के सिए नंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वात करने कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके क्रामान प्रतिफान से, एसे क्यमान प्रतिफान का पल्छ इतिकत से निभक है और बन्तरक (बंतरकों) और बंदरिती (बन्दीरितवां) के बीच एवं बन्तरक के लिए तक गया नवा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक कर में कामत नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण संहुई किने आय की बाबत, उक्त अधिनियम लें अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में नश्मी करने या उससे नवने में मृविधा के लिए: बॉर/या
- (क) एसी किसी आम या किसी तन या कम्म कास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया या कर या किया जाना चाहिए था, कियार में स्विधा के निरंगः

कतः अव. उक्त अधिनियम का भारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 76--446G1/85

- शहा एण्ड भहार एमोिस्येट्स। (अन्तर्र)
- 2. में हेंब पोर्ट गारमेंडरा प्रायवेट लिए। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वांश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्य देध किसी स्वां व्यक्ति स्थावर सामित के पांच किसी स्वां के पांच विकास में किए वा सकीं में।

न्यक्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों का, वो उपसे अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, कहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिया एक हैं।

#### अनस्ची

यूमिट नं 436, जो, 4थी मंजिल, महा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एए० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैता कि कि नं अई-1/37-ईई/6000/ 85-83 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3-5-1985 को रजिस्टई जिया गया है।

> ितार अहमद शक्षम प्राधिकारी लहाय र आयाजा आयुका (किरीक्षण) अर्जन रोज-1, वस्बद्ध

तारीख: 3-1-1986

\_\_\_\_\_

प्रसम बाह् . टी. एन. एव. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भास 269-म (1) के नभीन स्था।

भारत सरकार

कार्याक्रय, सङ्घयक आयक्तर वायुक्त (निरीक्षण) वायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अर्जन रेंज−1, बस्बई

धम्बर्ध, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/6671/84—85——अतः मुझे; निसार अहमद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो, एवरेई को-आप० हाउिश्वम सोक्षायटी लि०, अधी मंजिल, इमारत नं० बी० ईप्टर्न
एक् उप्रेश हायवे, सायल, बम्बई-32 में स्थिन है (श्रीर इ.)
जाबद्ध अनुपूची में श्रीए पूर्ण कर्य से विणित है), श्रीए
जिस मा करारतामा आय कर अधितियम, 1961 की धारा
269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राप्तिकारी के
कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-5-1985
को प्रवेशिक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के उच्चमाल
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवेशिक्स संपत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके रच्यमान प्रतिफल से एसे अन्तरका अतिरक्त का
पेइह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांथा गया प्रतिफम, निम्मिनियत उच्च च्या से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है ए---

- (क) अन्तरण सं हुन्दं किसी जाय की बावत उत्तर विधिनियम के वधीन कार दोने के जन्तरक थें द्यियल को कमी करने वा उससे बचने में सुविधा क निष्य, वर्षित्री
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए का, डिज्याने में सविधा के सिद्ध;

 डा० राजीब एन० सोमत श्रीप श्रीमती सुनीता एन० सोमन।

(अन्नरक)

2. श्री बी० डी० लोबो।

(अन्तरिती )

3. अन्तरिती

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बत्ति है)

अन्तरकों

(बह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधीकें हर,गक्षरी जानता है कि वह अम्यत्ति में हितबब है)

को वह बुचना बारी करके वृत्रांच्य सम्पात्स के बचन अभिन, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नावाँप:--

- (क) इस बुधना को राज्यन में प्रकासन की तार्टीन के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारु लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रीयनियम, से बच्चाय 20-क में परिभाषित इं, बड़ी बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है है

## ग्रन्यूची

पलैट नं० 17, जो, एवरेई को-इाप० हाउिष्य सोसायटी लि०, 4थी मंजिल, इमारत नं० बी. ईस्टर्न एकाप्रेप हायवे, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि में अई-1/37-ईई/6180/85-86 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनां र 20-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है/

निभार अहमवा सक्षम प्राधिकारी । सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

मोहरः

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

नायफर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्तः (निरीक्षण) अर्ज रोज-ः], वस्थर्ष

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1986

निदेश नं० अ**ई** ·1/37-**र्व्ह**/4821/84--85---श्रतः मुझे, निसार अक्षमद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कार्यालाः प्रिभायसिम नं० 9-श्राप्तः, दमारत नं० 3, 14वी मंजिल, रावजीवन की-श्राप्तः हार्डिम्ग सोमायटी लि०, लेमिस्टन रोड, वस्बई-8 में स्थित हैं (और दम्मे उपावद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका कारणमा आधकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नार्राख 20-5-1985

मी पूर्वोक्त संवित्त के बीयत वायार मृत्य से कम से क्ष्यमान प्रतिफल के सिन्ध अन्तरित की गई हैं और मुन्ने यह विक्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मतित का स्थित काचार वृक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से एसे व्यवमान प्रतिकास के उन्द्रह प्रतिस्त से बीयक हैं और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में संस्तिविक रूप से काथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबस, उच्छा जीधिनियम के सधीन कर येने के जन्तरण के बामित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी थन वा अन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गंप्रा या या किया वाना वाहिए था, कियान में सुविभा के तिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित क्यिक्तमाँ, अधीत् :—

1. श्री हरीण मानर्शा विलास्या।

(ग्रन्तरक)

2 श्री नाथमल दालीचंद पंडारी

(अन्तरितीः)

3 प्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीथ स 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अवृधि बाद में समाष्ट्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह आयक्षर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

## वनसूची

कार्यालय प्रिमायोम नं० 9-आर० जो, **इमारत नं०** 3, 14वीं मजिल, लबजीबन की-आर० हाउसिंग सीमायटी लि०, लिमिस्टन रोड, वस्ब**ए**--8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० **ग्राई**-1/37-**१ई**/6329/ 85-86 ऑए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, बस्वई

नारीख: 1 · I-· 1986

y r<del>asaraa a i</del>

## प्रकृप नार्षः, दी ुरुन . युवा ,-----

आय्कर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, संदायक आवकर आयुक्त (निसीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दितांक 1 जनकरी 1986

िनदेश पं० %**ई**  $\cdot 1/37$ --**ईई**/6450/84--85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमदे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' जहा गवा हैं), की भाका 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को बहु विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. वे अधिक हैं

और जिसकी संव औद्यागिक यूनिट नंव 8, जो, तल माला, श्राफ अध्याक इंडस्ट्रियल इस्टेट, सन मिल कम्पाउन्ड, सन मिल लंग, लायर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उनाबद्ध धतुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा शायकर श्रीधवारी श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थिमे सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 6~5~1985

को पूर्विक सम्बक्ति के जीवत वाषार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिकत के लिए जन्हरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वात करने का कारण है कि बधा पूर्विक्त संपत्ति का जीवत वाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत के पन्त्रह् प्रविद्यात से अधिक हैं कीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्री (अंतरिक्तों) के शीव एसे अन्तरण को लिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्नुसिवित उद्योच्य से जक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित महों किया गया है :—

- (क) जन्तरण से सुद्ध किसी भाव की बाबत्, अवत अवितियस के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तव अवने में बुविया के जिन्ह; बार/या
- (क) ऐती किसी नाम ना किसी भग ना कम्म कास्तिनी को, चिन्हों भारतीय नाम-कर अभिनियन, 1922 (1922 का 11) ना उपय जीभीनवन, ना भगक्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ जन्तिरिद्धी ब्राया प्रयक्ष नहीं निवार नवा भग या निवा जाना जाहिन था, किनाने वें बुविना के भिन्ह;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वन्तुक्का में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात:——

 श्री मुजापफर जमान जाम्लानी और श्री मनाजिर जमान जाम्लानी।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स प्रिन्टमन्न

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चिति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविधनों पर स्थान की तांत्रील से 30 दिन की अविधि, को भी समित कहा में समाचा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधनों में से विकार कविक कुवारत;
- (क) इस सूचना के समयन में प्रकारत की तारीख से 45 दिन के भीतार उनके स्थापर संपीत में दिशानव्य निवति में निवा का निवा ह्यारा मधीहरूताक्षारी के पास निवित में निवा या सन्तेन।

## अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 8, जो, तल माला, श्राफ श्रष्ट्याक इंडरिट्रयल इस्टेट, सन मिल कम्पाउन्ड, मन मिल लेन, लोश्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि ऋ० मं० %ई-1/37-ईई/6029/85-86 और जो सक्षमं प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- 1, बम्बई

तारीख: 1--1--1986 .

शक्त वार्'.डी.एन.एई ;-----

माथकंड माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुवना

#### बारक करकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रिकंत रज-∙1, बम्ब€

यम्बर्ध, दिलांका 1 जनवरी 1986

ु िदिम सं० श्र**ह-**ः/37**-१६**/6453/84 -85- राजः मुझे, निमार श्रहमद,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रभात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उधिक बाबार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ओर जिसका संव युद्धि नंव 453 जो, 4धी मंजिल, साह एण्ड तहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एला, एसव जोव मार्ग, लोकर परंत्र, वन्बई नाउ में ियत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण कर ने वर्णित हैं), और जिसका बातारनामा आवार प्रधितियम, 1931 की धारा 269क, ख के अधित, वावई ियत सका प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्द्री हैं, तारीख 6-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिप्रत से अधिक है और मन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेदेय से उच्त बन्तरण सिचिक में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर की के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध अचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (w) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० गहा एण्ड नहार एसोसियेट्स।

(क्रन्तरकः)

2. श्री रामशस दत्तात्रय राय।

(भ्रन्तिः)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त स्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सन्परित् के अर्थन के सन्वरूप में कोई भी बासेप:---

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किये चा सकोंगे।

स्पव्योकरण:---इस में प्रयुक्त सक्यों और पर्यो का, को जनस् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होरें। को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **प्रनुसूची**

यूनिट नं० 453, जो. 4थी अजिल, यहा एण्ड नाहर इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए.-1, एस० जे० मार्ग, लोशार परेल, बम्ब**ई**--13 में स्थित है।

श्रमुखी जैसा कि त्रा० सं० प्रदेश 1/37-ईई/6022/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 6--5-1985 को रजिस्टई विधा गया है।

> िसार श्रहमद सक्षम श्रीधिकारी महायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-1, बस्ब

तारीख: 1-1-1986

महिल्लाः

इष्य बार्ड , टी., एन. एव. -----

नायकड निभृतियम, 1981 (1961 क 43) की भारा 269-म (1) के मधीन त्यना

#### भारत क्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बर्ष

बम्बई, दिनाक र जावरी 1986

िदेश सं० श**ई**-- 1/37-**ईई**/6508/84--85----श्रतः मुझे, निसार शहमद

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो, यथी मंजिल, निर्माणा-धीन उमान्त, पिकी प्रभार्टमेंट्स ओल्ड प्रश्न देवी रोड़, कम्बई--28 में विषत हैं (और उससे उपाबद्ध प्रमुक्ती में और पूर्ण म्या से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा प्राथ्वार प्रधि-नियम, 1961 की धारी 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 9-5--1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि सभाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उतके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्र हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निनिवित उद्देष्टम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससं बचने में स्विधा के लिए; वार/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन ना जन्य जास्तियां की, जिन्हों भारताय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्ति द्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए:

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत हि——

1. मेसर्म मोताराम तोताराम।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री रमेग नेभनानी और श्रीमती इंग्वरी के० नेभनानी (अन्तरिती)
- 3. श्रन्तरकों

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अम्सूची ।

पर्नेट नं ० 40%, जो, 4वी विजित, विभणि वीत इमारतण विकी अपार्टमेंटस, ओल्ड प्रभादेवी रोड्, वस्वई-28 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\xi = 1/37 - \xi \xi/6056/84 - 85$  और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्ब $\xi$  द्वारा दिनाक 9 - 5 - 85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

िसार शहमद संभम प्राधिकारी सहायक प्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, बम्बई

नारीख: 6-1-1986

## मुख्य मार्च , बर्ड , पुष् , -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के ममीन स्मान

#### TITLE STATE

## कार्यालय, सहारक मायकर भायकत (निरोक्तण)

श्रजंन रॉज⊸1, बस्बर्ष

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

ित्दोण २० हाई-1/37-ईई/6481/84-85--श्रतः मुझे, रित्रा हृद्द्द्राः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ि श्री ित की सेंच रायांलय नंच 206, जो, 2री मंतिला, विशास भवन, 49, पींच डिमें को सेंह, बार्व्ह-9 में विश्वत हैं (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणि हा हैं), श्रीप जिस्ता स्पारनामा श्रायवर श्रीधिनिम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राध-नारी के क्षयलय में रिज्द्री है, तारील १- 5-1985

को पूर्वेशित सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य ते कम के स्वयंत्राम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके अस्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयंगान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहाइ किसी बाय की बाबत उसके निर्मानक के नशीन कर वाने के अन्तरक की सावित्य में कनी करने वा उसने बचने में सुनिवा की सिए; पीर/मा
- (वा) एती किसी जाव वा किसी वन वा बन्च जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के स्थाजनाथ जन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया वया वा किया जाना चाहिए था, कियाने में विका जी किया;

अतः अतः अवन अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में. मी, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थीन कि

1. मेससं टोडी इंडर्स्ट्राज प्रायवेट लिल।

(अन्तरक्)

2. मेपर्म रीडर इंडस्ट्रीज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्षक कमरित के वर्षन के कमरण में कोई भी वासीन ;---

- (क) इस सूचना के राज्यन के मुख्यनम् की ताहील वी 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सें 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण हु- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## वन्स्ची

कार्यॉलयं नं० 206, जो. 2री मंजिल, व्यापार भवन, 49, पी० डिमेलो रोड, बम्बई⊸9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्ष० सं० श्रई-1/37-ईई/6334/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 8-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

नारीख: 6-1-1986

मोहर '

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

नाम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

्षम्बई, दिनांक जनवरी 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6738/84-85---श्रत मुझे, हिसार श्रहमद,

अग्रयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'त्यत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्त जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,00℃/- रु. से अभिक **ह**ैं

श्रीर जिसकी सं० दुरान नं० 2, जो ए गफ़्र शार्षिण सेन्टर, डाल्यार्ड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है श्रीर जिसकी इरारनामा श्रायदर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 व्ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 22-5-85

वो पूर्विकित संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अतिरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमें स्वयमान प्रतिफल का पंचा प्रतिफल का पंचा प्रतिक्त के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त फल निम्नितिक्तित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किया गया है हन्न

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रात्रेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री इत्रायहीना गक्तूर सारंग ।

(अन्तर्ह)

(2) श्रीमती बन्दरवर सालेह मुलेमान । (भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्रव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहूरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

बुकास नं० 2, ए गफ़्र शापिंग सेन्टर, डाकयार्ड, मुझगांव, बस्बई--10 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क०सं० भाई०-1/37 ईई/6207/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 22-5-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बङ्ग्बर्ष

अतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, ष्ठक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अधीत्:—

तारीख : 6-1-1986

## प्रकप बाइ . टी. एन . एवं . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुकना

#### भारत सहसार

कार्यलय, सहायक जायकर जायकर (निर्देशका) अर्जन रेज-1. बस्बर्ध

बम्बई, दिनाक ७ जनवरी 1986

निवेग मं० ऋ।ई०-1/37 ईई०/6736/84 --85---श्रन: मर्से, निकार श्रहमद

बायकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसफें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गरेज सं० 52. जो स्वाट श्राणीक करें श्रीप० हाउसिंग सोगायटी लिं० ,डमारेन ने 1. श्रीर० श्रीई० टमकर सार्ग, श्रीफ रिज रोड, बस्बई-6, से स्थित है श्रीर इससे उपाबद अनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विषित्त है). श्रीर फिल्वा द रायनामा श्रीयवर श्रिक्टिस, 1961 की श्रीरा 269क, ख के श्रीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्सी है, शारीख 21-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कह के अवसान प्रतिफल में लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने करने का कारन हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का विश्वास बाचार मृत्य, उसके कावमान प्रतिफल से, ए'से कायमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिस्ता से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब यावा भवा प्रति-कृत निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचिव में बास्तविक क्ष्य से किश्य नहीं किया नवा है ==

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी नाय की बाबत, उक्त सभिनियस की अभीन कर दोने के अच्चरक की रायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सृष्टिका के किए; भार/या
- एसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्ग था का जिला जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

ं अतः अवः, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-त के अनुसरक में, में, अक्तं अधिनियमं की भारा 269-व की संवधारा (1) के अधीतः, निम्मखिक्षितं व्यक्तिक्यों, अधीतः अव्यक्ति 7---446G1/85 ा श्री दिलीच कुमार दिमगणाल लाहा ।

(अन्यक्ष)

 श्री नागनिवास विठठेलयास गाँठायायाः प्रवीण नागिनवास जहा और शीवनी गणाम प्रविण श्रहा।

(এল পিনী)

कारे ग्रह जुजना जारी करके पूर्वीवृत्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड थी आक्षण :--

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रशामक की तारीक दें 45 दिन की जनकि या सम्बद्धी व्यक्तियों पर स्कान की तामील में 30 किए की सकति को भी बद्धि शास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड व्यक्तियों में से विक्ती मानित दूरिंग)
- (च) इस स्वता के राजपण माँ प्रकाशन की तारीच छैं 45 दिन को भीतर स्थत रगायर ग्यालिंग माँ हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्याणा जयांग्रहाक्षरों के पास किसी बन्य के किए का सक्षिते हैं

स्वस्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त बब्बों और ध्यों का, जो उक्त विभिनियम दे बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्रची

गैरेज नं 5. जो, सम्राट सरोक के-पाक हिन्दिस्य सोसायटी लि०, इमारत नं 1. इत्या प्राप्त ठक्षण सार्ग, भाफ़ रीज रोड, बस्बई ६ में स्थित है:

अनुसूची जैसा कि कर संर शई 1/37~ईई/6205/ 84-85 और जो सक्षम प्राध्यिशी, प्यन्त्रई द्वारा दिनांक 21-5-1985 की रिजिस्टई चित्रास्पर्ध ।

> निकार श्रह्मद क्षांत्र श्राधिकारी सहायक श्रावाल का वृक्त (निकीक्षण) क्षांत्र होज-1. वस्वई

क्षण बार्ड ही एन एक एक -----

नायकपु विविश्वित्तम् । 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के मुधीन भूषाना

## भारत् सरकार

## कार्यानयः, सहायक नायकर नायक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्तन रेल्-ा, बम्बई

बम्बई, दिनाट 6 उनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/67:10/84--85----ग्रहः म्हो, निसार ग्रहमद,

बाधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबाड मुक्य ;

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव फ्लैट संव 9-ए, जो, सृधांनर, [26-एमव डीव रोड. श्रीर खुला पारिण उपन्, बस्बई-6 में स्थित हैं
(श्रीर इसमें उपायद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित्त हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्षण अधिनियम 1961 की धारा 269क, खंक अधीन, बस्बई रिपन सक्षम प्राधि- कारी के कार्यालय में रिजम्मी है, नारीख 22-5-1985

को पूर्यों कर सम्परित के जीवन याजार मून्य से कम को दश्यभान प्रतिपक्ष के निए बन्तरित की गई हैं, और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का रिवर्ण दाजार वृष्ट, उनके क्यमान प्रतिपक्ष से एसे दश्यमान प्रतिपक्ष का पंद्रह प्रतिप्ता से विधक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया पथा विश्वक, विम्मृनिधित उद्वोद्य से उक्त बन्तरण विश्वित्र में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तर्थ वे हुए फिसी बाय की बावत उक्त बाधि-विषय के बजीन कर दोने के बन्तरक के द्राविता में कभी करने वा उत्तसे बचने में ताविता के लिए: बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हीं आरटींथ वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अव्य अधिनियम या धनकार विविचन 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं बन्दिसी द्वारा प्रकट यहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिन्दा में स्विधा के निए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुमरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कों अभीन∡ निम्न्लिखिट व्यक्तियों, कथीठ इ--- ाः श्रीः माधव प्रसाय सपापिया।

(अन्तरक)

 श्रीमती उपादेशी नापारिक श्रीप श्रीमप्रवाण काप प्रिया कर्ता श्राफ श्रीमप्रकाण कापालिया (हि० श्र० ग्रु०)।

(श्रदाण्ती)

अन्दरिक्तियों।

al a la Colonia de Col

(बह् क्यांक्च, जिसके अधिकोण में सम्पत्ति हैं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया शूक करता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- कि इस स्मान के शायपन में प्रकाशन की वारीय है 45 पिन की व्यक्ति या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 पिन की जबिंध, को भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से जिसी स्यान्त हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-वद्ध विजनी जन्य व्यक्ति द्यारा, अथोहम्ताक्षरी के पाद जिस्ति में विक्ष का सकीये।

स्वय्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अभिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा है।

## **म**न्सुघी

फ्लैट नं० 9ए, जो, सुधाक्षर, 26-एन० छी० रोड, श्रीर खुला पारिंग जगह वभ्वई--6 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा वि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6204/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि औरी, बम्बई द्वारा दिनाक 22-5-1985 की रजिस्टई हिया गया है।

निसार अञ्चयद सक्षम प्राधिकारी सहाय ७ अ।य ४२ - आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना, तस्वर्ध

नारीख '6-1--1986 मो**ह**र ।

## प्रस्प वार्ष : टी. एन. एत. -----

## शायकात्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यांगम, ग्रहणक कारकार साम्यत (निर्मानक) अर्जन रेंग्र-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ह ६ धनवरी 1936

रक निर्देश मं० अर्ड-1/37-ईई/6391/8±-85-कार्ट । । । । र्निस(२ श्रहमद,

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिस इससे इनके बर्धात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ह"), की बारा 209-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक ही

श्रीर जिल्ली गॅ० कार्यालय प्रिमाधिक नं 309, जो. ३र्रा मिलिल, स्टैरचर्ड हाफल, ४३, सतीव तबे रोडि, सरील राजन्त बम्बर्ध-- २ में स्थित है श्रीर इसले उपावड़ शत्सुची मे अंदि पूर्ण रूप से विणित है), और दिस्ता रास्तामा श्रायक्ष श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269ए, ख के अबीर बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी दे रायन्तियम प्रिन्ही है. नर्राख 1~5~1985

की पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य संकम को दश्यमान मितिफास के लिए मंतरित की गई है भीर मुक्ते यह विस्थान धारने का कार्ण हैं कि ग्याप्कें कर सम्पत्ति का उपित बाकार मृत्य, उसके बस्यमान प्रतिफाल से, एसे धरममान प्रक्रियन का बंबाइ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) जोर अंत-रिती (बंतरितियाँ) ये बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिपाल निम्नालकत उद्दर्भय से उवत अंतरण लिकित के बास्तविक रूप से निवत नहीं किया गया है :--

- (क) अंधरण से हाई जिसी माय की गायत, जलत क्षाप्तीचयम के जगान तर दन के धार्य के बामित्व में कारी कारते या तससे वचने में मुविधा र्षं लिए: भार/पा
- (क) एनी किसी जाय या प्रिसी अन रा क्य वारितको का जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रमोजरार्थ जन्तरित। द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपनं म स्विधा के लिए;

बत: उ.च, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण ब", म", उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नितिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् ए--

1 श्री कन्हेलालाल रामलाल बागाडिया, श्रीमती एवन जुनारी वि० पुतमिया (मालिक-मनसे पुनमिया चेत्र दायोगिश्ना) ।

(अन्तरक)

2 श्री पदमपद लालनार्नाः, (हि० ग्र० कु०) ग्रीर र्था। मंज काक्यानी।

(अन्तरिती)

3. **प्र**स्ट्रान्ति ।

(बहु व्यक्ति, चिश्वके प्रविभाग मे सम्पत्ति हो।

## को नह स्थान बार्श करते नुवानिय हम्पति के कर्चन के विव कार्यनाहरू करता है।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस गुवना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी विकितयो पर सूचना की नासीय सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मं समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वित च्याक्तियां में में किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इय राज्या के राजपत्र में प्रकाशन की सारी**ल** म 45 दिन को भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में हितुभद्रध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जो सकेंगे।

रमध्दोकरण:- इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ्गया है।

## उन्मुची

भाषांक्ष्य पिमलक्ष्य न० ३०५, जा, उरी मजिल, रटेन्डई राउस, ४३, मर्सप कर्वे शह, मरीन लाईन्स, बस्वई-🖫 में स्थित है।

श्रतमुची जैसा हिए जाल संल श्रई-1/37-ईई/5977/ 84-85 श्रीर जो सजम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 1-5-1985 की "जिस्टर्ट किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहाव । आयमर आयुक्त निरीक्षण) अनेत रेज-1, बम्बई

कर्माख 6-1-1986 मोहर

प्ररूप अर्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

झजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 1 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6471/84-85--प्रत:, मुझे, निसार ग्रहमद,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, जो 8वीं मंजिल, व न्यू सी ग्लाइन सा परनी हिल इस्टेट, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अविनियन 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सन्ना प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। दिनांक 6-5-1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के बिए वय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त क्नाउण जिस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया प्या है >—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तिबों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उवत अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, किल्लिशिट व्यक्तियों, वर्षात् केल

1 श्रीमती मेरी सेल्बी।

(अन्तरक)

2. श्री तनसुख यु० मर्चन्ट।

(अन्तरिती)

3 अन्तरकः।

(बह व्यक्ति जिनके प्रजिभोग में सन्पत्ति है)

की यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **म**न्सूची

पलेट नं० 15, जो, 8वीं मंजिल, न्यू सी ग्लाइम्ब्स, वरली हिल इस्टेट, बम्बई-18 में स्थित है।

अतुसूबी जैसा कि कि के सं अई-1/37ई /6029 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 6-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार झहमद स्थम प्राधिकारी सहावक ग्रावकर श्रावकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, बस्बई

दिन (क : 1-1-1986

मोहर ;

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ~-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, वस्बर्द

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1986

निर्देश मं० श्रर्ड-1/37-ईई/6484/84-85- ~प्रतः, मुखे, निसार श्रहमयः.

आधकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी संव यूनिट गाला नंव 4 और 5 जो, एलार इमारन सेनापित वापट मार्ग, दादर, वस्वई-28, है तथा जो बस्बई:28 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूर्ची और पूर्ण रूप से विणित है) और जिस्सान करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का ख के अर्वीन बस्बई स्थित सज़म प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 8-5-1985

को पूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाधार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त राज्यति का उधित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित इक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्सरक को शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-धन्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

सतः अवः, उन्त विभिनियम् की भारा 269-ग के बनुवरण् भा, मा, उकत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से अभीन, निम्नतिस्ति व्यक्तितों, अर्थात् छ— া. मेसर्ग सेचाइडस् क.पंटिणनः।

(अन्तरक)

2 मेसर्ग सिद्धार्थ इन्टरप्रायनेसा

(अन्तरिती)

3 ग्रन्मरको

(तह ब्यक्ति जिसको अधिभाग मो सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना चारी करके पृथीक्त सम्परित के अर्थन के सिर कार्यवाहियां करता हो।

चक्स सम्मेरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप रू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 15 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामील सं 30 दिन की खबिध, जा भी श्रिविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीनर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पन्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्वो का जो अक्त जिस्तियस, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्यास में दिया समा है।

## अनुसूची

युनिट गाला नं० 4, और 5 जो एलार इमारत सेनापति वापट मार्ग, दादर, बम्बई- 28 में रिथत है :

श्रनुसूची जैंगा कि ऋ० सं० श्रई-I/37ईई/6036/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1985 की रजिस्टई किया गया है।।

> निसार श्रहमद स्थाम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंग~1, बम्बई

दिनांक: 1-1-1986

# म्क्ष् वार्वे . दी . एवं . --------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1986

निर्दोण सं० ऋई→1/37→ईई/6485/81→85----ग्रतः,

म्हो, निसार ग्रहमद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जितका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और शिसकी संव यूनिट नंव 437, जो, 4थी मंजिल, शहा अंण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एका जेव सार्ग लोगर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूवी में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम 1961 की श्रारा 269 के, ख के श्रवीन बम्बई रिथत सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्णड़ी है

বিণাক 6-5-1985

को पूर्वोक्त संम्मित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक से की लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का प्लाह प्रिक्षत से मुश्लिक है बीर सन्तर्क (अन्तरकों) भीर सन्तरिति (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तर्क के सिए तम नावा मया प्रतिकल स्व विश्वतियों) के बीच ऐसे सन्तर्क के सिए तम नावा मया प्रतिकल स्व विश्वतियों नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, क्यत बिभिनियम के बभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीर/वा
- (व) प्रेसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियाँ को; विन्हें भारतीय सामकर मिस्तियम; 1922 (1922 का 11) या उनत मिस्तियम; वा सन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किश्रा गया था या किया चाना वादिए वर, छिताने में स्विका के खिए।

कतः जब, तक्त विधितियम की भारा 269-म के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तिस्यों, अर्थात्:---

1. घटा अँग्ड नहार ग्रामोक्षिएटन।

(अनारक)

 श्रीमती सोतू पिरोझ इंजीनियर और मास्टर आर० ए१० इंजीनियर।

(ग्रन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करकें पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संत्रधी व्यक्तियों पद सुधना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यों किसी क्यों किसी क्यों किसी क्यों कर दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य स्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में यथा परिभावित इ., वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में विवा स्था हैं॥

## धनुमूची

थ्निट नं० 437 जो., 4थी मंजिल, णहा अँग्ड , नहार इंडस्ट्रियल इस्टेंट ए-2, एस० जे०, मार्ग लोग्नर परेल, वम्बई-13. में स्थित है।

श्रत्मुची जैमाकी ऋ० सं० प्रध-2/37ईई/603क/ 85-86 ओर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनाक 6-5-1985 की एजिस्टर्ड किया गया है।

> ियार श्रहमद सक्षम अधिकारी समायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंजे~1, बस्वर्ध

दिनोंक: 1-1-1986

THE TRANSPORT AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF T

प्ररूप आर्थ: टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

ार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन हरेंज-;1, बस्बई बमवर्ट, दिसांक 1 जनवरी 1986

निर्वेण मं० श्रई ·1/37 र्देई/6486/84--85-- श्रतः मझे, निहार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० ब्लाक नं० 11, जो, 4धी मंजिल रतकपुर की-आंप हा डॉमग मोसाईटी लि० 44, मिर्झा स्ट्रीट, वस्वई-3 हैं तथा जो बस्बई-3 में स्थित (और इससे उपारेख अप्यूची में और पूर्ण कारी विशित हैं) और जिसका द्याराजामा ग्रायकर अधिकित्म 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्द्रों हैं। दिनोंक 7-5-1985

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बहर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

आर्था अर्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिश्त, व्यक्तियों, अर्थात् ढ— ा और सता चरन पूर्णबंद अटर्जी।

(अन्तरक)

 श्री दिलनकर गदन मोहन दाग और श्री मदन मोहन लिला मोहन दाग।

(प्रकारिकी)

3. धर :रिनीयों।

(यह व्यक्ति जिसके प्रधिप्रांग में सम्पत्ति है)

को ग्रह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंत व्यक्तियों में से विसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:----इममे प्रशुक्त शब्दों बौर पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसूचीं

वराक तं० 11, जो, 4वी मंजिल, रतका्र की-आंग हर्डीमा मोमाईटी लि०, 44, मिर्झी स्ट्रीट, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रतुसूती जैसाकी कि संव श्रई-1/37/ईई/6325/ 85-86 और जी सभाम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनीक 7--5-1985 की रजिस्टर्ड निधा गया है।

> निमार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेंज-1, वस्बई

दिनांग: 1-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज--1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 26 दिसम्बर 1985 निर्देश मं० ग्रई--1/37--ईई/6584/84--85//ग्रन: मुझे, निमार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके परकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिपकी सं युनिट तं 432, जो 4थी मंजिल, ए-1, णहा एण्ड चहार इडिस्ट्रियल इस्टेट लोक्सर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई 13, में स्थित है (और इसमे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिपका काण्यामा आयकर अधिनियम 1961, की धारा 269, दा, ख के अधीत बम्बई स्थित संभम प्रिधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 13-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे दत्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से क्षिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त बंतरण निश्वित में शस्तिविक एयं से क्षित वहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण हो हुए किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक व दायित्व में करने या उससे बचने में स्टिश्य के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

बतः बत, उत्तत अभिनियम कौ भारा 269-ग कौ अनुसरण कौ, मैं. उत्तत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अभीत् ध— 1. शहा एण्ड नहार एसो(विएटस)

(भन्दर्क)

2. हिन्दुस्तान इम्पेक्स प्रायवेट लि०

(ग्रन्तिःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के बर्गन के सिष् कार्यग्राहियां शुरू करता हुं।

उथत् सम्पृतित् के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकासन की तार्डींब दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थान की तामील से 30 दिन की सप्रिय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिम्बत में किए जा स्थोगे।

स्पद्मीकरण.—इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित हौ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

युनिट नं० 432. जो, 4थी मंजित, ए-1, बहा एण्ड नहार इंडम्ट्रीयल इन्टेट, लोश्रण परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रमुम् जिमाकि कि में श्र $\xi-1/37-\xi\xi/6114/85-86$  और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 की रजीस्टई किया गया है।

निसार श्रहणद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

বিদাক: 1-1-1986

# श्रुक्य बाह्<sup>र</sup>्, टो<u>., एव., एव.,=---</u>----

# भायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाता 269-म (1) में गमीन सूचना

#### मारत परकार

# कार्यासन, सहायक शायकर नामुक्त (निरुक्तिक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बन्बई, दिनांक 1 जनवरी 1986

निर्देश मं ॰ प्रई-3/37-ईई/6540/84-85--प्रतः भुन्ने, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उन्हार प्रशाद 'उन्हार अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 420, बी जो, 4 थीं मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रीयत एस्टेट, ए-1, एस० ऐ० मार्ग लीश्रर तथा परेल, बम्बई में 13 हैं बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269, ऊ, ख ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है

विनांक 13-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति टे उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, रं., उक्त अधिनियम की धारा 759-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्निचित्रक व्यक्तियों रक्षीत् :—— 78—446GI/85

- 1. शहा एण्ड नहार श्रासोसिएइस।
- (भन्तरक)
- 2. मेसर्स जे० डी० ग्राफीक्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट सं० 420-बी फ़ुजो, 4थी, मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल एस्टेट ए-1 एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, वम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंभाकी ऋ० मं० श्रई-1/37—ईई/6087/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 13-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

(निमार ग्रहमद मक्षम हप्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

ট্ৰনাম্ব :- 1 1-1986

सोहर ।

and the first parameters are a second or the second of the second of the second of the second of the second of

## ध्यम बार्द : टो : एवं : एवं : ::::::::::

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनाक 1 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6607/84-85--ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या ही, की भारा 269- क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिकी संव्हुकान नंव 36, जो, प्लाट पीव एसव नंव 2/105, डिलाईल रोड, शिवाजी नगर को-आप हासिंग सोसाईटी एनव एमव जोशी मार्ग, बम्बई-13 है तथा जो म्बबई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूक्य से काम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बुध्य, ससके स्वयमान प्रतिकाल से एसे अवमान प्रतिकाल का बज्जह गतिस्त से विश्व है बीद बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंति। दियों) से बीच एसे अन्तरण से सिए तम वादा पदा प्रति-क्ष्म विश्वमीनिक स्वयोद्य से स्वय वंदरण विश्वित में बाक्कियक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है ह—

- [क) मन्तरण पं हुन्द किसी नाम की नामक कथन बाधि-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और श्री
- (क) होती निवसे बाव वा पित्री प्रथ वा बन्त आरित्वी को, विन्हें बारतीय कावकर वीधिवयन, 1922 (1922 का 11) वा उनत व्यक्तिवन, दा धन-कर विधिवयन, दा धन-कर विधिवयन, दा धन-कर विधिवयन, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोगनार्थ बन्तीरती व्यारा प्रवाद नहीं किया व्या वा वा विध्या बाना चाहिए वा, कियाने वे बृद्धिया के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—-

# 1. मंगरूलानूर मोहमद।

(भ्रन्सरक)

2. श्रीमती रूमाली पी० ठाकुर बी० ओमप्रकाश पी० ठाकुर श्री सुभाग पी० ठाकुर, श्री राजेश पी० ठाकुर और बी० निलेश पी० ठाकुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बाड़ी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के किए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

# उक्त संपरित के बर्डन के संबंध में कोई ही बाक्षेप है---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बदिश या तत्संबंशी श्यक्तियों प्र श्वान की तामीस से 30 दिन की सविश्व को भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थापत स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वाधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त वर्षिप्रियम् के बध्याय 20-क में दरिभाविद है, बहु क्षे होना को उस सध्याय में दिवा नवा है।

## अनुसूची

दूकान न० 36, लाट नं० पी० एस० नं० 2/105, डिलाईल रोड, शिवाजी नगर को-आप हाउसिंग सोसाईटी एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई $\rightarrow 13$  में स्थित हैं।

अनुसूची जैसािक क० सं० श्रई-1/37ईई/612985-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 16-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बस्बई

विनांक: 1-1-1986

मोहर।

प्रकर बार्ड टी. एन. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### धारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-1, बल्बई बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1986 निर्देश सं० भई-1/37-ईई/6622/84-85--ग्नत:,

भुसे, निसार श्रहमद जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रिमायसेस नं० जी एम-1, मॅझनिन गोकुल इमारत, 80-ए, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनाम झायकर श्रिष्ठियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है

दिनांक 17-5-1985

को पूर्वों के सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान्
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
पुत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं
कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान
अतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित
जुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से कथित
महीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खकत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी भन भन मन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के किए;

जतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— 1. मेसर्स गिरीराज रिटल सिडीकेट।

(ग्रन्तरक)

2. मेस्सं स्टिल केम केम कार्पोरेशन।

(भ्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं क्य 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 जिंदन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की., जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया गवा है।

# नन्स्ची

प्रिमायसेस नं० जी एम-1, जो मॅझेनिन फलोग्रर, गोकुल इमारत, 80-ए, बरोवा स्ट्रिट, बम्बई-9 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि कि सं० श्रई-1/37-ईई/6142/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक र्रें 17-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 1-1-1986

# प्रकृप बाइं डी. एन. एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चाना

#### भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1 बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1986 निर्देश संव अई-1/37ईई/6629/84-85--गतः, मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको मंग्यूलिट नंग 386, जो, 3री मंजिल, णाहा एण्ड नहार इंडिस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जेन मार्ग लोक्सर परेस, वस्बई-13 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से विणत हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं

दिनांक 17-5-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पत्कह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निजितिक स्थितियों, अधीत् :— 1. शहा एण्ड नहार श्रासोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

2. इंटर ट्रीम लाइनिंग एन्ड फॅंबिक्स प्रायवेट वि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अज्जीन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्यी

यूतिट तं० 386, जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियन एस्टेट, ए--2, एस० जें० मार्ग, लोक्सर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अ**ई**-1/37-**ईई**/6148/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिनाँक 17-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गयः है।

निसार ग्रहमदै । सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-1-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज--1, वस्वई वस्वई दिनांक । जनवर्गः 1986 निर्देण संट शई-1/37-ईई//8637/84--85----श्रतः मझे निसार श्रहमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जिसकी संव फ्लैंट नंव 21, और 23, जो, गेंखुल ए, डॉव ब्राह्मशाम मर्चन्ट रोड, भूलेम्बर बरवई-2 है तथा जो बम्बई: प्र में स्थित हैं (और इसमें उपायड अनुपूर्वी में और पूर्ण का से विणित हैं), और जिसका करारणमा प्राथकर प्रधितिसम 1961 की धाल 269 का ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रर्जास्ट्री है।

दिनांक 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके धर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिदात स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत स्द्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियभा से किए;

श्रत: अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रे, क्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) क्रें संधोन, निम्निचित्रक व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- श्री एसस चंद्र छगत लाल अंबानी, श्रीमती हसा अंबानी और श्री मुकूदराय छगन लाल अंबानी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बिपीन चंद्र छगन लाल अंबानी, श्री हेम लता रमेण चंद्र अवानी और श्रीमती कुमुम विपीन चद्र अंबानी। (श्रन्तरिती)
- अन्तरक और अन्तरिती।
   (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पृवेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति दुनारा अधिहस्ताक्षरी की पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्यी

फ्लंट नं० 21 और 23, जो, गोकुल इमारत, 66ए, कॉ० श्रात्माराम भर्चन्ट रोड, भुलेम्बरवर बम्बई-2 में स्थित है।

भ्रतुसूनी जैमाकी कि सं श्रिष्ट-1/37-ईई/6157/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-1985 की स्जीस्टर्ड किया गया है।

िसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज-1, बम्बई

विनांक :-- 1-- 1-- 1986

प्ररूप बाहें.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बद्दे, दिन्तंक 1 जनवरी 1986

निर्देश सं० **ग्राई-1/37-ईई/6678/84--85---**ग्रातः

मुझे निसार अहामद

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अधियोगिक यूनिट नं 123, जो, ली मंजिल ग्रहा लैण्ड नहार इंडस्ट्रियल अस्टेट ए... 1, धनराज इमिल कपाउंड मन मिललेन लाग्नर परेल, बम्बई - 1 है तथा जो, बम्बई - 13 में स्थित है और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम के कार्यालय में रजीस्ट्री है।

विनाक 21-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

कतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :----

- 1. मेसर्स हिरालाल गुलाब चंद प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स हिरा लाल गुलाब चंद अंण्ड कंपनी। (म्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षेत्र 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 123, जो 1ली मंजिल, णहा अँण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउंड, सन मिल लेन, लीग्नर परेल, बम्बई:13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कं० सं० श्र\—1/37\[ \frac{1}{6156} |
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्ब द्वीरा दिनांक

21-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमद् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बाई

दिनांक: 1-1-1986

# प्रकृष मार्ड. टी. एवं. एवं. नगरना

# माधक र मधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्त्रमा

भागत अवस्तुत्रं

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

म् सम्बर्ध, दिनांक 1 जनवरी 1986 निर्देण सं० ऋई-1/37-ईई/6729/84-85---अतः मधे निसार अक्षमद

षायकार विधिनियम 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को वभीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विस्थाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं पूर्तिट नं 449, जो, 4थी मंजिल, णहा अँण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० ज ० मार्ग, लोकर परेल बम्बई-13, है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है। और इससे उपावड अनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है

विनांक 21-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास कूटने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, ससके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल क्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिकक रूप से कृथित नहीं किया गया है ड—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा क्य जास्तिओं को विकार पारतीय वावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या वाकुद अधिनियम, या वाकुद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

नतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. गहा अंण्ड नहार मासोसिएटस।

(ग्रस्तरक)

2. मेसर्स प्रण्णा एक्सपोर्ट।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे!

स्यष्टोंकरण: — इसमें प्रयोक्त भव्यों और पर्वो का, जो अकत अधिनियम, के जध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृत्यी

यूनिट नं 449, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड पहार इण्डिन्ट्रियल ड्रस्टेट ए-1. एस० जे० मार्ग, लोधर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के सं० श्रई-1/37ईई/6198/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 21-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गयः है।

> निमार भ्रहमद, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅंज-1 विम्बई

मारीम्ह: 1--1--1986

# प्रकृप नाई . ही . एन . एस् . -----

आयंक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशकः)

प्रजंन रेंज-1 बम्बर्ड अम्बर्ड, दिनौंक 1 जनवरी, 1986 सं० ग्रई--।/37ईई/6735/84-85---श्रतः मुझे,

निसार महमद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिका है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं 1, जो, सी इसारत, तल माला, भारत, तगर को-श्राप हाउमिंग सोमाईटी लिं , भारत नगर, 342, में रोड, बस्बई-7 है तथा जे बस्बई-7 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 के, खे के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 21~5-1985

को वृतेंकित सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शिक्य के सिए अस्तरित की नद्दं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि बचा वृतेंकित सम्मित का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीशिचित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

कतः कवः, स्कतं निधिनियमं की धारा 269-गं के नन्सरणं मी, मीं उक्तः रिधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीणः, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री जवाहरलाल भार० जैन भौर राजेन्द्र कुमार श्रार० जैन।

(प्रन्तरक)

2 श्रीमती शौती देवी बाबू साल जैन।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को भह सूचना जारी करंके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के विक्र कार्यशाहियां करता हुं।

**उक्त** संपत्ति के अर्जन के संबंध में को**इं भी काक्षेप**:---

- हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं को दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोचन स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति च्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थिति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखिस में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उजक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यात में दिवा गया है।

#### अनसची

दुकान नं० 1. जो, सी-इसारन, तल माला, भारत नगर, को-प्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, भारत नगर, 342, ग्रन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसा कि क० मं० ग्रई-1/37ईई/6204/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-5-85 को रिजस्टई किया गया है।

निसार भ्रहसद, सक्षम प्राधिकारौ, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज~1**, बस्ब**ई

तारीख: 1-1-1986

# प्रकृष् वार्षं दी. पुन्, पुन्न : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत चरकार

# कार्याजय, तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 अम्बई

बम्बई, दिनाँक 1 जनवरी 1986

निर्दोश सं० श्रई-1/37ईई/6748/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िज्से इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उकित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी संख्या फ्लैंट नं० एन-4, जो, दादर की, श्राप० हाउसिंग सोताईटी लि०, "शारदा सक्षम" इमारत, भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-29 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27 मई, 1985

की पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान परितकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रीतफास से एसे दश्यमान प्रीतफास का पत्ते प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफास, निम्नितिक दश्यक्ष से उक्त अन्तरण सिवित में कास्तिक क्या से क्षिण नहीं किया वया है क्ष्म

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निविधित के अधीन कुद को के बन्तरन क ग्रायित्क में खनी किसने वा उक्कस वचने में वृतिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी थन वा सन्व बास्तियों को, विनह भारतीय बावकर बीधनिवय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवय, या व्यवस्व बीधनिवय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्य सन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियान में स्विधा के निए;

बत: वत, उक्त विभागवम की धारा 269-व के बन्सरण वो, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- 79---446GI/85

1 श्रो दिनकर वास्त्रेव प्रधान

(ग्रन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल वाणिराम मिस्त्री।

(अन्तरिकी)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में श्रक्ताशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्टि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धार लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अशाय में दिन्हः गवा है।

## अनुस्ची

फ्लैट नं० एस-4, जो, दादर को श्राप हाउसिंग-सोमाईटी लि०, "शारदाश्रम" इमारत भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० ग्रई-1/37ईई/6214/85-86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 27-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-1-1986

# THE ME WAS LOND OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF

वासकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाम १८७-म (1) परे सधीन सुधना

## प्राप्त वर्षार

# कार्यासय, सहायक नायकर शानुकत (रिनर्रोक्राक)

श्चर्जन रेंज- 1 बम्बई बम्बई, दिनाँक 1 जनवरी 1986 निर्देश सं० शई-1/37ईई/6773/84-86---अतः मुझे, निसार श्रह्मद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार नृस्य

श्रीर जिसकी संख्या कौयिलिय ने० 2, इमारत ने० 3, 14वीं मंजिल, नवजीवन सोसाईटी, लेगिस्टन रोड, दम्बई-8 में स्थित है। श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1985

को प्रविक्त रुम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम के दश्वमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्याल करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशाल से जिथक है और अन्तरक (बस्तरका) लौर अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तब गांचा गया प्रतिफल, निक्नितिखीं उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिनित में अस्तिक कम में विधित्त नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐती किसी नाथ या किसी धन या जाय जारिया की, विन्ही भारतीय जाय-कर जिभिनिजन, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कार किथिनियम, या धन-कार किथिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नेशा का या किया जाना जातिए एए कियानं में स्थित के विद्या

कतः जब उक्त कीर्धनियम की धारा 269-म के जनुमरण की, ग्री, डक्ट कीर्थनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वर्धान, निम्नितियम क्यांकिएकों, कर्मान ए---

श्रो वास् एल० ग्रंचन।

(श्रन्तरक)

 श्री शिवानन्द विनायक महाजन और श्रोमती गैलजा शिवानन्द महाजन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा वारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति को वर्जन के जिल् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

बक्ब स्परित से बजीय से बजाना में कोई भी मासवा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि जी व्यक्ति व्यक्तियों में से कि जी व्यक्ति व्यक्तियां से कि जी कि जी
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 4.5 दिन के भीतर जनत स्थाकर सम्बद्धित है दिला अध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का बनोंजे।

## अनुसूची

कार्यालय नं० 2, जो, इमारत नं० 3, 14 वीं मंजिल, जनवजीवन मोसायटी लैमिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37/ईई/6239/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1--6-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बस्बई,

तारीख: 1-1-1986

मोड रः

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. -----

नानकर निपितियम, 1961 (1961 भा 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भामकर भागुकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 1 जनवरी, 1986

निर्देण मं० अई-1/37ईई/6774/84-85---- प्रतः मुझे, निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 28, जो, तल माला, बडाला उद्योग भवन, 8, नावगांव का अर रोड, बडाला, बस्वई-31 में स्थित हैं (ग्रीर इसपे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के ग्रिधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डोचत बाजार मृत्य से कम के इस्यमान विषक्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से जिसक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्विक रूप से किंगत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (ण) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया नाना नाहिए था, जियाने में सुविधा के सिष्;

बतः अब उत्तर अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-च की उपभारार (1) के अभीन, निकालियिक व्यक्तियों, अभीत्:— मैसर्स बीना भैन्यूफैक्वरिंग कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

2 ग्रादील युसुफ नेतसी

(अन्तरिती)

अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिलके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रन्सूची

यूनिट नं० 28, जो, नल माला, बडाला उद्योग भवन, 8, नावगाँव कान रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई $-1/37/\xi\xi/6240/85$ -86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-6-85को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद गक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर प्रापृता (निरीक्षण) श्रजैन रैंज 1 बस्बई

नारीख: 1-1-1986

प्रारूप बाहाँ .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक शायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, सिर्गंत 3 जनवरी 1986

निर्देण सं० श्रर्ड-1/37ईई-6605/84-85:--श्रतः सुन्ने, निसार श्रहमद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रहन से अधिक हैं

1,00,000 / - रतः से अधिक हैं। ग्रौर जिन्की संख्या यूनिट नं० 8, जो, 1ली मंजिल, ए-इमारत टांटीया इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सिताराम मिल कम्पाउण्ड जे० आप० बंशिरचा मार्ग, बस्बई-11 में है तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप, से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16~5~1985 को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**ह**ै मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण

लिखित में वास्तिविक हप में कथित नदी किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के सिद्

1. मैं सर्स सपन केन्द्र।

(ग्रन्तरक)

2. मैससं शुभ ग्रार्टस।

(ग्रन्तरिती)

को यह ।सूचना जारी करके पृत्रोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं ' 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

## अनुसुची

यूनिट नं० 8, जो, ाली मंजिल, ए-इमारत, टांटीया इण्डस्ट्रियल इस्टेट, निताराम मिल्न कम्पाउण्ड, जे० श्रार० बीरीचा मार्ग, बम्बई-11 में स्थिम है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं श्राप्ट-1/37ईई/16127/85-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 16-5-85 की रजिस्ट के किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी: सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

अक्त बार्' हो . एक . एक . ------

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में बभीन स्मान

## बारव चंडकाह

# कार्यातव, तहायक नावकर नाव्यत (निर्देशक)

श्चर्णन रेंज-1, बस्बई बस्बई दिनौंक 3 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्चई-1/37ईई/6757/84-85--श्चतः मुझे, निसार शहमद

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 487, जो. 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोश्रर परेल, बम्बई-13 में है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-5-85 करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दब्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दक्यमान श्रीतफल से, एसे दक्यमान श्रीतफल का पंदह श्रीतखत से अधिक है बार अंतरक (जंतरका) बार अंतरित का पंदह श्रीतखत से अधिक है बार अंतरक (जंतरका) बार अंतरित का प्राप्त में स्थाप के ने स्थाप के ने स्थाप के ने स्थाप के ने स्थाप के स्याप के स्थाप के

- (क्रं) बंतरण संहुदंकिसी बाय की वाबतः, उच्छ बीभनियय के बभीन कार दोने के बंतरक के दावित्य में कनी करने वा सबसे वच्चे में चूनिभा के सिए: बॉर/वा
- (ब) ऐसी किथी जाय या किसी थन वा अध्य जास्तियों की, धिन्ह भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेणनार्थ अंडरिडी दुवारा क्ष्य नहीं किया भया था वा किया जाना चाहिए था, डिमाने में स्थिता के जिद्दा;

नतः नन, उन्त निभिन्यम की भारा 269-ग के नमुसरग मं, नं, उन्त निभिन्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नर्थान, निम्नील्खित स्नन्तियों, नर्थात् :— 1. शहा एण्ड नहार एसीसियेटम।

(अन्तरक)

2. मैं पर्स इन्टर ट्रीम लायनिंग (मानक राजन केण लाल) (श्वन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूबा का सम्पत्ति के बर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 फिन की जनिए या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बनिए, जो भी अविध बाद में समान्द्र होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक प्रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकींगे।

त्यध्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, को खबड़ प्रीभिनियम के जभ्याय 20-कृ में पिटशासिक्य है, बही वर्ष होगा जो उस अभ्यायः में दिवा गुरु हैं।

## ग्रनुसूची

यूनिट नं० 387, जो, 3री मंजिल, गर् एण्ड नहा इण्डस्ट्रियल, इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्ब $\xi$ -13 में स्थित है।

प्रमुची जैसाकि क सं० ग्रई-1/37ईई/6224/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 27-6-85 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

नारीख: 3-1-1985

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन:एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 जनवरी 1986 निरोणसं० श्रई-1/37-ईई/6602/84-85:--श्रन, मुझे, तिसार श्रहमद,

वायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्रिमायसेय नं 14 ए/श्र3, जो, न्यू सायन को-श्रोप हाउसिंग सोसायटी लिं सायन सिधी कालोनी, सायन (पं), बस्बई—22 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हुए से विभिन्न है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खू के ग्राधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, नारीख 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंकी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्त्यां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृष्धिय के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, किर्मितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ग्राशी काँत नरसी दास मिरानी ग्रीर
 श्री बिपिन नरसी दास मिरानी।

(ग्रन्तरक)

 श्री महेण गोर्धन घेहो श्रीर श्रीमती ईश्वरी गोर्धन घेही

(अन्तरितो)

को थह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बातों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

प्रिमायसेम नं० 14-ए/3, जो न्यू सायन को-ऑप हाउसिंग सोमायटी निं०, सायन शिन्धी कालोनी, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-1/37- ईई/6124/85- 86 श्रीर जो अक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनौंत 16-5-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निमार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर त्रायुका (तिरोक्षण) श्रजन रेंज-1 बम्बई,

तारीख: 3−1-1986

प्रक्रप माहा थी. एन. एस. -----

बायकर बांघीनयम, 1961 (1961 का 43) कार्ड भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

## भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज 1 बम्बई

्बम्बई, दिनाँक 3 जनवरी, 1986

निर्देश सं० श्रर्ड- 1/37-ईई/6434/84-85:---श्रतः मुझे, निमार ग्रहमद,

नायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परपाद (उन्स अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मरुपसि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लॉट नं० सी०/701, जो, पूनम प्रापर्टी को-श्राप हाउसिंग सोसायटी, लि०, शिव सागर इस्टेट, मार ना भारतामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 261 क ख के अधीन बम्बई स्थिम सक्षम प्राक्ति कारी रिष्ट्रि है बरली बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) नारीख 03-05-1985।

का पूर्वित संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का क्रिक्ट प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया श्रीतफल निम्हलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण किविका में आसरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण सं हुई किसी शाय की बाबत, उक्त मौधिनयम के अधीन कर दाने की जन्तरक की दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कालए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती ब्वाप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अस. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियस की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, सिम्नलिकिक व्यक्तिकों, अर्थात् क्र--- 1 श्रो मुधीर टी० मर्चेन्ट।

(श्रन्तरक)

2. मैनर्म घल्माटम प्रिन्टर्स ।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरितियों

(वह यिक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्थान थारी करके प्रवेक्त सम्प्राण व्यं अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त का अविदा में से किसी व्यक्तिय बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावा सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पयों का, जां उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ द्वीगा को उस अध्याय में दिया समा है।

## मन्स्धी

हा उसिंग सोसायटी लि० शिव सागर इस्टेट बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० क्राई-1/37ईई/6007/85-86 क्रौर जो भक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-5-85 को रजिस्टई किया गया है।

> े नितार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

## प्रकृप नाइ ० टी॰ एन॰ एस्॰---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रुपीय सुमना

भारत सरकार

कार्यात्यः, तहायक कामकर मामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांफ 3 जनवरी 1986

मं० अर्ह-1/37ईई/6433/84-85:—अतः मुझे, निसा<sup>र</sup> अहमद,

माथकर मिथिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्मित्त जिसका अचित बाजार मून्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिस की संख्या 702, जो, 7वी संजिल, पूनम अपाट मेंटस, डा० एर० बी० रोड, बरली, बम्बई—18 में हैं नथा जो बम्बई—18 में रिश्रम है (ग्रांर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण घर में विषय है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मूज यह विश्वास कर जा कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (जंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तम पामा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किंपत नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरम से हुई किसी नाम की नामस, उनत निध-निसम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में सभी करने या उन्नमें बचने में स्विधा के लिए: बीर∕वा
- (क) ऐती किसी नाथ या निसी पन या नत्य आस्तिओं कर जिल्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अच्या अधिनियम, वा निका अधिनियम, वा निका अधिनियम, विकास प्राथमिन के निका का या या का किया जाना चाहिए था. किया में स्विभा के निका

जल जब, उमल निधिनियम की भारा 269-प की जनसम्भ मों, मीं, उसल जिभिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के निभी।, निम्मिनियस क्यीक्सचीं, व्यक्ति

1. श्री सनसुख लाल यू मर्चेन्ट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेहना ए० कोयवाला।

(अन्तरिती)

अन्तरिती

् (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सुधना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के ीलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वा के रावपत्र में प्रकाबन का तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्थ किती कन्य व्यक्ति ब्वाय वभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकीने।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त एक्वों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्र्ची

पर्लंट नं 702, जो, 7वी मंजिल, पूनम अनार्टमेंटस, डॉ॰ ए॰ बी॰ रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है। अनुझूची जैसा कि फ सं॰ अई-1:37ईई/6006/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी। बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-85 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ((नरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्री दुभाष भ्रादर्झ।
 श्रीमती अनाहिता पी० दुभाय

(ग्रन्परक) (श्रन्तिपती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांस 3 जनवरी, 1986

सं अई-1/37ईई/6640/84-85:--अनः मुझे, निसार अद्रमद

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या दक्षिण के तरफ फ्लैट जो 4थी मंजिल आउट हाउस, 619, पारसी कालोती, दादर, बम्बई-14 में है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुमुत्ती में श्रीर पूर्ण का ने विणा है), स्रोर जिसका करार नामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----80---446G1/85 को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तिस्णः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अमुस्की

दक्षिण के तरफ फ्लैट जो, चौथी मंजिल, आउट हाउस, 619, पारसी कालनी, दादर, बम्बई—14 में स्थित है। अनुझूची जैसा कि क० मं० अई—1/37ईई/6154/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20—5—85 को रजिस्टई जिया गया है।

निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकण शायुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेजिना, बम्बर्ड

तारीख: 3-1-86

LENG MIR. - S.d. - Ed. - Add " who will make

बाजनात रहीचनिक्या, 1951 (1961 का 48) तमे बाका 266-ए (1) वे अधीम सुमान

#### WITH THE

# कर्मक्ष, बहुन्छ अवसर नाम्क विरोक्ति

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 6 जनवरी, 1986 -

निर्देश सं० अई-1/37ईई/6663/84-85:--अत: मुझे, निसार अहमद,

शासकर अभिनियस 1961 (1961 का 43) विकां इकसं इसके पक्षणात 'अवत अधिनियम' कहा गणा है), की भाग 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाब करने का कारण है कि स्थायर नुवल्स फिल्डका अधिए वस्तर मुक्त 1,00,000/- रह. से अभिक है

श्रौर जिसकी संख्या ग्रौद्योगि ह युनिट नं० 7, जो, 1ली मंजिल, अमीर इण्डिंग्ट्यल इंग्टेट, यन मिल लम्याउण्ड, मन मिल जेन, लो पर परेल, बमबई-13 में है तथा जो बमबई-13 में व्यित है (और इसने सायब अनुसुची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), ग्रीर जिल्ला एरगरमामा आयरण अधिनयम, 1961 की धारा 269 🕏 ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-ारी थे: ायित्य में पिलाड़ी है, तारीख 20-5-1085

को पूर्वीक्त संपत्ति के उकित बाजार मृल्य से कम के करवलान प्रसिक्त के निष् अन्तरित की नहीं है भीर मुझे वह विकास अपने का अव्यक्त हैं कि स्वासनोंक्त संगील का सीयन संस्था मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (क तो रातिया) के बीच एंस अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रीत-कर निम्नालिंशत उद्योश्य से तकत अन्तरण लिखित यो वास्तीवन क्ष्य से किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की गायता उनत मिभितियम के भशीन कर दोने के मनारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ब) ऐसी किसी नाम मा किसी पन मा नन्य नास्तिकी क्षेत्र फिल्ही भारतीय सायकर कीशीनकन, 192% (1922 का 11) ना उक्त कपिनियम, बा शक-कर लोगीनबस, 1957 (1957 को <u>१</u>7) <mark>ही</mark> प्रयोजनार्थ जन्तरिसी वृंबारा प्रकट नहीं जिला सन्द था का किया भागा पाक्किए का किलाने में ब्रुपिया के लिए:

नतः नव, क्वतः नीभीनगमं की भाषा 289-व के जमुलक्ज जो, मी, अनल मधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के बभीन, निम्निविति व्यक्तिमों, व्यक्ति क---

- 1. श्री अमीर अली आर० अफरा
- (জন্মহন্ত্ৰ)
- 2. मैसर्स झ्दीप गाण्मेटस।

(अन्तरिती)

को नह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के कर्चन के सिए कार्चवाहियां करता हूं।

# क्रमत सम्मति के मर्चन के स्वयं में कोड़े भी आसोप रूप

- (क) इस सुचना को राजपन में प्रकाशन की हारीय से 45 विन की समीध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियाँ पर बुचना की सामील से 30 दिन की नविध, वो वी बनीय बाद में तमाप्त होती हो, के भीवर पूर्वीनत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (क) इस सुकता के राजपण में प्रकाशन की लारीस वे 45 विंत के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बहुध किसी अन्य व्यक्तित इसारा अशहरताश्ररी 🔏 पास सिवित में फिए का सकेंने।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्दां और पदी का, का क्वर सिंपिनियम के कथ्याय 20-क के लिक्जाबित हैं, है, बही सर्थ होगा के। उस तकाल के दिया वया है।

# अन्सूची

भ्रौद्योगिक स्थिट नंग 7, जो, 1 ली नंतिया, अमीर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सन मिल एम्साउण्ड, जन मिल लेन, लोअर परेल. बम्बई 13 में सि त है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० **अई**-1/37ईई/3172/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर द्वारा दियेत 20-1-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (भंजार अहमद, यक्षम प्राधिकाँ सहायक आयार जायुक्त (लिरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

# प्रस्था बाइ<sup>‡</sup>, टी. एम<sub>ा</sub> प्रुच्<sub>स अञ्चल</sub>

बायकर औषित्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) की बचीन स्वामा

#### भारत सरकार

# काशोलय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) नर्जन रेज-1, बस्बई

्यमाई, धिलांक ७ जनवरी 1986 सं० नई।/37ईई/⊲781/84—85:—-अत: सुझे, निजार अहमद,

नामकर नानिश्यमम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्का (जिस्सा मिना मिना कहा गया है), की भारा अधिकारी को यह विकास करने का अधिकारी हो के अधिकारी को यह विकास करने का अधिकार है कि अधिकार सम्मिन, जिसका उचित माजार मून्य 1,00,000/- रु. से मिनक हैं

श्रीर जिज्ञकी पंख्या यूनिट नं ाअ, जो इमारत के बेसमेंट में, किए टिव ज्यहांस्ट्र मन, इस्टेट, प्लाट नं 12, सी एस नं 72 एए० एए० जोगी, मार्ग, ऑफ लोअर परेन डिविजन बम्बई—11 ह नया जो बम्बई—11 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिन्हा जगारनामा आयाद अधिनयम, 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के बार्यान्य में जिल्ही है, नारीख 1—6—1985

भा पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह निश्चक करने का कारण है कि स्थामचिंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से,, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिकास के जीधक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उपत जन्तरण विश्वस में वास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है :---

- हुक्को भरवक्षण वं हुन्द्र विकास वास वासे बायक, कर्मा हाँ प्रिपेशक के अवदेश कहा वासे में स्वाहतक के लागिए के काकी सहरवें या राष्ट्रक बचारे के स्वाहित्यका त लिखा: करि/बा
- कि एवं किया वाम ना निक्षी पन ना निक्ष आदिस्की को प्रिक्ष नारतीय नावकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उनक समिनियम, ना नद-केन्द्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अधिनाधार्थ अन्तरियो स्वाक प्रकर वृद्धी निका नया ना निक्ष का निक्ष का

जता. जब, उक्त निश्चित्रक की भारा 269-ग की जन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीम, निम्मणितीयन व्यक्तियों, अभीत् :--- 1. मैनर्स यसमित कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. मैंअर्स रानीसती सिन्टेक्स प्राइवेट लि०। (अन्तरिती)

का वह तूजना जारी रूपको पूर्वोक्ट सम्पत्ति को बर्जन को निश् कार्वनाहियां कुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों दूर सूचना की तामील से 30 विन की वनभि, को बी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारिका सं 45 दिन के भौतर उनत स्थापर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी वन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिवित में किस् का सकतेंगे।

स्थलाकरण :----क्सम प्रयुक्त कव्या अरि पदी का, वो श्वक कथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हा, वहीं अर्थ होगा का सम अध्याय में हैक्फ़ रात हीं।

#### ननसची

यूनिट नं 1, जो, इसारन के बम मेंट में, कीएटीय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं 12, झी एस् नं 72 एन एम जोशी मार्ग, ऑफ लोअर परेल डिविजन, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसुची जैता िक गं० अई--1/37ईई/6247/85-86 और जो। जक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 1-6-85 को रजिस्टई किया गया है ?

िलसार अहमद, सक्षम अधि हारी सहाय ह आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बई

ਗ ੀਾਂख: 1−6−1986

## प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई किनांक 6 जनवरी 1986 निर्देश गं० अर्ध-1/37—ईई/7003-84-85--श्रतः मुझे निसार श्रहमद

अयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जित्ति सं० यूनिट नं० 51, जी, तलमाला, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रिल इस्टेट ए-2 एस० जे० मार्ग, लोतर परेल बम्बई 13 है तथा जी बम्बई-13, में स्थित है), श्रीर जिस्ता ल्यारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 ल, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रजिस्ती है दिनांक 21-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से एसे इश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उत्कर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्री शहा एण्ड नुद्वार एसोसिएटस। (ग्रन्तरक)

2. श्री जय प्रकाम हरीदास भंभानी छ। (अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निय कार्यशाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

#### अमुसची

यूनिट नं 0.51, जो, तलमाना शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग लोधर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-1/37-ईई/6569/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रामन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 6-1-1986

# ter mie de que que ----

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

## भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई1/37-ईई/6581/84--85---श्रतः,

मुझे, निसार श्रहभद, गयकर अभिनियम, 19

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रोर जिसकी सं ं प्लाट नं 24 ,जो, 4थी मंजिल, पर स्थानंद इमारत डॉ एस० ए,स० राव रोड, बम्बई—12 है तथा जो बम्बई—12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्रतुमुची में और पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा स्थायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय रिजस्ट्री है दिनांदा 13~5—1985

श्रं पृत्रों कर संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का अग्ररण है कि सभापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार भूल्य., उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यममान प्रतिफल का उच्चह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिपों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्नलिसित उद्देख्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट-। ध्यक रूप स कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तारण से हुई किसी आप की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी वन वा बन्ध वास्त्वकों को, विनह भारतीय बायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिन्यम, या धनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए

कतः वयः, उक्त विधिनयम की धारा 269-न के वनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. श्री हरीश छद्धगनलाल ठक्यर।

(श्रन्तरिती)

 श्री छगनलाल नागजी ठक्कार श्रीमती शांताबेन छगनलाल ठक्कर।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरितियों आर परिवार। (वह व्यक्षित, जिसके श्रिधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए धार्यवाहिया करता हूं।

तक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 2---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की ज्ञविध या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्ञविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
  45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः
  वक्ष किसी लन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के
  पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्वकाकिरणः --इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदा का, वा उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

## ग्रमगुची

पर्लंड नं० 24, जो 4थी मंदिल, देव झानन्द डमारत डाँ० एस० एस० राव रोड़, बम्बई- 12 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/6112/-85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, ह्राम्ह्याई द्वारा दिनां-13-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ितार ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1, बम्बई

तारीख: 3-1 1986

मोहर

# क्ष्म बार्च हो हो हत् एव -----

# मार्कार मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीत क्षेत्रा

## भारत पुरकार

# कार्यातन, सहायक नावकर आवृत्य (निर्मासक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० भ्रई-1/37-ईई/6489/84-85--ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके पर्श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ यह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 503, जो, 5वी मंजिल, शानेश्वर ग्रपार्टमेंट, िस्मत टाकीण के पाल, कांडेल रोड़, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-5-1985

को पूर्विक्स सम्बंधित के उचित बाबार मूस्य से कम के कावजाम पृदेखक के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित दाखार मूल्य, उसके कायमान प्रतिफल से एसे कायमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के निष्ठतियाँ। पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उच्चेक के उसल अन्तरण सिविद में बास्तिक कम से काथित बड़ी किया पना है —

- (क) मन्त्रारण ये हुई किसी बाग की आयत, अवस शांधीनवा के अधीन कर दोने से अन्तरक क दामित्य में कसी करणे वा उसने अपने में बृधिया के बिद्दा की प्रश्नी
- (क) कृती किती नाय या किती भन या जल्ब जात्तिकों क्षेत्र किन्द्र नारतीय नाय-कर निधीनसम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर निधीनसम, वा वभ्-कर निधीनसम, वा वभ्-कर निधीनसम, वा वभ्-कर निधीनसम, वा वभ्-कर निधीनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अनुतरिती क्षारा प्रकट नहीं कि वा नवा था वा किया वाना था, कियाने में स्वीन्त्र के स्थिह;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरग में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- i 1. श्रीमती पूनम प्रकाश बदलानी।

(अन्तरक)

 डा. राकेश जलांटा, श्री त्रिलांकीनाथ जलांटा, श्रीमती सरला रानी जलांटा, और श्री. प्रमाद कासार जलांटा।

(अन्तरिती)

अन्तरितियो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

अवत कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की धारीं वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकासन की तारीच छें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी अन्य स्थित द्यारा अभोहस्ताक्षरों के पाछ चिचित में किए जा सकोंगे ।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, को उनक्ष विभिन्नियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## जन्सूची

प्लैंट नं० 503, जो, 5वी मंजिल, ज्ञानेश्वर श्रपार्टमेंट, विस्मित टाकीज के पास, कंडेल रोड़, प्रभादेवी, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा तिः क० सं० श्र $\xi-1/37-\xi\xi/6040/85-86$  श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ह 8-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नितार श्रहमद संक्षम प्राधिजारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज~1, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

लोकर ह

प्रकृप आई.टी.एम.एस. -----

जन्मकार अधिनिजन, 1961 (1961 का 43) करी भारक 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत करकर

कार्यक्षत , बहारक नामक कार्यक्ष कार्यक्ष (निरक्षिण) ग्राजन रेंज-1, वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश मं० हाई-1/37-ईई/6617/4-85--श्रम: मुझे, निसार अहमद,

कावकर अभिनिजन, 1961 (1961 का 43) (जिस्के इक्सी इसमी परणात् 'जब्द विधिनिजन' सहा नवर ही), की भास 269--अ से अधीर दक्षण वाभिकारी को सह निश्नाद करने का सारण ही कि स्थापर सम्बद्धित, जिसका उचित पाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर िसकी सं० फ्लैंट नं० एफ-13, जो, छटी मंजिल, मलबार अपार्ट गेटज, को-श्राप० हाउसिंग सोभायटी लि० नेपियनमी रोड़, एल० जगमोहनदास मार्ग, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर नियका करारनामा आयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 17-5-1985

का पूर्वीयतं वीपति से वीपतं सावार मून्य वे कम के व्यवस्तान मिन्न के सिए नंतरित की गई है बीर मुन्ने यह विक्रमण कर्म का कारम है कि विभागों का वंगति कम जीवत वाकार मून्य, वसके क्यमान प्रतिकाल के, एसे व्यवसाय मिन्न के विक्रमण प्रतिकाल के, एसे व्यवसाय मिन्न के विक्रमण कम मिन्न क्यम मिन्न कि विक्रमण के विक्रमण के विक्रमण को विक्रमण के विक्रमण को विक्रमण के विक्रमण के विक्रमण को विक्रमण के विक्रमण के

- (का) अंधरण से हुई किसी शास नहीं शासका, उपका समितियम नो अभीत कर दोने की अंधरका की दारिकाय में अभी करने या उसके बचने में बुविधन के किय; मरि/या
- (अ) इसी किसी जाव या किसी भग का क्वा अलिसकों कां, जिल्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भग-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनान कर्तारती ब्वारा प्रमुख नहीं किसा नवा था वा किया जाता चाहिए था, कियाने में बुनिया में लिए।

अवः नगं, क्लंब निर्माणमा की पारा 269-व के कल्क्स्स में, में, उन्ते मीर्थीयमा की धारा 269-व की क्लंधारा (4) के अभीय, निम्मिकिक्स माध्यिकों, सम्मीस् क्लं 1. श्री के० देवानी

(ग्रस्तर्वः)

2. श्री भ्रमोक और मुनील सभरवाल।

(अन्तरिती)

को कह दुक्रका चारी अध्यक्षे पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यक्रिक पुरु करता हूं।

जनता बंगीता को जनांत को कम्मान्य में कार्य भी अनुस्तेय :---

- (का) इस बुजना के राज्यन में प्रकाशन की कारीज के 45 दिन की जमींथ ना तत्वंतंत्री ज्यानिकारों पर सूजना की ताजीक से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि आद में बानाया झेती हो, के भीतर पूर्वित्त ज्यानिका में से जिस्ती ज्यानित ब्याना
- (ख) इस सूजना के राज्यत में त्रकावन की तन्तीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बम्पीस में दिला-वर्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, वजोहल्ताक्षरी के भाव लिखित में किए का बकोंनी।

# अनुब्जी

पलैट नं एफ-13, जो, 6ठी मंजिल, मलबार श्रपार्ट-मेन्ट्स, को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियनमी रोड़, एल० जगमोहनदास मार्ग, बम्बई में स्थित है।

श्रनुमुची जमा कि ऋ० सं० ग्रई→1/37-ईई/6137/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 17-5-1985 को रजिस्टई की किया गया है।

> निसार ग्रहसद स्थम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख]: 3-1-19**8**6

şasarası.

बाष्ट्य बार्ड.टी.एन.एस्.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक खायकर बायुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रोज-1, बम्बई

बंम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

बम्बह, दिनाक 3 जनवरा 1986

निदेश सं० भ्रई-1/37भ्रईई/6659/84~85-भत मुझे, निसार श्रह्मद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० लायांलय नं० 404, जो, 4थी मंजिल, हिंद राजस्थान इमारत, दादर, (मध्य रैल), बम्बई-14 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20→5→1985

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कें छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोंसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित कें अस्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) बॅठरण से हुइ किसी बाब की बाबत, इक्ट निर्मित्यन के बंधीन कर दोने के बन्तरक को बाबित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी बन का बन्य अस्तिकर की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा का किया बाता वाहिए वा, किया वे से कृषिया के किए;

नतः वन, उनत निभिनियम की धारा 269 ना के बन्द्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 न की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एस० एच० शहानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० एस० वैद्य

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के विषय कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

वक्त बम्बर्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी बालेप रूक

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यांचरना ५९ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को ना जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त ब्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में दित-बव्ध किसी मन्य क्यंक्ति ब्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

पक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कवा और पदों का, को उनके अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उन्न अभ्याय में विका कक है।

# वनुसूची

कार्यालय नं० 404, जो, 4थी मंजिल, हिंद राजस्थान इमारत, दादर (मध्य रेल), बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसुकी जैसा कि कि से श्रई-1/37-ईई/6169/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद्भु सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, बम्बई

तारीख: 3-1-198**6** मीहर: **अक्य बाद**ें, **टो** गृत, गृत .....

अध्यक्त विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269 व (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, अम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रर्ध-1/37—ई $\frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac$ 

कायकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, विसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं० 7-ए, पटेल श्रपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्र श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिवारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोश्यत सम्पत्ति के उत्थित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए **अन्त**रित की गस् विश्वास करने का कारण पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके करयमान प्रतिफल की, एसे दश्यमान प्रतिष्ठन के पन्त्रह प्रतिशत से मधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकां) और अन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच एसे मन्तरण के लिए तयु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित अव्वदेश से उक्त करतरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗱 :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए और/या
- (ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भरतीय जाय-कर स्पिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर व्यक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा की जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उवत अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :——
1—446GI/85

1. श्री पूसुफ म्रब्दुल्ला पटेल

(भ्रन्तरक)

श्री कन्हैयालाल लक्ष्मनदास श्रष्डनानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यतासियों करता हो।

# बक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में केंग्रई भी आक्रोप 🖘

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक़ से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाण हाती हों, के भीतर यूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजएवं मों प्रसार से दारी नारित्व में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मन्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, को एस अध्याय में दिया श्या हैं।

## धनुसूची

फ्लैंट नं० 3, जो, 6ठी मृजिल, जो, इमारत नं० 7ए, फ्टेल अपार्टमेंट, बी० जी० खेर रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क० सं० श्रई-1/37-ईई/6402/ 85-86 श्रीर जो तक्षम प्राधितारी, बस्तर्द द्वारा दिनांक 4-6-1985 को प्रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षणत) श्रर्जन रेंज⊶1, **य**म्बई

तारीख: 3-1-1986

**प्रकम**्**नाष्**ँ ती , पुरा , एस , जनवरसम्बन्धन

बायकार क्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के व्यीत स्वरा

## नारुत चरकार

# कार्यानम्, समूर्यक व्यवकर वास्कृतः (निरक्षिण)

म्राजीन रोजा-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निधेश सं० ध्रई-1/37-ईई/6855/84-85---भ्रतः मुझे, निसार भ्रहमद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत निधनियम' कहा गया हैं), की पारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संव फ्लैंट नंव 1, जो, 11वीं मंजिल, पटेल टाबर, बरली कम्पा कोला एम्पाउन्ड, बीव जीव खेर रोड, बम्बई—18 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), ग्रौर जिसार एपरारामा ग्राय- सर प्रधिन्यम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिकस्ट्री है तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार बूक्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल में ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितिबाँ) के बीच एसे अन्तरण के किए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त सिंगियम के अभीन कर दोने के प्रतरक के किए। के कमी करने या उससे अभने में मृविधा के लिए। सौर/या
- (क) ऐसी किसी शास या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा था या किस जाना वाहिए था, स्थिमने में स्विधा के निए;

बतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हैं. यैं. अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक अधितियों, अर्थात् :--- श्री पुरुक्त श्रवपुरका पटेल

(भ्रन्तरक)

2. श्री हिमतलाल एम० कोठारी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

फ्लैंट नं० 1, जो, 11वी मंजिल, पटेल टावर, वरली कम्पा कोला कम्पाउन्ड, बी० जी० खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

श्चनुभूची जैसा कि ऋ० सं० श्चर्र-1/37-ईई/6405/85-86 श्चांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिनारीर सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षणं) श्रर्जन रेंज⊶1, वस्बई

तार**ीख:** 3--1--19**8**6

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नावकर गॅथिकियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) की जभीन सूर्थना

## आपस करकार

कार्याचयः, प्रक्रमञ्जूष्यः नामुक्तः (गिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० मई-1/37-ईई/6856/84→85--आतः मुझे, िनिसार आहमदः

मायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें उपने उपनात् 'उपने स्थितिका' वहा बना हैं), की धारा 269-व में वभीन सक्रम प्रतिभव्यरी को, वह विश्वास करने का समस्य हैं कि स्थापर सम्पत्ति विश्वका उचित नावार मून्य 1,00,000/- रु. ते मिनक हैं

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के तियत वाजार मृत्य से कम के व्यवसाय कृतिकार के लिए अम्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वस कार्य का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उद्यक्त दश्यमान प्रतिकास के, एते दश्यमान प्रतिकास का स्मृत्य, उद्यक्त दश्यमान प्रतिकास के, एते दश्यमान प्रतिकास का स्मृत्य प्रतिकास से अधिक है और अम्बर्क (अम्तरका) और कम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच होते अम्बर्क के जिए स्थ पाया नवा प्रतिकास निम्नितियों उप्योक्त के वस्तिक रूप से क्रियत नहीं किया नवा है है----

- (यः) अन्तरण ने हुई किसी नाम की बायत वानत निध-नियम के अभीन नार दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तर्ध वचने में सुविधा के लिए; बीद/का
- (क) एंसी किशी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनसम, या धन-कर जीधीनसम, या धन-कर जीधीनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत्तः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोविका व्यक्तियों. वर्षात् द्र—- 1. श्री युभुफ़ श्रब्दुल्ला पटेल

(भ्रन्तरक)

2. श्री ान्हैयालाल छलक्षमनदास श्र<mark>डवानी</mark>

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में दिल-क्षण किसी बन्ध स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गत सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरण:---इसमाँ प्रमुक्त सक्यों और पदी का, था उपक कींधनियम, के क्ष्माय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा थो उस अध्याय में दिका पया हैं।

## धन युची

फ्लैंट नं० 4, जो, 55ी मंजिल, इमारत नं० 7ए, पटेल प्रपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली, वस्बई-18 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा ि क० सं० ग्राई-1/37-ईई/6406/84-85 श्रीर जो एक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रावकर श्रायुक्त निरीक्षण) स्रजैन रेंज⊶1, **बम्बई** 

तारीख ' 3-1-1986

प्रकृष शहर<sub>े, व</sub>ी. एन्<sub>ट</sub> एस : 🗸 🗸 🖼

बायकार मिपिनमम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के मुधीन सुणना

#### शास्त्र कर्यात

# कार्यासव, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रैज-1, बम्बई बंबई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदोग सं० श्रई-1/37-ईई/6806/84-85---श्रत मुझे, निसार श्रहमद.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त कथिनियम' धहा गया है कि धारा 269-च के मधीन समय प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर कस्पत्ति, जिसका स्थित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से जिधिक है

प्रार जिसकी सं पृतिट नं 422, जो, 4थी मंजिल, इमारत-कीएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लांट नं 12, मी०एस० नं 72, एन०एम० जोशी मार्ग, श्रांफ लोश्चर परेल डिविजन, बम्बई-11 हैं तथा जो बम्बई-11 में स्थित हैं (श्रांर इससे उपाबद्ध अनसुची में श्रांर पुर्ण रूप मे वर्णित हैं), श्रांप जिसका करारनामा श्रायवर श्रंधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिदारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाकार मूल्य से कम के बद्यमार प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार यूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिक्त का पंत्रह प्रतिचात से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निक्नीसिंखत उद्देश्य से उक्स अन्तरण किवित व व्हारशिक स्थ से क्रिश्त नहीं किया कमा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय करी आवस्त, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बज़में में स्टुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग ना किसी भन या अन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तारितिया स्वार प्रकट नहीं किया य्या भा वा किया जाना चाहिए था, स्थिपन में भूतिया से लिए:

बतः बनः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण भें, में; जक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) भी अधीन, निम्निसिक व्यक्तिकां, वर्षात् छ——

- (1) मेस्सं कीएटीव्ह गिफ़टस इंडिया। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स रानीसती सिन्टेक्स प्रायवेट लि॰। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी अपित्तयों पर सूचना की तामील से 38 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीलर प्रवित्त स्थानस्थीं में से फिसी प्रवित्त वृक्षारा;
- (क) इस सूचना को राजयन में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन को भीतर उचत स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य अभित द्वारा अभिहेड्नको के पास निधित में किए का सकेंगे।

## भग्यभी

यूनिट नं० 422, जो, 4थी मंजिल, इमारत कीएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लांट नं० 12, सी०एस०नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, आंफ़ लोग्नर परेल डिविजन, बम्बई-11 में स्थित है।

धनसुची जैसाकि फल्सं० धई-1/37-ईई/6264/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रैज-1, बम्बई

तारीख: 3~1-1986

प्ररूप आइ. टी.एन., एस .-----(1) भेसर्स हाय फ्रैशन्स ।

(भ्रन्तरक)

मायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

# (2) मेनर्स राधे मुत्रूंद अंण्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बंबई

बंबई, दिनांग 6 यनवरी 1986

निदेश सं० ऋई-1/37-ईई/7025/84-85------ मही: मुझे, निकार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं∘ यनिट नं० 249, 2री मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेनापती बाघट मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो तम्बई-13 में स्थित है (ग्रोर इससे ज्याबद्ध श्रनुमुची में ग्रोर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिल्ला करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 24-6-1985

को प्रोंदित सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण ह' कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मस्य, उसक दृष्यमान प्रतिफल रैश्यमान प्रात्तफल कं पन्द्रह प्रात्तशत स मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट रहीं किया गर्गा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

करा: अप, अकत अधिनियम की भाषा 269-ग करे, अनुसहरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

की यह सुचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अपने के लिए कार्यवाधियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (छ) इस मुक्तम के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपि में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दर्भ और पर्दो का, औ उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिभाषित है, वहीं अर्थ होंगर गरे उस अध्याद में दिया

# श्रनुसूची

युनिट नं० 249, जो, 2री मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेंट, सेनापती बापट मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में

भनुसूची जैंशाकी क*े पं*० भई-1/3*7-*ईई/6591/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 24-6-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भार्जीन रेजि-1, बंबई

तारीख : 6~1−86

प्रसम्ब मार्ड . बी . एव . इस ., -----

कावकार किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के बंधीन सूत्रमा

# कार्यासय, सहायक बावकर बावूक्त (निर्यंशक)

श्रजंत रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 अनवरी 1986

निदेश रां० अई-1/37-ईई/6730/84-85---अत: मुझे, निसार अहमद,

वायकर किंपियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त मिंपियम' कहा गया हैं), को कि भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० बुनान नं० 6, जो, सायन मेरीलैन्ड की-श्रांप० हाउसिंग सोसायटी, तल माला, सायन, बभ्वई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ श्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करापनामा श्रायाण श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ब,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 21-5-1985

कले पृथींकत सम्पति के उचित बाधार मृत्य से कम के दृष्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह किवास करने का कारण है कि यथापृवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रशिक्त से, एसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह वितास से बीचक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पामा गया प्रति-कस, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-किक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्दरण संहूर किसी आम को सावर त उक्त विभिन्न के वभीन कर दोने के अन्तरक के सावर में कभी करने या उससे वक्त में सिवधा के लिए; और/बा
- [क] ऐसी किसी जाय या किसी धन वा बन्ध आस्तिकों को, बिन्हुं भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुरिवधा के सिए?

कतः अवः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारः (१) के अभीतः हैनस्मीमीयत व्यक्तिकी सभात् ह—— (1) श्री नरेंद्र टी० कोठारी हिं०ग्न०कु० कर्ता नरेंद्र टी० कोठारी।

(अन्तर ह)

(2) मसर्स हहान इंटरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी स्पित्यों धर सूचना की तामीन से 30 दिन की अधिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृत्यों कथ न्यक्तियों में से किसी स्पित्स दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितहक्ष किसी अन्य स्थिति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब निकास में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं पर्य होगा, जो उस अध्याय में क्लिइ यवा हैं।

# भनुसूची

दुकान नं० 6, जो, सायन मेरीलेन्ड को-आंप० हाउसिंग सोसायटी, तल माला, सायन, बम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-1/37-ईई/6149/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-5-85 को रजिस्डर्ज किया गया है।

> निशार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रैंज-1, बम्बई

सारीख । 6-1-1986 मोहर

# ्राक्ष बाहु हो हुन् हुन् हुन् ।

# कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1 वंबई,

बम्बई, दिनाक 6 जनवरी 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6600/84-85--अतः मुझे, निसार ग्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 504, जो, 5वीं मंजिल, भवानी लांम्प्लेक्स इम.एत "ए", भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28 (निर्माणाधिन इमाएत) है तथा जो बम्बई-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसला करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कु,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 7-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई और सभी यह विश्यास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल., निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कौथत नहीं किया गया है:——

- (क) अभारन सं हुई किनी बाब की बावस, स्वयं अभिनियम के अभीन कर दोने के बस्तप्रक में श्रामित्व में कनी करने या उससे वचने के स्विधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों से जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए था, किनाने में स्विधा के सिक्;

कतः शव, उक्त विवित्तमम की भारा 269-व वै वनुसरण् मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी जितेंद्र पुतमवंद शहा ग्रेशैंश श्रीमती मदुला जितेंद्र शहा ।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री कानजी पोषटलाल कहा ग्रौर श्रीमती गीमा कानजी शहा।

(भ्रन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्मिति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए जा सकेंगे।

स्थाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

## श्रनुसूची

प्लेट नं० 504, जो, 5वी मंजिल, भवानी कांम्प्लेक्स इमारत "ए", भवानी शंकर रोड, दादर, अम्बर्ड-28 (निर्माण(धीन इमारत) में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० श्रई-1/37-ईई/6438/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-85 को रजीस्टई किया गया है।

> िसःर ग्रहमद ाशन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रैंज-1, बम्बई

न(रीखं: 6-1--1986

मोहर '

प्रकृष कार्याः द्वाः एतः, युसः, -----

भारत शुरकार

कार्यालय, सहस्यक आयक्तर काय्यल (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 1 बस्बई बस्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई I/37 ईई/6943/84 85—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बारकर अभिनियम, 1981 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीत राजम पारिकारों को यह ित्स्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मित्ता, बिसका अभित बाजार मूल्य 1,50,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 420, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोश्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है। तारीख 14-6-1985

का पूजों कत सपित के जीवत बाजार मृत्य स कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्मतित का उनित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्देश्य से उसल अंतरण लिकित में वास्विक रूप से किथत नहीं फिशा गया है:---

- (क) नम्बरण से हुई फिसीं साथ की बावस्तु, उनस् अधिनियम के सभीन कर बोने के बंतरक के सामित्व में सभी करने वा समर्थ अपने में सुविधा के निमान गौर/पा
- (क) एसी किसी जान ना किसी भन ना मन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति इवास प्रकट नार्शि किया । या भारति किया शर्मा का किया शर्मा का किया गर्मा का किया ना का किया ना का किया ना किया ना किया ना का किया ना किया ना किया ना का किया ना किया

नतः वन, उनतः अधिनियम की भारा 250 ते जान्तरन में, में. उसते अधिनियम की भारा 269-में की रापधारा (1) के अभीन, निस्तिचित स्पंतितयों, कर्भात क्रिक्त (1) में पर्स केवल बिल्डर्स प्राइबेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) एस्सी मेना वैधर प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

को नह सुचना वारी करके पूर्वोक्त सस्योत को कर्चन के लिए कार्यनाहियां करता हुएं।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई ही बाक्षण :---

- (क) इस स्थान के प्रभपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथािकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तृतागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रकर्ण किसी बना व्यक्ति इवारा बभोहस्ताक्षरी के पास निमित्र में किए जा सर्वीये।

## अनुमूची

यूनिट नं० 420, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोधर परेत, बम्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैशाकी ऋ०मं० अई-1/37 ईई/5511/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनाँक 14-6-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> नियार प्रह्मद ाक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरोजण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 6~1-1986

#### शक्य **बार्ड**्र टी., पु**र्व**्य पु**र्व**्य 🗷 🖼 🛎

भायकर जीजीनसमः, 1961 (1961 का 43) की धारा % ५० - च के अधीन सूचना

भारत सरकार

### कायशिय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बंबई

बंबई, दिनाँक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37 ईई/6763/84 85—-ग्रनः मुझे, निसार ग्रहमद,

भागकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 86, तल माला. शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस०जे० मार्ग, लोभ्रर परेल, वस्वई-13 हैं तथा जो बम्बई-13 में स्थित हैं (स्रीर इससे उपावड अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), स्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 1269 के,ख के स्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-6-1985

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्ति सम्पत्ति का उषित बाजार अन्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे अवस्थान प्रतिफल का भन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण संहुई किसी शाय की बाजत उक्त श्राधिक नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीद्वारिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों आरतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा ध्यान अस्य आधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया असा चाक्रिए था, कियाने में सुविधी अं निराः

का कर. उक्त अधिनियम की बारा 269-म याँ अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
82—446GI/85

(1) श्री भहा एण्ड नहार ग्रासामिएट्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मे प्रमी उमा श्रीफसेट।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थान बारी करके पूर्वीका उत्परित की वर्षन के तिक् कार्यवाहिमां करता हुं।

इस्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र यें प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर प्रविचय व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, सथाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकरिय

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### ग्रन, सूची

यूनिट नं० 86, जो, तल माला, णहा एण्ड नहार इंडिस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस०जे०मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकी ऋ०मं० ऋई-1/37-ईई/6431/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-6-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निक्षार **अहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंजे⊸1, बस्वई

तारीख : 6-1-1986

मोहर:

### इक्ष्म बार्च हो एन ११स - ---

भाषकर मीं भीत्रियम, 1961 (1961 का 43) की भार भारा 269-म (1) के अधीन सुभवा

#### भारत सरकार

### कार्यास्य, सहायक जायकार भाग्यत (निर्धाय)

ग्रर्जन रेंज-1, बंबई धम्बई, दिनाँक 6 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6795/84-85—-ग्रनः मुझ, निमार ग्रहमद,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं एससें इसकें प्रवान 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विद्वारा दुरनें का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० यूनिट नं० 408, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोश्रर परेल, वश्वई हैं तथा जो बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रीवित्यम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रीव बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूग्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है बीर अंतरक (अंतरका) और बंस-रती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्वय पाया गया गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :-----

- (क) बंतरण सं हुइं चिमती एएवं की बालत, उक्त अभिनिश्च के बाधीन कार दोने तो अंगरक की दारित्व में अभी कार्य या उन्नते याचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बल्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बंधा था या किया बाना जाहिए था. जिल्हों स्थित के लिए;

सराः सम, समत वाधिनियम की धारा 269 म के बन्धरण में, में, उसत विधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के विधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :— (1) मेमर्स केवन विल्डमं प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) इज़ी मेन्या विश्वर प्रायबेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी काइके प्वोंक्त सम्मित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित को कर्जन को सम्बन्ध में कोहाँ भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबीध या तत्सें बंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी जन्म क्यक्ति इवारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास जिसित में किसे का स्कींगे।

स्वक्किरण :----हसर्से प्रमुक्त खुक्यों और पर्यों का, जो खक्त जीवितयम के जध्यान 20-क में परिभावित हैं, वहीं वृष्ट होगा को उस जध्याम में विका समा है।

#### were A

यूनिट सं० 408, जो, 4थी मंजिल, ए-विग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्रर परेल, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी करुसं० श्रई-1/37-ईर्ह्य 6253/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-6-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निमार ग्रहमद मध्य प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्गन रेंग-1, बस्बई

तारीख: 6-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, बंबई

बंबई, विनांक 6 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6763/84-85---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० यूनिट नं० 85, जो, तल माला, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस०जे० मार्ग, लोधर परेल, बम्बई-13 हैं तथा जो बम्बई-13 में स्थित हैं (ग्रींट इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं). श्रीर जिसका काण्रनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-6-1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकल के निए जन्तिरित की गई है जीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के एंसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तीवक रूप से कीथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंग्ररक के दायित्व मों कामी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; आरे/या
- (क) एकी किसी आभ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अव, उच्त अभिनियम, कौ भारा 269-ग कै अनुसरक में, में, टक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शहा एण्ड नहार आसोसिएट्स ।

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स उमा स्रॉफसेट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्परित के अर्थन के तंबंध के कोई भी आश्रोब 🗈 ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में ले किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: — इसमें प्रबृक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 85, जो, तल माला, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस०जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/6229/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-1-1985

मोहर:

प्ररूप आर्हें दी एन एस . -----

अधिकार अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अधीन सुचता

#### भारत संस्कार

क्षार्चालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक ह जनवरो, 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/6876/84-85---अतः मुझे, निसार अहमद

वायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसरो इसके प्रकार जनत विधित्यम क्या ग्या है), की भारा 2,69-च के जभीन सक्षम प्रतिभक्तारी को यह विध्वास करने का काइन है कि स्थानर स्थारित विस्तका उपित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

सौर जिसकी सं ० यूनिट नं ० 424, जो 4थी मंजिल, णहा एण्ड नहार, इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एम० जे ० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिजित है) और जिसका उरारमामा आयप र अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 12-6-85

को पूर्वे निव सम्मिति के उपित बाबार मून्य से क्षम के द्रायमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूख्य, उसके द्रायमान प्रतिकाल से, एसे द्रायमान प्रतिकाल का प्रमुख प्रतिकाल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) भीर अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तर्भ से सिए तम पामा ग्वा प्रतिकाल जिम्मितिकों उद्योग से उन्तर बन्तरण निवित्त में बास्त- विकास कर से अधिक मुझे किया नवा है है----

- (क) बलाइन से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अधि-वा
- (क) इंडी किसी बार्च वा किसी धन वा अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाव-कर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उनता विधिनयम, या धव-कर विधिनयम, या धव-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिकती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विध्या धाना खाडिए था, कियाने में सुविधा से जिन्ह;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों वधीत :---

ा. यहा एण्ड वहार एमोसिएट्स।

(अन्तरक )

2. मैदर्स महेश्वरी, इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चुक करता हूं।

जभत्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजभन को तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए या सकेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदी का, जो उत्कर विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया न्या है।

#### अनुसूची

यूनिट नं ० 424, जो 4 थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस ० जे ० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि ऋ०सं० अई-1/37ईई/6309/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 12-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधि दूरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **ग्रजैन रेंज-1, बम्बई**

दिनांक: 6-1-1986

मोहर :

#### प्रस्य बाह् .टी.एव.एच.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### बारत सरका

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां रु ६ जनवरी 1986 निर्देश सं० अई-1/37ईई/6472/84-85---अः मुझे निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्थान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 61, जो 11 वी मंजिल, इमारत तं० 8-ए, दि बरली पंजज, मैन्यन को-आप० हार्जिस सोडायटी लि०, बरली नाका, डा० बेसेंट रोड, बरली, बम्बई-18 है,तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण का से बर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1931 की धारा 269 जख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ट्रों है दिनांक €-5-85

को पूर्वोवत सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा खे लिए; अरि/या
- (क) एसे किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत् :—

- 1 श्री आर०के० कंचन ग्राँर श्रीमती सरस्वती आर० कंचन (अन्तरक)
- 2. श्री ग्रोमप्रकाश निझारा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों।

(उह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिच में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रन्सूची

पलैट नं० 61, जो 11वीं मंजिल, इमारत, नं० 8-ए, दि वरली पंकज, मैन्शन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वरली नाका, डा० एनी बेसेंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/37ईई/6030/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 6-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 6-1-1986 मोहर: प्ररूप बाइ .टी एन एस .-----

शायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

#### HIVE TVALE

#### कार्यासय, सहायक कायकर बाय्क्त (मिरीक्न)

तहाय र आय गर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जिन्ना, **सम्ब**ई बम्बई इनों र 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई--1/37-ईई/6435/84-85---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भार 269 ब के अधीन सक्षभ प्राधिकारी को वह विश्वास करने को नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं पिट नं ० 9 और 11, जो 2 री संजिल, जय भारा इमारत, प्लॉड नं ० 171, नाथालाल पारेख मार्ग, बहाता, बम्बई-31 में हैं, तथा जो बम्बई-31 में स्थित हैं (श्रीर इसा उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण का ने गणित हैं), और जिस्त प करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 उन्हों अधीर बम्बई स्थित सक्तम प्राधि एवं कि कार्यालय में एकिन्द्री हैं विसंक 3-5-1985

की पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रितिफल से, एसे प्रवासन प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए इस बाया गया प्रतिफल, निम्निनिक्त उच्छोप से उचका अन्तर्थ हिसीसत में वास्तिबक्ष क्षय से किचल नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सक्त विधिनियम के बंधीन कह दोने की सन्सरक की दानिश्य के कभी कर्यों मा सबसे दचने में सविधा के लिए: कीर/मा
- (ख) ऐसी फिली माय का कियों घम वा सन्ध मास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था. क्रियाने में स्विधा अं लिख:

जतः जय, उच्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्तरण वें, में, अकत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- 1. श्री मधुकांत कानजी ठक्कर।

(अन्तरक)

2. श्रो चन्द्रकांत एउ० देढीया।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती ।

(गह ब्यक्ति जिसके अधिभो में सम्पत्ति है)

को शृह बृष्ता भारी कारके पूर्वोक्स बंगीस के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हो।

जनत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी माओप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्पनिस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्र ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निवित में फिए जा सकांने।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, वो उक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा भो उस अध्याय में दिशा प्रयाह की

#### वरस्थी

फ्लॉट नं० 9 ग्रीर 11, जो 2री मंजिल, जय भारती इमारत प्लाट नंब 171, नाथालाल पारेख मार्ग, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6008/85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 3-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक 6-1-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेजन्य, बम्बई

वमबद्दी, दिनांबा 6 जनवरी 1986

निदेण मं० अई-1/37-ईई/6775/84-85----ग्रतः मुझे, निसार श्रह्मद,

आगकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव कमरा तंव 5, जो तल माला, र्श्वः समर्थ प्रसन्त की-प्राप्त हाउसिंग सोसाटि। लिव, डीव एसव्बाक्षेत्रर मार्ग दादर (पव), बस्बई-28 है तथा जो बस्बई-28 में स्थित है (और इसके उपाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा प्रायक्तर अधिनिधम, 196। की भारा 690 के ख के पश्चीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिक्ट्यों है दिनांक 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्नर अधिनियम के अभीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — श्रीसर्वः अमेति प्रयत्तक कुलकणी ।

(अस्तरक)

2. मेयर्भ चीधरी, पद्यान और देत. र्थाकियोर पीठ चौधरी, श्री अयोक कुमार प्रधान और श्री क्ष्मेंन विष्णु देव।

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरितियां।

(त्रह्वाकित जिसके धाविकांग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि था तत्सरबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्स में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहम्नाक्षरी के पास निमित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टोक रण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

शनुसूची जैना कि कर संर शर्ष-ण/37र्ष्ड्/6241/85-86 और नो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हाना, दिलांक 1-6-1985 को राजस्टर्ट किया गथा है।

> िसार यह**मद** सक्ष्म प्रा**धिकारी** सहासक आयकर श्रायुक्त (निर**ेक्षण)** अर्जन रोज-1, बस्ब**र्ड**

दिवांग : 6-1-1986

मोहर:

प्ररूप आहें . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

शर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांग 6 जनवरी 1986

तिदेश मं० आई-1/37-ईई/ 6875/84-85---श्रतः मले, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं व्युनिट नं 456, जो 4थी मंजिल, जहा एड नहार इंडिस्ट्रियन इस्टेंट ए-2. एस जे जिस मंगे. ले एर एरेल, बस्बई-13 हैं स्थान हैं (ऑर इसमें उपाबद्ध मनुसूनी में और जो पूर्ण रूप से विधान हैं), और जिसका करायनामा आयवार प्रधिनियम, 1961 की धारा 669 के, खे के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के बार्यालय में रिजर्सी हैं विसास 12-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमाम ितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित, में वास्तविद्य स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में ग्विक्षा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात :—— া. তা তজ হলে শ্লেদিদ্র্ন।

(घन्त्रसक्)

क्षेत्रकं कान होता ।

(अन्निमी)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्गवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विज्ञ जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं ० 456, जो अथी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडर्स्ट्रांडल इस्टेट, ए-2, एन० ने० मार्च, लोखन परेल, बस्वई-13 में स्थित है।

प्रमृपूर्वी मैसा कि कि ने० लाई-1/37-ईई/6308/85-86 श्रीर जा मक्षण स्थितारी सम्बद्ध द्वारा, विनास 12-6-1985 को रिजिल्ड दिया गरा है।

िसार वहमद सतम प्रतिकारी सद्दाक स्रायकर पात्मृत (निरोज्ञण) धर्मन रेज-I, नश्बद्ध

าัยกร: 6-1-1986

महिर्:

#### पक्ष आहे. टी. एन . एवं . -----

### वायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवधा

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्र'र्जः: रेंज-र्रे, बस्बई

बाबई, दिसंक 6 जारेंदी 1986

निदेग सं० आई-ग/37-ईई/6950/84-85 --श्रतः मुझे, <u>, ति</u>साम अहमद,

जायकर भौभानवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उवत अभिनिधन' कहा वचा हैं), की बाख 269-क के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर तस्यति, जिस्फा उचित बाजार मह्या 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसको संव यूनिट नंव 450, जो 4थी मंजिल, महा एण्ड नहार इंडस्ट्रायल इस्टेट, ए-1, एसव जेव सार्ग, लोग्नर परेल, बन्बई है, तथा जो बन्बई में स्थित है (और इसके उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण कर ने वर्णित है), और जिसका करारनामा आरकर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के बार्यालय में रिजिस्ट्री है दिना के 17-6-35 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में अम के दूरवामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या प्रकार के बारा है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दूरवान प्रतिफल के एसे दूरवान प्रतिफल का परवह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्स बन्तरण विश्वास में अधिक है में स्थान वहीं किया गया द्वीं का कारण है किया गया द्वीं का कारण है किया गया द्वीं का कारण है किया गया द्वीं का कारण की लिए तम

- (क) अन्तरणः म ह्यूरं किसी बार की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किनी काम मा किसी बन मा कन्त वास्तियों को, जिन्हों भारतीय सामकर किमिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उसत सिमियस, वा धनकर सीधनियस, 1957 (19' / का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, खिमाने की सुविका के सिक्

क्षः सम्, उक्त विभिन्नमा की भारा 269-न वैश्वन्त्रप्रका वी. भी तक्त व्यक्तिमा की भारा 269-म की उपधास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :----83---446 GI/85 शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(श्रह ¦स्का)

 श्रामतः गांता पां देयजानः और श्रामतः थिना केण जगवानः, और मास्टर हराज केल जगपानः।

(अस्तरित्तः)

कां यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के । नए कार्यशिक्षां सुक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) यह स्वता के राजपत्र में अकश्यन की तारीच स 45 विन की संवीध वा !त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी वर्षध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्तश्र्यः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा माहस्ताक्षरी के पाछ सिश्चित में किए आ सकों

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं 450, जो, 4थीं संजिल, यहा एण्ड हिंग् इंडस्ट्रीयल इस्टेंट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोश्रर परेल, ताजई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई- $I_{\rm f}$ 37-ईई $_{\rm f}$  $6517_{\rm f}$ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिन्तेंव 17-6-1985 को रिजस्ट के किया गया है।

िसार अहमदः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रिरक्षण) शर्जन रेज-, बस्बई

दिनांक : 6-1-1936

मोहर:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 26th December 1985

No. A-32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri C. L. Bhat a permanent Assistant of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis w.e.f. 16th December, 1985 for 45 days.

No. A-32014/1/85-Admn-III—The President is pleased to appoint the following regular Section officers of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Desk officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

SI. Name No.				Period
1 2				3
S/Shri	-			
1. R.P. Saroj				17-12-85 to 31-12-85
2. Yashpal Dabas				3-12-85 to 31-12-85
3. Anil Kumar	•		٠	3-12-85 to 31-12-85
4. Rajinder Singh		•		3-12-86 to 16-12-85

2. The above noted persons shall draw special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt, of Personnel and A.R.s. O.M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11-12-75.

M. P. JAIN, Under Secy. (Per. Admn) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 14th January 1986

No. 3/1/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. D. Sharma, IPS (MP:1962) as Deputy Inspector General of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 13th January, 1986 and until further orders.

No. B/64/66/AD.V.—Shrl B. M. Patil, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, EOW/Bombay relinquished charge of the Office of Dy. Superintendent of Police, CBI with effect from the afternoon of 31st December, 1985 on superannuation.

No. K/13/74/AD.V.—The Services of Shri K. K. Sharma, DSP of Punjab Police on deputation to CBI were placed at the disposal of Intelligence Bureau/New Delhi as per Govt. of Punjab Order No. 8028-BH(1)85/26716 dated 15-10-1985 w.e.f. 28-10-1985 F.N. on expiry of leave from 1-4-1985 to 26-10-1985 F.N.

#### The 17th January 1985

No. A/19036/22/79/AD.V.—On his repatriation from Special Investigation Team (MHA) Shri V. M. Pandit, Dy. Sundt, of Police/CBI joined CBI in the same capacity on the forenoon of 1st January, 1986.

No. A-20023/8/83-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Banger, as Senior Public Prosecutor, CBI (Group 'A' Gazetted) in the scale of Rs. 900—1400 w.e.f. 1-1-86 (forenoon).

R. S. NAGPAI Administrative Officer (E) CBI

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 9th January 1986

No. 3/21, 82-Adm.I.—Consequent upon superannuation from Government Service Shri J. P. Tarafdar, IPS, an officer of West Bengal Cadre on deputation to Central Detective Training School, Hyderabad relinquished charge of the post of Principal, Central Detective Training School, Hyderabad on the afternoon of 31st December, 1985.

S. K. MALLIK Director General

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 9th January 1986

No. O.II-2001/85-Estt.-I.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotirmayee Lahon as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 7-12-85 (F.N.) for a cpriod of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.

No. O.II-2010/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. W. Yavan Rao, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forendon of 5th November, 1985 for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-2042/85-Estt.-L.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Venkateswarlu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17-12-85 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

No. O.II-2045/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Sectharamaraju as JMO in the CRPF with effect from 16-11-85 (F.N.) on ad-hoc basis for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1764/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. B. P. Hazarika as J.M.O. in the C.R.P.F. on ad-hoc basis with effect from 5-12-1985 (F.N.) for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

#### The 10th January 1986

No. O.II-1794/83-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Vinod Shankor Dube, GDO, Grade-II of 37th Bn., CRPF with effect from the afternoon of 18th November, 1985 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of CCS (TS) Rules, 1965.

No. O.II-2012/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Pramod Kumar Mathur as JMO in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 8-11-85 (FN) for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.

#### The 13th January 1986

No. O.11-1260/75-Estt-I(CRPF).—Consequent upon his permanent absorption in Cement Corporation of India Ltd., the President has accented the resignation of Shri S Murlidharan, Dy. SP of CRPF with effect from 1st October, 1985 (Forenoon) as a technical formality. The lien of the officer from CRPF as Dy. SP has accordingly been terminated from the same date i.e. 1st October, 1985 (forenoon).

#### The 16th January 1986

No. O-II-2046/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. P. Narang as J.M.O. in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 22-11-85 (FN) for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

#### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 9th January 1986

No. E-16013(1)/18/84-Pers.1.—Consequent on his appointment on deputation as Director, National Crime Record Bureau, Shri S. K. Sharma, IPS (Rajasthan: 1958) has relinquished the charge of the post of Inspector General (HQ), CISF, 'New Delhi with effect from the forenoon of 6th January, 1986.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General.

#### MINISTRY OF FINANCE

# DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 11th January 1986

No. 681/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri S. G. Malekar, Officiating Stamp Supply Officer, Central Stamp Depot, Nasik-Road in a Substantive capacity in the same post with effect from 26-11-1984.

P. S. SHIVARAM General Manager India Security Press.

#### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th January 1986

F. No. BNP/C/5/85.—Shri G. R. Thakur an ad hoc Technical Officer (Ink Factory) in the scale of Rs. 650-1200 (Group B) is reverted to the post of Deputy Technical Officer (Ink Factory) in the scale of Rs. 550-800 (Group C) in Bank Note Press, Dewas with effect from 31-12-85 (AN).

M. V. CHAR General Manager.

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR

GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 8th January 1986

No. 25-CA.I/82-73.—On his attaining the age of superannuation Shri S. C. Bose, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit)-I, West Bengal, Calcutta has retired from service with effect from 31-10-1985.

#### The 16th January 1986

No. 35-CA.I/192-69.—On his attaining the age of superannuation Shri K, K. Sood, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi-110 002 has retired from service with effect from 31-12-1985 (AN).

#### K. P. LAKSHMANA RAO

Asstt, Comptr. And Auditor General (Commercial).

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISC.

#### New Delhi, the 13th January 1986 OFFICE ORDER

O.O. No. Admn. III/58—The Director of Audit, Commerce Works Misc. New Delhi hereby appoints the following officiating Audit Officers of this office in a substantive capacity as a Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the dates shown against them:—

S <b>1</b> , No.	Name					ate of nfirma- n
1	2					3
	S/Shri					
1. 1	P.N. Behl					1-11-8
2. 3	L. Deb		,		•	1-12-85
3. 3	J.L. Bhutan	ıi				1-12-8

R. P. SINGH Deputy Director (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS) I BIHAR

Ranchi, the 6th January 1986

No. Admn/Promo/2300.--The Accountant General (A/cs) I Bihar, Ranchi has been pleased to allow proforma promotion to Shri Baidya Nath Dutta a substantive Section Officer of this office to the post of Accounts Officer until further orders in the scale of 840-40-1000-FB-40-1200/- with effect from 15-7-85 (FN).

The notification No. Admn/Promo/705 to 706 dated 12-6-85 regarding proframa promotion of Shri B. N. Dutta with effect from 22-4-85 (F/N) may be treated as cancelled.

P. SENGUPTA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) JAMMU AND KASHMIR

Srinagar, the 3rd January 1986

No. Admn.-I-/Audit/96-A—The Accountant General, Jammu & Kashmir has been pleased to order appointment of the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group B-Gazetted) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 3-1-86 (FN). Their inter-se seniority will be determined separately:—

SI. Name No.						Date of Bìrth
1 2	<del></del>					3
S/Shri					•	
1. Janak Singh						7-1-42
2. Jawahar Lal Khar		•			•	21-2-41
3. Nana Jee Pandita			•			7-8-48
4. Ashok Kumar Mal	lla		•	•		1-5-48
5. Ajodia Nath Zutsh	i ·					25-6-47
6. Jatender Kumar K	hana			•		26-9-47
7. Shiban Krishen Kl	abruo		•			30-5-52

1 2						3
S/Shri						
8. Jaswant Singh Sasoon		•	•	•	•	12-5-44
9. Tej Krishen Bhan		-			-	21-2-50
10. Nasib Singh Samyal	•					10-3-44
11. Shiban Lal Parimoo					•	3-4-49
12. Satpal Sharma ·						5-5-48
13. Ujagar Ram Dogra (SC	C)					20-3-43

The promotees can exercise option within one month of the date of promotion in terms of Movernment of India, Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms office Memorandum No. F. 7(1)/80-Estt. P. I dated 26-9-81 either to have their pay fixed in the scale of Rs. 650-1040 under FR-22-C straightway or have it initially fixed under FR 22(A) (i) which may be refixed under FR 22 (C) on the date of accrual of the next increment in the scale of Rs. 500-900.

BALVINDER SINGH

Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I A&E MAHARASHTRA

Bomoay-400 020, the 9th January 1986

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)|311.—Shri P. L. Keswani, officiating Accounts Officer has been reverted as Section Officer with effect from 9-12-85 A/N. at his own request.

M. Y. RANADE Principal Accountant General.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 14th January 1986

No. Admn. I(Audit)/P-13044/1763.—The Accountant General (Audit) Rajasthan Jaipur has been pleased to promote the following Assistant Audit Officers to the post of Audit Officers (Group-B gazetted) in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in an Officiating capacity, till further orders from the dates noted against each:—

S/Shri

- 1. B. C. Hiranandani-26-12-85.
- 2. Narendra Kumar Kapoor-30-12-85.
- 3. Yashwant Ram Saxena-26-12-85.
- 4. Fateh Chand Agarwal-30-12-85.
- 5. Tulsi Ram Gupta-26-12-85.
- 6. R. K. Banerjee-26-12-85.

No. Admn. I(Audit)/P-13044/1763.—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Section Officers (Audit) to the post of Assistant Audit Officers (Group-B gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in an Officiating capacity, till further orders from the dates noted against each.

S/Shri

- 1. Surendra Kumar Sharma-31-12-85.
- 2. Narain Dutt Sharma-30-12-85.
- 3. Makhan Singh-27-12-85.

A. MUKHOPADHYAY Dy. Accountant General/Admn.

#### O.O. THE ACCOUNTANT GENL. (AUDIT. I) U.P.

Allahabad, the 13rd January 1986

No. A.G. (Au.I)/Admn./13-7/2202.—Following substantive Audit Officers have retired from govt, service, on

attaining the age of superannuation with effect from 31-12-1985 (A.N.).

#### ·S/Shri

- (1) G. K. Srivastava from the office of the Accountant General (Audit) I, U.P. Allahabad.
- (2) Narendra Nath Tewari from the office of the Accountant General (Audit) 11, U.P. Allahabad.
- (3) Bhagwan Sahai from the office of the Accountant General (Audit) I, U.P. Allahabad.
- (4) Gokaran Nath Dixit from the office of the Accountant General (Audit) II, U.P. Allahabad.

No. A.G. (Au.I)/Admn./13-7/2202.—Following officiating Audit Officers have been appointed in substantive capacity in Audit Officers cadre in the office of the Accountant General (Audit) U.P. Allahabad with effect from the dates noted against their names.

#### S/Shri

- (1) B. M. Agarwal w.c.f.—1-8-1985.
- (2) Shree Ram Dubey w.c.f.-1-11-1985.
- (3) G. P. Pandey w.e.f.-1-12-1985.
- (4) H. K. Chaturvedi w.e.f.-1-12-1985.

B. K. CHATTOPADHAYAY Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 14th January 1986

No. 3/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 Yrs.) Shri P. V. Zachariah, Offg. Works Manager retired from service w.c.f. 30th June, 1984/AN.
V. K. MEHTA

DDG/Estt.

#### MINISTRY OF LABOUR

#### OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER(C)

New Delhi, the 13rd January 1986

No. Adm.I/4(5)/85 (1).—On transfer Shri O P. Chohan relinquished charge of the office of the LEO (C), Ajmer on 18-3-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Ahmedabad on 19-3-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (2).—On transfer Shri H. B. Suhjani relinquished charge of the office of the IEO (C), Giridih on 20-4-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Dhanbad on 23-4-85 (AN).

No. Adm.I/4(5)/85 (3).—On transfer Shri B. R. Mondal relinquished the charge of the office of the LEO (C). Dhanbad on 23-4-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Giridih on 9-5-85 (FN).

No. Adm.1/4(5)/85 (4).—On transfer Shri K. S. Saggu relinquished charge of the office of the LEO (C), Gudur on 1-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity Baroda on 3-5-85 (AN).

No. Adm.1/4/(5)/85 (5).—On transfer Shri G C. Srivastava relinquished charge of the office of the IEO (C), Udaipur on 25-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Indore on 1-6-85 (FN).

No. Adm.I/4/(5)/85 (6).—On transfer Shii K. K. Ahlowalia relinquished charge of the office of the LEO (C) Chirimiti on 26-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Barcilly on 31-5-85 (FN).

No. Adm.I/4(5)/85 (7).—On transfer Shri Manohar Lal relinquished charge of the office of the LEO (C), Dehradun on 18-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Delhi-II on 29-5-85 (FN).

No. Adm.I/4(5)/85 (8).—On transfer Shri I. I. S. Bhatia relinquished charge of the office of the LEO (C), DeJhi-III on 29-5-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at DeJhi-II on 29-5-85 (FN).

No. Adm.I/4(5)/85 (9).—On transfer Shri S. Bhatta-charjec relinquished charge of the office of the LEO (C), Raipur on 20-5-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at Nagpur on 21-5-85 (FN).

No. Adm.1/4(5)/85 (10).—On his appointment by the CLC (C) as LEO (C) in a temporary capacity in this organisa ion, Shri Ram Khilari Meena assumed charge of the office of the LEO (C), Ajmer on 25-5-85 (FN).

No. Adm.I/4(5)/85 (11).—On transfer Shri M. Dharmraj relinquished charge of the office of the LEO (C), Hyderabad on 22-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Gudur on 24-5-85 (FN).

No. Adm.I/4(5)/85 (12).—On transfer Shri S. B. Chowdhury relinquished charge of the office of the LEO (C), Bombay on 31-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Calcutta on 7-6-85 (FN).

No. Adm.1/4(5)/85 (13).—On transfer Shri N. Ramachandran relinquished charge of the office of the LEO (C). Madurai on 31-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Madras on 1-6-85 (FN).

No .Adm.1/4(5)/85 (14).—On transfer Shri N. C. Sarangi relinquished charge of the office of the LEO (C), Bhubaneswar on 31-5-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Katrasgarh on 24-6-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (15).—On promotion to the post of ALC(C) Shri R. V. Booloor relinquished charge of the office of the LEO(C), Ponda on 3-6-85 (AN).

No. Adm. I/4(5)/85 (16).—On transfer Shri R. S. Kotangale relinquished charge of the office of the LEO(C), Chhindwara on 4-6-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Koderma on 18-6-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (17).—On transfer Shri M. Divakaran relinquished charge of the office of the LEO(C), Hubli on 10-6-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Ernakulam on 17-6-85 (AN).

No. Adm. I/4(5)/85 (18).—On transfer Shri B. F. I. Atidul Zaleel relinquished charge of the office of the LEO(C), Chitradurga on 7-6-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Gulbarga on 8-6-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (19).—On transfer Shri M. M. Athlsaya Kumar relinquished charge of the office of the LFO-(C), Nagpur on 21-5-85 (FN) and assumed charge at Bangalore on 5-6-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (20).—On transfer Shri C. N. S. Nair relinquished charge of the office of the LEO(C), Bangalore on 5-6-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at K. G. F. on 7-6-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (21).—On transfer Shri M. P. Rao relinquished charge of the office of the LEO(C), Kothagudem on 19-7-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Ponda on 24-7-85 (FN).

\*No. Adm. 1/4(5)/85 (22).—On transfer Shri L. N. Rao relinquished charge of the office of the LEO(C), Hyderabad on 2-8-85 (AN) and assumed charge at Kothagudem on 19-8-85 (FN).

No Adm. I/4(5)/85 (23).—On transfer Shri Khushal Singh relinquished charge of the Office of the LEO(C), Srinagar on 23-7-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Chandigarh on 5-8-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (24).—On transfer Shri Sarwan Singh relinquished charge of the office of the LEO(C), Chandigarh

on 6-8-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Sringgar camp at Jammu on 2-9-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (25).—On transfer Shri N. K. Chaturved: relinquished charge of the office of the LEO(C), Indore on 1-6-85 (FN) and assumed charge in the same capacity on 8-7-85 (AN).

No. Adm. I/4(5) (26).—On transfer Shri P. R. Subramanian reinquished charge of the office of the LEO(C), Madras on 9-7-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Hyderabad on 22-7-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (27).—On transfer Shri K. Majumdar relinquished charge of the office of the LEO(C), Calcutta on 8-7-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Lumding on 12-8-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (28).—On transfer Shri Sarjoo Singh relinquished charge of the office of the LEO(C), Chirkunda on 8-7-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Chirimiri on 10-8-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (29).—On transfer Shri P. V. Abraham relinquished charge of the office of the LEO(C), Ernakulam on 17-6-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Madurai on 15-7-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (30).--On transfer Shri P. Raghavan relinquished charge of the office of the 1 EO(C), Gulbarga on 8-6-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at Chitradurga on 18-6-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (31).—On transfer Shri D. C. Sarkar relinquished charge of the office of the LEO(C), Bareilly on 31-5-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at Bhubaneswar on 12-7-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (32).—On transfer Shri A. K. Singh relinquished charge of the office of the LFO(C). Delhi-I on 29-5-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at Dehradun on 7-6-85 (FN).

No. Adm. I/4(5)/85 (33)....On revocation of his suspension orders, Shri S. C. Sharma assumed charge of the office of the LEO(C), Udaipur on 2-7-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (34).—On revocation of his suspension orders. Shri G. J. Dadlani assumed charge of the office of the LEO( $\mathbb{C}$ ), Adipur on 12-7-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (35) -- On revocation of his suspension orders, Shri D: C. Patni assumed charge of the office of the LEO(C), Bombay on 10-7-85 (FN).

No. Adm. I/4(5), 85 (36),...On transfer Shri B. N. Chatterjee relinquished charge of the office of the LEO(C) at Cl C's Hqrs., New Delhi on 31-7-35 (AN) and assumed charge in the same capacity at Delhi-1 on 1-8-85 (FN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (37).—On appointment to the post of ALC(C), Shri M. M. Athisaya Kumar relinquished charge of the office of the LEO(C), Bangalore on 30-7-85 (AN).

No. Adm.  $\Gamma(4(5)/85)$  (38).—On appointment to the post of ALC(C), Shri S. K. Chand relinquished charge of the office of the LEO(C), Rourkela on 23-8-85 (AN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (39).—On appointment to the post of LEO(C) by the CLC(C), Shri Trinath Behera assumed charge of the office of the LEO(C), Chaibasa camp at Ohanbad on 2-9-85 (AN).

No. Adm. I/4(5)/85 (40).—On appointment to the post of Labour Officer (CP) Shri N. C. Saranei relanquished charge of the office of the LEO(C), Katrasgarh on 31-10-85 (AN).

No. Adm. 1/4(5)/85 (41).—On attaining the age of superannuation, Shri R. B. Singh relinquished charge of the office of the LEO(C), Dhanbad on 31-10-85 (AN).

NAND LAL Administrative Officer

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110 011, the 7th January 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1335/80-Admn. (G)/230,—On attaining the age of superannuation, Shri J. R. Sharma. Controller of Imports and Exports in this Office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 31st December, 1985.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 10th January 1986

No. A-19018(347)/78-Admn. (G).—Consequent on his selection for appointment as Metal Expert at Mauritius under the ITEC Programme of the Ministry of External Affairs, Shri Ravi Kapoor, relinquished charge of the post of Deputy Director (Metallurgy) at Small Industries Service Institute, Nagpur on the forenoon of 21st November, 1985.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 10th January 1986

No. A-17011/300/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri G. D. Raichur, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection, Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Bombay from the afternoon of 24th December, 1985 until further orders.

No. A-17011/299/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Sugno Chatoomal Khithani, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection, Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Bombay from the forenoon of 26th December, 1985 until further orders.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Dir. Genl. of Supplies and Disposals

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 2nd January 1986

No. 102B/A-19011(1-VVHH)/76-19A.—On his permanent absorption in the office of the Collector of Central Exercise, Hyderabad, Shri V. V. Hari Haran, Geologist (Junior), has resigned from the service in the Geological Survey of India, with effect from the afternoon of 30-8-1982.

The 6th January 1986

No. 131B-A-32013/1-DIR(GEOL)/84-19A.—Shri Devashis Chatterjee, received charge of the post of Geologist

(Senior) in the Geological Survey of India on reversion from deputation with Netaji Institute For Asian Studies, Calcutta in the same capacity from the afternoon of 29th November, 1985.

No. 145 B/A-19011(1-DCB)/84-19A.—The President is pleased to appoint Shri Dilip Chand Banerjee, Assistant Geologist, Geological Survey of India to the post of Geologist (Junior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300,— in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 18-11-85, until turther orders.

No. 161 B. A-19012(KRK)/85/19A.—Shri Kali tam Katarin is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25-11-85, until further orders.

#### The 10th January 1986

No. 263 B/A-32014(2-AG(I)/81/19B.—Shri Soumendra Nath Das, STA (Geophysical Workshop), Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General, G. S. I. as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6-12-85, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

#### Calcutta-16, the 10th January 1986

No. 283B/A-32013/1-Dir. (Geol.)/84-19A—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. Name No.			,	Date of appointment
1. Shri P.C. Mehrotra	•	•		12-8-85 (FN)
2. Shri S.K. Shome				1-8-85 (AN)

#### The 13th January 1986

No. 313B/A-32013/1-Dir.(Geol.)/84-19A - The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl.	Name						Date of
No.							appointment
1. S	hri A.K. I	Outta					30-10-85 (F.N.)
2. S	hri Satya I	Prakash	Mis	shra	•	•	30-7-85 (F.N.)

No. 335 B/A-32013/1-Dir (Geol.) /84-19A — The President is pleased to appoint Shri D. N. Seshagiri, Geologist (Senuor) Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from 5-8-85 (FN), until further orders.

No. 353 B/A-32013 1-DDG (Geol.) /84-19A.—The President is pleased to appoint Shri A. P. Tewari, Director (Geology) Selection Grade, Geological Survey of India, on promotion as Deputy Director General (Geology) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2250-125/2-2500/- in a temporary officiating capacity with effect from the afternoon of 30th November, 1985, until further orders.

D. P. DHOUNDIAL Sr. Dy. Director General (Operation)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th January 1986

No. A-19011(249)83-86-Estt. 'A'.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shrl Alokesh Majumdar. Officiating Asstt. Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines, has been promoted to officiate in the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines w.c.f. the forenoon of the 11th December, 1985.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller
Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi the 4th December 1985

No. 17/17/85-SIV -- Consequent upon their promotion the under mentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in a temporary capacity at different Stations/Offices of All India Radio and Door-Starshan from the date shown against each till further order:

S. Name No.		Stations/Offices	Date of joining
S/Shri			•
1. C.S. Kothalkar	•	LPT, TV, Aurangabad	8-8-85 (FN)
2. Karnail Singh		HPT, AIR, Khampur	24-8-85 (FN)
3. Jai Gopal		M.S., AIR, Ayanagar, New Delhi	3-9-85 (FN)
4. S.P. Thayappan	•	L.P.T., Car Nicobar	31-7-85 (FN)
5. S. Venkatraman		M.C., Doordarshan, Tezpur	5-9-85 (FN)
6. Chandrasekhariah	•	AIR, Shillong	3-9-85 (FN)
7. M. Kalyanasundarama	ı	AIR, Imphal	30-9-85 (FN)

B. S. JAIN,
Dy. Director of Administration

for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 8th January 1986

No. A-12025(ii)/1/83-Est.I(RC).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Chief Producer, Films Division, has appointed Shri Ramanuj Das Gupta to officiate as Asstt.Director of Music in the Films Division, Bombay on a pay of Rs, 840/- per month in the scale of pay of Rs, 840-40-1000-EB-40-1200/-with effect from the forenoon of the 2nd January, 1986 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th January 1986

No. A-38013/1/85-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Shri Jai Kumar, Private Secretary retired from Government Service on 31-12-1985 (AN).

#### The 15th January 1986

No. A.12025/1/82/Admn.I/M(F&S).—Consequent upon his resignation Shri K. Veerareghavan relinquished charge of the post of Assistant Biochemist at Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the afternoon of 13th May, 1985.

P. K. GHAI Deputy Director of Adm. (C&B)

## MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD)

#### NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 13th January 1986

No. 3(1)/67-VIII/Estt.—On the recommendations of Group 'B' Departmental Promotion Committee, the undersigned is pleased to appoint substantively Dr. Lakhendra Singh, in the Group 'B' post of Junior Scientific Officer (Organic) in the National Sugar Institute, Kanpur with effect from 24-8-1986.

RAM KUMAR Director

# MINISTRY OF AGRICULTURE DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 3rd January 1986

No. A. 19025/9/82.A.III.—On his repatriation to his parent department of All India Soil and Land Use Survey, Shri Z. D. Wankhede, relinquished the charge of the post of Assistant Marketing Officer held by him in this Directorate on 15-11-1985 (AN).

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Advisor
to the Govt. of India

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 9th January 1986

No. PA/73(18)/85-R-IV/51.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Hemant Madhukar Haldavnekar as Resident Medical Officer in Medical Division

of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 3, 1986 for a period of three years.

> T. S. PARAMESWARAN Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400094, the 31st December 1985

No. C&SG/A/2(6)/7593.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy appoints Shri G. Ravindran, a temporary Foreman (A) in Construction & Services Group, DAE as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Construction & Services Group, DAE in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-8-1985 (FN) until further orders.

#### The 2nd January 1986

Construction No. CED/A/2(16)/64.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoint Shri S. R. Rediz, a temporary Selection Grade Clerk in Construction & Services Group as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity on ad-hoc basis with e from the forenoon of 1-1-1986 to 31-1-1986 vice Shri Venugopal, Assistant Personnel Officer granted leave.

> D. N. SHETTI Administrative Officer-II

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 14th January 1986

Ref. DPS/2/1/26/83-Adm. 196.—In continuation of Directorate Notification No. DPS/2/1(5)/82-Adm./7020, dated October 16, 1985 the Director. Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. T. Lakshmanan, a permanent Purchase Assistant to Officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period upto 28-2-1986, (AN) or until further Orders whichever is earlier, in the same Directorate.

Ref. No. DPS/2/1(26)/81-Adm,/203,—The Director. Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri J. J. Pereira, Permanent Purchase Assistant DPS/2/1(26)/81-Adm,/203,—The tant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 1-1-1986 (FN) to 28-2-1986 (AN) or until further orders whichever is earlier in the same Directorate.

#### The 15th January 1986

Ref. DPS/2/1(11)/83-Adm./210.—In continuation of this Directorate notification of even number dated November 11, 1985, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. C. Sharma, a permanent Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto 28th February, 1986 or until further orders, whichever is

No. Ref. DPS/G-2/Estt./244.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri R. S. Gaikwad, Assistant Purchase Officer, CPU in this Directorate has retired from Government service with effect from 31-12-1985 (AN).

P. GOPALAN Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the January 1986

No. NFC/PAR/0704/136,—Deputy Chief Executive (A). Nuclear Fuel Complex appoints Shri G. Koteswar Rao, Steno

(Sr.), to officiate as Assistant Personnel Officer on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis from 6-1-1986 to 5-2-1986 or until further orders whichever

> G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323303, the 8th January 1986

#### CORRIGENDUM

No. RAPS/Rectt/3(2)/85-S/28.—In partial modification to Notification No. RAPS/Rectt/3(2)/85/S/124 dated November 1, 1985, the date of appointment in respect of Shri S. R. Patel appearing at Sr. No. 3, to the grade of Scientific Officer/
'SB' may be read as 2-2-1985 instead of 1-2-1985.

Shri S. R. Patel has assumed charge of the post of Scientific

Officer/'SB' on the forenoon of 2nd February 85.

B. G. KULKARNI Administrative Officer (E)

#### DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 3rd January 1986

No. 020/1(15.2)/86-Est.I.—Controller ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri N. Prakash Rao to the post of Assistant Administrative Officer with effect from the forenoon of September 27, 1985 in the ISRO Satellite Centre Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders.

#### The 8th January 1986

No. 020/1(15,2)/86-Est.I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon of December 27, 1985.

#### The 13th January 1986

No. 020/1(15.2)/86-Estt.I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri Gopal Sharma R. Joshi to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the forenoon of September 25, 1985 in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders.

> H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

#### MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 13th January 1986

No. A.32013(DDGM)/2/83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Datar, Director, India Meteorological Department to officiate as Deputy Director General of Meteorology in the same Department with effect from 1st November 1981 and 1982 ber, 1985 and until further orders.

> S. D. S. ABBI Dy. Director General of Meteorology (Admn. & Stores) for Dir, Genl. of Met.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd January 1986

No. A.32013/17, 82-F.I.—In continuation of this Office Notification No. A.32013/17 82-F.I. dated the 30th August 1985 the President is pleased to approve the extension of ad-hoc appointment of Shri J. N. Mookherjee in the grade of Dy. Director (Regulation & Information) for a further period of six months beyond 22-10-85 (22-10-85 to 21-4-86) or till the date the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

J. C. GARG

Jt. Director of Administration

tor Dir. Genl. of Civil Aviation

#### New Delhi, the 8th January 1986

No. A.32013/10/85-E.I.—In pursuance of Ministry of Transport (Department of Civil Aviation) letter No. 32013 17/84-VE, dated the 14th November, 1985, the President is pleased to appoint Shri K. N. S. Krishnan in the grade of Director of Aeronautical Inspection (now Director of Airworthiness) with effect from 17-5-1986 on notional basis until further orders.

This supersedes this Office Notification No. A.32013/14/79-E.I. dated 13-5-1981,

J. C. GARG Jt. Director of Administration

New Delhi the 23rd December 1985

No. A. 32013/3/84-F.C. In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/3/84-EC dated the 26th Nov., 1984, the President is pleased to approve the extension of the period of adhoc appointment in the grade of Deputy Director/Controller of Communication in respect of the following officers for the period shown against each:

S.	Name		Date		
No.			From	То	
- 1	2	 	 3	4	
1. S	hri V.K. Khandelwal	 	 17-3-85	21-4-85	
2. S	hri S.P. Hardass		30-12-84	25-3-85	

2. The extension of period of adhoc appointment of the above mentioned officers in the grade of Dy. Director/Controller of Comm. shall not bestow on the any claim—for regular promotion—in the grade and service so rendered on ad hoc basis shall not count for the purpose of seniority in the grade or for eligibility for promotion to the next higher grade.

V. JAYACHANDRAN Deputy Director of Admn.

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th January 1986

No. 1 397/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service after satisfying himself permitted Shi F. Affonso, Chief Mechanician, OCS, Bombay Branch to retire voluntarity from Government Service with effect from the afternoon of the 16th December, 1985.

R. K. THAKKI R Dy. Director (Admn.) for Drector General

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 15th January 1986

No. 16/267/77-Fsts-L.—Consequent upon his attaining the age of superanguation Shri A. P. Kureel, Research Officer, Wood Preservation 16 inch. Project Research Institute and Colleges, Dehra Dun i retire I from Govt. Service with effect from 31-12-1985 (A.N.).

#### The 15th January 1985

No. 16/348/79-1/sts-1,—Consequent upon his atteining the age of superannuation ShriD. D. S. Negi, Research Officer. Forest Soils Branch, Forest Research Institute and Colleges. Dehra Dun is retired from the Gove. Service with effect from 31-12-1985 (A.N.).

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute and Colleges

# DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS & WILDLIFE

#### WILDLIEF INSTITUTE OF INDIA

Dehra Dun, the 17th January 1986

No. 1-2/84-WII/100.—In continuation of this Institute Notification No. 1-2 84-WII/310, dated the 14th February, 1985, the undersigned is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri S. B. Prasad, Finance Officer, Wildlife Institute of India, on deputation basis for a further period of one year with effect from 1st February, 1986 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. 1-2/84-WII/J01.—In continuation of this Institute Notification No. 1-2/84-WII/94, dated 17th January, 1985, the undersigned is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri C. P. Pahwa, as Administrative Officer in the Wildlife Institute of India, Dehra Dun, for the period commensing from 9th January, 1986 to 31st March, 1986 (AN), or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

II. S. PANWAR Director Wildlife Institute of India

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 9th January 1986

No. 3-726 '85-CH.Estt.—Sh. Satendra is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 1-11-85 (FN) till further orders.

No. 3-728/85-CH.Estt.—Sh. Sudhir Kumar Verma is appointed as Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Group-B (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 - on temporary basis in the Central Ground Water Board wief. 4-11-85 (FN) till further orders.

No. 3-731 85-CH(Estt.). Shri K. J. Anandha Kumar is appainted as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B, (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f 28-11-85 (FN) till further orders

R. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

#### DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Company of the latest terminal and the second control of the company of the second control of the second contr

New Delhi the 9th January 1985

No. 32 3 /85-ECII-On attaining the age of superannuation of the following officers of PWD belonging the CFS and

CEES Gr. A. and working as EE (C) and EE (E) in the office mentioned against each have retired from Govt. service with effect from the date as mentioned against each of them.

			Last & Posting station & Designation
S/Shrri			
1, S.C. Goyal	•	31-12-85 (A.N.)	Executivo Engineer (C), SSW Constn Zone, PWD, New Delhi,
2, V.S.T. Appan	٠	31-12-85 (A,N.)	EE(C) I.T. Deptt., 3rd
3. H.D. Bardhan	٠	31-12-85 (A.N.)	EE(C) I.T. Deptt. 11th Floor, Rohit House, 3rd Tolstoy Marg, New Delhi.
4, B.D. Malik		31-12-85 (A.N.)	EE(E)/SW (Elec.) V. O/o SSW, C P W D, Vidyut Bhavan, Shankar Market, New Delhi
5. C. Nagraj		31-12-85 (A.N.) i	•
6, G.L. Gupta		31-12-85	EE(C), SSW-II, PWD (DAZ)-II New Delhi.
			K. C. DEHURY, rector of Administration, Director General (Works)

#### New Delhi, the 10th January 1986

No. 33/2/83-EC IX.—The President is pleased to appoint the following nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from the dates shown against each on the usual terms and conditions

- 1. Shri B. Jayahari--9-10-1985 (FN).
- 2. Shri Dinesh Kumar Nigam-3-12-1985 (FN).
- 2. The pay of these officers will be fixed at Rs. 780 '- or according to the rules whichever is higher in the pay scale of Rs. 700-1300,
- 3. They are placed on probation for a period of two years with effect from the date of their appointment.

PRITHVI PAL SINGII
Deputy Director of Administration

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matier of the Companies Act, 1956 and of M/s. Cellna Estates Pyt, Ltd.

Bombay-2, the 7th January 1986

No. 688/24099/560(5),—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M.s. Celina Estates Pvt. Ltd. has this day been struck oil the Register and the said company is dissolved

In the many of the Companies Act, 1956 and of M/s Lanne Meels & Alloys Limited

Bombay-400002, the 7th January 1986

No. 702/16857/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Samir Steels & Alloys Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matier of the Companies Act, 1956 and of M/s. Himalayan Homes Pvt. Ltd.

Bombay-400002, the 7th January 1986

No. 686/24105/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Himalayan Homes Pvr. Ltd. has this day been struck off the Register and the suid company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Bharat Hire Purchase and Finance Co. Ltd.

Bombay-400002, the 7th January 1986

No. 681/18020/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bharat Hire Purchase & Finance Co. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matier of the Companies Act, 1956 and of M/s. R. S. R. Aluminium Private Ltd.

Bangalore-9, the 9th January 1986

No. 4806/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. R. S. R. Aluminium Private I td. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. K. RAMANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s International Imex Agents Private Limited

New Delhi, the 10th January 1986

No. PC-1/1737/1253.—Notice is hereby given pursuam to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, \$\frac{1}{2}956\$ that the name of M./s. International Imex Agents Private I imited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

ROOP KISHORF Asstt. Registrar of Companies Delhi & Harvana In the matter of the Companies Act, 1956 and of G. B. Ghosh & Co. Pvt. Ltd

Calculta-20, the 10th January 1986

No. 16569/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the G. B. Ghosh & Co. Private Limited, unless cause is shown to the confrary will be struck off the Register and said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Arya Bagery and Confectionery Private Limited

No. 27597/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arya Bakery & Confectionery Pyt. 1 td. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Film Craft Private Limited

Calcutta, the 10th January 1986

180. 24568/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Film Craft Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Swadeshi Ayat Niryan Limited

Calcutta, the 10th January 1986

No. 22820 560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Swadeshi Ayat Niryat Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolv-

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Neel Kamal Chit & Savings Co. Pvt. Ltd.

Calcutta, the 10th January 1986

No. 30297/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Neel Kamal Chit & Savings Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Glass Syndicate Private Limited

Calcutta, the 10th January 1986

No 17683/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Glass Syndicate Private Itd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolv-

In the mater of the Companies Act, 1956 and of Everes: Wood Products & Allied Industries Pvt. Ltd.

> No.  $30^{\circ}28,560(5)$ . -Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Everest Wood Products & Allied Industries Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

> > D. K. PAUL Addl. Registrar of Companies West Bengal

#### OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.) AND COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Calcutta, the 20th December 1985

#### t. PROMOTION

No. 211/28/75-76,—Order No. 628.—The following Inspectors of Income-tax, West Bengal, Calcutta are hereby promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B' in the scale of pay of Rs, 650-30-740-35-880-EB-35-880-40-1000-LB-40-1200/- with effect from the date they take over and until further orders.

S/Shri

- 1. Lakshmi Kanta Bhowmick
- 2. Rabindra Nath Ghosh
- 3. Smt. Sikha Chakraborty

The appointment are made on purely temporary and provisional basis and will confer on them no claim either for retention or seniority vis-a-vis other promotees. Their services are liable to termination without notice and they are liable to reversion at any time if after review of the vacancies it is found that their appointment are in excess of the vacancies cies available for promotees, or direct recruits become available for replacing them. They are also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers conferred under section 124 of Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) I hereby direct that:—

- 1. Lakshmi Kanta Bhowmick
- Rabindta Nath Ghosh
- 3. Smt. Sikha Chakraborty

On their appointments as Income-tax Officer (Group 'B) shall perform all the functions of an Income-tax Officer under the said act in respect of such persons classes of persons or such income or classes of income or in respect of such areas as may be allocated to them from time to time,

#### III. POSTINGS

On promotion S/Shri Lakshmi Kanta Bhowmick, Rabindra Nath Ghosh, Smt. Sikha Chakraborty are hereby posted as Officers on special Duty in the Office of the Chief Commis-Soner (Admn.) & Commissioner of Income-tax, West Bengal-I. Calcutta.

> R. PRASAD Chief Commissioner (Admn.) & Commissioner of Income-tax West Bengal-I, Calcutta,

### FORM ITNS 187

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1986

Ref. No. ASR/85-86-57.—Whereas, 1, I. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

One property situated at Model Town, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsai in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by making than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under use said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dev Raj Bhandari, s o Shri Murli Dass Bhandari, r/o Kucha Lamba, Katra Bagh Singh, Amritsar. (Transfetor)
- (2) Shri Inderjit Singh, s o Shri Tirath Singh, Smt. Harkiran Kaut, w o Shri Inderjit Singh, 390/14-8, Gali No. 2. Model Town, Amritsar (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants as under:—
  1. Shri Thakur Kalyan Singh
  Weaving Master—Rs. 50/- p.m.
  2. Shri Harinder Singh—Nil
  (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other.

  (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One property No. 390/14-8, in Gali No. 2, at Model Town, Amrits it as mentioned in sale deed No. 2485 dated 31-5-85 of registering Authority. Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-1-1986

Seal:

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ABSILTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amiltsar, the 9th January 1986

Ref. No. ASR/85-86/58. —Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardanter referred to as the 'anid Act'), hage reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

One property situated at Katra Mohar Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amritsar in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons nammely:—

(1) Smt. Roy Kumari wyo Shri Mohan Dass, Sindhi, Katra Mohar Singh, Amritsar, (now at Bombay).

(Transferor)

- (2) Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Manjii Singh, Shri Baldev Singh, so/ Shri Parduman Singh, Bazar Chur Beri, Gali Adwaza, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants as under:—
  1. S/Shri Chatanjit Lal and Lalit Mohan of Mffls. Gogan Studios—Rs. 65ffl- p.m.
  2. Shii Parduman Singh, Goldsmith.—Rs. 65/- p.m. (Person in occupation of the property.)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of

  45 days from the date of publication of this notion
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A built up house at Katra Mohar Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1408 dated 7-5-85 of Registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-1-1986

Seal :

#### FORM ITNS-

TO THE THE REAL PROPERTY OF THE PROPERTY OF TH

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1986

Ref. No. ASR/85-86/59.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

A property, situated at Katra Mohar Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amritsar in May, 1985

S.R. Amilian in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the laur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) is educating the concealmen, of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ract, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in murauance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt Raj Kumari w/o Shri Mohan Dass, Sindhi, Katta Mohar Singh, Amritsar, (now at Bombay).

(Transferor)

- (2) Smt. Santosh Kaur w.o S. Mohinder Singh. Smt. Palwinder Kaur w/o Shri Surinder Singh, Bazar Chur Beri, Gali Adwazo, Amritsar. (Transfered
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants as under:—

  S/Shri Charanjit Lal and Lalit Mohan of M/s Gagan Studios.—Rs. 65/-.
  Shri Parduman Singh, Goldsmith.—Rs. 65/-.
  (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

A built up house at Katra Mohat Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1318 dated 6-5-1985 of registering authority, Amritsar,

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-1-1985

Scal:

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd January 1986

Ref. No. ASR/85-86/60.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One property situated at Magbool Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest a property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforest deceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration consideration

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the corsus ration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any faccone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shei Narinder Nath Sehgal, Shri Parma Nand Sehgal, Smt. Asha Rani w/o Shri Narinder Nath Sehgal, Flet No. 54/55, 7th Floor, Mount Unique Building, Bombay.

- .

(Transferor)

(2) Shri Harnam Singh Vohra s/o Shri Ganesha Singh, Smt. Basant Kaur w/o Shri Harnam Singh Vohra, S/Shri Amarjit Vohra, Ranjit Singh Vohra, Tejinder Singh Vohra and Kuldip Singh Vohra, r/o 58 Maqbool Road. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property namy be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 58 situated at Maqbool Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1323 dated 3-5-1985 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date 2-1-1986

Seal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd January 1986
Ref. No. ASR/85-86/61.—Whereas, I. J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One property situated at Magbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the linkflity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s Dream House Builders, Wasan Building, Putlighar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lat Arora, s/o Shii Ram Lat, c/o Mis Maharaj Mal Ram Lat, Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Holf share of property, situated at Plot No. 59, in Development Scheme No. 61, at Maqbool Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3131 dated 14-6-1985 or registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority;
Inspecting Assistant Commissioner of theome-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-1-1986

Seal:

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) On THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd January 1986

Ref. No. ASR/85-86/62.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on June. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely:—

185-446GI/85

(1) M/s Dream House Builders, Wassan Building, Putlighar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata W/o Shri Mohan Lal Arora, c/o M/s Maharaj Mal Ram Lal, Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property.)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share of property on plot No. 59, in Development Scheme No. 61, situated at Magbool Road Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3129, dated 14-6-1985 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritaar

Date: 3-1-1986

Scal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3631/1985-86.— Whereas, I. ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office on 1st floor of building No. A-2 F.P. No. 14, Frandwana, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property afforcing the suffersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Ganesh Trust,
 Shah Colony, Sane Guruji Road,
 Pune.

(Transferor)

(2) Shri P. J. Pansete, 15 Manish Apartments, New Shivaji Road, Kalyan, District Thane.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Office on 1st ficor of building No. A-2 F.P. No. 14, Erandwana, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3631/1985-86 in the month of Oct. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 1-1-1986 Seal :

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31st December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7843/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-108/1 T.T.C. Industrial Area M.I.D.C. Industrial Estate,

Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Orher at I.A.C., Acqn. Range, Pune in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by шоге fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) The Bombay Burnish Trading Corpn. Ltd., 9 Wallace Street, Fort, Bombay.

(Transferor)

 M/s Geldhof Auto & Gas Industries Ltd.,
 Turf View, Hornby Vellard Estate,
 Near Science Centre, Worli, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of native on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

D-108/1 T.T.C. Industrial Area M.I.D.C. Industrial Estate,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7843/1985-86 in the month of October, 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 31-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 31st December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-/5/37EE/7869/85-86.--Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-108/2 T.T.C. Industrial Area, M.I.D.C. Industrial Estate, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at L.A.C., Acqn. Range, Pune in October, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Bombay Burmah Trading Corpn Ltd., 9 Wallace Street, Fort, Bombay. (Transferor)

(2) M/s Vitesse Trading P. Ltd., Turf View, Hornby Vellard Estate, Near Nehru Science Centre, Worli, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D-108/2 T.T.C. Industrial Area, M.I.D.C. Industrial Estate, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7869/85-86 in the month of October, 1985.)

ANIL KUMAR Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Posss

Date: 31-12-1985

Scal:

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Pune, the 1st January 1986

Pune, the 1st January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1947/1985-86.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1/2/13 of Village Erandwana, Tal. & District Pune altuated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in August, 1985

I.A.C., Acqn. Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Vibhakar Dattatraya Kothavale, 45 Mahavir Building, Bhandarkar Road, Matunga, Bombay.
- (2) Mr. Vijay Govind Khare & Others, Telephone Bhavan, Quarters, Bajirao Road, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Plot No. 1/2/13 of Village Erandwana, Tal. & District Pune.

(Property as discribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1947/1985-86 in the month of August, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date : 1-1-1938 Seni :

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE[98]1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of '961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

The property is duplex bunglow bearing No. D/9 in the scheme viz. Ram Nagar on Badlapur Road, Kulgoan, District Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985

for an apparent cinsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Renuka Builders, Ratnadeep Building, Near Saibaba Temple, Badlapur Road, Kulgoan, District Thane. (Transteror)
- (2) Mr. Nishikant D. Patil, Rambaug Lane No. 4, Gangabai Sadan, Kalyan, District Thane. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in wr.ting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULB

The property in duplex bunglow bearing No. D/9 in the scheme viz. Ram Nagar on Badlapur Rozd, Kulgoan, District Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/98/1985-86 in the month of June, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 20-12-1985.

Seal:

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE|1588|1984-85.→ Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

bearing Flat No. 8 on first floor in "Samadhan Apartmen" situated on Survey No. 62, Hissa No. 15, Plot No. 6 at Tilak Nagat, G. B. Patharli, Dombiyli

situated at Dombivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ganesh Constructions, 8/3, Patil Bhoir Apartment, Near Municipal Office, Dombivli (E), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Smt. Madhuri Ashok Galgali, Shiv Vihar, Near Santoshi Mata Mandir, Kopar Road, Dombivli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said wasnew-. Able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Flat No. 8 on first floor in "Samadhan Apartment" si uated on Survey No. 62, Hissa No. 15, Plot No. 6 at Tilak Nagar, G. B. Patharli, Dombivli. (Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15738/84-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 31-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Abdul Latlinadiyadwala Mustafa Ibrahim Nadiyadwala & Others, C/o. M/s. M. B. Associates, M. B. House, 79, Gohga Street, Fort, Bambay.

(Transferor)

M/s. M. B. Associates,
 M. B. House, 79 Gohga Stret,
 Fort, Bambay.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th December 1985

Ref. IAC ACO/CA-5/37EE/3390|1985-86.— Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 15 & 16 Survey No. 32 at Village Navghar, Bassien situated at Bassien (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the axid instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Plot No. 15 & 16 Survey No. 32 at Village Navghar, Bassien.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3390/1985-86 in the month of Aug. 1985).

ANIL KUNAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1985

Soul 1

#### 

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M's. Trimurti Builders & Promoters, 590 Rusta Peth, Punne-11.

(Transferor)

(2) Dr. Nanoo Vaidyar Natarajan, 501 Rasta Peth, Punnc-11.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st December 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE[5008]1985-86.— Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. B 4/1 in Trimurti Aparlment at 590 Rasta Peth. Pune-11

situated at Pune

PART III—SEC. 1]

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range. Pune in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. rand /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B 4/1 in Trimurti Apartment, 590 Rasta Peth,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5008/1985-86 in the month of October 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

86-446GI/85

Date: 31-12-1985

Scal .

#### FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Acq.)/2647.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Plot No. 12 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 25-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Bhawar Lal Muttha S/o, Shri Uday Singh Oswal, R/o. Plot no. 2 Mahaveer Marg, C' Scheme Jaipur.

  (Transferor)
- (2) Smt. Meera Rawat W/o. Shri Satya Narayan Rawat Khandalwal Sothaliya Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquinition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12, situated at Lal Niwas, Sawi (a) Singh Highway, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur registration No. 1132 dated 25-5-1985

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-1-1986

Seal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No. :Rij. IAC(Acq.)/2648.—
Whereas I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 12 situated at beinger

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 12 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhanwar Lal Muttha S/o, Shri Udai Singh Oswal, R/o, Plot No. 12 Mahaveer Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shii Satya Narayan Rawat Szo, Shri Shomilalji Rawat, izo Plot No. 12, Heera Bagh, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12, saturated at Lal Niwas, Sawi Jaisingh Highway, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur, vade registration No. 1431 dated 25-5-1985.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-1-1986

Scal:

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JATPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj. IAC(Acq.) 2649.— Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000 - and bearing No. Plot No 12 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur onn 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tar Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shii Bhawarlal Mutha S/o. Shri Uday Singh Oswal, R/o. Piot No. 2, Mahaveer Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ashisha Rawat (Min.) 5, o. Shi Satya Narayan Rawat, R/o. Plot No. 12, Meera Bagh Lal Niwas, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12 Signated at, Lal Niwas, Sawi Jai Singh Highway, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur, for the month of 8, May, 1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-1-1986

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Shri Jaswant Singh Chouhan, S/o Shri Rawat Singh Chouhan (Self O/B Sons R/o, Junni Bagar, Jodhpur

(Transferor)

(2) Ramesh Chandra and Anil Modi, S/o. Shri B. D. Modi, R/o. 3-D, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JA1PUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Acq.)/2650.— Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 66 and 67 situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 66-67 Situated at. Rawat Building Part of 1/5, Chopasni Road, Jeanput, and more fully described in the sale deed registed by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 1718 dated 14-5-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Acq.) 2651. -

Whereas I. MOHAN SINGH, being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 66 and 67 situated at Joshpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair too ker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Surendra Singh Chouhan, S.o. Shei Mangal Singh Chouhan (Him Self O/B of his Sister), R/o Junni Bazar. Jodhnur

(Transferor)

(2) Shri Sudhakar Modi S.o. Shri Sukh Dev Modi and Shri Predcep Modi, S/o. Shri Prakash Modi, R/o. 3-D, Shastri Nagar. Jodhpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The forms and impressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said snell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 66 and 67, situated at, Rawat Building Ka 1/5 part, Chopasni Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 1925 dateJ 30 5-85.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaimer

Date : 10-1-1986 Seal :

#### FURM ITNS

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Aca. Whereas I, MOHAN SINGH, Raj./IAC (Aca.)/2652 ---

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 66 and 67 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-5-1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Govind Singh Chouhan S/o. Shri Rawat Singh S/o. Shri Bhim Singh and Shyam Singh Jodbpur.

(Transferor)

(2) Praveen Modi and Praphool Modi, S/o. Shii Prakash Chandra Modi, R/o. 3-D, Shashtri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of accide on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Garette

-EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 66 and 67 situated at Rawat Building Ka part of 1/5 Chopashi Road, Jodhpin, and more fully described in the sale deed registered by the SR Jodhpin, vide registration No. 1719 dated 14-5-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Acq.)/2653.—
Whereas I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Plot No. 96 situated at Jodhpur
(cond more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jodhpur on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly seated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Shri Mool Chand, Soo. Shri Inder Chand Oswal, Roo. Shantipura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Chand Sancheti S/o. Shri Panna Lal, R/o. Sancheti Bhawnn, Maha Mandir, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 96 situated at O. B. C. T. Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1695 dated 15-5-1985,

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kamla Devi W/o. Shri Inder Chand Oswal, R/o. Shantipura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi W/o. Shri Laxmichandji Oswal, R/o. Sancheti Bhawan, Maha Mandir, Jødhpur.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Acq.)/2654,—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinate reference to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Plot No 97 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 1908) in the office of the Registering Office rat Jodhpur on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 97, situated at O.B.C.T. Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1694 dated 13-5-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

87-446GI/85

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Acq.)/2655.--Whereas 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 43-44 situated at Aimer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aimer on 23-5-1985 d for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follower persons, namely:—

(1) Shri Rameshwarlal
S/o. Shri Nathmalji Ghas Cutlla
R/o. New Bazar,
Aimer.

(Transferor)

(2) Shri Aidas, S/o. Shri Deepchand, R/o. Sardarpura Road, Jodhpur & Shri Gurumukhdas S/o. Shri Ramchandra, Madargate, Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 43-44, situated at Parwatpura Industrial Area, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S R Ajmer, vide registered No. 1369 dated 23-5-1985.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-1-1986

## NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ret. No. Raj./IAC/(Acq.)/2656.--Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 6 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ollice of the Registering Officer at Jodhpur on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely —

Shri Jaswant Singh
 S/o Shri Amar Singh Rajput
 R/o Residency Road
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Gautam Raj Bhansali S/o Shri Sohan Lal Bhansali R/o 6-Zalim Vilas, Paota B-Road, Jodhpur,

(Transferor,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovably property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein ca are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6 situated at Zalim Vilas, Paota B-Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 1561 dated 1-5-1985.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date: 10-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Amar Singh Rajput R/o Resideny Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Puspa Bhansali W/o Shri Gautham Raj Bhansali R/o 6, Zalim Vilas, Paota B-Road, Jodhpur.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSINEOR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No. Raj./IAC/(Acq.)/2657.—Whereas, I.

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing No. Plot No. 6 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propera may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6 situated at Zalim Vilas, Paota B-Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 1560 dated 1-5-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Date: 10-1-1986

#### FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Surpat Singh, Rajender Kumar, Karnawat 372, Appurchitpur Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri V. P. Sharma S.B.B.J. Bikaner.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th January 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2658.--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 f- and bearing No.

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
K. No. 14, 15 situated at Bikaner
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bikaner on 23-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaki exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /ur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee & the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- of any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (a) by any of the aforesaid persons within a
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Q. No. 14, 13 Near Sohan Kothi, Bikaner and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bikaner, vide registration No. 414 dated 23-5-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

Date: 10-1-1986

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (2) M/s. Besto Clutches and Spares, 44 Manoj Industrial Estate Wadala, Bombay, through their partner Sh. Amardeep Singh HUF. S/o S. Kulwant Singh. Chandigarh,

(Transferos)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. CHD/46/85-86.—Whereas. I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing House No. 151 situated at Sector 11-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Sh. Ram Mohan Roy S/o Sh. Maharaj Kishore R/o House No. 151,

Sector 11-A, Chandigarh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 151, Sector 11-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 249 of May, 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1986

Ref. No. CHD/39/85-86.—Whereas, 1, 10GINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

1/5th share of H. No. 1666 situated at Sector 7-C, Chandi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforerald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhag Kaur W/o late S. Karam Singh R/o H. No. 3309, Sector 40-D, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri S. Sarmukh Singh S/o S. Hazare Singh R/o H. No. 1584, Sector 18-D, Chandigarh.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1.75th share of H. No. 1666, Sector 7-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 224 of May, 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhlana

Date : 10-1-1986

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. CHD/38/85-86.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

H. No. 320 situated at Sector 21-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Raj Rani Bhalla W/o Sh. Brij Bhushan Bhalla Sh. Narinder Kumar Bhalla S/o Sh. Brij Bhushan Bhalla R/o H. No. 320, Sector 21-A. Chandigarh,

(Transferor)

(2) Shri Harpal Singh Chhabia S/o Sh. Sahib Singh Chhabra and Smt. Raj Rani W/o Sh. Harpal Singh Chhabra Sh. Gurdeep Singh Chhabra S/o Sh. Harpal Singh Chhabra all R/o H No 320, Sector 21-A. Chandigarh,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 320, Sector 21-A, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 223 of May, 1985 of the Registering Authority Chandigath).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-1-1986.

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. CHD/36/85-86.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax \cl., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 600/- and bearing No. Plot No. 204 (Half share) situated at Sector 29D Chandi-

garh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1985

Chandigari in 1913, 1903 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ireasier with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: uad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

88---446GI /85

- (1) Shui Hurdey Singh S/o Sini Man Singh R/o Mandi Gobinda Disit. Path la.
- (2) Shri Balkar Singh S/o S. Mobin Singh R/o Mandi Gobindgub. Distt. Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of purious form of this notice in the Official Gazette or a ten of 30 days from the service of notice on the service persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the and animovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Office Coverts.

Expression :—The terms and expression to herein as are defined in Chrystell 11 the said Act, shall have the second in the said the second in t in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1 share of Plot No. 204, Sector 29D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 214 of May, 1985 of the Registering Authority Condigath

> JOGINDER SINGH Competent Authori'v Inspecting Assistant Commission of Income tax Assistant Commission of Income tax - Cudhima

Date: 9-1-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITY, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No CHD/22/85-86,--Whereas, i. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act I, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000% and bearing No.

SCF site No. 30 situated at Motor Market and Comportial Complex Mani Majra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1985 for an engagent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

 Smt. Vijay Lakshmi Bhalla W/o Shri D. T. Bhalla through Lawful General Attorney Shri S. K. Dhingra S/o Shri Nirmal Dass R/o H. No 1256, Sector 37-B. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri N. S. Cheema and Shri J. S. Cheema S5/0 Shri I. S. Cheema R/0 H. No. 1534, Sector 34-D, Chandigarh,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressive used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCF site No. 30 Motor market and Commercial Complex, Manimajra U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 128 of May, 1985 of the Registering Authority Chandigarh),

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Da'e: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. KHR/7/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 86 Kanals 6 Maria situated at Vill. Sultangur Tel. Khore.

pur, Teh. Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in May, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of branaise with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Rupinder Kaur W/o Gurbirinder Singh Shri Gurbirinder Singh S/o S. Suchet Singh R/o 687, Sector 11-B, Chandiga, h.

(Transferor)

(2) M/s, United Farms, Vill. Sultanpur Teh. Kharar through partners Sh. Mohinder Singh R/o Bangalow No. 21/C2, Model Town, Mullan, Bombay-80.

(Transfilee)

Objections, it any,  $\omega$  the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 86 Kanals, 6 Marla at Vill. Sultanpur,

Tch. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 882 of Authority Kharar).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. KHR/45/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1945 situated at Phase V, Mohali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in May/August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) recritating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Ava, I have by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jagdish Singh Gill S/o Shri Labh Singh Superintending Engineer, Irrigation Department, Punjab R/o H. No. 1945, Phase V, Mohali, Teh. Kharar.

(Transferor)

(2) Shri Ranbir Singh Raina S/o Shri Kartar Singh Raina R/o 5, Prime Rose, Shimla-1. now at House No. 1945, Phase V, Mohali, Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1945, Phase V, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 2942 of August, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1986

Ref. No. RPR/1/85-86.--Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Land measuring 2 K 5 M 4 Sarsahi with structure at Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ropar in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Daljit & Co. Pvt. Ltd. Regd. Office Ropar Road, Kurali through Director S. Barinder Singh S/o S. Bachan Singh R/o V. Ranjit Pura P. O. Marauli, Morinda, Teh & Distt. Roop Nagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Mani Singh & Hardial Singh
Ss/o S. Jaswant Singh
R/o V. Majra Jattan,
Tchsil Balachaur,
Distt. Hoshlarpur.

(Transferce)

(3) 1. M/s. Royal India Hotel 2. M/s. India Insurance Company Roop Nagar.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatta or a poriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals, 5 Marlas, 4 Sarsahi with structure at Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 339 of May, 1985 of the Registering Authority, Ropar).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

JOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIL-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHLANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. LDH/188/85-86. -Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovuble property, having a fare market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. B-XX-1349, 1 (Oid) Portion B-XX-1809 (New) situated a Maharaj Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating one concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, as pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby although respectings for the acquisition of the aforesaid originary by the scale of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following representations. ing persons, namely:

(1) Shri. Des: Raj S/o Moti Ram R7o 10/48. P.A.U. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Nachhatar Singh S/o Chanan Singh Sh. Kuldip Singh Sh. Khidip Shigh S/o Nachhatar Singh Smt. Vidwant Kaur W/o Sh. Krishan Singh Sh. Manjit Singh S/o Sh. Krishan Singh C/o M/s, Sardar Cloth House Garali Road Jorhat (Assam).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XX-1349/1 (Old) and B-XX-1809 (New) Maharai Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed 2228 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1986

Ref. No. LDH/187/85-86.—Wherens, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B.XIX.1387 36C, situated at Kitchlew Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- S. Mohan Lingh S. o S. Assa Singh through G.P.A. Sh Natsing indegra S./o Sh. Kesar Dass, 81C, Kitchlew Nagar, Adhiana.
   Smt. Vijay Kanta w o Sh. Narsing Dhingra, 81C, Kitchlew Name, Indhiana

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the studentighed ; --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

#### THE SCHEDULF

H. No. B.XIX.1387/36C, Kitchlew Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the said deed No. 2212 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1986

Ref. No. LDH/151/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B.XXIII-104, situated at Indl. Area-A, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985 for the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Young-Man Hosiery Factory, 49, Industrial Area-A, Ludhiana through partners S/Sh. Ramesh Kumar Jagota, Ravi Kumar Jagota, Parveen Kumar Jagota ss/o Sh. Amar Nath Jagota resident of 143-144-H, Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/9. Rotex Dyers, Dyal Niwas, Bhadaur House, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made, in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory Building No. BXXIII. 104, Indl. Area-A, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1774 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiarn

Date: 10-1-1986

FORM ITNS -NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISTION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1986

Ref. No. LDH/215/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Portion of H No. B-VIII-219, situated at Mochpura Bazar.

Ludhiana

Ludhiana tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt Jaswart Paur w/o Sb. Vir Singh, Sb. Vir inch e Sh. Bam imgh, Soit. Peramjit Kaur w/o Sh. Kulwart Singh Sh. Desa Singh s/o Sh. Ganpat Rai r/o B-VIII-219 Mochputa Bazar, Ludhiana. (Transfero")

(2) S./Sh. Banarasi Days Geja Ranc ss/o Sh. Ram Gopal r o 219, Kucha No 5, Field Ganj,

Ludhiana, S. Sh. Kesho Ram, Parkash Chand ss/o Sh. Hans Raj rzo 494/9, Harpal Nagar, Ludhiana, 57/Sh. Ram Narain, Sua Ram, Ashok Kumar ss/o Sh. Nand Lal rzo 1835, Basti Abdulla Pur, Ludhiana

(Transferee)

(3) Sh. Ashok Kumar and Parkash Chand r/o H. No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H No. VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 3174 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--89---446GI/85

Date . 8-1-1986

\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1986

Ref. No. LDH/215A/85-86.—Whereas. I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Portion of H. No. B-VIII-219, situated at Mochpura Bazar,

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exteeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) tacilitating the concentrant of any income or any negrets or other assets which have not been or which or let to be disclosed by the transferre for the recomes of the fadian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Vir Singh, Sh. Vir Singh s o Sh. Ram Singh, Smt. Paramjit Kaur w/o Sh. Kulwant Singh. Sh. Desa Singh s/o Sh. Ganpat Rai r/o B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana.

  (Transferor)
- (2) S/Sh. Banarasi Dass, Geja Ram ss/o Sh. Ram Giopal r o 291, Kucha No. 5, Field Ganj, Ludhiana, S/Sh. Kesho Ram Parkash Chand ss/o Sh. Hans Raj r/o 494/9, Harpal Nagar, Ludhiana, S/Sh. Ram Narain, Sita Ram, Ashok Kumar r/o 1835, Basti Abdulla Pur, Ludhiana.

(3) Sh. Sita Ram r/o II. No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. VIII-219, Mochpura Bazar. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 3176 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I udhiana

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CQUISHION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. LDH/200/85-86.-Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 portion H. No. I-11, (M.C. No. B-20-1195 11) situated

at Sarbha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eventor or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, its respect of any income arising from the transfer; :::::::\/\r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Smt. Tarloachan Kaur w/o Gurdial Singh r/o Dugci Road Model Town, Ludhiana through Sh. Hari Kaishan s/o Attar Chand, Janta Nagar, Smt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Bharwan Bai w/o Sh. Ganda Ram r, o I-11, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Fution in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4 portion of H. No. I-II, Sarabha Nagar, Ludhiana. (M.C. No. B-20-1195/11). (The property as mentioned as the sale decdNo. 2321 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana

Date: 9-1-1986

## FORM ITNS- (1) Smt. Sushila Maini wd o

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (1) Smt. Sushila Maini wd/o Sh. Iqbal Narain, Vijay Laxmi, Narvada Neelam daughters and Aftab Rai, Kulbhushan Paris and Vinod sons of Sh. Iqbal Narain, R/o B.12.485, Jail Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Gurbax Singh S. o S. Kesar Singh, R<sub>1</sub>o B.12, 485, Jail Road, Ludhiana.

(Translence)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. LDH/186/85-86.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the limitovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. B.12.485 (Portion) situated at fail Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985

to an apparent consideration which is less them the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other and is which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said natinovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Pottion of House No. B.12.485, Iail Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2186 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 9-1-1986

See :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1986

Ref. No. LDH/206/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 460.C situated of

Plot No. 460-G, situated at

Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the sald instrument of Tallater with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising them the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the mail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dayal Singh S/o Shri Gurdit Singh Vill. Sunet, Teh. & Dist. Ludhiana through GPA, Shri Gurbaksh Singh S/o Shri Kishan Chand k/o B-8/713, Brown Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Dildar Singh S/o Late Mohan Singh R/o 2-B, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 460-G, Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2510 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1986

Ref. No. LDH/207/85-86.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing H. No. B-XIX-1387/36-C situated at

Kitchlu Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair murker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Vijay Dhingra W/o Shri Narsingh Dhingra R/o 36-C. Kitchlu Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Amritpal Singh S/o Shii Mehar Singh Smt. Gurjinder Kaur W/o Shri Amritpal Singh R/o 150-C, Kitchlu Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. B-XIX-1387/36-C, Kitchlu Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2550 of May, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1986

LUDHIANA

Ref. No. LDH/134/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000% and bearing No.
Land measuring 6 Kanals 151 Morla situated at
Village Dherj, Teh. Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Parkash Singh S/o !! I Cuem! Sogh R/o !!!. Obed ten. & Dista Ludhiana. (Transferor)

(2) Shri Amrit Dev Singh S/o Shir Aytar Singh W.Z. A-14 Mahk Park. New Della

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanals 15½ Marla at Vill. Dheri, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1501 of May, 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ORGANIC FAR ACT 198 (44) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1986

LUDHIANA

Ref. No. LDH/217/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and beating 4 share of SCF No. 40 situated at Bhadaur House, Ludhiana

I share of SCF No. 40 situated at Bhadaur House, Ludhtana (and more fully described in the schedule agreed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object on :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferound for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act or the Wealth an Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) Chi Pen Tabuga Jodé 570 an 1900 an R70 49,70, El and Nager, Unitiana

(Transferor)

(2) Mrs. Mehini (calwant w/o S. Kublip Singh Gnai S. Leady Caro Caro & Harmon Singh, Mary Caro & Laure A/o S. Rajinder Singh 1/o 290, August Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in willing to the undersigned:---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

I share of SCF No. 40, Bhadam House Ludhiana. (The property as north-med in the sale deed No. 2245 of May, 1985 of the Register of Sutborny Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Vegosition Range Ludhiana

Date: 9-1-1986

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. NI.G/2/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 5 bighas 4 biswas situated at V. Ihar Majri, Teh. Nalagarh (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalagarh in May, 1985

for an apparent consieration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 184/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

90-446GL/85

(1) S. Mohan Singh alar, 5, Man Singh S/o Shii Bhagwant Singh & Shri Dasondhi Ram S/o Shii Hari Singh R/o V. Khar Majrii Teh, Nalagarh, Distt. Solan.

(Transferor)

(2) M/s, D. D. Forgings Pvt, 1.td, V. Jhar Majra, Min Road, Barotiwala, Tehsil Nalagarh, Distt. Solan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sime Act, shall have the same meaning us gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas 4 biswas at V. Ihar Majri, Tch. Nalagarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 228 of May, 1985 of the Registering Authority, Nalagarh.)

IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiaoa

Date: 9-1-1986

(1) Smt. Paramijt Kaur w/o S Amarjit Singh. Vill Boparai Distt Ferozopiii.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Rajinderpal Singh s/o Shri Kartar Singh Shri Harmit Singh s/o Shri Labh Singh r/o Krishna Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1986

Ref. No. LDH/134A/85 86 - Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/3rd share of H. No. B-20-1355 situated at Tarf Karabara, Ludhiana

5492

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of conster with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immos able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share of H. No. B-20-1355, Türf Karabara Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1642 of May, 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely "--

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th January 1986

C. R. No. 62/Notice No. 131/85-86/ACQ/B.-Whereas, I R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and bearing

No. 130/136/120 situated at Panchavati Colony, Behind Main

Road, Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under Document No. 524/85-86 dated 29-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid to the consideration which is therefore the consideration therefore the constant of the property as aforesaid to the constant of said exceeds the apparent consideration therefor by than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

(1) Mr. R. Satyanarayana, S/o Mr. G. Ramachandrappa. Mahakavi Kalidasa Road, Shimoga.

(Transferor)

(2) Mr. H. A. Ranganath \$70 Mr. Anantharama Iyengar, 3rd Cross Road, Garden Area, Shimoga.

(Transferce)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable pripoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 524/85-86 Dated 29-5-1985] Land and Building bearing Municipal Khata No. 130/136-120 situated at Panchavati Colony, II Division, Behind Main Road, Shimoga.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1986

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th January 1986

Notice No 308/85-86.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding 185 to 0.000.

Plot No. 23, Sy. No. 7/1, situated at Doddapur Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registration officer at

1908) in the omee of the Regretering officer at Gulbarga, under document No. 544 dt. 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the moresaid property and I have reason to behave that the market value of the property as aforesaid exe ed. In apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Govindaji S/o Asu Saheb, C/o Deepak Kirana Stores. Brahampur, Gulbarga.

(Transferor)

(2) Shir Gopal Krishna S o Manjanna Kamar, C/o Kamat Hotel, Super Market, Gulbarga,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be roade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever paried expires later;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 544 Dated 8-5-1985]

Residential house situated at Plot No. 23 Sy. No. 7 1, situated at Daddapur Gulbarga, Mensuring ground floor Plinth—1550 Sq. ft. and first floor 169 Sq. ft.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date 7-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th January 1986

Notice No. 685/85-86.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000. - and bearing No.

Plot No. A situated at Comba Goa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Salcete under document No. 798/dt. 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the subnforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act, to the follow-ing persons namely: ing persons, namely

(1) Shri Picdade Julio Farnandes and his wife Smt. Olza Fernandes, r/o Combo, Morgoa,

(Transferor)

(2) M/s. Akar Constructions its partners Sri Pramed Dameder Botkar, Margao, Goa.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette date or

FixPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the said meaning as given in that I hapte.

#### THU SCHEDULL

[Registered Document No. 798 Dated 9-5-85] Land being plot No. A. situated at Comba Goa, admeasuring 389.18 Sq. mtrs.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date 1 7 1/1986 | Seal | 5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1986

C. R. No. 62/46674/85-86/ACQ/B.-Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 141/5, situated at V Cross, Rajamahal Vilas Extn.,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (A) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Lalitha Venkataraman, No. 5, V Cross, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vijay Kumar Narang, Smt. Necta Narang, No. 7, Padmavathiar Road, Jeypore Nagar. Madras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 442 85-86 Dated 9-5-85]

Property bearing No. 141/5, V Cross, Rajamahal Vilas Extn., Bangalore.

> R. BHARDWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Seal: ing persons, namely :-

Date: 3-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1986

R. No. 62/48053/85-86/ACQ/B.--Whereas, 1 R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

No. 198, situated at 32nd—B—Cross, VII Block, Jayanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 27-5-1985

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.--

(1) Shri K. T. Sundar Sampath Kumar Achar, No. 41/1, Out house, Model House Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mukesh P. Sanghvi,
2. Shri Sandeep P. Sanghvi,
3. Shri Deepak K. Sanghvi,
No. 61/66, Kamal, No. 69,
Walkeshwar Road, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Type watton - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 527/85-86 Dated 27-5-85] Property bearing No. 198, at 32nd—B—Cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-1-1986

#### FORM ITMS-

NOTICE! NDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (4° OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd January 1986

C. R. No. 62/47357/85-86 ACQ/B.--Whereas, I R. BHARDWAY,

being the Competent Authority

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 54, 55, situated at IV Cross, Malleswaram, B'lore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajajinagar on 17-5-1985.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value if the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of

va) facilitating the reduction or evanion of the mability of the transferer to pay tax under the said Act. to respect of any income arming from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any Income or any then aing the coheranness of any Income or any inchess or other ussess which have not been of the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) to the anid Act on the Acalib tax 3ct 1957 (27 of 1957); (1) Shri B. M. Stinivas, Naidu Street, Chickamangalur Town.

(Transferor)

(2) Shri B. P. Prasad, No. 6/01, Ranga Rao Road, Basawangudi, B'lore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 536:85-86 Dated 17-5-85]

Property bearing No. 54, 55, IV. Cross, Malleswaram, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

cone, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following региоле: инжеју : --

Date: 2,1-86

Spal :

الماد والمتارية المعين والمعايض ييا

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shei H. Vecrappa, No. 230/1, Narasaraja Road, Davangere-1. (Transferor)

(2) 1. Hiralal Daya Bhai Patel,
2. Shri Pochan Bhai Daya Bhai Patel,
Sri Ganesh Timber Traders,
No. 275/5, New Timber Yard Layout,
Mysore Road, B'lore.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BANGALORF-560 001

Bangalore, the 3rd January 1986

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

C. R. No. 62/47287/85-86/ACQ/B,—Whereas, 1 R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 10<sup>9</sup>, si2tuated at Railway line pipe line, B'lore
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and fac.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 528/85-86 Dated 27-5-85] Property bearing No. 1029, at Railway Line Pipe Line, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons

R. BHARDWAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalore

Date: 3-1-1986

Seal .

(1) of Section 269D of the samely: 91-446G1/85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Krishnavenamma & Others, No. 44, V Cross, Malleswaram, B'lore-3.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Narasimha Murthy, Partner:—M/s. Vidya Enterprises, No. 224, Subedarchatram Road, Sheshadripuram, B'lore-20.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1986

C. R. No. 62/47366/85-86/ACQ/B.- Whereas, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 44 (362), situated at V Cross, Malleswaram. B'lore-3

No. 44 (362), situated at V Cross, Malleswaram, B'lore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajajinagar on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the censideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in remoct of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 606/85-86 Dated 24-5-85] Property bearing No. 44 (362), at V Cross, Malleswaram, Blore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1986

C. R. No. 62/47214/85-86/ACQ/B,--Whereas, I R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acc') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Sy. 103/1, 103/6, 103/7, 103/2, 103/5, 103/3, 103/4 & 104, situated at Hebbate Village, Viraipet, Coorg (and prore fully described in the Schedule annexed hereto), being the Competent Authority under Section 269B of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ponnampet on 29-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (1) 1. Dr. L. Sivaraman, 2. Smt. S. V. Meenakshi Achi 3. Dr. S. Sitasubramanian,

  - 4. Mr. S. V. Veerappan, 5. Smt. S. V. Neyyammai,
  - 6. Mr. S. Ramaswamy Chettiar,
  - 7. Smt. R. M. Ranganayaki Achi, 8. Mr. R. M. Ramanathan, 9. R. Manickam, 10. R. Chintamani,

Natarajapuram, Ramanad District, now residing at Selvam Nagar, Tanjavur Dist.

(Transferor)

(2) 1. P. A. Anantharam

2. P. A. Nanda 3. P. A. Kumar—Margerry, Estate, Cheunayamkote Village, Virajpet Taluk, Kodager Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experce later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL. shall have the same meaning as given Ìπ that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 174/85-86 Dated 29-5-85] Property bearing Sy. Nos. 103/1 to 103/7 & 104 Situated at Hebbale Village, Virajpet Taluk, Coorg Dist.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 3-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri C. K. Swaminathan, No. 40, I Main, Jayalakshmipuram, Mysore.

(Transferor)

(2) Shrimati Subhadra Seshadri, No 1/2, Vikiam Baug, Baroda-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ")FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th January 1986

R. No. 62/47216/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 40, situated at I Main Road, I Block, Jayalakshmipuram,

Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mysore on 21-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1615/85-86 Dated 21-5-85] Property bearing No. 40 (portion), at 1 Main Road, Block, Jayalakshmipuram, Mysore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-1-86

A TOTAL PROPERTY.

#### FORM ITNS

(1) M/s. Arphi investments, 802, Raheja Chambers, 213, Nariman Point, Bombay-400021.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. V. Mohammed Sadiq, S/o W. Mohammed koya, 15/459, Pallikandy, Calicut-670 003.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th January 1986

C. R. No. 62/R-1663/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I BHARDWAT,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-2 on plot No. 2 Old No. 1, situated at Leonard Lane, Richmond Town, Bangalore-25 (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore Registration No. 1443/85-86 Dt. 31-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lane, Richmond Town, Civil Station, Bangalore-25.

Flat No B2 on Plot No. 2, Old No. 1 and Leonard Richmond Town, Civil Station, Bangalore-25.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 7-1-1986

Seak:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th January 1986

°C. R. No. 62/R-1664/37EF/85-86|ACQ|B.--Whereas, J. R. BHARDWAJ,

being the Competerst Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. A-11 situated at 84, J. C. Road, Bangalore

No. A-11 situated at 84, J. C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), h. 3s been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering officer at Bang alore under Registration No. 1444/85-86 Dt. 31-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believ. I that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than said that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not been truly stated in the said instrument of the fair market with the object of:—

- (a) facilitating t he reduction or evasion of the liability of the trans feror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the c oncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Manish Enterprise. 1-2, 1st floor, Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Zulaika H. Jaffar, No. 4, Museum Road, Bangalore-560001.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetle.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A shop premises measuring 538 Sq. ft. in Manish Tower, situated at No. 84 J. C. Road, Bangalore-2.

R. BHARDWA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuant te of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceed ings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore the 7th January 1986

Ref. No. CR. 62/R-1681/37EE 85-86|ACQ|B—Whereus, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 'B' situated at 34 (4/12) Crescent Road,

Bangalore-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1446/85-86 dated 31-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mts. Usha Bheemasena, W/o Mr. U. R. Bheemasena, No. 57., 1st floor, 6th Main Road, Upper Palace Orchards, Bangalore-560080.

(Transferor)

(1) Mr. K. C. Ponnappa, Gokul 46 Bishops Garden, Rajannamulajpuram Madray-600028.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered document No. 1446/85-86 dated 31-5-85). Flat No. 'B' in Usha Kiran Apartments on No. 34(4/12) Crescent Road, High Grounds Bangalore-560001.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :7-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D (4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Fypress Builders (P) 1 (d. 47, Richmond Road, Bangalore.

(1) Mr. Aditya Agarwalla,

(Transferor)

(2) Mr. Aditya Agarwalla,99F, Block 'F'.New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore the 7th January 1986

C. R. No. 62/R-1683/37EE/85-86[ACQ]B.—Wherens, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 105, situated at 47 Richmond Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Bangalore under Registration No. 1448/85-86 on 31-5-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to vay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section

(1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1448/85-86 dated 31-5-85). Flat No. 105 on the 1st floor of Express Apartment at 47 Richmond Road, Bangalore with Garage in the Basement.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dote :7-1-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 7th January 1986

C. R. No. 62/R-1692/37PE/85-86|ACQ|B.--Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Apartment No. 1' situated at Palmgrove Road, Aushin Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1451/85-86 on 31-5-1985

31-5-198

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resuon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
92—416GI/85

M/s. Southern Investments.
 Montieth Road, Egmore Madras-600 008.
 Mr. Mathew Chandy
 Mr. Jacob Chandy and
 Mr. S. C. Balan All residing at
 No. 45 Palace Road
 Bangalore-1.

(2) Mr. M. S. Patil, 'Prasbant' Narayanpur., Dharwad-580006.

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1451/85-86 ated 31-5-1985) Appartment No. I on the Ground floor 'Palmtree Place' situated at No. 23 Palmgrove Road, AustinTown,Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dute :7-1-1986 Scal :

Mr. Rajendra B. Navgharam No. 443 Rajmahal Vilas Extn. Bangalore-560080.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. C. Vardya Trustee Deepak Vardya Trust. C/o All Silk., No. 10-Cavalry Road, Bangalore-560042.

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 7th January 1986

C.R. No. 62/ R. BHARDWAJ, 62/R-1700/37EE/85-86 ACQ B.—Whereas,

k. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Space No. 4911, situated at High Point-IV, 45 Palace Road, Bangalore.

Road, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1454/85-86 dt. 31-5-85 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No 1454/85-86 dated 31-5-1985) Office space No. 4911, 95 floor High Point IV, 45, Palace Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the reoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Alfrad Antony Continho, Coutinho Lodge, Boloor, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Y. Narayana Karanth, South India Auto Service Azizuddin Road, Bunder, Mangalore-575001.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 7th January 1986

C.R. No. 62/R-1704/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. G-4 situated at Kadri Village Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Bangalore under Registration No. 1464/85-86 dt. 31-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

(Registered document No. 1464/85-86 dated 31-5-85) Apartment No. G-4 on the ground floor to be constructed on land situated at R, S. No. 62/10B and 62/3A of Kadri Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rauge, Bangalore

Date: 7-1-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore the 7th January 1986

Ref. No. 62/R-1712/37EE/85-86[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Hat No. B' situated at 4/12 Crescent Road, Bangalore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1460/85-86 dt. 27-5-85. Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrution of transfer with the object of:—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or naty moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Mrs. Usha Bheemasena,
 J floor, Upper Palace orchards.
 Main Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Star Oxide & Chemicals (P) Ltd. 701-B Poonam Chambers, Dr. Annie Besant Road, Bombay-400018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in thater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1460/85-86 dated 27-4-85).

Flat No. 'B' I floor Usha Kiran Apartments, 4/12 Crescent Road. High Grounds, Bangalore-560001.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dute: 7-1-1986 Seal:

#### FORM LT.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGI BANGALORE-560001

Bangalore, the 7th January 1986

C.R. No. 62/R-1713/37FE/85-86/ACQ[R.--Whereas, I, R. BHARDWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, situated at 47 krehmond Road, Bangalore

Flat No. 103, situated at 47 Richmond Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Office.

1908) in the Office of the Registering Officer at Bangaloue under Registration No. 1461/85-86 dt. 27-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated as agreed to between the partis has not been truly stated as afreed in familiar of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Exp.css Builders (P) Ltd. 47, Richmond Road, Bangalore-560025.

(Transferor)

(2) Mr. K. M. Shanbhogue, 244 R Main 7th Block, Jayanagar Bangalore-82.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the nervice of notice on the respective persons whenever period exp.res later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAGATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1461; 85-86 dated 27-5-85) Flat No. 103 in Express Apartments situated at No. 47 Richmond Road, Bangalore-25,

R. BHARDWAJ

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1986

Seal

#### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 7th January 1986

No. 62/R-1730/37EE 85-86 ACQ B. Whereas, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Apartment or 3054 situated at 45, Palace Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1463/85-86 dated 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Mr. Shyam Wadhwa and Mr. Ram S. Wadhwa, No. II, I Cross, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Prasad, No. 17 Basin Bridge Road, Madras-600072.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sun Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1463/85-86

Dated 24-5-851

Apartment No. 3054, V floor, High Point-III, 45, Palace Road, Bangalore-1.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1986. Seal:

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bangalore, the 7th January 1986

C. R. No. 62/R. 1731/37EE|85-86|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 403, situated at 18, M. G. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1464A/85-86 dated

Bangalore under Registration No. 1464A/85-86 dated 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any momens or other assets which have not need of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Proposetax Act. 1922 (11 of 1932) or the sak! Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Mr. H. R. J. Saldanha. No. 403 'A' Block Somarset Apartments 18, M.G. Road, Bangalore-56001.

(Transferor)

(2) Mr. N. S. Narayana Rao, No. 1650, Northern Extension, Hassan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1464A/85-86 Dated 24-5-85]

Flat No. 403 4th floor, 'A' Block, Somarset Apartments, 18 M.G. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1986. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th December 1985

Notice No. 1148/8586,--Where is I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 1-B Plot No. 21 situated at Bairidevarakoppa Village Hubli Tal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under decrease No. 500 dt. 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ian Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this name under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

111 30 50 5 oli w o Rajanasa Chawan, Come a felic evacular On; Bubl.

(Transferor)

(2) Stree Amatherica Ramakrishna, Kabadi, Arad Road, Hubli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 500 Dated 9-5-1985].

This is a Non agricultural land measuring 5 Gunthas and 71 Annas Sitrato f at Bairidevarakoppa Village Tal. Hubli.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date 13-12-1985

·\_<del>\_\_\_\_\_</del>

#### FORM ITNS

(1) Edathadan Kandunny Viswambaran and Smt. Latika Viswambaran, 6th r/o Merces Ilhas Goa.

(Transferor)

(2) Sripad V. Borkas alias Subhas V. Borkas office Akai Constructions Alankar Building, P.O. Box No. 18, Marsaw, Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th December 1985

Notice No. 1149/85-86,—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 83/2 situated at Murda Village, Merces, I'has

Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Goa under document No. 340/dt. 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than them per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ta respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act., 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 93-446GI/85

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period α' 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 340 dated 27-5-1985]

Open plot measuring 798 Sq. metres situated at Merces. Ilhas Goa, Property called "CUNHA or CARMICHEM BATTA."

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 **MADRAS** 

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 60/May 85,---Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 5. 1.00,000/- and bearing

Theruvakkulan Village, Chidambaram Taluk si uated at Chidambaram

Chidambaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram/Doc. No. 836/85 in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tran instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri V. Subarnavenkadesa Deekshidar, S/o Sh. Valdylinga Deekshidar, 101, East St.. Chidambaram,

(Transferor)

(2) Annamalai University, By Registrar AR. L. Lakshmanan Chettiar, S/o Sri Arunachalam Chettiar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested ha the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Thiruvakkulam Village, Chidambaram, Chidambaram/Doc. No. 836/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 9/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME

#### **ACQUISITION RANGE-11** MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 72/May 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Gaspa Dharapuram situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram/Doc. No. 1270/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

 Smt. Padmavathi
 W/o Late Sh. C. P. Hanumantha Rao,
 Door No. 11A, Dalavai Pattanam Road, Darapuram.

(Transferor)

(2) Sri K. Viswanathan, S/o Sh. Vanchiappa Gounder, Sarvodaya Sangam, Financier. Akkarainalayam. Mampadi village, Dharapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Gaspa Dharapuram Town, Property as specified in schedule to Doc. No. 1270/85.

Dharapuram/Doc. No. 1270/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 9/1/1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 75/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kangoyam situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kangoyam/Doc. No. 749/85 in May. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any whoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sondilkumar, Sivakumar By mother and guardian Smt. Dhanalakshmi, K. P. C. Nagar, Vellakoli Town, Kangoyam.

(Transferor)

(2) Sri V. S. Chinnasamy and another, Kosappalayam, Velampoondy Village, Dharapuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Property as specified in schedule to Doc. No. 749/85.

Kangoyam/Doc. No. 749 85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras

Date: 9/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 81/May 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the said Act, have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Nogamum, Pollachi situated at Thiruppur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1903 (15 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Negamum/Doc, No. 408/85 in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforeaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforeaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fiftene per cent of such apparent consideration an that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Karamjee S/o Sri Abjeesamjee Patel, Sml. D. Savitha W/o Sri Dasarath, Palladam Road, Negamum.

(Transferor)

(2) Sri A. K. Rangasamy Naidu, and his sons R. Krishnasamy, R. Venkatapathi, Sri R. Chinnaduray, 14, Valliammal Lay out, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Big Nogamum village, Pollachi, Nogamum, Thiruppur.

Negamum/Doc. No. 408/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras

Date: 9/1/1986

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1964)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 84/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Singanallur village, Natham Survey situated at No. 332/1C

1A IA Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur/Doc. No. 1068/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. R. Neela alias Meenakshi W/o Sri T. P. S. Mani, 16, North St., Agraharam, Singanallur, Coimabtore,

(Transferor)

(2) Sri T. Ramakrishnan S/o Sri K. Vikramanarayana Iyer, 14, II st. Agraharam, Singanallur, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Survey No. 332/1C 1A 1A, Natham, Singanallur, Coimbatore. Singanallur/Doc. No. 1068/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9/1/1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 97/May 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Gaspa Coimbatore Town situated at Ward 11, Ponnae gouned Road, Coimbatore T. S. No. 9'3/1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Coimbatore/Doc. No. 1927/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than liften pay core of such apparent consideration and that than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri G. Narayanasami Naidu 5/o Sri Govindasami Naidu, 1 30. Thirumalaisamy et 1 30. Thirumalaisamy st., New Chithapudur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri A. Somasundaram S/o Sri K. Alagirisamu Acharyar, Alagarnivas, 13, Ramasamy Iyengar Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: 11, Ponnaegounder Road, Easwaran Chettiar Lay out, Site No. 3, T. S. No. 9/3/1, Gaspa Coimbatore.

Coimbatore/Doc. No. 1927/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 9/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 102/May 85,—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
No. 4, Sanganoor Village, Tatabad situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhipuram/Doc, No. 2079/85 in May, 1985
tor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent
consideration
said that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I breby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Susila Gopinath
 W. o Sri P. R. Gopinathan Nair,
 14/17, Tatabad,
 No. 4 St.,
 Coimbatore-12,

(Transferor)

(2) Sri D. Anand Kumar, Sri D. Prabhu son of Sri V. Duraisamy, 69, Raveendranath Lay out, Puduchithapudur, Coimbatore-44,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used action as are deflued in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Sanganoor village, T. S. No. 11/278 TATABAD, No. 4, st., Site No. 346, Coimbatore Taluk.

Gandhipuram/Doc. No. 2079/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras

Date: 9/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II **MADRAS**

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 110/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Ward 5, T. S. 282, Thazhiyur Theru situated at Koorainadu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of

has been transferred under the registration.

1908 in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai/Doc. No. 423 85 in May, 1985

than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcre-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: endlor

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--94-446GI/85

(1) Sri SM. RM. MR. Murugappa Chettiar. (FIRM), 37, Thazhiyur Salaya theru, Mayiladuthurai.

(Transferor)

(2) Sri M. Kakoorchand Jain, S/o Sri Makraj Jain, 113, Theri North St., Sirkali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquiisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Ward No. 5, T. S. 282, Thazhiyur St., Koorainadu.

Mayiladuthurai/Doc. No. 423/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 9/1/1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. N. Jayaraman, 36, 4th Main Road, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferor)

(2) Indian Bank, 31, Rajaji Salai, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 119/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 25, Luz Church Road, Mylapore, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 618/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than acceptable accepts the apparent consideration therefor by more than the fair market value apparent consideration therefor by more than the fair market value and the the said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 25, Luz chruch Road, Madras-4. Mylapore/Doc. No. 618/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 9/1/1986

#### FORM ITNS

 Smt. N. A. Bhaskaravalli, W/o Sri N. S. Arunachala Mudaliar, 2851, Arulananda Nagar, Thanjayur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th January 1986

Ref. No. 234 May 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6th ward, 68th Block T. S. No. 2851 situated at Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanjavur/Doc. No. 1073/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. Sivanamma W/o Sri Kadirvel Muniathiriar, Gopalasamudram, Mannargudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 6th ward, 68th Block, T. S. No. 2851, Thanjavur. Thanjavur/Doc. No. 1073/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date: 9/1/1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 10th January 1986

Rcf. No. 169/May 85 .-- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 55./2, Parthasarathi Pottai, situated at Vollala Toynampot, Madras-86 (and more fully described in the Schedula unpayed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Madras Central/Doc. No. 448/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

r. facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Rainely :--

(1) Sri R. Gnanamani. 5/o Sri V. Balasundara Mudaliar, 55 2, Parthasarathipottai St., Vollala Teynampot, Madras-86.

(Transferor)

(2) Mr. M. A. Mohammed Basheer, S/o Sri Mohammed Abdulla, 66, Kamala St., Koothanallur, Thanjavur dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 55/2, Parthasarathipettai st., Vollala Toynampet, Madras-86.

Madras Central/Doc. No. 448 85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 10/1/1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Sri DRPA. Venkatramachettiar and others, Kumarapalayam Vattam, Thiruchenkodu vattam, Salem District.

(Transferor)

(2) Sri Ponnusamy, and his sons, Sri P. P. Nachimuthu, and his son Sri P. N. Jothimani, Perundalaiyur Village, GOPI.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **MADRAS**

Madras-600 006, the 10th January 1986

Ref. No. 219/May 85.-Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B the income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- a

and bearing No.

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Land at Perundalaiyur situated at Perundalaiyur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has beer transterred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
1.A.C., Acqn. Range, Pune in July 1985
at Kavanthampadi/Doc. No. 472 85 in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. mad/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agricultural land at Perundalaiyur village, S. No. 256/2 and 271/1. Kavanthampadi/Doc. No. 472/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :-

Date: 10/1/1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 38/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Bldg. No. 4, Thiruvenkotachari situated at St., Venkatapuram, Ambattur, Madras-53. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambattur/Doc. No. 2115/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Impome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri K. V. Venugopalan, No. 7, Singarachari Street, Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) A. Chandran, S/o Arunachala Iyer, Plot No. 4, T. V. Chari St., Venkatapuram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovals preparty, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaptet.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: No. 4, Thiruvenkatachari St., Venkatapuram, Ambattur, Madras-53.

Ambattur/Doc. No. 2115/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-1-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 77/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2698 of the

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gaspa Udumalai Town, Srinivasa situated at Naicker St., Udumalai, Thiruppur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet/Doc. No. 1011/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1' of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri A. Gopal, S/o Sri K. Arunachalam chettiar, 48-C, Gandhinogar, Udumalai.

(Transferor)

(2) Sri B. Devadoss, S/o Ponnadar, 202, Palani Road, Udumalai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Srinivasa Naicker St., Gaspa Udumalai Town, Udumalai, Thiruppur.

Udumalret/Doc. No. 1011/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 8-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 95/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov able property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Oppanakara St., Melpuram, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1895/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri R. Samarao,
 S/o Ramachandra Rao and 6 others,
 Kalidas St.,
 Ramnagar, Coimbatore,

(Transferor)

(2) M/s. Pasi Enterprises, By Partner, Smt. M. Lakshmi, W/o K. R. S. Mani and S/o K. R. S. Mani, (M. Pravin Kumar and M. Balaji (Minor), all residing at 665 B. B. St., Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Oppanakara St., Coimbatore Town. Coimbatore/Doc. No. 1895/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Madra-600 006

Date: 7-1-86

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Rcf. No. 98/May 85.— Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,600/- and bearing

Property as specified in schedule to doc. No. 2206/85. Kumarapalayam, Coimbatore. T. S. No. 71/118/1. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2206/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to Selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the asid Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, no nely:—
95—446GI/85

(1) Sri C. K. Sivasubramaniam, S/p Krishna Iyer, 31/29, P. R. Puram, Coimbatore,

(Transferor)

(2) Sri P. Palamsamy, S/o Palanigounder, 16/47, Kannagi Theatre Road. Coimbutore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and and Building: Kumarapalayam, T S No 71/118/1. Combatore.

Coimbatore Doc. No. 2206/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U Madras-600 006

Date: 8-1-86

 Smt. V. Bagyalakshmi, W/o R, Vengatrama Chettinr, D. No. 74, Telungu Brahmin's St., Coimbatore Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Kurinjinathan, S/o Subramaniam, Easwaran alias Rajeshwari, W/o Kurinjinathan, Govindasamy Naidu Lay out, Ashok Nagar, Coimbatore,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madres, the 8th January 1986

Ref. No. 100/May 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No.

Property at Coimbatore situated at Savithri Nagar, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc, No. 1975/85 in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly existed in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor so pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conseculment of any uncome it and moneys or other assets which have not been ter which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Nek T. S. No. 3/535/2, 536/2 and 546, Savithri Nagar, Coimbatore.
Coimbatore/Doc. No. 1975/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11 Madras-600 006

Date : 8-1-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Rcf. No. 103/May 85.—Whereas, 1.
MRS. M. SAMUEL, being the (ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs, 1,00,000/- and bearing No. Sanganu Village—278/2, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annead herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhipuram/Doc. 2026/85 in May. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been iruly stated in the said instrument of of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evances of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the trail Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of ros and Act, with following persons, namely:

(1) Sri R. Dhamodaran Son of P. Ramachandra Cbettiar, 109, K. S. Ramasamy St., K. K. Pudur, Coimbatore-38.

(Transferor)

 Smt. M. Sivagamy, W/o M. S. Muthu Karuppan, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Land and Building: Sanganur village, 278/2, Coimbatore. Gandhipuram/Doc. No. 2026/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IL
Madras-600 006

Date + 8 1-86 Seal +

### NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madros, the 8th January 1986

Ref. No. 104/May 85.--Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing

Site No. 6. Ganapathy village situated at Nachmuthe Nagar Lay out—Coimbatore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhiputam/Doc. No. 2073/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /ct

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri P. Gangadharan, S/o A. Narayana Nair. 8-A. Kumarasamy Gounder St., Sankarnagar. Coimbatore

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Ashok. W/o Ashok, 166, Tatabad, Raju Naidu Road, Coimbatore-12,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Site No. 6, Nachimuthu Nagar Lay out, Coimbatore, Ganapathy Village 264/2.
Gandhipuram/Doc. No. 2078/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 8-1-86

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 105/May 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isomovable property, having a fair mark Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 5, 1, S. No. 282, Thalaiyur market value exceeding

situated at Koorainadu.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (to of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai/Doc, No. 423/85 in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to softween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirities of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri SM. RM. MR. Murugappa (Firm) Thazhiyur Saliatheru, Mayiladuthurai.

(Transferor)

(2) Sri Shanthilal Surana, S/o Udayaraj Surana, 2/157, Main Road, Kollidam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 lays from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 282, Ward No. 5, Thalaryur. Koominadu. Mayiladuthurai/Doc. No. 423/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-1-86 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**UOVERNMENT OF INDIA** 

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 106/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing T. S. No. 282, Ward No. 5 : Thalaiyur St.,

situated at Koorainadu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai/Doc. No. 423/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are consideration therefor by more than officers are consideration and that than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitary of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri SM. RM, MR. Murugappa Chettiar, Firm 37, Thaniyur Salia St., Mayiladuthurai.

(Transferor)

(2) Sri Ramanuja Naidu, S/o Rajagoral Naidu, 59, Konda Reddy St., Koorainadu, Mayiladuthurai,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 282, Ward No. 5, Koorainadu, Thalaiyur St. Mayiladuthurai, May.laduthurai/Doc. No. 423/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-meetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dute 8-1-86

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPL-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006.

SIONER OF INCOME-TAX

Madras the 8th January 1986

Ref. No. 108/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the incompetable property between foir markets relieve according to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property as specified in schedule to Doc. No. 423/85 situated at Koorainadu, Thaniyur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai, Doc. No. 423/85 in May. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri S. M. R. M. R. Murugappa Chettiar, 37, Thaniyur Saliatheru, Koorainadu.

(Transferor)

(2) Smt. Kirandevi, W/o G. Pukhraj Jain, 25, Railway Road, Sirkali,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

Exp. ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter, .

## THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 282, Ward No. 5, Thaniyur Salaitheru, Koorainadu.

Mayiladuthurai /423 /85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-1-86

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 109/May 85...-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

T. S. No 282/Ward No. 5, situated at Kooraindau, Thansyur St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai/Doc. No. 423/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section \*59D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri S. M. R. M. R. Murugappa Chettiar, No. 37, Thaniyur Saliathern, Mayiladuthurai

(Transferor)

(2) Sri P. Kachrulal Jain, S/o Parasmal Jain, 32. Railway Road, Kollidam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 282/Ward No. 5, Thaniyur Saliatheru, Koorainadu. Mayiladuthurai/Doc. No. 423/85,

> MRS. M. SAMUEJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-1-86

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Rcf. No. 140/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1, Wallers Lane, Mount Road,

situated at Madras-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 417/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid or the property as aforesaid many in the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :------

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---96-446GI/85

(1) Sri Matajee Builders, 55, Godown St., Madras-600 001.

(Transferor)

(2) Master N. Vinod, 6. Montieth Lane. Egmore, Madras-8.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 1, Wallers Lanc, Mount Road, Madras-2.
Triplicane/Doc. No. 417/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Date: 8-1-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

SIONER OF INCOME-TAX

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 152/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
R. S. No 154, Thiruvanniyur village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) Sci B. S. Nathamuni, E-26, Basant Nagar, Madras-90.

(Transferor)

(2) Sri V. Sivakumar, 21, V. K. Iyer Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site at R. S. No. 154, Thiruvanmiyur, Madras, Madras South/Doc. No. 1417/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U Madras-600 006

Date: 8-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TÁX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006,

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 205/May 85.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Premises No. 21, Part of Plot No. 8
situated at R. S. No. 64, Oorur village (L. B. Road) Saign-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1132/85 on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Inconne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :~

(1) Sri D. Dayalam, 21, L. B. Road, Adyar, Madras-20.

(2) Mrs. Prakash Devi, 93, L. B. Road, Advar. Madras-20.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building : No. 21, L. B. Road, Adyar, Madras-20.

Adayar/Doc. No. 1132/85.

MRS. M. SAMULI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Madras-600 006

Date: 8-1 86

Acres to the sections

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF IMPLA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 220/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Anniankuppam Commune, situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry/Doc. No. 1215/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Manikkavalli, W/o Pakkiri, 2/53, Veeram Pattanam St., Kakkayanthoppu, Pondicherry-7.

(Transferor)

(2) Sri C. Natesan chettiar, S/o Chinmaya Chettiar, 117, Easwaran Dharmaraja Koil St., Pondicherry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: R. S. No. 1/2/Dry land C. No. 1, Anniankuppam commune Panchayat, Pondicherry, Pondicherry Doc. No. 1215/85.

MRS. M. SAMUIL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11 Madras-600 006

Date : 8-1-86 Seal :

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 233/May 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
6th ward, Block No. 68, T. S. No. 2851,
situated at Tanjore town.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thanjavur/Doc. No. 859/85 in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, is
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. N. A. Bhaskaravalli, W/o N. S. Arunachala Mudeliar, 2851, Arulananda Nagar, Taniore,

(Transferor)

(2) Smt. K. Chinnamma, W/o Kadirvel, Muniathiriar North St., Gopalasamudram, Mannargudi Taluk.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saut Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land: At block No. 68, T. S. No. 2851, 6th ward, Tanjore town.

Thanjavur/Doc. No. 859/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-17 Madras-600 006

Date: 8-1-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 239/May 85.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1/61) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No..

Property at Aval Poondurai Village, situated at Frede

Property at Aval Poondural Village, situated at Erode.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Enode/Doc. No. 2204/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the name and consideration therefor by more than said exceeds the apporant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or char assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs. Umaval Achi W/o Sri Vinaitheer han Chettiar, and their sons V. Subbian, V. Venkadachalam and other 54, Brup Road, Erode.

(Transferor)

(1) Sti Vadivel, Palanisamy and others. S/o Sri Chenniappa Gounder, Karumpuliyam Palayam, Attavanai Anuman Palli Village, Erode Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Aval Poondurai Village, Erode Taluk, Erode/Doc. No. 2204/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 000

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons oxidely be-

Date: 8-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Umayal Achi, W/o Vinaltheerthan, Sobb an, Ventystochalam and others, 54. Brup Road, Frode

(Transferor)

(2) Sir Venhatachalnebunder, E/o P.Janivel, Vedappatty, Vedapatty village, Udamaloipettai.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 240/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Avalgeondurai village

stuated at Erode Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 483/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the indecargued

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person int-rested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

RAPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land: Avalpoondurai village, Prode Taluk.

Erode: Doc. No. 483/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Mudras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 242/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred 10 as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

12th Ward, T. S. No. 275/2, Ward No. A, situated at Block No. 16, Door No. 73. Akilmedu veedhi. Erode.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 485/85 in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 Smt. T. Renugadevi, W/o Late Dr. N. Thiruncelakandan, and Minor son Arooran, Mangalagowri, by Mother and guardian, T. Renugadevi, Vellakoil Muthur Road, Kangayam Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Senthil Finance, Managing Partner, Angappa Mudaliar's son Sri M. A. Velusamy, 2/62, Mamarappatty, Mallasamudram, 1A, Thiagikal St., Trichengodu Vattam, Mallasamudram, Salem,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 12th ward, Old T. S. No. 275/2, Lay out Door No. 73, New T. S. No. 11, Erode. Erode/Doc. No. 2299/85.

MRS. M. SAMUEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-!! Madras-600 006

Date : 8-1-86

Scal:

(1) M/s. United Insurance Co., Ltd., Subsidiary of General Insurance.

(2) Shri K. S. Kamalkannan, Executive Director of

> Trichi Road. Dindigul.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 2/MAY. 85/MDU.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 57, in T.S. No. 1960/1 & 1961/1B, situated at 3rd Colony, Anno Nagar, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Offlice of the Registering Officer at JSR I, Dindigul in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—97-446°GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

M/s Nagalapuram Flour Mills (P) Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building in Plot No. 57, 3rd Colony, Anna Nagar, Dindigul.

(Doct. No. 731/85).

Mrs. M. SAMUPL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

LORM LINS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 14/MAY/85/MDU.—Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovtible property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 12. Trichi Town, New Ward, situated at Trichi Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II, Trichi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby untiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Jaganathan, s/o Shri R. Krishna Iyengar, and other,
 5th Cross, Ramalinga Nagar, Uraiyur.

(Transferor)

Shri K. Subramaniam and others,
 Larnar Road,
 Trichi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 12. Trichi Town, Trichi. (Doc. No. 2589/85).

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADURAI

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 16/MAY/85/MDU,—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 112/3, K. Abhisegapuram situated at Trichirapalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR II, Trichi in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Joseph Jayapal, Edavadu Mr. Jayaram, s/o Shri Manickam, No. 51-B, Yanaikatti Ground, Beem Nagar, Trichi.

(Transferor)

 Shri S. P. Muthuramalingam, s/o Shri Subbiah Pillat, No. 51B/5, Alam Street, Khajapettai, Trichi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land annd building in T.S. No. 112/3, K. Abhisegapuram, Trichi. (Doct. No. 599/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF PODIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 17/MAY/85/MDU.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32, K. Block in T.S. No. 48. situated at K. Abhisegapuram. Trichi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Trichi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferne for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. Venkatasubramaniam, s/o late E. V. Radhakrishna Iyer, No. 182, 11th Cross, Ponnagar Colony, Trichi.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Ranganathan, s/o Shri A. P. Ramalingam Chettiar, 11-B. Anaikatti Ground, Contonment, Trichi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building in Block 32, Ward K, K. Abisegapuram Trichi.
(Doct. No. 600/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Madurai (1/c)

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 19/MAY/85/MDU.—Whereas, I Mrs M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Door No. 13, Gokale Hall St., situated at Sivaganga

Door No. 13, Gokale Hall St., situated at Sivaganga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Sivaganga on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Ragagopalan and others, Thirupathur Road, Devakottai.

(Transferor)

(2) Shri K. Veerappan, President, Sivaganga Silk Farmers Co-op. Society, Sivaganga.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land ad building at Sivaganga. (Doct. No. 817/85).

MRS, M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

Seal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 8th January 1986

Ref. No. 26/May/85/MDU.—Whereas, I,

Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing No.

Survey No. 912/1A, situated at Musiri village, Tiruchi D.

(and mor fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Musiri DOC. No. 1056/85 on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Atunachalam Pillai, s/o Karuppa Pillai, Thuraiyur, Tiruchi Dt.

(Transferor)

(2) A. Basheera lqbal, B-90, Anna Nagar, Tiruchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 92/1-A, Musici Village, Tiruchi. SRO: Musiri. DOC. No. 1056/85.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Madural-2

Date: 8-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. S. Sajini, w/o B. Sabi Mohamad, 3. Nannaeba Sahib St., Dindigul.

(Transferor)

 S. M. V. Arulsamy, S/o S. M. Vellanganny Servai, Mettupalty, Nadur, Dindigul,

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, **MADURAI**

Madurai-2, the 8th January 1986

29/May/85.—Whereas, I. No. Ref.

MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 730/8. I-Ward.

situated at Dindigul

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Dindigul DOC. No. 824/85

on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 730/8, I Ward, Dindigul, SRO. JSR II. DOC, No. 824/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madurai-2

Date: 8-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 8th January 1986

No. 30/May/85. Madurai,---Whereas, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding groperty, naving a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. (NEW) 1223 Old T.S. No. 51/1, situated at Leshmanapuram St., Ward No. 1, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Dindigul. DOC. No. 830/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri K. Subba Gounder, s/o Kandasamy Gounder, 2. Ramasamypuram, North Kalliamman Korl St., Dindigul.

(Transferor)

(2) 1. R. SARASWATHI AMMAL, W/o Late Radakrishna Naidu, Lashmanapuram, Dindigul
 Mayilsamy,

Dindigul

3. R. Selvaraj, 53-E, Tirumalaisamipuram, Nagal Nagar, 74-B, Tirumalaisamy puram, Dindigul.

Dindigul 4. P. Selvarani W/o Shri A. Perumalsamy, 46H/2, Indira Nagar, Tirumalaisamypuram,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at New T.S. No. 1223, Old T.S. No. 51/1 Ward No. 1, Lashmanapuram, Dindigul.

SRO. JSR II Dindigul. DGC, No. 830/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-2 (I/c)

Date: 8-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 31/M Mrs. M. SAMUFU, 31/May/85/MDU,-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing S. Nos. 381 112/1, 113/1 to 113/17 situated at Thirumayam has been transferred under the Barriag 1908 in at

situated at Thirumayam has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirumayam in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betaand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

98-446GI/85

(1) SP. Ramanathan Chettian & Others, 14, First Cross Street, Subbarayanagar, Kodambakkam. Madras-24.

(Transferor)

(2) President, Kriya Babaji Sangam, 2. Ari amdam Street, Santhome, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in S. Nos. 381, 112/1, 113/1 to 113/17 in Thiru-mayam, Pudukottai Dist.

(Doct No. 440 (85))

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAI

Madurai, the 8th January 1986

Ref. No. 32/M Mrs. M. SAMUFL. 32/May/85./MDU.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing T.S. No. 4501, 4th Town St. (South)

situated at Pudukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukottai, JSR-I, DOC. No. 1050/85

in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by inco e than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said tostrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the simbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smi. P. ma Ganapathy. w o S Ganapathy, No. 3. I Main Road, Calorba Naglir, Bangabac Karnataka St.

(Transferor)

(2) S. The amozhi, w/o Sundatamorthy, Mallange Ferniyur Vattam, Thu umayam T.K., Pudukottai Dt

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Mil 162 Co.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHI-DULE

Land and building at T.S. No. 1501, 4th St., Town South St. Pudukotai,

SPO JSR I Padul mai, DOC, No. 1050-85,

Mis. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Rung I Madurai (i e)

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, MADURAL.

Madural, the 6th January 1986

Ref. No. 38/M Mrs. M. SAMUI:L, 38/May/85/MDU.-Wherea, 1,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income tax Act. 1901 (43 of 1964) thereinalter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing T.S. No. 8473/74 in Plot No. 44 situated at N.G.O. Colony, I threfe, Purukottai (and more introductional to Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Onice of the Registring Officer LSR I Purukottai

JSR I, Pudukogai in May 1985

for an apparent consideration which is feas than the figurative value of the atoresaid property, and I have reason to believe that it fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if ear per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as natered to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri K. Venugopal, s. o Shri Kushnasami Servai, N.G.O. Colony. Pudukottai,

(Transferor)

(2) Shii S. Palaniyelu and Shii S. Karuppaiah, 5/0 Shii Swaminathan, Ayyanarpuram, 2nd Street, Pudukottai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) or any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovmie property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building it. Plot. No. 4A, NGO Colony, Circle, Pudukettai Town. (Doct. No. 1153-85)

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 6th January 1986

Ret. No. 41/May/85/MDU.—Whereas, 1, Mis. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Old S. No 536 1, (land) situated at Vettamangalam Village, Trichi Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Velayuth/mpalayam, Trichi in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri P. Sivalingam.
 S. o Shri Palaniappa Gounder and Smt. Cheflammal,
 w/o Shri P. Sivalingam.
 and Shri Tamilmani, S/o Sivalingam,
 Nadayalur Village,
 Thirukaduthurai,
 Karur Tk.

(Transferor)

(2) Shri Rathinam, s/o Shri V. Arumuyam, Pandamangalam Village, Namakkal Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 536/1 and 527/1 in Vettamangalam Village, Velayuthampalayam, Trichi Dist.

(Doct No. 323/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Madurai (178)-

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 6th January 1986

42 %/AY/85/MtDU.--Wherens, I. Ref. No. Mrs. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the hatemetax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Plot No. 27 N.G.G.O. Colony, situated as Balakeishnapuram, Nagalnaichenpatti, Dinaigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) harm effect of the Registering Officer at Negalitative enpath in May, -985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to Delieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of treasfer with the object of ....

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesold property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely:---

(2) Smt. T. Sovithri, w.o Shri S. P. Thangavel, Poolathur Village, Kodaikanal.

(Transferor)

(1) Shr. G. Schudaman, 8/0 Shri V. Gopala Iyer, 46. New Agraharam Road, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period to 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building in Plot No. 27, G.N.G.O. Colony, Balakrishnapuram, Nagalnaickenpatti, Dindigul. (Doct. No. 1075/85).

Mrs. M. SAMUEL Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 6th January 1986

45/MAY/85/MDU.--Whercas, I. Ref: No. MIS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing T.S. No. 1174, Door No. 9, Ward 24,

situated at Palayamkottai

(and more fully described in the Schedule annered hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I, Palayamkottai in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (\*) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) racilitating the concealment of any income of any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely --

(1) Mrs. Ranjani Rosmery, (a) Christopler Roberts, d.o Ramsingh, and other, 20/21, Kaja Major Road, Egmore, Madras-8.

('Transferor)

(2) Mrs. M. Kamalabai Victoria, d/o Mr. Paranjothi Muthiah, Mrs Parijatham Muthiah, w/o Mr. Paranjothi Muthiah, 112, Brat Road, Erode.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 3, B-13, T.S. No. 1174, Vinayagar Koil Road. Palayamkottai.

(Doct. No. 1547/85).

Mrs. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii M. S. Ragappa Padar, 8.0 Siyasangu Nadar 30A, T. R. Naidu Street, 30-A. T.R. Naidu Street, Tuticorin.

( Fransferor)

(2) Smt Kamala Merlin Jayanethi, d/o Shri G. T. Soundarapandiaraj, Carcite Estate, Kothagiri, Nilgiris Dist

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **MADURAI** 

Madurai, the 6th January 1986

Ret. No. 46/M Mrs. M. SAMUEL, 46/MAY/85/MDU,---Whereas,

Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 85 1,00.000/2 and bearing S. No. 787/1A and 197/1B situated at Natathi Village, Perungulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perungulam in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of ny income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disched by the transferee for the purposes of the Im an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sol. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

THE SCHEDULE

Land in S. No. 197/1A and 197/1B, Nattathi Village Perungulam.

(Doct. No. 161/85),

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Madurai (i/c)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6 1-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mrs. Fathimutho Sahara Begum and 4 others, Kumarapuram,

(Transferor)

(2) Shri A. Thangaraja, s/o Appadurai Gnanasigamani, Idayankudi,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 60/MAY/85/MDU.—Whereas, I, Mrs M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing No.

S. No. 103 (IAIF) Kumarapuram
situated at Kumarapuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thisavanvilai on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period up45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 103 (1A1F) in Kumarapuram Village. (Doct. No. 516/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai (i.c)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE,
MADURAI

Madural, the 6th January 1986

Ref. No. 61/MAY 85/MDU, -Whereas, I, Mrs. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No. S. No. 103 and 103 (IAIF).

situated at Kumarapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thisayanviai on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

99-446GI/85

(1) (a) Mis. Sulatha Beevi,

w'o Abdul Khader
(b) Mr. Khader Mohaideen and others
Kumarapuram.

(Transferor)

 Mrs. T. Sundarakalaiyani w.ο Shri A. Thangaraja. Edayankuot, Ramnad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 103, Kumarapuram. (Docts. No. 515 & 517/85).

MRS. M. SAMUFL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Madurai-2

Date : 6-1-1986

Scal :

CONTROL OF CONTROL OF

#### FORM OWNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 6th January 1986

1/MAY/85/MDU,--Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1 Sivaganga Main Road, situated at Santhamangalam, fullakulum

and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at (SR II, Madurai in May, 1985

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of imtransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evantors of the mathiffy of the transferre to pay for mades the said Act, in seasons of any months which them the transfers und for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys to other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the or press of the todien Income-tax Act, 1922 At of 1922 on the 540 Net, or the Swellin we well to 1957, (27 of 1957). (1) Shi S. R. Surendian, 5/6 Sail S. R. Raundu Iyer, B/29, Thirtyafliyor Street, Thirunagar, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri S. Kandewoony, see Shri Samy Nadar, 3/266/4. Meenaki Nilavam, Sadasiya Nagar, Madurai-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the enme meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building in Plot No. 1, Sivagangai Main Road, Sathamangalam, Tallakulam, Madmai-20,

(Deat. No. 1984/85).

MRS, M. SAMEFI Competent Auch. Inspecting Assistant Comme-Acquisition Range. Madura, (12)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisitr's of the toresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paysons namely: --

Date : (1.1084) Seal :

FORM NO. LT.N.S.

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVER 5 NT OF INDIA  Shri Periasamy, Somanathapuram, Trichi Dist.

(Translator)

(2) Smt. Renuka and 3 others, c.o Shri Narayanan, 42, Rangayanakapurum, Trichi.

(Transferce)

OFFICE OF THE  $\{N^{(p)}\}$  PNG ASSTT, COMMISSIONER CERTS OME-TAX,

AC CLUSTION RANGE.

Manufact the 6th January 1985

5/MAY/85/MDU.--Whereas, 1 No. Mrs. M. SAMUEL,

eing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25, 1,00,000, - and bearing tand in T.S. No. 25,

situated at Chintomani, Trichi

fund more fully described in the Schedule annexed here'o), c. (20) transferred under the Registration Act, 1908 (16) o. (08) in the office of the Registering Office, at . alyur, Trichi in May, 1985

for an apparent consideration which is I, than the law ke, value of the effectivity property and the second

in leave that the fair market salue of the property we also record exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the Indian Income tax Act, 1922 the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 7. (1957) (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the изволие разон, панец -

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to the Chapter

#### THE SCHEDULE

Land (plot) No. 20, T.S. No. 25, Chintamani Trichi, (DOCT. No. (811/85).

> Mrs, M SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 6-1-1986

 Shei P. S. Viswanathan, Medical Representative, U-3, Housing Unit, Urayur, Trichi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shii A. I. Ramasamy, S/o. late S. K. Alagappan, No. 9, Patti Street, Pennadam, Thittakudi Tk.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Re<sup>4</sup>. No. 6/May/85/MDU.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No 50/3, plot No. 20 situated at K. Abishakapuram Panchayat Uraiyur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Woraiyur Trichi in May, 1985

for an apparent consid ration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building in K. Abihiseshapuram, Puthur Village Uraiyur Taluk, Trichi Dist. (Doct. No. 1857/85)

MRS. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Madurai (i/c).

Date: 6-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 7, May/85/MDU.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot 1, 34 in '1.S. No. 33/38 part situated at Thamala-varupayam Village, Big Vadalur, Uravur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration, vol. 1908, 116 of

has been transferred under the Registration vet, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur, Trichi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the for market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wild instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act its respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. T. Amirthavalli Animal, W/o late Shri N. Thyagarajan, D-34, Thomas Thillai Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) Shri Gopalan, S/o Shri I. K. Devarajan, Plot No. 34, Thamalavayarupam. Peria Vadalur Village, Woriyur, Trichi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building in Plot No. 34, Main Colony, Thillai Nagar, Woriyur, Trichi. (Doct, No. 1622/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Madurai (i/c).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under consection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:--

Date : 6-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 9, May, 85/MDU, --Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Door No. 133 in T.S. 180, 1149 situated at Madutat
Town Modural

Town, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I. Madurai in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Seetharaman, 5. Baskarapuram, East Abiramapuram. Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Smt. M. Mahalakshmi Ammal, W/J Shri C. Nataraja Nadar. No. 6, Subramaniapuram Cross Street, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Office 1 areatic

EXPLANATION: - The terms and expressions pred herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building in Door No. 133, Netbaji Subash Read, (Dindigul Road), Madurai Fown. (Doct. No. 1765/85).

> MRS. M. SAMUFI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-t.
> Acquisition Range-1 Madurai ( / ;

Date : 6-1-1986

## FORM TINS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madural, the 6th January 1986

Ref. No. 10/May/85/MDU.--Whereas, I. MIS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rt. 1,00,000/- and bearing S. No. J. 13/24. V. Vurani, situated at Devakottai Town that make fully described in the Schelule appeared bereto).

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been course, and under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer a devakoitat in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the rain market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inshument of transfer with he object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say the new or other posts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afermaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons. namely: --

(1) bod, S. Ramani Ammal, W/o Shii S. Sankarahngam Chettiar, 33, V. Vurani West Street, Devakottai.

(Transferor)

(2) Shri M. Sundaram, 870 At. M. V. Rama Mevyappa Chettiar, 11. Minia Street, Devekottai,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the vel "arion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Upod and building in S. No. 113, 24, 14th Ward, V. Vujani West facel, Olivakotor, (Dock, No. 664785).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Ipsricting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Madurai (i/c).

Dat. : 6 1-1986

Soul :

#### NAME OF STREET

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) and b. A. Narayanan, 5/0 Shri Krishnaiyer, Ganesa Nagar, Tutucorin

(Transferor)

(2) Sent. N. Rathna Pushpam, W. o. S.V.S. Natarajan, 7, Selvijar Street, Tutucorin,

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 18/May/85, MDU. -- Whoreas, L. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 126, in S. No. 750 signated at Meelavidan Village, Tutucorin Melur

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tutucorin Melur in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax ACL 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

I and and building in Plot. No. 126, Mechyittan. Village, Turucorin Melur. (Doct. No. 707/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madurai (i/c).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAL-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 22/May/85/MDU.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 28, Block C-45, situated at Brindhavan Street, Thiruparangundram, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

100-446GI/85

- Smt. Rama Rukmani Achi.
   W/o Shri M. S. Rama Ramanathan Chettiar.
   Okkur, Sivaganga Tk..
   Pasumpon Muthuramalingam Dist.
   (Transferor)
- (2) Smt. Vadu. Vallikannu. W/o Ar. Vd. Ve. Vaduganathan, Baganeri, Pasumpon Muthuramalingam Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 28-A. Plot C-45, Thirunagar, Thiruparangundram. (Doct. No. 899/85).

MRS. M. SAMUFL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Madurai (i/c).

Date: 6-1-1986

Seal;

(1) Shri Baskaran and others, 163, C/2 8th Road, Gomathi Nagar Colony, Sankarankoil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. R. Ganapathi Mudaliar, S/o Shri Muthusamy Mudaliar, 20, Thenappapuram 1st Street, Sankarankoll.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 23/May/85/MDU.--Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 69, 70, 10-A, 5th Street, situated at Ramasamya-

puram, Sankarankoil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankarankoil in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937, (27 of 1957);

Land and building in Door Nos. 69, 70 and 70-A, 5th Street, Ramasamyapuram, Sankarankoil. (Doct. No. 1005/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income in Acquisition Range, Madurai (i/c).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986

Scal:

FORM ILIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 33/May/85/MDU.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

New Survey No. 84 Plot No. 1, situated at Thanjayur

Road, Pudukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSR I, Pudukottai in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair purket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Krishnaswamy Naidu. S/o Shri Kondal Naidu, T.S. 4491, 1st Street, Indira Nagar, Pudukottai.

(Transferor)

 Minor M. Saravanan, by guardian Shri Meyyappan, Vijayalakshmiputam, Thirumayam Tk., Pudukottal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this mouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 1, Group D Servants lay-out, Pudukottai. (Doct. No. 1055/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madurai (i/c).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 34/May/85/MDU.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 18/8 Plot No. 4 situated at Madurai North, Tallakulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Tallakulam in May, 1985

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Tallakulam in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. Muthukrishnan, S/o Shri Venkata Naicker, Plot No. 4, Vidya Nagar, K. K. Nagar, Madurai-20.

(Transferor)

(2) Smt. Shri Gandheeswari, W/o Chellaiah Ramachandrun. Plot No. 6, Lakeview Garden, I Street, Ayya Nagar, Madurai-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in Plot No. 4 in Vidya Nagar, Malagiri, Tallakulam, Madurai. (Doct. No. 1691/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madurai (i/c).

Date: 6-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madural, the 6th January 1986

Ref. No. 35, May/85/MDU.--Whreas, f,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ma the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing S. No. 59/1, Block No. 32 situated at Ettapuram Road, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Tutucorin in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Smt. Padmasani Animal, W/o Shri P. S. Narayana Iyengar, Pudugramam Brahmin Colony, Tutucorin.

(Transferor)

(2) Shri V. Gurusamy, S/o Shri Veerappa Naicker, 106-J/35. Millarpuram Colony, Γutucorin-8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in S. No. 58/1, in No. 32, Block No. 4, Velnaickenpet, Tutucorin. (Doct. No. 480/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai (i/c).

Date: 6-1-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 36/May/85/MDU.-Whereas,I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 249B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 130/4. Thiruparanundram situated at Thiruparan-

S. No. 130/4, kundram, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thiruparankundram in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the h of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income unising from the transfer mm# / 62
- (b) instituting the concentrated of any income or says moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri A. L. Periannan Shanmugam, So Shri Alagusundaram, No. 6-A, Vallabai Road, Chokkikulam, Madurai

(Transferor)

(2) Shri A, L, Vecrappan, S/o Alagappan. D-17, Meenakshi Street. Thirunagar. Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in six items in S. No. 130/4, Thiruparankundram. (Doct. No. 821/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madurai.

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 43/May/85/MDU.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T. S. No. 2524/2 New Door No. 15, situated at Srirangam, Trichi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Srirangam, Trichi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri S. Parthasarathy Iyengar, 15, North Adanjan Street, Srirangam, Trichi-6,

(Transferor)

(2) Shri D. Vasudevan, S/o Shri Duraisamy Iyengar, 225, East Adanjan Street, Stirangam, Trichl-6, By power agent Shri D. Parthasarathy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building in New Door No. 15, North Adanian Street, Srirangam, Trichi-6. (Doc. No. 1026/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai.

Date: 6-1-1986

Seel:

(1) The Union Co. (Motors) (P) Ltd., 118, Anna Salai, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Ganesan & 9 others, 32, Nadu Thaiyalkara Street, Trichi-8.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 51/May/85/MDU.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. T. S. No. 9, Block 18, Ward A situated at West Chintamant, Tiruchi Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR III, Trichi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such treasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Land in T. S. No. 9, Block No. 18, Ward A, West Chinthamani, Trichi. (Doct. No. 787/85).

THE SCHEDULE

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 6-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADURAI-625002

Madurai, the 6th January 1986

Ref. No. 55/May/85/MDU.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. 78 part plot No. 402 situated at Anna Nagar, Madurai at Anna Nagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Tallakulam. Madurai in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
101—446G1/85

 Shri P. T. Raman, S/o Dr. M. A. Subramaniam, No. 5/12, Sopri Colony Pin-400603.

(Transferor)

(2) Shri A. Ramanathan and Shri A. Ravindran, S/o P. Annamalai, Plot No. 402, (Door No. 6). Anna Nagar, Tallakulam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building in Door No. 6, in plot No. 402, Part 78, Anna Nagar, Madurai. (Doct. No. 1821/85).

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai.

Date : 6-1-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THEE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 6th January 1986

Ref. No. 56/MAY/85/MDU.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T.S. No. 4009 in Ward 6, situated at Bibikulam, Madurai fand more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fallakulam, Madurai on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons pamely:—

 Smt. M. Thayammal, W/o late Muthiah, Nadayaneri, Ramanathapuram Dist.

(Transferor)

 Shri S. Simon and other, Nedunchelian Street, Vilankudi, Madurai North.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with compound in T.S. No. 1654/6 and 1664 in Avvaiyar Street, Narimedu, Ward 6. Thallakulam, Madurai. (Doct. No. 1968/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madurai-625 002

Date: 6-1-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-1. MADURAI-625002

M; 'arai-625002, the 6th January 1986

Rf. No. 57/MAY/85/MDU.—Whras, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inanovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. S. No. 48/1, situated at Kodaikanal Town

(and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Rustration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; BBd/OI
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Mr. Romeo C. John, D/o Mr. C. V. John, Chinnakattu Kalangamary Kadayeruppukara, Aykarandu village. Kunnathu Nadu, Ernakulam Dist.

(2) Ms. R. Praba, P. Rupa,
D/o Dr. K. R. Venkatesalu,
30, Ganapathy Main Road,
K. R. Puram,

Coimbatore 641 006.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gezette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chapter

## THY SCHEDULE

Land in S. No. 48/J in Kodaikanal Town. (Doct. No. 477/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madural-625 002

Date : C 1-1986 Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 6th January 1986

Ref. No. 63/MAY/85/MDU.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

as the Said Act) have feason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 81/3, Plot No. 1, situated at State Bank Officers' Colony, Ponmeni Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR IV, Madurai on May, 1985 for an unparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, has respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow many persons, namely :-

 Shri N. G. Nayagam,
 S/o Shri A. Nataraja Mudaliar,
 Plot No. 7B, G.J. Bonsle Marg, Madhuban, Bombay-21,

(Transferor)

(2) Shri Gopalan, S/o Shri T. V. Padmanabhan, No. 3, Plot No. 17, Thakoor Nagar, State Bank Colony, Ponmeni, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 1, Sakthivelammal Nagar, State Bank Officers' Colony, Ponmeni Village. (Doct. No. 2585/75)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madurai-625 002

Date: 6-1-1986

#### PORM TIME

(1) S. Sri B. Sundaresan and others, Lakshmana Rao St., Krishnagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M. N. Nagarajan, S/o Marasimha Chettiar, Co-op Colony, Krishnagiri.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 7th January 1986

Ref. No. 2/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 732/1B situated at Banganpalli village, Krishnagiri Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Krishnagiri JSR-II Doc. No. 771/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used he can as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evarion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any invente arising from the transfers and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property in S. No. 732/1B, in Banganpalli village, Krishnagiri D.T. SRO: JSR II Krishnagiri Doc. No. 771/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Now, therefore, the pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th January 1986

Ref .No. 4/May/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 69/4, Pothanur village situated at Velur, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Velur, Doc. No. 746/85 on May, 1985

vetur, Doc. No. 746/85 on May, 1985 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any manage or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Angammal, W/o Sengali gounder, Pudupalayam. Salem.

(Transferor)

- (2) 1. S. Perumal, 2. S. Mayavan S/o Seeranga gounder, Pudupalayam, Pothanur, Namkl.
  - 3. Kuppusamy, 4. P. Palaniappan, --do-

  - 5. S. Ganesan, Pudupalayam, Pothunur, Namakkal. S/o K. P. Singarampillai,
    6. KANNIAMMAL, Pudupalayam, Pothanur, Nam-W/o Singarampillai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto,

happanation:--The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 69/4, Pothanur village, Pudupalayam, Namakkal.

SRO: Velur. Doc. No. 746/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th January 1986

Ref. No. 8/May/85.- Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 40, Cooperative colony St., B Class Plot No. 18, Town S. No. 499/20, Gandhi nagar, Namakkal, Salem situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Namakkal JSR-I, Doc. No. 576 and 577/85 on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said. Act, or the Woulth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Madeswari, W/o Manickom, Manickam, S/o Vaiyapuri Pandaram, Natarasaburam, Namakkal.

(Transferor)

(2) Dr. Palaniappan, S/o Nachimuthum. Gandhinagar, Namakkal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at D. No. 40, cooperative colony St., Gandhi nagar (S. No. 499/20), Namakkal, Salem. SRO: JSR-l, Namakkal, Salem, Doc. No. 576 and 577/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit. Commission 1 of Income-tax Acquisition Range-1, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUN SIONER OF INCOMETAX

### ACQUISITION RANGE-J. MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 13/May/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inneces-

to as the 'said Act') have reason to believe that the banaco-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 33/1B, 32/5, 50/2A and 31/2, Puluthiyur situated at village Kokkarapatty, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been mansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harur Doc. No. 1098/85 on May, 1985 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said instrument the transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Vedavalli and 5 others, W/o V. Krishnasamy Iyenger, Salem Town.

(2) A. Kovalan, S/o Armuga Gounder, Puluthiyur, village, Harur T. K., Krishnagiri D. t.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the und

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gamete or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- by any other person interested in the said im **(b)** within 45 days from the date of the property, this notice is the Official Gazatta.

EXFLANATION:—The terms and expressions used hereig as tree defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given Chapter.

## HE SCHEDULE

Land & building at Pulithnyur village, Kokarapatty T.K., at Survey Nos.  $33/\overline{1}$ ,  $32/\overline{5}$ ,  $50/\overline{2}A$  and  $31/\overline{2}$ .

SRO: Harur, Doc. No. 1098/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1. Madras-600 006

Date: 7-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1986 Ref. No. 16/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land and building at Mallasamudram situated at Village, (West), Tiruchengodu T.K., Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Maliasumudram, Doc. No. 633/85 on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conconliment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 E. Muthu Gounder, S/o Ettia Gounder, Mettupalayam, Mallasamudram, Mehrugam Village, Salem.

(Fransferor)

(2) S. Sathyamurthy & others, S/o Subbaraya Gounder, Mamarapatti, Mallasamudam, Melmugam Village, Tiruchengodu, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein me are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Mallasamudram village, (West), Tiruchengodu T.K., Šalem.

SRO: Mallasamudram, DOC No. 633/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006

Date: 8-1-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DADIA

 Smt. R. Vedanayaki Ammal, W/o Late Rajamanickam Chettiar, 104-A, Permanur Main Road, Salem Town,

(Transferor)

(2) S. Perumal, Advocate, S/o A. Sankara Mudaliar, 15, Gandhi Road, Salem-7.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th January 1986

Ref. No. 21/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Ward 'C' Block 22, T.S. No. 27, Survey No. 32/1, 32/2 etc. situated at Permanur Periaeri Village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ISR-III, Salem, Doc. No. 578/85 on May 1985 fe an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and for
- (b) facilitating the conceanment of any meome or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Ward 'C' Block No. 22, T.S. No. 27, Survey No. 32/1, 32/2 etc. Peramnur, Perieri village, Salem.

SRO: JSR-III, Salem, Doc, No. 578/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1986

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. M. Magudeswaran, S/o G. Muthusamy Gounder, Door No. 16-G, Rajaji St.,

Salem-7.

S/Sri/Smt/Minor

(1) R. Arunachalam,

Salem town.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1986

Ref. No. 22/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Mitta S. No. 32/1 in 1/33, Re-Survey No. T.S. No. 57,

Block 22, Ward 'C' Peramanur, Perieri Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at JSR-J, Salem Doc. No. 579, 580 and 581/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Door No. 104-A Permanur Main Road,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 32/1 in 1/33, Re-survey T.S. No. 57, Block 22, Ward 'C', Peramanur, Perieti village, Salem.

JSR I Salem, Doc. No. 579,580 and 581/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salo Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-1-1986

#### FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1986

Ref. No. 23/May/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

koil St., Sevapettai, Salem T.S. No. 277, Block 10, Ward 'F' situated at Mariamman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Salem, Doc. No. 365/85 on May, 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

S/Shri/Smt,

(1) 1. Shantha Bai, and 2 others, 24/1308, Aarya Vysava Pillaiar Koil St., Seviapet, Salem.

(Transferor)

(1) 1. R. Manohar and 2. R. Mohan, S/o Ranganathan Chettiar, 1, Angalamman Koil St., Seviapet, Salem.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be under in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 10, Block 10, Ward 'F'. Mariamman Koil St., Sevaipet, Salem.

SRO: Salem, Doc. No. 365/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 8-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## S/Sri/Smt. Sampath and 4 others, S/o R. V. Palani, 76, Veeranam Main Road, Ponnumma pet, Salem-1.

(Transferor)

(2) R. Gunasekaran, S/o G. Raji pillai, 239-A. Dhammannan Road, Arsipalayam, Salem-9.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1986

Rel. No. 24/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.,

being the competent authority under section 269B of the sneome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 10, Ward No. 1, Arisiralayam, situated at Salem

Town, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 61 in the Office of

the Registering Office: at JSR-III, Salem, Doc. No. 503/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the in property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trumderse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 10, Ward No. 1, Arisipalayam, Salem-9.

SRO: JSR-III, Salem, Doc. No. 503/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions namely :-

Date: 8-1-1986

#### FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLE OF INCOME-TAX

> ΛCQUISITION RANGE-1 MADRAS

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 25/May 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 3, Narayana Iyer St., Sivasamyputam 1 xtens on, situated at Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Salem, DOC, No. 637/85 in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rain market value of the property as incresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the axid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. N. Venkatrama Iyer, S/o Sri P. R. Naryana Iyer, No. 3, Naryana Iyer St., Sivasamy extension, Salem-7.

(Transferor)

(2) Sri M. Sclvaganesan, S/o Sri Mariappa Gounder, Door No. 21-C, Adiakalanagar, Asthampatty, Salem-7.

(Transfer...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gaussite or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I.and and building at door No. 3, Narayana Iyer St., Sivasamypuram extension, Salem-7, SRO, JSR-III, Salem. DOC. No. 637/85,

MRS. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras

Date: 7/1/1986

remains and when the master is seen is the many of the common of the com FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-600 006, the 8th January 1986

Ref. No. 26/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 194, Agaram Village situated at Tiruchegodu T. K. Salem, D.T.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu, DOC. No. 1154 85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sti Ardhanari Chettiar and 2 o'hers, Lowkipalayam post, Agaram village, Tiruchengodu Tik, Salem D.T.

(Transferor)

(2) Sri P. Jayaranam, 5/0 Sri Palanichamy Chettyar, Agaram village, Lowkipalayam post, Tiruchengodu, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at survey No. 194, Agaram Village, Lowkipalayam post, Tiruchengodu, Salem. SPO. Tiruchengodu, DOC. No. 1154/85,

> MRS. M. SAMUUL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Madras

Date: 8/1/1986

والمراجع والمستوال فينت المستوال والمستوال والمستوال والمستوال والمستوال والمستوال والمستوال والمستوال والمستوال

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 27/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing S. No. 114/1, 4-A, 5.53, Ward No. 17 C.H.B. colony, II St. situated at Tiruchengodu town, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tircuhengodu DOC. No. 1171/85 in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Thylasiammal and other, W/O Sri K. A. Ramasamy, C.H.B. Colony, H St., Tiruchengodu Town.

(Transferor)

(2) Sri S. K. Subramanya Chettiar, Sri K. Gunalan, S/o Sri S. S. Krishna Chettiar, C.H.B. Colony, II St., Tiruchengodu, Salem

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 114/1, 4-A5.53, Tiruchengodu Municipal Ward No. 17 C.H.B. Colony, II st., Tiruchengodu T. K. Salem.

SRO. Tiruchengodu Doc. No. 1171/85.

MRS. M. SAMULT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Runge-t
Madras

Date: 8/1/1986

## NOTICE UNLER SECTION 269D(1) OF 1HB INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 32. May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000.7-Rs. 1.00,000.7- and bearing S. No. 91/13, Alagapuram village situated at Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam, DOC. No. 915/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to be receded the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

103—446GIffl85

(1) Smt. V. Radha W/o Sri Vengatesan, 57-C, Kalaimagal School St., Alagapuram, Salem-4.

(Transferor)

(2) Smt. N. Suseela, W o Sri R. Natesan, Kalaimagal School St., Alagapuram, Salem-4.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I and and building at S. No. 91/13, Alagapuram Village, Salem-4.
SRO, Suramangalam, DOC, No. 915/85,

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras

Date: 8/1/1986 Seal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASETT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 33/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25, 1,00,000/- and bearing Survey No. 18/3, Karakothipatti Village situated at Suramanglam, Salem D.T.

galam, Salem D.T.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam, Salem DOC. No. 947/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (31 of 1922) or the said Act, or the Westle-tax A t 1757 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D, of the said Act, to the following persons, namely :--

 Sri C, Jayaraman S/o Sri Čovindarajulu, 18, Muniappan Koil St., Scynipet, Salem.

(Transferor)

(2) Sri K. V. Laskshmanan S/o Sri Venkatachalapathy, Sakthi Enterprises, 3ffl390, Rajajai St., Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcic of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land and building at 18/3, Karakothipatti village, Suramangalam, Salem. SRO. Suramangalam, DOC. No. 947/85.

> MRS. M. SAMET Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras

Date: 7 1/1986

## PORM ITNB-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 8th January 1986

PART III—SEC. 1]

Ref. No. 34/May/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 1/21-C. Block 2, Ward 'C' situated a. Alaganutam, Pudue village Salem

Pudur village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed here'o). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer

at Saramangalam, Salem Doc. No. 1025 '85 in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the flak market value of the aforesaid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or everies of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of my imposes arising from the transfer. and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri T. Jayakumar S/o Sri M. Thangavel, Manickavasagar St., Salem.

(Transferor)

(2) 1. Sri K. Karuppaia

S/o Sri Kulandaivelu chettiar, 2 Smt. K. Shantha W/o S11 Kulandaivelu chettiar, Pudur Village, Pudur Estates, Yercaud T. K., Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the mane mounting as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 1/21-C. Block 2. Ward 'C', Pudur Alagapuram Village, Salem.

SRO. Suramangalam, Doc. No. 1025 / 85.

MRS. M. SAMTTI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras

Date: 8/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 36/May 185.—Whereas, 1, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. R.S. No. 203/2-B, Annadanapatty Village, situated Salem T.K.

Salem T.R. (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Tadagapatty DOC, No. 1570/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration considerations and that Ahan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

1. Smt. Ponnammal W/o Sri S. Thangavelu, No. 61, Muthusamy St., Sevaipat, Salem.

(Transferor)

(2) Sri T. Sengottuvelu S. o Sri T. A. Thangavelu Chettiar, No. 72, Kellaiyur North St., Thirukoiylur T.K., S. A. D. T.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 203/2-B, Annadhanapatty Village, Salem T. K. SRO Tadagapathy, DOC. No. 1570/85.

> MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax. Acquisition Range-1 Madras

Date: 8/1/1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 38/May / 85,--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 95/4-C, Annadhanapatti Village situated at
Dadagapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Dadagapatti, DOC. No. 1600/85 in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons. 

(1) Spit. Kannammal Wiro Sti Thirumalai Samy, Narayanachetty St.. Sevaipatti, Salem-2.

(Transferor)

(2) Sr. S. K. Palaniappan and 5 others S o Sri Kandasamy Chettiar, 70, Thyagarceswararsamy St., T. K. Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period x 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 95, 4-C, Annadhanapatti Village, Tadagapatty, Salem. SRO. Tadagapatti, DOC. No. 1600/85.

> MRS. M. SAMUFI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras

Date: 7/1/1986

Scal:

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-1** MADRAS

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 47 \( \text{May} \) 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Survey No. 159.6, 159.3, 159.1 situated a Anukkumalai (and more fully described in the Schedule annexed here'o). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 o' 1908) in the office of the Registering Officer at Vettavalam, DOC. No. 647.85 in May, 1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (#) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following PATRIMS, Damely :-

(1) Sri A. Jeevaraj Jain S/o Sri Alamchand, 254, Kamaraj St. Villupuram, S.A.D.T.

(Transferor)

(2) I. Sri Krishnarao S o Sri Pandurangarao, 255, Kamaraj St.,

Villupuram, S.A.D.T.

2. Sri K. Prakash S/o Sri Krishnarao, No. 255, Kamaraj St., Villupuram, Sri H. Inderchand S o Sri Heeralal, No. 230, M. G. Road, Villupuram, Sri D. Divarathy Dada S/o Sri Dada. 75, Car St.. Pudunagar, Cuddalore, S.A.D.T.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 159.6, 159.3, 159.1 at Anukkumalai. SRO, Vettavalam, DOC. No. 647/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras

Date: 7/1/1986

Segi :

#### FORM ITMS

# NOTICE UNDER SECTION 2600(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (46 OF 1966)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUSSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **MADRAS** 

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 53/May 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Computent Authority under Stories 369B of the income-ing Act, 1961 (43 of 1961) (hereinality redessed to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 17th Ward, Survey No. 23/1 No. 3A. F. 96 situated at
Anna Road, Koneripatty village, Rasipuram T.K., Salem
(and more fully described in the Schedula annual herets). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram T. K., Salem D.T. DOC. No. 1634 85 in May,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the linklity of the transferor to pay tex under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentraent of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1057 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the lette of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sii M. Krishnan and 2 others, S/o Sri V. Marappa Gounder, 42, Mariamman Koil St., Kattuputhur, Musiri T.K., Tiruchi, Dt.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Murugesan (A) Karuppu Chettiar, S/o Sri S. K. Ariappa Chettiar, 28, Anna Road, Rasipuram T.K., Salem Dt.,
  - 2. Sri Radha (A) Periasamy S/o Sri S. K. Ariappa Chettar, 28, Anna Salai, Rasipuram, Salem D.T.

(Transferee)

Chiestions, if any, to the inquestion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said insmessships property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building at 17th Ward, Survey No. 21/1No. 4A. 4.96, Anna Road, Koneripatty village, Rasipuram T.K., Salem. SRO, Rasipuram. DOC, No. 1634, 85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras

Date: 7 1/1986

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 8th January 1986

Rei. No. 60/May/85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing House property at D. No. 93-1 situated at Main Road, P. lagger

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Palacode, Dharmapuri D.t. DOC, No. 882/85 in May, 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act: or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Govindammal W o Late Sri Kanniyan and 3 others, Mandiri Gounder St., Palacode, Dharmapuri D.t.

(Transferor)

(2) 1. Sri M. Kanda Gounder, Teacher, S/o Sri Manicka Gounder, 88-B Muthu Gounder St., Panankadu, Palacodu. Dharmapuri, 2. Sri P. M. Kandasamy, Tailor, S/o. Sri Muruga Gounder, 85, Muthu Gounder St., Panankadu, Palacodu, Dharmapuri,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property at Door No. 93-I, Main Road, Palacodu. Dharmapuri Dt. SRO, Palacodu, DOC. No 8.82/85.

> MRS. M. SAMULI Competent Authorital Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras

Date: 8/1/1986

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 7th January 1986

Rel. No. 90 May/85.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plet No. 1522, Abna Nagar, Madras-40 situated at Madras

(and more fully described in the schedule annexed heretw),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar. DOC. No. 1806/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-104-446GIff185

(1) Sri O. S. Venkatraman S, o Sri O. R. Subramanian, 4. Desikarachari Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Smt. Subdhra Narayanan W/o Sri Narayanan, Plot No. 1522, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are dened ifin Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 1522, Anna Nagar, Mds-40. SRO, Anna Nagar, DOC. No. 1806/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras

Date: 7/1/1986

#### FORM ITNS----- 187

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Santhakumari and 4 others, W/o K. C. Balasubramanian, Door No. 3, 43rd Street, 8th Sector, K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. N. Arumugam, S/o Nagamani, Type-III, 1/2 Camp, Thermal Nagar, T.T.P.S., Tuticorin.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 9th January 1986

Ref. No. 91/May/85.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 107, Naduvankarai Village, situated at Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at DOC. No. 1834/85, SRO: Anna Nagar on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as arresed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Survey No. 107, Naduvankarai Village, Anna Nagar, Madras-40. SRO: Anna Nagar, DOC. No. 1834/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-86

Scal:

FORM LT.N.S. 187-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras, the 8th January 1986.

Ref. No. 92/May/85.—Whereas, I

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
New No. 48, C.I.T. Colony, Shenoy Nagar, situated at

Madras-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anna Nagar on May, 1985

ter an appearent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. V. M. Ramasamym, 28/S, Balasubramanya St., Erode Town.

(Transferor)

(2) Sh. K. V. Kaliappan, 31, Club Road, Madras-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evaplen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

## THE SCHEDULE

(b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at New No. 48, C.I.T. Colony, 8h St., Shenoy Nagar, Madras-30. SRO: Anna Nagar, DOC. No. 1865/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate precoedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-86

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 95/May/85.—Whereas, 1 MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 4949, AC-62, 5th Avenue, situated at Anna Nogar,

Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras-40 Doc. No. 1900/85 on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. S. Devarajan S/o D. Sundaravelu, No. 105, Lloyds Road, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Smt. Kanapathy Shanmugha Sundarie, w/o Suppaih Chettiar Kanapathy, Plot No. 4949, D. No. AC-62, 5th Avenue, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 4949, Anna Nagar, Madras-(Door No. AC-62, 5th Avenue). SRO: Anna Nagar, Madras-40. Doc No. 1900/85.

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said act, to the following persons, namely:-

Date: 7-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_ - \_- \_=

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 101/May/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 830, Periakudal Village, Anna Nagar, situated at Madras-40

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Doc. No. 1979/85 on May, 1985 ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ravindran, S/o Krishna lyer, No. 1, Vishnu Kanji Fourteenth Road, Chemlu, Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Hariram Muraji, S/o Murajimolgale, Vanthihariram, W/o Hariram Gale, No. 990, Poonamallee High Road, B' Block, Third Floor, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 830, Periakudal village, Anna Nagar, Madras-40.

SRO: Anna Nagar, Doc. No. 1979/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 106/May/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 124, Mannarsamy Koil St., Madras-13 situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Royapuram, Madras Doc. No. 883 and 884/85 on May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
property as
aforesaid exceeds the apparent consideration
to telieve than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. P. D. Dhanapal Chetty,
 D. Shankar,
 No. 124, Mannarswamy Koil St., Madras-13. (Royapuram).

Smt. P. Bhagavathy Devi,
 Prem Giri,
 P. V. Koil St.,
 Royapuram,
 Madras 13.

(Transferer)

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 124, Mannarsamy Koil St., Royapuram, Madras-13.

S.R.O.: Royapuram, Doc. No. 883 and 884/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag-Acquisition Range-I Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformain property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-1-86

#### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Bhagwanji Monji Thacker, 1/3, Brithapet Road, Flat D-8, Madras-7.

(Transferor)

Hamsmukh Manilal Shah,
 Bharathkumar Manilal Shah,
 Basin Water Works St.,
 Madras-79.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 118/May/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. D-8, in 8t h floor situated at Brithapet Road, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.O. Periamet at Madras. Doc. No. 585/85 on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Land & Building at 1/3, Brithapet Road, Flat D-8, Madras-

SRO: Periamet, Doc. No. 585/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-86

(1) Sh. K. Subramani and 2 others, 40, 'H' Block, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) O. Seethammani Ammal, No. 6, Srinivasa Pillai St., Egmore, Madras-8.

(Transferee)

#### GEVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Ref. No 119/May/85—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 5, Halls Road, Egmore, Madras-8 situated at Madras

No. 5, Halls Road, Egmore, Madras-8 situated at Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet, Doc. No. 591/85 on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at No. 5, Halls Road, Egmore, Madras-8. SRO: Periamet, Doc. No. 591/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 8th January 1986

Rel. No. 120. May/85.--Whereas, I

MRS. M. SAMUFI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 21, Singanna Chetty St., situated at Chintadripet.

Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet, Doc.6 No. 607/85 on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the object with the object of the consideration.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid temperate by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
105-416 G1ffl85

(1) Sh. A. Vedhachalam, and 2 others, 21, Singanna Chetty St., Chindadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) S. Sudandira, W/o 110, Signanna Chetty St., Chindadripet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 21, Singanna Chetty St., Chindadripet, Madras-2.

5RO: Periamet, DOC, No. 607/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 8-1-86

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE PARTY OF THE PARTY WAS A PRINCE OF THE PARTY OF THE P

(1) Padmarti Constructions Co., 7. Briethapet, Road, Madras-7.

(Transferor)

(2) Urmila J. Shah. 5. Mahaveer Colony, Madras-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 8th January 1986

Ref. No. 121/May/85.—Whereas, I

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

New Door No. 9, Briethapet Road, Vepery, Madras-7 situated at Mydras-7

at Madras-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 17908 (16 o 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Doc. No. 617/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

SRO: Periamet Doc. No. 617/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Land and building at No. 7, Briethapet Road, Madras-7.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-1 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following sersens, while it.

Date: 8-1-86 Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1964)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS STONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Ref. No. 128/May/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 26, Door No. 11/239, New Ward 'C' Bew Block -No. 13. situated at Ramakrishna Road, (East), Sivasamypuram Fxtention, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 190 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I. Salein Doc. No. 1322/85, 1323 and 1324/85 on May,

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability forer to pay tax under the said Act. of the tri ect of any income arising from the treasfer;
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1962 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth tax Act 1957, (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269@ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sri Syamalanathan, S/o Magalinga Mudaliar, 15, Marnaicken St., Sevaipet, Salem D.T.

(Transferor)

(2) 1. Sh. P. Nithilan, 2. P. Vimalan, Ss/o M. Paramasiyam, 13A, Gandhi Road, Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the أفذعه immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in 45 days from the the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said set, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 26, Door No. 11/239, New Nos. Ward 'C' Block No. 13, T.S. No. 17/1, Ramakrishna Road, Sivasamypuram Extention, Perlaeri village, 7th ward, Salem.

SRO: JSR-I, Salem. Doc. No. 1322, 1323 and 1324/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 7-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th January 1986

Rcf. No. 131/May/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing

New No. 4, Old No. 30, Kalathi Pillai St., situated at Madras-79

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 474/85 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and less.

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Nagaraja Bai and 3 others, 21, Periyar Road, Madras-17.

(2) Smt. Sohan Devi, 46. Battachari St., Madras-23

(Transferor)

(2) Sohan Devi,w/o Jawarlal,16, Bommiliar St., Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at New No. 4, old No. 30 Kalathi Pillaiar St., Madras-79.

SRO: Madras Central; Doc. No. 474/85.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex.
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 7-1-86

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delh, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/42.--Whereas, 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Property No. A-13. Kailash Colony situated at New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereio). has been market red undo the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Plew Delhi in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the law market value of property as aforesaid exceeds the asymptotic such analysis leading and that the fifteen per consist such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Kalyan's Enterprises, through their pattners Koowness Mr. Kalyandas Mahant and Mrs. Shakuntala Devi R/o A-13, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Pushpa Yadav D/o Col. M. R. Yadav R/o 198/2, Garhi, Opp. Sapna Cinema, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101 Flat on First floor measuring 1532 sq. ft. Part of property No. A-13 Kailash Colony, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Aggarwal House, 4/14-A Asaf AliRond, New Delhi

Date: 31-12-1985

#### FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Harvinder Singh 12, Regal Building New Delhi.

(2) Mrs. Naresh Kumari Vij E-484/302, Greater Kailash-II New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III, 5-85, 43.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302 on the 1st floor situated at Greater Kailesh-II

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302 on the First floor, having covered area of 1025 sq. ft. in building E-834, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/44. -Whereas, I, R P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600/- and bearing A I 14 Lajpat Nagar situated at New Delhi, Single Storey

Barrack Type 100 Sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 [16] of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967)1

(1) Shii Vinod Kumar and Sudarahan Kumar S/o Mahesh Dass R/o A-1-15, Lajpat Nagar, New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri S K Khanna 1 A 14 Laipat Nagar, New Delhi,

(Transfereo i

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said humanable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A J 14 Laipat Nagar, New Delhi Single Storey Barrack Type 100 Yds.

> R. P. RAJFŞH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A Asaf AliRoad, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-1986

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/46.—Whereas. I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property bearing No. II-K/6 situated at Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) I. Shri Bansi Lal S/o late Shri Karam Chand
  - 2. Shri Harish Pal
    S yo Shri Bansi Lal
  - 3. Shri Kanwal Raj
  - S/o Shri Bansi Lal 4. Smt. Hans Kumuri W/o Shri Bansi Lal R/o II-K/6, Laipat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ded Parkash Katyal S/o late Shri J. C. Katyal R/o III/J-II. Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No.  $\Pi$ -K/6, Lajpat Nagar, New Dolhi, measuring 200 Sq. Yds.

R. P. RAJESE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asaf AliRoad, New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/5-85/47.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing 2/12, 12A, Vikram Vihar situated at Lajpat Nagar, New Delh:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering. Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
106—Giffl85

(1) Shri S. K. Singha 3, West Patel Nagar, New Delhi.

(2) Shri Krishna Sondhi 2-12, Kikram Vihar, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the cervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 2/12. 12A. Vikram Vihar, Lajpat Nagar, New Delhi. Area 125 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House, 4/14-A
Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-1-1986

Soal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/48.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

k. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 4 on Second Floor Part of Property
No. S. 189, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 300
Sq. Yds.

Sq. Yds.

(and more fully described in the schedule annexed herefo), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Acq. Range-I, Asaf Ali Rond, New Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Gabriel Garments Pvt. Ltd. Greater Kallash-II, New Delhi, through its Director Shri Washeshar Nath Sawhney.

(Transferor)

(2) M/s. G. P. Singh & Sons (HUF), through its Karta Shri Gurlader Pal Singh R/o A-74, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 4 on Second Floor part of property No. S-189, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 300 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tai
> Acquisition Range-I
> Aggarwal House 4/14-A New Delhi

Date: 26-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (2) Smt Asha Sood W/o Shri Gopal K. Sood 130, Green Park,

New Delhi-24.

(Transferor)

Civil Lines. Ludhiana.

(1) Smt. Sahib Kumari Kochar

Widow of late Shri N. N. Kochar C-I/153, Lajpat Nagar,

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF AI I ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/SR-III/5-85/49.—Whereas I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing C-1/153, Lajpat Nagar situated at New Delhi-24. Govt. Built

Otr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Officen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

C-I/153, Lajpat Nagar, New Delhi-24 Govt. Built Otr. Area 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Aggarwal House 4/14-A New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the suit Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 2-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/50.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding .s. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing No. II-F/11 situated at Lajpat Nagar, New

Delĥi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri K. K. Bhaskar S/o Shri Bal Mukund Bhaskar R/o 11-F/11, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Chadha S/o Shri S. R. Chadha R/o 11-F/11, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. II-F/11, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Autho ics Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax; Acquisition Runge-I Aggarwal House 4/14-A New Delhi

Date: 2-1-1986

(1) Shri Rajinder Krishan Dhawan BC-11G, Munirka. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jayant Bala A. Ajnera D-I/187, Lajpat Nagar,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-III/5-85/51.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Proporty bearing Qr No. D-1/187 situated at Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 Sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1985.

New Delhi in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Stjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoviable preperty, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-ux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Property bearing Qr. No. U-I/187, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 Sq. Yds.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 2-1-1986

\_ -----

#### FORM ITNS

Linear Strand Caracter of the say with the control of the

(1) Shri Parvesh Kumar Kakkar S/o Shri Hari Ram Kakkar R/o E-603, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravinder Khanna S/o Shri Kashmiri Lal Khanna R/o house No. 4, Sunder Nagar, New Delhi,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-ASAF ALI ROAD NEW DELHI

> New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/52.--Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proptrty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 19, measuring 896 sq. ft. Property No. S-457 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) racilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, measuring 896 Sq. ft. Part of property No. S-457, Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Aggarwal House 4/14. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1986

#### 100 To 10 FORM ITNS

(1) Shri Sarjit Lal Pachnanda S/o Shri Ram Lul Pachnanda R/o A-14, South Extension-1, New Delhi,

W/o Shri Gopal Dulani
W/o Shri Gopal R. Dulani
R/o 29. Housing Society,
N.D.S.E. 1.

(2) Smt. Mohini Chuharmal W/o late Shri Chuharmal

New Delhi-49.

(Transfero.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HONSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/5-85/53.--Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the unanovable

reporty. having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Area 100 Sq. Yds. Kotla Mubarakour situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delbi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in variting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ant, shall have the same meaning as given to that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:

#### THE SCHEDULE

Entire first and second floor 50% undivided share of land measuring 100 Sq. Yards at Village Kotla Mubarakpur on Ring Road, In the Union Territory of Delhi, New Delhi. (NDSE)-I.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the se Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeadd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tellewing persons, namely :--

Dated: 31-12-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HONSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/54.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property No. M-94, Greater Kailash, Part-I situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in May. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, to respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

(1) Snr. Hemanta Kumar Bose S70 late Sarat Chandra Bose R70 M-94, Greater Kailash, Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Prabha Dutta W/o Shri B. K. Dutta R/o 216, Block 'J' New Alipore, Calcutta and Smt. Snigdia Dutta W/o Shri D. K. Dutta R/o N-264, Greater Kailash, Part-I, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Terrace above ground floor of property No. M-84, Greater Kailash, Part-I, New Delhi, together with finished and unfinished structure on 1st floor and terrace above the servant's Qrs. above the garage comprising approx. 2250 Sq. ft. terrace area.

R. P. RAJESH
Competent Authoric
Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax
Acquisiton Range-II
Aggarwal House, 4/14-A
Asaf Ali, New Delhi

Date: 31-12-1985

Seal;

(1) Shri Harinder Singh E-599, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Swaraj Kumari Kapoor C-83, Malviya Nagar, New Delhi,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HONSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/55.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, (Rear Flat) on First floor in Bldg. No. 473 in Greater Kailash-II situated at New Delhi (ard more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the Registering Officer at New Delhi in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a 5sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Flat No. 6 (Rear Flat) on First Floor in Bldg. No. S-473 in Greater Kailash-II, New Delhi. Area 990 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A
Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

107-446 GI/85

Date: 2-1-1986

Seal;

#### [PART III -SEC. 1

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85, 56.—Whereas I,

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85, 56.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. S/133, Greater Kailash Part II situated at New Delhi, (cod. more fully described in the Schedule appared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi

IAC/Acq. R-I, Asaf Ali Road, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following errous, namely :--

- (1) Shri Bakshi Mohan Singh, S/o Late Sh. Bakshi Labh Singh Chopra, R/o 1281 Terrace Plantation, Florida-33322, Presently at A-451, Defence Colony, New Delhi-24, (Transferor)
- (2) M/s Captain Construction Company, through its partner Shri Mohanjit Singh, R/o Iqbal Farms, DLF Farm Area, Chhattarpur, New Delhi-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S/133, Greater Kailash Part-II, New Delhi-48 measuring 300 sq. yds. (251 Sq. Mtrs. approx.).

R. P. RAJESTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/5-85/57.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. E-203 Greater Kailash I, situated at New Delhi-11048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt, Sheeta Seth W/o Shri Krishan r/o E-203, Greater Kwilash-I, New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Kumar Jalan and Ishwar Kumar Jalan both minor sons of Shri Girdhari Lal Jalan through their Father & Natural Guardian Shri Girdhari Lal Jalan S/o Shri Devi Dutt Jalan r/o 4375/4B, Nurari Lal Street Ansari Road, Daryagani, New Delhi-110002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULR

Entire First Floor in property bearing No. E-203 situated at Greater Kailash-I, New Delhi-10048 measuring 1263 sq.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/58.—Whereas J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 102, Part of property No. A-13,
situated at Kailash Colony, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in May 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and het the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :---

(1) M/s Kalyan's Enterprises, through their partners/ Co-owners Mr. Kalyandas Mahant and Mrs. Shakuntala Mohan.

(Transferor)

(2) Associated Bearing Company Limited Hoechst House, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, measuring 1788.63 sq. ft. part of property No. A-13, Kailash Colony, New Delhi,

> R. P. RAIFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 26-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85/60,-Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural land, Village Dera Mandi, situated at New Delhi

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Sihedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice mader aubsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Gedore Tools (India) Pvt. Ltd., 51-52 Nehru Place, New Delhi, Through its Executive Director, Mr. Prakash Chandra Jhalani.

(Transferor)

(2) M/s. The Motor & General Finance Ltd., MFG House, 17B Asaf Ali Road, New Delhi, through its Managing Director Mr. Ved Prakash.

(Transferee)

Objections, th' any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 1 as are defined in Chapter XXA of the slaid Act, shall have the same meaning as git/en in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 bighas, Khasra Nos. 806 (2-3), 799 (0-19), 809 (2-2), 825/1 (2-6), 843 (2-18), 823 (1-16), 822 (1-16), 847/2 (2-6), 841 (1-0), 804 (2-0), 808 (0-19), 807 (2-0), 810 (3-17), 815 (3-3), 786 (1-3), 814 (0-18), 849 (2-19), 839 (2-3), 848 (5-7), 774/44 (0-18), 774/36 (2-0), 774/28-29 (1-16), 774/33 (1-0)), 774/43 (1-0), 774/42 (1-0), 774/38 (1-0), 774/37 (1-0), 774/40 (0-18), 774/34 tnin (1-3), 774/35 (1-0), 774/45 (0-15), 820 (1-14), 821/2 (0-19), 821/1 (0-17), 840 (1-0), 811 (1-2), 826/1 (1-0), 826 min (1-0), 825/2 min (2-0), 774/34 min (1-3), village Dera Mandi, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-85/61.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2½ Storeyed building bearing property No. C-1/227, Lajpat Nagar situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woodth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Lal Sharma S/o Shri Bhagat Ram Sharma R/o G-110, Kalkaji, New Delhi Through General Attorney S. Tarlochon Singh S/o Shri Har Singh R/o C-I/202, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal Singh S/o Shri Tejpal Singh, R/o C-I/227, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

21 storeyed building bearing property No. C-1/227, mg. 100 sq. yds., situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJUSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

IAC Acq.I/SR-III/5-85/62.-Whereas, I, Ref. No. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act ) have reason to believe that the infinitivative property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot S-374, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Sihedule annexed hereto), the three transfer of the situation of the sine of the situation of the situa

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasse of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Navin Jali, C-15, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parmjit Singh Mann and Shri Randeep Singh Mann, Both residents of Randhir House, Randhir Lane, Karnal (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot S-374, Greater Kailash-II, New Delhi, Area-297.5 sq. yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-12-1985

#### FORM PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-85/63,--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immavable or operty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. S-43 measuring 300 sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Sihedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I. Asaf Ali Road,
New Delhi in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Davinder Singh Marjara S. Davinger Singh Marjara
S/o Shri Ram, Singh and
Smt. Inderjit Kaur Marjara
W/oDavinder Singh Marjara,
R/o 2692, Morgan Street, Foy. Que., Canada
Present S-43 Greater Kailash-II,
New Dalhi New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chitra Tyagi W/o Shri Surinder Kumar, Master Kshitij Kumar and Master Bhanu Pratap, R/o Town & P.O. Niwari Near Modi Nagar, Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usede in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. S-43, measuring 300 sq. yards, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspectini Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC Acq.I/SR-III/5-85/65.—Whereas, I, R. P. RATESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 462, measuring 208 sq. yards in Block No. 'S', situated at Greater Kailash-I, New Delhi

Greated Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the market has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oblect of :—

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 108--446GI/85

(1) Smt. Chandra Kanta W/o Shri Ashok Kumar, R/o A o, Ring Road, N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Wati Seth W/o Late Shri R. N. Seth and Miss Dolly Seth D/o Late Shri R. N. Seth, R/o 6007, Jawahar Nagar, Subzi Mandi,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

First floor part property bearing No. 462 measuring 208 sq. yards in Block No. 'S' in the residential colony of Greater Kailash-I, New Delhi in the Union Territory of Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 31-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGF-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

/Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/5-85/67.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-Rs. 1,00,000-and hearing No.

Plot No. 6 Block No. 'A', in the layout plan of Mohan Co-operative Industrial Estate Ltd., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (13 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 M/s. Swarajko Industries, 29, Netaji Subhash Marg, New Delhi.

(2) M/s. Swarajko Engg. Pvt. Ltd., 29, Netaji Subhash Marg, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6, Block No. 'A' in the layout rlan of Mohan Co-operative Industrial Estate I.td., New Delhi, situated at Village Tejpur Pul Prahlad Aali Tekhand and Badarpur, Delhi measuring about 5259.94 sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income ax
Acquisition Range-II
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of he said Act, to the following persons. namely:—

Date: 2-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Kartar Singh S/o S. Lal Singh R/o S-285, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEIJHI

New Delhi, the 27th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-85/69.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 289B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. A-131, Defence Colony

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1985

for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucultating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any theorems of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Parkash Chand Khurana S/o Shri Tulsi Dass R/o 1/1, Regal Building, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of 'he atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. A-1351, Defence Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Iucomt-tax,
Acquisition Range-It
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-12-1985

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1986

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/5-85/70.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Plot No. 34, Block-B situated at New Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the registering Officer at New Delhi on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

  11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Ram Pieri W/o Late Shri Gurdas Singh R/o 1439-E, Union Street, Paco, Manda, Phillipines, C. o Gurmit Singh Chouhan, 22, River View Road, Nangal Township, Distt. Ropar, At present New Delhi, 2. Smt. Harbans Kaur W/o S. Gurmit Singh Chouhan R/o 22, River View Road, Nangal Township, Distt. Ropar, At present New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. D. K. Aggarwala S/o Ram Niwas Aggarwala 2. Smt. Kusum Aggarwala Smt. Kusum Aggarwala
 W/o Basant Kumar Aggarwala
 Master Gaurav Aggarwala and
 Master Gagan Aggarwala, Minor Ss/o Shri Basant Kumar Aggarwala
 Through their father.
 All R/o B-4, NDSE Part I,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land measuring about 200 sq. yards bearing Plot No. 34, Block B, situated at New Delhi South Extension Scheme No. 1, Village Mubarakpur Kotla, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range-Π, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-12-85

#### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ΛLI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-85/71.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred (5 as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-189 with the land measuring 75 sq. yards, satuated at G.K.-II, New Delhi tand many fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has beentransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considreaiton fo rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor o pay ax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; 403 Ca
- (b) faciliatting the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- therefore, it parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Gabriel Garments (P) Ltd., S-14 Greater Kailash-II, New Delhi Through its Director Shri Washeshar Nath Sawhney,

(Transferor)

 (2) Commodore Jai Shanker Mehra
 S/o Late Shri R. J. Mehra
 2. Mrs. Kailash Mehra
 W/o Commodore Jai Shanker Both R/o C/o A. M. Bhide, E-63 Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S-189 with the land measuring 75 sq yatds, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-12-1985

#### FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/5-85/72.--Whereas, J. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 43, in Block 'M', Greater Kailash-II, situated at New Delhi-48

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Nanaksar Thath (Isher Darshan),
 A religious society registered as No. 5885,
 Issued on 26-7-73,
 By the Registrar of Societies Delhi State,
 Through its Secretary and authorised person
 Shri Isawant Singh
 S/o Shri Sahib Singh,
 R/o M-41, Greater Kailash-II,
 New Delhi-48.

(Transferor)

(2) M/s. Saurabh Enterprises,
Shop No. 3, Masjid Moth,
New Delhi-48
Through its Partners
Smt. Alka Jain
W/o Shri S. K. Jain,
R/o Railway Road, Rohtak, Haryana and
Smt. Kalawati
W/o Late Shri B. L. Pandeya
R/o Shop No. 3, Masjid Moth,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons wahin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inter\_sted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 43, in Block 'M' Greater Kailash-II, New Delhy 48 measuring 250 sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-It.
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-12-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAL ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-85/73.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Plot No. 51, in Block 'M' Greater Kailash-II,

situated at New Delhi-48 Measuring 262 sq. yards

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Sohan Singh Giani S/o Shri Krishan Singh, Smt. Jazdash Giani W/o Shri Sohan Singh Gaini Both R. o 127-128, Daya Nand Colony, Lajpat Nagar-IV, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Fabres & Fabrics Ltd., Through its Director Shri Suresh Saraf S/o Shri Inder Chand, R/o C-114, Greater Kailash-I, New Delhi-48,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 51, in Block 'M', Greater Kailash-JI, New Delhi-48. Measuring 262 sq. yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Varinder Kumar Verma S/o Dr. Parmanand Verma R/o A-47, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Mehra Shri H. C. Mehra, R/o C-151, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AĞGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I, SR-III/5-85/74.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. House No. 31, Block 'M', Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 31, Block 'M', Measuring 250 sq. yards. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJUSII Competent Authorsy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. New Delhi

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-85/75.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. S-402, Greater Kailash-II, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suman Kumar II-A/48, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raman Anand, D-289, Defence Colon, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. \$-402, Greater Kailash-II, New Delhi,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--109-446GI/85

Date: 26-12-1985

(1) Vidya Charan Shukla 1. Willingdon Crescent New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pratap Singh & Mrs. Savittl Pratap 5, Western Avenue, Maharanee Bagh, Now Delhi-110065.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION EANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-HI/5-85|76.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

No. P-46. Muharance Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1st Floor 1929.26 2nd Floor 1929.26 Barsati 496.125 Basement 515.812 Servants Qrs. 415.507 Sq. ft 4285.507 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Autho.ity
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetent
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A Asaf All Road
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-12-1985

THE RESERVE THE PARTY OF THE PA

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/S-III/5-85]77.---Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Plot No. S-331, Greater Kailash-II, situated at New Delhi Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. S-531, Greater Kailash-II situate dat New Delhi.

Plot No. S-531, Greater Kailash-II situate dat New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating his concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anit Gupta S/o Jagish Pershad
  r/o C-355, Defence Colony, New Delhi
  presently residing at 14, Anand Lok, New Delhi.
  (Transferor)
- (2) M/s, Feroz construction (P) Ltd. S-439, Greater Kailash-I, New Delhi, through its Director Feroz Mulik

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S-531, measuring 550 aq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 26-12-1985

Seal

(1) Smt. Shanti Johar W/o Shri G. S. Johar, r/o C-170, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. N. Katyal S/o Shri Shanker Dass Katyal r/o A-31, East of Kailash. New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. L R. P. RAJESH, IAC/Acq-I/SR-III/5-85|78.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-No. Entire First floor apartment of House situated at No. and bearing No. Enlire floor apartment of floor situated at No. E-126, measuring 208 sq. yds. Greater Kailash, New Delhir, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred. has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

Entire First floor apartment of house No. E-126, measuring 208 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procedure, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85|79.—Whereas. I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. S-488, Greater Kailash-I situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of 'the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Prem Lata Sarover
W/o Late Shri Youdishter Dev Saroyer, r/o S-488, Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) Smt. Sushil Guliani W/o Shri A. D. Guliani, r/o S-488, Greater Kallash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Second floor, comprising of one drawing one dining, one kitchen, 3 bed rooms, 3 tollets, Servant room constructed on plot of land measuring 215-1/2 sq. yds being plot No. S-488, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH Inspecting Assistant Commissioner of Incomes ax Acquisition Range-1 Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road New DelbL

Dato: 2-1-1936

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OINTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85|80.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 6 measuring 896 sq. ft, situated at Greater Kailash-II

New Delhi-48.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of 1908) in the Office at New Delhi on May 1985

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to telieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Parves Kumar Kakkar S/c Hari Ram Kakkar 1/0 E-603, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chander S/o Sri Ved Vyas and Mrs. Kaku Mahajan W/o Shri Suresh Chander, t/o Ganga Ice Factory, Kurukshetra at present staying at F-1/9, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, measuring 896 sq. ft. part of Plot No. S-457, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road New Delhip

Date: 31-12-1985

Scal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JII/5-85]81.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. E-266, Greater Kailash-I, situated at New Delhi-110048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered underhas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subuection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri S. Amarjit Singh, Johar S/o Late S. Ajit Singh Johar r/o C-139 Defence Colony, New Delhi-110024. (Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh W/o Shri Satish Verma, r/o B-4, Kailash Apartments, New Delhi-110048. (Transfe ee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

E-266 Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A Asia Ali Road
New Delhi.

Dato: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-85|83.-Whereas, I, R. P .RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-27, Defence Colony, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Col. Birender Singh Chimnl
 S. Surinder Singh Chimni S. Saimhael Singh Chimni
 Brig Brijinder Singh Chimni
 Maj Tejender Singh Chimni
 S. Harinder Singh Chimni
 R/o C-595, Defence Colony, New Delhi.

(1) 1. Lt. Col. Bhupinder Singh Chimnl

(Transferor)

(2) S/Sh. Anand Chauhan, Arun Chauhan,
Arun Chauhan,
Ajay Chauhan,
Master Atul Chauhan,
R/o E-27, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-27, Defence Colony, New Delhi Area 1013-2/9 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road-New Delh!

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 26-12-1985

#### FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Harish Chandra S/o Shri Gian Chandra r/o C-198, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Kapoor w/o late Jagmohan Kapoor r/o C-407, Pragati Vihar Hostel, near Jawahar Lal Nehru Stadium New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IΛC/Acq-I/SR-III/5-85|84.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000% and bearing No. First I-loop of property No. C-198, situated at Greater Kadash-I. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of the Competent Authority New Delhi.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soil Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957):

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following passons, namely:——110—446 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLINATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

First Floor of Property No. C-198, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asuf Ali Road New Delhi,

Date: 26-12-1985

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# C-29, South Extension Part II, New Delhi. (Transferor)

 Ladli Pershad Jaiswal, B-69, Greater Kailash-I, New Delhi.

(1) Shri Narinder Nath Saigal

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/5-85|85.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 669B of Income-tax Act, 1961 (13 o. 1961) (nereinatter referred to as the 'said Act,' have reason to believe that the mamovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Rs 1,00,000/- and bearing No.
54, Ring Road, Lajpat Nagar-III, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and cor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1937 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned b-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Ground Floor-2900 Sft. First Floor—2900 Sft. Barsati Floor—400 Sft. Total 6200 Sft. Ground Floor & Part First Floor—1959 Part First & Barsati Floor—1969 54 Ring Road Lajpat Nagar-III

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangesl
Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 26-12-1985

Sec.'

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/J4-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III, 5-85|86.—Wherens, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing No. C-81-A. Kalkaji I, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-seetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following nons namely :--

(1) Shri Raghurath Pershad S/o Late Shri Hari Chand 1/0 J-11, Jangpura Extn., New Delhi-

(2) Shai Sudhir Kumar Verma s/o Shii Des Raj Verma, r/o E-II/178, Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing No. C-81-A, Kalkaji, New Delhi, measuring 100 Sq. yds.

> R. P. RAJESII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4, 14-A Asaf Ali Road New Delhi.

Date : 2-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1, SR-111/5-85|87.-Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 56/2, Hanuman Road situated at New Delhi, measuring 2015.2 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(\*) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Chaman Lal Soi, S/o late Shri Raja Ram, r/o A-6/1, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abhay Kumar S/o Shri Amrit I al, ir and as natural guardian of his two real sons Mr. Anish and Akhil (Minors)

Smt. Promila,

3. Roshan Lal,

4. Shri Gopal Krishan5. himself as Karta of HUF & natural guardian of his two real sons Mr. Anurag and Mr. Anul (minors)

5. Jagdish Pershad Gupta

6. Shashi Bhushan

7. Ashwani Kumar and Mrs. Madhu all resident of B-191, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 56/2, Hanuman Road, New Delhi measuring 2015.2 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax
> Acquisition Range-I
> Aggarwal House. 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 26-12-1985

with the object of :---

#### FORM ITNS

The second secon

SOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS

ACQUISITION RANGE-AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-II1/5-85[88.—Whereas, I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 1 Bigha 13 Biswas, situated at

Agricultural land measuring I Bigha 13 Biswas, situated at Village Dooli, Dist, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq Range-I, Asaf Ali Road, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the larmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) feed-taking the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937)!

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Consolidate Machines (P) Ltd. B-93, Lajpat Nagar-I,

New Delhi-110024.

(Transferor)

(2) Mrs. D. Khambatta, 162, Jorbagh New Dollii

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immu. able property, within 45 days from the date 🛥 the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring I Bigha, 13 Biswas, Comprised in Khasra No. 8/2, Village Deoli, Delhi, 1000 sq. ft. unfinished structure built in 1983.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi.

Date : 26-12-1985

#### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th December 1985

Ref. No. IAC/Acq  $1/SR-HI_{\parallel}5-85|89,--$ Whereas. I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Agricultural I and Village listate of Samalka situated at in

the Union Territory of Delhi

(and more fully described in % Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, Asaf Ali Road, New Delhi, in May 1985 tor an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) Decilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 484 /Or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Vita Private Ltd. having its registered office at Laxmi Woolen Mills Estate, Dr. E. Moses Road, Mahalaxmi, Bombay and having its Branch office at Rajokri Road, P.O. Kapashera, New Delhi-37, through its Director Shri I.S. Mann.

(Transferor)

(2) Shri R. N. Sahni S/o Mr. S. N. Sahni 'AKASDEEP' Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring to bigha comprised in Khasra Nos. 18/2 (4-0), 19/2 (4-16), 23 (7-4) of Rectangle No. 30 situated in Village Estate of Samalka in the Union Territory of Delhi. Abutting on the Rajokri Road.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Date: 26-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Ansal Housing & Estates (P) 1.td., 115 Ansal Bhawa, 16 K.G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Wadhwa, 43 Posa Road, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. 1 R. P. RAJESH, IAC/Acq-L/SR-H1/5-85[89A. -Whereas. 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, - and bearing No Agricultural Land measuring 12 Bigha 2 Biswas situated at

Village Satbari, Tehsil Mchrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising the transfer, andia:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Incorporax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-im Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 Bighas 2 Biswas comprising in Khasra No. 935/1 (2-10), 936(4-16), 933(4-16) situated in Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 31-12-1985

#### FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/5-85/89B.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Two third share of Agricultural lands admeasuring 22 Bighas and 19 Biswas situated at Village Deoli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the inid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Murti Devi W/o Shri Radhey Shyam R/o Village Deoli, Teh. Mehrauli, Union Territory of Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd., 115 Ansal Bhayan, 16 K.G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two-third share of agricultural lands admeasuring 22 Bighas and 19 Biswas comprised in Rect. No. 30, Khasra Nos. 6/1 min ()-10, Rect. No. 31 Km s/a No. 12/2(1-00), 13/2(0-07), 18(2-07), 19(9+10), 22 min East (2-18), 23(6-00). Rect. No. 49, Khasra Nos. 4(4-09) and 7/1(0-12) in village Deoli.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal Hause
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 31-12-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-85/89-C.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being he Competent authority under Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Agricultural Land admeasuring 12 Bighas 09 Biswas comprised in Khasra No. 948(1-01), 950(2-19), 949(4-18), 951(3-11) Vi'lage Satbari situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I nave reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the forms of this notice under subsection (1) of Section 26 10 6 the said Act, to the following persons, namely .-

M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawa, 16 K.G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

 1. Mrs. Priyancet Kaur
 2. Mr. Rajbir Singh
 3. Miss Kiran Deep Kaur R/o 9, Southern Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Extranation .- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in "et Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land admeasuring 12 Bigha 09 Biswas comprised in Khasra No. 948 (1-01), 950 (2-19), 949(4-18). 951(3-11) altusted in village Satbari, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 31-12-1985

Scal :

111-446GT/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/8-85/89D.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Agricultural land admeasuring 17 Bighas 17 Biswas situated at Village Satbari, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delbi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by use said instrument of transfer with the ablest of the said instrument of transfer with the ablest of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any locome arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons samely:—

(1) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal. Bhawan. 16 K.G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) M/s. Anand & Sons (HUF), through its Karta Inder Prakash Anand 40 Ram Nagar, New Delhi-110055.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 17 Bighas 17 Bigwas comprised in Khasra No. 666(4-03), 670(4-03), 131(4-16) and 198(4-15) situated in Village Satbari, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 2-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1712.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 2nd floor, area 1600 sq. st. & one car parking space in Group Housing Scheme Adiswar Apartments at 34 Ferozshah Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument

the consideration for such transfer as agreed to between

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tarang Chandra, Bhugwati Bhawan,31 B.M.L. Dahanukar Marg, Bombay-400026.

(Transferor)

(2) (i) Snit. Sudha Singhania (ii) Hemantpat Singhania & Shri Arunpat Singhania HUF through Karta Mr. Hemanipat Singhania

Mr. Hemanipat Singhania

(iii) Sharadpat Singhania & Sudha Singhania

HUF through Karta Shri Sharadpat Singhania

at Radha Kunj, Kalpi Road, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on 2nd floor, area 1600 Sq. ft. & one Car parking Space in proposed multi-Storeyed Group Housing Scheme ADISWAR APARTMENTS at 34 Fero-Zeshah Road, New Delhi-110001.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 6-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1713.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred two as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat on 7th floor area 1600 sq. ft. & one car Parking space in Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34 Fero-Zeshah Road, situated at New Delhi-110001

Zeshah Road, situated at New Delhi-110001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the self. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Naresh Chandra Bhagwati Bhawan, M. L. Dabanukar Marg, Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) Aditya Realtors Ltd. 4, India Exchange Place Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat on 7th floor area 1600 sq. ft. & one car parking space in proposed multi storeyed Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34 Fero-Zeshah Road, New Delhi-110 001

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delb

Date: 6-1-1985

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1714.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 6th floor area 1600 sq. ft. & one car parking sapace in Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34 Ferozeshah Road situated at New Delhi-110 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the transfer with t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Smt. Suman Bhagwati Bhawan,
 B M.L. Dahanukar Marg, Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) M/s. Trans Coeanic Properties Ltd. 17, Ragunath Dadaji Street, 2nd floor, Near Handloom House, Fort, Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat on 6th floor, area 1600 sq. ft. & one Car Parking space in proposed multi storeyed Group Housing Schema Adiahwar Apartments at 34 Fero-Zashah Road, New Dolhis 1,10001.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERMENT OF INDIA

**♦FFICE** OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1715.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ru. 1,00,000/- and bearing No.

A flat admeasuring 1600 sq. ft. on 1st floor and Car parking space in Group Housing Scheme Nilgiri Apartments stuated at 9 Barakhamba Road, New Delhi-110001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Kailash Nath and Associated, 1006 Kanchenjunga, 18 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor) (2) Mr. K. L. Seth and Mrs. Veena Seth, Tilak Street, Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A flat admeasuring 1600 sq. (t. on 1st floor, an open Car parking space in the proposed multi-storeyed Group Hous-ing Scheme Nilgiri Apartments at 9 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

> R. P. RAJESH Competent Authorita Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-1-1986

Real .

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION KANGEI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1716.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable proper'y having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

Flat No. G-1, 11-Hanuman Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Skipper Construction Co. Pvt. Ltd. 22 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(2) Mrs. Dolly Gaind & Mr. Raj Kamal Gaind 171-Jupiter Apartment, 41-Cuffe parade, Bombay-5. (Transferor)

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G-1, 11-Hanuman Road, New Delhi. Area 1810 eq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax. Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 6-1-1986 Seal:

agreed to

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37-EE/5-85/1717.-Wherens. L R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 710-A. Area 140 ag. ft. situated at Skipper Bhawan,
2 Barakhamba Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at
IAC Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any lecture or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for Of for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Jagdish Khurana 2882, Bazar Sukewalan Quazi House, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) 1. Maj. H. S. Lamba 2. Master Arvinder Pal Singh (Minor)
3. Mrs. Pershi Kaur
ED-58 Tagore Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 710-A, Area 140 Sq. ft. in Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date · 6-1-1986 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAI. HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. 17 R. P. RAJESH, IAC. Acq. 1/37EE/5-8511718.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1st Basement/LGF No. 7 Vijay Building, situated at 17 Barakhamba Road, Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT Act. 1961, in the Office.

has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I. New Delhi, in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 112-446GI/85

(1) Mr. Ved Ration Agency P. B-179, Greater Kailash-l, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii C. U. Kamath. Prop. M.S. C.U. Kamath & Co. No. S. Ground Floor, Prabhat Kiran, 17. Rajendra Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

1st Basement/LGF No. 7 ia Vijay Building, 17 Barakhamba Road, Con. Place, New Delhi, Area 137 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date : 10-1-1-86 Sen) :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
RWAI HOUSE, 4-14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI AGGARWAI HOUSE,

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE, 5-85/1721.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1.00,000. - and bearing

Flat No. 1103 in Anna Deep situated at 14 K.G. Marg. New Delhi.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at at IAC. Acq. Range-f, New Delhi, on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie has not been truly etated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) M & Hind Nihon Proteins (P) Ltd. Post Box-76, Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introv-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1103 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area : 592 sq. Ift

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL TOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. 1AC Acq 1, 371 F, 5-85, 1722. -Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 1101 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1961 in the Office

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at at IAC. Acq. Range-I, New Delhi, on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansel Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Hind Nihon Proteins (P) Ltd. Post Box-76, Moradabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1101 in Amba Deep at 14 K. G. Marg. New Delhi, area 850 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House 4. Li-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 1/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/5-85/723.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 1104 in Amba Deep, situated at 14 K.G. Marg, New Delhi.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at at IAC. Acq. Range-I, New Delbi, on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of flection 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aberesast property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 G. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Hind Nihon Proteins (P) Ltd. Post Box-76, Moradabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mde in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1104 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi, area 592 sq. ft.

> R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14-A, Asaf Alı Road, New Delhi.

Date: 3-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ansal Properties & Industrics (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan 16 K G, Morg,

(Transferor)

(2) M s Hind Nihon Proteins (P) 11d Post Box-76. Moradabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

MGGARWAL HÖUSE, 4. 14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1985

Ref. No. 1AC Acq. 1/37EE 5-85 1724.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000:- and bearing Flat No. 1102 in Amba Deep, situated at 14 K.G. Marg. Name Deep.

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act. 1961 in the Office

of the Registering Officer at at IAC, Acq. Range-I, New Delhi, on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1102 in Amba Deep at 14 K. G. Marg. New Delhi, area 410 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4-14-A. Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 3-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-Afi ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1986

Ref. No. R. P. RAJESH, 1AC Acq.-1 37HU5-85 1725,—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000, and bearing No. Flat Nos 1003 and 1004 in Amba Deep situated at 14 K. G.

Marg. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

at IAC, Acq. Range-I, New Delhi, on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan-16 K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arun K. Sendhini D-17 Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat Nos 1003 and 1004 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 530 sq. ft. and 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 11
> Aggarwal House 4 14-A. Asaf Ali Road. New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 3-1-1986 Scal :

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan-16 K. G. Marg, New Delhi.

(2) Sh. Satish Mohra, 23, Jupiter Building, Cuilee Parade Colala, Bombay-5,

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85, 1726.—Whereas, J. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101-inAmba Deep at situated at 14 K. G. Marg.

Flat No.

New Delhi

(end more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1961 in the office of the registering Officer

at IAC. Acg. Range-I, New Delhi, on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 101 in Amba Deepat 14 K.G. Marg, New Delhi. Arca 400 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--J13 446 GI/85

Date: 3-1-1986

(1) Ansal Properties Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37FE/5-85/1727.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, -1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1107 in 38 N. Place situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1961 in the office of the registering Officer

at IAC, Acq. Range-I, New Delhi, in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or cvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Bhai Rajinder Pal Singh, Miss-Gagan Deep Kaur, C/o I. M. Grewal, 654 Gurdev Nagar, Civil Lines- Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1107 in 38 N. Place, New Delhi. Area 560 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax . Acsuisition Range-II. Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 3-1-1986

#### FORM 1.T.N.S.

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Trigon Investments & Trading (P) Ltd. GF-6-17 Rajendra Place, New Dolhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

SUPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COME SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI ASSISTANT COMMIS-

New Delhi, the 3rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/5-85/1728.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 103 and 104 in Amba Deepat situated at 14 K.G. Marg, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1961 in the office of the registering Officer

at IAC Acq. Range-1, New Delhi on May 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat Nos. 103 and 104 in Amba Deepat 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 450 Sq. ft. each.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2601 of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI AGGΛRWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/5-85/1729.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 819A in Amba Decpat situated at 14, K.G. Marg.

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1961 in the office of

the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi, on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Morg, New Delhi.

(Transferor)

 (2) Master Ambuj Gopal Puri,
 U/G Mrs. Rama Puri,
 C/o Mohinder Puri & Company,
 C-37 Connaught Place, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dats of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hlat No. 819 A in Amba Deepat 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 550 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acsuisition Pange-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 3-1-1986

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. M. S. Aggarwal (WUF) 3/74. Vishna Pari, Kanpur (UP)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala Davi, W/o Sh. Balram Sangal, R/o 919/20 Kucha Kabli Attar. Chandni Chowk, Delhi.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1730.—Whereas, I, R. P. RAJESH, heing the Competent Authority under Section 269B.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. UB-9 in upper basement in Building situated at No. 21. Barakhamba Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1961 in the office of the registering Officer

at IAC. Acq. Range-I, New Delhi, on May 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. UB-9 Upper Basement in Building No. 21, Barakhamba Road, New Delhi having an area of 520 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1986

#### FORM ITNS-

(1) Mr. Yoglian Aroro, 26/65, Ramjos Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi.

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

CTMAN AND COUNTY OF A TOTAL TO THE COMPANY OF A COMPANY O

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-86/1731.—Whereas, 1, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1519A, Skipper Tower, 89 Nehru Place, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I/T. Act, 1961

the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi, on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transferund/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Santokh Singh Khan & Mr. Sukbinder Singh Khera, G-12, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1519 A. Skipper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi. Area 129 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Ing Ming Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Ul
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Date: 10-1-1986

New Delhi. NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Amarjit Singh, R/o L-23, Kailash Colony, New Delhi.

(1) Skipper Sales Private Limited,

22, Barakhamba Road,

(Transferec)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-3, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1752.— Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 - and bearing Flat No. 824 at 89, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi, Act, 1961 in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair ranket value of the aforestid property, and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 824, at 89, Nehru Place, New Delhi, Area of Flat 130 Sq. ft.

> R. P. RAJESII
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Dolhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date : 10-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/5-85/1733.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Loft L-116, Surya Kiran situated at 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961

in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Indira Baweia, R/o 52, Bakhtawar Annexe, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006, C/o Shri Lila Kishan, D-1/10 Vasant Vihar, N. Delhi-110 057.

(Transferor)

(2) Miss. Sangecta Arora, R/o D-1/10, Vasant Vihar, New Delhi-110 057.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imageable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Careum

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Loft L-116, Surya Kiran, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001. Area 213 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI
> Acquisition Range-JI
> Aggarwal House,
> 4/14-A, Asaf Ali Road,
> Delhi/New Delhi

retow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6 1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986-

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1734.--Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,0004 and bearing

Flat No. UB-10 at 22. Barakhamba Road situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or eventon of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marnely :---

114-446 GI/85

(1) Skipper Sales Private Limited, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(2) Shri T. Raj, R/o B-3/48, Janak Puri, New Delhi,

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. UB-10 at 22, Barakhamba Road, New Delhi. Area 300 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, measuring 583 Sq. ft. on 9th floor situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1735.—

in the Office of the Registering Officer at LAC Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lastic of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, sensety:—

(1) Mr. Charti Lal Goel, R/o 4/7, Roop Nagar, Delhi-7.

(2) M/S. United Construction Company, 13/12, Punjabi Bagh Extension, New Delhi-110 026.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, measuring 583 Sq. ft. on 9th floor in 28, Barakhamba Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangeAggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALT ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1736.— Whereas I, R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremater referred to as the 'sa.d Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 816 measuring 450 Sq. ft. situated at 14 K. G. Marg, New D. hi (and more inhy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi, ACT, 1961 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1: of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Brij Kishan
   C/O Indra Agencies (Regd.),
   Govind Mansion, Block 'H', Con. Place,
   New Delhi.
- (Transferor)
  (2) Mr. Maneesh Bawa, Mr. Sumeet Bawa S/o
  Shti R. S. Bhalla, R/o
  S/322-A. Panchsheel Park,
  New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 816, measuring 450 Sq. ft. in 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

Seal ;

(1) Mrs. Suman Lata, R/o G-1248, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. K. Leekha & Sons (HUF), B-4/1. Safdar jung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/5-85/1737.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Flat No. 1414, Hemkunt Tower, 98 situated at Nehru Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi, ACT, 1961 in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 1414, Hemkunt Tower, 98, Nehru Place, New Delhi covered area 579 Sq. fts.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1986

#### FORM LT.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFI.HI

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1738.-Whereas I, R. P. RAJFSH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 703-A, Devika Tower, Nehru Place, situated at New Delhi

has been transferred under the I. T. ACT, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Pragati Construction Co. (Devika Tower), 4th Floor Sheetla House, 73-74. Nehru Place, New Delhi.

(2) Mrs. Saudha Wadhawan, R/o E-87, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Booked Flat No. 703-A, in multi storeyed Building, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, Area 210 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Alı Road, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

### NO11CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/5-85/1739,—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1, Hailey Road, situated at New Delhi
has been transferred under the 1. T. ACT, 1961 in the Office
of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi
in May. 1985

in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; md√or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shrimati Sheela Vati W/o Late Smr Murari Lal, 2. Shri Pishi Kumar,

  - 3. Shii Pradeep Kumar,
  - 4. Shri Latit Kumar Ss/o Late Shri Maraji Lal,

  - 5. Shri Bij Lal S/o Shri Bishambar Dayal,
    6. Shrimaii Savilri Devi and others, R/o Hailey Road, New Delhi.

(2) M/S. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the a oresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable projecty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 1, Hailey Road, New Delhi,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1986

#### FORM LT.N.S.

(1) Shri Surinder Malik, R/o J-41, ND. S. E. Part-I, New Delhi. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(2) M. S. Ranų Trul (P) Ltd., 9/54, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELUI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/5-85/1740.— Whereas I, R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1-W-89-A, Greater Kuilash Part-II situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. ACT, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi

in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer or agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mad/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1W-89 A, Greater Kailash Part-II, New Delbi measuring 1130 Sq. ft. Two Bed 1 D/D. Kitchen, Bath Rooms.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIH

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1742.— Whereas I, R. P. RAJESII,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 817-A in Amba Deep situated at 14 G. K. Marg.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. ACT, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of I-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Mark, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/S. M. C. Agarwal (HUF), A-28-Necti Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charger

#### THE SCHEDULE

Flat No. 817-A in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 300 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/5-85/1743.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing that No. 803 in Amba Deep situated at 14 K. G. Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. ACT, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following netsens namedy: 115 446 GI/85

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ausal Bhawan, 16 K. G. Mark, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/S. Asiatic Conduit Industries, F-12, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 803 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi Area 450 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range-IJ Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<del>erran - 1. general de la completa de</del>

### (1) Annal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Mark, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/S. Kwality Book & Sty. Co., Suiton's Road, Bhopal

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II AĞĞARWAL HOUSE. 4 14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37FF/5-85/1744—
Wherens I, R., P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 818 A in Amba Deep situated at 14 K. G. Mars,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I. T. ACT, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asiets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fiat No. 818-A in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 450 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 10 1-1986 **Seal** :

FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ATT ROAD NEW DELHI

New Delhi the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85[1745.—Whereas IR. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 811 in Amba Deep / situated at 14 K. G. Marg, New Delhi.

Marg. New Delhi.

(and more fuilv described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. ACT 1961 in the Office of the registering Officer at I. A. C. Acquisition Range-I, N. Delhi in May 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteon per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as arriced to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Anstel Properties & Industries 115 Ansal Bhawan 16 K. G. Marg, New Delhi.

(2) Mr. Vijay Mehra & Mis. Cuckoo Mchra Achavan. Tea Estate, P. O. Naharkatia-786610 Dibiugarh Assam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 811 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi Area 500 Sq. ft.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
4/14-A. Asaf Aali Road
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 10-1-86. Seal :

(1) Ansal Properties & Industries 115 Ansal Bhavan, 16 K, G, Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Gurbachan Singh J-12/22 Rajouri Garden, New Delhi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 10th January 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1746.--Whereas I, R. P. RAJESH

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that \* Tranter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. UB-1 in Prakash Deep situated at 7 Tolstoy

Marg, New Delhi.

has been transferred under the TT. Act 1961 in the Office No. Flat No. UB-1 in Prakash Deen situated at 7 Tolstory in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pertues has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or cruston of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Flat No. UB-1 in Prakash Deep at 7 Tolstory Marg, New Delhi. Arca 400 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 10-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 19(1-(43 OF 1961)

#### (1) Mr. Anand Brothers (HUF) H-71, N. D. S. E.-I. New Delhi.

# (1) Mrs. Mani Grover w/o Sh. Ashok Grover and Miss Meenu Grover d/o Sh. Ved Prakesh, H-1484, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II -AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1747.—Whereas I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. I lakh and bearing

Flat No. 1525 on 15th floor in Shipper Tower situated at 89, Nehru Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the L.F. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed then the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property any be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Flat No. 1525 on 15th floor in Sikpper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi. Area 150 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any assences or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, a musuance of Section 2698 of the said A.T. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sharestal property by the base of this notice wigher subcion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

Date 10-1-86. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGARWAI, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 10th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/5-85/1748.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plat No. 401A in multi storeyed building situated at Devike Tower.

(and more fully is cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.I. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Runge-II New Delhi in May 1985

in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

- (1) Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th floor. Sheetle House, 73-74 Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss Suman And Miss Neelima, D-54, Panchsheel Enclave New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Booked Flat No. 401A in multistoryed Building Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 525 Sq. ft.

R. P. RAJESII.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 10-1-86, Scal: maker sometimes by minimum and an exercise of the annual o

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/5-85/1749.--Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401-C in Devika Tower, situated at 6 Nohru

Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-II New Delhi

in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwoon the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the linbility of the transferer to pay tax under the said Act, in suspect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Magait Construction Co. (Devika Tower) 4th floor, Sheetle House, 73-74 Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Master Bharat Khosla and Miss. Bhavana Khosla under the guardianship of Father Shri Rakesh Khosla A-49 New Delhi, Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 they from the date of publication of this notice in the Official Country or a period of 10 days from the service of maties on the respective persons, whichever period stephros inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 46 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as me defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Booked flat No. 401-C Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi, Area 500 Sq. ft. approx.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1750.—Whereas, I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A1202 in Palam Apartments situated at Bijwasan,

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I. A. C. Acquisition Range-1, in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affice per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redunction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) M/s. Singal Holding (P) Ltd., F-19, Mansrover Building, 90, Nehru Place, New Delhi.

(2) Sh. Abhey Kumar Jain S/o Jate Shri J. P. Jain 2878, Chadpuri kmari Bazar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-202 in Palam Apartments at Bijwasan, Delhi. Area 850 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Engage Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date 10-1-86. Seal:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M|s Singal Holding (P) Ltd. GF-19. Mansarover Building 90, Nehru Place, New Delhi.

(2) Mrs. Sheela Jain D/o Shri R. K. Jain, E-251, East of Kailash, New Delhi.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Oelhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1751.--Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A-204 in Palam Apartments situated at Bijwasan

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immost able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or kiny moneys or other assets which have not been in which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-204 in Pulam Apartments at Bijwasan, New Delhi. Area 850 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Seal: Date 10-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ansal Properties & Industries 1-15 Ansal Bawan 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s, Dec Pee Soni 512-A, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1752.—Wheeeas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section

209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 1601 in Amba Deepat situated at 14 K.G. Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-II New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

THE SCHEDULE

Flat No. 1601 A in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi, Area 580 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delh/

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Date: 10-1-1986

#### FORM IINS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

#### (Transferor)

(2) Mrs. Kalpana Singhal, Mrs. Shakuntala Singhal, Abhishek Singhal, Puncet Singhal, Sujata Singhal, Tarun Singhal, 503, Lajpat Nagar, Alwar, Rajasthan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1753.—Whereas 1, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act ) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1007 in Amba Deep situated at 14, K. G. Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-II New Delhi in May 1985 in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1007 in Amba Deep at, 14, K. G. Marg. New Delhi Area 344 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1986

#### PORM ITHE

### NOTICE UNDER SECTION 2500(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS STONIER OF INCOMES-WAK

ACQUISITION RANGE-I AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1754.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inspoorable property, baying a fair market value enterding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1602 in Amba Deep situated at 14 K. G.

Marg, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tex Ast, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115. Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Trunsferor)
- (2) M/s. Anand Associates 15 Todarmal Lane Bengali Market, New Delhi.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1602 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 580 Sq. ft.

R. P. RAJESU Composent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 10-1-1986

Scal 1

(1) M/s. Delhi Properties & Industries, 110 Meghdoot, 94, Nehu Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sethi Trust, Pals 1st Road, T.P.S. IV, Bandra, Bombay.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

New Delhi, the 10th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. IAC/Acq-I/37EF/5-85/1755.--Whereas, I, R, P. RAJFSH,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 507 on 5th uoor situated at in Devika Tower, 6, Nebru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer of IAC Acq. Range-II New Delhi in May 1985

In May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the excisionation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

Plat No. 597 on 5th floor in Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, Area 560 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

#### FORM I.T.N.A.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

JEFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NLW DELIH

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. 1AC|Acq-t|37EE|5-85|1756.-Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 43 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Fig. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 508A, in multistreyed building Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New Delhi, mg. 210 sq. 1t. (and native fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the 4.7. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

an apparent consideration which is less than the fair for market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax moder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any taoneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pragati Construction Co. Devika Tower, 4th floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Baby Kavita & Namita Bansal, U[G of Sh. R. B. Bansal, B-60 East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of,
   45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Booked Flat No. 508A in multistoreyed building Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, measuring 210 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely :---

ome: 10-1-1986

(1) Sh. Kesar Dass Atora, 66, Ring Road, Tajpe (34.g) r-111. New Helhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sooj ev Kiore, H. No. 2656, Feridabad (Haryana),

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/6-85/1757.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 402 measuring appx. area 860 situated at Sq. ft. at Bhagwan Dass Road, New Delhi

Bhagwan Dass Road, New Delhi (and more fully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor hy more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said limit

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arisine from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402 measuring appx, area 860 Sq. ft. at 5, Bhagwan Dass Road, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Rcf. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-85/1758.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201 BMC House, N-1, Con. Circus, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule sonexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more said exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persome, namely:---

- (1) M/s. Competent Builders, 101, Competent House, F-14, Middle Circle, New Delhi.

(2) Master Raltson Vij, Master Raj Kumar Vij and Master Akash Soni, S-168, Greater Kailash-II, New

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201 MBC House, N-1, Connaught Circus, New Delhy. Area 832 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

#### 

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) M/s. Skipper Sales Private Ltd. 22. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Sharma, A-1, Basement, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF PHOCOAST-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-85/1759.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable Property having a fair market value exceeding
Rs, 1,00,000 and bearing
Flat No. 925, 89 Nohru Place, New Delhi situated at New

Delhi

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 IAC, Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 925, 89, Nehru Place, New Delhi. Area of Flat 150 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

117-446 GI/85

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I AGOAKWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-85/1760.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- ant bearing No.
882. Chiranjiv Tower situated at 43, Nehru Place, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, New Delhi on May 1985

for an apparent committeration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Sunil Kumar Aggarwal s/o Late Sh. Laxmi Narain Aggarwal C/o Director Laxmi Distributors Pvt. Ltd., 4/A, Bussa Udyog Bhawan, T. J. Rd., Sewree, Bombay.

(2) M/s. Antia Electricals Pvt. Ltd., 73, Jolly Maker Chamber No. 2, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamete.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

802, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi. At 8th floor measuring 633 sq. ft,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi / New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

Seal

(1) Master Rahul Khanna, N/G of Shri Prem Khanna, C-1/17, S.D.A., New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2600(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mani Rajkumar, Rajesh Jethmalani, Sharmila Jethmalani, E-452, Greater Kailash-II, New Delhi.

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/5-85/1761.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 107, at first floor, 58, Nehru Place, situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any means or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferse for the purposes of the kidian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 107, at First Floor, 58, Nehru Place, New Delhi. ·224 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

Seal •

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/5-85/1762.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3, storeyed house at E-71, Greater Kailash-I, situated at New Polisi

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Surrender (1) 1. Dr. Charanjit Chanana, 2. Mrs. Chanana, W/o Dr. Charanjit Chanana, 3. Mr. Ashish Chanana s/o Dr. Charanjit Chanana; 4. Miss Anjali Chanana d/o Dr. Charanjit Chanana, E-71, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ballarpur Industries Limited, Thapar House, 124, Janpath, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

3 Storeyed house at E-71, Greater Kailash-I, New Delhi. Ground floor—1619.85 Sq. ft. First floor—1619.85 Sq. ft. Barsati floor-405,00 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-85/1763.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exception Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-2, Nizamuddin West, Single Storey about 200 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

JAC, Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-the Act, 1957 (27 of 1957);

aan kaan ka<mark>annan jama</mark> aan ka ka ah aan m<del>arammada</del>an ja ah ah kiraan mada maramka ah ah mila ka ka mada ah a (1) Mr. Amar Nath Ambe, R/o C10, South Extension Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Salim Siddiqui, Advocate, Mrs. Shahida Siddiqui, B-2, Nizammudin East, Single Storey, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-2, Nizamuddin West, Single Storey, about 200 Sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1986

#### FORM LT.N.S.

M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 116, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushma Chandha, B-1/74, Ashok Vihar-II, New Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-85/1764,--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 469B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 510, Tolstoy House, situated at 17, Tolstoy Marg,
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Oclini in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1' of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 510 in Tolstoy House at 17, Tolstoy Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tage. Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269(13) of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 10-1-1986

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1765.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 206 in Amba Deep situated at 14, K. G. Marg. New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Indionesia. ing persons, namely :--

(i) Ausal Properties & Industries, 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Vijay Chimarani & Others, 565, Shardanand Market, Shardanand Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 206 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIH

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37FE/5-85/1766.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a foir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107 in Amba Deep situated at 14 K. G. Marg.

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. Runge-I, New Delhi in May 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to hollove that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the evicat of :---

- (a) facilitating th reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan 16 K.G Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Miss Parul Jain GF-4 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the solilibilities of the sold property may be made in writing to the tenfogdated !--

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 48 days from the date of publication of this series in the Official Genetic or a period of 30 de the service of natice on the respective persons. whichever period empires later:
- (b) by any other person insorcated in the said insmevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Astshall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 107 in Amba Deep at 14 K.G. Marg, New Delhl. area 525 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/5-85/1767.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 1202 in Amba Deep
situated at 14 k.G. Marg. New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act. 1961
in the Office of the registering Officer at IAC. Acq Range-I,
New Delhi in May 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. **≟/**σ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---118-- 446 GI/85

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd 115 Ansal Bhavan, 16 K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Rattan Bhardwaj (HUF) Shri Puneet Bhardwaj H-229 DDA Flats Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1202 in Amba Deep at 14 K.G. Marg, New Delhi, Area 500 S. ft.

> R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 10-1-1986

and the state of t (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EF/5-85/1768.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 106 in Amba Deep situated at 14 K.C. Marg. New Delhi tand more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extends the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Miss Anjali Jain, G. 4. Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 106 in Amba Deep at 14 K.G. Marg, New Delhi. Area 450 Sq. ft,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date , 10-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# Ansal Properties & Industries (P) Ltd. Ansal Bhawan K. G. Marg, New Delhi.

(Transfer61)

(2) Lt. Col Sukhdip Singh Grewal, Mrs. Jasbinder Grewal Mr. Manider Singh Grewal, Mr. Golinder Singh Grewal H. No. 329 Sector 9-D Chandigarh.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1769.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

tble property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1204 at 15, K. G. Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Onice of the registering Officer at

IAC, Acq. Range-N. Deihi, on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned .---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanations. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 1204 in Ambu Deep at 14 K.G. Marg, New Delhi Area 480 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the forested property by the issue of this notice order subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/5-85/1770.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAHESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ha No. 5 on floor No. 2 area 2000 sq. ft. situated at Sugar Stands Park Now Delhi

Singh Park, New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Office

has been transferred under the I.I. ACI 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acg. Range-N. Delhi, on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen ret cent of such apparent consideration and that the distribution for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) iscilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, but. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Sri Basant Kumar Jhawar (Smaller) HUF. 51/E Gariahet Road, Calcutta.
  - (2) Sri Rajiv, Jhawar 51-C Gariahat Road. Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s Shauma Vanijya Pratisthan Limited 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Rights in Flat No. 5 on filor No. 2 (Second) of an approximate built up area of 2000 sq. ft. proposed to be constructed in the proposed Praveen Group Housing Scheme (Formerly inscribed as PSJ Group Housing Scheme) Praveen Apartments at Sujan Singh Park (South) New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-1 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# (2) M/s Mahtani Enterprises

(1) M/s Hemkunt Investments Limited L-40 Connaught Circus,

(Transferor)

415, Oscian Building, 12, Nehru Place, New Delhi.

New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/5-85/1771.—Whereas, 1, R. P. RAJESII,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing hat No. 109 at 22 situated at Barakhamba Road New North

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. ACT 1961 in the Office

of the registering Officer at LAC. Acq. Range-I, N. Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 109 at 22 Barakhamba Road, New Delhi, Area of flat 1000 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 10-1-1986

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IΛC/Acq.I/37EE/5-85/1772.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

R. P. KAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000/- and bearing Commercial Space/Flat L2 Loft/Lobby Floor situated at Kanchenjunga, 18 B. K. Road, Now Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT ACT 1961 in the Office

has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Office

of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1987).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Rishi Ram Gurta, 3A Dewanshree Apartments, 4th Floor 30 Ferozeshah Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Adarsh Malhotra, W/o Shri Deepak Malhotra, S-534, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- the terms and capressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in shall that Chapter.

# THE SCHEDULE

Commercial Space/Flat L2 on Loft/Lobby Floor, Kanchenjunga, I, B. K. Road, New Delhi. Covered area approx. 89 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

\_ ----

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Savitri Devi Kohli, R-50 G-K-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M.S Niryat Pvt. Ltd. 75-F. Himalaya House, 23 K. G. Macg. New Delhi

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

NEW DELHI ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/5-85/1773.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe, that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. On first Floor of 22 B. K. Rond situated at New Delhi.

Area 550 Sq. ft.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. ACT 1961 in the Office of the registering Officer at JAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the parposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) on the sold out on the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unade in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzztio

EXPLANATION - The terms and expressions used herein \*\* are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 102, measuring about 550 Sq. ft. on first floor of 22 Barakhamba Road, New Delhi

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EI-/5-85/1774.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act ) have reason to believe that the limitovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10-II at 10th floor in DCM situated at Building 16 Batakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. ACT 1961 in the Office of the registration Office at of the registering Officer at

IAC. Acq. Range-I. New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/S D. S. Gill & Sons (HUF), Mrs. Parveen Gill & Master Gurpratap Singh Gill R/o A-14/96 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Pearl Flats (India) Pvt. Ltd. 204 Rohit House Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herei are defined in Chapter XXA of the said Act. that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 40-H at 10th Floor in DCM Building 16 Bara-Khamba Road, New Delbi. area 50 Sq. ft,

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

PART III—SEC. 1;

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1775.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Behind G-39 Con. Place, situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Office
of the registerding Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi. on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Prow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

119-446 GI/85

(1) M/s, J. S. R. Family Trust G-39, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Suhel Duggal & Mrs. Josleen Duggal P-7 Hauz Khas, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Behind G-39, Connaught Circus, New Delhi. Flat measuring area 434.48 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1776.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. G-4, Sidharth, 96 Nehru Place situated at New Public of Section 1965.

Delhi 265 Sq. fts.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Officers. of the registerding Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri H. L. Malik, Savitri Devi Malik Mr. Viin Malik, Vanish Malik, S-370, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Gupta and Mr. Anil Kumar Gupta, C-191, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. G-4, Sidharth, 96. Nehru Place, New Delhi. Area 265 sq. fts.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road. Delhi/New Delh

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1777.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 9 on 6th floor in Vijay Building situated at 17 Barakhamba Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Officof the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi. on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly waited in the enid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or eventual of the transferor to pay tax under At of any income arising tre-
- (h) facilitating the concentment of any income or a stoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, Gujral Estates Private Ltd. 17 Barakhamba Road New Delhi-110001.

(Transferor)

(1) (1) Mr. Yogesh Batsa S/o Malik Hakim Rai Batra,

(2) Mrs. Puja Batra W/o Mr. Yogesh Batra.

(3) Master Rohan Batra U/G of Mr. Yogesh Batra, (Father & N/G)

(4) Master Anju Batra U/G of Mr. Yogesh Batra, (Father & N/G)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:— COL

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gauette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 9 on 6th Foor Vijay Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi-110001. area 590 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the started property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1778.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Storage Space No. 5 at Ashoka Estate 27 situated Barakhamba

Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Office of the registerding Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi. on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the unid Act, as respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Veena Uppal & RS Sanjay Uppal through General Poer of Attorney Mr. Vishnu Bhagwan Uppal 33-Sunder Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2)1. Harbans Lal Kharbanda,
 2. Ravi Kharbanda
 3. Rahul Kharband
 all r/o 65/50 New Rohtak Road,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

It is a Storage Space in multi storeyed building constructed in leashold land, 901 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date : 9-1-1986

Scal :

# FORM ITNE

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 9th January 1986

IAC/Acq-I/37EE/5-85/1779.—Whereas, I, Ref. No. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1322 A Skipper Tower 89 situated at Nehru Place

New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Office of the registerding Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi. on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have which engit to be disclosed by the trans the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the taid Act, I herotry initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Broadway Towers (India) Pvt. Ltd. B-104A Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Rawal Properties B-7, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

No. 1322 A Skipper Tower 89 Nehru Place, New Flat. Delhi. 500 Sq. ft approximately.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 9-1-1986

Scal:

FORM I.T.N.S. 187-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri D. S. Nanda D-43 NDSE Part-II New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Geeta Nanda Kavita Singh Jyotsna Singh D-43, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 9th January 1986

Ref. No. 1AC/Acg-I/37EE/5-85/1780.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14B Hansalya, 15 Bara Khamba Road, situated at Name Dath:

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. ACT 1961 in the Office

of the registering Officer at IAC, Acq. Range-I, N. Delhi, on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been july stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 14 B Hansalaya, 15 Bara Khamba Road, New Delhi-1333 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF AL! ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/5.85-1781.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Unit No. E-S Floot. Vandhana Building, situated at 11,
Tolstey Marg, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I.T. Act, 1961 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
IAC Acq. Range-1, New Delhi in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Acc. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. (Mrs.) Suraj Kanta Bhagat, Doctor's flat, M & C. W. Centre, Sorojini Nagar, New Delhi-110.023.

(Transferor)

(2) 1. Dr. (Mrs.) S. Kanta Bhagat,
2. Mr. Sanjay Bhagat,
3. Mr. Arjun Bhagat,
all residents of Doctor's flat,
CW & M Centre,
Sorojini agar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit-E-8 floor, Vandhana Building, 11, Tolstoy Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Shri G. S. Nanda R/o. D-43, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Amrit Pal, Sukpret Singh, D-43 NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1782.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14-B, Hansalyn 15 Barakhamba Road, New Deldhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; audlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Casette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14-B, Hamsalya 15 Barakhamba Road. New Delhi. 1/2 Share 1333 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

### FORM TINE-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85|1783.— Whereas I, R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Scotles 2693 of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Commercial Space/Flat L2 on Loft/Lobby Floor, situated at Kanchanjunga, 18 Batakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transtered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is Ions than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to bolleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the unbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; HEG /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the garposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

120-446 GI/85

(1) Mrs. Asha Gupta. w/o. Shri Rishi Ram, R/o, 3A, Dewanshree Apartments, 4th floor, 30, Ferozeshah Road, New Delhi (Transferor)

(2) Mrs. Shyama Malhotra, w/o. Sh. Krishan Lal Malhotra, S-534. Greater Kailash-I.

New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the negulation of the said property may be said in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afareaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this necise in the Official Genetic or a period of 30 days from the pervice of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Himplantamer:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Commercial Space/Flat L2 on Loft/Lobby Floor, Kanchanjunga, 18-Barakhamba Road, New Delhi covered area approx 89 Sq ft

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Deshi

Date: 9-1-1986

# IDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85|1784.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1503 inAmba Deep at 14 K. G. Marg, situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at
IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Aditya Puri, Mrs. Anita Puri, Master Anit Puri . 1/28, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1503 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. 525 Sq ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomstax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing

Date: 9-1-1986

Seal;

# FORM IINS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE 5-85 1785 .-Whereas I, R P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that bte immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat 1204 in 22 Kasturba Gandhi Marg,
bituated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any increase arising from the transfer; and/ar

transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115. Ansal Bhawan, 16. K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Tripathi, 24, Victis Road, London SW 17 9RG U. K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquaition of the enad property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Burplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat 1204 in 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi area 400 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85 1786.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Plat No. 4 Ferozeshah Road, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at
IAC. Acq. Range-I. New Delhi in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Kailash Nath and Associates, 1006 Kanchanjunga, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Vaish, 25, Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One residential flat No. 4 area 1600 Sq. ft. on 1st floor and one open Car parking space in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34 Ferozeshah Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2)Sh. Gopil Vaish, 25, Hanuman Road, New Delhi.

New Delhi.

(1) M/s. Kailash Nath and Associates, 1006 Kanchanjunga,

18 Barakhamba Road,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|5-85|1787.— Whereas I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Hat No. 5, Feroshah Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq Range-1, New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One residential flat No. 5 area 1600 sq. ft. on first floor and one open Car parking space in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34 Ferozeshah Road, New Delhi.

R. P. RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.

Date : 9-1-1986

Sent c

# NOTICE UNDER SECTION 249-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 18 Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Sh. O. P. Vaish. 25, Hanuman Road, New Delhi-110 001.

(1) M/s. Kailash Nath and Associates, 1006 Kanchanjunga,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMUNICORER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE|5-85|1788.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (herminafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Area 1600 Sq. It. Ferozeshah Road situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at
IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) Incilitating the consequence of any basems of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sende in writing to the undentioned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Area 1600 Sq. ft. flat No. 6/on Ist floor & one open car parking space in proposed multi-storeyed Group Housinng Scheme Adishwai Apartments at 34 Ferozeshah Road, New Delhi-110 601.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) M/s Gopel Das Estates & Housing (Pvt.) Ltd., 28 Berakhumba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Rani W/o, Mr. J. P. Singhal, 11, Ram Nagar Extension, Delhi-110 051.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|5-85|1789.—
Wherevs, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bertinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Space No. 96-A on Lower Groond Floor in situated at Dr. Gopal Das Bhawan, 28 Barakhamba Road, New Delhi-110001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is Itss than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 95-A on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi-110 001. Area 176.94 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1986

(1) M/s. The Daily Milap New Delhi Bahadur Shah Jatar Marg, New Delhi-110 602.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Gulzar Flahi & Miss Bushra Jamal, R/o. E-540, Greater Kailash-II, New Delhi-110 048.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE[5-85]1789.--Whereas I, R. P. RAJESH, whereas I, R. P. RAJESH, tueing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 403, Part-II on the 4th floor in Milap Niketan, it would be property at Delta. situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transered under the I.T. Act, 1961 (16 o 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen-percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such aranger as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(s) facilitating the reduction or evalen of the lighlity of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer. and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403 A, Part-II on the 4th floor in Milap Niketan, Delhi. Area 555sq. ft.

> R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of this notice under subsection (?) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:-

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, GGARWAL, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|5-85|1790.—
Whereas I, R. F., RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), bave reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Commercial Space Flat 12 on Lo@/Lobby Floor, situated at
Kanchanjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed here'o),
has been transferred under the L.T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at
IAC. Acq. Range-I. New Delhi in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the atoresaid property and I have reason
to believe that the fuir market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concentration of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Anil Kumar
 Sho. Shri Rishi Ram,
 A, Diwanshree Apartments, 4th Floor,
 Ferozeshah Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Radhiko Malhotra, W/o Sh. Ansal Malhotra, S-534, Greater Kailash-I New Deihi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as the defined in Change XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Commercial Space/Flat L2 on Loft/Lobby Floor, Kanchanjunga, I Barakhamba Road, New Deihi covered area approx. 89 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely:—
121—446 GI/85

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX AUT, 1951 (43 OF 1961)

n non registration of the common property of the companies of the companie

COVERNMENT OF INDIA

 M/s. Ansal Proporties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan 16, K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) J. R. Sundari, Master Dalip Kumer, 4/39, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE 4/4-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EB[5.85]1791 - Wherever I. R. F. KARTSH, being the Councilnt to betail, upder Section 269B of the Incommutan Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.09,000/- and hearing Ro. I at 45 813 in Amba Diep at situated at 14. K. Marg, New Telhi

fard more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, (43 of 1961) in the of the Registering Officer at IAC. Acq. Ranged, New D. Jai in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 813 in Amba Dep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 425 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I not by first to proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 8-1-1986

Scal:

\_\_\_\_\_

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|5-85|1792.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flats No. 303, 304 and 305 (Part) measuring 1015 Sq. ft.

on 3rd Floor in Ashoka Estate 24, Barakhamba Road, New

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

row, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ретвопа, namely :-

(1) Mrs. Jyoti Gupta, C-598 New Friend New Friends colony, New Deihi

(Transferor)

(2) Master Diwakar Gupta (Mino.) and Miss Pallavi Gupta (Minor), C-598, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquivation of the said property man be made in widing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforecast persons waters a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm wable property, within 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mounting as given jo; that Chapter.

# THE SCHEDULE

4 undivided share and right in commercial. Flats. No. 303, 304 and 305 (Part) measuring, 1015 Sq. ft. on 3rd Floor in 'Ashoka Estate' 24, Barakhamba Road, New Delhi.

> R. P. RAJESII Competent Anthona Inspecting Assistant Commissioner of Income tak Acquisition Range-I, New D. thi

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE[5-85[1793.—
Whereas, I. R. P. RAJESH,
being the Comprtent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have tensor to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 201, E-492, Greater Kailash-II New Delhi
(and more fully described in the Schidule nanexed hereto),
has been transefried under the IT. ACT 1961
in the Office of the Registering Officer at
IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

M/s. Pnl & Paul Builders Ltd.,
 Regal Building,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Aanda Niketan Trust (Reg. No. A-1010 of Pune) through its Founder and Managing Trustee Prabliushri Swami Amar Iyoti, of 68, Lulla Nagar (Maharashtra).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncerstance :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Office. Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve wried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, F-492, Greater Knilash-II, New Delhi having are of 1796 Sq. ft. alongwith one-sixth undivided to al plot are of 550 sq. yd. (i.e. 91.66 Sq. yd.).

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI** 

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE|5-85|1794.--

transfer with the object of :-

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Au.hority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Fla! No. 403 A in Multistoreyed Bldg., Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

ing Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer. 亜角道 / らて
- .(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

(1) M/s. Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vinita Parakh & Mrs. Pushpa Devi Parakh R/o. 1052, Gali Hira Nand, Mali Wara, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

# THE SCHEDULE

Booked Flat No. 403 A in Multi-Storeyed building, Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi. Area 210 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Dalhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the fellow-

Date : 6-1-1985

Beal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|5-85|1795.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. C/2 in building on Plot No. 2, Block No. 95. Market Road. Gole Market. New Delhi has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following remons, namely ---

(1) M/s. DLF UNIVERSAL LIMITED H. O. 21-22, Narindra Place, Sansad Marg. New Delhi.

(Transferor)

(Transferor)

(2) M/s. Anurag Construction Company (P) Ltd., 24, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The serms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Apartment No. C/2 in building on plot No. 2, Block No. 95, Market Road, Gole Market, New Delhi. Total covered area of the apartment is 1252.85 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Assf Ali Road,
New Delhi

Date: 8-1-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGÉ-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1796.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing apartment No. A-3. in bu Iding on Plot No. 2, Block No. 95, Market Road, Gole Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-J. New Delhi Act 1961 in May, 1985 for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of !—

 DLF Universal Limited, H. No. 21-22, Narindra Place, Sansad Marg, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Jain W/o Sh. Manoj Kumar Jain, Room No. 26, Jain Bhawan, 12 Shaheed Bhagat Singh Marg. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

Apartment No. A-3, in building on Plot No. 2, Block No. 95 Market Road, Gole Market, New Delhi, Area 1274.65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisi jon Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8/1/1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4\_14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1797,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Apar ment No. D/2 in building on Plot situated at No. 2, Plock No. 95, Market Road, Gole Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax unde the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) DLF Universal Limited, H. No. 21-22, Narindra Place, Sansad Marg, New Delhi-I.

(Transferor)

(2) M/s. DLF Builders & Developers (Pvt) Ltd.
21-22, Narinder Place,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a round of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 mays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the take Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Apartment No. D/2 in building on Plot No. 2, Block No. 95, Market Road, Gole Market, New Delhi.

Area 1274.65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: \$/1/1986

Seal 1

to a 1966 to administration and it a specification to the state of

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1798.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing RTT-110 (G.F.) G-2 Kalkaji shopping Centre

area 65.75 sq. ft., situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I. New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tenaster; ini/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-122—446 GI/85

(1) Sh. Rajendras, N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Kumar (RTT-110), 4-M-41, Lajpat Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RTT-110 Ground Floor G-2 at Shopping Centre Cum Community facilities Kalkaji, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-I
> Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8/1/1986

Scal ;

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1799.-Whereas, I.

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 505, Ashoka Estate, Barakhamba Road situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and transferee has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sewa Ram Sharma, 52, Prem Purni, Meerut through
Sh. K. K. Mohan, Advocate,
General Power of Attorney 58 Lawyerse Chamber, Supreme Court, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Raju Sharma,
2. Mrs. Geetanjali Mohan,
3. Mrs. Tanuja Krishnatray,
4. Miss Meenu Sharma,
A-14 Gul Mohan Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respec-tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULR

Flat No. 505 Ashoka Estate, Barakhamba Road, New Delhi. Area 640 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/5-85/1800.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1007-A At 22, Barakhamba Road situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the IT Act 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on May, 1985

an apparent consideration which is less than for fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of acceparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/an
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhavan, 22, Barakhamba Road. New Delhi-110 001.

(Transferoi)

(2) M/s. Silverline Financiers, 14/3, Jamuna Bhawan, Asaf Ali Road, New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1007-A 22, Barakhamba Road, New Delhi, Area of flat 500 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delbi

Date: 8-1-1986

. Seal :

THE RESERVE THE PROPERTY OF TH

#### FORM ITNS:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1801.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 401B in multi storeyed building situated at Devika

Tower, 6 Nehru Place, New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the IT Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq Aange-I, New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Pragati Construction Co., (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi, Shri Kail Singhal and Shri Sudhir Singhal, 919-20, Kucha Kabil Attar, Chandni Chowk, Delhi-110006.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Booked Flat No. 401-B in multi storeyed building Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi. Area 500 sq. ft.

R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-1-1986

# ekakas in redda nastrigan sa siste aagsalaagsaa oo sist saa oor veri redd basi aassanoo jirgalaan aasa, aa gaa FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. B. Adilakshmi Murthy, A-63, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shashi Kant Kharbanda, E-31, Tara Apartment, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1804.—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value averaging

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-33, Tara Apartment, Kalkaji situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transfered under the IT Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq Aange-I, New Delhi on May 1085 May, Jos5

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rolbna

4b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

D-33, Tara Apartment, Kalkaji, New Delhi, Area 104.4 Sq. meter,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1986

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/1804-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 403A, Part I on the 4th floor situated at in Milap

Niketan, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the IT Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. The Daily Milap, New Delhi, Badadur Shah Jafar Marg, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Master Zikeray Elahi, Miss Uzma Shamsi, R/o E-540, Greater Kailash-II, New Delhi

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 403A, Part-I on the 4th floor in Milap Niketan, Delhi. Flat Area 555 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax,
Acquisition Rafige-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-85/1805A.--Whereas I, R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 308, 89, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the sartise has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) theilitating the reduction or evenion of the fish of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Sudesh Verma, C/O 96, Anand Niketun, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Manjit Songh Uberoi, Sardar Kulbir Singh Uberoi, R/o W/100 G. K.-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 308/89, Nehru Place, New Delhi, Area 414 Sq.ft.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/49.—
Whereas I, R. P. RAJESH.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing ... Mpl. No. 1533/1 built on Plot No. E-1/15 situated at East

Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mohinder Kaur W/o late Shri Bhagat Singh, R/o
 Rajdoot Marg, Chankyapuri, New Delhi,

(Transferor)

 Shri C. L. Malhotra S/o late Shri Dewan Chand Malhotra and ShriRajesh Malhotra S/o Shri C. L. Malhotra, both R/o 5/12, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Single storeyed property bearing Mpl. No. 1533/1, built on Plot No. E-1/15, measuring 800 Sq. yds, situated at East Patel Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomedax
Acquisition Range-II
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

Seal ;

-----

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/40.— Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing
No. 31, Road No. 72, Class 'B', Funjabi Bagh situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957)-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per ons, namely : — 123—446GI/85

- (1) 1. Shri Jugal Kishore,
  - 2. Shri Lokeshwara Nath,
  - 3. Shri Chander Parkash &
  - 4. Shri Charanjit Lai, Sa/o Late Sh-i Rai Suri R/o H. No. 752, Gali No. 11, Sadar Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Dalip Kumar Pahwa S/o Shri Hans Raj Pahwa,
  - Shrimati Veena Pahwa W/o Shri Raj Kumar Pahwa,
  - 3. Shrimati Savitri Pahwa W/o Shri Hans Raj Pahwa, all R/o B-16, Kirti Nagar, New Delhi,
  - 4. Shri Rama Shankar Sharma &
  - 5. Shri Radha Shanker Sharma Ss/o Shri Ramayan Sharma, R/o Tita Gori Distt. Kokrajhar (ASSAM), 1/2 share. (Transferce)

Object'ons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Free-Hold plot of land mg. 1090.83 sq. yds, bearing No. 31 situated on Road No. 72. Class B. Punjabi Bagh, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi Free Hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-H Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road. Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

34/21. East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1861 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Suri, R/o 7A/30, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi.

(1) Shrl Parma Nand Saigal, R/o

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/51.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Compount Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 34/21, First Patel Nagur situated at New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at New Delhi 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following mensons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have th esame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 34/21, East Patel Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Alı Road, Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/52.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 4606 (Part), Daryaganj No. 13 situated at New Delhi-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly trated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Pran Nath Behl, A-62, New Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferor)

(2) M/S. Madhu Mala Properties, Pvt. Ltd., A-62, New Friends Colony, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double Storey building with free hold land 784 Sq. Yds. Property No. 4605 (Part), Daryaganj No. 13, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Audiority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-H
Aggarwal House.
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/53.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Plot No. 142, Block 'I', Kirti Nagar situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Mrs. Annamma Alex W/o

Shri A. M. Alexander.
2. Mrs. Saramma Philips W/o Shri Thomas Philip, R/o

1-142, Kirti Nagar, New Delhi and 3. Mariamma Koshy W/o Shri Cherian Koshy, k/o Vah yaparampil, Chengannur, Kerala at present at Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Dhari Gupta & Sons 1. Ram Phal Gupta & Sons,

(3) Bishan Swarup Gupta & Sons, (4) Subhash Chand Gup.a & Sons, all HUF, 2/5117, Krishan Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transfereet

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing free hold plot Po. 142, Block T measuring 200 sq. yds. Kirti Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

(1) Shri Sohan Lal Bhatia, S/o Shri Sai Dass Bhatia, R/o D-8/9, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. M. S. Champa Lal Gauri Pd. 4546, Mahabir Bazar, Cloth Market, Fateh Puri, Delhi. through Shri Gauri Pd.-Partner.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/54.—Whereas. I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 9, Block 'D-8, Model Town, Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1985

New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single Storey Building, Plot No. 9, Block 'D-8', Model Town, Delhi. 282.00 Sq. Yds. Free-hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. JAC/Acq.II/SRI/5-85/55.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. C-35 situated at Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and then the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dev Parkash
 So Shri Jagan Nath
 R/o 16, Third Cross Road,
 Madras.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Bhagwan Lahoti S/o Late Shri Hari Bagas Lahoti and Smt. Nirmala Devi Lahoti W/o Shri Shiv Bhagwan Lahoti R/o D-78, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. C-35, mg. 300 Sq. yds. situated at Kirti Nagar, area of Vill. Bassal Darapur, Delhi State, Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

SCOTI .

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVRENNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/56.—Whereas, I, R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 41, Block F. Mansrover Garden, Vill.

and more fully described in the Schedule annexed here'c), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in May, 1985

market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Vasu Dev Sardana 2. Shri Sukhdev Sardana

  - 3. Shri Arjun Kumar Saidana 4. Shri Sahdev Sardana

  - S/o Late Shri Tikkan Lal Sardana 5. Smt. Raj Sardana W/o Late Shri Atam Dev Sardana All R/o B-109 Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Basant Ram Sharma S/o Shri Milkhi Ram Sharma & Shri Chhabil Dass Sharma S/o Shri Basant Ram Sharma both R/o 254, Fatak Karor Ajmeri Gate, Delhi at present F-41, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 41, in Block F, mg. 270 Sq. yds. situated in the Colony known as Mansrover Garden, Area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi Free hold. Covered Area 1455 sq. ft. Built on the year 1967-68.

> R. P. RAJESH Competent Au'hority
> Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/57.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. 863, Private No. 33-K, situated at Kedar Building Subzi Mandi, Delhi-110 007 (and more fully described in the schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) 1. Sh. Satya Prakash Gupta So Shri Lala Kirpa Ram, R/o 33-K Kedar Bldg, Subzi Mandi, Delhi for self and as General Power of Attorney of his real brother Shri Bharat Bhushan S/o Shri Late Kirpa Ram, R/o 809 West Californa Way, Woodside, California-94062 (USA). 2. Shri Hari Prakash Gupta S/o Late Lala Kirpa Ram R/o A-187 Surya Nagar, Distt. Ghaziabad (U.P.) at present in Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rameshwar Dass Gupta S/o Shri Dwarka Dass Gupta, R/o D-29, Radha Puri Krishan Nagar, Delhi. (Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two and half storeyed building with land underneath measuring about 135.00 sq. yds. bearing Property No. 863, Private No. 33-K situated at Kedar Building, Subzi Mandi, Delhi-110007. Free hold.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-19X Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acg.II/SRI/5-85/58.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

47/11. East Patel Nagar, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—
124—446GI/85 (1) Smt. Shobha Grover, R/o 47/11, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhushan I al & Smt. Usha Rani R 'o Λ-40, Malka Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

47/11, East Patel Nagar, New Delhi, Lease-hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. 1AC/Acq.11/SR1/5-85/59.—Whereas, I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No.

D-22, Manoher Parl Village Eassai Dara Pur, situated at Bolto's Read Dalbi

bituated at Rohtok Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985

New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Kavita Venugopalnee, through her general attorney of Sh. J. K. Sethi S/o Sh. Sant Ram Sethi R/o 51-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi W/o Sh. Ram Niwas and Smt. Geeta Gupta W/o Sh. Rishi Ram both resident of D-28, Manchar Park. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. D-22, Manohar Park Village Bassai Dara Pur, Rohtak Road, Delhi area measuring 243 Sq. Yds. Free hold.

> R. P. RAJEST. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

------

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Mohinder Singh Mann, Smt. Surinder Kaur R/o 151-A Pocket UV Shalimar Bagh, Delhi-110033.

(Transferor)

(2) Sh. D. N. Madhok S/o Sh. Anant Ram Madhok R/o 30, Kewal Pank, Azadpur, Delhi-110033,

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC //\cq II/SRI/5-85/60.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconfector Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the had Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 30, Kewal Park, Azadpur, Delhi-110033 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse Or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undorsigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 30 measuring 133 sq. yds. at Kewal Park, Azadpur, Delhi-110033 out of Khasra No. 11 area of village Azadpur, Delhi. Free-hold Single story.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

## FORM 1.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/61.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XIV/86 to 91, 93 to 95, 875, 878, 880 to 883, situated at Qutab Road, Delhi Khasra No. 256 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with 'he object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Piara Lal
   Shri Panna Lal
   Vir Nagar Delhi
  - Smt. Maya Devi W/o Piara Lal R/o 42 Vir Negar Delhi,
  - Shri Tara Chand S/o
     Shri Dawan Chand
     R/o 49 South Basti Harphool Singh Delia,
  - 4. Sh. Vijay Kumar S/o Banarsi Dass R/o 128, Vir Nagar Delhi.

(Transferors)

- (2) 1. Master Deepok Vig (minor) S/o Shri Brij Mohan Vig R/o B-65, Shalimar Bagh, Delhi through his mother and Natural guardian Smt. Kamla Vig
  - Master Garish Lamba (minor) S/o Satish Lal Lamba R/o F-55-56, Malkaganj, Delhi through his mother and Natural guardian Smt. Bimbal Lamba
  - Master Vimal Kumar (minor) &
     Master Decpak Kumar (minor) both S/o M. L. Kumar R/o N-100 Kirti Nagar, New Delhi through their mother and Natural guardian Smt. Krishna Kumari.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

60% share in property No. XIV/86 to 91, 93 to 95, 875, 878, 880 to 883, Qutab Road, Delhi, Khasia No. 256. Lease hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

#### FURM ITNS

(1) Sh. Gurcharan Singh Bedi R/o M/105 Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kisham Lal R/o 1259, Ganj Mir Khan, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/62,--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
F. F. of Property No. 2993 Darya Guni, Delhi-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Objections, if any, to the acquisition of the said property muy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have t have the same meaning as given in

# THE SCHEDULE

F. F. of property No. 2993, Darya Ganj, Delhi, Leasehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TELE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ret. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/64.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. 20 Najafgath Road Indl, Area, situated at Naw Delbi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any mensys or other mests which have not been or which cusht to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in purstance of Section 269C of the stick Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Svs. Rakesh Goel, Pradecp Goel and Sanjay Goel, S/o Sh. Bolwant Singh, R/o 35 Jor Bagh, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. The Himalaya Drug Company, 22/24, Gandhi Road, Dehradun (U.P.) through its partner Sh. B. A. Shariff.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

# THE SCHEDULE

Portion of Property No. 20, at Najafgarh Road Indl. Area, New Delhi (Approx 1275 sq. yd.)

R. P. RAJESH Competent Authorize Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/65.--Whereas, I. R. P. RAJELH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fire market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing 180. Half portion of H-35-A, Kiriti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delli on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair merical value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per east of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Data Ram S/o Sh. Ram Ditta Med R/o E-3/156, Arora Colony Bhopal through his attorney & Son Sh. Gobini Lai Macker of Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata Batra W/o Sh. Satish Botra R/o H-35A, Kirti Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid personns within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by anny other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on land mg. 165 sq. yds, half portion of plot No. H-35A situated at Kuti Nagar, area of Vill, Bassai Darapur Delhi State Delhi. Free-hold covered area is about 750 sq.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/66.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having to fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Qr. No. 42/9, Ramesh Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely :--

 Inder Kishan Kapoor
 S/o Sh. Dewan Chand Kapoor
 R/o 42/9 Ramesh Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Parvesh Chander S/o Sh. Narain Dass R/ T-410, Ahata Kidara, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Or. No. 42/9 Ramesh Nagar, New Delhi, lease hold rights of land attached to. Covered area is about 745.00 sq. ft,

> R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

IAC/Acq.11/SR/5-85/67.—Wherens, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have repson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. 8/44 South Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the India. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings from the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons particles:— 125-446GI/85

(1) Sh. Shanti Naroin Mchta, EB Flat 130 DDA SFS Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Lal Sikka & Seema Sikka, 8/44, South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

8/44 South Patel Nagar, New Delhi, 200 Sq. yds. Lease hold rights.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Savitri Devi W/o Shri Ved Parkash Shastri R/o A-67, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Inder Mal Shah S/o Shri Gamna Ji Bala Ji R/o N-39, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/68.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing No. 75-A, Block No. F. Khasra No. 1389 situated at Mansrover Garden Vill, Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than thiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 75-A, Block No. E, measuring 220 Sq. Yds. Khasra No. 1389, situated at Mansrover Garden area of Vill Bassai Darapur, Delhi. Free-hold.

R. P. RAJES! Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person:

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. 1AC/Acq.II/SRI/3-85/69.--Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the mecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing No. 21/2, Forthern City Extn. Scheme No. 2

situated in known as Roop Nagar Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Sh. Maqsudan Lal & Sh. Gurcharan Lal Sons of L. Bhagwan Dass, both R/o 24/2 Shakti Nagar, Delhi.

(Transference

(2) Sh. Vishan Dass Sethi S/o Sh. Baldev Dutt Sethi R/o Λ-22, Vijay Nagar, Delhi-9. & 2. Shri Rajinder Kumar Aggatwal S/o Late Sh. Jai Chand Aggarwal R/o 25/69, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two and half storeyed property bearing No. 21/2, built on land measuring 226 Sq. yds situated in the layout plan of Northern City Extn. Scheme No. 2 presently known as Roop Nagar Delhi. Free Hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

FORM J.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/70.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30/23 West Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more more the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) Sh. Bharat Bhushan S/o Shri Om Parkash R/o 30/23, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

M/s. National Intergated Medical Association C/o 6135/1 Dev Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDING

30/23, West Patel Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Dehli, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/71.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the accome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. F/67, Mansrover Garden area of Vill,
situated at Bassai Darapur, Delhi State, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

New Delhi on May, 1985

market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as for an apparent consideration which is less than the fair aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- .b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other zesets which have not been or which eught to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Leone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

(1) Sh. Krishan Lal Arora, S/o Shri Jawala Dass & Smt. Kesri Devi W/o Sh. Sain Ditta Mal both R/o F-67, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transfer 1)

(2) Sh. Rem Saran Bhatia, S/o Late Sh. Panju Lal Bhatia, R/o 5/4, Jaidev Park, New Delhi.

(Transfer.:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on plot No. F/67, mg. 238.4 Sq. yds situated at Mansrover Garden area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi. Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehli, the 31st December 1985

Ref. No. IΛC/Λcq.II/SRI/5-85/72.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fait market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 1560, Ward X, Gali Kotana, Suiwalan,

situated at Delhi-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: for an apparent consideration which is less than the fair

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ashfag Beg S/o Abdulla Beg 2. Haseena Parvesh W/o Ashfag Beg R/o 1216 Gali Haji Nasir Wali, Kala Mahal, Delhi-6.

(Transferor)

(2) 1. Mohd Riwan, Mohd. Rehman, Mohd. Imran, Mohd. Bilal (3&4) minors sons of Abdul Salam R/o 1560, Gali Kotana, Suiwalan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-sole property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 1560 Ward X. Gali Kotana, Suiwalan Delhi-6 measuring 212.56 sq. yds. Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELLH!

New Dehli, the 31st December 1985

Ref. No. JAC/Acq.II/SRI/5-85/73 --- Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-16, Model Town, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer 11

New Delhi on May, 1985

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tak under the said Act, in respect of any income sciular from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the anid Act to the foliabling persons, namely (—

(1) Sh. Krishan Lal and Smt, Pushpa Rani of K-16, Model Town, Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Parshotam Dass Jain, R/o C-15/20, Model Town, Delhi.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 'K'-16', measuring 271.55 sq. yds. in area situated at Model Town, Delhi, Free-hold. Single Storeyed building.

R. P. RAJFS!!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 31-12-1985

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehli, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/74.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-11/12, Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument e transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1857 (B7 of 1987):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Krishan Chander
  - 2. Ram Nath
  - 3. Om Parkash sons of late Sh. Ram Lal,
  - 4. Shanti Devi W/o Om Parkash
  - 5. Kanta Devi W/o Kedar Nath and
  - 6. Raj Kumari W/o Dharam Pal Kumar All Daughters of late Sh. Ram Lal R/o J-11/12 Rajouri Garden, New Delhj.

(Transferor)

- (2)1. Ashok Kumar Wadhwa
  - S/o Chella Ram Wadhwa and 2. Smt. Parveen Wadhwa W/o Sh. Ashok Kumar Wadhwa J-11/12, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. J-11/12, built on area 200 sq. yds. at Rajouri Garden, New Delhi, Free hold,

> R. P. RAJEST Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H New Delhi

Date: 31-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

New Dehli, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR/5-85/75.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-6/10, Rana Partap Bagb, Vill. Sadhorakalan situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

126-446GI/85

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Smt. Ram Rati D/o Sh. Chhaju Mal Wd/o Sh. Amar Nath R/o C-6/10, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Vidya Wati W/o Sh. Madan Lal
2. Smt. Shobha Gupta W/o Sh. Anil Kumar &
3. Smt. Amita Gupta W/o Sh. Arun Kumar all R/o 4362, Gali Baironwali, Nai Sarak Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have received a various least the service of th whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

#### THE SCHEDULE

House on land mg. 113.3 sq. yds. bearing as No. C-6/10, situated at Rana Partap Bagh, area of vill. Sadhorakalan Delhi State, Delhi, Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-JAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

AGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Dehli, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/5-85/76.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. M-1 & M-4 part property No. 4348 B/1 situated at Known as "Aggarwal" Block No. 4-C, Madan Mohan Street Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902) in the Offlice of Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other agests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Santosh Kumari Agarwal W/o Shri B. S. Agarwal R/o 116, State Bank Colony, Near Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Transfero: \

(2) Dr. Maswood Alam Shams S/o Mohd, Ibrahim R/o P. O. Box No. 8080 Salmiya, Kuwait C/o A-2/16 Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. M-1 and M-4 part Property No. 4348 B/1, known as "Agarwal Bhawan" situated at Block No. 4-C, commonly known as Madan Mohan Street, Darya Ganj, New Delhi Land measuring approximately 231,27 sq. yds, Khasra No. 63. Free-Hold.

R. P. RAJES!

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 31-12-1985

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New 'Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/77.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. G-3 & G-4 on rear portion of GF Property No.
4348/B-1, Block 4-C situated at Madan Mohan Street,
Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; amā/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsectior (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Qaiser Sultana W/o Mc. Ziaur-Rehman R/o 4348/4 C, Ansari Road, Daryagani, New Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Kunj Bheari Kejariwal S/o Shri Ram Gopal R/o 1, Jaipuria Building, Kohlapur Road, Subzi Mandi, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. G-3 and G-4, on rear portion of GF with open court yard consisting of two rooms with attached bath room measuring 858 sq. ft. approx. which is a part of property No. 4348/B-1, known as Agarwal Bhawan, signated at Block No. 4-C<sub>i</sub> commonly known as Madan Mohan Street, Darya Ganj, New Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/78.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Qr. No. 7/62, Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Raj Kumar and Smt. Devi, R/o KG-II/318, Vikaspuri, New Delhi, (Transferor)

(2) Sh. Subhash Chand and Mukesh Chand, R/o 7/71, Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Or. No. 7/62, Ramesh Nagar New Delhi. Lease-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

#### FORM ITNE

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/5-85/79.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. C-235 situated at Majlis Park, Delhi (and owns fully described in the Schadul.)

Property No. C-235 situated at Majlis Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trainferor to pay tax under the said Act, in respect of any isoome arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saroj Lata W/o Shri Bhushan Sharma, R/o 1/33, Roop Nagar Delhi.

(2) Smt. Santosh Kumari W/o Shri Ram Nath Mahendra, R/o 24-A; Nanda Road, Adarsh Nagar Delhi. (Transferec)

....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. C-235 Majlis Park, Delhi. Free hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/5-85/80.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Plot No. 34 situated at Road No. 5. Punjabi Bagh, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .-

- (1) (1) Smt. Leela Wanti Uppal W/o Late Shri M. S. Uppal,
  - (2) Sh. Harsh Kumar Uppal S/o late M. S. Uppal, (3) Sh. Parmod Kumar S/o Late Sh. M. S. Uppal, all R/o Sec. No. 5, H. No. 54 R. K. Puram, N. Delhi.

(Transferor)

(2) (1) P. N. Sarin S/o I ate Pindi Dass,
(2) Dr. Mrs. N. Sarin W/o Dr. P. N. Sarin and
(3) Puneet Sarin (minor) S/o P. N. Sarin,
All R/o A-2/15 Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 34 Road No. 5, measure 277.5 sq. yds. in Punjabi Bahg, Vill. Bassai Darapur, Rohtak Road, Delhi State Delhi. Delhi Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. Gurbux Singh S/o Sh. Mela Singh, R/o H. No. 6922 (old) and 5520 (New) Plot No. 16, North Ward No. 14 Basti Harphool Singh, Sadar Bazat Delhi.

(2) Smt. Raj Rani Wo Shri Vishwa Bandhu, R/o H. No. 16, Sadar Thana Road, Delhi.

#### (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/80-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. ith Undivided share of prop. No. 5520-21 Plot No. 16, situated at North Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that Chapter

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

‡th Undivided share of prop. No. 5520-21, Plot No. 16, North Basti, Harphool Singh, Sadar Bazar Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1985

The second secon

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-I/5-85/80-B.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 4th Undivided share of prop. No. 5520-21 situated at Plot No. 16, North Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) have been transferred under the Registration Act. 1908, (16, of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Sh. Gurbux Singh S/o Sh. Mela Singh, R/o H. No. 6922 (old) and 5520 (New) Plot No. 16, North Ward No. 14 Basti Harphool Singh, Sadar Bazar Delhi.

(2) Rama Tondon W/o Sh. Surinder Kumar, House No. 16 Sadar Thana Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

4th Undivided share of prop. No. 5520-21, Plot No. 16, North Bastil Harphool Singh, Sadar Bazar Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 200D of the said Act to the following persons marnely :-

Date: 31-12-1985

CONTRACTOR TO THE TANK TO THE OWNER OF THE PARTY OF THE P

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh. Gurbux Singh S/o Sh. Mela Singh, R/o H. No. 6922 (old) and 5520 (New) Plot No 16, North Ward No 14 Basti Harphool Singh, Sadar Bazar Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Lata W.o Shri Jagdish Mittar, R/o B-243, Phase-I, Ashok Vihar Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/80-C.--Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ax the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000fff- and bearing No. 4th Undivided share of prop. No. 5520-21 Plot No. 15,

North Basti Harphool Singh, Sadar Bazar Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of to-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any lucome arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any meanic or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (il of 1922) or the and Act, or the Wealth-car Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. a muely:-

127-446 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

4th Undivided share of prop. No. 5520-21, Plot No. 16, North Basti Harphool Singh, Sadar Bazar Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1986

and with the contract of the c

#### FORM LT.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/80-D.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the encome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000fff- and bearing Prop. No. 5520-21, Plot No. 16 North Busti Harphool Singh

Sadar Bazar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

that more fully described in the Schedule annexed hereic), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten paragraphics. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurances of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely :--

(1) Sh. Gurbux Singh, S/o Sh. Mela Singh, R/o H. No. 6922 (old) and 5520 (New) Plot No. 10, No.45 Ward No. 14 Basti Harphool Singh, Sadar Bazar Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rajni Todon W/o Sh. Vijay Kumar, B-243 Phase I. Ashok Vihar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The write and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Property No. 5520-21 Plot No. 16, North 4th share undivided property Basti Harphool Singh Sadar Bazar Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Dolhi/New Delhi

Date: 31-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-85/80-E.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 4852/24, Harbans Singh Street, Darva Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidyawati Wd/o Late Shri Gopi Nath, R/o 4858/24, Harbans Singh Street, Daryaganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Baldey Raj Kapoor S/o Sh. Amar Nath Kapoor, Shri Samir Kapoor S/o Shri Baldey Raj Kapoor, R/o 188-A Vikram Vihar Dajpat Nagar, New Delhi. (Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Prop. No. 4852/24, Harbans Singh Street, Daryaganj New Delhi, mg. 209 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authorin
Infpecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
DELHI/NEW DELHI

Date: 9-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1985

Ref. No. 1AC/Acq-11/SR-1/5-85/80-F.—Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Portion of Property No. 4825/24 Harbans Singh Street

Daryaganj New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer: and or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 of the said Act. to the following property of the said Act. ing persons, namely:-

(1) Smt. Vidyawati Wd/o Late Shri Gopi Nath, R/o 4858/24, Harbans Singh Street Daryaganj New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manorma Kapoor W/o Shri Baldev Raj Kapoor Shri Sushant Kapdor S/o Sh. Baldev Raj Kapoor, both R/o 188-A Vikran Vihar, Lajpot Nagar IV, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Prop. No. 4852/24, Harbans Singh Street. Daryaganj New Delhi, mg, 209 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Dolhi/New Dolhi

Date: 31-12-1985

(1) Kashi Nath Mullick of 5, Hara Prasad Dey Lane, Calcutta.

(Transferer)

(2) Fldorado (India) Pvt. Ltd. of 3A, Ripon Street. Calcutta-16

(Transfereo)

(3) (1) M/s. Tuner Morrison & Co. Pvt. Ltd. (2) M/s. Macneill Magor Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Biswanath Mullick & Ors. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this votice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of listles oil the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided one-third share of land measuring area 30.97 cottahs together with two storied building out houses, garages and land appurtenant situated at 14. Alipore Park Road, P.S. Alipore, Calcutta, Registered before Competent Authority on 3-5-1985 vide Sl. No. 49 of 1984-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Raz Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTIA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-96/R-II, Cal. 85-86,---Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14 situated at Alpiore Park Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of and apparent recondenation and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferoe(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate readings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-1-1986 Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RAUGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-97/R-11/Cal/85-86.—Whereas, J. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 14 situated at Alipore Park Road Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Competent Authority on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferce;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discissed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Biswanath Mullick of 5, Hara Prasad Doy Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Eldorado (India) Pvt. Ltd. of 3Λ, Ripon Street, 2nd floor, Calcutta-700016.

(3) (1) M/s. Turner Mottison & Co. Pvt. Ltd.
(2) M/s. Macneill Magor Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Kashinath Mullick.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided one-third share of land measuring area 30.97 cottahs together with two storied building, out houses, garages and land appertenant situated at 14, Alipore Park Road, P.S. Alipore, Calcutta. Registered before Competent Authority on 3-5-1985 vide Sl. No. 50 of 1984-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidawi Road
Calcutta-16

Dated: 9-1-86.

Seul:

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAUGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-98/R-II Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Flat No. 811 in Amba Deep situated at 14 K. G. Marg. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a garced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) I. Kanak Lata Mullick,
  - Ashim Kumar Mullick,

Sanor Kumar Mullick,
 Nabin Kumar Mullick all of 5, Hara Prasad Dey Lane, Calcutta,
 Kalpana Sen of 170, Balaram Dey St. Cal.

(Transferor)

(2) M s. Fldorado (India) Pvt. Ltd. of 3A, Ripon Street, 2nd floor, Calcutta-16.

(Transferce)

(3) (1) M/s. Turner Morrison & Co. Pvt. Ltd. (2) M s. Macneill Magor Itd.

(Person in occupation of the property)
(4) (1) Kashi Nath Mullick & Ors.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided one-third share of land measuring area 30.97 cottahs together with two storied building, out houses, garages and land apperenant situated at 14, Alipore Park Road, P.S. Alipore, Calcutta. Registered before Competent Authority on 3-5-1985 vide Sl. No. 51 of 1984-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Aafi Ahmed Kidawi Road Calcutta-16

Oate: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-99/R-II/Cal/85-86.---Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 88 situated at C.I.T. scheme-VI M, Phool Bagan,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal on 30-5-85

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the precent as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

2 -- A\_\_\_L (1) Sunil Kr. Guha of P-38 in C.I.T. Scheme No. VI M, Phool Bagan, Calcutta.

(Transferor)

(2) Gopinath Parwal for self and Karta of Hindu Mitakshra undivided family comprised of Surafi Devi Parwal, Ajay Kumar and Sanjay K. Parwal of Room No. 55, 2nd floor, 161/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

More or less 5 cottahs land with two storied building at Plot No. 88, C.I.T. Scheme VI M, P.S. Phool Bagan, Calcutta. More particularly described in Deed No. I-7991 of R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54. Aati Ahmed Kidawi Road Calcutta-16

Date: 9-1-1986

 Shri Suresh Chandra Poy of 36A, New Road, Alipore, Calentia-27.

(Transferor)

(2) Sri Subhendu Roy & Ors. of 128C, Southern Avenue, Calcutta-29.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-100/R-IJ/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 36B situated at New Road, Alipore Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at S.R.A. Cal on 30-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

  The purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share of land measuring area 21 cottahs 40 Sft. at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I 7996 of S.R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-It
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . ...

Dated: 9-1-86.

Scal:

128-446 GI / 85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-101/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and hearing

and bearing
No. CD 121 situated at Salt Lake City, Sector-I, Calcutta-64
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SRA Calcutta in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ananda Mohan Roy,
 CD 121, Salt Lake City,
 Calcutta-64.

 1. Smt. Bharati Dutta.
 2. Sri Ashok Kr. Dutta, both of B.E. 181, Salt Lake, Calcutta-64.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

4.23 cottans of land with building at CD 121, Salt Lake City, Sector-I, Calcutta-64. More particularly described in Deed No. 1 6577 of SR Calcutts of 1986.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-I

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-102/R-II/Cal/85-86,-Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No 885 situated at Mouza-Patipukur,
Distt 24 Parganas, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 20-5-1985

S.R.A. Calcutta on 20-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said in the said in the said in the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Basana Bala Ganguly, alias Basana Bala Devi.
  - Kamalendra Kanta Ganguly, 3. Shyamalendra Kanta Ganguly,

4. Siba Pada Ganguly,

5. Saymyendra Kanta Ganguly, 6. Kali Pada Ganguly,

7. Rita Ganguly,

8. Rina Ganguly all of 19/23,

Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Shrikrishan Jhalani, 3B Camae Street, Calcutta.

2. Ram Swaroop Khandelwal, 800/C. Lake Town, Block "A', Calcutta. 3. Pradip Sen Gupta, 852, Lake Town Block "A' (3rd floor), Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 cottahs 7 chittacks 17 Sft. land with building at Plot No. 885 of the Development scheme of the Government of West Bengal, C.S. Plot Nos. 430, 406 and 407, J.L. No. 24, Mouza-Patipukur, 24 Parganas. More particularly tescribed in Deed No. 7450 of S.R.A. Calcutta of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Suresh Chandra Roy of 36B, New Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Sri Surendra Kr. Dugar & Ors. of 401/11A, Upper Chitpur Road, Calcutta-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1986

Ref. No. AC-103/R-II/Cal/85-86, --- Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 36B situated at New Road, Alipote, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 30-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share of land measuring area 21 cottahs 40 Sft. at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I 7995 of S.R.A., Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUITTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. AC-104/RJI/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00 000% and bearing No.
64 7A situated at khudham Bose Sarani, Calneutta-37 (add more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 31-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believt that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the conside ution for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Anil Kumar Bhattacharjee of 64/7A, Khudiram Bose Sarani, Calcutta-37.

(Transferor)

(7) Smt. Anita Chanda W/o Sri Ashis Chanda, Park Road, Silchar-1, Cachar, Assam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning cs given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Approximately 1350 Sft. flat on the Ground floor at 64/7A, Khudjram Bose Sarani, Calcutta-37. More particularly described in Deed No. 1 8029 of S.R.A. Calcutta of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcuttn-16

Date: 10-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt. Swaha Roy Chowdhury of 20, "Queens Mansion", 12, Park Street, Calcutta.

#### (Transferor)

(2) Sri Bikash Chandra Sinha of 2-4B, Sarat Bose Road. Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. AC-105/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAJKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. situated at Mouza-Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Alipore on 21-5.85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Approximately 11 cottahs 13 chittacks land in Khatian No. 3954/2743, Dag No. 308/309. Mouza-Behala under Calcutta Municipal Corporation. More particularly described in Deed No. 4287 of S.R. Alipore of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Seal:

Date: 10-1-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. AC-106/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-236 situated at C.I.T. Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 18-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Radha Devi Jhunjhunwala of 21, Srr Hariram Goenka Street, Calcutta-700 070.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Tibrewala of 3, Pratap Ghosh Lane, Calcutta-700 007,

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### HE SCHEDULE

Undivided 1/3 share of flat No. 2A at P-236, C.I.T. Road, Calculta-10. Registered before Competent Authority on 18-5-1985 vide Sl. No. 56 of 84-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwaj Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUITA

Calcutta, the 10th January 1986

AC-107/R-II/Cal/85-86.--Whereas, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Scotion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

And Bearing
No. P-236 situated at C.I.T. Road, Calcutta-10
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Office at
Competent Authority on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers ≈ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Smt. Radha Devi Jhunihunwala of 21, Sri Harram Goenka Street, Calcutta-700 070.

(2) Smt. Manju Devi Tibrewala of 3, Pratap Ghosh I ane, Calcutta 700 007.

(Transferor)

(Trunsferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/3 share of flat No. 2A at P-236, C.I.T. Road, Calcutta-10. Registered before Competent Authority on 18-5-1985 vide Sl. No. 57 of 1984-85.

SHAIRH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.
Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwaj Road Calcutta-16

Date: 10-1-1986

#### FORM TINE

STATE OF THE STATE

#### (1) Smt. Radha Devi Jhunjhunwala of 21, Sri Hariram Goenka Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Sri Raghunath Prasad Tibrewala of 3, Pratap Ghosh Lanc, Calcutta-7.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

AC-108/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-236 situated at C.I.T. Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Competent Authority on 18-5-1985

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

for LAMATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any irrosse arising from the transfer;

Undivided 1/3 share of flat No. 2A at P-236, C.I.T. Road, Calcutta-10. Registered before Competent Authority on 18-5-1985 vide Sl. No. 58 of 1984-85.

(b) fueilitating the concealment of any inco moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI 54, Rafi Ahmed Kidwaj Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (100). Section 269D of the said Act, to the following 129—446 GI/85

Date: 10-1-1986

Seal ;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. AC-109/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinestor referred to as the said Act'), have receous to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-236 situated at C.I.T. Road, Calcutta-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), that more limity described in the Schedule difference in the later than been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Cifice at Competent Authority on 18-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair thanker value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid extends the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of vansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income around from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt, RaJha Devi Jhunjhunwala of 21, Sri Hariram Goenka Street, Calcuita-7.
- Smt. Shanti Devi Tibrewala.
   Smt. Manju Devi Tibrewala.
   Bri Raghunath Prasad Tibrewala.
   all of 3, Pratap Ghosh Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforced persons within a period of 45 days from the date of publication of this materia, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2A at P-236, C.I.T. Road, Calcutta-10 transferred in 3 undivided parts to the transferees mentioned above and registered before the Competent Authority on 18-5-1985 vide Sl. Nos. 56, 57 and 58 of 1984-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwaj Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:-

Date: 10-1-1986

Seal;

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. FR-129/85-86/\$l. 1161/IAC|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 24 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s Development Consultants Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the zervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that eastern portion of 1st floor Block 'D' measuring 1878 sfift, at 24, Park Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-8672 P dated 17-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwaj Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref.: No. TR-126-85-86/SL 1160/LA,C.]Acq. R-I]Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

losing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, situated at Auckland Square, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Other at S.R.A. Calcutta on 25-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

relow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ashoke Kr. Auddy.

(Transferor)

(2) Surya Kant Mchra & Mrs. Shalini Mehra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the attention of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property withm 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of 1 Bigha of land together with brick built building at premises No. 1 Auckland Square, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-7799 dated 25-5-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Koad Calcutta-16

Date: 10-1-1986

#### (1) Smt. Parul Bala Das & Ors.

(Transferor)

(2) Shahanshah Hussain Jaffri & Ors.

(Transferee)

### AUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-125/85-86/Sl. 1159/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32 situated at Debendra Ch. Dey Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. 32 situated at Debendra Ch. Dey Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Calcutta on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; said/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 62.

  45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that two storied pucca house and CI sheds and godown together with fully covered land measuring 16 cottahs 7 chittacks and 5 sft. (1108 sq. mtrs.) being No. 32, Debehdra Chandra Dey Road (formerly chingrighata Road) Calcutta, P.S. Entally, 24-Parganas. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-6535 dated 3-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

(1) Sm. Dipali Bose & Ors.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-123/85-86/Sl.1158 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 55, situated at Malanga Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 3-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Society (Scheme IV) Ltd. (Transferee)

(2) The Shipping Corporation Cc-operative Housing

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that revenue redeemed land being the northern portion of premises No. 55, Malanga Lane, Calcutta. Area: 3 Cottah 8 Chittack 43 Sft. more or less. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-6608 dated 3-5-1985.

SHAIKH NAIMUDEIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

(1) Raghullath Prosad Maskara & Dayanath Maskara,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manori Debi Bengani,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

TR-122/85-86/St. 1157/I.A.C./Acq. R-I/Cal.-No. Ref. Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing.

No.  $6/1\Lambda$ , situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair ma ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this socies under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 304 measuring 2395 Sft. on the 3rd floor in 'Mangal Deep' at premises No 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-6993 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwaj Road Calcutta-16

Date: 10-1-1986

The state of the s

#### FORM ITNS

(1) Raghunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara,

(Transferor)

(2)

(2) Smt. Shanti Debi Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-119/85-86/SI.1156 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) reclificing the reduction or evenion of the limitifity of the immediator to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferrence for for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 804 measuring 2395 S. ft. on the 8th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-6988 dated 10-5-1985,

SHAIKH NAIMUTOIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54. Rafi Ahmed Kidwaj Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

(1) Shri Ragunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Hansraj Kothari & Sri Pratap Singh Kothari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 1R-118/85-86/Sl.1155/I.A.C./Acq.R-I/Cal.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6/1A situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 1004 measuring 1583 on the 10th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta, Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-6987 dated 10-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 10-1-1986

(1) Shri Ragunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Chandra Mundra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-117/85-86/Sl.1154/I A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
No. 6, 1A situated at Moira Street. Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed here(o),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Calcutta on 10-5-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in suspect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or not moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 805 measuring 1390 s.ft. on the 8th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calculta. Registered before the R.A. S.R.A., Calculta vide Deed No. 1-6982 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmeda, Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-1986

(1) Shri Ragunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE INCOME- (2) Sri Promode Kumar Jalan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-116/85-86/Sl.1153/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6. 1A situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 704 measuring 2395 Sft. on the 7th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta, Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-6981 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authorive Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely:—

Date: 10-1-1986

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-114 85-86/Sl.1152/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 6/1A situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ragunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara.
- (2) Smt. Gita Debi Agarwal.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that blat No. 704 measuring 2395 S.It. on the 7th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta, Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide deed No. I-6976 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDINN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmeda, Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Raghunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara.

(Transferor)

(2) Sri Jagdish Prosad Agarwal & Sut, Nirmala Devi Agarwal.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-113/85-86/Sl.1151/I.A.C./Acq.R-1/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 6/1A situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) tacilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 202 measuring 2375 Sft. on the 2nd floor of 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A. Moira Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-6971 dated 10-5-1985.

SHAJKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

(1) Rajiv Kumar Dhandh & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad Agarwal & Nirmala Devi Agarwal.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. C.A./157/85-86/Sl.1150/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') and the immovable as the 'said Act'.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

6- [A situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Calcuta on 19-6 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bell we that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 954/OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 202 on 2nd floor of 6/1A, Moira Street, Calcutta-17, Area 2375 Sft. Registered before the Competent Authority, 1.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 157 dt. 19-6-1985

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54, Rafi Ahmed, Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1986

#### FORM ITNS

- (1) Shri Sunderdas Bhagwandas Hira.
- (2) Shri Ashok Karwa &Ors.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTALT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

- Calcutta, the 10th January 1986
- Ref. No. C.A. 172/85-86/Sl. 1149|I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinsfter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. 61A61A. situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. III on 11th floor at premises No. 61/A, Park Street, Calcutta. Area Sft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-1, Calcutta vide Serial No. C.A. 172 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Acqhisition Range-I
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed, Kidwai Road
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 10-1-1986

AND THE PROPERTY AND THE CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PRO

#### FORM ITNS

(1) Mr. Krishna Kumar Gagaria.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Kumar Jhunjhunwala & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. C.A./171A/85-86/Sl.148/I.A.C./Acq.R-1/Cal.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 6C, situated at Middleton Street, Calcutta Competent Authority, I.A.C., Acq.R.J., Calcutta on 3-5-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumes; of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days stom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 74, Gul Morh Co-operative Housing Society 1.td. 7th floor, 6C, Middleton Street, Calcutta-71. Registered before the Competent Authority, 1.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A./171A. dated 3 5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed, Kidwai Road
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versions, namely:—

Date: 10-1-1986

(1) Shri Dayaram Tarchand Mirchandani.

(Transferor)

(2) M/s. Birla Jute & Industries Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. C.A./171/85-86/Sl.1147/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 61A, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., Acq.R-I, Calcutta on 3-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

131—446 GI/8**5** 

THE SCHEDULE

All that Flat No. 105 alongwith Servants Quarter in Ambassador Apartment, 61A, Park Stree, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A./171 dated 3-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed, Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

#### FORM ITNS-

#### (1) Shri Ragunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamla Debi Dugar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TH-120/85-86/Sl.1146/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 6/1A situated at Moira Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans transfer with the object of :--

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that Flat No. 801 measuring 1988 Sft. on the 8th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No 1-6989 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

(1) Shri Ragunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Laxmi Debi Agarwal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-115/85-86/Sl.1145/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 6/1A situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-5-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that Flat No. 804 measuring 2395 Sft. on the 8th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-6980 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Raghunath Prosad Maskara & Dayanath Maskara,

(Transferor)

(2) Sm. Kamala Devi Bengani & Sm. Puspa Devi Bengani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-121/85-86/Sl. I.A.C./Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under he Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 404 measuring 2395 S. ft. on the 4th floor in 'Mangal Deep' at premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-6991 dated 10-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

#### (1) Sujit Kumar Ghosh.

(Transferor) (2) Seal Lane Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref No. TR-133/85 86/Sl. 1143/J.A.C. Acq.R-I Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing

No. 19A/15, situated at Scal Lane, Calcutta

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 2-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trainier;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and to expressions used herein as are defined in hapter XXA of the same Act, shall the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that 7 Cottahs 7 Chittacks 4 S.ft. of land with three storied unfinished building thereon at 19A/15, Seal Lane, Calcutta. Registered before the R.A./S.R A., Calcutta vide Deed No. 1-7276 dated 2-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 10-1-1986

See! :

(1) Smt. Shyama Devi.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Nasiruddin Ahmed.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-L CALCUITA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. TR-128/85-86/S1.1142/I.A.C./Acq.R-1/Cal.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDÍN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15 situated at Robert Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 22-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that premises No. 15, Robert Street, Calcuita Comprising of partly two and partly three storied building on land measuring 1 cottah, 12 Chittacks and 17 Sft, Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-7623 dt. 22-5-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 10-1-1986

### (1) Damodar Ropeways and Construction Co. P. Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

mangan managangga and a sama agang birkan na nagang menganggan nagang ang managanggan nagang ang managanggan n

(2) Mr. Girish R. Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

# **OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2044/LAC/Acq.R-III/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 2 situated at Rowland Road, Calcuta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided proportionate share in the land admeasuring 3652 square feet being the portion of premises No. 2, Rowland Road, Calcutta registered before 1.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37%/Acq. R-III/712 dated 1-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Kausalya Rangamani,

/Transforer)

(2) Mr. Kaustabh Mani Sarkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME.TAX

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2045/IAC/Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
4 situated at Siddeswari Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acqn. Range-III, Calcutta on 14-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anajor

Covered area 995 sft. and Carpet area 882 sft. covered floor, Flat No. 1A, 4 Siddeswari Road, Calcutta-29, redg. before IAC., Acq.R-III., Calcutta vide 37EE/Acq.R-III-85-86/103, dated 14-5-1985.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pussuance of Section 269C of the set Act, I hereby initiate presendings for the acquisitein of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 10-1-1986

Seal ;

#### I-ORM 1.T.N.S

(1) Mrs. Mast in Properties and Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir with Dodon Against

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2046/IAC, Acq.R-III/85-86,--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No.

43 situated at Kadash Bose Street, Calcutta-6 (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pegistration Act. 1903 (16 of 1908) in the office of Resistering Officer at IAC, Acq.R-III, Calcutta on 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-132-446 GL/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat No. 322 a 3rd floor of 43. Kailash Bose Street, Calcutta-6. Area 1214 86 aggreeted before JAC, Acq.R-III. Calcutta lide 3711 (Acq.R-III 85-86/58) dated 6-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
54 Pafi Above Ulifori Road Coleuta-16

Date : 10-1 1986 Sent ·

#### FORM LT.N.S.

(1) M/5 K. N. Properties Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sri C. K. Fogla.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2047/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said-Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No. II-A situated at Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer of IAC, Acq. R-III, Calcutta on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11B on 11th floor of Muhistoried building named "Ashok Towers" at 11A, Palm Avenue, Calcutta registered before LA.C., Acq. Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/85-86/89 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

The second secon

#### FORM ITNS-

(1) M/s Slab Builders.

(Transferor)

(2) Sri Santi Priya Dutta Roy.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2048/Acq.R-III/85 86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 253C/I situated at Netan Subash Ch. Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer of 1AC, Acq. Range-III. Calcutta on 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 at 253C/1, N.S.C. Bose Road, Calcutta registered before IAC, Acq. Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/85-86/53, dated 6-5-1985.

SHAIRH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

- (1) M/s. Mahesh Properties Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Rameshdutt Bhamika.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2049/IAC.Acq R-III/85-86.-—Whereas, L. SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1.00 (100) and bearing No.

as: 1,00,000/- and bearing No.

43 situated at Kailash Bose Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer
at IAC, Acq. R-III, Calcutty on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the officered cooperty and I have reason to believe that the fab market value of the property and increasing exceeds the apparent consideration therefor by more the officer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, an pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to be following

persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. 422 at 4th floor of 43, Kailash Bose Street, Calcutta-6 registered before IAC, Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/85-86/73, dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-1986 Scal:

(1) Shyamali Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) D. K. Ghosh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2050/TAC.Acq.R-III/85-86. -Whereas. I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000, and bearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000; and bearing No. exceeding Rs. 1,00.000; and bearing No. 36B situated at Sclimpur Lane, Calcutta-31 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq. R-III. Calcutta on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The teems and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 601 Sq. ft. 36B, Selimpur Laue, Calcutta-31 registered before 1.A.C. Acq. R-III, Colcutta vide 37FE/Acq.R-III/45/85-86, dated 6-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

How, theretoes, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestial property for the said of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pate 10-1-1986

(1) M/s. Damodar Ropeways & Construction Co. P. Ltd. (Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sneh Tikmany and Mrs. Tikmany.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JUL, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2051/IAC.Acq.R-III/85-86.- - Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 - and bearing No.

2 situated at Rowland Road, Calcutta

2 situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq. R-III. Calcutta on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in to Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions were defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- in; facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ei
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Platt on 4th floor of the building measuring 1136 Sq. Ft. at premises No. 2, Rowland Road, Calcutta registered before 1.A.C., Acq R-III, Calcutta vide 37FE/Acq. R-III/703, dated 1-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—

Date: 10-1-1986

(1) Pramila Bala Devi,

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Sood.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

value of the second of the sec

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2052 Acq.R-III /85-86.—Whereas, I, SAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00/- and bearing No.

1/530 situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Echedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the orace of Registering Officer

at S.R.A., Calcutta on 15-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income wrising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

South east portion of plot 1–530, Gatiahat Road, Calcutta Area , undivided half share of 3 k,--1 ch. Regd. before S.R.  $\lambda_{\rm s}$ . Calcutta ,  $_{2/2}$  (5-5-1985) fide Jeed No. 4022 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calentra-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

Seal

- (1) M/s K. N. Properties Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) M/s. Chandrima Merchantiles Ltd.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2053/IAC, Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11-A, situated at Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C.. Acqn. Range-III, Calcutta on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the 'transfer; uansfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

and expressions used herein as EXPLANATION :-- The terms are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11A on 11th floor of multi-storied building named 'Ashok Towers' at 11-A, Palm Avenue, Calcutta, Registered before I.A.C., Acquisition Range-III, Calcutta, vide 37EE/ Acq.R-III/85-86/90. dated 10-5-1985.

> SHAIKII NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-1986

(I) M : I H for is Bother

(2) Sti C. K. Fogla.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2054/IAC., Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11-A, situated at Palm Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqu. Rangt-III, Calcutta on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the farmatket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transferand/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferea for the purposes of the indian lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned i---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11B on 11th floor of multi-storied building named Schok Toyors at 11-A, Palm Avenue, Calcutta, Registered before 1 A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37ET/ Acq.R-III/93, dated 10 5-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Vistt, Commissional of Income-tax Acquisition Range-III 54 Roll Ahmed Kidwai Road, Calculta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-133-446 GI/85

Date: 10-1-1986

Soal:

FORM ITNS (1) Smt.

(1) Smt. Shiva Rani Biswas.

(Transferor)

(2) Smt, Sikha Sen.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2055/IAC., Acq.R-III/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000) and bearing

34B, Situated at Sardar Sankar Road, Calcutta-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R.A.. Calcutta on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAMEN:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

1st floor having a covered area 900 sq. ft. at 34B, Sarder Sankar Road, Calcutta, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Doed No. 5877, dated 13-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or waich ought to be disclosed by the transferee for fac purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 10-1-1986

Scal -

(1) M 's Migma Private Limited,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dwijadas Sanyal,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2056/IAC. Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs. 1.00.000 - and bearing No. 22 situated at Ashatosh Chowdhury Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed heretor, has been transletted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq R-III, Calcutta on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruncent of transfer with the object refer

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any racome arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

22. Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19. Flat No. 23 on 2nd floor measuring 860 sq. ft. Registered before LA.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/85-86/98, dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tav,
Acquisition Range-III
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date: 10-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th Lanuary 1986

Ref. No. 2057 I.A.C., Acq. R-III/85-86.—Whereas. I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11-A, situeted at Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any froncys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initing proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice ender subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M. s. R. N. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Pyari Kandoi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalt have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1-C(b) on 1st floor of multi-storeyed building at 11A, Palm Avenue, Calcutta. Registered before 1.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EF Acq. R-III/85-86/64 dated 10-5-85.

SHAKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Raß Abmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 10-1-1986

classic. Aligna Private Limited.

(Transferor) (Transferec)

(2) Mr. Sitansu Bangrice.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2058/I.A C., Acq R-III/85-86.- - Whereas I, SHAIKII NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

39 1. Lansdowne Road, Calcutta-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at 1.A.C.. Acq. R-III, Calcutta on 6-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of nay moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property  $n_{\rm min} v = n_{\rm i}$  and e in writing to the undersigned :—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A residential flat measuring 1015 Sq. ft, being flat No. U-7, at premises No. 39/1 Lansdowne Road, Calcutta-20, Registered before JAC., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III, 85-86/52 dated 6-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date . 10-1-1986

(1) Arup Kumar Bose.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Bhagyalakshmi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUITA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 059 Acq. R-III / 85;86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

from the office of Registering officer at R. A. Calcutta of 1908) in the office of Registering officer at R. A. Calcutta of 1908 in the office of Registering officer at R. A. Calcutta of 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ∗nd/or

> Ground floor, flat measuring 1075 Sq. ft. at 357/1/8A, Prince Anwar Shah Road, Calcutta, Registered before Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. I-7345 of 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 10-1-1985

FORM LT.N.S.

.\_\_\_\_

(1) M's. Master Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Vaidyanathan & Mrs. Kamala Vaidyanathan (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2060/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 48 situated at Kali Temple Road, Calcutta-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.. Acqn. R-III, Calcutta on 14-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **andi**ce
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 hays from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the 1st floor at premises No. 48. Kall Temple Road P.S. Bhawnipore, Calcutta, Registered before I.A.C., Acqu. Range-III. Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/85-86/104 dated 14-5-85,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-86

### (1) M/s. Bhavna Properties (P.) Ltd.

#### (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Sri Kedar Nath Patchpuria & Smt. Sushila Fatchpuria.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2061/Acq. R-HI/85-86.—Wherens, J. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. 62/17, situated at Ballyguage Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calentta on 10-5-85

for an apparent cinsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 2nd floor of multistoried 'Shree Ram Bhawan' at 62/17, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn. vide 37EE/Acq. R-III/85-86/87 dated 10-5-85

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-86

(1) M/s. Bhavana Properties (P.) Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Kailash Nath Fatehpuria & Smt. Laxmi Fatchpuria.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Rcf. No. 2062/Acq. R-III/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 62/17 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the property and the second that the fair market value of the property as aforesaid the property as a foresaid the exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferess for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 1st floor of multistoried building named "Shree Ram Bhawan" at 62/17, Ballygunge Circular Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta, vide 37EF/Acq. R-III/85-86/86 dated 10-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons namely :--134-446 GI /85

Date: 10-1-86

(1) Mys. Bhavna Properties (P.) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Om Prakash Fatehpuria & Smt. Bhagwati Fatehpuria.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2063/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,0007- and bearing

No. 62/17 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the anid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 4th floor of multi-storied building named 'Shree Ram Bhawan' at 62/17. Ballygunge Circular Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/85-86/83 dated 10-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in tursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-86

#### PORM ITMS

(1) Mr Jibandhan Mukherjec

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Aarther Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2064/Acq. R-III/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (berginafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 57B situated at S.R. Das Road, Calcutta-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 29-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(r. facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Tile shed having a covered area about 2800 S. ft. together with land measuring 4 Cottahs 12 Chittaks at 57B, S.R. Das Road, Calcutta-26. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 7917 of 1985 dated 29-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-86

Seal ;

(1) M/s. Bhavna Properties (P.) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bijay Kumar Fatehpuria & Smt. Manju Fatehpuria

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2065/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1/61 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable that the improvable of the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 62/17 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of bransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 3rd floor of multi storied building named "Shree Ram Bhawan" at 62/17, Ballygunge Circular Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/85-86/84 dated 10-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 159D of the said Act, to the following persons, namely '---

-Date : 10-1-86

#### (1) M/s. Ajax Trading Company Private Ltd. (Transferor)

\_\_\_\_\_\_

(2) 1. Mr. Nirmal Kumar Choudhury

Mr. S. K. Choudhury
 Mr. Narayan Choudhury

4. M . D'pak Kumar Choudhury.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2066/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/71, situated at Jodhpur Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.. Acq. R-III, Calcutta on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/71, Jodhpur Park in the municipal town of Calcutta, nana Tollygunge, Sub Registrar Office Alipore. Registered Thana Tollygunge, Sub Registrar Office Alipore. Registered before 1.A.C., Acqn Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acqn R-III/65/85-86 dated 10-5-85

#### SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-86

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Neerja Poddar Trust

(Transferor)

(2) 1. M/s. Almal Foundation

2. Ramnarain Almal Charity Trust

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2067/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUIDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,07,000/- and bearing
No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ansarument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1062 Sq. ft., space No. 3 on 7th floor at 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acq R-III/753 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 10-1-86

#### FORM TINS

(1) M/s. Lodha Services Private Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Allanasons Private Limited

(Jiansferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2068/Acq. R-III/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Hare Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq R-III, Calcutta on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2, Hare Street, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq R-III Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/754 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-86

#### FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Pressman Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dredging Corporation of India Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA -

Calcutta, the 10th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2069 Acq. R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24 situated at Regent Park, Calcutta-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been stansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC. Acq. R-III, Calcutta on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION: - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

24, Park Sticet, Calcutta-40 Regd. before IAC. Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/85-86/100, dated 10-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-86

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2070 J.A.C., Acq. R-III 85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDJN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing.

No. 2 situated at Rowland Road, Calcutta (and more trilly described in the Saladida. No. 2 situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range-III, Calcutta on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 135--446 Gl / 85

- (1) M/s Dameda Ropeway ? Courts, Co. (P.) Ltd. (Transferer)
- (2) Mi Narendra Kumai K. Mehta & Ors. (Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided proportionate share in the land admeasuring Calcuta. Flat measuring 1136 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq. R-III. Calcuta, vid.: 37EE/Acq. R-III/691 dated 1-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 51, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcufta-16

Date :: 10 1-86 Seal :

.... - - - - - - - - - -

#### FORM ITNS

(1) 1. Sri Amar Nath Chatterjee & Ots. 2. Smt. Jayanti Banerjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Reakhee Chakraborty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2071/LAC., Acq. R-III/85-86—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the

lncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I 00.000/- and bearing No. A '96/II/I'B situated at Raja S. C. Mullick Road. Calcutta-47

Calcutta-47

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 24-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

. Apartment No. 8 on the 3rd floor Block-H-1 Premises No. A/96/1B at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta-47. Registered before S.R.A., Calcutta on 24-5-85 vide deed No.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-1-86

(1) Sh. Harasit Kumar Ghosh

(Transferor)

(2) Sh. Rabindra Mohan Deb

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. I.A.C., Acq. R-III-2072/85-86.—Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

we the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projecty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 situated at Block 12, W2A(R), P.S. ladavpur (and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 20-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, MORITOR.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sam immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Apartment No. 1, Block 12, W2A(R), P.S. R-Jadavpur, Phase IVB, Golf Green Urban Complex. Registered before S.R.A., Calcutta, on 20-5-85 vide Deed No. 4258.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 10-1-86

(1) M/s. Madyal Udyog

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

() 2M/s. Joint Plant Committee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION 'RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2073/1 A.C., Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 060/- and bearing.

No. 20 situated at Ballyguage Circular Road, Calcutta

No. 20 situated at Ballyguage Circular Road, Calcutta (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 16-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4E on 4th floor at premises No. 20 Ballygunge Circular Road, Calcutta, measuring 1238 Sq. ft. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 7281 of 1985 dated 16-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 260 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-1.86

(1) Smt. Latika Devi

(2) Smt. Kanwari Choraria

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2074/I.A.C., Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 - md bearing No. 2 situated at Mandevilla Gardens, Calcutta, (and more fully described in the Schedule anneed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 17-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'ruly stated in the said instrument of of 'transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, if respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under submedian (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in flat No. 8A on 8th floor of premises No. 2, Mandevilla Gardens, Calcutta, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 7310-85 dated 17-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-86

#### FORM I.T.N.S.

(1) 1. Smt. Surjit Kaur Gui uram Awtar Singh
 Pritipal Singh

4. Manjindra Singh

(Transferor)

(2) Multifin Consultants Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2075/Acq. R-HI/85-86.- - Whereas, 1. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 50A & 50B situated at Garcha Road. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 1-5-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as attacesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any aloneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of action on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION :—The terms and expressions used lerein as are defined in Chapter XXA of the said the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land measuring 6 cottats 2 chittaks and 12 Sq. ft. at 50A & 50B. Garcha Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/749 dated 1-5-85.

SHAIKH NATMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI, 54, Rafi Alimed Kidwai Road. Calcutta-16.

Date: 10-1-86

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mukul Kumar Raichowdhuci,

- (Transferor)
- (2) Labhda Properties Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2076/LA.C /Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SHAIKII NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 491 situated at C.I.T., Scheme XI., VIII

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 28-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for seen transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : -- The terms and expressions used acrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor

All that premises being plot No. 491, C.I.T. Scheme XIVII, Calcutta, Area 4 cottahs 7 chittaks 2990 Sq. ft. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-7833 of 1985 dated 28-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-1-86

(1) Shri Vijay Kumat Agarwal.

(Transferor)

(2) I. Almal Foundation.

2. Rammarain Minial Charity Trust.

3. Sumitra Devi Almal.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2077/Acq. R-III/85-86,---Wherens, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7. situated at Sarat Bose Road, Calcuita

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III. Calcutta on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1003 Sq. ft. Space No. 4 on 7th floor at 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, under 37EE/Acq. R-III/752 dated 1-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H<sub>2</sub> 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-86

(1) Migma Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) G. R. Saha.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2078/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIRH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 39/1 situated at Lansdowne Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-136—446GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objection, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat measuring 1015 Sq. ft., being flat No. A-5 on the 5th floor at 39/1, Lansdowne Road, Colcutta-20, Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/709 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-86

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shyam Sundar Fatehpuria.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2079/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule approach hyperty).

ment of transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta on 10-5-85 for an apparent consideration which is less that, the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a), facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ec

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

Office space No. A on 9th floor at "Vasundhara" 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20, Registered before I.A.C., Acquisition Range-III, Calcutta, vide No. 37EE/92/Acq. R-III/Calcutta dated 10-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
> Acquisition Range-III,
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 10-1-86

# (1) Pashupati Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

(2) Indur C. Kay.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2080/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/1-B, situated at Raincy Park, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer vith the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hat C/4 "Shivam" at 7/I-B, Rainey Park, Calcutta-19. Registered before LA.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/85-86/91 dated May 1985.

THE SCHEDULE

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-86

(1) Smt. Shanti Chattopadhyay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jamini Kumar Banerjee.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2081/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2E situated at Dr. Radha Kumud Mukherjee Sarani, Cal-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at S.R.A., Calcutta on 24-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of said Act,

shall have the same meaning as given in
that Chapter

## THE SCHEDULE

4 Cottahs land, Premises No. 2E, Dr. Radha Kumud Mukherjee Sarani, Calcutta-19. Registered before S.R.A., Calcutta, on 24-5-85 vide deed No. 7775.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income take
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-86

Sent :

(1) M/s. M. B. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Tushan Kanti Mazumdar.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT 1961 143 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ret. No. 2082/Acq. R-III/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the locome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the kamovable property, having a fair marke: value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 1/121 situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

S.R.A., Calcutta on 16-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anadi/cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--82-436 G1/85

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Islat on the 3rd floor measuring 950 Sq. ft. at 1/121, Garia-hat Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, on 16-5-85 vide deed No. 17248/85

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range ΠΙ, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-86

Scal:

(1) Sri Amarendra Nath Goswami.

(Transferor)

(2) Sri Tushar Kumar Ghosh.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2083/Acq. R-HI/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 42 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 302 situate dat Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed here:0), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at S.R.A., Calcutta on 27-5-85

S.R.A., Calcutta on 27-3-63 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factinating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat having a covered area of 735 Sq. ft. on 2nd floor of a four storied building at 302, Netaji Subhas Chandra Bosc Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta on 27-5-85 vide No. 4442.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-III:
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 10-1-86

See

(1) Migma Frivate Limited.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Mr. Jayesh K. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (41 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Rcf. No. 2084/Acq. R-111/85-86.—Whereas, I, S11AIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00,000/- and bearing No.

39/1 situated at Lansdowne Road, Calcutta-20,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforement property by the issue of this notice under suprection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot measuring 910 Sq. ft., Flat No. F-4 on 4th floor at 39/1, Lansdowne Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/707 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

Scal:

(1) Sri Sachindra Lal Dhar.

(Transferor)

(2) Smt. Nilima Burman.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2085/Acq. R-III/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 132 situated at Balaram Dey Street, Calcutta-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at S.R.A., Calcutta on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax for 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Chazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two storied & partly three storied fully tenanted building comprising an area of 1 cottah 8 chittaks land at 132, Balaram Dey Street, Calcutta-6. Registered before S.R.A., Calcutta on 10-5-85 vide Deed No. I-6907 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDITE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 24-12-1985

## FORM ITNS

(1) Chandra Sekhar Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aarther Properties Pvt. Ltd.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2086/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 57B situated at S. R. Das Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at S.R.A., Calcutta on 29-5-85

s.R.A., Carcuta on 29-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the W-alth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---137—446GI/85

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SOMEDULE

Tile shed having a covered area of 2800 Sq. ft. together with land measuring 4 Cettabs 12 Chittaks at 57B, S. R. Das Road, Calcutta-26. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta, vide deed No. 7916 dated 29-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-86

(1) M/s. R. P. Agarwalla & Brothers (P) Ltd.

(Transferor)

(2) V. K. Agarwalla & Others (HUF).

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF ENDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. **CALCUTTA**

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2087/Acq. R-III/85-86.—Whereas, 1, Ref. No. 2087/Acq. R-111/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

5B situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the tair narket value of the aforesaid property and I have reason the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1969)<sub>1</sub>

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following

persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter XXA of the said anid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12A measuring about 2,612 Sq. ft. covered area including servants room, privy etc., on the 7th floor of 'Lansdowne Court' at 5B, Sarat Bose Road, Calcutta with a garage No. 26. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EF/Aca. R-III/692 dated 1-5-85.

> SHAJKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IH, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16.

Date: 10-1-86

(1) Mrs. Dipti Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mast. Abhishek Modi (Minor) S/o Shri Jugal Kishore Modi.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2088/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
7 situated at Guru Saday Road, Calcutta-19
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at
1.A.C., Acq. R-UI, Calcutta on 1-5-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor at 7. Guru Saday Road, Calcutta-19. Registered before 1.A.C., Acq. R-III/Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/698 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-14

Date: 10-1-86

(1) Master Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Tarit Kumar Banerjee, Smt. Suvra Banerjee.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2089/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 48 situated at Kali Temple Road, Calcutta-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid.

d to ism-ding

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

All that Flat No. 3-C on the 3rd floor containing built up area of 1187 Sq. ft. at 48, Kali Temple Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III/Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/697 dated 1-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDING

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-86

- (1) R. Kar & Associates.
- (Transferor)
- Shri Joydeb Saha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- ACQUISITION RANGE-III,
- CALCUTTA
- Calcutta, the 10th January 1986
- Ref. No. 2090/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

SHAIKH NAIMODDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 180 (A & B) situated at Rash Behari Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

1908) in the office of Registering officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the reaction have not been truly stated in the cold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. B-1, measuring 754 Sq. ft., at 180 (A & B), Rashbehari Avenue, Calcutta, Registered before LA.C., Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/696 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 10-1-86

Scal:

## FORM ITNS

(1) Slab Builder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Amal KR. Bhattacharya.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Culcuttle the 10th January 1986

Ref. No. 209/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 46/3/B, situated at Jadavoore Central Road, Calcutta-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acquisition Range-III, on Calcutta 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the savvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
  - Ich Road Road Road Road 86 / 5

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957); Flat No. 1 on 1st floor at 46/3/B, Jadavpore Central Road, Calcutta-32. Registered before 1. A. C. Acquisition Range-III, Calcutte, vide 37EE/Acquisition Range-III/85-86/54 dated 6-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 10-1-1986

(1) Slab Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Renuka Mukherjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Culcutte the 10th January 1986

Ref. No. 2092/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. 2/IE situated at Town Shend Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acquisition Range-III, Calcutta on 1-5-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely account to the said Act.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 1st floor at 2/IE, Town Shend Road, Culcutta-25. Registered before 1. A. C., Acquisition Range-III, vide No. 37EE, Acquisition Range-III/750 dated 1-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 10-1-1986

(1) Necraja Rateria.

(Transferor)

(2) Veekay Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

# N(/TICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# OVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Culcutter the 10th January 1986

Ref. No. 2093/Acq. R-III/85-86.—Whereus, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 3-F. measuring 7750 Sq. ft. on the 3rd floor of the building under construction at 18/2, Gariahat Road, Calcutta.,-19. Registered before I. A. C., Acquisition Range-III, Calcutta., vide 37EE/Acquisition Range-III/85-86/82 dated 10-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
cquisition Range-III,Calcutta
54, Rafi Ahmet Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 10-1-1986 Scal;

### (1) Slab Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (28) Mr. Pradin Sarkar.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IU CALCUTTA

Culcutte the 10th January 1986

REJ. NO. 2094/IAC, Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 253/C/I situated at N. S. C. Bose Road., Calcutta-47, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at IAC, Acquisition Range-III, Calcutta on 14-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to betaand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liab(lity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Ground floor at 253C/1, N. S. C. Bose Road, Calcutta-47 registered before I. A. C., Acquisition Range-III, Calcutta-vide 37EE/Acquisition Range-III/85-86/101 dt. [4-5-1985]

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 138—446GI/85

## FORM ITNS

(4) M/s. Kundalia Foundation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s, Arihant Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2095 Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 31 situated at Rajendra Road, Caucutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A. Calcutta, on 18-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/er
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

31, Dr. Rajendra Road, Calcutta Regd. before S.R.A., Calcutta, on 18-5-1985, vide deed No. 1-7391 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

Scal:

(1) Mr. Chitta Ranjan Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Satva Brata Pal.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2096/Acq. R-III/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 41/A situated at Charu Chandra Avenue, Calcutta-33. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A. Calcutta, on 15-5-1985.

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said! Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicationn of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor premises No. 41/A, charu chandra Avenue, Calcutta-33 Regd. before SRA. Calcutta on 15-5-1985 vide deed No. 4041.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date 10-1-1986

Scal:

(4) Shri. Diptak Kumar Bose.

(Transferor)

(2) Ram Das Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2097, I. A. C., Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a f Rs. 1,00,000/- and bearing No. fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 17B situated at Moore Avenue, Calcutta-40.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acquisition Range-III, Calcutta, on 1-5-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immen-able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Eand measuring 7 cottahs 1 chittak 5 Sq. ft. at premises No. 17-B, Moore Avenue, Calcutta-40, Registered before I.A.C., Acquisition Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acquisition R-III/716 dated 1-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

## FORM TINS

(1) Mr. Birdh Raj Bhandari. Mrs. Gulab Kunwar Bhandari.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. I. T. C. Limited.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2098/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have meason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. 12/2A, 12/2B and 12/C situated at Ballygunge Park,

(and more fully described in the schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I. A. C. Acquisition Range-III, Calcutta, on 1-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Malowing persons, namely :-

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

# THE SCHEDULE

12/2A, 12/2B & 12/2C, Baliygunge Park, Calcutta. Area of I Bigha 7 Chittaks and 20 Sq. ft. Registered before I. A. C., Acquisition Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acquisition R-III/710 dated 1-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

(1) 1. Smt. Bina Gupta & Ors., 2. Rathindra Mohan Dasgupta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Usha Ranjan Sarkar.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2099/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 62/1 situated at Hindusthan Park, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

I. A. C., Acquisition Range-III, Calcutta on 1-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the convideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the savvice of notice on the respective persons, whichever period employs later;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Demarcated sourthern portion of the second floor of premises No. 62/1, Hindusthan Park, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tiAcquisition Range-III.Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

# FORM I.T.N.S.

(1) M/s A. & A. Developments (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Master M. Sood.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-JII

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2100/IAC/ACQ. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 38 situated at Lake Gardens, Calcutta. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acquisition Range-III, Calcutta on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flut No. 9 on Eastern side on first floor at premises No. 38, Lake gardens, Calcutta-45 registered before JAC, ACQ, R-III, vide 37EE/Acquisition Range-III/701dt, 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 10-1-1986

(1) Smt. Chhanda Bhattacherjee.

(2) Kunwari Choraria.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III CAI CUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2101/I. A. C. Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Mandevilla Gardens Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Calcutta, on 17-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in flat No. 8A on 8th floor of premises No. 2, Mandevilla Gardens, Calcutta, Area 1385 Sq. ft. Registered before S.R.A., Calcutta on 17-5-85, vide Deed No. I-7309 of 1985

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-III, Calcutta54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITMS

(1) Mr. Gyaneswar Prasad Agrawal.

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Delian Holdings Ltd.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# DFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2102/I. A. C., Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 19 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 3. 1,00,000/- and bearing

No. 2 /7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

A. C., Acquisition Range-III, Calcutta, on 6-5-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inhibity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-139-446GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2156 Sq. ft. on 4th floor at 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III/Calcutta, vide 37EE/Acquisition Range-III/55/85-86 dated 6-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 10-1-1986

# FORM TINS

(1) M/s Mahesh Properties Pvt. Limited.

(Transferor)

(2) Girdhari Lal Jain. Yidya Devi Jain.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2103/I. A. C., Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43 situated at Kailash Bose Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer L. A. C. Acq. R-III. Calcutter on 10-5-85.

I. A. C. Acq. R-III, Calcutta, on 10-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any morms urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One flat No. 121 at 1st floor of 43, Kailash Bose Street, Calcutta-6, measuring area 1300 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq., R-III, Calcutta, vide 37EEAcq. R-III/8586, 74 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcuta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

(1) Migma Private Limited.

(Transferer)

(2) Mrs. Shilpa J Vora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

**CALCUTTA** 

Culcutta the 10th January 1986

Ref. No. 2104 I. A. C., Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a Rs. 1,00,000/- and bearing fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing
No. 39/1 situated at Lansdowne Road, Calcutta-20.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at
I. A. C., Acq. R-III, Calcutta, on 1-5-85.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); A residential flat measuring 800 Sq. ft. being flat No. C-4 on 4th floor at premises No., Lansdowne Road, Calcutta-20. Registered before I. A. C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acquisition Range-III/708 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1986

Scal:

- (1) Migma Private Limited.
- (2) Mrs. Shilpa J Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Culcutta the 10th January 1986

Ref. No. 2105/I. A. C., Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter section to as the 'ask Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 39/1 situated at Lansdowne Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acq. R-III, Calcutta, on 4-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person faterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A residential flat measuring 800 Sq. ft. being flat No. C-4 on 4th floor at premises No. 39/1, Lansdowne Road, Calcutta -20. Registered before I. A. C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/711 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

### FURM ITNS

## (1) Rupa Sen.

(2) Sri Shyam Sunder Drolia.

(Transferor)

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2106/IAC.ACQ.R-III/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMÚDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10B situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC ACQ, R-III, Calcutta on 6-5-85 for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Apartment No. 'B' on the 2nd floor together with open garage on the basement floor and one servant room on the garage on the basement hoof and one servant room on the ground floor of the "Shobhana Apartment" Building known as at 10B, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 registered before IAC, Acq.R-III. Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/85-86/59 dt. 6-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

1. Ashok Kumar Sood.
 2. Vijay Kumar Sood.

3. Neera Sood.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master M. Sood.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2107/IAC.ACQ.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAJKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 38, situated at Lake Gardens, Cal-45
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC.Acq.R-III/Cal on 1-5-85
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquiaition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that propertionate undivided share of the land at 38, Lake Gardens, Calcutta-45 measuring approx. 670 Sft. registered before I.A.C. Acq-R-III/702 dt. 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

# FORM I.T.N.S.

(1) Ardhendu Sekhar Kayal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rina Sen Gupta.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcuita, the 10th January 1986

Ref. No. IAC.Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. I.00,000/- and bearing No. 3 & 7 situated at Rahim Ostagur Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JAC., Acqn. R-IIICal on 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Acts to the following person namely:

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period \*xpires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An undivided one tenth share of the plot of 5K—1 ch. of premises No. 3 & 7, Rahim Ostagur Road, Calcutta-45 regd. before IAC. Acq.R-III Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/85-86/51 dated 6-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

Scal :

## FORM I.T.N.S.

## (1) K. N. Properties Private Limited.

(Transferor)

(2) Mrs. Raka Nandy.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2109/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
No. 11-A, situated at Palm Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1903 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at JAC., Acqn. R-IIICal on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7B on 7th floor of multi-storied building at 11-A, Palm Avenue Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/ACQ.R-III/61/85-86 dated 6-5-85.

SHAIKH NAIMUDDING Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16,

Date: 10-1-1986

- (1) M/s. Migma Private Limited.
- (Transferor)
- (2) Mr. Dwijadas Sanyal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2110/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. 22 situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC.Acq.R-III. Calcutta on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 23 on 2nd floor measuring 860 sq. ft. at 22, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19. Registered before 1AC.Acq.Range-111, Calcutta on 10-5-1985 vide 37EE/Acq.R-111/99/85-86 dated 10-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

140-446GT/85

Date: 10-1-1986

# (1) K. N. Properties Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AGT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Moni Ram Kandoi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2111/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 11-A, situated at Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC Acq. R-III/Cal on 6-5-85 IAC.Acq. R-III/Cal on 6-5-85
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reasen to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of say income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any mouses or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1-C(a) on 1st floor of multi-storied building at 11-A. Palm Avenue, Calcutta Registered before IAC., Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/62/85-86 dated 6-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

(1) K. N. Properties Private Limited.

(Transferor)

(2) Mudgala Seshama.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2112/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

No. 11-A, sinated at Palm Avenue Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at IAC.Acq.R-III/Cal on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. 10 the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10C on 10th floor of multi-storied building at 11-A, Palm Avenue, Calcutta. Registered before IAC.Acq-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/85-86/63 dated 10-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

Scal:

(1) Srl Amarlal Scal.

(Transferor)

(2) Sri Aloke Kumar Mukherjee.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-HI 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2113/IAC.Acq.R-II/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovtible property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
38, situated at Ramdhan Mitra Lane Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Sub Registrar of Assurances. Calcutta on 7-5-85

Sub Registrar of Assurances, Calcutta on 7-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay sax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englet to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby faitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two storied building comprising the area of land measuring about 1 cottah 6 chittaks and 24 Sft. at 38B, Ramdhan Mitra Lane, Calcutta registered before SRA., Calcutta vide Deed No. I.7358/85.

SHAIKH NAIMUDBIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

(1) Ardhendu Sekhar Kayal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Barun Kumar Chakraborty.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2114. Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 & 7 situated at Rahim, Ostagaur Road Cal-45 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acq.R-III, Calcutta on 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

iransfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An undivided one tenth share of the plot of 5K-1 ch. 3 & 7, Rahim Ostagaur Road, Calcutta-45, redg. before IAC.Acq. R-III/Calcutta/vide 37EE/Acq.R-III/50|85-86. dated 6-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

## (1) Veekay Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Maruti Udyog Pvt. Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUITA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2115/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). tand more thiny described in the Schedule annexed hereby, has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acq.R-III, Calcutta on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fat

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 58 on fifth floor of the building at 18/2 Gatlahat road, Calcutta, Regd. before IAC Acq R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/747 dated 1-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III. 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1986

### FORM DASH

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Siddharta Mukherjee
 Krishna Chowdhury
 Amiya Kumar Mukherjee
 Ajit Kumar Mukherjee

(Transferor)

(2) Multicon Builders Limited.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2116/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. P-17A, situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at !AC. Acq.R-III/Calcutta on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transrefor to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the maid Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this mence in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and percial of land situated at premises No. P-17A, CIT Scheme XLVIII-B now known as (Ashutosh Chowdhury Avenue), Calcutta P.S. Karaya, measuring 16K-5 ch. 43 sft regd before IAC. Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/47/85-86. dated 6-5-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

## (1) Sri Hem Chandra Guha

(Transferor) ("Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2117/ $\Lambda$ cg. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

77-A situated at Bade Raipur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.A. Calcutta on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the M of the transferor to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the transfer sad / su
- (b) incriftating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sanathan Bastusilpa Prasisthan Pyt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly land, tank and dwelling out house being portion of premises No. 77-A, Bade Raipur Road, Calcutta Area 15 Ks. Regd before SRA., Calcutta vide 7451 dt. 20-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

Scal:

gradina de la composição de la composição

### FORM I.T.N.S.

# (1) Migma Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Malti Devi Banka

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2118/IAC.Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. 39/1, situated at Lansdown Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. R-III, Cal on 1-5-85

at IAC. Acq. R-{t}, Cal on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any nioncys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
141—446GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A Residential flat measuring 1225 Sft being Flat No. E-7 on the 7th floor at premises No. 39/1, Lansdown Rd., Calcutta registered before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/690 dt. 1-3-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

Scal:

(1) 1. Nosher Bthramji Randelia 2. Darab Behramji Randelia.

3. Sheroo Tehmar Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Asha Sahni.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2119/IAC/Acy.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7 situated at Gurusaday Road Cal o (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 21 1908) in the Office of the registering Officer at SRA Calcutta on 2-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are controlled to the consideration consideration therefor by more than officers are controlled to the consideration consideration therefor by more than officers are controlled to the consideration therefor by more than the consideration consideration and the consideration consideration therefore the consideration consideration and the consideration consideration therefore the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration the consideration that the consideration that the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration the consideration that the consideration the consideration therefore the consideration the consideration that the consideration the than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income whine from the transfer. and/or

Flat No. 2 on areas of 1840 Sft. at 7 Gurusaday Road, Calcutta registered before SRA Calcutta on 2-5-85 vide deed No. I 7735 1-1-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Competent Authority 54. Rafi Ahmed Kidwai Refad Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

(1) Sri Satyendra Chandra Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Sumitra Sharma.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2120/IAC.Acq.R-III/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 23, situated at Shahnagar Road, Calcutta-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C on 2nd floor at 23, Shahnagar Road Calcutta-26, measuring 880 sq. ft. Registered before IAC., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/85-86/97 dated 10-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 10-1-1986

## FORM ITNS

(1) M/s Slab Builders.

(Transferor)

(2) Smt Bani Sengupta,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The transfer of the property of the second o

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2121/1 A.C., Acq.R-III/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

253C/1 situated at Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. R-III, Calculta on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (3) facilitating the reduction of evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor. 253C/1, Netaji Subhas Ch. Bosc Road, Calcutta-47. Registered before I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/751/85-86 dated 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-persons, namely:—

Date: 10-1-1986

(1) M/s. Migma Private Limited.

(Transferor)

(2) Meena Dasgupta & Debabiata Dasgupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Rcf. No. 2122/IAC/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDÍN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

20/1. situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19

situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq R-III, Calcutta on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period o. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A residential flat No. 12 on 4th floor measuring 700 Sq. ft at pietuises No. 2001, Ashittesh Chowdhury Avenue, Calcusta-19, registered before IAC, Acq. R-III, Calcutta Vide 37FE/Acq.R-III/706 dt. 1-5-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-1986

(1) 1. Smt. Bina Das Gupta & Ors. 2. Rathindra Mohan Das Gupta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shyamali Bhattacharjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2123/IAC.Acq.R-III/85-86—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 62/1, Hindusthan Park, Calcutta

situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. R-III, Calcutta on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax At. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Demarcated Nothern portion of the 2nd floor of premises No. 62/1, Hindusthan Park, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/694/85-86 dt. 1-5-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-1986

1

(1) Smt. Pramila Bala Devi.

(Transferor)

(2) Mr. Vinoy Chander Scod.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1986

Ref. No. 2124/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/530, situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 17-5-1985

For an exportant consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided Half share of land measuring 3k—1ch. of 1/530, Gariahat Road, Calcutta Regd. before S. R. A., Calcutta on 17-5-1985 vide deed No. 4023 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 10-1-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Shivabhai Ashabhai Patel,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurunath M. Pathe.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Rof. No. AK-IV/37.G/104|85-86.— Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing All that piece of khoti land with bldg at Jambli Gali, S. No. 22, H No. 1. (pt), Bonivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 flays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 799/1970 dated 9-5-85,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thomas M. Ghousalves & Ors.

(Transferor)

(2) B. V. Sawant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR-IV/37.G/106|85-86.— Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural land bearing S. No. 80 Hissa No. 15, S. No.

411, Village Taluka Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. C13/1984 dated 9-5-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
142—446GI/85

Date: 10-1-1986

Scal:

### (1) I. J. Joshi

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) M/s. Vishal Constructions.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION. RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 10th January 1986

Rcf. No. AR-IV/37.G/108/85-86.—
Whereas I, I.AXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C. T. S. No. 319 (pt) Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1985

Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Piece of land bearing C. T. S. No. 319 (pt) Eksar Village. Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. dated 9-5-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1986

(1) Jagat K. Balani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. S. Pereira.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION. RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Rcf. No. AR-IV/37EE/16789/85-86.—-Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

at Hen. Resalto April ment, Trisar Vil-

Jago Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not which ought to be disclosed by the transferee ist the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation ;--The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-9, second floor Rosario Apartments, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92 The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under No. AR-IV/16789/85-86 on 1-5-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-1-1986

(1) Shri Rajendra B. Mantri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nazir Ahmed Abdul Majid.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.III/37EE/19706/84-85.— Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land at Mantriwaidei bearing Survey No. 143, City Survey

No. 605, Malad (W), Bombay-6+

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followtag persons, namely :- -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 143, City Survey No. 605, at Man-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19706/84-85 dated 1-5-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 2-1-1986

(1) Smt. Asha S. Nandwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M 's. Canara Boring & Engg. Works.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR-III/371 E/19471 84-85.-Ret. No. AR-HII/3/18/194/184-85.— Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Juit No. 2-A, Ghatkopar Iudl. Estate, L. B. S. Marg, Ghat-

Jill No. 2-A, Ghakopar funt. Estate, L. B. S. Marg, Offstepar, Bombay-86 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-iax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at 30mbay on 1-5-1985.

or an apparent consideration which is less than the fair market with of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid the per cent of such apparent consideration and that the oneideration for such transfer as agreed to between the arries has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 2-A, Ghatkopa: Indl. Estate, I. B. S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19471/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said , I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely :--

Date: 2-1-1986

(1) Mrs. Chandra R. Mirpuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ridgid Tools Company.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR-III/37EE/19472/84-85.-

Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00,000 - and bearing No.
Unit No. in A-Block, 1st fl. Ghatkopar Indl. Estate, L.B.S.

Marg, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Indl. Unit in 'A' Block 1st fl. Ghatkopar Indl. Estate,

L. B. S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19472/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR-III/37EE/19047/84-85.— Whereas I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Piece of open land, Village Mahur, S. No. 46 (p), CTS No. 260/1. Mulund, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-air property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Joseph Felix Caonselves & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Arvind Associates.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sains meaning as killed in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece of open land Village Mahur S. No. 46 (p), CTS No. 260/1, Multind, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37FE/19047/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 2-1-1986

(1) Mrs. Laxmi Sheshadri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. V. Mohan.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION KANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-III/37EE/19001/84-85.— Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authoraity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00.000 - and bearing No.
Flat No. 5, Murli Seema Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Ghabla Road, Chembur, Bombay-71
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, ta respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mention of this motion in the Official Gamette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SHEDULE

Flat No. 5. Murli Seema Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Ghabla Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Anthority, Bombay under No. AR-III/37EE/19011/84-85 dated 1 5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1986

### N. C. Karkera.

(Transferor)

(2) M/s. Vined Industries,

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

### ACQUISITION RANGE-IJI BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-JII/37EE/19193/84-85,---

Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 22, 1st floor, I. B. Patel Road, Have Ram Hare Krishna Ind. Estate, Goregaon (E), Bombay-63

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SHEDULE

Gala No. 22, 1st floor, Hare Rama Hare Krishna Indl. Estate, I. B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19193/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

143—446GT/85

Date: 6-1-1986

Scal ;

(1) Mrs. S. S. Tambse.

(Transefror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. H. Babulalfaria,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay the 6th January 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/19396/84-85.--Whereas I, AK-III/3/EE/19396/84-83.—
Whereas I, Ompetent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 14, 4th floor, Padmavaui Society, S. No. 45, village Pahadi, Goregaon (W), Bombay (and more fully described in the Schedule appeared herety).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bontbay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Flat No. 14, S. No. 45, Padmavati Society, village Pahadi, Goregaon (W), Bombay.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19396 84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**AKHILESH** PRASAB Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

New, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 6-1-1986

(1) Mr. J. V. Vazirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. B. Malik.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-III/37EE/19384/84-85,--Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Plot No. 160, Sindhi Society, Chembur, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 160, Sindhi Society, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19384/84-85 dt. 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986

Scol 1

(1) Mr. Lionel D'Souza.

(Transferor)

Mr. Michael D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

No. AR-III/37EE, 21557/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable points, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/2 and bearing Flat No. 29, Rainbow Building, Kole Kalyan, Kalina, Rembers 88

Bombay-98.

transfer with the object of :---

situated at Bombay and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 29, Rainbow Building, Kole Kalyan, Kalina, Bombay-98,

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/21557/84-85 dt. 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-J-1986

(1) Mr. V. N. Shah.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. V. Patki.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th Januaruv 1986

Ref. No. AR.III/37EE/19382/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 55, Hiza Apartment, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 55, Hiza Apartment, S.V. Road, Goregaon (W). Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19382/84-85 dt. 1-5-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 6-1-1986 Seal :

### PORM ITHE

(1) Smt. H. G. Jessani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. H. H. Sachdov.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.III/37EF/19067/84-85.—Whoreas, 1, AKHILESII PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No 14, Marve Road, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

the Competent Authority at Bombay on 1-5-85
to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 14, Marve Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/19067/84-85 dt. 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquattion Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the metire under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:—

Date : 6-1-1986

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Mr. Amar Parsram Gidwani.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmala Singhvi.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASS'TT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the2nd January 1986

Ref. No. AR.III/37EE/19704/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 313, Kalina Vihar, Darshan C.H.S. Ltd., Santacruz (E), Bombay-98.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5.85

the Competent Authority at Bombay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 313, Kalina Vihar Darshan C.S.T. Road, Santacruz (E), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19704 84-85 dt. 1-5-1985.

AKHTLFSH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 2-1-1986

(1) Mr. S. M. Pandey.

(Transferor)

(2) Mrs. S. M. Patil.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.III/37EE/19645/84-85.—Whereas, J. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- asd bearing

Shop No. 10, ground floor, Nutan Shopping Centre, Govandi Street Road, Govandi, Bombay-88.

situated at Bombay

conster with the object of !--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as regreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lix Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 10, ground floor, Nutan Shopping Centre, Govandi Street Road, Govandi, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/19643/84-85 dt, 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 6-1-1986

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shree Sagar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. K. C. Mehta & Mis. M. K. Mehta.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/17065/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- asd bearing

Flat No. 603, Tmrut Sagar, Bdrivli(W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, Amrut Sagar, Borivli (W), Bombay-92.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/17065/84-85 on 1-5-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
144—446G1/85

Date : 6-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.IV, 37EE '16951/84-85.- Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11-A, 3rd floor, A-Building, Tulsibaug Co-operative
Housing Society I (d., Chandavarkar Road, Borivli, (W),
Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment which ought to be disclosed by the transferes for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. C. Rajpal.

(Transferor)

(2) Shri Harshadrai B. Desai & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11-A, 3rd floor, A-Building, Tulsibaug Co-operative Housing Society Ltd., Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. ARJV 16951/84-85 on Authority, 1-5-1985

> LAXMAN DÀS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-1-1995

Scal +

(1) Smt, Kantaben M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Damji Premji Patel,

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.IV/AKHILESH PRASAD, AR.iV/37EE/16872/84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- asd bearing
Shop No. 9, Ground floor B-Wing, Prem Nagai No. 2, S.V.P. Road, Boilvili (W), Bombay-92,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, na nely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor B-Wing, Prem Nagar No. 2, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.IV. 16872/84-85 on Authority, 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 6-1-1986

Scal:

(1) M/s. Sai Drupa Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) M/s. Vishal Builders.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.IV/37F.E/16880/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. land at Village Eksar, bearing Survey No. 63, Hissa No. 3, City Survey No. 1721, Borivli, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tex Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 63, H. No. 3 and C.S. No. 1721, Village Eksar, Borivli (Y), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16880/84-85 on 1-5-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 6-1-1986

### FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Suresh S. Mhadgut.

(Transferor)

(2) Mr. Vidodkumaran Onkam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.IV/37EE: 17093/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

A-38, Flat No. 107, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W).

Bombay-92

situated at Bonibay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the 'ramsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

A-38, Flat No. 107, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/17093/84-85 on 1-5-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986

(1) Shri Paresh G. Shah & Ors.

(Transferor)

NOTYCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sft. A. C. Karia alias Shah & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

AR.IV/37EE/17123/84-85.—Whereas I, Ref. No.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- asd bearing

Shop No. 1, ground floor, Vikram Apartments, L.T. Road, Borivli (W). Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aris'12 from the transferand/of

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submention (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, marnely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Vikram Apartments, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/17123/84-85 on 1-5-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 6-1-1986

Scal:

(1) Rokadia Enterprises.

(Transferor)

(2) Liyagaat Ali Chedi & Chedi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/16813/84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 3, ground floor, Rokadia Apartments, Wing-B,
C. T. S. No. 2459, Village Eksar, Rokadia Lane, Bodivli
(West). Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bomhay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. Tel/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Snop No. 3, ground floor, Rokadia Apartments, Wing-B, bearing C. 1. S. No. 2459, Village Eksar, Rokadia Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.IV/16813/84-85 on Authority, 1-5-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1986

Scal :

THE THE LANGE TO SELECT THE PARTY OF THE PAR

# FORM ITNS

### (1) M/s. Shreyas Constructions.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Mr. M. M. Fduer & Mis. J. M. Mascarenhas.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSINEOR OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR IV/37EE/17172/84-85.---Whereas, I, I AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Shop No. 10, Siddharath, Plot No. 34, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-85

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 10, Sidharath, Plot No. 34, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/17172/84-85 on 1-5-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the navu Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

일 je : 6-1-1986

Scal .

### FORM NO. ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri M. G. Kenia & Ors.

(Transferor)

(2) Shri K. M. Patel.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th Janaruy 1986

Ref. No.AR.IV/37FE/16871-84-85,---Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

1,00,000/- and bearing

Shop No. 6, ground floor Girnar Apartment, Off Mandapeshwar Road, Govind Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192' (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-cas Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

# THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Girnar Apartment, O: Mandaperwar Road, Govind Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR,IV/16871 84-85 on Authority, 1-5-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-145--446GI/85

Date: 6-1-1986

Seal

(1) Mr. A. R. Kher.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Balkrishna Pillai,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20013/84-85---Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, 3rd floor, Bank of Baroda Employee's co-op. Hsg. Scty. Ltd., L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to betwen the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the add Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Bank of Baroda I'mployee's Co-op. Hsg. Sety. 1 td. L.T. Roaf, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authoriv, Bombay under No. ARIV 20013/85-86 on 1-5-1985.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-tV
Bombay

reow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following paragraphs, namely:—

Date: 6/1/1986

Scal:

(1) Smt. S. B. Sanchela & Ors.

(Transferce)

(2) Shri K. S. V. Krishnan Iyer.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

ARIV 37EE/16965/84-85. - Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Shop No. 8, Madhusudan Terrace Plot No. 625, P13 III. Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act. 1961 in he office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consieration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sais-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 8, Madhusudan Terrace, plot No. 625, T.P.R. III, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16965/84-85 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (†) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6/1 1986

Scal ;

(1) Smt. N. N. Mamtora & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harishankar Gupta & Ors.

(Transferec)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37EE/17057/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 24. A-Bldg. 2nd floor, Vasundhara Apartment, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

nas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in he office of the Competent Authority

at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the manafer; AUMI / GE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 24, A-Bldg, 2nd floor, Vasundhara Apartment, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/17057/84-85 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 6/1/1986

(1) Shri V. R. Panchal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Y. L. Shah & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37EE, 16708/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'sakit Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Fla. No. 701, 7th floor, Shree Raghuvanshi Apartments, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

at Bomoay on 1/3/1363 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Shree Raghuvanshi Apartment, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. ARIV/16708 84-85 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 6/1/1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri C. M. Salelkar, Shri S. K. Kharade, Shri R. V. Yerendekar.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Goyal M/s, R. S. Builders.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/17070/84-85.—Whereas O. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece & parcelo f land bearings S. No. 67 T. No. 2, C.T.S. No. 1394 at Village Dahisar Taluka, Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land bearing S. No. 67, H. No. 2, C.T.S. No. 394 at Village Dahisar, Tal. Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 17070/84-85 on 1-5-1985.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6/1/1986

Scal:

(1) Shri Noorali Vali Maredia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TWP INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Upendra Ananth Shanbagh.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-IV/37EE 20041/84-85.—Whereas I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 20, Sunderbaug, 3rd floor, S. V. Road, Dahisar (E),

Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 20, Sunderbaug, 3rd floor, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 20041/84-85 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-[\ Bomb ..

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the followpo persons, namely :--

Date: 6/1/1986

Scal:

### (1) Smt. J. K. Salia

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) 1. Shri K. M. Solanki, 2. Shri A. K. Solanki, 3. Shri H. K. Solanki.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986 Ref. No. ARIV/37EE/12005/84-85.—Whereas, 1. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing Piece of land in Village Kanheri Final plot No. 8, S. No. 82 2, S. No. 55-8, C.T.S. No. 156/K, T.P.S. III. Borivli situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration are such that and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fastroment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whi hever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Const.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land lying in Village Kanheri S. No. 55-8, C.T.S. No. 156-K S. No. 82/2, Final plot No. 18, T.P.S. III, Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/20054/84-85 on 1-5-1985.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dai : 6/1/1986

Scal :

(1) Mys. Sanjanwalal Constructions,

(Transferor)

(2) M/s Agarwal Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV 37EF/16873/84-85.- - Whereas, I. XMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to m the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000 - and bearing No. C.T.S. No. 1366 Village Dabisar (1.), Taluka Borivli, S. No. 335 H. No. 1, C.T.S. No. 1493, Village Dabisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), - book transferred and the agreement is registered und section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than them per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of imEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (1) facilitating the reduction or evarion of the liability . The teansferow to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transferand ar
- th' facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

Piece of land at vilage Dahisar Toluka Borivli, S. No. 335, C.T.S. No. 1493, Village Pahisar, Toluka Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under No. ARIV 16873-84-85 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, the core, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely ---- 146--446G1/85

Dota : 6 /\* /1986

(1) John Pascal Misquita & 4 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandru Tahilram Tolani.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37FE 16734/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000: and bearing No. AP that piece or parcel of land lying at Dahisar, S. No. 255, 256, U. No. IP, 6 C. T. S. No. 925 and 926, at Taluka Borivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority a Bombay on 1-5-1985

a Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land lyong at village Dahisar No. 255, 256, H. No. IP and 6, C.T.S. No. 925, 926 Taluka Borivli, Bombay.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16734/84-85 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

Date: 6/1/1986

- (1) Shri A. D. Patil & Ors.
- (Transferor)
- (2) Shri B. D. Patil & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV, 37EE, 17111/84-85.—Whereas, J,

LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 318, H. No. 7A, C.T.S. No. 1399 (pt.) Village Dahi-

sar (F), Bombbay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority a Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftene per cent of such apparent consideration an that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 318, H. No. 7A C.T.S. No. 1399 (Pt at Village Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/17111/84-85 on 1-5-1985.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 6/1/1986

### FORM 1.T.N.S.

# NC/TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Yogesh, I. Pater.

(Transferor)

(2) M/s. Vimal Builders.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY Bombay, the 6th January 1986

ARIV/37EE 20020/84-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000% and bearing C. T. 5, No. 459(P) plot No. 71 1/2 (Ot) T.P.S. II, at village Kanheri, Taluka Borryli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269A's of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

a Bombay on 1-5-1985

and/or

5942

a Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by many than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said numovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

C.T.S. No 459(P) plot No. 71-10 (pt) T.P.S. II, Village Kanheri, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under No. ARIV/20020/84-85 on 1-5-1985

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6/1/1986

Scal:

or the control of the

(1) Skri Furushottamlal Agarwal.

may be made in writing to the undersigned !-

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ila S. Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37EE/16908/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Es. 4,00,000/- and bearing

Flat No. 54, A-Wing, 5th floor, Vasundara Bldg. S. No. 161/2/3. S. V. Road, Borivii, Bombay (and more fully described in the Schedula annexed heroto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the cance of

the Competent Authority a Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrant of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54, Wing-A 5th floor Vasundhara, Building on S. No. 161 2/5, S. V. Road, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16908/84-85 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date : 6/1/1986

(1) Hector Paul Fonseca & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second of the second s

(2) H. O. M. E. Pvt. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37EE/16953/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing S. No. 22027, 22/21, 22/20, 20/2, 18/2, 18/2, 17/91, 20/1 at Village Poisar Taluka Borivli B.S.D.

Bombay

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority a Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen for cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ; -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 22027, 22/21, 22/20, 20/2, 18/2, 17/91, 20/1 at Village Poisar Taluka Borivii B.S.D. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16953/84-85 on 1-5-

> LAXMANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 6/1/1986

### FORM I.T.N.S.

- (1) Moreshwar S. Mharte.
- (Transferor)
- (2) Vilas Varbhay Co-op. Hsg. Coc. Dtd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-IV/37G/98/85-86.--Whereas I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing S. No. 23, H. No. 2(pt) C.T.S. No. 332-E, I.P.S. III, Village Ekser, Taluka Borivli, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly at the said in the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Ast, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registeri g Officer at Sr. No. S-4069/84 dated 24-5-85.

1.AXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6/1/1986

(1) Mr. K. K. Kathe.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vilas Vaibhay Coop, Hsg. Soc 11d.

may be made in writing to the undersigned '---

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-IV/37C 97:85-86 —Whereas I, 1.AXMANDAS,

being the Compress. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Rs. 1,00,000 and bearing No. Land bearing S. No. 23, H. Mo. 2(pt) C.T.S. No. 3221 (pt), Village fiksor, T.P.S. III, Taluka Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule anneyed her to),

tand more fully described in the Schedule annexed her to), has been transferred and the agreement is registered and resection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that have consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay was under the said Act, in respect of some in the critical three lines in small for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other onsers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 at 1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objetions, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Cificer at St. No. S-4034/84 dated 29-5-85.

LAXMANDAS

Competent Authoritie
Inspecting Assistant Commissioner of Income (ax

Acquisition Range-IV

Bombay

Onte : 6/1/1986

(1) Smt. K. C. Chanrai & Ors.

(Transferor)

(2) Mehul C. Dalal & Ors.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-IV/37FE/96/85-86.—Whereas I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot No. 80A, Kandivli Industrial

Estate, Village Kandivli, Taluka
Borivli Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre udnder the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-147-446GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1318/85 dated 9-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 6-1-1986

### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37EE/16972/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

property situated at Village Poisar between Kandivli and

Borivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) D. K. Irani & 10 ors.

(Transferor)

(2) H. O. M. E. Pvt. Ltd.

(Transferee)

(4) M/s. Deenbandhu Associates.

(Persons whim the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(As per seperate sheet attached). Property situated at Village Poisar between Kandivli and Borivli,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16972/84-85, on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-1-1986

Seal ·

#### Construction (1) Atmaram S. Chogle & M/s. L. T. ('Transferor')

(2) M/s. Agarwal Construction Company.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay ,the 6th January 1986

Ref. No. ARIV/37EE/16745/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Peace of land S. No. 20, H. No. 2, S. No. 20, H. No. 3, T.P.S. 3 Scheme, Village Eksar,

Borivli Taluka, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 20, H. No. 2, S. No. 20, H. No. 3, T.P.S. III Scheme, Village Eksar, Borivli Taluka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16745/85-86 on 1-5-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986

Scal:

(1) Mr. Shanti Swarup Gupta.

(2) Mr. Shankar Presad Bajoria.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6534/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No.

Room No. 110, Surat Sadan situated at Surat Sadan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 13-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid-property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used betom as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Room No. 110, Surat Sadan, First floor, Surat Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/6082/84-85 on 13-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Date: 6-1-1986

### FORM ITNS

(1) Smt. Rehematbai S. Samnani.

(Transferor)

OMP.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shi i Shaukatali K. Matedia.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bomboy, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6601/84-85.—Whereus, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and busing No. Shop No. 4, Cumbinat side,, situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 196J, in the Office of the Competent Authority, at

Bonibay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1:XPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground lloor, Guruhimat, Dr. Mascarenhas Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/6123/84-85 on 16-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

Scal :

(1) Mr. Mofatraj P. Munot, HUF,

(Transferor)

(2) Mrs. Raino Ajabinda Nath Poddar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6918/84-85.-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
No. Flat No. 113, Karma Kshetra situated at Sion East,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notise
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 113 on 11th floor, Wing B1, Karma Kshetra on Comrade Harbanslal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion East, Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6487/84-85 on 13-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

\_\_\_\_\_\_\_\_

### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37FF/6532/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR-1/37FF/6532/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-test Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 12. Punjab Mahal Bldg, situated at Dhaboo St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (runsforzed and the Agreement is registered, under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer and consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any success or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax met. 1957 (27 of 1957):

anow, uncreacere, in pursuance of Section 269C of the said nes. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ateresate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D at the said Act, to the following persony namely :---

- (1) Sultan Kamruddin Jaffer, Rashid Komruddin Jaffer. (Transferor)
  - (2) Smt. Naseembai Abbasbhai Akolawalla, (Transferce)
  - (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 12 on the ground floor of Punjab Mahal Building, 25. Dhaboo Street, Bombay-3, C.S. No. 4279 of Bhuleshwar Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No AR-1/6080/84-85 on 13-5-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

(1) Shri Vanraj II, Jokhakar & Shij Haresh H. Jokhakar.

(Transferor)

(2) Shri Pravin R. Maru and Smt. Halti i'. Macu.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6405/84-85,---Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing
No. Flat No. 511, Veena Vihar CHSL

situated at Hank Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nnd/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-oble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 511, Veena Vihar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 5th floor, Opp. Gandhi Market, 17-A, Flank Road, Near Kings' Circle Station, Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under No. AR-1/5984/84-85 on 1-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authoris Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 6-1-1986

Scal:

(3) Transferor.

CHECK HARRIST - FF APPEARS AND STREET OF ELLIPS - 1

(1) Shri Pramode L. Kapadia.

(Transferor)

5955

(2) Mrs. Shantaben G. Rabadia and Mrs. Savitaben N. Patel.

(Transferee)

NAME OF THE SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-L BOMBAY

Bembay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6604/84-85.--Whereas I. NISAR AHMFD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. 2A, Lentin Chambers,

situated at Dalal Street Fort,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2A, 4th floor, Lentin Chambers. Dalal Street, Fort, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Actionity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6126/84-85 on 16-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I he chy initiate proceedings for the acquisition of the (1) of section 269D of the said Act to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely. 148---446GI/85

Date: 6-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6500/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 606, Poonam Apartments

situated at Worli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily entired in the cold. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Bimla Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Kesharichand B. Shah, Girish Kesharichand Shah, Jatin Kesharichand Shah and Dr. Jayesh Kesharichand Shah.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetle,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 606 on Sixth floor of the building known as 'Poonam Apartments' D Block in the Poonam Property Coop. Hsg. Society Ltd., Shivsagar Fstate. Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Scrial No. AR-I/6049/85-86 on 8-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

Date: 6-1-1986

T. Later and the control of the cont

### FORM ITNS

(1) Smt. Padma Lachmichand Udeshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs Shethia,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6482/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 16, Matru Ashish Bldg. situated at Napean sea Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the rain apparent consideration which is test than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitairs as reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

# THE SCHEDULE

Shop No. 16, Ground Iloor, B Wing, Matru Ashish Premises Co-op. Housing Society Ltd., 39, Napeansea Road, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6115/85-86 on 13-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the end Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-1-1986

### (1) M/s Manish Lubricants.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s General Marketing & Manufacturing Co. Ltd. (Transferce)

### (3) Transferee

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6411/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a tall mance value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 134, Car Parking space at basement in

Mittal Court, A Wing situated at Nariman Point
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3 -5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 134, 13th floor, A Wing, and one car parking space at Basement in 'Mittal Court', Plot No. 224, Block 111, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400 032.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/5988/85-86 on 3-5-1985. "(Strike off where not applicable).

> NISAR AHMUD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-1-1986

(1) Smt. Rukhshana Asuar Arsiwala.

(Transferor)

(2) Earnest John & Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6511/84-85.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 5, Car parking space No. 29, Arcadia Bldg.

situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer: 8**44/9**6

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpeecs of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 5, on 8th floor, Car parking space No. 29. Arcadia Premises Co-operative Society Arcadia, 195, Nariman Point, Bombay-400 021,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6059/85-86 on 9-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986 Seal:

now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Vinod Vrajlal Karia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chhaya Prakash Warekar and Mr. Prakash P. Warekar.

(Transferee)

(Strike off where not applicable).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- ACQUISITION RANGE-I BOMBAY
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

### GOVERNMENT OF INDIA

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6547/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No. Room No. 3, Fort Vijay CS Ltd., situated at Fort,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Room No. 3, Fort Vijay Co-op, Society Ltd., 1/3 Gola Lane, Fort, Bombay-400 001.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6087/85-86 on 13-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-1-1986

(1) Smt. Kalpana V. Tewani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Hirji Shah and Smt. Heena Ramesh Shah.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6573/84-85 - Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovunder Section 269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1009, Bhagnari CHSL situated at Chunibhatti,

Chunabhatti,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1009, 10th floor, Building A, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6104/85-86 on 13-5-1985.

\*(Strike off where not applicable).

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Date: 6-1-1986

### FURM ITNS

Mr. Amirali R Jaffer.

(Transferor)

(2) M/s. Sandeep Garments.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6664/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Indl. Unit No. 6, Amir Ind. Estate situated at Lower Parel Bombay on 20-5-1985

Rombay on 20-5-1985
(and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 6 on 1st floor, Amir Industrial Estate' Sun Mill Compound, Sun Mill Lane, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6173/85-86 on 20-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-1-86

- (1) M.s. Super Engineers.
- (Transferors)
- (2) Shri Shahpur Rustom Irani.

(Transferces)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/6592/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing

Flat No. 302A, Markur Mansion situated at Dadar (and move fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
149—446GT/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 302A, Markar Mansion, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/6116/85-86 on 16-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-1-86

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6582/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11A, Miramar CHSoc. situated at Napeanseahad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Sunderdas V Dayal & Smt. Jayabai S Dayal. (Transferor)
- (2) Shri Bhupendra C Parekh & Smt. Hansa B Parekh. (3) Transferees).

(Person in occupation of the property) (Transferee)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given he that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11A, Miramar Co-op. Society, 3, Napeansea Road, Bombay-36.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6113/85-86 on 13-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-1-86

### FORM I.T.N.S

### (1) Jagjivandas M Jhaveri & Ramagauri J Jhaveri. (Transferor)

(2) Shri Mahendra A Vora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6619/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-4, Matru Ashish Bldg, situated at Napean sea Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at,

Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bombay-36.

Flat No. B-4, Matru Ashish, 8th floor, Napeansea Road,

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6139/85-86 on 17-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 3-1-86

### FORM I.T.N.S.

(1) P S Rajagopalan.

(Transferor)

(2) Suppukini Nadar.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6525/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act. 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 7. Sion Cosmopolitan CHSI situated at Sion

Shop No. 7. Sion Cosmopolitan CHSI situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

or the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay and under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any subsets or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Sion Cosmopolitan Co-op. Housing Society Ltd., Sion, under Dharavi Bridge, Bombay-22.

The Statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I /6073 /85-86 on 10-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Soction 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 3-1-86

(3) Transferor.

### FORM 1TNS-

### (1) Azmatullah ShafitullahK

(Transferor)

(2) Mohomed Hanifkhan M Siddique Khan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6504/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 505, 5th floor' Sanjay Bldg. No. 1 situated at Achieve Donda Mark

Acharya Donde Marg has been transferred and the Agreement is registered under fection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair manket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 505 on 5th floor. Building No. 1. Sanjay, Acharya Donde Marg. Bombay 100 015.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6053/85-86 on 9-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-1-86 Seal:

(1) Mr. Narayan Sadashiy Gunte.

(Transferor)

(2) Smt. Khetbau Jekhubai Vira.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No.  $\Lambda R$ -I/37EE/6652/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Block No. A/8, Samadhan CHSL situated at Dadar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displaced by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of ther said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personic whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. A/8, Samadhan Co-op. Hsg. Soc. 1.id., and floor, Scnapti Bapat Marg, Dadar, Bombay-28.
The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Sorial No. AR-1/6164/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. Bombay

Date: 3-1-86

Scal:

(1) Shri S P Kela (HUF).

(Transferoi)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N R Agarwal & Mrs. Neera Agarwal. (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6621/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
Flat No. 201, Muddy, Plot No. 940 situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 17-5-1985

Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period w 45 days from the date of publication of this notice the Official Gazette or a period of 30 days n the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning re given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wonkin-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, 2nd floor, Muddy, Lower Mahim, Plot No. 940, T.P.S. No. 4, Behind Mamta Bldg., Prabhadevi, 4, Behind Mamta Bldg., Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6141/85-86 on 17-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now therefore a pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following property and act of the following property and the said Act, of the said Act, of the following property and the said Act, of ing persons, namely:—

Date: 3-1-86

(1) Mr. Yusuf Abdullah Patel.

(Transferor)

(2) Therapeutics Chemical Research Corpn.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6417/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 1, Pavel Apts. & Patel Gupta Tower situated at

B G Kher Rend

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the for market value of the aforesaid property and I have haven to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ADC OT

(b) facilitating the concealment of any income or any any action of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the mid Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 5th floor, Building No. 7-B, in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B G Kher Road, Bombay-400 018.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay under Serial No. AR-I/5992/85-86 on 3-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomplete Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Shri Prakash G Hebalkar & Smt. Shailaja P Hebalkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6550/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Hat No. 601. Ulyan Darshan Bldg. situated at Prabhadevi

Flat No. 691. Ulyan Darshan Bldg, situated at Prabhadevi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any locome arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 601 on the 6th floor in the building known as 'UDYAN DARSHAN' Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6089/85-86 on 13-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

150-446 GI/85

Date: 6-1-1986

Seal ·

# FORM ITNS

(1) Smt. Kamlaben Ramanlal Shah.

(Transferor)

(2) Shri K R Rajan; Smt. Savitro Rajan,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE .)F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I,

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6451/84-85.—Whereas, I. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 10, Bhaveshwar Dham situated at Wadala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985

fea an apparent consideration which is less than the fair marker value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or snymoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st floor, Bhaveshwar Dham, 85, R A Kidwai Road, Wadala, Bombay-31.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay under Serial No. AR-I, 6021/85-86 on 6-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-1-86

(1) Mr. Parag M Munot, (Minor) Through his father & Natural Guardian Mofatraj P Munot.

(Transferor)
(2) Mr. Sudhii B Tambe & Mrs. Aruna S Tambe.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1951 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE БОМВАУ

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6476/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 73, Karma Ksbetra Bldg, situated at Sion East has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Aca, 1961, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 6-5-1985 on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execus: the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of quaster with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction  $\omega_i$  evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Hat No. 73, 7th floor, Wing B1, Karma Kshetra Building, Comrade Harbanslal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion East, Bombay-37.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/e032/85-86 on 6-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the seid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 7-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Snehal J. Mehta, Smt, Bina S. Mehta, Shri Snehal J. Mehta (HUF). Shri Chirag J. Mehta. Smt. Mayuri C. Mehta. Shri Chirag J. Mehta (HUF).

(Transferor)

(2) M/s Sarva Mangal Mercantile Co. Ltd.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L **BOMBAY** 

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6668/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 309, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Estate,

situated at Worli,

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have, reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able preserty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given he that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 309 on 3rd floor, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Fstate, Off. Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400.018

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6177/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Babiben Khimraj Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF UNDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6527/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 204 in Vishal Bldg, situated at Byculla, (and more fully described in the Schedule annexed berefo) has been transferred and the Agreement is registered under continuous 2.00 A. B. of the forest transferred and the Agreement is registered under continuous 2.00 A. B. of the forest transferred and the Agreement and 1.00 in the Original Continuous and 1.00 in the Original Cont section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /01
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204 in Vishal Bldg. Junction of Anant Ganpat Pawar Lane, & Chinchpokli Cross Lane, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6069/85/86 on 10-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

(1) John Fleming & Co. Ltd.

gharwala.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6401/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Flat No. 41, bldg. at Dockyard Road,

situated at Mazgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: wad for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(2) Mr. Husaini Shaikh Ramakdawala alias Pratap-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLARATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41 on 4th floor of building ut Dockyard Road, C.S. No. 8/138 Mazgaon Division, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombny, under Serial No. AR-1/5983/85-86 on 1-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following orrisons, namely :---

#### FORM TINS-

(1) M/s Pankaj Bajaj & Co. (Novelties) P. Ltd. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sudhir Electricals.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37FF/6625 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 121, Bharat Indl. Estate situated at Sewri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been from the ed and the Agreement is registered under

No. Unit No. 121, Bharat Indl. Estate situated at Sewn, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

section 259 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Hombay on 17-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and|or
- (b) facilitating the dendealment of any moome of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 121 on the 1st floor, Bharut Industrial Fstate, Tokersi Jiyraj Road, Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bômbay, under Serial No. AR-I/6145/85-86 on 17-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range-I, Bombey

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 6-1-1986.

(1) Tarachand Omprakash and Company.

(Transferor)

(2) Shri Sai Corporation.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMPAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EF/6749/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

NISAR AHMED.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Unit No. 306, Creative Ind. Centre
situated at N. M. Joshi Marg,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at
Bombay on 27-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 306 on the 3rd floor, Creative Industrial Centre. Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off. Lower Parel Division, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6211/85-86 on 27-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 6-1-1986, Seal ;

(1) M/s Yasmin Corporation.

(2) Smt. Anita Amir Laljee and

Mr. Amirali M. Laljee.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR-I, 37EE/6438/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 16, Creative Indl. Centre, situated at N. M. Joshi Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922:11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 16 in the basement, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off. Lower Parel Division, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/6011/85-86 on 3-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

151---446 G1/85

(1) M/s. Ferani Developers

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Rochlani & Mr. Umesh Rochlani (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6429/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 401, Udyan Darshan situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

may be made in writing to the undersigned:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons wasin a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inter\_acd in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 401 in the building 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6002/85-86 on 3-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Date : 6-1-86 Seal ;

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6608/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Gala No. 115, Bussa Udyog Bhavan situated at Tokersi Jivraj Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferror to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Shantaram R. Chaskar, Vasant S. Ajgaonkar Prakash V. Ajgaonkar (Transferor)
- (2) Shri Sharad N. Palande

(Transferce)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 115 on 1st floor, Busa Udyog Bhavan Indl. Premises Co-op. Society Ltd., 684, Tokershi Jivrai Road, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6130/84-85 on 16-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-86

Scal:

(1) Shri Premji Poonja Maru

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ahmed Hasan Dingankar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6502/84-85.--Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Vcena Beena Apts. situated at Sewree (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Building A, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Near P. Thackersy Udyan, Sewree West, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6051/84-85 on 9-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 6-1-86 Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6575/84-85.-Whereas, 1 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 35, Todi Indl. Estate situated at N. M. Joshi Marg

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bhagvati Steel Works

(Transferor)

(2) M/s. TCR Engineering Services Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) M/s. Bhagawati Steel Works

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 35 on ground floor, Todi Industrial Estate, N. M. Joshi Marg, Bombay-400 011.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6106/84-85 on 13-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-86

Seal •

Authority at

transfer with the object of :-

#### FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. Therapeutics Chemical Research Corpo (Trans

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ΛR-I/37EE/6416/84-85.—Whereas, I

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Flat No. 2, Bldg. No. 7B, Patel Apartments & Patel & Gupta Tower situated at B. G. Khor Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Bombay on 3-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income seleing from the transfer; ₩ KAT

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Building No. 7-B on 5th floor in Patel Apartments & Patel & Gupta Tower, B. G. Kher Road, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5991/84-85 on 3-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-1-86 Scal:

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Santosh Warehousing Agency. M/s. Shah Enterprises (Confirming Party) (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Global Traders

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Shah Enterprises (Person in occupation of the property)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;

Bombay, the 6th January 1986

(b) by any other person interested in the said immov-

Ref. No. AR-I/37EE/6507/84-85.--Whereas, I NISAR AHMFD,

able property, within 45 days from the date of the patielleration of this notice in the Official Gazette.

NISAR AHMFD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herehasiter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Gala No. 228, Bussa Udyog Bhavan situated at Sewri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the property and the Coffice of the Competent Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chemier.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

#### THE SCHEDULE

Gala No. 228, 2nd floor, Bussa Udyog Bhavan Indl. Premises Society, T. J. Road, Sewri, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6055/84-85 on 9-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-86

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Gandhi Family Trust,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhupendra J. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6666/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 123, Karma Kshetra situated at Sion East, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferentid parsons within a period by 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 123 on 12th floor, Wing B-1 at Karma Kshetra, Comrade Harbanslal Marg, near Shanmukhananda Hall, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6175/85-86 on 20-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986

(1) Mr. Balchand Sareogi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dinkar R. Vakil & Mis Ramaben D. Vakil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37HF/6646/84-85.--Whereas I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26, Venus Building situated at Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 20.5-1985. Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waalth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 26 on 7th floor in Venus Co-operative Housing Society Ltd., 45-D, R, Thadani Marg, Worli, Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bambay under Serial No. AR-1 6158/85-86 on 20-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 6-1-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регзопа, пате) у :---

152-446 GI/85

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Krishnalal B. Thanawala, Mrs. Kusumben K. Thanawala, Mr. Dilip J. Thanawala, Mrs. Bhavna D. Thanawala,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-I, BOMBΛΥ

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37FE/6491/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevible property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 505, Udyan Darshan situated at Prabhadevi, Bombay

Flat No. 505, Udyan Darshan situated at Prabhadevi, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I pereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 505 on the 5th floor and Garage No. 7 in the Building, 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6042/85-86 on 8-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 6-1-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Umesh Rochlani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6430/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 303, Udyan Darshan situated at Prabhadevi, Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair number value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 303 in the building known as 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I '6003'85-86 on 3-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1986

#### FORM IINS

#### (1) M/s. Bonny Enterprises.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later; .

(Transferor)

(2) Mr. Mohmed Hanif Ismail Kazi, Mr. Haroon I. Kazi, Mıs. Khatijabhai I. Kazi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6624-84-85.--Whereas, 1, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, Pearl Harbour Bldg, situated at Mazgaon

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed here'o). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-5-1985

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than htteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Pearl Harbour Building, Tulsiwadi, Mazgaon, Bombay-400010.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-J/6144/85-85 on 17-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

FORM I.T.N.S. 187-

(1) M 3, Bonny Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Deepak I. Mehta, Mr. Nilesh I. Mehta, Mr. Ketan I. Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6635/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 403, Shanti Kunj Building situated at Dadar, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 17-5-1985

for an apparent comideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days freez the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by say other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Shanti Kunj, 87, Naigaum X Road, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I/6149/85-86 on 17-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, Instactor, in persuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid projectly by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-1-1986

(1) M/s. Poonam Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mrs. Ila B. Shah & B. P. Shah. (Transferee) (3) M/s. Poonam Builders P. Ltd.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6746/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. 25, Poonam Pak No. B-3 situated at Lalbaug,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 25 on Second floor, Building No. B-5, Poonam Park, Plot No. 6, C.S. No. 7/50, Lalbaug Industrial Estate, Lalbaug, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I/6212/85-86 on 27-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
> Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accression property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986

#### FORM I.T.N.S

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ROMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6549/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 92, Karma Kshetra Bldg., situated at Sion East,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at
Bombay on 13-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Parag Mofatraj Munot, Minor, Through his Father & Guardian, Mofatrai P. Munot,

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra P. Joballa & Mrs. Mayuri M. Joballa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 92, 9th floor, Wing B-1, Karma Kshetra Building, Comrade Harbanslal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion Flust, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial INO. AR-I/6088 85-86 on 13-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/3/7EE/6497/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 43, Venus CHS situated at Worli Scaface

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other in 1980 of the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :~~

(1) Mr. G. T. Hemmani.

(Transfero )

(2) Dr. Shashi A. Kapoor & Mrs. P. Kapoor

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 43 11th floor, Venus Co-operative Housing Society, Building No. 45-D, Worli Serface, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/6046/85-86 on 8-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

### (1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Jethalal Tribhovandas Thakkar, Shri Narandas Jethalal Thakkar.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No.  $\Lambda R$ -I/37EE/3235/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1203, Shirin Apartments situated at Tardeo
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice is the Official Capatio.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1203, Shirin Apartments, C.S. No. 1/315 of Tardeo Division, Opp. Ganga Jamnua Cinema, Tardeo, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6431/85-85 on 18-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name(v:—

153-446 GI/85

Date: 6-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6390/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 421, Sussex and, Estate situated at Byculla Bombay

Gala No. 421, Sussex and Estate situated at Byculla Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922.) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Commerant Centre

(Transferor)

(2) M/s. Harvan Leather Machine

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 421, Sussex Industrial Estate Premises Co-op. Society I td. 'A' Dadoji K. Cross Marg, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5976/85-86 on 1-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-1-86

Scal:

er office of the programmer of the commence of the commence of the company of the commence of (1) Shri Panachand M. Shah

(Transferor)

(2) Shri Dilipkumar Bamji Thakkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6641/84-85.--Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 14, Forward House situated at Wadala, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (a) facilitating the concealment of any income or any museys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14 on 3rd floor, Plot No. 326, Forward House, Opp. Kasturba Jopadpatti Nagar, near Wadala Fish Market, Wadala, Bombay-31.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6155/85-86 on 20-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 6-1-86

---

FORM MINS-

(1) M/s. Garuda Offset

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nandkishore G. Saraf & Shri Naval G. Saraf

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6579/84-85.--Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shed No. 240 2nd floor of A to Z Indl. Estate situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transier as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shed No. 240, 2nd floor, A to Z Industrial Estate, Ferguson Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6110/85-86 on 13-5-85,

> NISAR AHMFD Competent Authority
> Inspectini Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-86

Scal:

### PORM ITNS

(1) Mrs. Alka J. Brahhandkar

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Jugalkishore G. Saraf & Smt. Shakuntaladevi Saraf

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6527/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 346 A to Z (Indl.) Premises Co-op. Soc. Ltd. situat-

ed at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority, at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein are EXPLANATION :as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 346 on 3rd floor, A-Z (Industrial) Premises Co-op. Society Ltd., Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6076/85-86 on 13-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 6-1-86

(1) Mr. Ghalib G. Bachoo Ali

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/6651/84-85,---Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 31, Casablanca Bldg, situated at Cuffe Parade, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. CIPLA Ltd.

(Transferee)

(3) Nil

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee
(Person whom the undersigned knows to be incrested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Casablanca, Plot No. 39, Cuffe Parade, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6163/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-86

Scal:

#### (1) Mr. Bharat K. Bussa

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hamida Ishak Shakir & Others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/6557/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
Office No. 216, Commerce House situated at Nagindas Master

Read, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 216, 2nd floor, Commerce House, 140 N. M. Road, Bombay-23.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6080/85-86 on 13-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: persons namely :-

Date: 6-1-86

Scal:

(1) M/s. Fernni Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shyamsunder Makharia & Mrs. Rajrani Makharia

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6965/84-85.-Whereas, 1 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, Udyan Darshan situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule appared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 701 in the building 'Udyan Darshau', Sub-divided Plot B of F.P. No. 911 of T.P.S. IV, Mahim, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6532/85-86 on 17-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 6-1-86

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Ferani Declopers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX 50%, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. R. Sudaakar Shenol & Mrs. Vinaya S. Shenoi

(Transferee)

COVARNAMINT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bomb, y, the 6th fanuary 1986

Ref. No. AR-1/370%/6405/84-85.—Whereas I, NISAR AHMLD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00,000/- and beating No. Flat No. 702, Udy - Oershop Bldg, situated at Dadar,

Bombay

(and more fully devoit 1 in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is engistered under section 269 AB of the Income-tux Act, 1966 in the Office of the Competent

Authority, at Bombay on 12-6-1985

for an apparent model that which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the pair estated value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not cen truly stated to the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitation the emportment of any moveme or any moneys or other assets which have not been or which ought in he disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the ward Act, or the Woolth-haz Scr. 1957 (27 of 19**57**):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702 in the building 'Udyan Darshan', Sayani Road, Dadar, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6474/85-86 on 12-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 to the said Act, to the following persons name1.

154--446 GI/85

Date: 6-1-86

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6993/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269% of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 606 Sharda Chambers situated at New Marine Lines, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 11-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Rameshchandra N. Pardiwalla

(Transferor)

(2) Smt. Ranjan Bharat Gandhi

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be

incrested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other parson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Converse

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 606, 6th floor, Sharda Chambers Premises Co-op. Soc. Ltd., New Marine Lines, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6559/85-86 on 19-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

row, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-86

# FORM I.T.N.S .-

(1) Mrs. Hiroo Johat

(Transferor)

() Mr. Sanat R. Jariwala, Mrs. Usha S. Jariwala

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6610/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

R\*. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 63, Shyam Niwas situated at Bhulabhai Desai Road, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Authority, at Bombay on 16-5-1985

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 63, 6th floor, Block No. 8, Shyam Niwas, 51, Bhulabhai Desai Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6132/85-86 on 16-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or asy moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-1-1986

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. Anjana S. Gandai.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kailas Singhi and Mrs. Necna Singhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6766/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Fiat No. 103, Karma Kshetra Bldg, situa'ed at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Incomestax Act, 1961, in the Office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapte. XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SELECTORE !

Flat No. 103, 10th floor, Kanton Ashetia, Combrade Harbanslal Marg, Near Shanmukha anda Hall, Sion East, ვიmbay-37.

The statement has been tegraced by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Dombay, under Serial No. AR-1/6232/85-86 on 1-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986

Scal:

(1) Messrs Ambit Corporation.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs Daryanani (Indo-Saigon) Constructions P. (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Ref. No. AR-1/37EE/6408/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat Nos. 1 & 2, 5th floor two terraces in Lotus Court situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Incomt-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any become arising from the transfers and for

Flat Nos. 1 & 2, 5th floor together with two terraces on 5th floor, Lotus Court, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5986/85-86 on 3-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986

(1) A. Banerjee.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Haridas Ranchoddas.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37EE/6661/84-85.--Whereas I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Happy Home CHSL situated at Prabhadevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Incomt-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# andlor

# (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other agests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Happy House CHSL, Eknath Bua hatiskar Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6452/85-86 on 7-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-1-1986

Scal:

(1) M/s. Lacknowi Arts Private Ltd.

(Tansferor)

(2) Chandrakant Kalyanji, Lalit J. Shah, Atul J. Shah, Partners of M/s Walfrin International.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR NISAR AHMED, AR-I/37EE/7028/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 6, Bussa Indl. Estate situated at Prabhadevi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

at Bombay on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 6, Ground Floor, Bussa Industrial Estate, Prabhadevi, Bombya-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Renge-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6594/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986

(1) M/s Poonam Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Tansferor)

(2) Deepak P. Vora & Shantaben P. Vora.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6747/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 605, Poonam Park situated at Lalbaug (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-5-1985

apparent consideration which is less than for an the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the aquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 605 on 6th floor, Building No. A-2, Poonam Park, Plot No. 6, C.S. No. 7/50 Lalbaug Industrial Estate, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6213/85-86 on 27-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .-

Date: 6-1-1986

(1) Smt. L. K. Thangammal.

(Tansferor)

(2) Sri N. Desikachar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Persos in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6620/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5, Paradise CHSL situated at Sion
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-us Act, 1961, in the Office

of the competent authority at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor;

Flat No. 5, Paradise Co-op, Housing Society Ltd., Plot No. 159, Sion West, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-1/6140/85-86 on 17-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
155—446 GI/85

Date: 6-1-1986

50E

(1) Shri Mavji Tokershi Gala.

(Tansferor)

(2) Shri Shriniwas Hari Joshi.

(Transferee )

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor,

(Persons in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6618/84-85.--Whereas, J, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

and/or

Flat No. 17, Rukmani Niwas situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the competent authority at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the axid Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17 in the building known as Rukmani Niwas', Durgesh Dadar Co-op. Hsg. Society Ltd., 135, Senapati Papat Marg, Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6138/85-86 on 17-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 202D of the said Act to the following persons tamely :-

Date: 3-1-1986

(1) Shri Mathuradas Narandas Majithia.

(Tansferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoj Nanalal Kothari,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6426/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. Flat No. 13. Gangotri Bldg. situated at Walkeshwar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

# THE SCHEDULE

Flat No. 13, Wing A, 7th floor, Gangotri, 87-89-A, Banganga Road, Walkeshwar, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5999/85-86 on 3-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-1-1986

(1) Anthony D'Souza.

(Tansferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1%1)

(2) B. C. Prabhakar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6447/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Auhtority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 32, Shalimar Shopping Centre situated at Colaba (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office at Bombay on 29-5-1985

at nombay on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 32, Ground floor, Shalimar Shopping Centre,

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition, Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6335/85-86 on 29-5-1985.

Lala Nigam Road, Coluba. Bombay-5.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-1-1986

(1) Mrs. Rajni G. Lakhani and Mr. Ghansham N. Lakhani.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Rasila S. Zaveri and Smt. Alka Kamlesh Parikh.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6464/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat. No. 7A/1, Giriraj CHS situated at Altamount Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the competent authority

at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

# and/or

# )) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Flat No. 7A/1, Giriraj Co-op. Hsg. Society, 11, Altamount Road, Cumballa Hill, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Scrial No. AR-I/6024/85-86 on 6-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 6-1-1986

FORM ITNS----

(1) Smt. Kusum C. Ruparel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajabai Ramanlal Bakliwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said supporty may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 3rd January 1986

No. AR-I/37EE/7442/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 13-A, Deepak Bldg. situated at Off Pedder Road (and more fully described in the scheduled annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extends the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability Of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, 2nd flor, Deepak Building, Off Pedder Rd., Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6015/85-86 on 3-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any attended in the content of any into the or any

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely :-

Date: 3-1-1986

(1) Nikunj R. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amul S. Kapadia, Pushpaben G. Kapadia.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6553/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 106-B, Indira Apts, situated at Carmichael Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever veriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 106-B on the First floor, Indira Apartments, Carmichael Road (M. L. Dahanukar Marg), Bombay, C. S. No. 1/736 of Malabar/Cumballa Hill Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6092/85-86 on 13-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 3-1-1986

(1) Pratiksha Sales & Services Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1º61 (43 OF 1961)

(2) Shri Jitendra B. Mehta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RAINGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6643/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, ~

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 23, Bhaveshwar Darshan situated at Pedder Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

rb) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 23, Bhaveshwar Darshan, 31-D, Pedder Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6156/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 3-1-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6598/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being he Competent authority unider Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

roperty, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Rs. 1.00,000/- and bearing
Shop No. F-1/15, Bharat Nagat CHSL
situated at Grant Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, cr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the true of this notice under subsection (1) of Section 26 AD ( whe said Act. to the following persons, namely .-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Ganpat Sakaram Shinde.

(Transferor)

(2) Vecraram K. Prajapati.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the poperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Sop No. E-1/15, Ground floor, E-1 Building, Barat Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bharat Nagar, 342, Grant Road, Bomoay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/6121/85-86 on 16-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 3-1-1986

Seal:

156-446 GI/85

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6727/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000's and bearing No. Office No. 402. Khajurwala Chamber situated at Narsi Natha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Smt. Damyauti Luxmichand Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Pratima Mukesh Upadhyaya.

(Transferee)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 402, 4th floor, Khajurwala Chambers Premises Co-op, Society 1td., 313/315, Narshi Natha Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/2196-85-86 on 21-5-85.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 3-1-1986

#### FORM ITNO-

(1) Virsen Ramdas Thakker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Messes K. C. Chem.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6603/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 502, J. M. Chambers Commercial Premises Co-op. Soc. Ltd. situated at Narsi Natha Street (and more fully described in the Schedule anuexed hereto), have been strengarded and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; nad/et

THE SCHEDULE

Office No. 502, 5th floor, J. M. Chambers Commercial premises Co-op. Society Ltd., 316, Narsinatha Street, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acuisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/6125/85-86 on 16-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-1-1986

(1) Mr. Yusuf M. Ghandiali

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs. Zohra M. Tapia,2. Mrs. Tasneem Hamza Tapie

(Transferee)

GOVERMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6655/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 7, Punjab Market situated at Dhaboo Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or emotion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

(4) Heirs of late Amtullabai M. Ghadiali. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be named in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor of Punjab Mahal, 27, Dhaboo Street, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6166/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 3-1-1986

C-al

(1) Shri Kiran Vallabhdas Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s C. K. Enterprise,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6479/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 100 0000/- and bearing No.

as the said Act.), have reason to believe that inhovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. M1B, Suja'a Chamber, situated at Mirch Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# Ψ1,

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No M1B, Mezzanine floor, Sujata Chambers Co-op. Housing Soc. 1.td., 1/3. Sujata Chambers, Mirchi Street, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6034/85-86 on 6-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1986

(1) Shi i Lilaram Harkishandas Nathani, Smt. Monica Ishwar Bhavnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Vasudhara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

AR-1, 37E1 /653y/84-85,---Whereas, NISAR AHEMD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing Room No. 207. R J Market, situated at Kalbad vi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 259 AR of the Income tax Act 1961, in the Office section 269 Ail of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 - 5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Room No. 207, 2nd floor, R J Market, 347, Kalbadevi

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6085/85-86 on 13-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-I, Bombay

Date: 3-1-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sh'i K. J. Mukhiri, Sh'i J. P. Agarwal, Shri O. P. Mukhija,

(2) M 5 Dellai Garmanis.

(Transferer)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37FE/6597/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

Indl. Unit No. 116, 1st floor Shah & Nahar Industrial Estate A-2, situated at Lower Patel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is (egistered under section 269 AB of the income-tax Act, 196), in the Office of the Competent Authority

Bombay on 16-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 116 on First floor, of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I '6120, 85-86 on 16-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Borobay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date - 3-1-1986

(1) Mr. Hariram R Kaprani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sanjiv N Tejwani 'Mrs. Rena N Tejwani. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37FF/6498/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Bhagnari CHSI, situated at Chunabhatti (and marefully legatibed in the scheduled account hearts)

Flat No. 301, Bhagnari CHSI, situated at Chunabhatti (and morefully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 8-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Flat No. 301, Duncan Causeway Road, Bhagnari Coop. Hsg. Soc. Ltd., Chunabhatti, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6047/85-86 on 8-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date 1-1-1986

#### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mr. Pradeen Vishnu Sawant.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Nathwani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6576, 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Room No. 9, Sindhi Retrench Colony

situated at Worli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tree and and the Agreement is registered under section 250 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

------

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 9 in the Shed situated at G/3-118(II) Sch. 52 at Sindhi Retrench Colony, Worli. Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquistion Range-E. Bombay, under Authority, Acquisition Range-li, B Script No. AR-1/6/07/85/86 on 13-5-1985. Bombay, undea

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 157—446 GI|85

Date : 3-1-1986

S aI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6432/84-85.--Whereas, J, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2. Brindavan Bldg. situated at P A Lane (Dadiscth), (and more fully described in the Schedule approach beats)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Jayantlal Mojilal Shah.

(Transferor)

(2) Shakir Mukhtar Mirza.

(Transferec)

(3) M/s Gold Print M/s New Taj Textiles & Estate (P) Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Modern Brindavan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 62/ 24, Dadi Sheth Agiari I ane. Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6005/85-86 on 3-5-1985,

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1.Bombay

Date: 3-1-1986

<del>and a the first of the property of the first of the firs</del>

# PART [II-SEC 1]

#### PORM ITNE-

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

6029

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M, s Texport Garment Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6427/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 436 on 4th floor Shah & Nahar Indl.
Fstate A-1 situated at Lower Parel,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein na are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 436 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate  $\Lambda$ -1, S J Mare, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Compount Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-1/6000/85-86 on 3-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-1-1986

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6671/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 17, Everard CHSL.

situated at Sion

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bembay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transferor. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Dr. Rajcev N. Soman & Smt. Suniti N. Soman. (Transferor)
- (2) Mr. Byron Diogo Lobo.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17, Evereard Co-op, Housing Society 1td., Fourth floor, Bldg. No. B. Eastern Express Highway, Sion. Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent uthority, Acquisition Range-I, Bombay, under Authority, Acquisition Range-I, Berial No. AR-1/6180/85-86 on 20-5-1985. Authority,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-1, 37EE/4821/84-85.-Whereas, I, NISAK AHMED

penag the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the same steed, have reason to believe that the a movable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Crf. No. 9 R, Navjivan CHSL, smarted a. Lamington Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been a asserted and the Agreement is registered under section 2004 Mb or the Income-tax Act, 1961, to the Office of the Computent Authority, at homo f on 27-5-1985. To an apparent constant which is less than the an market value of the aforested property, and I have reason to be reve that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by an aforested exceeds the apparent consideration therefor and more than lifteen jet cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manster with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby minute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Darish Manshi Visharia.

(Transferor)

(2) Nathmat Dalichand Bhandari.

(Transferee)

(3) mansierce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 9-R, in Building No. 3, 14h floor of Mayavan Co-oo. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-8,

Ch. (tatement has been registered by the Competent Authority, Acquestion Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6329/85-86 on 20-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-LBombay

Date 1-1-1986 Scal:

(1) Mr. Muzaffar Zaman Jamlaney. Mi. Manazii Zaman Jamlancy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Printmann.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombuy, the 1st January 1986

Ref. No. AR-1/37EE, 6450/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 3 Adhyaru Ind. Estate

situated at Lower Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter

# THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 8 on Ground floor, Adhyaru Industrial Estate, (Sun Mill Compound) Sun Mill Lane, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent athority, Acquisition Range-I, Bombay, under Authority, Acquisition Range-I, Serial No. AR-I/6020/85-86 on 6-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 1-1-1986

#### FORM ITNS-----

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Ramdas Datatraya Rao.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37FE/6453/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 453, 4th floor of Shah & Nahar Indl.

Estate A-1 situated at Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisision of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 453 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Secial No. AR-1/6022 /85-86 on 6-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, gamely :--

Date 1-1-1985 Seal ·

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombuy, the 6.5 January 1986

Ref. No. AR-1/37t/E 6508/84-85.~-Whereas, I. NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 402, Vicky Apartments situated at Old Prabhadevi Road, Bombay-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is regracted under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any momeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the immsferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(T) M / Mothaia Tollaram,

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Nebhnaul & M.S. Ithwari G. Nebhnani,

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a critid of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Vicky Agaraments, Old Prabhadevi Road, Bombay-28,

The statement has been registered by the Competent As, hority. According Range-I, Bombay, under Scrial No. 74R-1 6056, 84-85 on 9-5-1985

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inc. m. 15 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2640 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the connection of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

: : 1-1-1986 Seal:

- (1) M/s Todi Industries Pvt. Ltd.
- (2) M/s Rider Industries.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, he 6h January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6481/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 /- and bearing

No. Office No. 206, Vyapar Bhavan situated at P. D'Mello Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 260 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Office No. 206, 2nd floor, Vyapar Bhavan, 49, P. De'Mello Road, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6334, 84-85 on 8-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 158-446 GI/85

Date: 6-1-1986

(1) Shri Ebrahim Gaffoor Sarang.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bandarkar Saleha Suleman.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37FE/6738/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2, A Gaffoor Shopping Centre, situated at Mazgaon

Bombay-10

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 22-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, A, Gaffoor Shopping Centre, Dockyard, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6207/84-85 on 22-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986.

Scal:

#### FORM ITNS ...

(1) Dilipkumar Chimanlal Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nagindas V Kantawala, Pravin N Shah, Smt. Kalpana P Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/6736/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, Samrat Ashok CHS situated at Off Ridge Road

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or

Flat No. 6, 2nd floor, Bldg. No. 1, Samrat Ashok Co-op. Hsg. Society, 7, R R Thakkar Marg, Off Ridge Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6205/84-85 on 21-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-1-1986.

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Madhavprasad Taparia

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ushadevi Taparia & Omprakash Taparia, as Karta of Omprakash Taparia, HUF.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, BOMBÁY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. Al  $\Lambda R-1/37EE/6740/84-85.$ —Whereas, f,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Half interest in flat No. 9A and open parking space in Sudhakar bldg.

situated at Narayan Dabholkar Rd.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

nt Bombay on 22-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perkins, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 1-1 that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half interest in flat No. 9A, Sudhagar Co-op, Hsg. Society Ltd., 26, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006 and half interest in Open Parking space in the bldg.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6209/84-85 on 22-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6391/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 309, Standard House situated at Marine Lines (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fine market value of the aforesaid property and I have reason to be leve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kanaiyalal Ramlal Bagadia. Mrs. Pavankumari V. Punmiya, Prop. of Punmiya Sales Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Padamchand Lalwani, HUF & Smt. Manju Lalwani

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Charater.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 309, 3rd floor. Standard House, 83, Maharshi Karve Road, Marine Lines, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5977/84-85 on 1-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986.

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) Mrs. Mary Selby.

(Transferor)

(2) Mr. Tansukh U. Merchant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (3) Transferor.

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6471/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 15, New Sea Glimpse Bldg. situated at Worli Hill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-5-1985

at bombay on 6-3-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aberessau property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 15, 5th floor, New Sea Glimpse Bldg., Worli Hill Estate. Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6029/85-86 on 6-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-1-1986.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6484/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 4 & 5, Elar Bldg situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Mechaids Corporation.

(Transferor)

(2) M/s Siddarth Enterprises...

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 4 & 5, Elar Building, Senapnti Bapat Marg, Dadar, Bombay-28, C.S. No. 1329 (pt) of Lower Parel Division, Survey No. 1912.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6036/85-86 on 8-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-1-1986,

#### FORM ITNS ---

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Soonu Feroze Engineer & Master Ronnie F Engineer.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6495/84-85.-Whereas. I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 437, Shah & Nabar situated at Lower Parel (und. proper fully described in the Schedule expected barato)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and reconsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 437 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S J Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6037/85-86 on 6-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-1-1986.

FORM ITNS ----

(1) Shri Satvacharan Purnachandra Chatteriee.

(Transferor)

(2) Shri Dipankar Madan Mohan Das & Shri Madan Mohan Lalit Mohandas.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/6486/84-85,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Block 11, Ranakpur CHSL situated Mirza St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of prenafer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 11, 4th floor, Ranakpur Co-op. Housing Society Limited, 44, Mirza Street, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6321/85-86 on 7-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-159-446 GI/85

Date: 1-1-1986.

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2)' Hindustan Impex Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 26th December 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6584/84-85,---Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 432, Shah & Nahar Industrial Estate situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 432, 4th floor. A-1. Shah & Nahar Idnl. Estate, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6114/85-86 on 13-5-85.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-1-1986.

FORM ITNS-

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. J. D. Graphics,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6540/84-85.--Whereas, 1,

NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing No. Unit No. 420B.
Unit No. 432, 4th floor, A-1, Shah & Nahar Indl. Estate,

4th floor situated at lower Parel

Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay in 13-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 420B on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013, The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6087/85-86 on 13-5-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Detc: 1-1-1986

#### FORM ITNS----

#### (1) M. Noormohamed.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ums ye ya samuetiyana

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. R. P. Thakar, Omprakash P. Thakkar, Subhash P. Thakkar, Rajesh P. Thakkar & N. P. Thakkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6607/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED

NISAR AIIMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 36, Shivajinagar CHSL situated at N. M. Joshi Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andfor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Shop No. 36, Gr. floor, Shivajinagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., N. M. Joshi Marg, Bombay-11.

The statement has been registered by the Countetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6129/85-86 on 16-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax. Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-1-1986

#### FORM I.T.N.S.--

(1) M/s Giriraj Steel Syndicate.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

AR-I/37EE/6622/84-85.--Whereas, I, Ref. No. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. GM-1, Gokul Bldg. situated at Baroda St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M/s Steel Chem Corporation, (Transferce)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability oef the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any acome arising from the transfer; mad /or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Premises No. GM-1 on Mazanine floor, Gokul Bldg., 80-A, Baroda Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/6142/85-86 on 17-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-1-1986

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. Inter Trim Linings & Fabrics Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-1/37FF, 6629 84-85.— Whereas I, NISAR AHMED.

whereas 1, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. 386 on 3rd floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2 S. J. Marg, lower Parel Bombay-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agerement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 17-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which exight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rubli-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 386 on 3rd floor of Shah & Nahar Indl, Estate A-2. S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/6148, 85-86 on 17-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6637/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000% and bearing No. Flat No. 21 & 23 Gokul Bldg. situated at Bhuleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under clim 1692 AB of the Incomestax Act. 1961, in the office

s cition 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

five an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the mas not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shir Rameshchandra Chhaganlal Ambani,

Smt Hansa Mukundrai Ambani &
 Mukundrai C Ambani.

(Transferor)

(2) I. Sh.: Bipinchandra C Ambani,

Smt. Hemlata R Ambani,

3. Smt. Kusum Bipinchandra Ambani,

(Transferee)

(3) Transferor & Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21 & 23, Gokul Bldg., 66A, Dr. Merchant Road, Bhuleshwar, Bombay-400 002. The statement has been registered by the Atmaram Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6151/85-86 on 20-5-85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-1-1986

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) M/s. Hiralal Gulabchand & Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6678/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00.000 - and bearing No.
Indl. Unit No. 123, 1st floor Shah & Nahar Indl. Estate A-1
Lower Parel situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 123, 1st floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sun Mill Lane, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6156/85-86 on 21-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-

Date: 1-1-1986

#### FORM ITNS

- (1) M/s. Shah & Nahar Associates.
- (2) M/s. Ana Export.

(Transferor)

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second of the second o

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6729|84-85.--

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000 /- and bearing No. Unit No. 449 on 4th floor Shah & Nahar Indl. Estate A-1 Lower Parcl situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 149 on 4th floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, S. J. Marg. Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/6198 85-86 on 21-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—
160—446GI/85

Date: 1-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-L/37FF/6735!84-85 --- Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

ret in Salar Ret y, have the salar before that the inimovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00,000 - and bearing No.

Shop No. 1, Bharat Nagar CHSL Grant Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under control of the Interest and the Interest and the Interest and Interes section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jawaharlal R Jain & Rajendrakumar R Jain,

(Transferor)

(2) Smt Shantidevi Babulal Jain.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1 in C Building, Ground floor, Bharat Nagar Co-op, Housing Society Ltd., Bharat Nagar, 342, Grant Road, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6204/85-86 on 21-5-85.

NISAR AHMED Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 1-Scal :

(1) Mr. Dinkar V. Pradhan.

(Transferer)

NOTICE.UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girdharilal G Mistry.

aray be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6748/84-85.—Whereas I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 Jakh Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Flat No. N-4. Dadar (HSL situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moness or other assets which have not both or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 ed 1967):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the came meaning as given in that charte

#### THE SCHEDULE

Flat No. N-4 ir. N Building of Dadar Co-op, Hsg. Soc. Ud., Sharadashram. Bhayani Shankar Road, Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authorry, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1, 6214, 85-86 on 27-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, & surrence of Section 2698 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26949 of the said Act, to the following pemons namely :--

Date : 1-1-1986

(1) Shri Vasu L. Anchan.

(Transferor)

(2) Shri Shivanand Vinayak Mahajan, Smt. Shailaja Shivanand Mahajan.

(Transferec)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6773|84-85.—
Whereas I. NISAR AHMFD.
being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impossible property baying a felt market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000,- and bearing No. Office No. 2, Navjivan Society Lamington Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesing property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 2, Building No. 3, 14th floor, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6239/85-86 on 1-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 1-1-1986

(1) M/s. Vina Manufacturing Company,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Adil Yusuf Nensey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person 'a occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aferciald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Classitic or a period of 30 days from

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

> the survice of metics on the respective persons, which-, ever period carpires intest

Bombay, the 1st January 1986

(b) by any other person interested in the said immovable a 46 days from the date of the publication of the notice in the Official Gamette.

Ref. No. AR-I/37EE/6774|4-85.-Whereas I, NISAR AHMED.

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as ed in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.60.600 - and bearing No. Unit No. 28, Wadala Udyog Bhayan Wadala (and conditions)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 28 on Ground floor of Wadala Udyog Bhavan, 8, Naigaum Cross Road. Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6240/85-86 on 1-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 1-1-1986 Seal :

(1) M/s. Tapan Kendra.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NOOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### (2) M/s. Shubh Arts.

#### ('Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6605|84-85.— Whereas I, NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Unit No. 8, Tantia Indl. Estate J. R. Boricha Marg

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### (a) he have the reduction or evenion of the habitary of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and for

## (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 8 on 1st floor, A Building, Tantia Industrial Estate, Sitaram Mills Compound, J. R. Boricha Marg, Bombay-400 011.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/6127/85-86 on 16-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 3-1-1986 Seal:

#### FORM I.I.N.S.-

(1) M/s. Shah & Nahar Associates,

(Transferor)

(2) M/s. Inter frim Lining, Prop. Rajan K. Lall.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY -

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. Ak-J/37EE/6757/84-85.— Thereas I, NISAR AHMED, Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.
Unit No. 387, Shah & Nahar Industrial Estate A-2 Lower

Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) incilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (to) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 387 on 3rd floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I, 6224/85-86 on 27-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-secton (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 3-1-1986 Seal:

Mr. Shasbikant N Mirani & Mr. Bipin N. Mirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahesh G. Gehi & Mrs. Eshwari G. Gehi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6602184-85.-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00,000 - and bearing No.

Premises No. 14 A/3, New Sion Co-op. Hsg. Society Ltd.
Sion (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, FIRE OIL
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 14 A/3, New Sion Co-op. Hsg. Society Ltd., Sie Sindhi Colony, Sion West, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/6124/85-86 on 16-5-85.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Hombay

Date 3-1-1986 Seai:

(1) Mr. Sudhir T Merchant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Almats Printers.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVRENNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I, 37EH, 6434 84-85,---Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1.00,000 - and bearing No.
Flat No. C/701, Poonam Apts. Worli
Bombay on 3-5-1985

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## (a) facilitating the reduction or evasion of the hability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C/701, Poonam Property Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Shiv Sagar Estate, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 6007, 85-86 on 3-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--161-446GI/85

Date 3-1-1986 Seal:

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

(1) Shri Tansukhlal Uttam Merchant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rehana Asgar Kothawala.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6433/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the neing the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702. Poonam Apts. situated at Worli fand more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by men's than fifteen per cent of such apparent consideration and has the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferces has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, amil/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702 on the 7th floor of Poonam Apartments. Dr.

A. B. Road, Worli. Bombry-406 918.

The Starement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/6006/85-86 on 3-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-1-1986

(1) Shri Dubash Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Anahita P. Dubash.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Pombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6640/84-85.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Southside flat on 4th floor, Parso Colony, Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay

the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Southside flat on 4th floor of Outhouse in 619, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/6154/85-86 on 20-5-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-1-1986

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(2) M/s. Sandeep Garments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6663/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 7, Amir Ind. Estate situated at Lower Parel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at Bombay the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe tant the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer **----1/**---
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957):

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 7 on 1st floor of 'Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound, Sun Mill Lane, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-1/6172/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986

\*(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. ARI/37EE/6781/84-85.—Wherets, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 1. Cleative Ind. Centre situated at N. M. Joshi

Marg

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(2) M/× Ranisati Syntex Private Limited. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the wald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 1 in the basement of the building, CREATIVE INDUSTRIAL CENTRE, Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel Division, Bombay-400 011.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-1/6247/85-86 on 1-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 6-1-1986

#### FORM ITNS....

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jai Prakash Haridas Bhambhani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7003/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 51, Shah & Nabar Indl. Estate A-2 situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 51 on ground floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I/6569/85-86 on 21-6-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range of
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 6-1-1986

#### (1) Shri Harish C Thakkar.

(3) Transferees and family,

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Chhaganlal Nagii Thakkar, Smt. Shanlaben C. Fhakkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6531|84-85,-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24. Dev Anand Bldg. situated at Dr. S. S. Rao Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tag Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 24, 4th floor, Dev Anand Bldg., Dr S S Rao Road, Bombay-460 012.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1:6112/85-86 on 13-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1986

(1) Mrs Poonam Prakash Badalani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR AR-I/37EE/6489/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503, Gyaneshvar Apartment,

situated at Prabliadevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered und resection 259 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority

Bombay on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair martet value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Dr. Naresh Jalota, Shir Triioknath Jalota. Mrs. Sarlarani Jalota, Mr. Pramod Kumar Gupta.

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The term and expressions used herein as EXPLANATION 1 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Gyanishvar Apartment, I kismat Talkies, Cadell Rond, Prabhadevi, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6040/85-86 on 8-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date - 3 1 1986 Sent :

(1) Shri Kishin Dewani.

(Transferor)

(2) Ashok Sabharwal, Sunil Sabharwal.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-J/37EE/6617/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

RS. 1,00.0007- and bearing 190.

Flat No. F-13, Malbar Aparlment, situated at I. Jagmohan Das Road and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compatent Authority. of the Competent Authority at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

162-446GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. F-13, 6th floor, Malabar Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Napeansca Road, L Jagmohandas Marg, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6137/85-86 on 17-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-1 1986

#### PORM ITNS-

(1) Shri S. N. Shahani.

(Transferor)

Shri V. S. Vaidya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY** 

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR NISAR AHMED, AR-I/37EE/6659/84-85 — Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 404, Hind Rajasthan, Bldg. situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 404, 4th floor, Hind Rajasthan Building, Dadar (C. Rly) Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No: AR-1/6169/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incommissioner Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 3-1-1986

Seal .

FORM ITNS———

(1) Shri Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Kanayalal Lachmandas Adnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY** 

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. ARNIHAR AHMED. AR-1/37EE/6853/84-85.--Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Patel Apartments, situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 2.59 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tratuler with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period extrine later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in set of any income arising from the transfer end /or

(b) facilitating the concentment of any income or say maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast. or the Weelth-tax Act. 1957 (27 et 1957):

Flat No. 3, Building No. 7A, 6th floor, Patel Apartments, BG Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6402/85-86 on 4-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in passenge of Section 2000 of the public Ast, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the house of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followtog persons, namely :--

Date : 3-1-1986

(1) Mr Yusuf Abdulla Patel.

(Transferot)

(2) Mr. Himatlal M Kothari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

AR-I/37EE/6855/84-85.--Whereas, Ref. No. AF NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Patel Tower, situated at Worli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ha respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 11th floor, Patel Tower, Worli e Cola Compound, BG Kher Road, Bombay-400 018. Campa

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6405/85-86 on 4-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perso is, namely :--

Date: 3-1-1986

(1) Mr Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Kanayalal Lachmardus Adnani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. A. AR-I/37EE/6856/84-85.--Whereas I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Patel Apartments, situated at Worli (and more fully described in the Schedule appared hereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Building No. 7A, 6th floor, Patel Apartments, BG Kher Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6406/85-86 en 4-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-1-1986

(1) M/s Creative Gifts India.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ranisati Syntex Private Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR NIHAR AHMED, AR-1/37EE/6806/84-85.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 422, Creative Ind. Centre, situated at N M Joshi Marg,

**end** / 01

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 422 on the 4th floor, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N M Joshi Marg, Off Lower Parel Division, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6264/85-86 on 4-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-1-1986

#### FORM TINS-

(1) M/s Hi Fashions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Radhe Mukund & Co.

ony be unde in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 6th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty

Ref. No. AR-I/37EE/7025/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 249, Kewal Ind. Estate. situated in Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been temperatured and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office the Competent Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferol to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ora

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Unit No. 249 on 2nd floor of Kewal Industries Estate, Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6591/85-86 on 24-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-1-86

(1) Shri Narendra T Kothari, HUF, Kurta Narendra T Kothari,

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 267D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Kanan Enterprises.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-NIHAR AHMED. AR-1/37EE/6730/84-85.-- Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Sion Maryland CHS situated at Sion

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Ast in respect of any income arising from the transfer, end/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Sion Maryland Co-op. Hsg. Society Ltd., Ground floor, Sion. Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6199/85-86 on 2-5-85.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986 Seal:

(1) Shri Jitendra P Shah & Smt. Mradula J Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanji P Shah & Smt. Geeta Shah,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6600/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing flat No. 504, Bhawani Comples Bldg, situated at Dadar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7/5/1985

at Bomboy on 7/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hiability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 504, on 5th floor in Bhawani Complex Bldg. A, Bhawani Shankar Road. Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6438/85-86 on 7-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:—
163—446GI/85

Date: 6-1-1986

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Kowal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Essay Men's Wear Pvt, Ltd.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6943/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Unit No. 420, Kewal Indl. Estate

situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 14-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be prade in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons/y whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 420 on 4th floor, A Wing of Kewal Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6511/85-86 on 14-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferee)

(2) M/s. Uma Offset.

Gazette.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> > whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6763/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 86, Shah & Nahar

Indl. Estate A-2, situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ranster with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 86 on ground floor of Shah & Nahar Indl. Fstate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-J, Bombay, under Serial No. AR-1/6439/85-86 on 1-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arrorecald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 6-1-1986

Scal:

ing persons, namely:-

(1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Essay Men's Wear Pvt. Ltd.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6795/84-85.-NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 408, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following norsons, mamely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 408 on 4th floor, A Wing of Kewal Industrial Estate, Lower Parel, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/6253/85-86 on 4-6-85.

NISAR AHMED Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(fransferor)

(2) M/s, Uma Offset.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6763/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 85, Shah & Nahar Indl Estate A-2,

situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any naoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Inx Act, 1957 (27 of 1957):

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
164—446G1/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are dened if the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 85 on ground floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6229/85-86 on 21-6-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-1986

Seel :

FORM ITNS----- 187

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Maheshwari Industries.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

UPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6876/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2691 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 424, Shah & Nahar Indl Estate A-1,

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (1918] souidxy poised 194201014

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the mid Act. in respect of any income origing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Unit No. 424, on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Fstate A-1. S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6309/85-86 on 12-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parmely :---

Date: 6-1-1986

#### FORM ITNS----

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EF/6472/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 61, The Worli Pankaj Mansion Co-op. Hsg. Soc.

Ltd. situated at Worli

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ruwler anbsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri R. K. Kamchan & Smt. Saraswati R Kanchan.

(Transferee)

(2) Shri Om Prakash Nijhara,

(Transferor)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 61, 11th floor, Bldg. No. 8-A, The Worli Pankaj Mansion Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Worli Naka, Dr. Annie Besart Road, Worli, Bombey-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6030/85-86 on 6-5-85,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-1-1986

(1) Shri Madhukant Kanji Thocker,

(Transferee,

(2) Shri Chandrakant M. Dedhia.

(Transferor)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6435/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat Nos. 9 & 11, Jay Bharati Bldg. situated at Wadala

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) By any of the aforesaid persons withiz a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice of notice of notice of the reservice of notice of not pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9 & 11 on 2nd 'lloor of Jay Bharati Building. Plot No. 171, Nathalal Parekh Marg, Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6008/85-86 on 3-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate processing, for the acquisition of the property by the issue of this notice under subof Section 269D of the said Act, to the follownamely :--

Date: 6-1-1986

(1) Mrs. Jyoti Prakash Kulkarni,

(3) Transferees.

(Transferee)

(2) M/s. Chaudhari, Pradhan & Deo 1. Shri Kishore P Chadhuri,

Shri Ashok Kumar Pradhan and Shri Vasant Vishnu Deo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I. **BOMBAY** 

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6775/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Room No. 5, Shri Samarth Prasanna Co-op, Hsg. Soc. Ltd.
Situated at Dadar (W)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acr or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 5, ground floor, Shri Samarth Prasanna Co-op. Hsg. Soc., D S Bubrekar Marg, Dadar West, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/634/85-86 on 1-6-85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-I, Bombay,

Date: 6-1-1986

FORM ITNS----

(1) Shah & Nahar Associates,

(Transferor)

(2) M/s. Prash Process.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6875/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 456, Shah & Nahar Indl. Estate. Λ-2

situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bambay on 12-6-1985

fer an apparent consideration which is less than the fair marter an apparent consideration which is less take the rair sear-ted value of the aforesaid present, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said histriment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) incommitting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay war under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Unit No. 456 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/6308/85-86 on 12-6-85.

NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986